





सर्कस

सुपर कमांडो ध्रुव



सुपर कमांडो ध्रुव

सर्कस

कथा एवं चित्रः
अनुपम सिन्हा
ड्रैकिंगः
विनोद कुमार
सुलेख एवं रंगाः
सुनील पाण्डेय
संपादकः
मनीष गुप्ता

सर्कस - संसार से अलग एक दूसरा
संसार। इसी संसार में पैदा हुआ था...
सुपर कमांडो ध्रुव !

और इसी संसार में मरेगा, सुपर कमांडो ध्रुव -

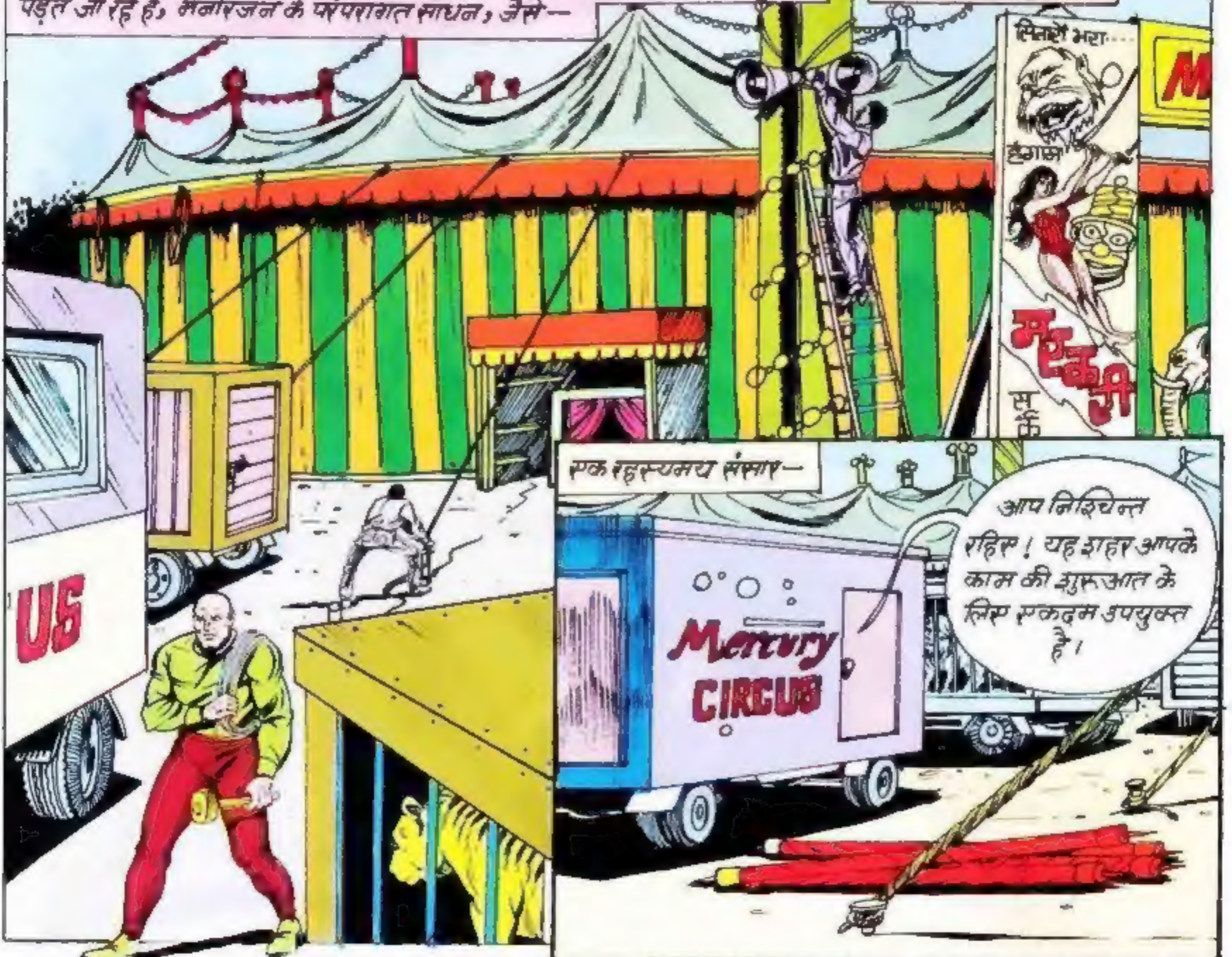


बदलते समय के साथ-साथ, मनोरंजन के नए-नए साधन, हमारी जिन्दगी में आते जा रहे हैं—



और उन नए-नए सुविधाजनक, लुभावने और चमकदार साधनों के सामने कीड़े पड़ते जा रहे हैं, मनोरंजन के परंपरागत साधन, जैसे—

-सर्कस-





यह तो मैं तुम्हारे मस्तिष्क को पढ़ कर वैसे भी जान चुका हूँ। लेकिन अभी भी एक बड़ी समस्या बाकी है, आचप्पा !

मैं 'सर्कस' के इस तंबू से बाहर नहीं निकल सकता !



और मेरा अभियान सफल होने के लिए यह जरूरी है, कि इस सर्कस को देखने इस शहर के प्रभावशाली व्यक्तियों के साथ-साथ, ज्यादा से ज्यादा लोग आएँ।

क्योंकि मेरे प्रभाव का घेरा अभी इस सर्कस की बाजूंदी तक ही सीमित है।

ऐसा ही होगा !

तुम्हारी सांसें चलते रहने के लिए यह जरूरी है, कि ऐसा ही हो।

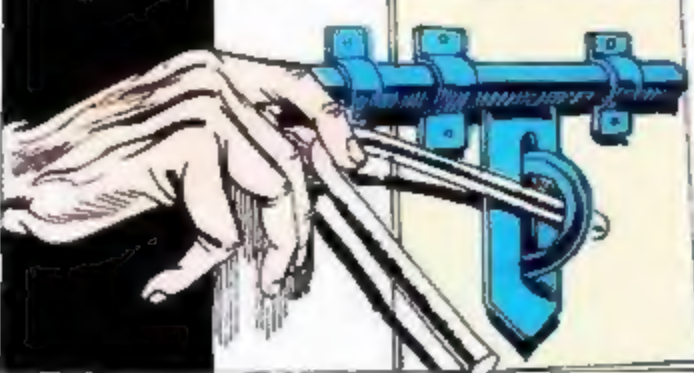
लेकिन उसी समय - सर्कस का सामान लगाते व्यस्त लोगों के बीच-



यही मौका है। इस वक्त कोई भी इस तरफ ध्यान नहीं दे रहा है !



मैं उस दुष्ट की योजना को कभी कामयाब नहीं होने दूँगा। मैं उससे सीधी लड़ाई में तो कभी जीत नहीं सकता। लेकिन इतना तो जरूर कर सकता हूँ ०००



००० कि बदनामी और जनता के विरोध के कारण सर्कस को यह शहर छोड़ने पर मजबूर होना पड़े।

और सर्कस का मालिक आचप्पा भूरवा मर जाए।



पिंजरा खुलते ही— एक तेज दहाड़ ने पूरे सर्कस के वातावरण को पहले तो गुंजा दिया—

दहाड़



और फिर स्तब्ध कर दिया—

दहाड़ की आवाज अंदर तक जा पहुंची थी—

यह कैसी आवाज थी, आयप्पा?

यह क्या? बबर पिंजरे के बाहर कैसे आ गया? यह तो पागल डोर है!

हां! इसको तो डो तक के लिए नहीं निकाला जाता। भागो!

तो रोको उसे, मूर्ख! मैंने मेयर पर अपना प्रभाव डालकर सर्कस को शहर के बीचो-बीच वाले मैदान पर लगावाया है।

और वह इसलिए ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग हमारा डो देखने आएं। इसलिए नहीं कि एक पागल डोर, शहर में जाकर तबाही मचाए, और हमको यहां से तंबू उखाड़ना पड़े।



यह तो बबर के दहाड़ने की आवाज थी। और वह सिर्फ तभी दहाड़ता है, जब वह पिंजरे से बाहर निकलता है...



उसका दिमाग अभी भी लेकिन अब मैं उसको यहां से बैठा, बैठा, संयोजित नहीं कर सकता!

मुझे आभास हो रहा है कि बबर, सर्कस की बाकेंद्री के बाहर निकल चुका है। और मेरी शक्तियां उस बाकेंद्री के बाहर काम नहीं करती!



यह पर बबर भी तो तुम्हारे कंट्रोल में था।



जाओ! रोको उसे!

लेकिन बबर तब तक सर्कस का मैदान पार करके बाहर निकल चुका था—



एक पगल डोर, राजनगर में खुला घूम रहा था—



देखो, ध्रुव! यह है मेरे 'मेटल-मैग्निफायर' का कमाल!

यह एक आम आदमी की मानसिक तरंगों को भी इतना शक्तिशाली कर सकता है, कि वह एक पानी भरा गिलास, मानसिक तरंगों से उठा सके।

और... हां! इससे किसी के दिमाग को वहां में भी किया जा सकता है।

किसी के भी?

और अगर इसका इस्तेमाल कोई ऐसा व्यक्ति करे, जिसके पास पहले से ही मानसिक शक्तियां हैं तो वह मानसिक तरंगों से पूरी बिल्डिंग उठा सकता है, नदी के पानी का रुख मोड़ सकता है... और पहाड़ तक में सुरंग बना सकता है।



इस बारे में मेरा प्रयोग अभी अधूरा है। और उसी के लिए मैंने तुमको बुलाया है।

मैं यह देखना चाहता हूँ कि किसी बुद्धि-इच्छा-शक्ति वाले व्यक्ति पर इसका क्या असर होता है!

और तुमसे ज्यादा बुद्धि-इच्छा-शक्ति वाला व्यक्ति मेरी नजर में नहीं है।



कमाल का आविष्कार है। और यह क्या-क्या कर सकता है?



अब मैं तुम्हारे मस्तिष्क को अपने कब्जे में लेने की कोशिश करूंगा, और तुम उसका विरोध करना !

ठीक है, प्रोफेसर वर्मा ! मैं तैयार हूँ। आप प्रयोग शुरू कीजिए !

प्रोफेसर वर्मा की मानसिक तरंगों 'मेटल-मेविकेयर' से होती हुई ध्रुव के मस्तिष्क को भेदने लगीं—



एक गुराहट ने ध्रुव को, बात बीच में ही रोकने पर मजबूर कर दिया—

गर्जना



वह उन स्कूल के बच्चों पर
कूदने जा रहा है। प्रोफेसर, आप
अपने मानसिक यंत्र से इस शेर को
कंट्रोल करने की कोशिश कीजिए!

मतलब ?

मैं कोशिश कर रहा हूँ ध्रुव !
लेकिन कुछ हो नहीं रहा है। इस शेर के
मस्तिष्क पर पहले से ही कोई मानसिक
अवरोध लगा हुआ है।

मतलब इस शेर का
दिमाग पहले से ही किसी और
के कंट्रोल में है।

दोनों के शरीर हवा में ही एक-
दूसरे से टकराकर -

तब तो मैं ही
इसे रोकने की
कोशिश करता हूँ।

दहाड़

ध्वा
डुं डुं डुं

इधर शेर ने मासूम बच्चों पर धुलांग लगाई,
और उधर ध्रुव ने खिड़की से शेर की तरफ -

दूर जा गिरे -

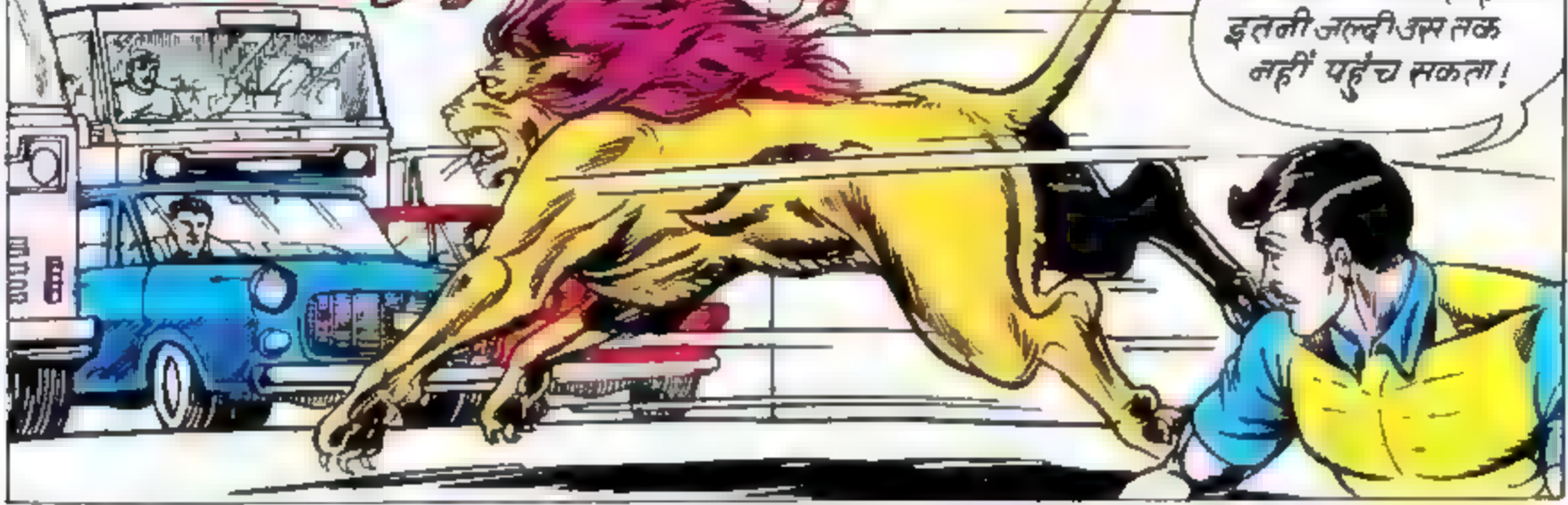


अगले ही पल - सबके चेहरों पर दहशत फैल गई -

साक्षात् मौत उनके सामने से दौड़ती हुई, करीब आ रही थी -

दहशत डड़ डड़ डड़ डड़

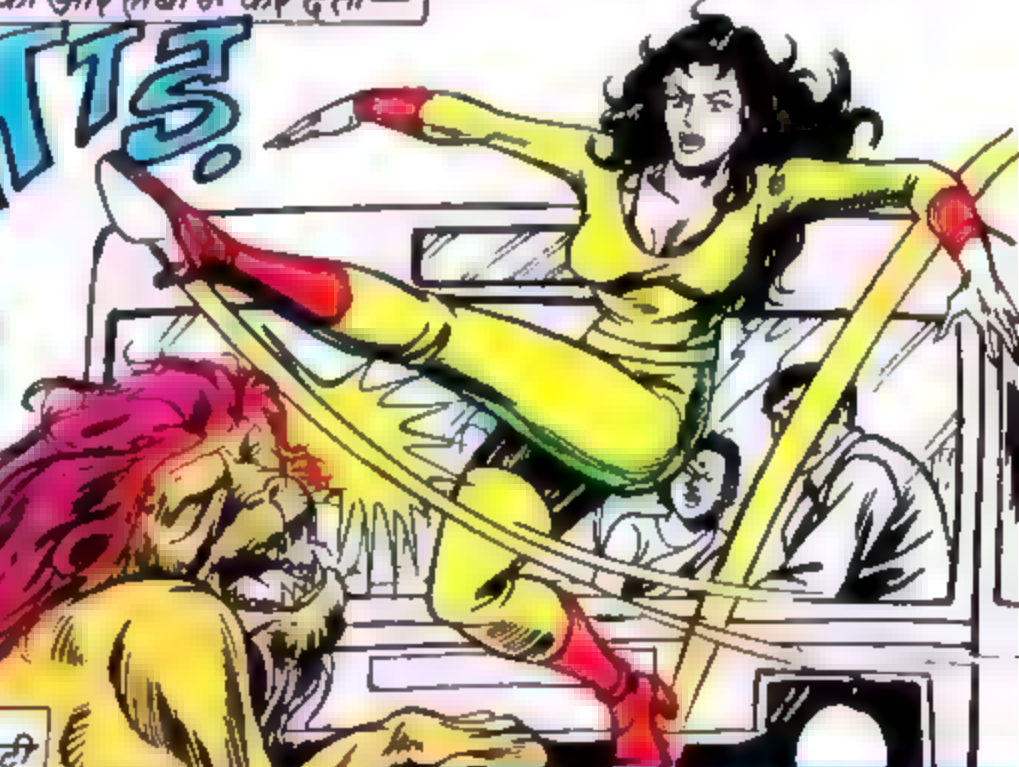
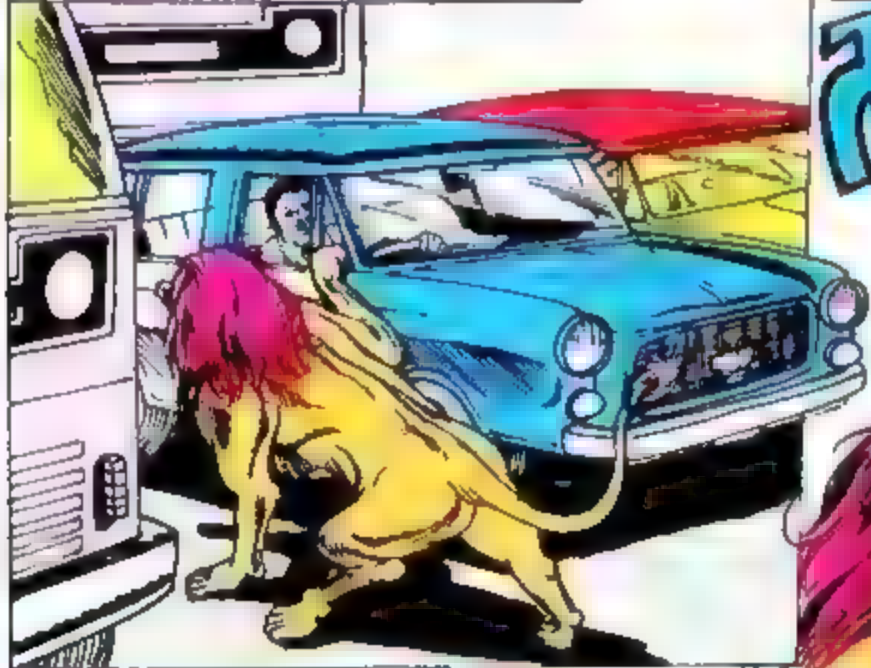
ओह! यह तो गाड़ियों की तरफ भाग रहा है। मैं इतनी जल्दी उस तक नहीं पहुँच सकता!



कार के डीढ़ो बंद कर पाने तक का समय नहीं मिला, दहशत के कांपते उन हाथों को -

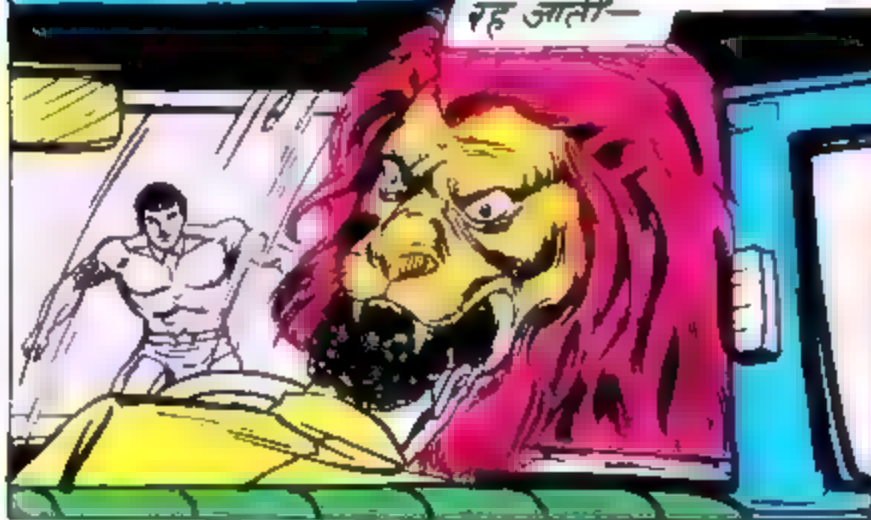
अगर... अगर कोई बीच में आकर, उसकी जिन्दगी की रेखा को और लंबा न कर देता -

ताड़



मौत के जबड़े, उस बदनसीब की रसोपड़ी पर कस गए -

एक पल बाद ही, भय से फटी वे आँखें हमेशा के लिए फटी रह जाती -



अरे! यह लड़की कौन है? गजब की साहसी है। जिस डोर को देखकर ही लोगों के हाथ-पैर झुनझुन पड़ जाते हैं, उससे यह मुकाबला कर रही है।

अगले ही पल- ध्रुव, डोर को अपनी गिरफ्त में ले चुका था-



डोर तड़पकर सीधा हुआ, तो अब ध्रुव उसकी पीठ पर सवार था-

कुछ भी इसने मुझे वह मौका दिया है, हो! जिसकी मुझे तलाश थी।

बेल्ट खोलकर उसके हाथ में आ चुकी थी-

और उस बेल्ट का फंदा डोर की गर्दन पर कस चुका था-

गर्ज



सर्कस वाले भी घटनास्थल पर आ चुके थे-

चिन्हा

अरे! यह लड़का कौन है? बक्का की सवारी कर रहा है?



सर्कस

ओफ़! अब हम बबर को जाल में पकड़ भी नहीं सकते। जाल डालेंगे तो यह लड़का भी बबर के साथ ही साथ कैद हो जाएगा।

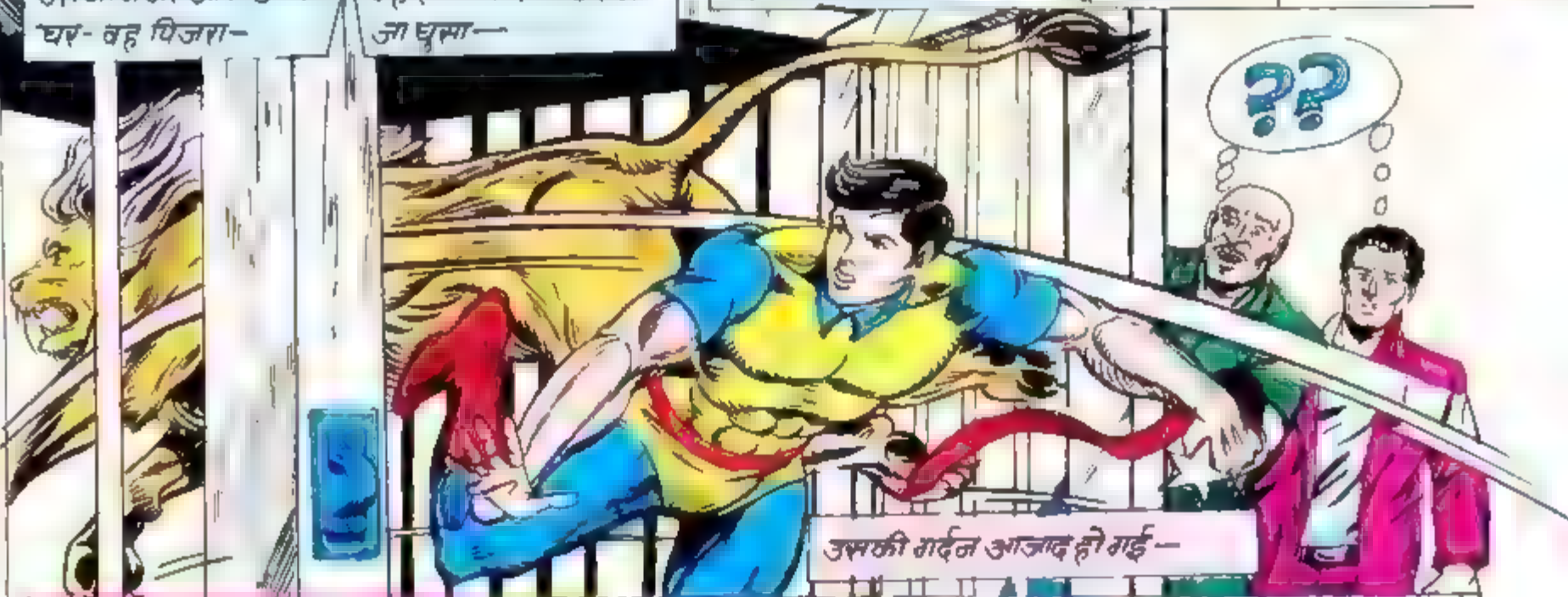
बबर का दम घुट रहा था। अब उसके पालतू दिसावा में भयाने अपना कब्जा जमाना शुरू कर दिया था—



उसकी नजर आया अपना घर— वह पिजरा—

वह लपककर पिंजरे में जा घुसा—

वह भागकर छिपने की जगह ढूंढ़ रहा था—



उसकी गर्दन आजाद हो गई—

और फिर ये कदम जो बंद हो गया—

कमाल हो गया! बबर तुमसे डर गया!

यह तुम्हारे सर्कस इस पागल डोर को खुला का डोर है? क्यों छोड़ा था?

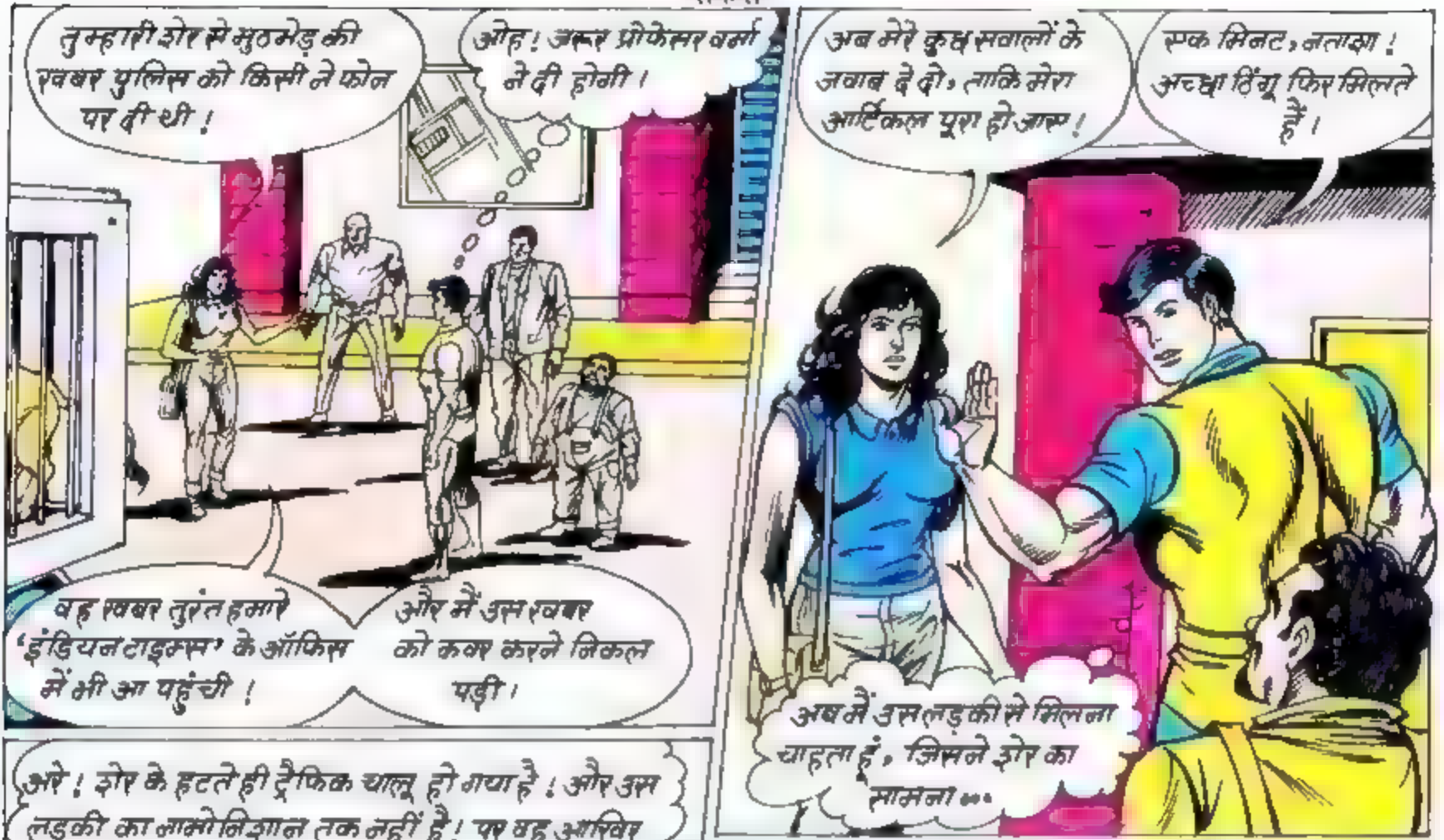


आज तक ऐसा कभी नहीं हुआ कि बबर को बिना जाल डाले पिंजरे में वापस लाया गया हो!

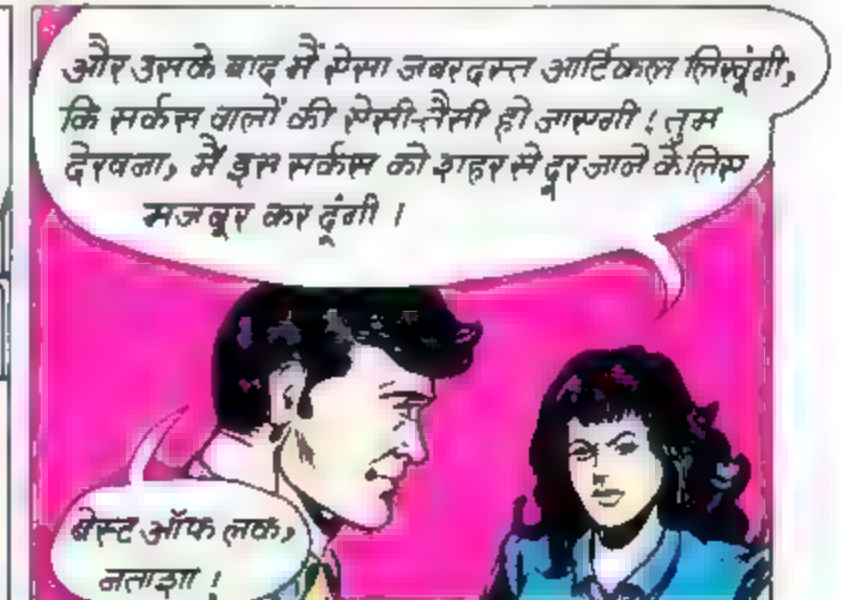
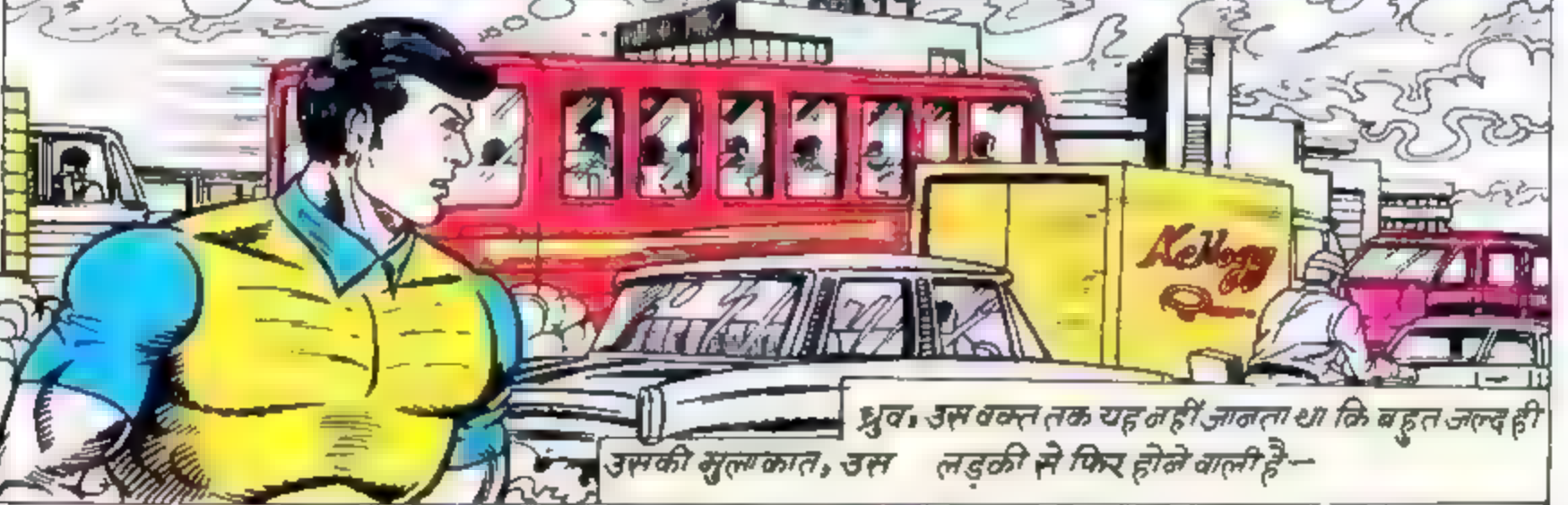


धुब की आंखों में छलकता क्रोध देरवकर—





अरे ! डोर के हटते ही ट्रैफिक चालू हो गया है ! और उस लड़की का नामो निशान तक नहीं है ! पर वह आखिर थी कौन ?







आप मेरे साथ मेरे
'टॉलर केबिन' में
आइए।

मैं आपको आपके हर
सवाल का, माकूल जवाब
दूंगा।

तुम दो मिनट
इंतजार करना, धुव! डायद ये सर्कस का मालिक,
मैं अभी आई! तुम्हारे सामने मुझसे खुलकर
बात न कर सके!



सर्कस
और इसी वक्त-

देखो ठिगू! मैदान
साफ है न!

फिलहाल तो अपना मैदान
सफाचट समझिए सर! अभी
रुक जाइए।

सुपर कमांडो धुव यहां पर
आया हुआ है!



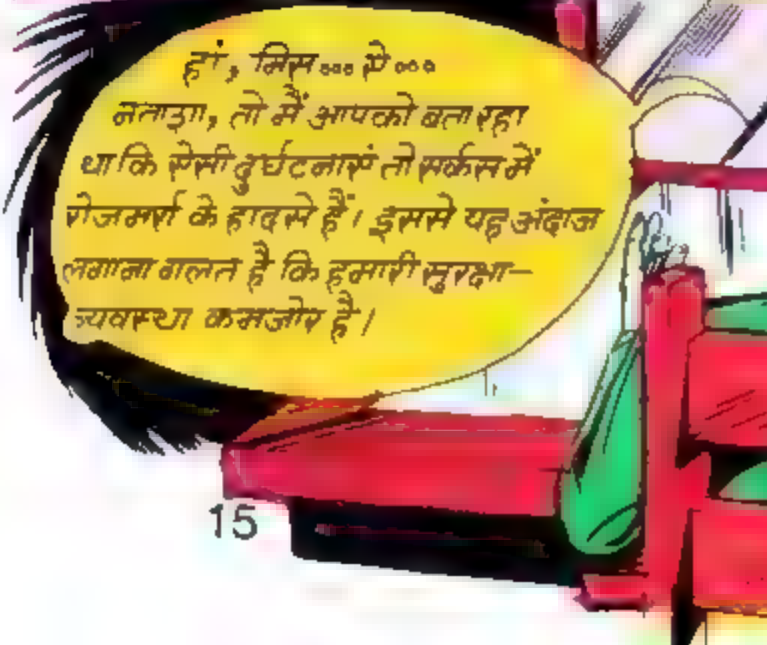
यह तो और अच्छा है, ठिगू!
अगर उसकी आंखों के सामने
ही एक भयानक सक्सीडेंट हो
जाए, तो वह भी इस सर्कस के
विलाफ हो जाएगा।



तुम देखो कि 'इलेक्ट्रिक केबिन' तक जाने
का रास्ता साफ है या नहीं!

साफ ही
समझिए!

वैसे भी इस सर्कस में आप मेरे
कोई किसी पर ध्यान साथ आइए।
नहीं देता।



हां, मिस... से...
जताऊा, तो मैं आपको बता रहा
था कि ऐसी दुर्घटनाएं तो सर्कस में
रोजमर्रा के हावसे हैं। इससे यह अंदाज
लगाना गलत है कि हमारी सुरक्षा-
ज्यवस्था कमजोर है।



अगर एक पागल
डोर को सर्कस में भागकर
शहर में जनता पर हमला
करना रोजमर्रा का हावसा
है...

... तो बेहतर यही
होगा कि सर्कस को
आबादी से दूर किसी स्थान
पर लगाया जाए!

अगले ही पल - जलाशा को अपने दिमाग में गर्म चाकू से धंसते महसूस हुए -

उसका अंग-अंग कांप उठा -

और इसी दौरान -

यही मौका है। इलेक्ट्रिकरूम में इस वक़्त कोई नहीं है। अब मैं ट्रान्सफार्मर पर लोड बढ़ाता हूँ। उसके बाद तू जलाशा देखना ठिगू!



हाथों की पूरी ताकत ने 'कनेक्टर' को खींच दिया -

और 'ओक लोड' होते ही, ट्रान्सफार्मर एक धसाके के साथ फट पड़ा -



ओह!

ओह! शायद सर्कस में कहीं शार्ट-सर्किट होने से ट्रान्सफार्मर फट गया है।



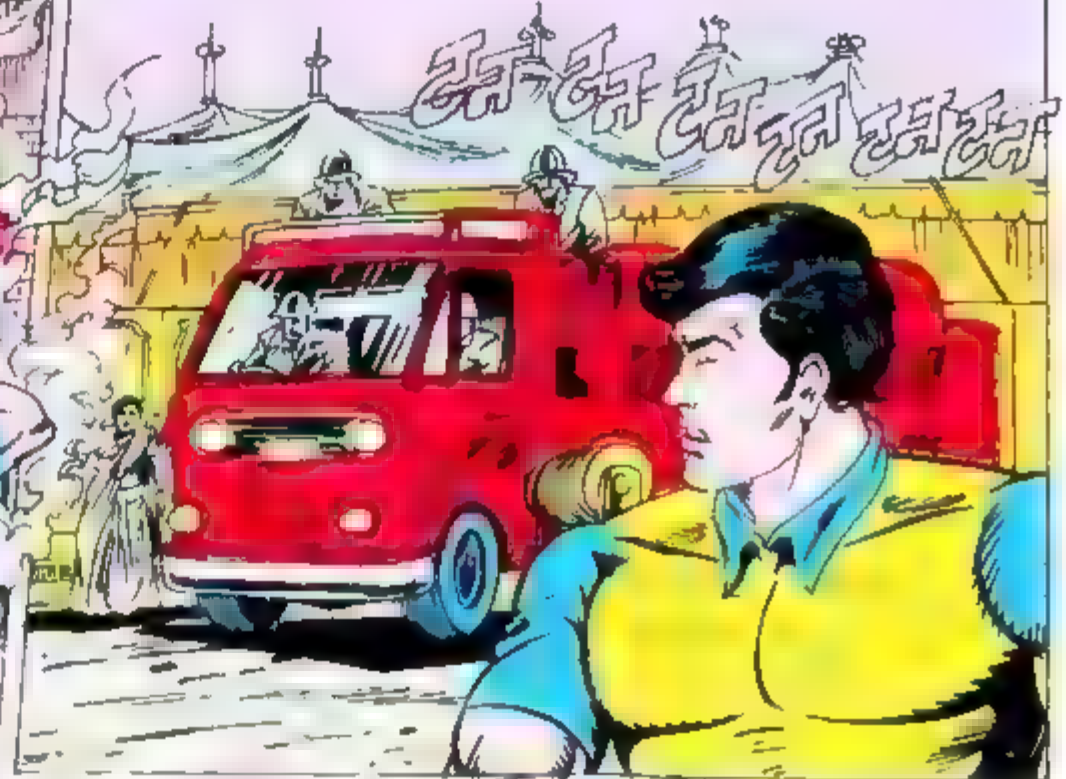
और उससे उस मकान में आग लग गई है।

अरे, बचाओ रे! आग लग गई।

ओह ! लगाता है, नीचे से छत तक जाले वाला सीढ़ियों का पूरा हिस्सा आग में धिर गया है। वह लड़का न ऊपर जा सकता है, न नीचे आ सकता है !

रुन्गलों में दूबे ध्रुव को टनटनहट की एक आवाज ने जगा दिया—

फायर ब्रिगेड की गाड़ी घटनास्थल पर आ गई थी—

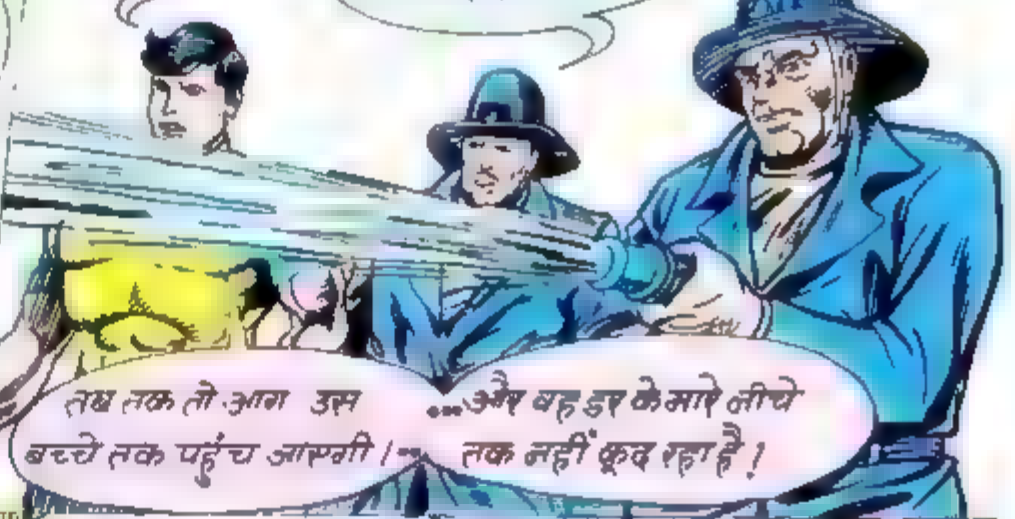


इस इमारत में अंदर पहुंचने का और कोई रास्ता नजर भी नहीं आ रहा है !

जल्दी करिए ! सीढ़ी लगाइए ! तब तक आग में ऊपर जाकर उस बच्चे को बचाने की कोशिश करता हूं।... आग बुझाने का इंतजाम कीजिए !

ओफ ! अब क्या होगा ?

चबराओ मत ! हम लोग आग बुझाने का प्रयास कर रहे हैं !



तब तक तो आग उस बच्चे तक पहुंच जाएगी !... और वह डर के मारे नीचे तक नहीं कूद रहा है !

मैं गाड़ी की छत पर चढ़कर, छलांग लगाकर, उस खिड़की तक पहुंचने की कोशिश कर सकता हूं। पर मैं उतनी ऊपर छलांग नहीं लगा सकता !...

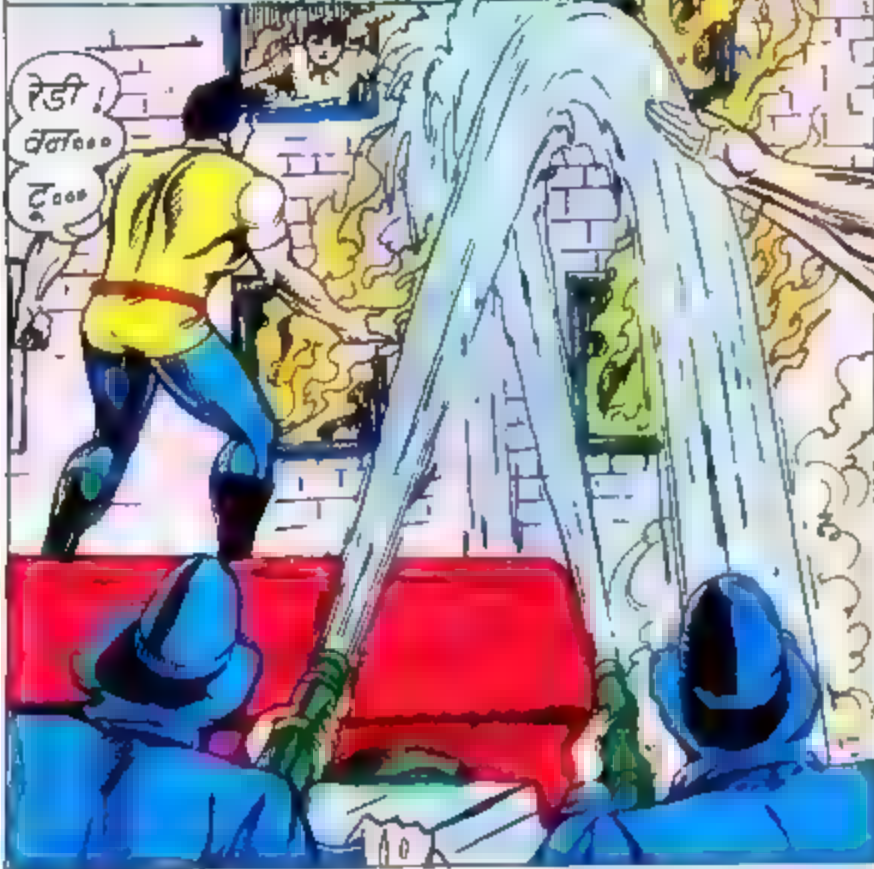
...अगर छलांग लगाते वक्त मुझे जरा सा और धक्का मिल जाए, तो मैं उस खिड़की तक... एक मिनट...

...मिल गया रास्ता !

मेरी बात ध्यान से सुनो...

यह सीढ़ी वाली गाड़ी नहीं है, ध्रुव ! हम लोगों को जल्दी में जो गाड़ी मिली, वही लेकर चले आए।

अगले कुछ पलों बाद- ध्रुव, कायर बिरोड की
गाड़ी की छत पर आ खड़ा हुआ था-



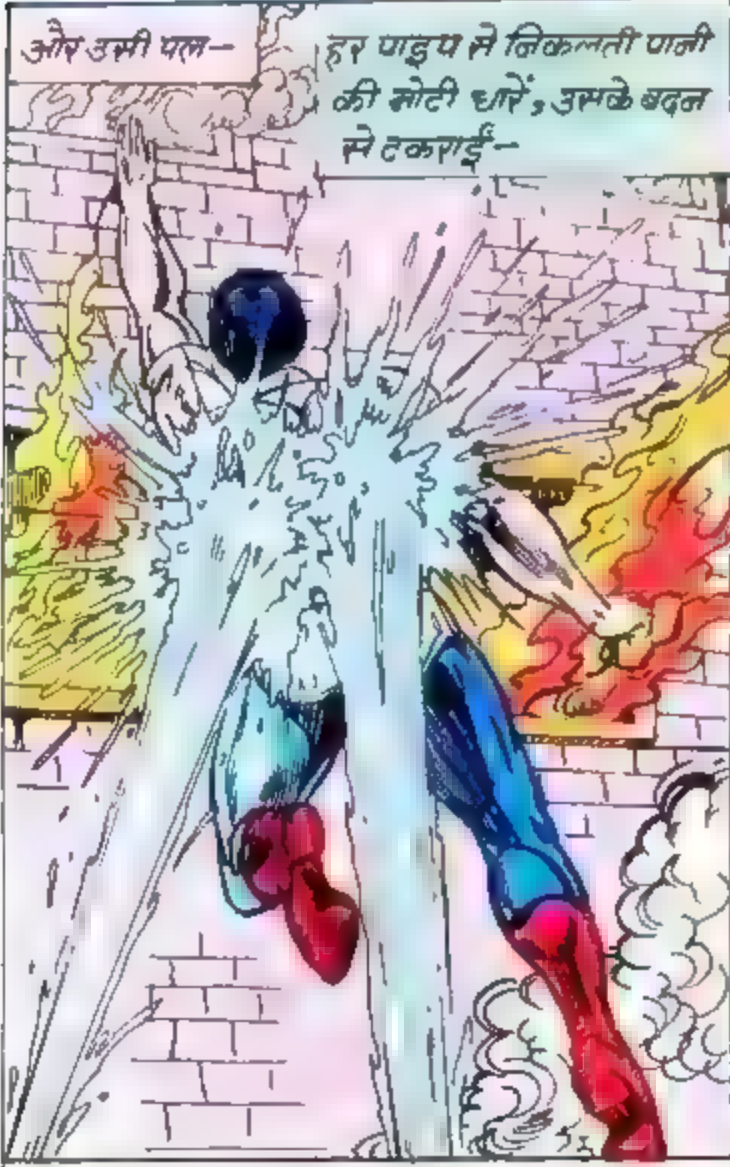
ध्रुव...

ध्रुव का बदल, एक इक्तिशाली धलांग
से, हवा में लहरा गया-



और उसी पल-

हर पाइप से निकलती पानी
की मोटी धारे, उसके बदल
से टकराई-



... ध्रुव की छिड़की तक उधाल दिया-

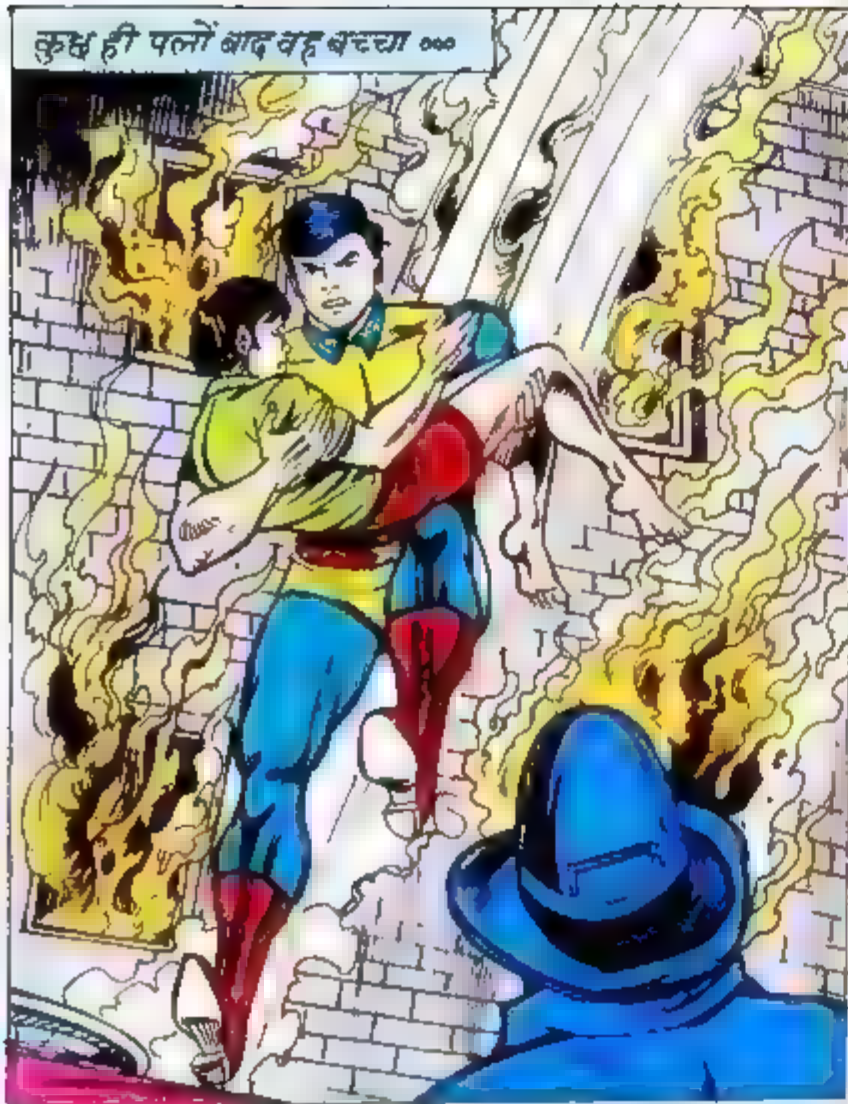


मम्मी... ऊं ऊं ऊंवा... खौ खौ
मम्मी के पास जला... खौ...

डरो नहीं, बेटे! मैं तुमको
मम्मी के पास ले-चलूंगा।
आओ! मेरे साथ आओ!



और पानी की तेज और सम्मिलित धारों के प्रेझर ने...



कुछ ही पलों बाद वह बच्चा ०००



००० अपनी मां की गोद में सुरक्षित था—

थैंक्यू ध्रुव ! तुमने हमको अच्छा सबक दिया !

अब हम लोग हर 'फायर-वेन' में सीढ़ी फिट कराकर रखेंगे।

और वापस सर्कस में—

नहीं नताशा ! ऐसे हादसे शायद कई सालों में एक बार होते हैं ! तुम ०००



नताशा, तुम्हारा इंटरव्यू हो गया ?

हां, ध्रुव ! इस सर्कस के बारे में मेरी सारी गलतफहमियां दूर हो गईं।

Merc
Circu

नहीं, नताशा ! कहीं कुछ गड़बड़ जरूर है। इस शहर में सर्कस के लगते ही लगातार दो हादसे हो जाते हैं। यह बताता है कि इस सर्कस की कार्य प्रणाली में कुछ गड़बड़ है।

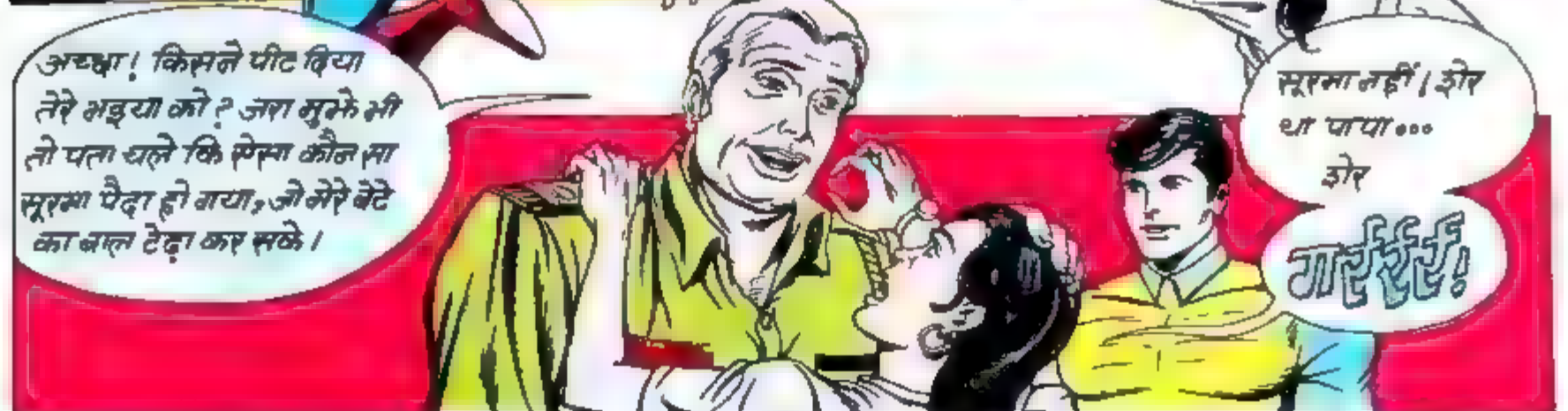
ये मामूली हादसे हैं ध्रुव ! सर्कस में होते रहते हैं।



मैं अपना दिमाग नीरवली हूं ध्रुव !

मुझे समझने की कोशिश मत करो।







डोर! क्या हुआ था, ध्रुव?

ध्रुव, आई. जी. राजन की प्रोफेसर वर्मा और उनके मानसिक चक्र की बात छोड़कर, सारी घटना सुनाता चला गया—



लेकिन तुम तो डोरों से बात कर सकते हो!

वह डोर मेरी बात नहीं समझ रहा था। मुझे भागना हुआ कि उसका दिमाग किसी के कब्जे में था!

आश्चर्य है! और वह सर्कस का ट्रान्सफार्मर कैसे उड़ गया?

वह मुझे पता नहीं!



ओह! यानी सर्कस की सुरक्षा व्यवस्था में कुछ कमियां हैं।

मुझे एक बात और समझ में नहीं आई...

मैंने मेयर साहब से इस बारे में बात की थी। पर मुझे कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला!

खैर, अभी मैं खुद सर्कस जाता हूँ... और वहां पर जाकर उनकी सुरक्षा व्यवस्था को अच्छी तरह चेक करूंगा।



...और वह यह कि मेयर साहब ने इस मैदान पर सर्कस लगाने की अनुमति क्यों दी? यह मैदान तो लोगों के घूमने-खेलने के लिए है।



दोनों में से किसी का भी ध्यान डबेला पर नहीं था—

एक पागल डोर किसी दूसरे के मानसिक कंट्रोल में! ऐसा कभी सुना तो नहीं। लगता है चंडिका को बीच मैदान में कूदना ही पड़ेगा।

हैलो, करीम !

यहां ही नहीं, बिजली आस-पास के किसी भी घरिया में नहीं आ रही है!

ऐसा करो:

हेल्सो, कैप्टेन !

क्या बात है, जेनरेटर
क्यों चल रहा है? बिजली नहीं
आ रही है क्या?

सरकारी सर्कस को जिस लाइन से बिजली सपनाई की जा रही थी, उसमें कुछ खराबी हो गई है।

हां, उस लाइन पर का
लक ट्रांसफार्मर उड़ गया
है।

ठीक पता है तुमको ! उससे पॉवर लाइन में कहीं डाईट- सर्किट हो गया है। अब सर्किस को हमारी लाइन की बिजली सप्लाय की जा रही है।

कमल है! कई जरूरी कामों को छोड़कर, स्कूल को बिजली दी जा रही है।

और इस तरह
के निवासी, अंधरे
में बैठे हुए हैं।

हां, लगता है कि सर्कस वालों का राज-
नगर इलैक्ट्रिक स्पेनार्ड एक्सोसिग्नल पर काफी
प्रभाव है। ठीक ऐसा नहीं होता।

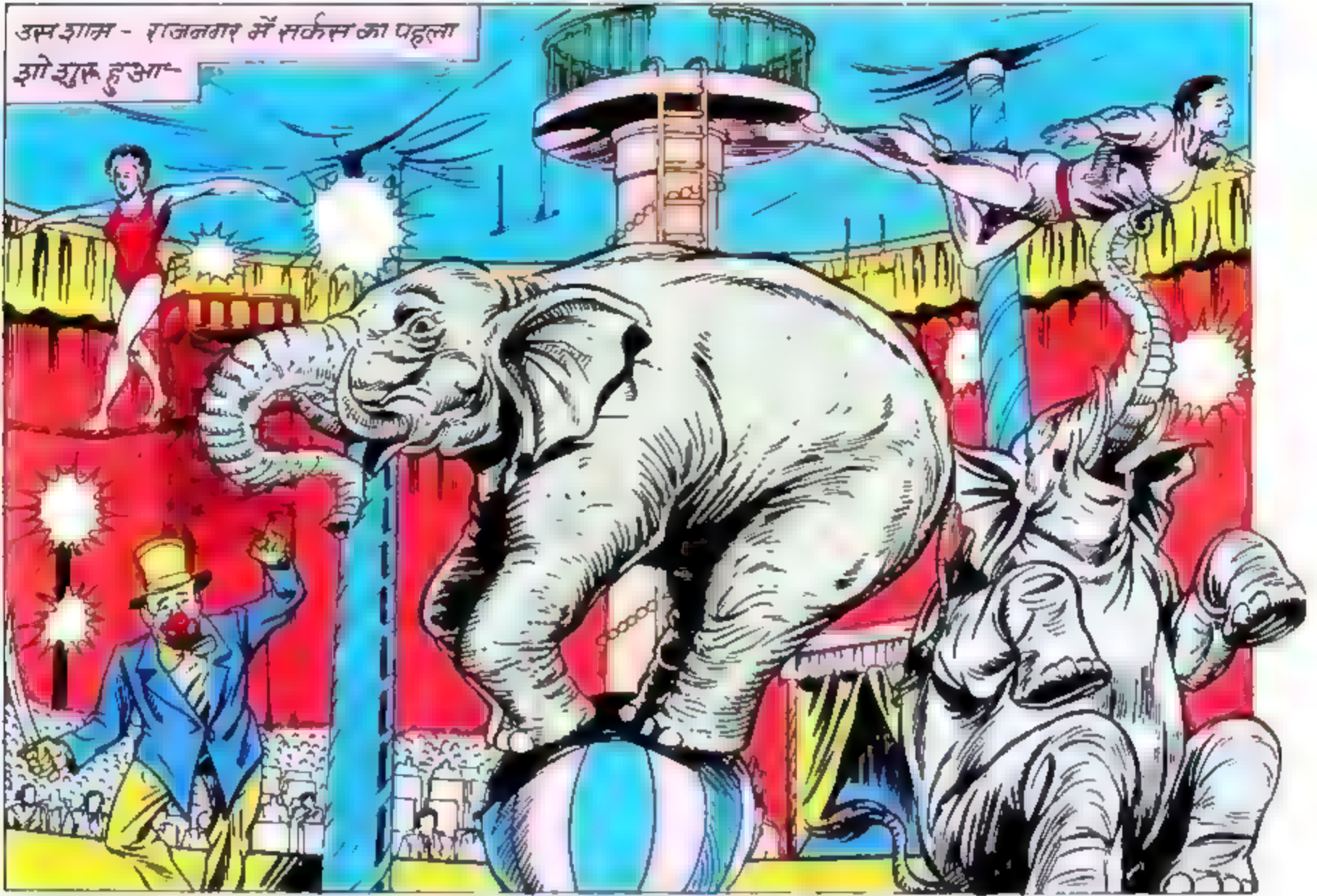
सामला कुछ समय में नहीं आ रहा। पहले इस पार्क में सर्कस लगाने की इजाजत मिलना! फिर शहर की बिजली काटकर सर्कस को बिजली देना... अब आगे क्या होगा?

मैं भी चाहता हूँ कि
सर्वकर्म को
सुविधापूर्वक
जाय।

लेकिन यह तो जल्द ही
से ज्यादा हो रहा है।

कहीं पर कुछ गड़बड़ है।
मुझे मर करी त्यक्त की खानबीन
करनी ही पड़ेगी।

उस शाम - राजनगर में सर्कस का पहला शो शुरू हुआ-



और साथ ही साथ शुरू हुआ एक नया हंगामा-

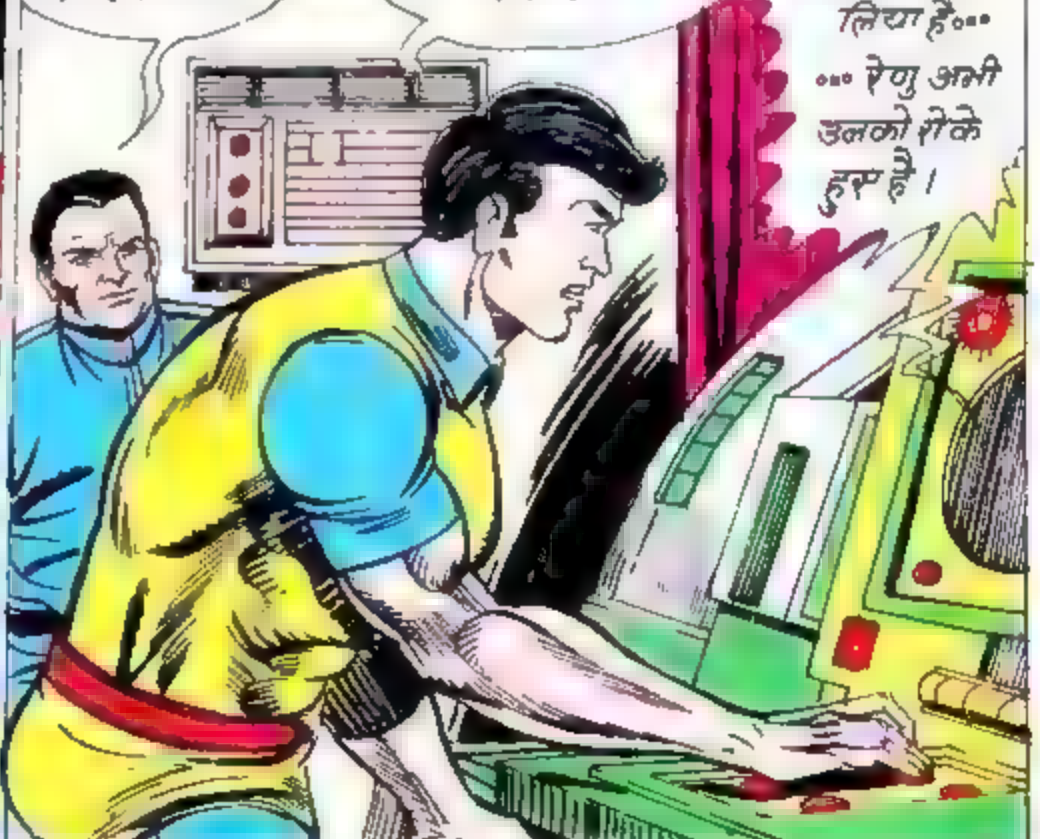


हैलो... हैलो... करीम!
कै... आह... पीटर!

पीटर को क्या हुआ? यह कराह क्यों रहा है?

यह पूर्वी राजनगर की गड़त पर गया था!

रेणु भी इसके साथ थी। कुछ गड़बड़ हो गई है।



पीटर! मैं कैप्टेन! क्या हुआ? तुम कहां से बोलें रहे हो?

मैं लोधी चौक पर हूं। गुंडों ने हमें घेर लिया है...
... रेणु अभी उनको रोके हुए है।

लेकिन वह भी ज्यादा
देर तक इनको रोक नहीं...
आह...

... और फिर तेरे कैप्टेन
सुपर कमांडो धुव को!

आह!

... आज तेरी कहानी
खत्म होकर रहेगी। पहले हम
कमांडो फोर्स को खत्म
करेंगे...

कमांडो फोर्स को तुम जैसे
माली के कीड़े कभी चाट नहीं
सकते।

तड़क

अब मैं पहले तेरी खोपड़ी को
फाड़ूंगा, छोकरी!

और फिर तेरे दोस्त की
खोपड़िया उड़ाऊंगा।

और बेताब ही रह गई

लगा खोपड़ी का
लिझाना, उस्ताद!

ट्रिगर पर उंगली दबाने को बेताब हुई

घटनास्थल पर आ चुका था...

अपने कैप्टेन की उपस्थिति ने, कमांडो रेणु की रगों में दौड़ते रवून को एक बार फिर खौला दिया—

सुपर कमांडो धुव ! आह !

कैप्टेन !

ताड़ ताड़

और फिर लड़ाई खत्म होने में...

... ज्यादा देर नहीं लगी—

ताड़ ताड़

धुव

ओह ! पीटर को गोली लग गई है !

यहां पर क्या हो रहा था रेणु ?

मैं और पीटर 'कमांडो वैन' में इस इलाके में गड़बड़ लगा रहे थे। तभी हमने इन गुंडों को खुलेआम हाथियार लेकर घूमते देखा!

और ये बात शायद इन गुंडों की भी पता थी। क्योंकि इनके हाथों से काफी बुलन्द थे।

हमारे ललकारते ही इन लोगों ने हम पर गोलियां चला नी शुरू कर दीं।



आइचर्य की बात तो ये थी कि आमतौर से गड़बड़ी पुलिस से भरे हुए इस इलाके में एक भी पुलिस वाला नजर नहीं आ रहा था।



पीटर ने आगे बढ़कर इनका सामना किया। दो गुंडों को गिरा भी दिया। पर एक गोली उसकी बांह में आलगी।

तब मैंने गुंडों का सामना किया। और पीटर ने कमांडो हेड-क्वार्टर से संपर्क किया।

कमांडो हेडक्वार्टर पहुंचने पर ध्रुव को एक और भटका देने वाली खबर मिली—

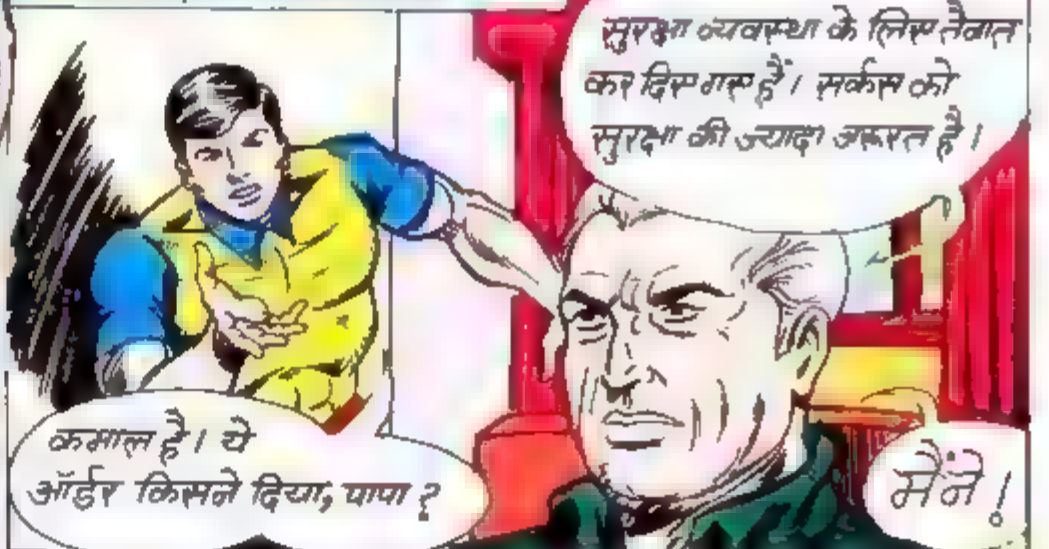


हां, ध्रुव! हमारे ट्रान्समीटर पर कई लूटपाट की रिपोर्ट आ चुकी हैं।

इस पूरे इलाके में एक भी पुलिस वाला नहीं है।

तो आखिर ये सब पुलिस वाले गए कहाँ?

जवाब आई० जी राजन के पास था—



कमाल है। ये ऑर्डर किसने दिया, पापा?

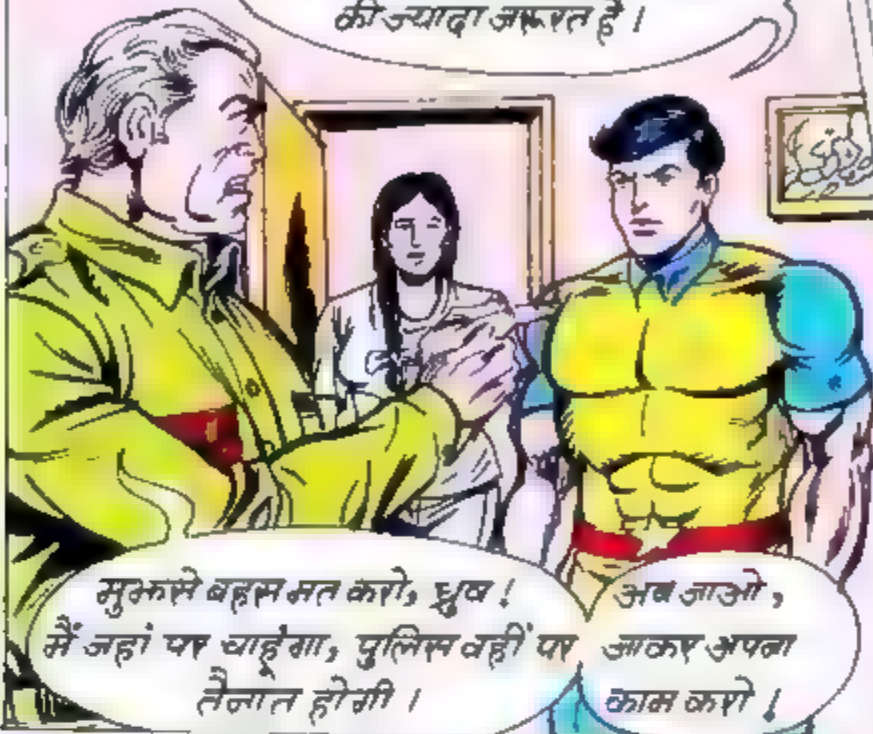
वे जवान, सर्कस के सुरक्षा व्यवस्था के लिए तैनात कर दिए गए हैं। सर्कस को सुरक्षा की ज्यादा जरूरत है।

मैंने!

चलो! गुंडों और पीटर को वैन में लादो! पहले गुंडों को पुलिस स्टेशन छोड़ेंगे, फिर पीटर का इलाज कराएंगे।

आपने?

आपने ऐसा आदेश क्यों दिया?
पुलिस न होने से जनता की सुरक्षा
स्वतंत्र में पड़ गई है। उनको पुलिस
की ज्यादा जरूरत है।



मुझसे बहस मत करो, धुष!

मैं जहां पर चाहूंगा, पुलिस वहीं पर
तैनात होगी।

अब जाओ,

आकर अपना
काम करो!

पापा को क्या हो गया,
इवेला? ये तो ऐसे कभी
नहीं बोलते थे।

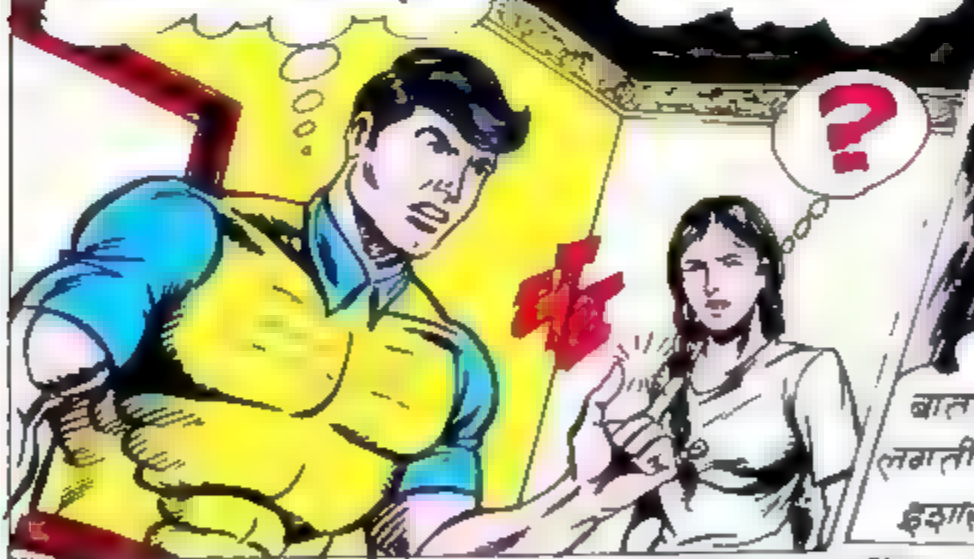
पता नहीं! मरकरी सर्कस
से लौटने के बाद पापा का
व्यवहार बदल गया है।



मरकरी
सर्कस!

जनता का व्यवहार भी ऐसे ही बदल
गया था! पर क्यों? सर्कस जाकर इनके
दिमाग को क्या हो...?

...दिमाग! उस पागल
शेर बबर का दिमाग भी
किसी के कब्जे में था।



?

कहीं ऐसा तो नहीं कि सर्कस में कोई, सर्कस
जाने वाले के दिमागों को कब्जे में कर लेता
हो!



बात सोचने में तो अजीबो-गरीब
लगती है। पर सारे तथ्य इसी तरफ
इशारा कर रहे हैं।

मुझे मरकरी सर्कस
के अंदर घुसने का रास्ता
ढूंढ़ना ही पड़ेगा।

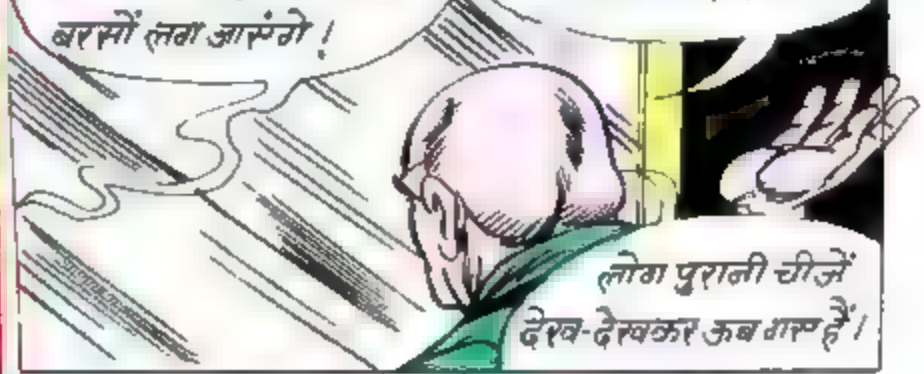
धुष की तमन्ना अपने-आप ही पूरी होने वाली थी—



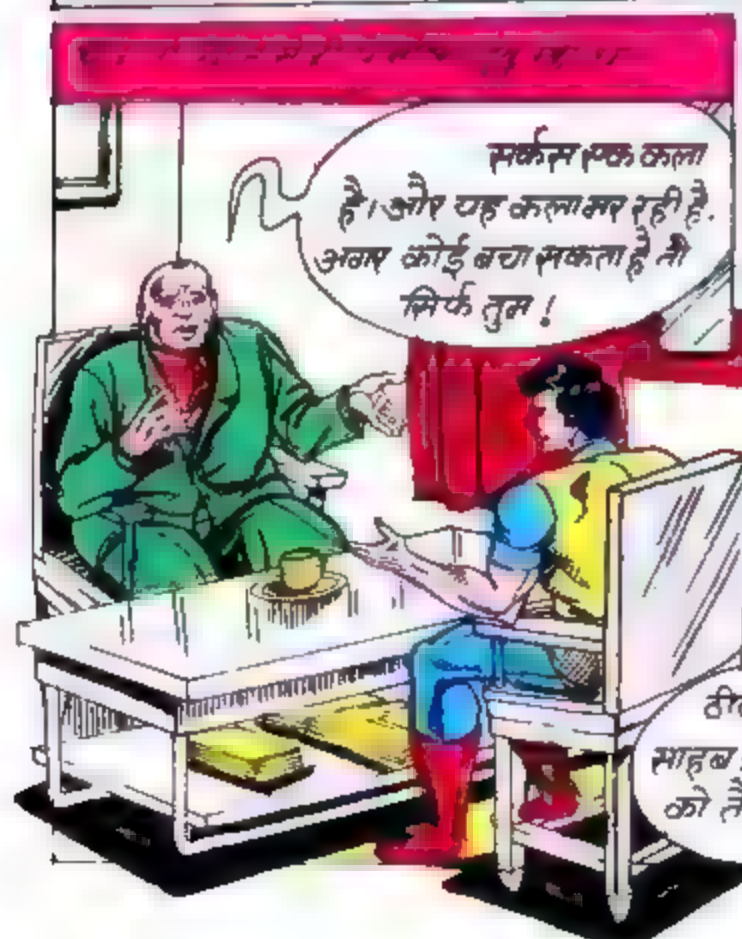
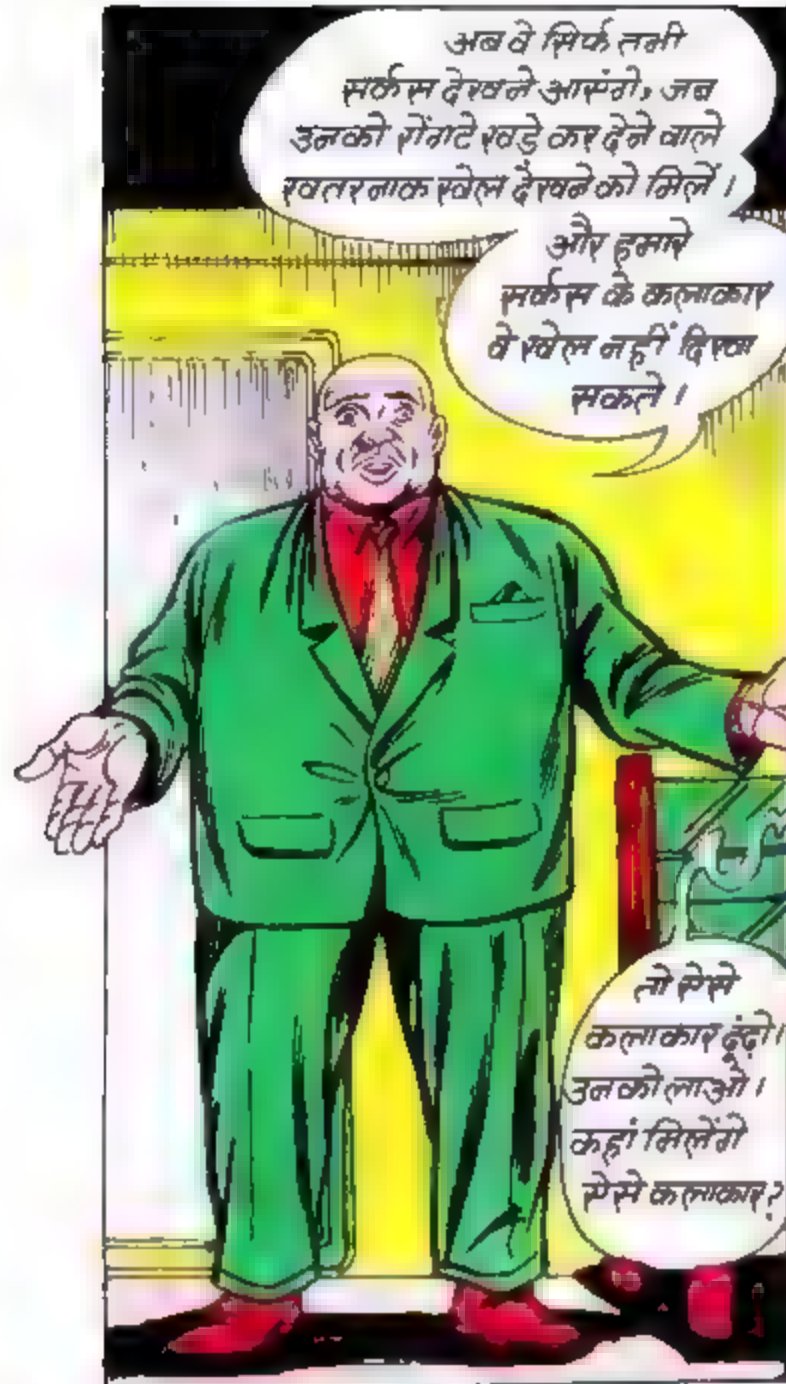
तुम निकम्मे हो, आयप्पा!
नाकारा! बेकार!

सर्कस को देखने बहुत
कम लोग आते थे। ऐसे तो
मेरी योजना पूरी होने में
बुराई लग जायेगी!

इसमें मेरी गलती क्या है?
सर्कस देखने में अब किसी
को दिलचस्पी है ही नहीं!



लोग पुरानी चीजें
देख-देखकर ऊब गए हैं।

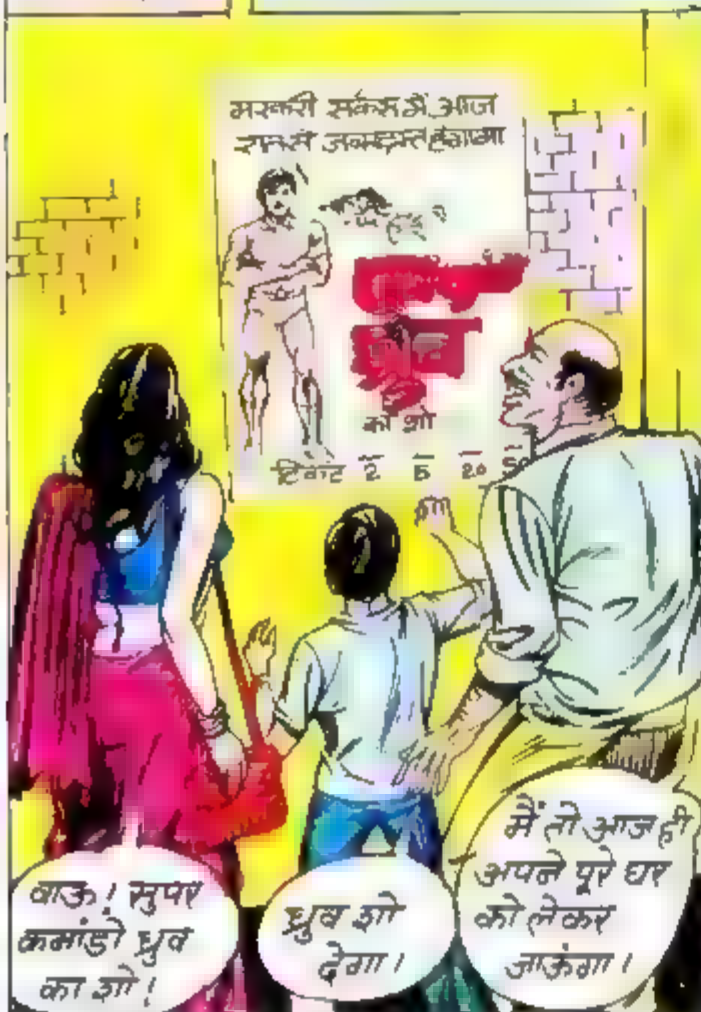


रातों-रात पोस्टर धूये-

और सुबह-सुबह शहर की दीवारों पर चिपक गए-

उस रात सर्कस का तंबू, खचाखच भरा था-

और इससे कहीं ज्यादा भीड़ सर्कस के तंबू के बाहर थी-



वाऊ! सुपर कमांडो ध्रुव का जो!

ध्रुव जो देगा!

मैं तो आज ही अपने पूरे घर को लेकर जाऊंगा!



लेडीज एंड जेंटिलमेन! और हमारे प्यारे-प्यारे नन्हे दोस्तों!

आज मरकरी सर्कस आपके चहेते सुपर कमांडो ध्रुव के करतबों में जगमगाएगा।

लेकिन सुपर कमांडो ध्रुव के कारनामों में पहले हम पेश करते हैं, इस बुनिया का रक और अजूबा...



... सुपर मेंटलिस्ट यानी आश्चर्यजनक मानसिक शक्तियों के धारक ...

यूरी शेल्पर को...

यूरी शेल्पर के मानसिक करतबों के दौरान सबकी आंखें फटी रहीं, और सबके मुंह खुले के खुले रहे-

मैं किसी के भी दिमाग को कब्जे में ले सकता हूँ!

आप लोगों में से जो भी चाहे, यूरी की मानसिक शक्तियों का इस्तिहान ले सकता है।

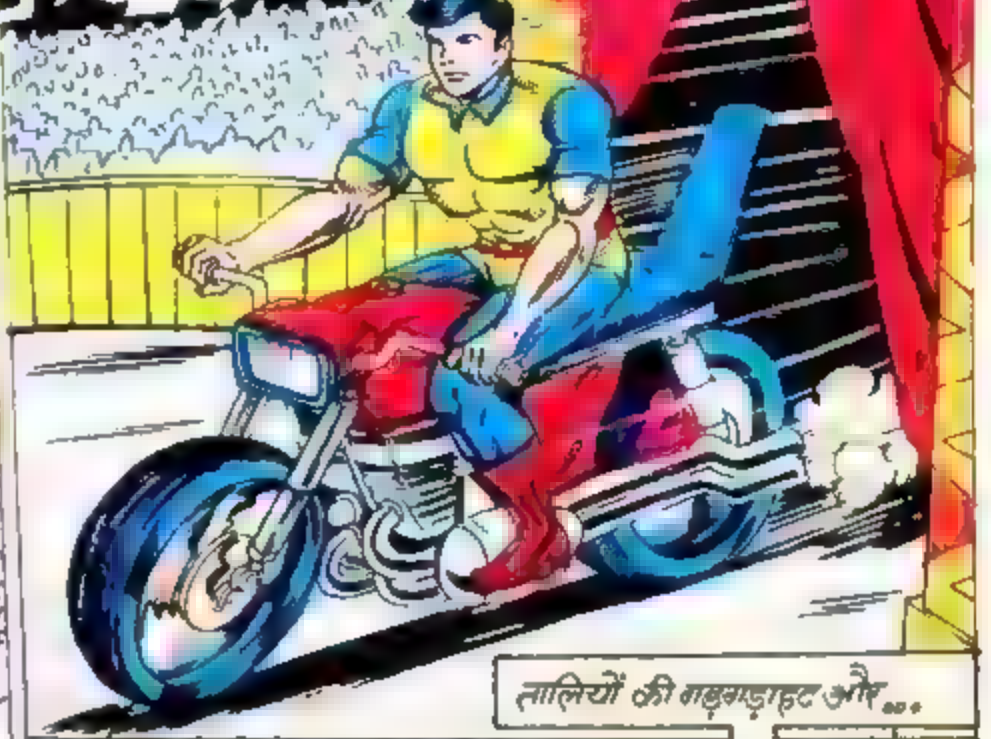


और अब समय था - उसके सुपर स्टार को पेश करने का -

लेडीज, जेंटिलमेन... अब आपके सामने आ रहे हैं... आपके चहेते... आज शाम के सुपर कलकार...



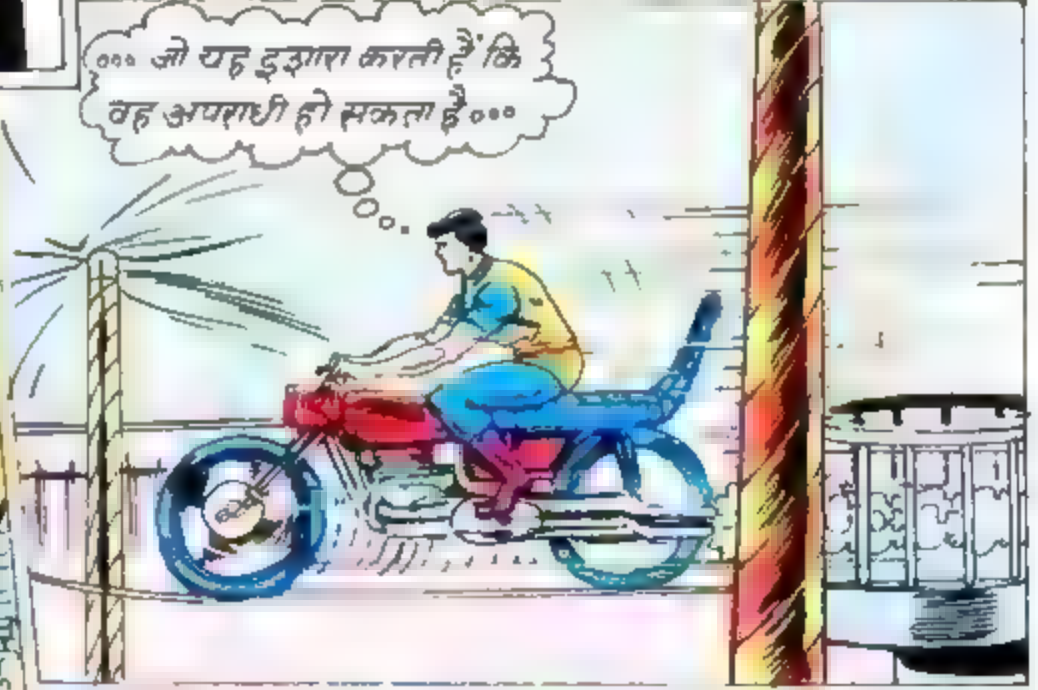
... सुपर कमांडो ध्रुव !



तालियों की गड़गड़ाहट और...

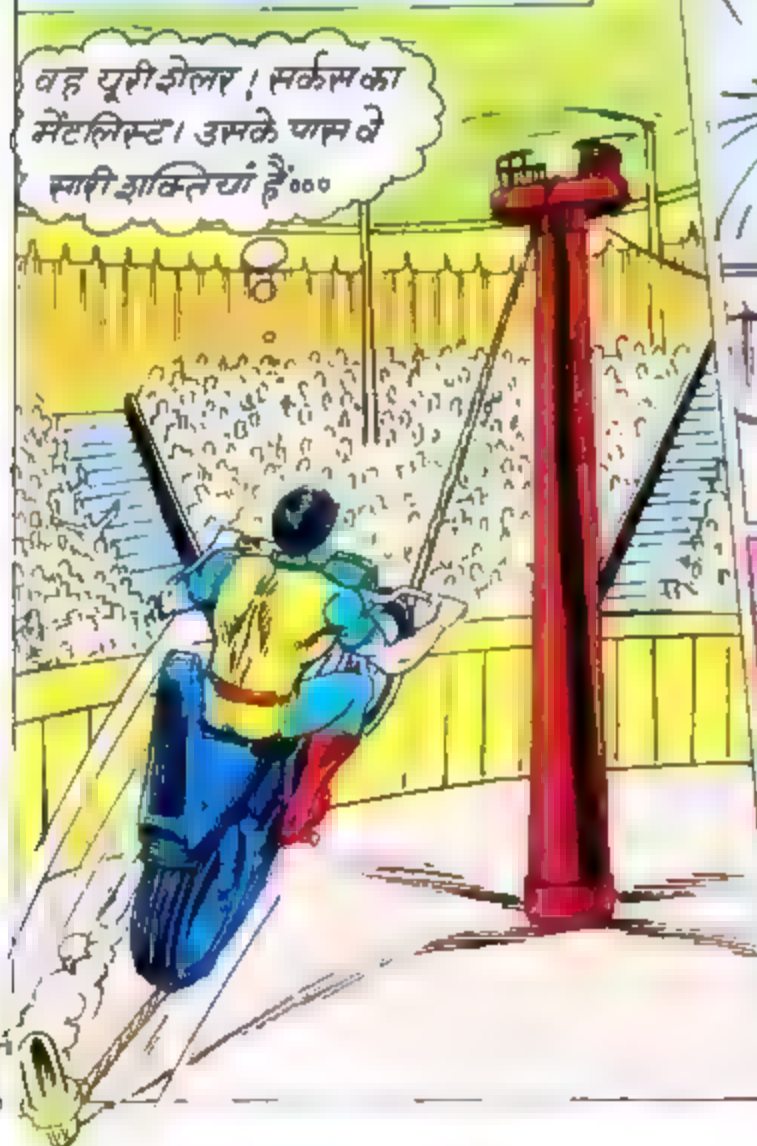
दर्शकों के डोर से, सर्कस का पूरा पंडाल हिलने लगा -

... जो यह इशारा करती हैं कि वह अपराधी हो सकता है...

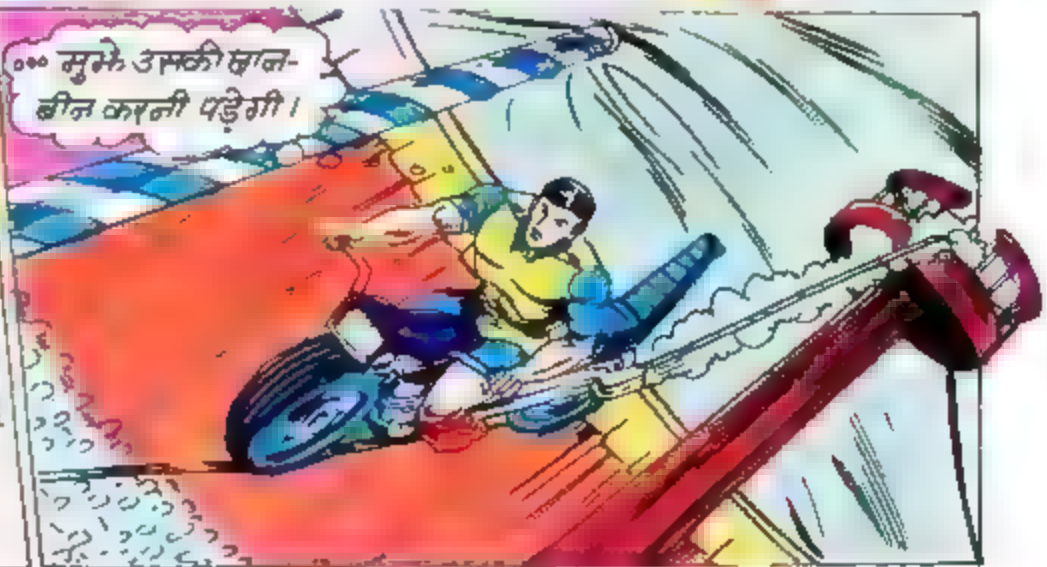


लेकिन ध्रुव का दिमाग कहीं और था -

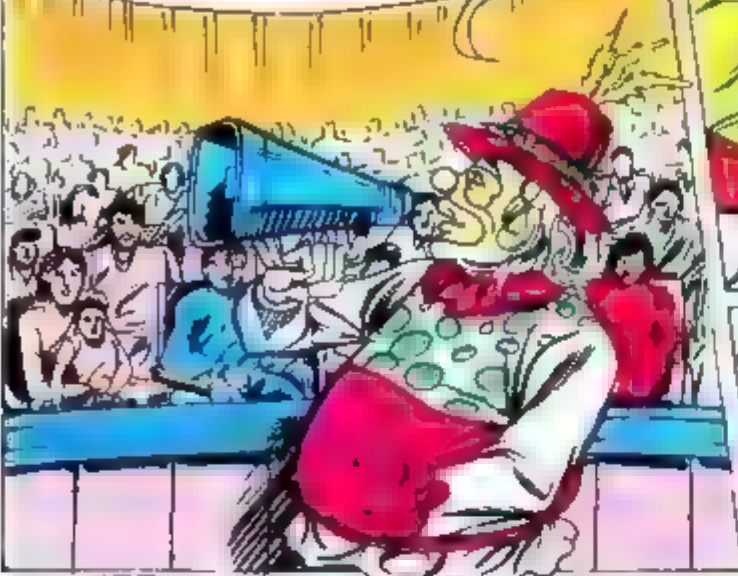
वह पूरी डील ! सर्कस का मेटलिस्ट ! उसके पास वे सारी शक्तियां हैं...



... मुझे उसकी सलाह बन करनी पड़ेगी !



... अपनी इस डेडिंग सेंद्री के बाद,
सुपर कमांडो ध्रुव अब आपको दिखाएंगे,
भूले पर मौत को चुनौती देने वाली
कलाबाजियां ...

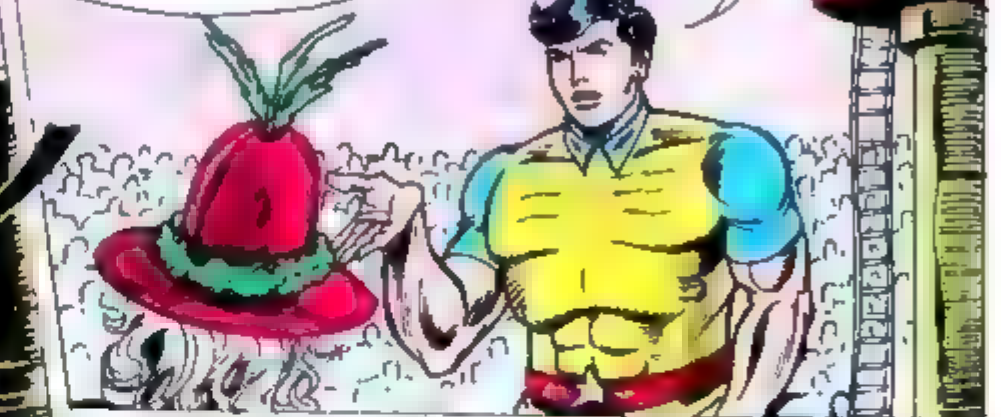


... फर्क सिर्फ इतना है कि भूले की
जगह होंगे सिर्फ दो रिंग ...



... और नीचे जाल की जगह
होगी ... सिर्फ हवा और सरकत
फर्क !

मैं तो ये कारतब दिखा लूंगा, मेरे साथ ये खतरनाक खेल
पर इस खेल में एक फर्कनर की और कौन दिखाएगा ?
भी जरूरत होती है।



ये ! मैडम
रिचा !



हेलो, ध्रुव !

अरे, तुम तो वही हो,
जिसने 'पागल डोर' का
सामना किया था।

हां, ध्रुव ! उस वक्त
मैं सर्कस में नौकरी
दुंदने के लिए आ रही
थी।
मेरे पास वक्त नहीं
था, वरना मैं फकत तुम्हारी
मदद जरूर करती।



शुरु
हुआ -

और दर्शकों के साथ-साथ, ध्रुव भी
आश्चर्यचकित हो गया -

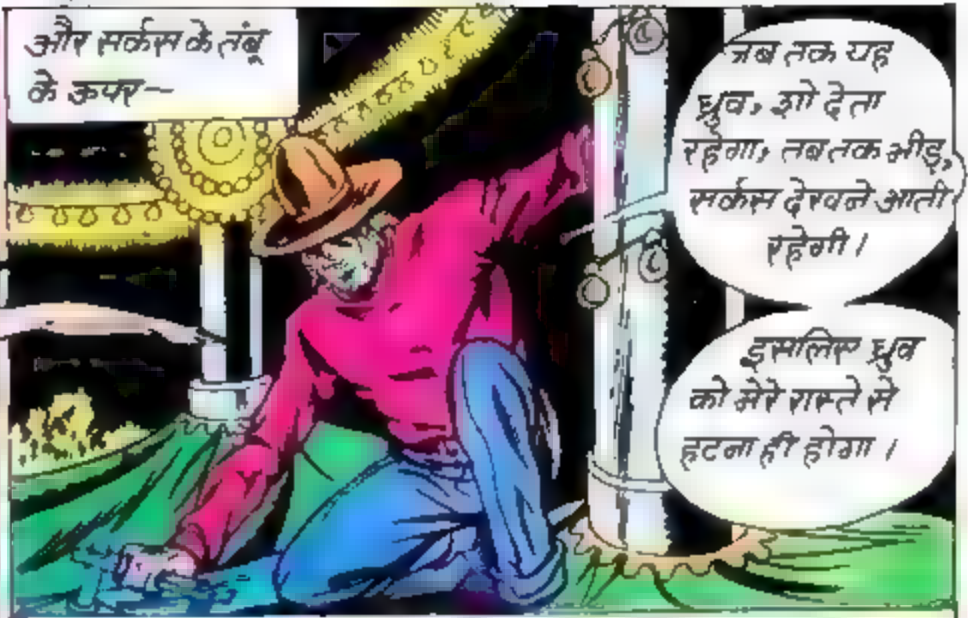
कमाल है। यह लड़की तो
जबरदस्त कलाबाज है।

सर्कस

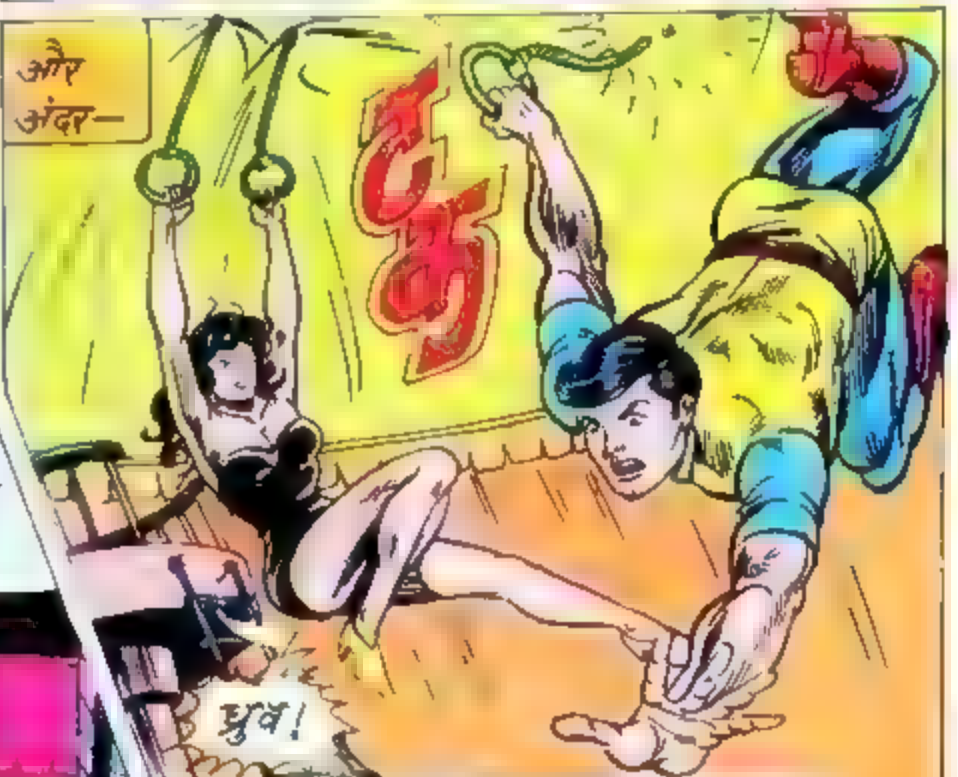
अन्दर- जेलता, धुव और रिचा के दिल बहलाने वाले करतबों को सांस रोककर देख रही थी-



और सर्कस के तंबू के ऊपर-

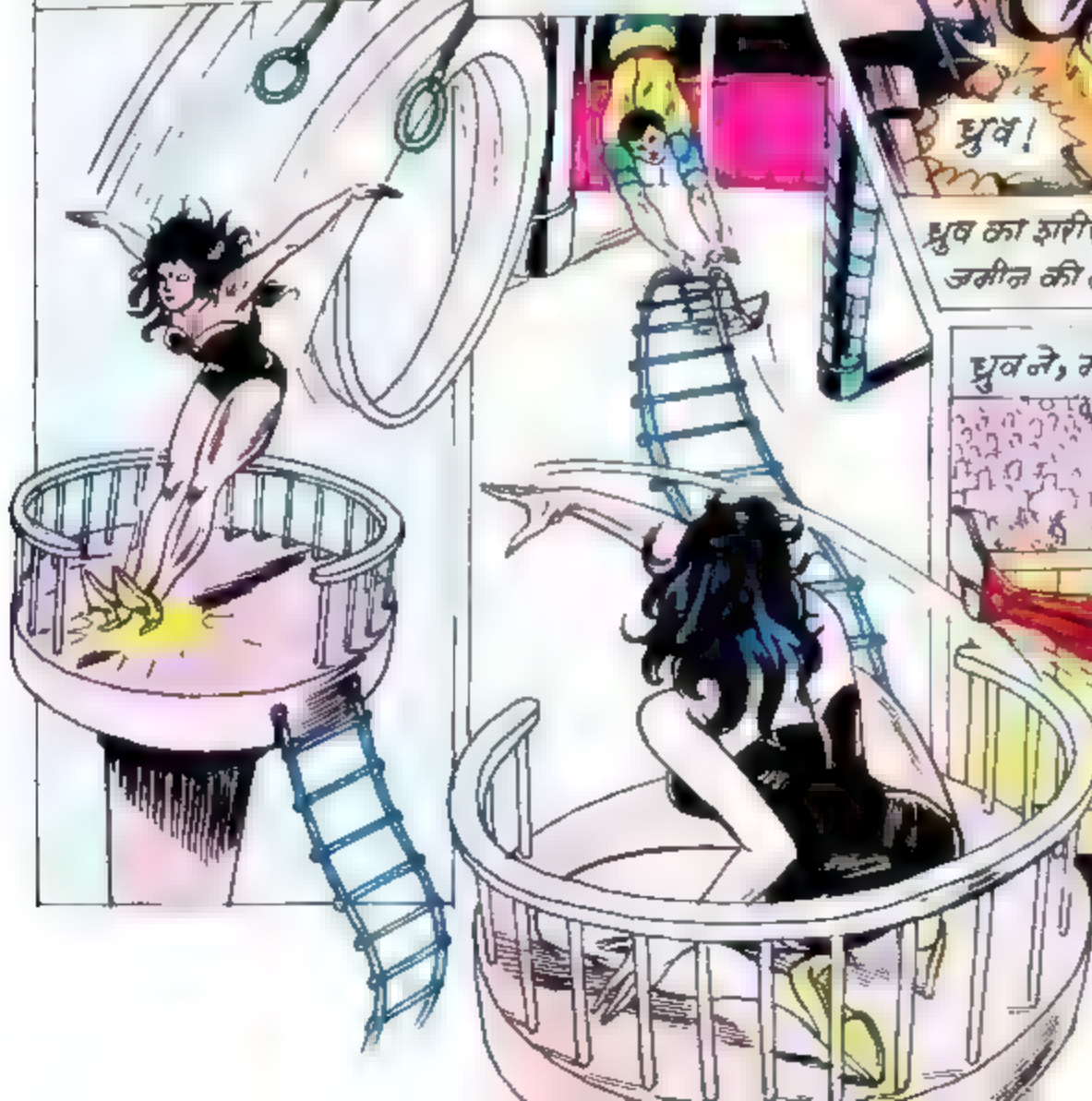


हाथों के एक झटके ने, रिंग की धाकने वाले बंधन खोल दिये-

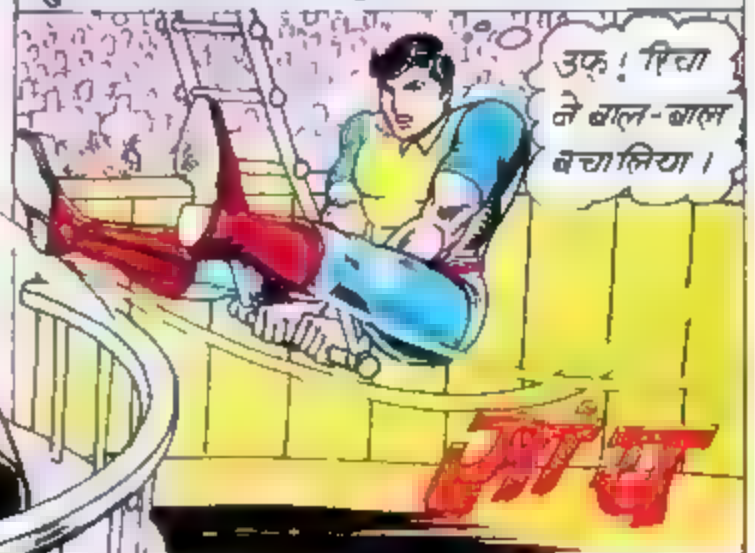


अगले ही पल- रिचा का भी बदन, हवा में घूमता हुआ स्टैंड पर आ टिका-

और स्टैंड से लटकती रस्सी की सीढ़ी, धुव की तरफ झूल गई-



धुव ने, मौत को एक फुट से भात दे दी थी-





दर्शकों ने इसकी खेल का ही एक अंग समझा—

कमाल का करतब दिखाया ध्रुव ने।

मेरी तो सांस ही रुक गई थी।

ऐसे खेल देखने को मिले तो मैं बार-बार सर्कस देखने आऊँ।

लेकिन अब मुझे ध्रुव की जरूरत ... जिसको नहीं है। ध्रुव के दिमाग को पढ़कर इस्तेमाल करके मुझे एक ऐसी चीज का पता मैं अपनी मानसिक शक्तियों को हजारों गुना बढ़ा सकता हूँ।



वह है इसी शहर के एक प्रोफेसर द्वारा ईजाद किया गया एक 'मेटल-सम्प्लिकायर'। और उसको लाने के लिए मैं सर्कस के स्ट्रांगमैन स्टेलस और निशानेबाज लुई को पहले ही भेज चुका हूँ।

ध्रुव का दिमाग पढ़कर मुझे यह भी पता चला है कि वह यहां पर मेरा पर्दाफाश करने आया है। उसको भी धुपचाप खत्म करने का रास्ता तलाशना पड़ेगा।



और जो खत्म होने के बाद—



अब तो आपको तसल्ली हो गई न! सर्कस के अगले कई शो के लिए टिकट बुक हो चुके हैं।

देखने आने वालों के दिमाग तो आपने कब्जे में ले ही लिए होंगे?

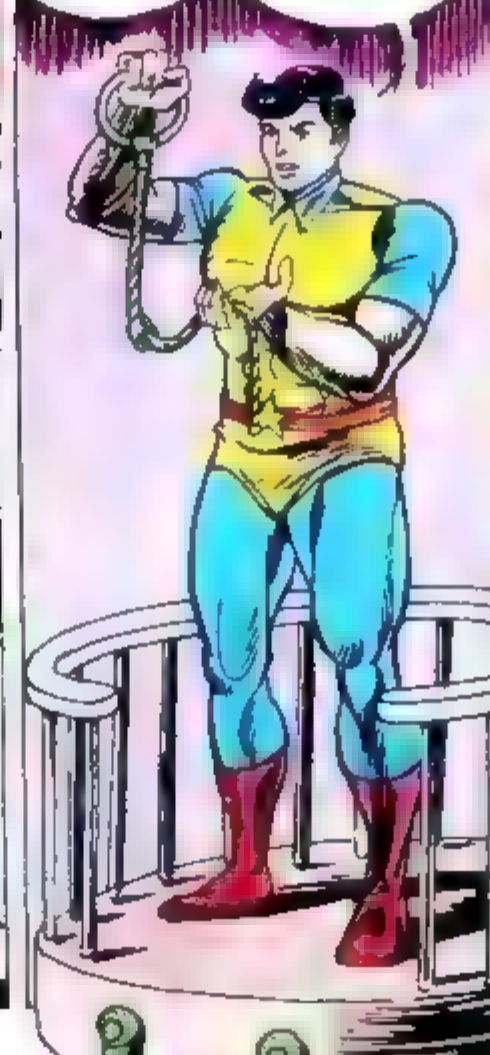
हां! लेकिन ध्रुव का दिमाग मैं अपने कब्जे में नहीं ले सका। और ध्रुव का कोई भरोसा नहीं...

... कि वह कब, कहाँ पर क्या गड़बड़ कर देगा!

ध्रुव को भरोसा नहीं था, कि रिंग का टूटना एक वृष्टिना थी—

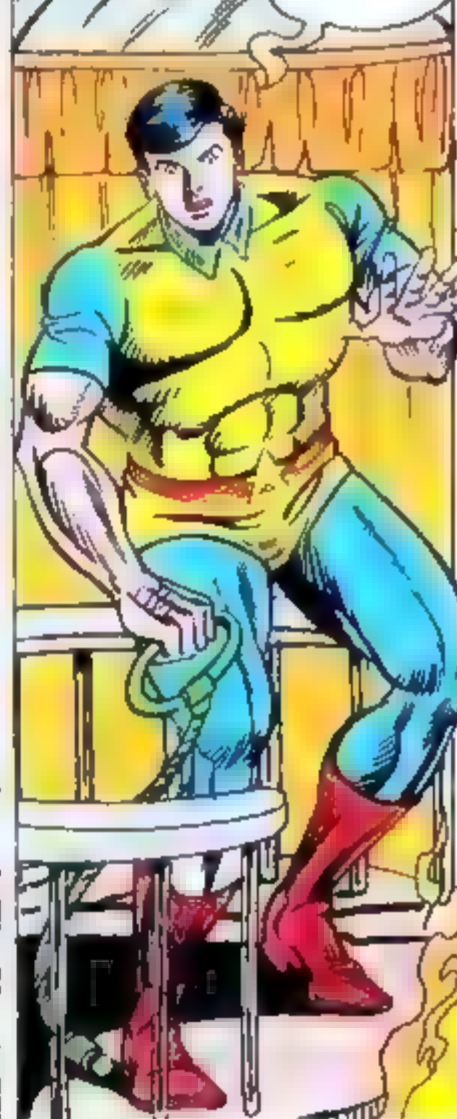
चे रहा वह रिंग। मुझे पता था कि यह टूटकर होल्डर टूटा स्टेड पर ही गिरा नहीं है, बल्कि है।

और इसको लटकाने वाला होल्डर टूटा स्टेड पर ही गिरा नहीं है, बल्कि खोला गया है!



किसने खोला यह पेंच? मुझे मारने की कोशिश क्यों कर रहा है? अरे... एकदम से गर्मी कैसे हो गई?

ओह, आग!



हां, आग, सुपर
कमांडो ध्रुव! तू रिंग
के दूटने से तो बच
गया...
... पर इस
आग से नहीं
बच पाएगा!

ओह! तो इसने हीसे
किरा ये रिंग पर क्यों?
ये है कौन?

हा हा हा! अब तू अपनी
चिता का नजारा देखता रह।
मैं तो चला!

लेकिन भाग नहीं सका--

ब्लैक कैट!

ये सही कह रहा
है। रिंग दूट चुका है।
मैं भूलकर भी भाग
नहीं सकता।

और तू ही कूदकर
या उतरकर बच सकता
हूँ...!

उस रहस्यमय बूढ़े
ने भागने को कदम बढ़ाए--

हां, ध्रुव! पहले इस बूढ़े से
मैं! निपट लूँ। दो-तीन
सेकण्ड लगेंगे!

उसके बाद मैं तुमको उतारने
का इंतजाम करती हूँ।

पहले मैं
रिया के रूप
में तुम्हारे साथ
थी, अब ब्लैक
कैट के रूप में
हूँ।

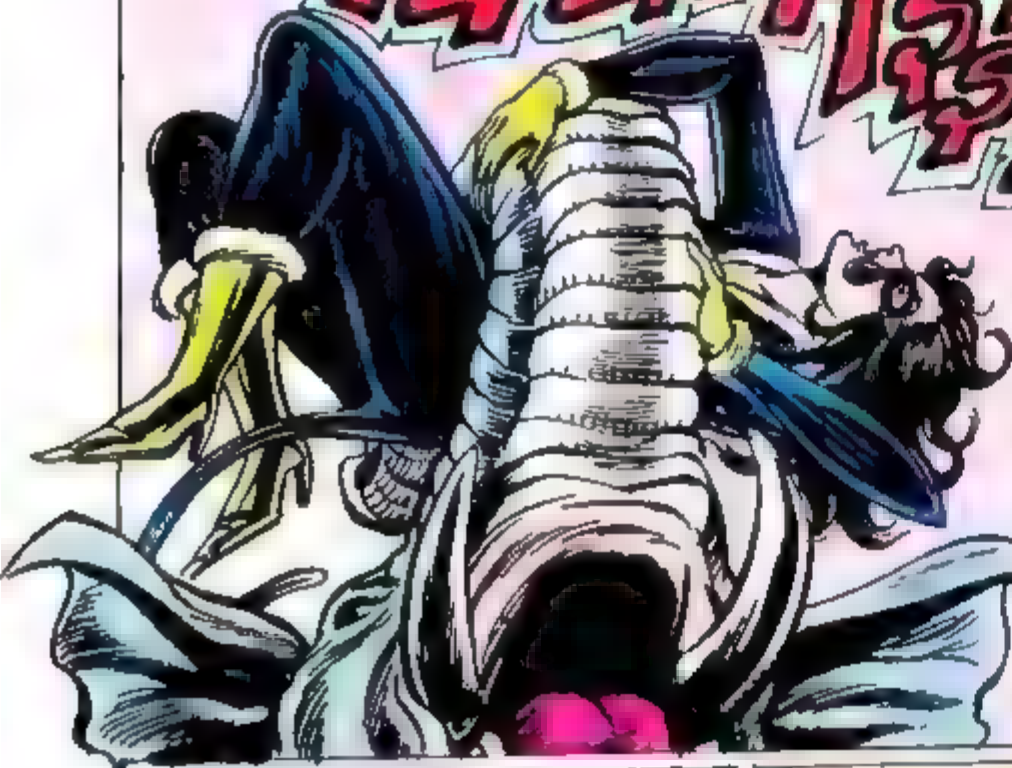
लेकिन ब्लैक कैट को वह मौका नहीं मिला--

जंगो!

ओह! इसके आवाज लगाते
ही वह हाथी तेजी से मेरी
तर्फ बढ़ रहा है। और हाथी
से भागकर बच जाना
असंभव होता है।

कुछ समय पाने के पहले ही, ब्लैककैट, सूंड के शिकंजे में थी-

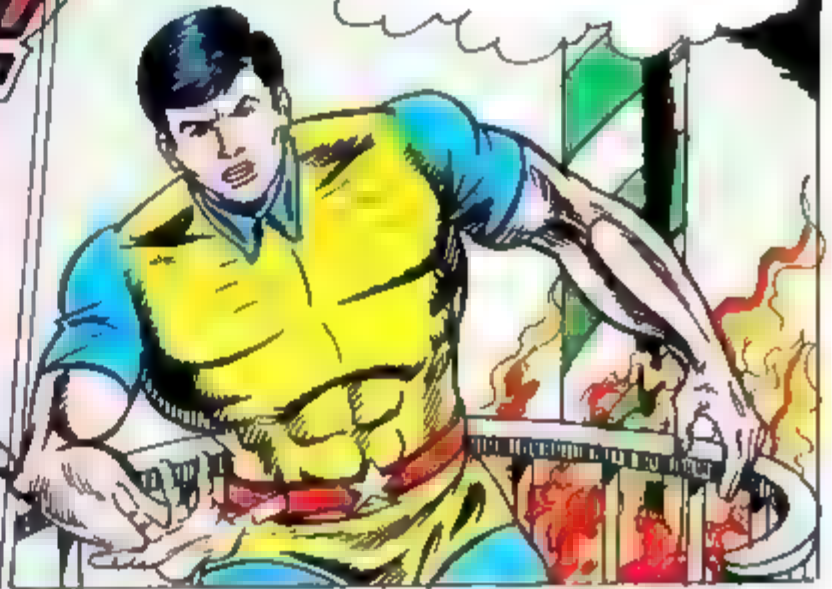
चियां चियां चियां



धुव, हाथी की भाषा में चिंघाड़ उठा-

चियां चियां चियां !
यां यां य ई !

ओह ! इस हाथी पर तो मेरी बात का कुछ असर ही नहीं हो रहा है। यह हाथी या तो किसी और के वश में है, या फिर इसके सुनने की शक्ति कमजोर है।



वह बूढ़ा भी भाग रहा है। अब तो मैं ब्लैककैट को बचा सकता हूँ, और नहीं खुद बच सकता हूँ।

और दूसरी तरफ शहर में-

यही ऑफिस है, उस मनोवैज्ञानिक प्रोफेसर वर्मा का। इसी के अंदर वह यंत्र रखा होना चाहिए।

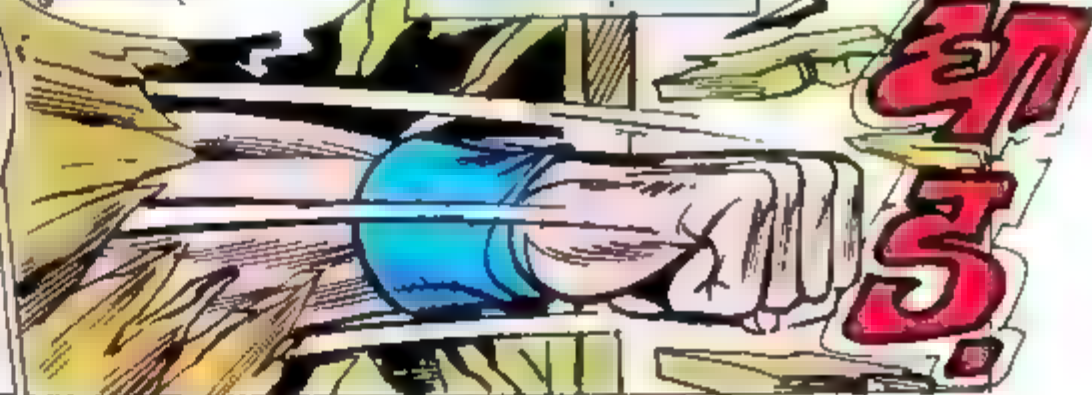
पर दरवाजे पर तो बड़ा मजबूत ताला लगा है।

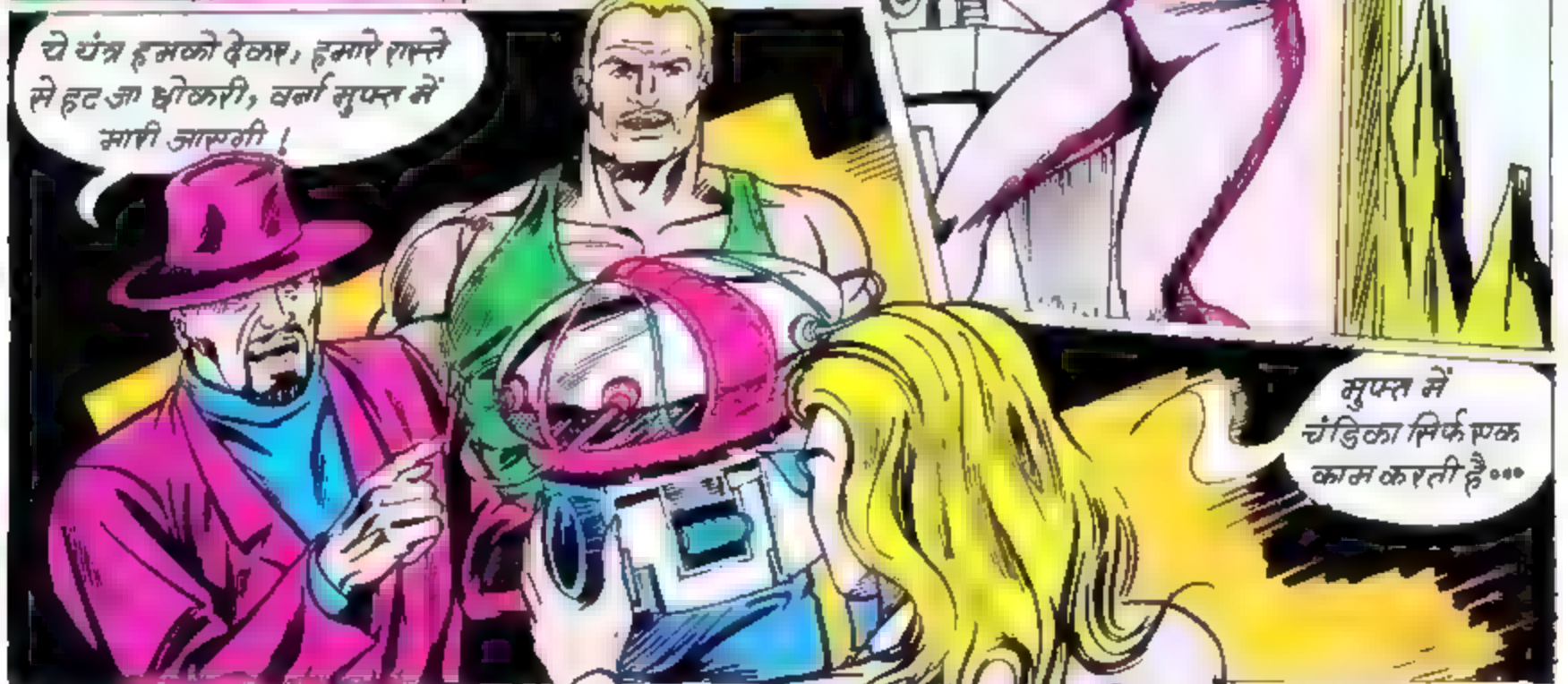
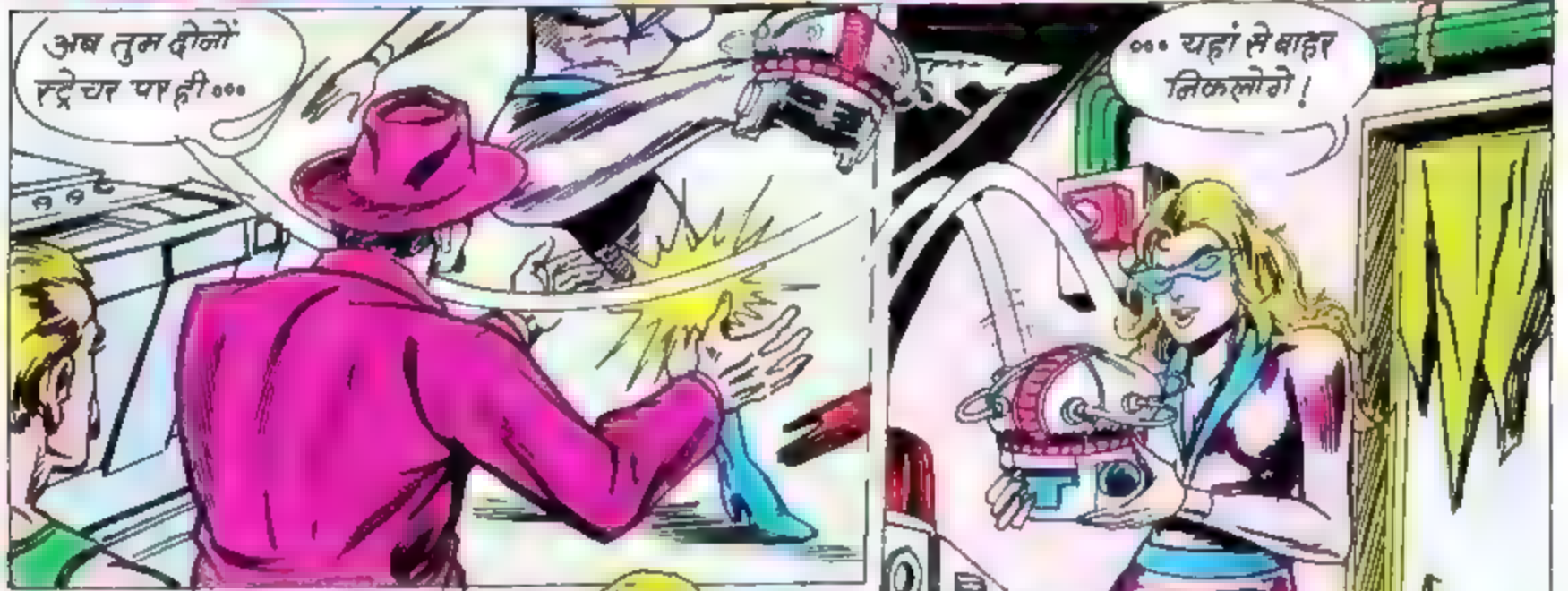


ताले को खोलना तो मैं नहीं जानता !

लेकिन दरवाजा खोलना मुझे आता है।

स्ट्रॉंगमैन सटलस के एक ही बार ने दरवाजे के परतखचे उड़ा दिए-







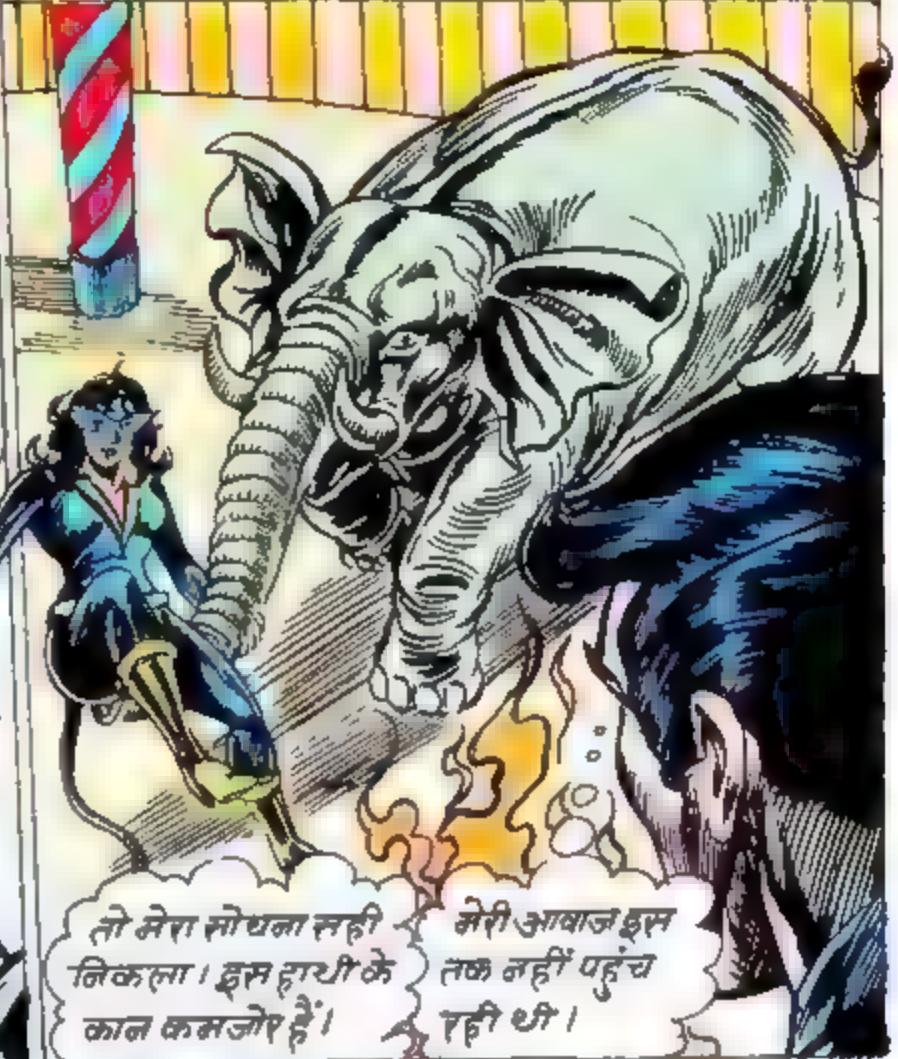
उधर- मरकरी
सर्कस के अंदर-

एक रास्ता समझ में आता है !
अगर वह काम कर गया तो
हम दोनों ही मौत के मुंह से
निकल आएंगे ।

ब्लैक कैट ! मैं जो
कुछ भी बोलूँ, उसको
वैसे का वैसा दोहरा देना ।
चिंयांयांका ! यांयांयांई !

हाथी, ध्रुव का आदेश
समझ गया -

हाथी की सूंड खुल गई । और ब्लैक
कैट आजाब हो गई -



तो मेरा सोचना सही
निकला । इस हाथी के
कान कमजोर हैं ।

मेरी आवाज इस
तक नहीं पहुंच
रही थी ।

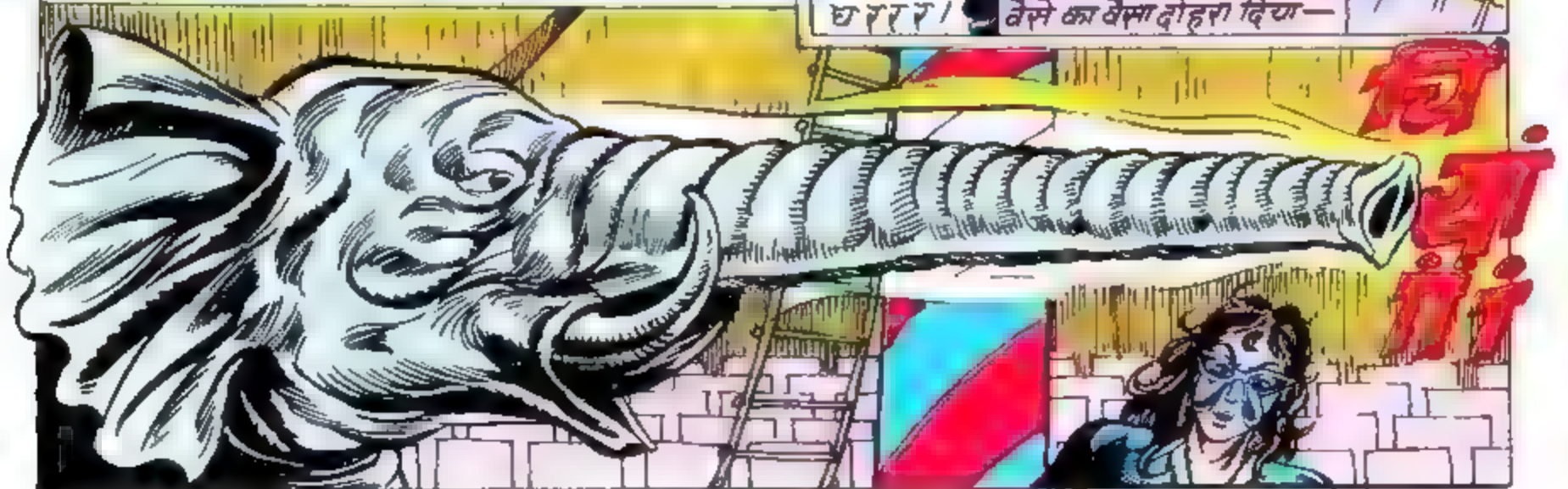
अगले ही पल ध्रुव के मुंह से फिर एक चिंघाड़ निकली -



यां यां यां
घररर ।

और ब्लैक कैट ने
वैसे का वैसा दोहरा दिया -

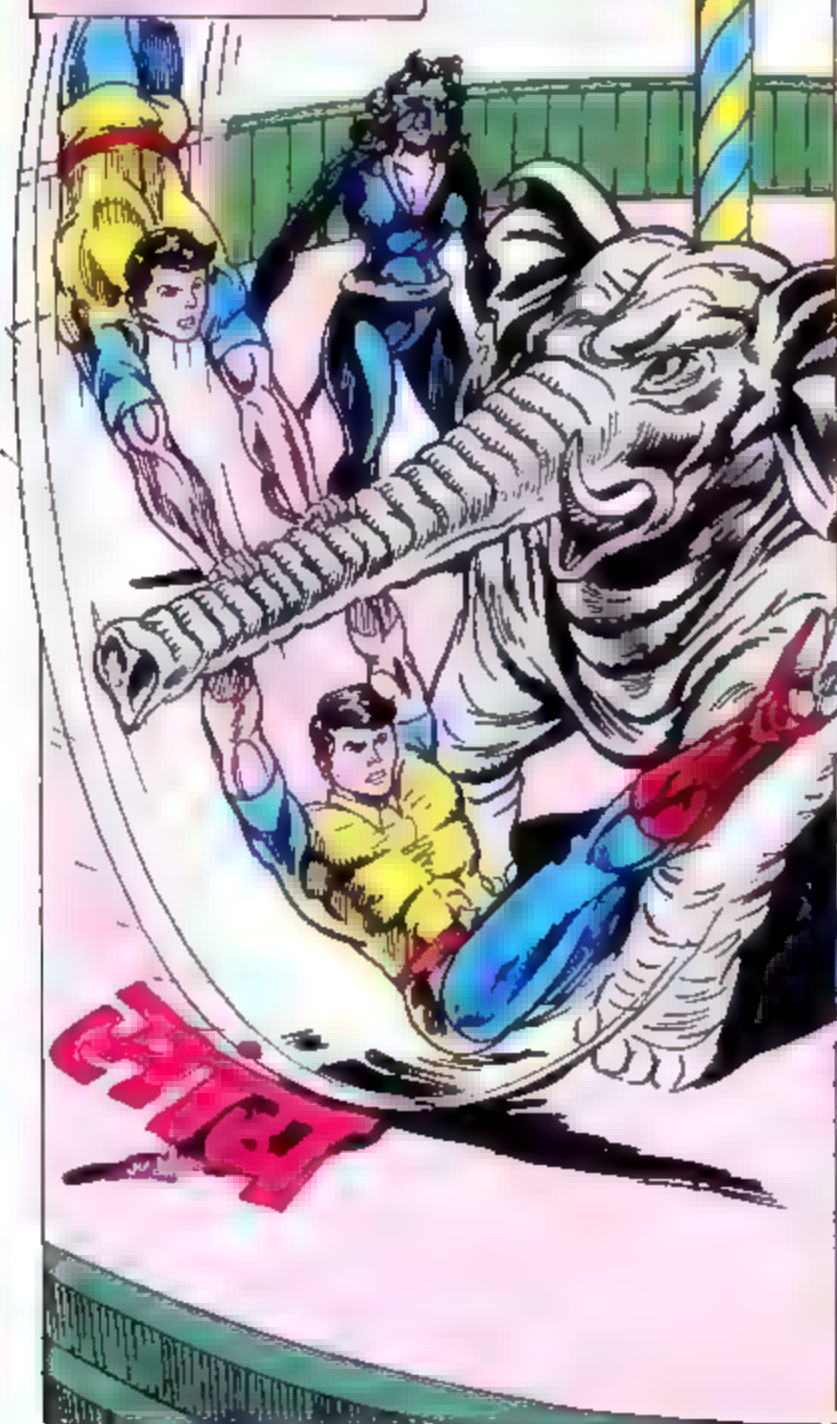
पलक झपकते हाथी की मजबूत सूंड हवा में तन गई -



और साथ ही साथ ध्रुव का बदन भी पच्चीस फुट की ऊंचाई से कूदकर हवा में तैर गया—



और कुछ सेकेण्ड बाद—



ध्रुव सुरक्षित जमीन पर था—

वह बूढ़ा कौन था, ध्रुव ? तुमको मारना क्यों चाहता था ?

यह मुझे नहीं पता, पर मैं यह अंदाजा लगा सकता हूँ कि इस घटना के पीछे किस आदमी का हाथ है !



लेकिन तुम यहां पर कैसे आ गई ? और वह भी ऐन वक़्त पर !

यह जान लो तो सारा सस्पेंस खत्म हो जाएगा । ब्लैककैट के राज, ब्लैककैट के पास ही रहने दो ध्रुव !



अचानक-

ध्रुव ! आग अपने
आप बुझ रही है !
पर कैसे ?



मेरे रज्याल से
यह मानसिक शक्ति का
कमाल है ! आओ मेरे
साथ !

और मनोवैज्ञानिक प्रोफेसर वर्मा के ऑफिस में-



उसी वक़्त- उस रहस्यमय 'टॉलर केबिन' में-

उस स्टेण्ड में आग
किसने लगाई, यह तो मुझे
पता नहीं चला ०००

००० क्योंकि आग का आभास
मुझे थोड़ी देर बाद हुआ। वह
आग मैंने बुझा दी है।



पर अब ध्रुव
कहां जा रहा है, यह
मुझे पता है।

यह शरकस ध्रुव स्वतंत्रताक
होता जा रहा है ! इसकी मौत का
इंतजाम करना होगा।

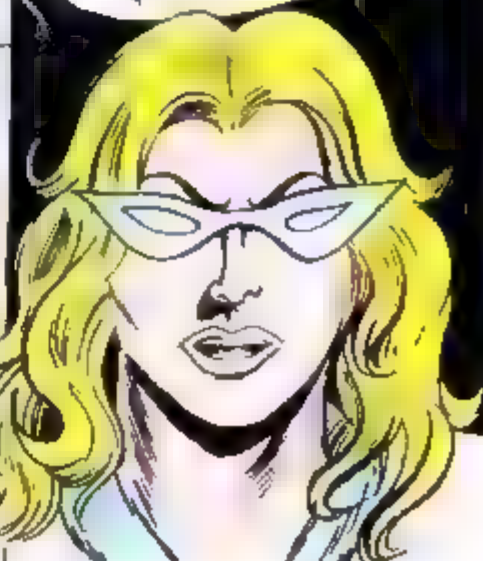
अब इसको मौत वहीं
पर मिलेगी, जहां पर यह
जा रहा है।

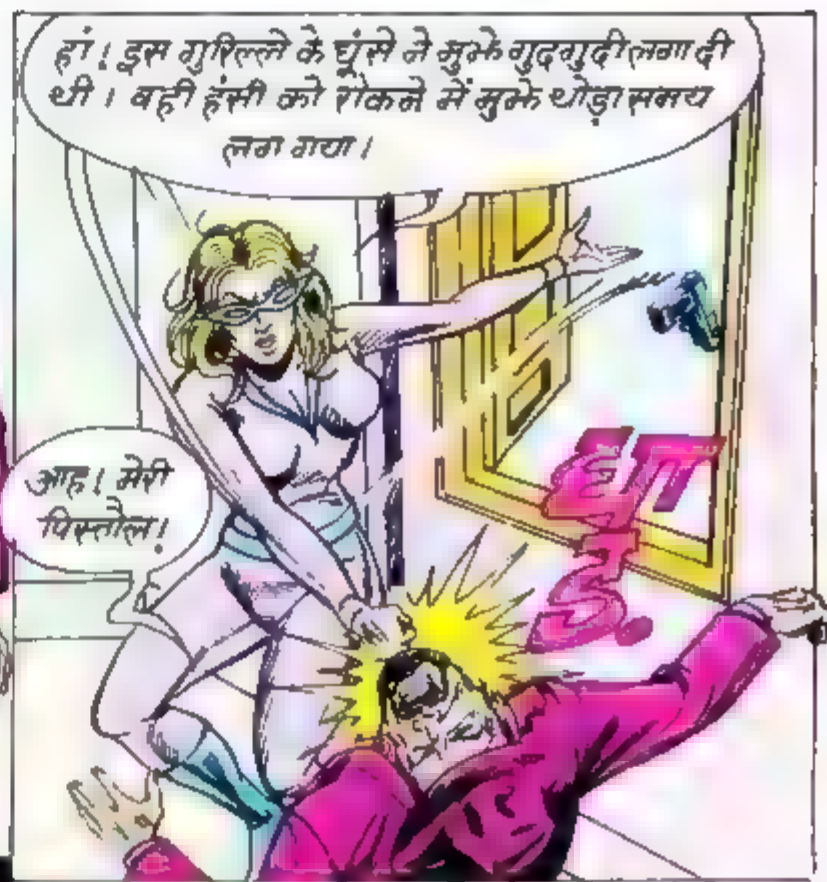


ध्रुव जिससे टकराने जा रहा है,
उसको मैं ऐसी शक्तियां दे दूंगा, जो ध्रुव
की मौत का कारण बनेंगी।

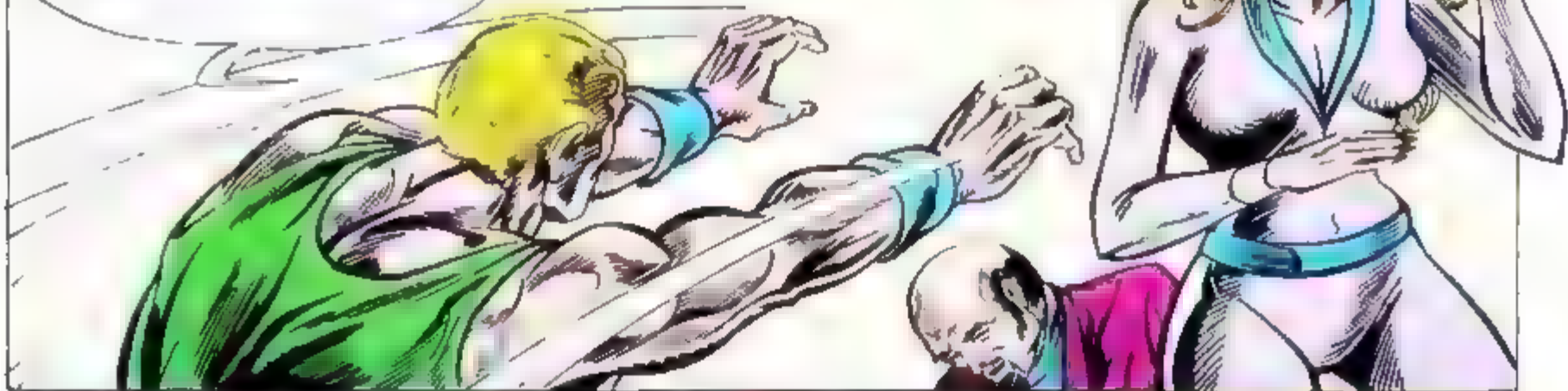
उंगली का एक हल्का
सा झटका, और... और
वम बाहर !

और... और वह
दम... ०००





गुरिल्ला! मुझे गुरिल्ला कहते हैं। मैं तुम्हें दोनों हाथों से चीर डालूंगा।



इन्धुमिड

तू एक बार चुपचाप खड़ी होकर मेरा घुंसा खाले, फिर तूमे अपने-आप पता चल जाएगा कि मैं कौन हूँ।

आपका घुंसा बहुत बड़ा है, स्वादा नहीं आएगा...

...वैसे भी मेरा पेट भरा हुआ है!

कड़क

सटलस, मैंने यंत्र को उठा लिया है! अब खामख्वाह लड़ते रहने का कोई फायदा नहीं है...

...भागते यहाँ से!

अभी तो! पर पहले इसको अपना पीछा करने से रोक ले दूँ।

चंडिका को बचने में जो कुछ मिनटों का समय लगा...

...उसी में लुई और सटलस वहाँ से बच निकलने में कामयाब हो गए—

वह मानसिक यंत्र कहाँ है?

उसे मैंने डिक्की में रखे बोरे में डाल दिया है। उसने, उसे चुपचाप छिपाकर लाने को कहा था!

यूरी ?
हां... हां...
मेरा नाम
यूरी डोलर है।

मेरी चिन्ता छोड़कर, अपनी
चिन्ता कर लेंगे ! देख कि
तुम्हें क्या होने वाला है !

यूरी डोलर की अद्भुत मानसिक शक्तियां, एक दूसरे रहस्यमय
स्रोत से और शक्तियां मिलने के कारण विनाशकारी हो गई थीं।

और उन रहस्यमय शक्तियों के सामने पड़ने वाले
का एक ही हाल होना था —

तिनके की तरह उड़ जाना —

मानसिक धमाके का ज्यादा असर ध्रुव पर हुआ, क्योंकि वह बार, उसको ही निशाना बनाकर लगाया गया था—



अनाले ही पल - ब्लैक कैट का बदन उछलकर मानसिक बार और ध्रुव के बीच में आ गया—



मानसिक बार, ब्लैक कैट ने अपने शरीर पर भेल लिया—



ओह! यह अचेत हो गई है। पूरी डोलर काफी खतरनाक होता जा रहा है। इसको रोकना होगा।

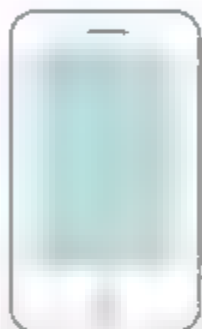
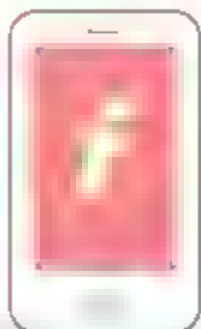
जंबो, अटैक!



धूल उड़ाता जंबो, पूरी को रोकने के लिए आगे बढ़ा -



freecharge



Share your referral code

Refer your friends and earn upto Rs 3000 cashback.
After their first recharge/bill payment, you and your
friend each get Rs 30 cashback

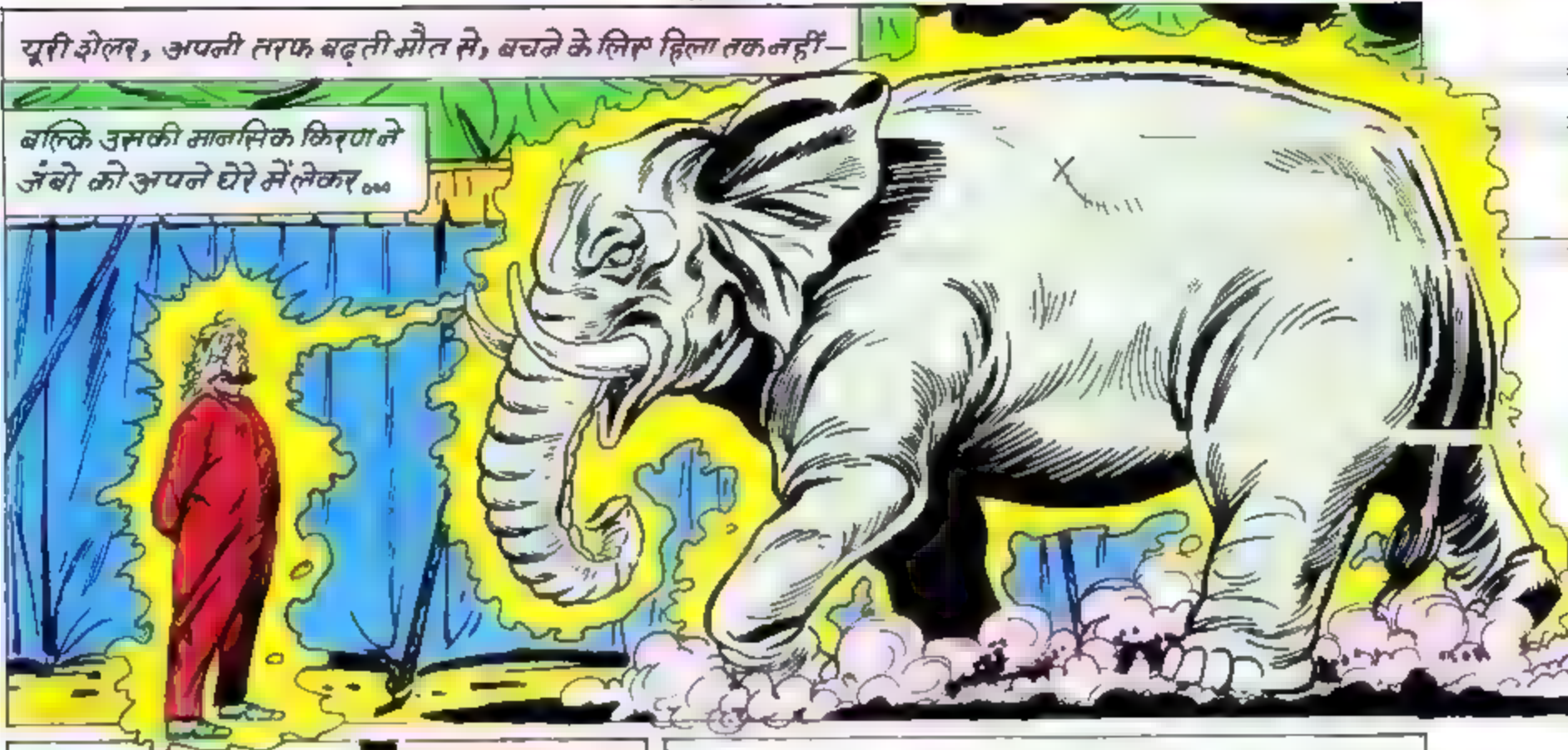
RQT2M51

**CLICK HERE
TO JOIN NOW**



यूरी डोलर, अपनी तरफ बढ़ती मौत से, बचने के लिए हिला तक नहीं—

बल्कि उसकी मानसिक किरण ने
जंघो को अपने घेरे में लेकर...



... जमीन पर पटक दिया—

वार जोरदार था—

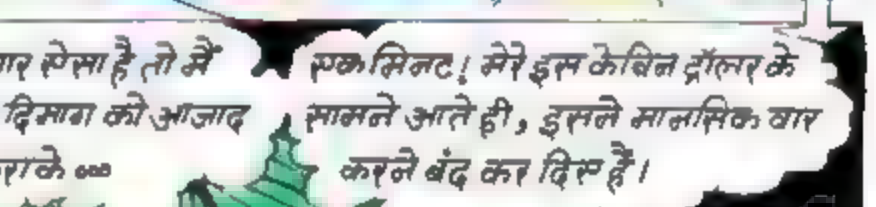
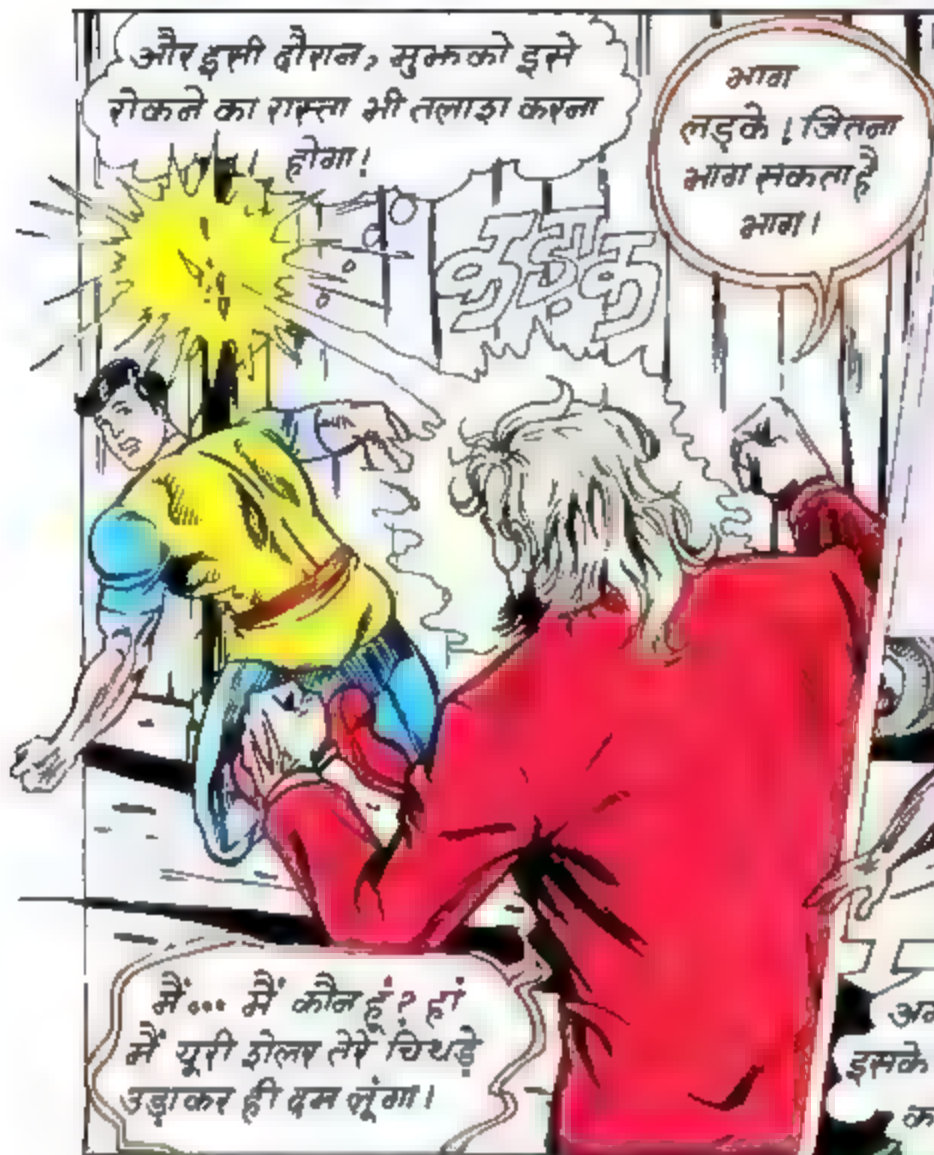
और अब यूरी डोलर एक बार फिर, धुव की तरफ मुड़ गया—



जंघो गिरते ही बेहोश हो गया—

ओह! यह फिर से मुझ
पर वार कर रहा है। मुझे इसको
यहां से दूर ले जाना होगा।

वर्ना इसका कोई वार, बेहोश
ब्लैक कैट को भी लग सकता है।



यूरी डोलर के 'मानसिक वारों' को झकाता हुआ ध्रुव, ठिगू मास्टर के तंबू में घुसा—

और आश्चर्यचकित रह गया—

ध्रुव!

अरे! ये तो वही बूढ़ा है, जिसने मुझे मारने की कोशिश की थी।

ये तुम्हारे तंबू में कैसे, ठिगू?

हां, यूरी! मरना है तो क्यों न लड़कर मरा जाए।

ध्रुव ने अपना हाथ बढ़ाया—

और यूरी ने बिना कुछ सोचे-समझे, ध्रुव का बढ़ा हुआ हाथ पकड़ लिया—

यहीं पर यूरी बह गलती कर गया—

ये... ये तो...

खैर, यह मैं बाद में पूछूंगा। अभी वक्त नहीं है। फिलहाल तो मुझको तुमसे एक जरूरी चीज चाहिए।

और कुछ ही पलों बाद—

अच्छा! तो अब तू मुझ पर हमला करेगा? आ... आ... आ जा।

जो उसकी आखिरी
मालती साबित हुई—

उसको एक तेज भटका
लगा ! भटका— जिसने
उसके दिमाग को हिलाकर
रख दिया—

और उसका दिमाग
आजाद हो गया—

ओह, ध्रुव ! हां, मैं पृथ्वी रहा था,
कि तुम मेरे तंबू में क्या करने
आए... अरे... मैं यहां कैसे
आ गया ?

ठिंगू मास्टर का
'मिनी डॉकर' अपना
काम बखूबी कर गया !

मैं तुमको बाद में सब समझा
दूंगा, युरी ! फिलहाल तुम मेरे
साथ आओ !

ध्रुव !

ठिंगू मास्टर !
और वही बूढ़ा !
ये बूढ़ा कौन है
ठिंगू ?

... और लगभग मार ही डाला था !
ठिंगू ने मुझे बचाया ! पर मैं काफी
महीनों तक ज़िन्दगी और मौत के
बीच में कूलता रहा !

बल्कि लोगों ने तो यह समझ ही
लिया था कि मैं अपने केबिन में
बुर्खतनावड़ा आग लग जाने के कारण
मर गया !

ये सर्कस के मालिक
हैं, रंगराजन साहब !
आपका इनका पार्टनर
है !

उसने इनको
जलाकर मारने
की कोशिश
की थी !

ठिंगू ने भी मेरे ज़िन्दा
होने की बात छिपाकर रखी !
क्योंकि राज खुलने पर आपका
मुझे दुबारा खतम करने की
कोशिश कर सकता था !

मेरे ठीक होने तक काफी देर हो चुकी थी। लोगों ने और कानून ने भी मुझे मरा हुआ मान लिया था। मेरा चेहरा भी पहचाने जाने लायक नहीं रहा था।

इसीलिए मैंने बदले की भावना से, सर्कस को तबाह कर देने की ठानी। सर्कस का चप्पा-चप्पा मेरा देखा हुआ था।

ठिगू के तंबू में छिपकर रहना, और चुपचाप अपना काम करते रहना, मेरे लिए बहुत आसान था।

हां, सर्कस के जानवर मुझे आज तक पहचानते हैं। जैसे जंजीर!



पर आपने मुझे मारने की कोशिश क्यों की?

क्योंकि तुम सर्कस का फायदा करवा रहे थे। और वह फायदा सीधे आरप्पा की जेब में जा रहा था। इसीलिए मैंने तुमको भी रास्ते से हटाने की ठान ली थी।

एक बात बताइए! आरप्पा के पास मानसिक शक्तियां भी हैं क्या?



आरप्पा के पास अपना दिमाग तक तो है नहीं! उसके पास मानसिक शक्तियां कहाँ से आएंगी।

तो फिर अपना दुश्मन आरप्पा नहीं, कोई और है।

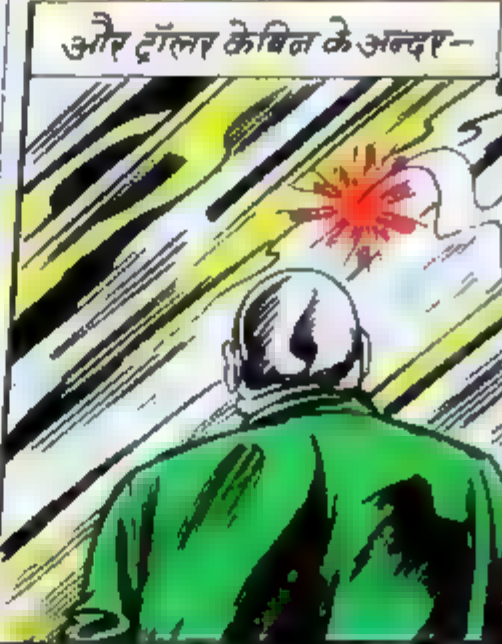
और वह उस 'ट्रॉलर केबिन' के अंदर है।

वह... वह तो आरप्पा का ही 'ट्रॉलर केबिन' है।



और ट्रॉलर केबिन के अंदर—

अब धुस भी खत्म होने वाला है। और लुई और स्टलस मेरी चीज लेकर भी आने वाले हैं। अब मेरी योजना पूरी होने के आखिरी चरण में है।



और वह तुम्हारी योजना सिर्फ
योजना ही रहेगी...

और फिर सभी की आंखें आश्चर्य से फट पड़ीं—

... धुव!

पहले आध्या आश्चर्यचकित हुआ—

ओ माई
गॉड!

यह
क्या है?

स्टार
फिश!

हां, स्टार फिडा, रंगराजन! वही जिसको तुम्हारे एक दोस्त ने ब्रिजलैंड के पास, एक हिमखंड के अंदर लगभग मृत रूप में पाया था। और तुमको उपहार के रूप में लाकर दिया था। तब मैं छोटा सा था आकार में।

तुमने मुझे बचाया। पाला-पोसा। और उसी दौरान मैं तुमसे और सर्कस में आने वाले अनगिनत लोगों के दिमाग पढ़-पढ़कर ज्ञान बढ़ोता रहा।

मेरी मानसिक शक्तियां बढ़ती रहीं, और मेरा ज्ञान भी बढ़ता रहा।

तुम्हारा दोस्त यह नहीं जानता था कि हम स्टार फिडों में एक अद्भुत शक्ति होती है। मानसिक तरंगों की शक्ति!

लेकिन मेरा मानवों को मारने का कोई इरादा नहीं है। आखिरकार हम लोगों को भी तो काम करने के लिए कर्मचारी चाहिए!

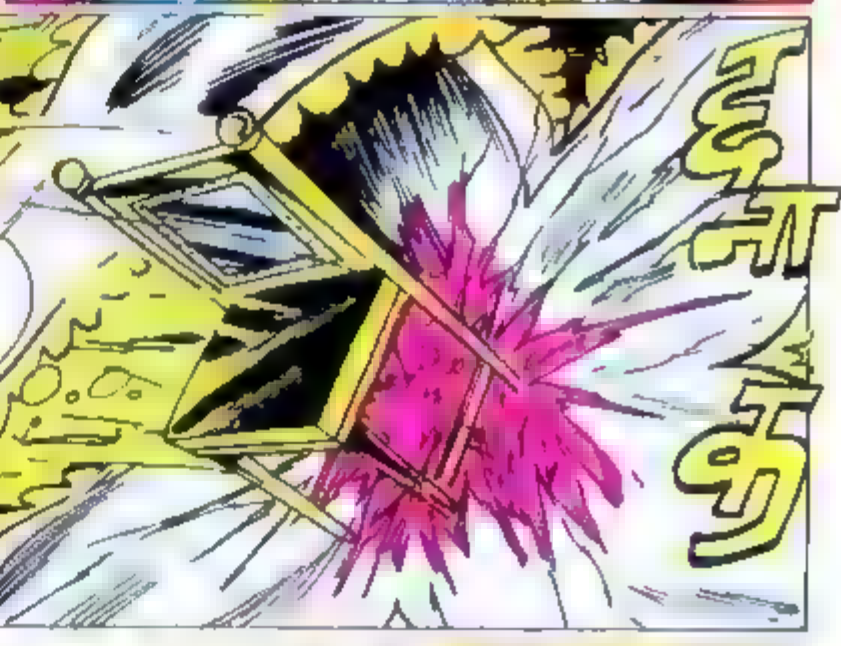
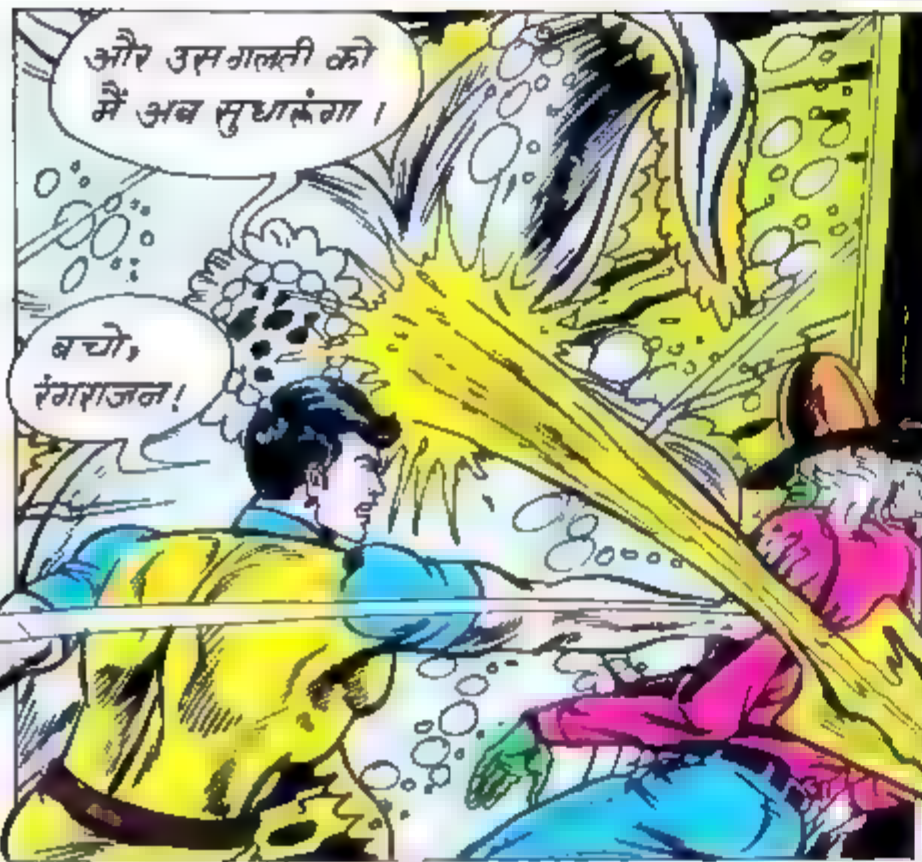
और वे कर्मचारी बनेंगे मानव! मैंने अपना अभियान, मानवों के मस्तिष्कों पर कब्जा जमाकर शुरू किया।

उसी ज्ञान से मुझे पता चला कि तुम मानव जाति के पशु, धरती को चूस-चूस कर कंगाल कर रहे हो। हवा, पानी में गंदगी छोल रहे हो!

तब मैंने यह निश्चय किया कि मुझे और मेरे जैसे अन्य समुद्री जीवों को पृथ्वी की बागडोर संभाल लेनी चाहिए।

और सबसे पहले मैंने जिस दिमाग पर कब्जा जमाना चाहा, वह तुम्हारा दिमाग था रंगराजन! पर तुम्हारी इच्छा-शक्ति ने मुझे असफल कर दिया।

तब मैंने आध्या के दिमाग पर कब्जा जमा कर, तुमको रास्ते से हटा दिया। पर तुम बच गए!



लेकिन ध्रुव और रंगराजन की यह
खुशखबरी, सिर्फ एक पल के लिए ही
कायम रह पाई—

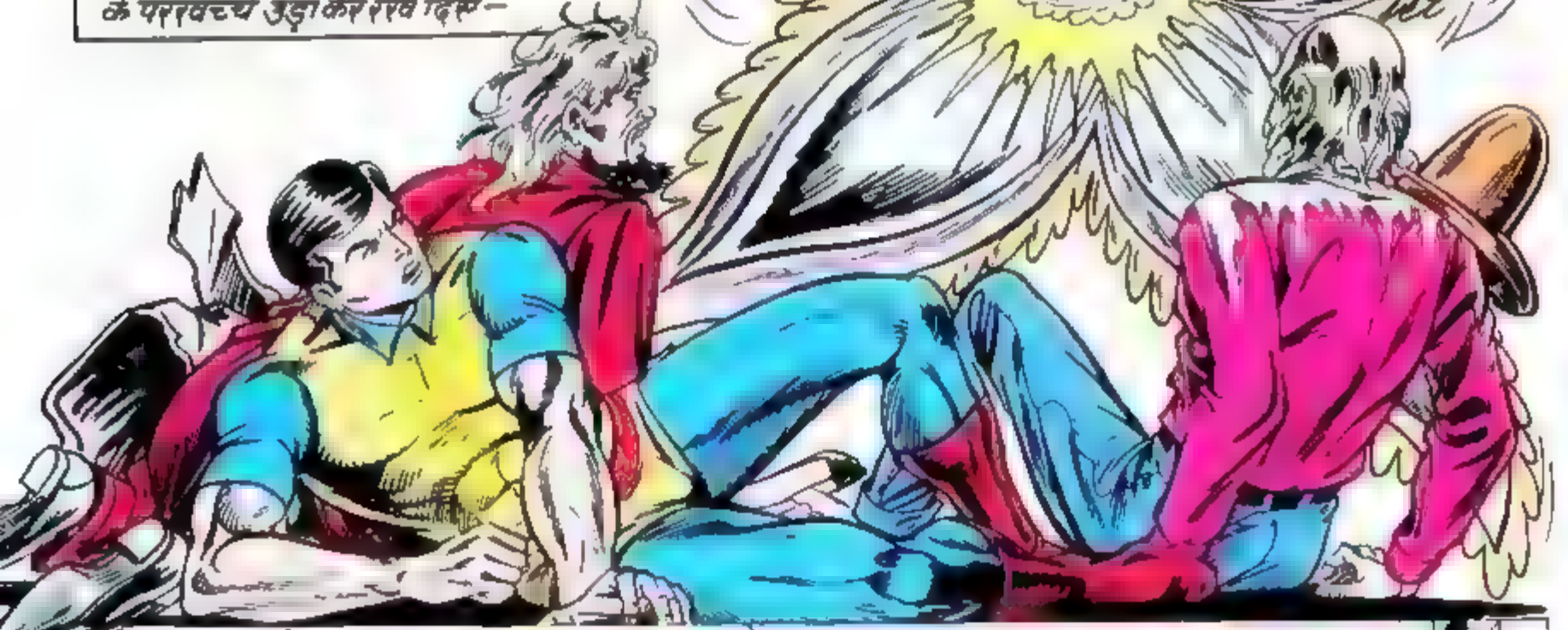
क्योंकि अगले ही
पल—

और—

मैं स्टार-फिड़ा हूँ, मूर्खों! और मेरा ज्ञान
इतना असीमित है, कि मैंने हवा में
सांस लेने की कला भी सीख ली है!

और मेरी
सांसें चलने के
लिए, तुम लोगों
की सांसें का बन्द
होना जरूरी है!

एक 'मेटल-ब्लास्ट' ने पूरे टॉलर केबिन
के परवचचे उड़ा कर राख दिए—



अभी लुई और स्टेलस वह 'मानसिक यंत्र'
लेकर आते ही होंगे, जिसको पाने के बाद, पूरी दुनिया
की ताकतें मिलकर भी मुझे रोक नहीं पायेंगी।
अब शुरू होता है, स्टार-फिड़ा का विजय
अभियान!



इसी वक़्त- सर्कस के मुख्य द्वार पर-

हैं! कहां गया मैंने तो वह 'मानसिक चंग' उसे डिक्की में वाला बोरा! ही रखा था!

साफ करना, भाई लोगो! दरअसल मैंने आपको बिना बताए, आपकी गाड़ी की डिक्की में लिफ्ट लेली थी!

पर रास्ते का बिल्कुल पता नहीं चला!

चंडिका!

वह मेरे पास है!

ये जो आप मानसिक चंग उठाकर लाए थे, इसके अन्दर, इसकी 'बुकलेट' भी एबी हुई है। उसमें इसको इस्तेमाल करने का तरीका भी लिखा हुआ है। वही पढ़ते पढ़ते रास्ता कट गया।

जानते हो ये कैसे चलता है?

देखो, ऐसे!

ताड़ धाड़

अब जरा सर्कस के अन्दर चलकर धुब भड़का के हल-चाल पता किस जाएं।

धुब, 'स्टार फिज़' के कारों से बचता फिर रहा था-

पूरी, तुम्हारे पास भी तो मानसिक शक्तियां हैं। तुम 'स्टार फिज़' को रोकने के लिए कुछ करो!

स्टार फिज़ के सामने मेरी शक्तियां बचकानी हैं, धुब!



आह! मुझे बचाओ! यह तो मेरी हड्डियां तोड़ रहा है!

ओफफ! क्या हम रंगराजन को बचाने के लिए कुछ नहीं कर सकते!



ध्रुव! क्या हो रहा है यहां पर?

चंडिका! तुम यहां पर कैसे? और तुम्हारे पास यह 'मानसिक यंत्र'? कमाल का संयोग है! अभी हमको इसी की सख्त आवश्यकता थी।

लाओ, इसे मुझको दो!

ध्रुव ने ध्रुव को संकेत में 'मानसिक यंत्र' की कार्यशैली समझा दी—

'स्टार फिडा' लड़पकर रंगराजन को धोड़ने के लिए मजबूर हो गई—



इसको पहनकर 'स्टार-फिडा' पर जाएं! अब रंगराजन और हम लोगों को सिर्फ तुम ही बचा सकते हो, ध्रुव!

क्योंकि तुम्हारे पास पहले से ही मानसिक शक्तियां मौजूद हैं!

मैं कोशिश करता हूं, ध्रुव!

और उसने अपना ध्यान ध्रुव कोशिश की तरफ लगा दिया—



यह तो वही 'मानसिक यंत्र' लगता है, जो मुझे चाहिए था! इसे मुझे दे दे, ध्रुव!

वर्ना मैं इसे तेरी लाश पर से उतार लूंगा!

अचानक-

ओह! ध्रुव, इसकी मानसिक
शक्तियाँ बहुत तेज हैं। मेरे मस्तिष्क
के साथ-साथ इस मानसिक पंथ पर भी
जोर पड़ रहा है!

मैं तुम्हारी क्या मदद कर सकता... वाह! यह कार्बन डाइऑक्साइड वाल फायर-रिक्वेस्टिगिअर!

यह कुछ काम कर सकता है!
क्योंकि इसने ठोस कार्बन डाइ-
ऑक्साइड के कण निकलते
हैं, जिनको अत्यधिक ठंडा
होने के कारण 'सूखी बर्फ'
भी कहा जाता है।

यह ज्यादा देर तक
सही-सलामत नहीं रह पाएगा!

और 'स्टार-फिश' पहले भी हिमखंड में कैद होकर अधमरी सी हो चुकी है। यह बर्फ की ठंडक नहीं सह पाती है।

इसका केन्द्र ही इसकी सबसे कमजोर जगह बन रही है। यहीं पर धार करना सीक रहेगा।

चूरी से 'मानसिक चंग' लेने में जुटी,
स्टार फिडा, ध्रुव पर ध्यान नहीं दे रही
थी -

और जब तक वह ध्यान दे पाती, तब तक बहुत देर हो चुकी थी—

आर्रर्रर्रर्रर्रर्र! ये ठंड! मुझे
मुईयां सी चुभ रही हैं। मेरा दिमाग
मुन्न हो रहा है। आssss!

... बेहोश हो रही...
आ 555 है !

एक तेज आवाज के साथ, स्टारफिश का बेहोश शरीर, धम्म से नीचे आ गिरा—



और उसके बेहोश होते ही, उसके मानसिक
बंधनों में कैद, सभी लोग आजाद हो गए—

और सारी गलतें समझने
के बाद—

मैं तुम्हारा भी अपराधी हूँ, रंगराजन,
और राजनगर के निवासियों का भी ।
इसीलिए मैं तुम्हारे सामने यह घोषणा
करता हूँ, कि आज से एक हफ्ते तक राज-
नगरवासियों को एकदम मुफ्त में सर्कस
दिया जायेगा ।

म... मैं कहाँ हूँ ? यह
सब क्या हो रहा
है ?

छबराइए नहीं,
आपका साहब ! हम
आपको सब समझा
देंगे !



और हर रात को
एक डोबेगा सुपर
कमांडो ध्रुव ।

क्यों ध्रुव,
राजी हो न ?

किसी भी अच्छे
काम के लिए मैं हमेशा
राजी हूँ ।

पर पहले स्टारफिश को कैद में रखने के लिए
बर्फ की सिल्लियों से भरा ट्रक लो मंगानो । बाद में
इसको परमानेंट कैद में रखने का रास्ता ढूँढ़ेंगे ।

राज

मूल्य 20.00 संख्या 53

हथियारी राशियां

सुपरकमांडो

प्रव

इस विशेषक के
साथ एक आकर्षक
संका मफल

राज कॉमिक्स डिपार्टमेंट

इलाहाबाद गांधी



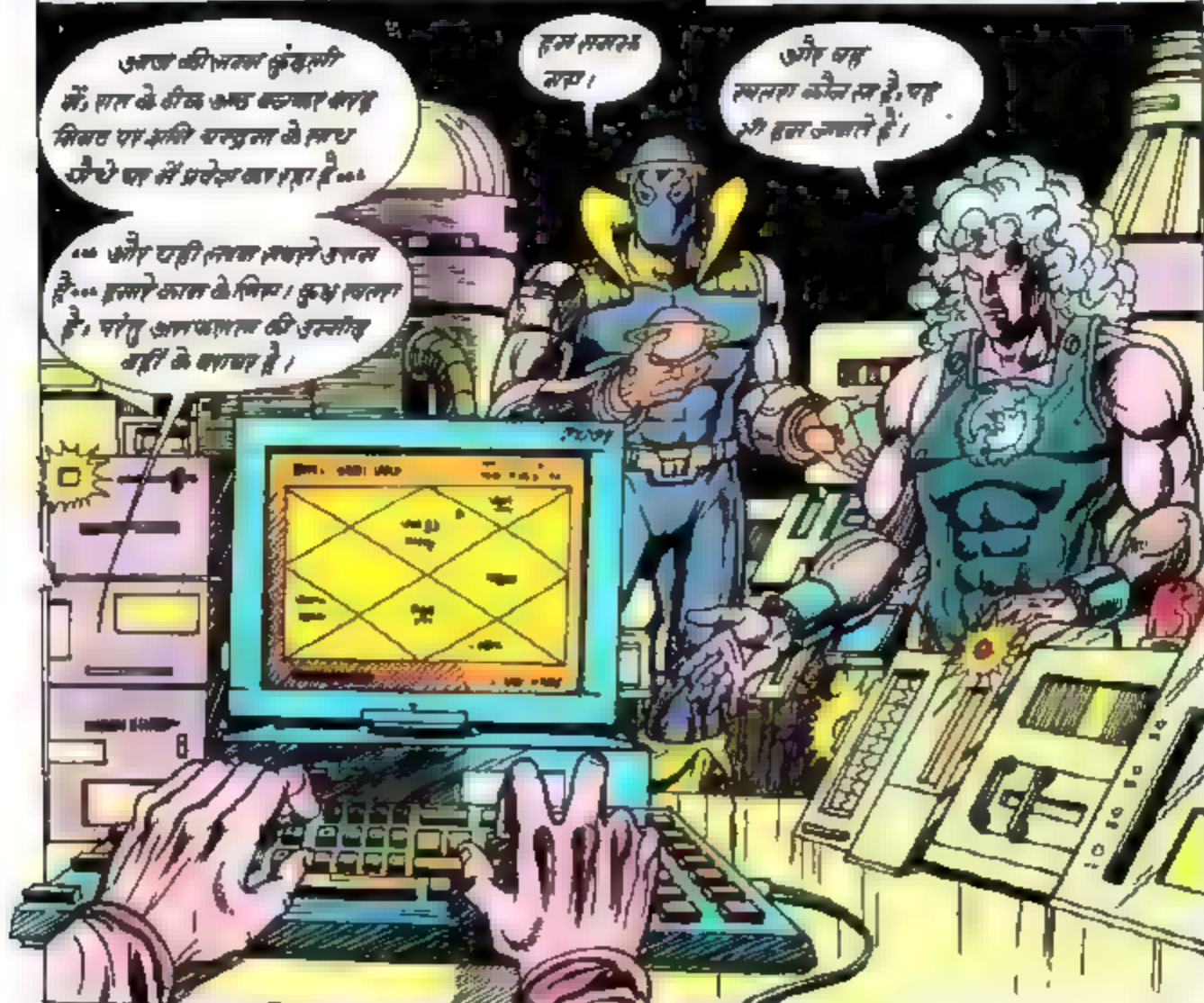


हत्यारी राशियाँ

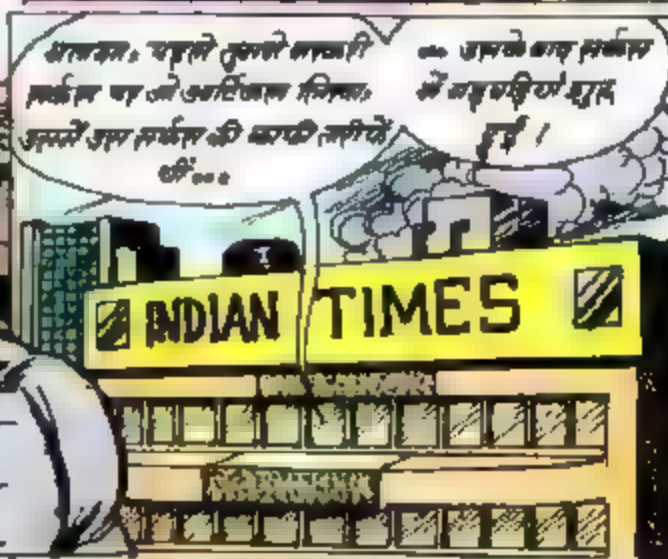
कथा: अनुपम सिन्हा, चित्र: अनुपम सिन्हा, इंकित: विनोद कुमार, संपादन: मनीष गुप्ता

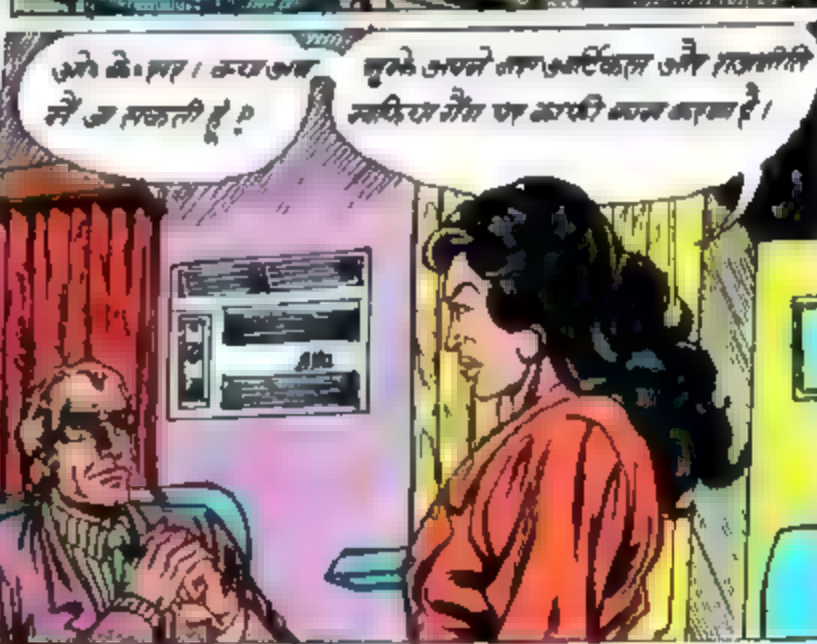
रात के काले आकाश में घूमते-बने- कविता के लिए कल्पना का स्थान है। वैज्ञानिकों के लिए गहनता का भंडार है, और अधिकतर लोगों के लिए है, जेलों में बिजली का आकार—

इन रातों के बारे में बहुत कुछ तो जल्दों कात, रातों की प्रियि की गहनता काते, कुछ भी जल नकात है। मृत, कर्मज... और अविष्ट—











इतने तुरन्त
चेहरे पर धुँधिल... मेरा
सतलज है... किंकल !
गुप्ते की किंकल ?

?



क्या हुआ
बतलाओ ?

शेखर !

मुझसे कितनी बार
कहा है कि बकवास
कम किया करो !

लो ! मैं तो समझता था
कि लड़कियाँ लीक सुनकर
तुका होती हैं ! फिर भी क्या
हुआ ?

ओ वही अपना
मन मड़िया कि चीक !
कितनी की धर्मजल प्रेमजल
ओ समझता ही नहीं
था !



अभी कुछ
नहीं है,
शेखर !
तैले एक बात बताओ !
हर बार एक ही जगह
सुनकर तुम रो नहीं
होते ?
क्या करें ? क्यों
पूछे बिल भी तो नहीं
भरता ! कितनी म
कितनी बिल तो हैं !
कहोशी !

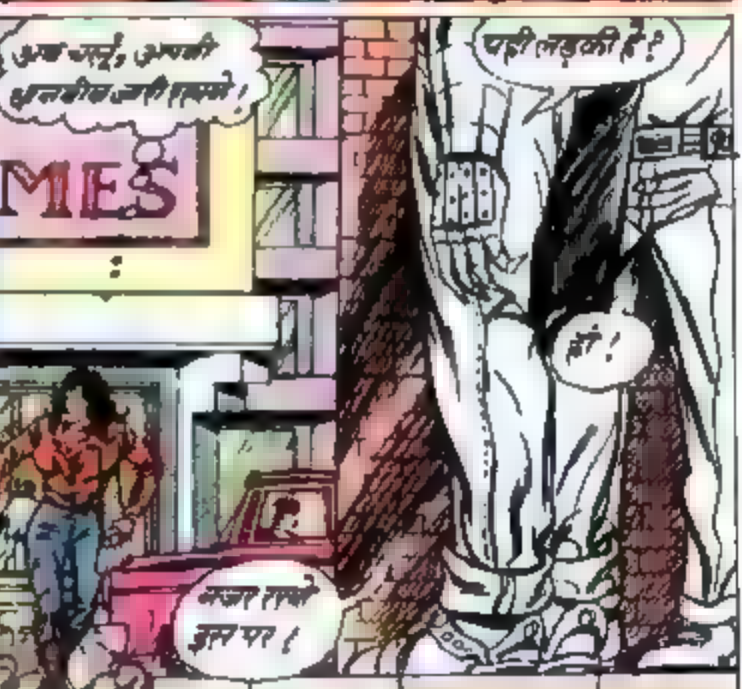
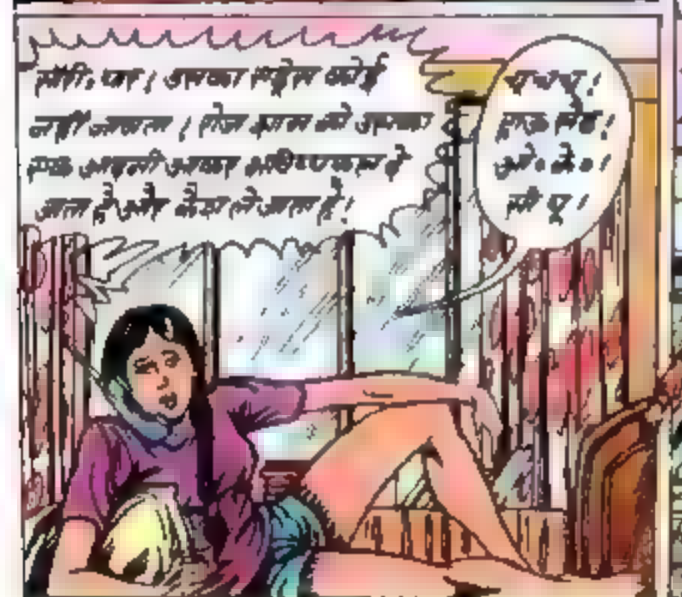
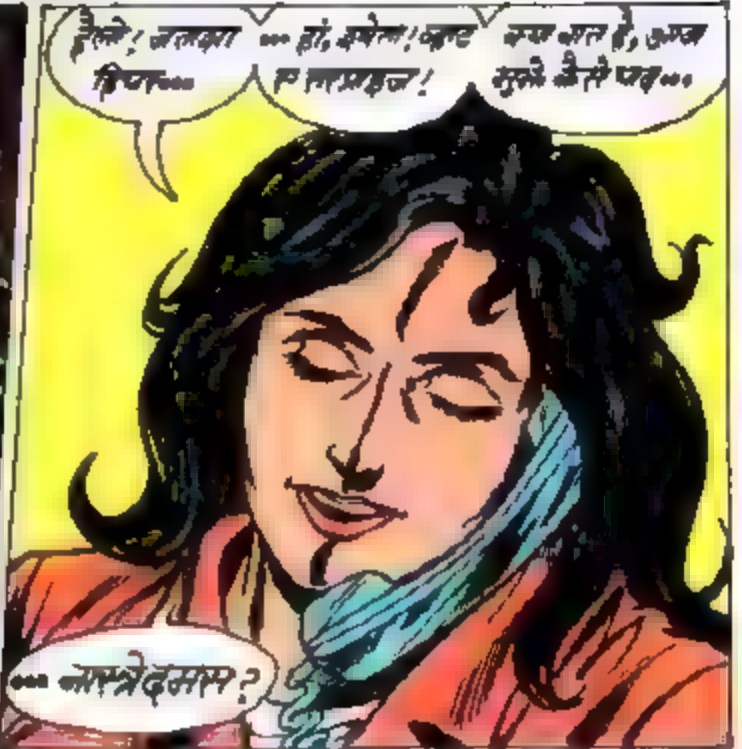
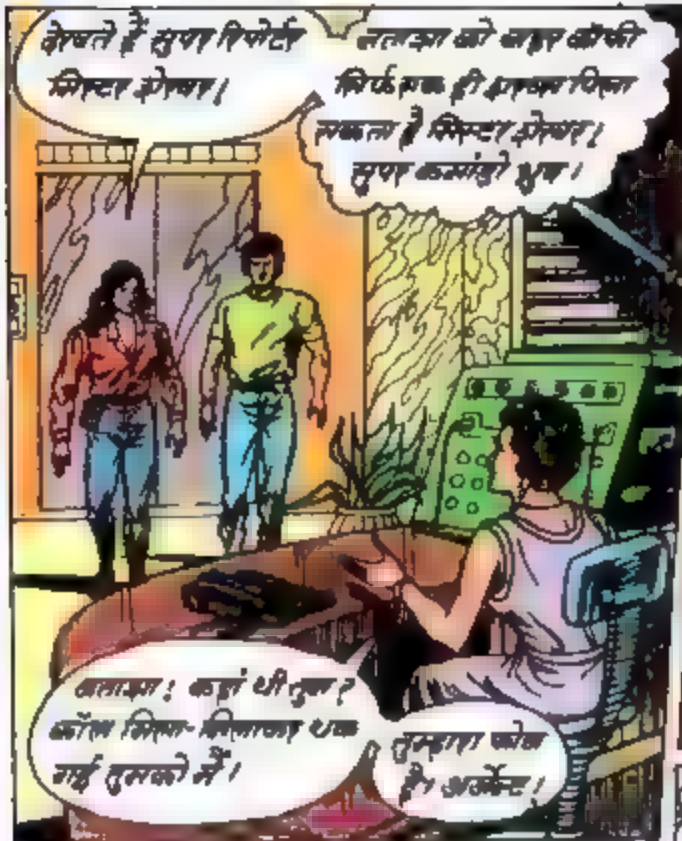
अब मैं कोई ज्योतिषी तो
हूँ नहीं ! ओ बला-चलका,
वही निरपुंगु न !

जानकर एक-एक कपड़ों की
चिन्ने के धारे में क्या रहस्य
है ?



LIFT





हथारी राशियां

और कुछ फास से भी होते हैं, जहां या हाज होना है मजबूत का...



... सेज प्रति से दोहने जड़ने का...



और दिकान की नज़र में बात लगातार दिकानिचों का...



इसका लड़का कंसाइकलेंट से जले हुए धुकधुकी लगी रहती है या अलकल।

ओप, किरा बत की धुकधुकी बुराई मोहक से लेते लीक हक और इतने लय ही दिखते हैं। ओप वे लकी अलकल अलकल हाफलों से होते हुए वहीं पहुंचते जहां इतने अलकल है।

कितनी भी लुटेरे के लिए यह अलकल अप्रकल है कि अलकली नाल किरा हक से...

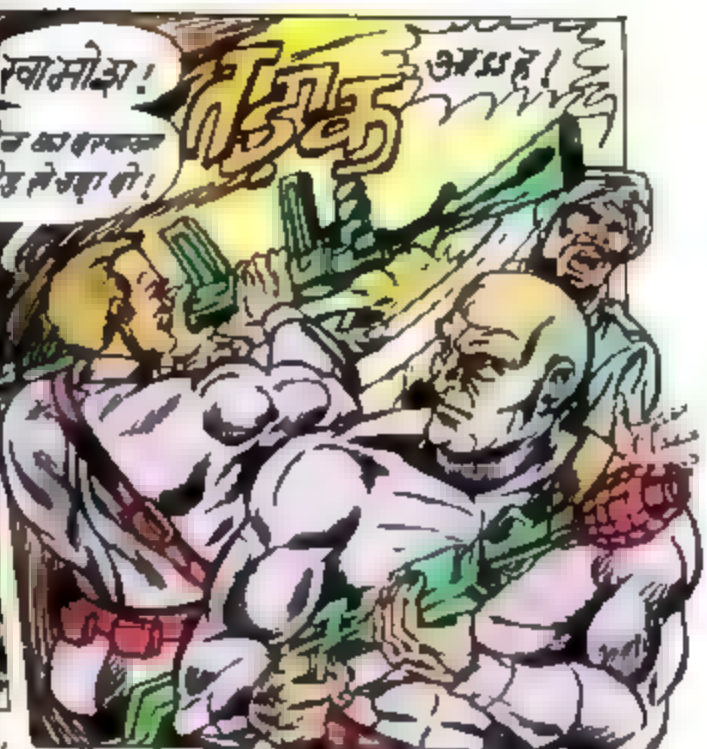
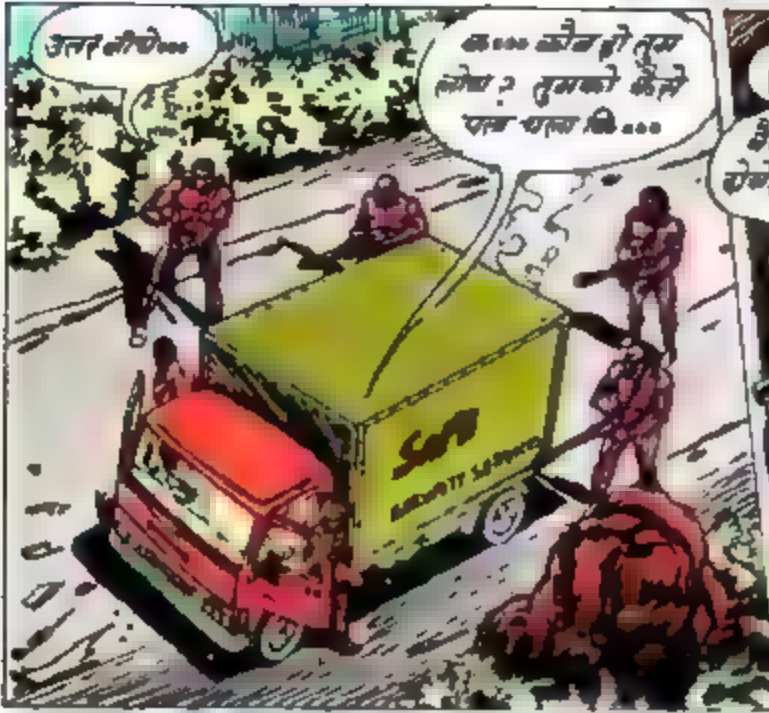


मार्ग के चौ ब्रेक या हकले बले का...



कितनी से वे इतना बड़वारी की है ही इंतजाम... मार्ग...

हड़त

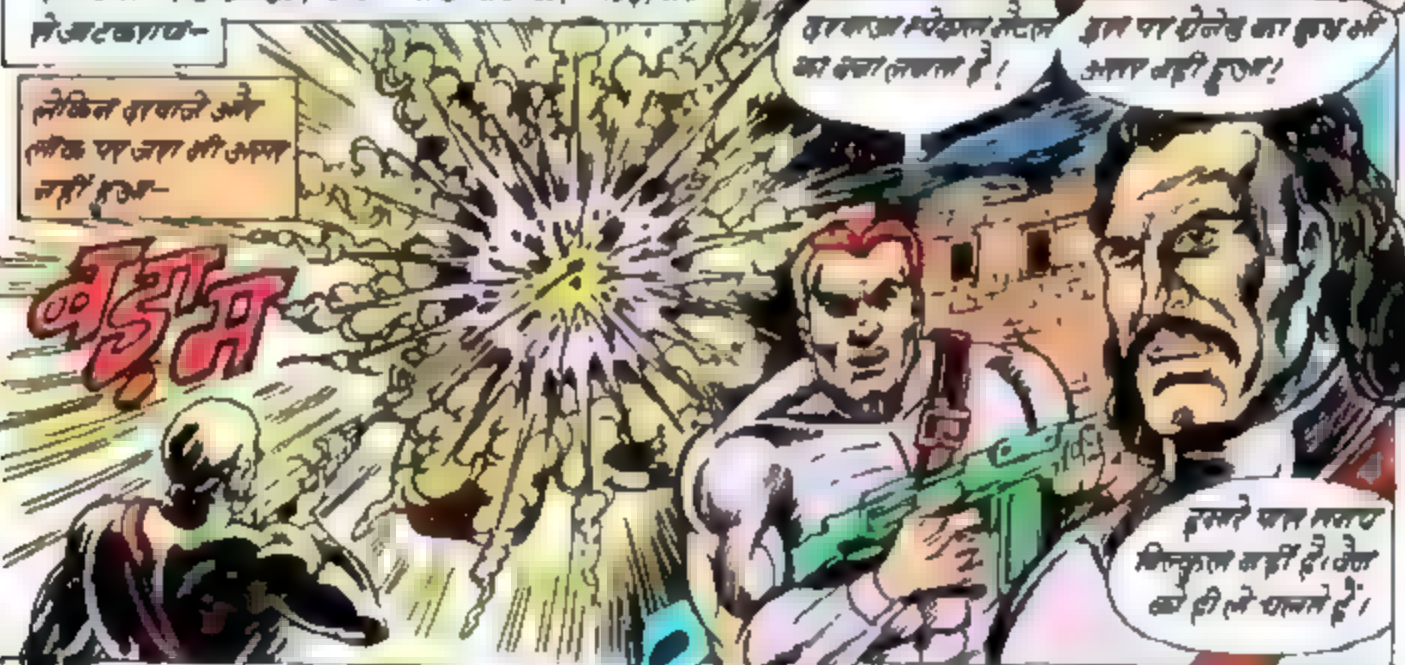


होकेट प्रोफेन्ड रोलेट, एक भीतर आकर के लपट, हाथको ले आटकाय-

लेकिन हाथको और लोक पर जरा भी असर नहीं हुआ-

हाथका प्रोफेन्ड मेटल इस पर रोलेट का हाथ भी का बला लगता है!

इस पर रोलेट का हाथ भी असर नहीं हुआ!



लेकिन इससे पहले कि तुमने जेल में चढ़ जाओ...

... हवा में कुछ धक्का-

स्टार ब्लेड!

और इन्होंने वेब के टाइटनों को पंच कर दिया है। इसका रफ्तार ही मतलब है...

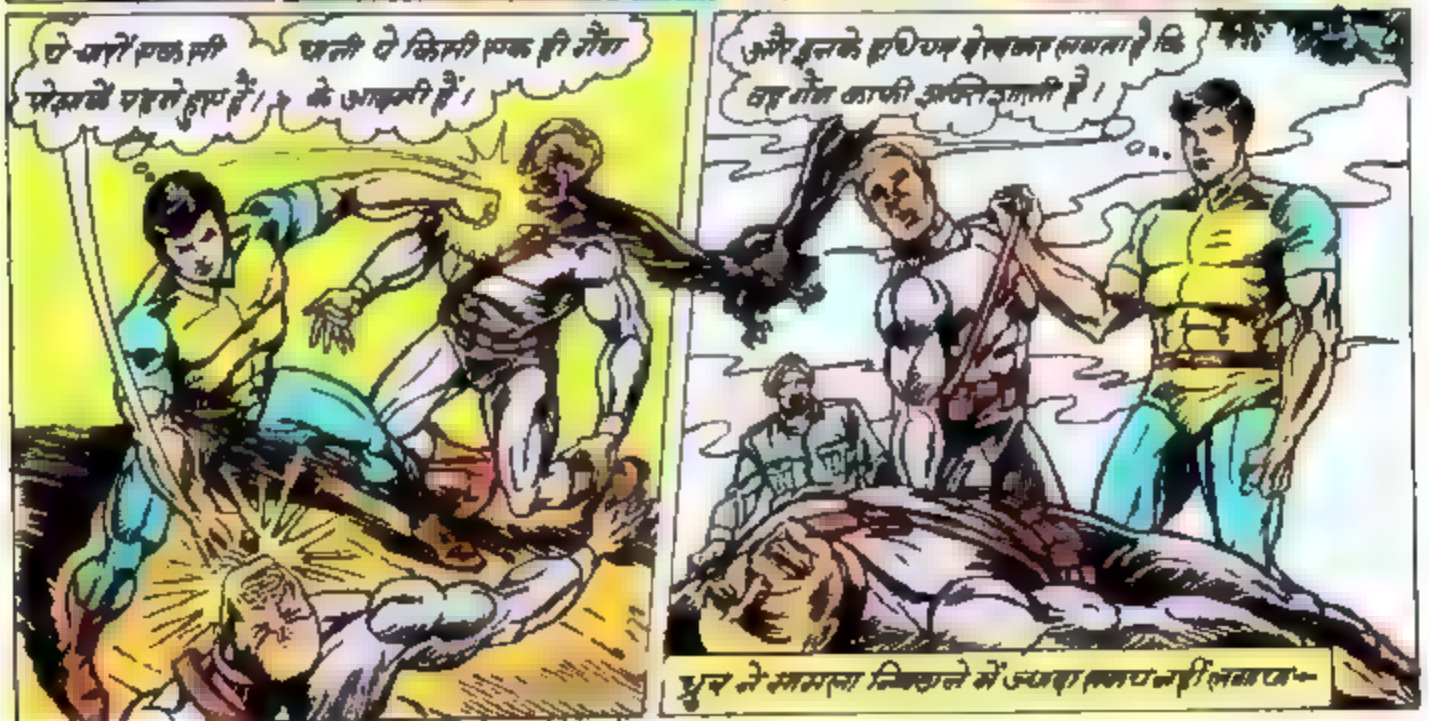
... कि लुप कमेंटो भूष यहां पर आ चुका है!

तुमने कहा था कि मोटरसाइकल की आवाज का डरक सबको... ओके...

डरक तो सब था। पर आवाज अर्ध ही नहीं... फैल पाया।

आवाज उमरी कहाँ से? मैं मोटरसाइकल से आया ही नहीं। इस समय के ट्रैफिक में मोटरसाइकल से कहीं पर भी उमरी पहुंच फका असंभव काल है।

मोटरसाइकल आधी रात की सुनसान सड़कों पर भ्रम के लिए ही ठीक है। इस समय तो धूलों के ताने, झूलते हुए आवा ही सबने अचभलीका है।



क्योंकि उनको जबरन धमकी-

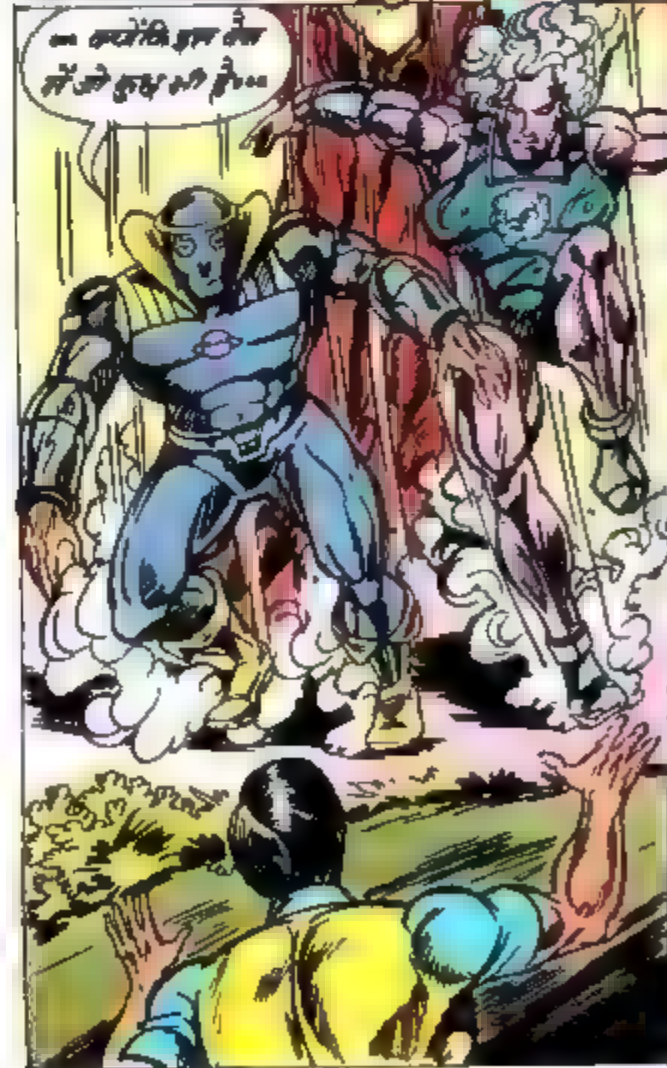
क्या हो रहा था वहाँ पर?
इस जगह में ऐसा क्या है, जिसको
चुपे से चुपे से पकड़ लिया है?



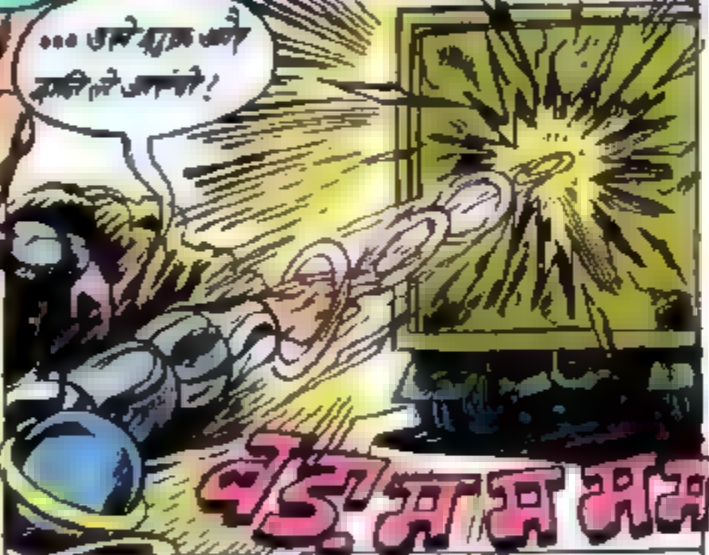
ये जगह तो
क्या करेगा,
क्या होगा?

?

... क्योंकि इस जगह
में जो कुछ भी है...



... उसे कुछ और
पकड़ ले जाएंगे!



ओह! हाई स्पीड फ्लायिंग
मिम! इसी के धक्के!
एक क्षण में ही जैस के घरवाले
के घरवाले उड़ा दिए!



युद्ध के कुछ तत्त्वों को तो पढ़ाते ही, युद्ध क्षेत्र में तो एक
छोटा सा बौद्धिक लेखक बहा आ युद्ध पर-

अपना तो अकरो। ये
भुज्जो हमको होखने की
हिम्मत नहीं करेंगे।

लेखने शुरू हैं। कल बॉम्बे में
सुधा शर्मा कलमिटी के सपना
राखे हैं। मजबूतों के लिए।

सुनसुनी कीमत अदको
ने ३३

ਮੁਰ ਕੇ ਰਿਹਾ ਅਜੇ ਕੁਝ ਸੁਣਕੇ ਕੀ ਆਵਾਜ਼ ਨਹੀਂ ਪੀ—

अथर्ववेदः

कहना, मुह के हाथ में प-

12

लेकिन, धुप को उसी पल शुक ने धुप उड़ाल अलग पड़ा—

एक सुनो ने
इसको काट रखने की
कोशिश कर ही नहीं।
इसको तुमना मरना
खाली करीब।

ओह! एकपल्लोसि
मिरा! इतना अलग ले
ने देर ही चुका हूँ।

धुप कि ले ले
बच गया—

शुक को होश
रखते होकर, शुक को ले पकड़
ले गए—

शोक

शोक

एकपल्लोसि मिरा इस ने दिखिने की तरह कहा—

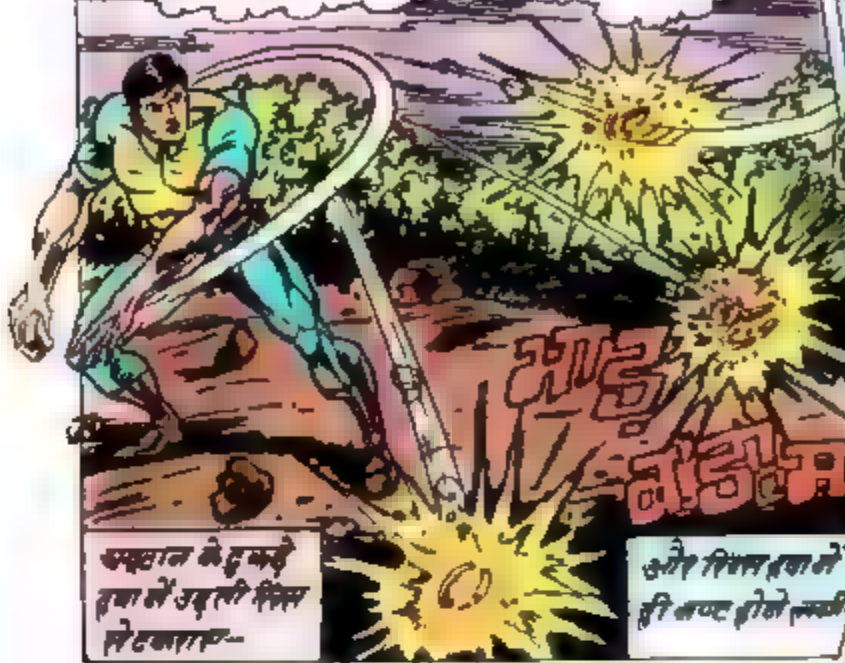
लेकिन धुप को एक भी कि नहीं धुपक—

इस मिरा को
अपना हो तक भेजा
है मर मुकिल
मरता है!

इसका मुकाबला
अपने धुपका इस ने ही बचा
करना होगा।

लेकिन इस ने उड़े, बदला के
अपना धुपको ने अपना-अपना सिद्धांत धुप मिरा—

और ये काम करेंगे, चट्टान के ये... और ये काम
हूँ दुकड़े। पहले सम्मपकोसिह सिंग सम्मपकोसिह सिंग
ने दुकड़े तोड़ा... को नष्ट करेंगे!



चट्टान के दुकड़े
हवा में उड़ती सिंग
ले टकराए—

और सिंग हवा में
ही नष्ट होके लगी—

बचलुटो भी होय में आ रहे थे—

ये दोनों
कौन हैं?

यल नहीं। मगर जो भी है,
हैं ये उसी गलत के पीछे, जिसके
पीछे हम हैं।

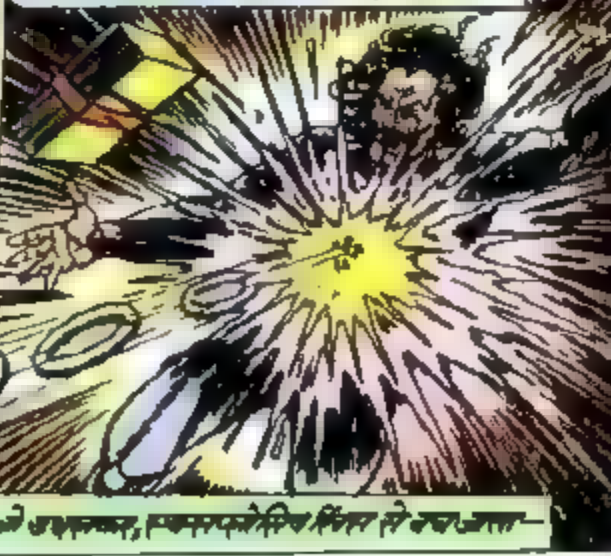


अभी जैसा अभीक पर पड़ा
है। और ये दोनों लड़ते में
बिजली है। बुराया बेहोका पड़ा
हुरा है।

यही मौका है,
मगर उठाओ और
पुल लो!



और अगले ही पल उसके सिधड़े उड़ गए—



बिजली की ली लेजी ले लक मुँहों के साथ, जैसा न कर गए।

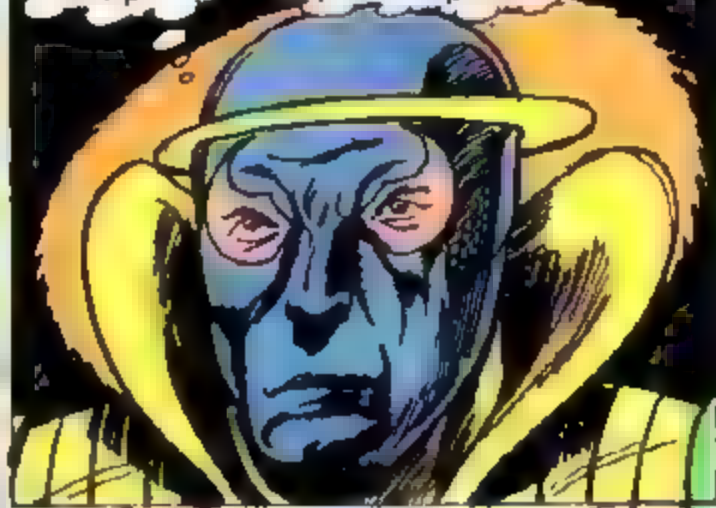
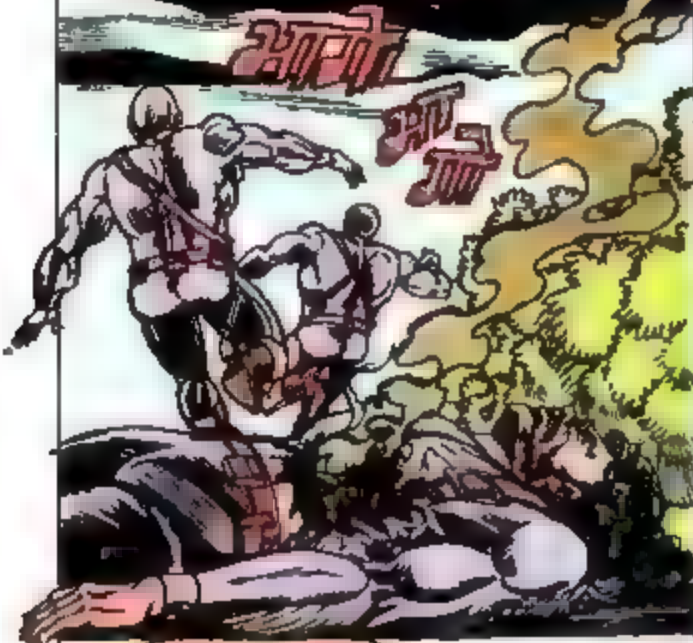


यह धुल नहीं था, जो उड़ानकर, सम्मपकोसिह सिंग ले टकराया—

ये छोटा लड़कूना ही, तुम्हारे दो दिलों में बड़ाका
उत्पन्न करने के लिए काफी था—

अब लड़ाई निकल चुकली और राशि के बीच में थी—

इस पर लड़कूना फिरोज ... उसको तो ये उधाल-उधालकर
दिश का का करवा देकर का देता है। इससे बुरे तरीके
देकर है... से निकलना होता।



ये दिन तेरे शरीर को
अच्छाकर तुम्हें हिलने-डुलने
से भी लाचार का देवो कलंगुं!

और फिर तू इसने
किसी भी तरफ के लिए एक
अमरत लव सिद्धांत होगा।

प्रांथप्रांथ

हो सकता है
शक्ति! लेकिन
पहले इस शक्ति को
तुम्हें जीवने का
लेने दो।

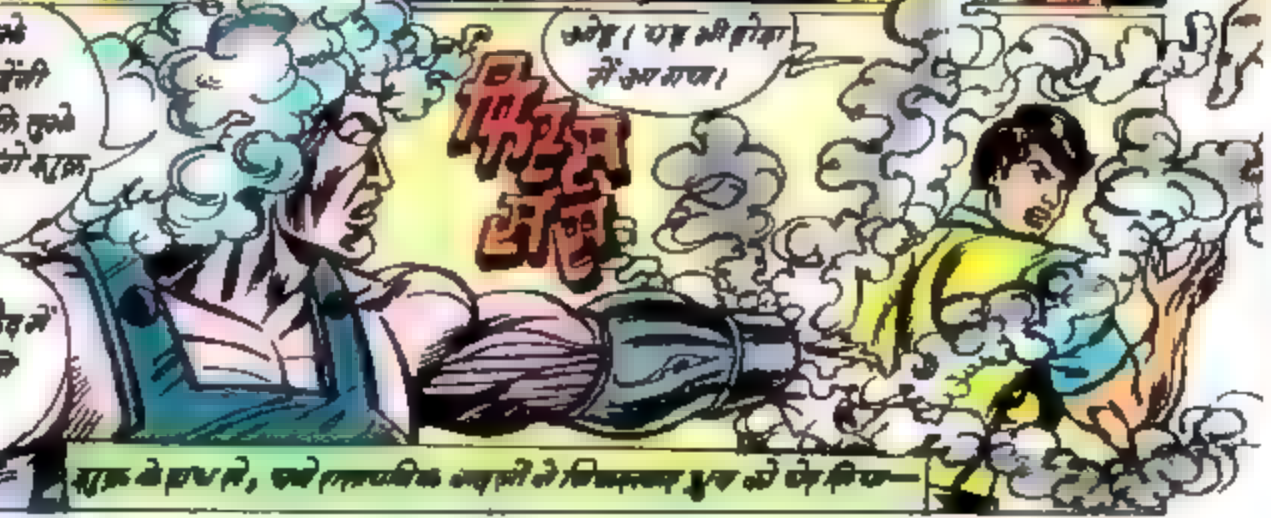


ये शक्ति तो तुम्हें
कैद करके ही रहेंगी
कलंगुं! क्योंकि तुम्हें
पहले बेधकर करेंगे रुक
के बदल।

और फिर
तुम्हें अपनी कैद में
पील डालेंगे शक्ति
के धल्ले।

अरे! यह भी होना
में आ गया।

क्रिस्म
अल



शक्ति के रूप में, उसे एकमात्रिक अवस्था में सिद्धांत रूप में ले लिया—

असोसिएट और कार्बन-डाय-ऑक्साइड गैस के घले
बबलों में घिरकर भुव कुछ पलों के लिए चकरा
बाध-



हा हा हा ! भुव कमांडो भुव !
अब इन क्षणों के अदृश लेरी
लाहा ही जगती !

ये धक्के इरा की कमी मोह-
का पहले अकार में बहते हैं,
अब ये जैसे-जैसे तेरे करीब की
ममी से ममी उबली जगती,
ये धौंटे होते जगती !



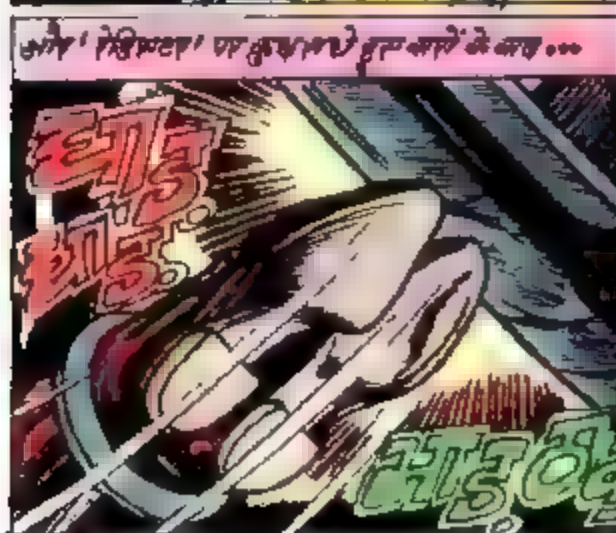
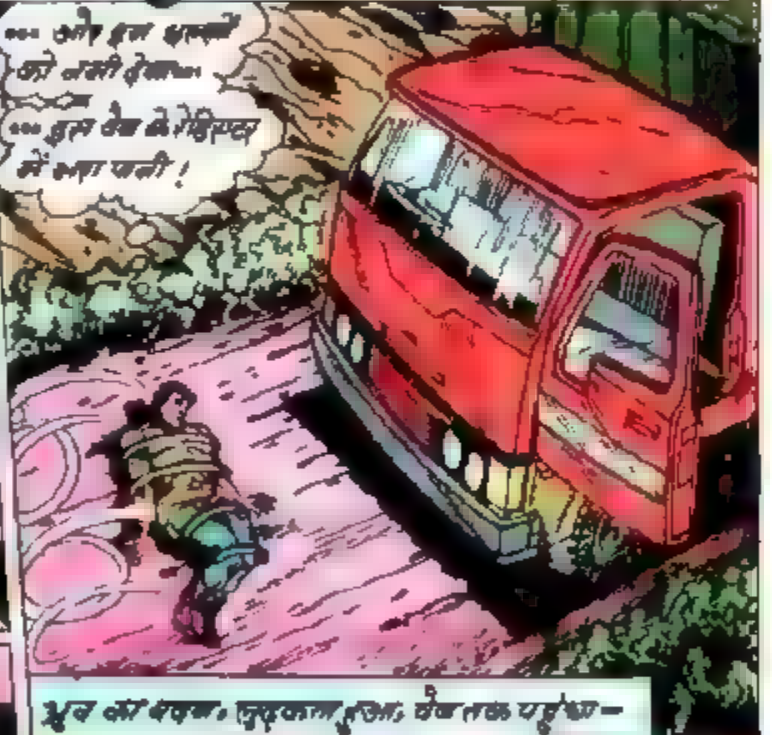
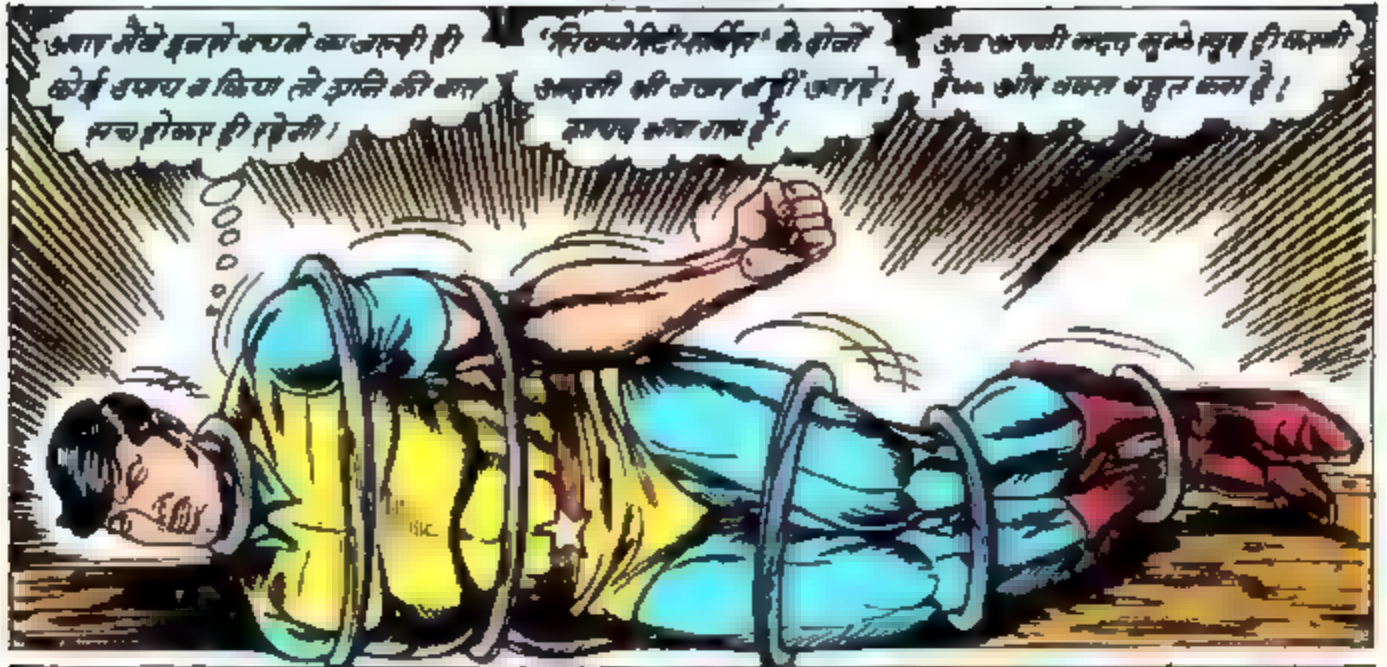
और फिर... फिर ये तेरे
भुव की लगी दृष्टिओं को तोड़कर
तेरे गून में मिला देते !

और तुम्हें मिलेगी बृहत् भुव कमांडो !
एक अचानक अब जर्क में मुलकाल
'मौल' !



अरे ! ये वीले भरा
रहे हैं, और मैं इनको
फोकले के लिए कुछ भी
कहीं कर सकता ! क्योंकि
फिलहाल तो मुझे अपनी
आवा बजाते वह रास्ता
मोचका है !

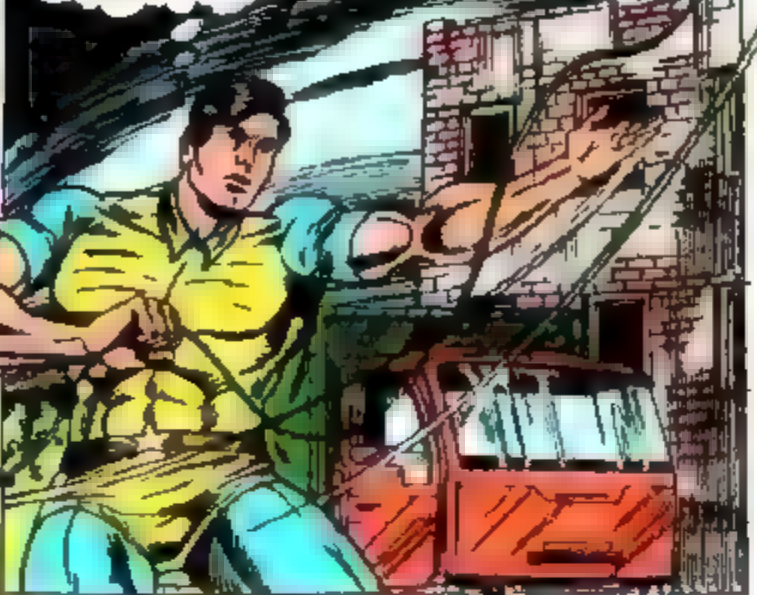
क्योंकि ये धक्के
मेरे करीब की जगती
जा रहे हैं !



कुछ ही पलों में वह मुर, धमकते से आकाश पर—

इतनी देर में मेरे अलावा, किसी
लेखक यहाँ से भाग चुके हैं। और
वैसा का बेइयाफी वाली कंसाइजमेंट
भी लुप्त हुआ है!

अब यहाँ पर रहने का
कोई फायदा नहीं है!



रात का अंधेरा मुर
को बिलस रहा—

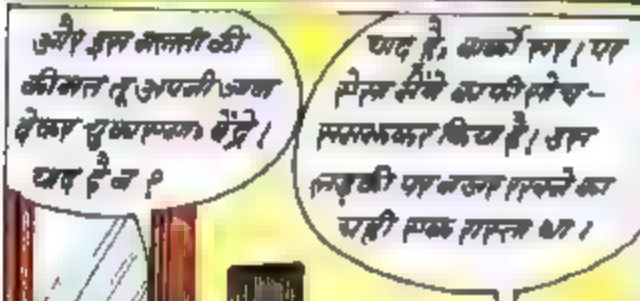


और इतनी जल्द— रातभर की लम्बी
झाँकड़ा दुकानों में ले जाके में—

तुमको इंडियन टाइम्स
का चीफ़ एडिटर मैंने बतकाया
है मेरे! पाद है न?
तुम्हारी नौकरी
और इज्जत भी मेरे
हिसाब— कबल पर है...



Sha. Grl. Law



इस मुख्य बिंदु को यह बात नहीं है, ... जो एक बालक इराकत कि मेरे दो अहली, लम्बा के पीछे पर उलकेलि को लकीरका पहले से ही लगे हुए हैं...



हमने अबुली कपल आ गए हैं, बाकीं तर!

आ गया? चलो, मैं आता हूँ।

तो उसे बैठी, कहां है वे अबमेल नजर नहीं आ रहा। वह रत्न ? और... समूल लम्बा कहां रह गया ?



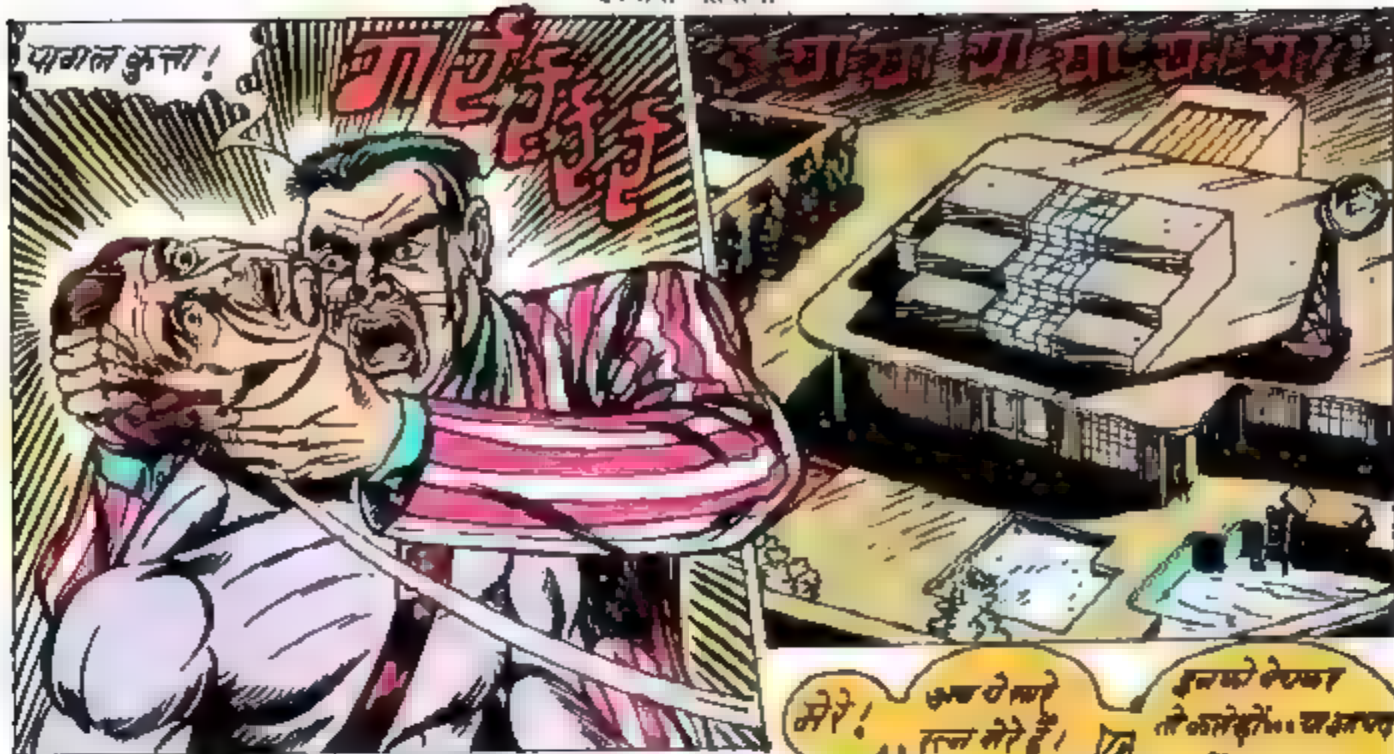
अप से थप थप कांपता बैठी सब कुछ हाइ स्पीड टेप की तरह उमलता बना गया—

ओह! बे रत्न मुझे इसलिये आदिम थे, लेकिन मैं उनको बेचकर पैसा कमा सकूँ, और उस पैसे से राजनीतिकों को लकीर-लकीरकर अपनी जेबों में डाल सकूँ। बुलिया की बजाए मैं तो एक बिजनेसमैन हूँ। बहुत बड़ा बिजनेसमैन। (लोकल मेरे जैसे कबलने का जगिष तो अजगब ही है।)



और उस जगिष को तुमने बुझाकर पहुंचाया है। और ऐसा करके तुमने मुझे गुलाम दिलाया है...

... और बाकीं को जब गुलाम आता है, तो वह बच जाता है...



एक बार इनके बारे में पता चल जाने के बाद मेरी ज्योतिष विद्या के लिए ये अच्छा सुविधान नहीं था कि ये हस्त किम्बदन्त और किम्बदन्तों से संपर्क करेंगे ?

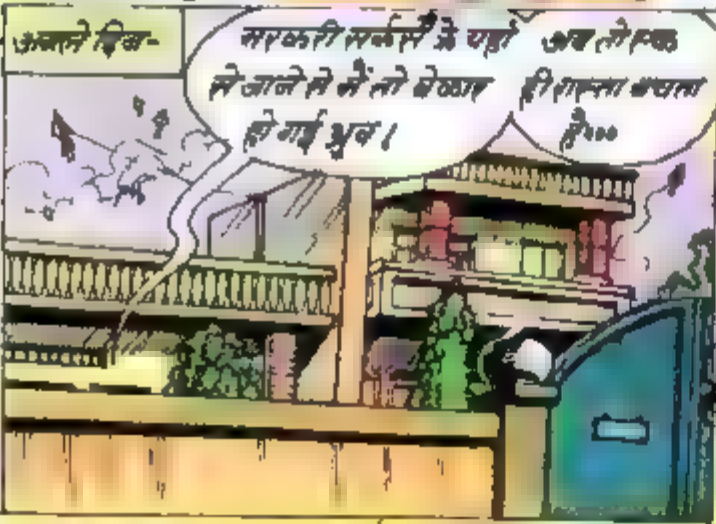
कमाल की ज्योतिष विद्या जानते हैं आप महाकाव्यकालीन !

वे सिर्फ एक बात नहीं जानते थे कि ज्योतिष विद्या और विज्ञान का आपस में गहरा संबंध है ! लेकिन मैं इस बात को स्पष्ट करके दूंगा !



हां, जानता हूँ। अपने महान ज्योतिष विज्ञान से सीखी है मैंने यह विद्या !

और इसका सबसे पहला कदम मैं उस लोगों को दिखाऊंगा जिन्होंने मुझे समझा कहा कि अपने बीच से तुम्हारा कर निष्पन्न दिया था !



अजाने दिव-

सरकारी सचिवालय के यहाँ अब तो एक से जाने से मैं तो बेकाफ़ी ही शान्ति बचता हो गईं भूच !

... कि मैं सबकुछ पर गजब लालसा कर बैठता लगता दिखता है !

गुड आइडियस, विद्या ! लकावा में बजा दूँगी ! कनार्ड का डेन परासीट दे देना !



तुम चाहो तो कमाओ फोर्स ज्यादा कर सकती हो, विद्या !



कनार्डो फोर्स ? तो ऐम्स, भूच ! मुझे लुडार्ड, सिडार्ड से बहुत परेशान है !



तो फिर मुझे यह बताओ कि तुम्हारी हडि लिम्फाटिक के अलग और किस किस चीज में है!

कंप्यूटर!

आह! तब तो तुम कलांडो हैडक्वार्टर के नाम सुना कंप्यूटर को संभाल सकती हो!



हुन! संभाल तो सकती लेकिन काम करने के हैं। मैं एक एक्स्पर्ट सिर्फ मुझे ही संभालनी की कंप्यूटर-प्रोग्रामर हूं। अगरन होती है। मैं कलांडो हैडक्वार्टर में बैठकर काम नहीं कर सकती!

तो आइए, मैं तुम्हारे अक्वार्टमेंट में एक 'कंप्यूटर टर्मिनल' लगाऊंगा उसे अपने सुपा कंप्यूटर से कनेक्ट करवा देता हूं...



...उसके बाद तुम घर बैठे मेरे सुपा कंप्यूटर को हैडला कर सकती हो! काम भी हो जगजा और तुमको प्रकाश भी मिल जाएगा!

रुह आइडियल, धुब! मुझे तुम्हारा प्रस्ताव मंजूर है!

बाकी बातें बाद में करेंगे, तुम कंप्यूटर टर्मिनल लिए। अभी मुझे कुछ जरूरी कामकाज है, मैं बाद में काम निबटाने हूँ। तुमसे मिलान हूँ!



तुमने अपनी बुद्धिमत्ता अब जब तक तुमसे बुझा नहीं बताऊँगी, तब तक मेरा हाथ काँटों भरे भस्म बना लिखा है। कहेन, यह तो मुझे भी नहीं मालूम!

...तब तो है एक और कन्या भद्रक पत पताकरी हो गई!

ૐ શ્રી ગુરુ ગણે નમઃ
 ભગવાનો જે આપણી
 મનને ભગવાનના પાંડે...

એણે મહાન લાભ
 મેળવે છે અને આ
 મેળવે છે તે આ

अजिह है कि ये जो कुछ ... व नी इतका
नी बार का जो अजिह है ... इतका ...
जो का की होनी, सो ...

● 5000

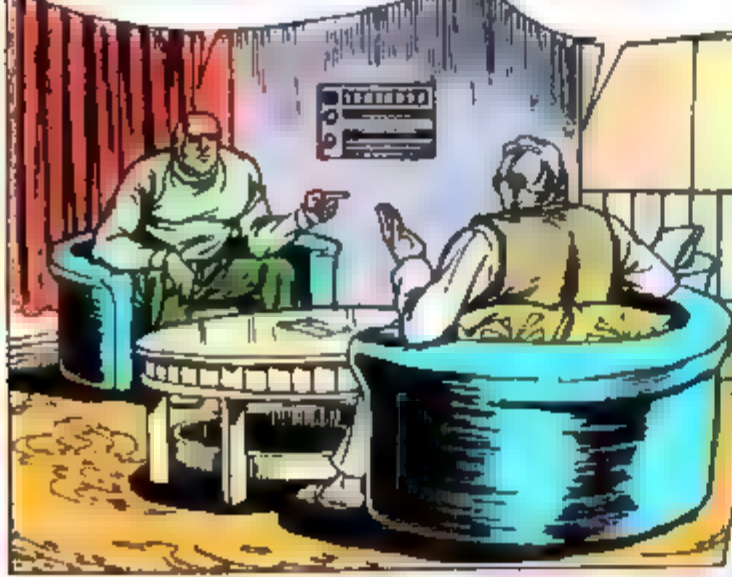
ॐ नमः शिवाय ॥

मिलिस्टा बहुमते
अपने अपी भी अपने
कलकलाते हैं...

...वैसे जी, ये बात तो मेरी समझ ही रहे होगी कि इस युवावस्था में तो आपको ही जीतना है!

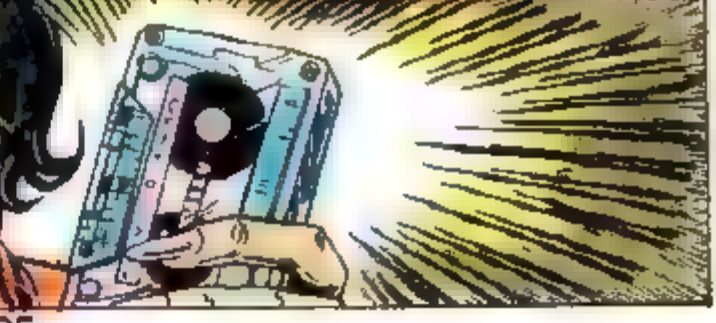
जी. आई. का मतलब होता है, तो इसको जीतने से कभी रोक नहीं सकता है...

...तुम जी. आई. को बोल देना कि उनका काम हो जाएगा। उनके इलाके में ये पुलिस वाले बुझा जाय नहीं आया।

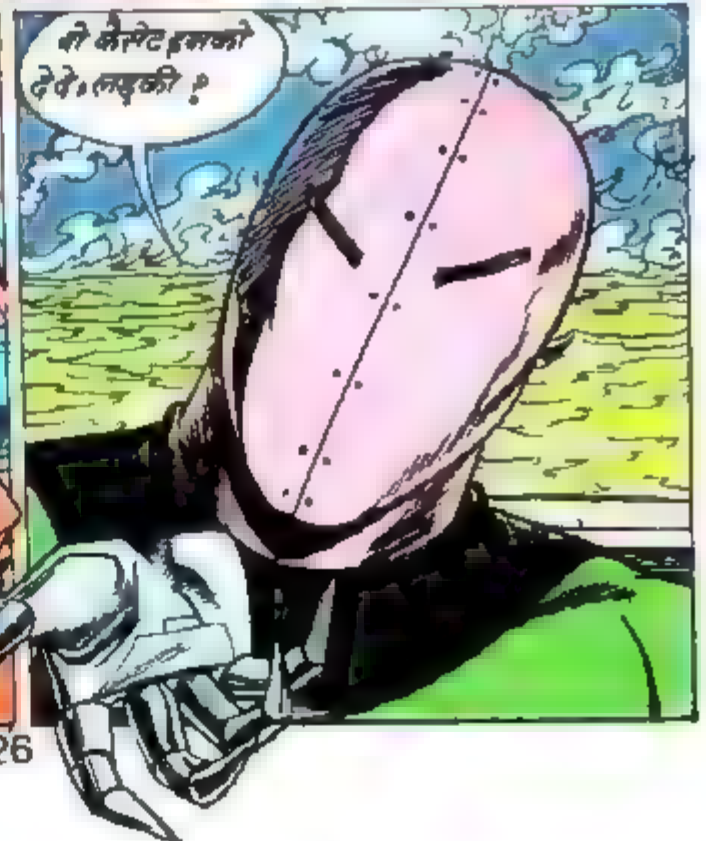
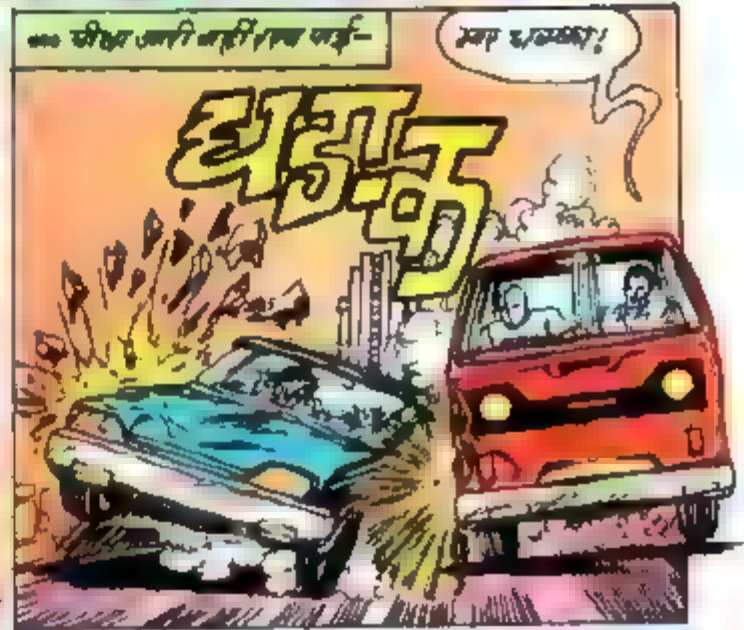
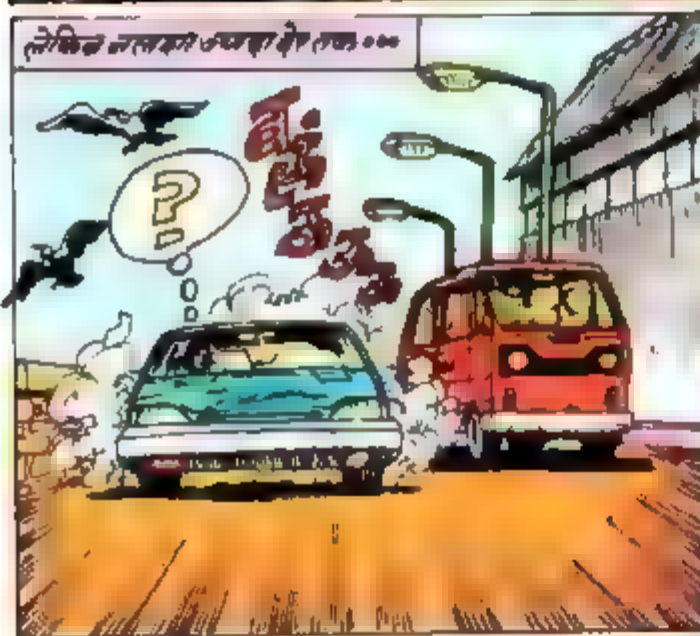
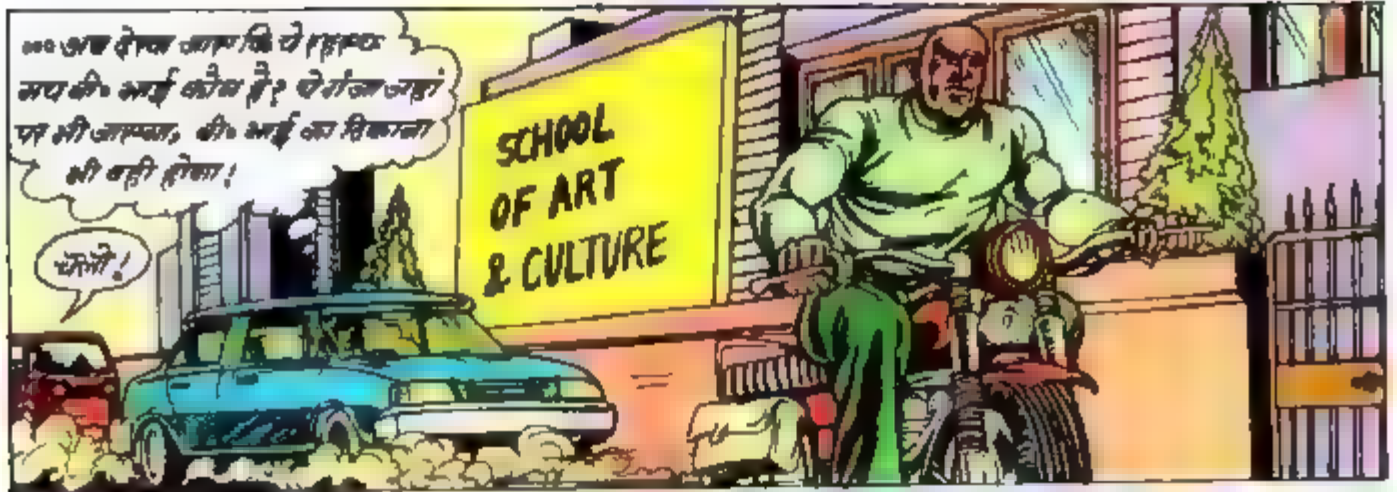


जी. आई. तक हमारी पहुँच और हमारे खिलाफ सबूत इतिहास पर्याप्त है। आप-याँ सब चिपकी उसी प्रकार के अवस्था में दें...

...अब हम जल्द करवा देंगे। कबल की मदद से बंधा हुआ सबूतों को हमारा करवा देंगे।



और ये जी. आई. कोई भी पालने वाला नहीं है।
...ये है मेरा करवा आई. के खिलाफ पहला मुकदमा!



ओ इसी दौरान राजका के सैलम अफसरों के हाथों में-

इसके बारे में
कुछ बात जानेंगे क्या
तुम्हें?

इसने अपनी लाली काटते
असली बुद्ध! यह राजका
का गुंथा नहीं है। इसकी कहीं
जगह से हुआ या था।



उस 'जेल' में बंदियों के पीछे
लुटेरों के दो दल रहे हुए थे। और
उन दोनों दलों के बारे में ही इसकी
कुछ नहीं बात।

मे तुम्हारे दल और
इसकी? उनका असल कोई
नौस होना तो जगह कोई
जगह समझेंगे ही होगा...

होना है न? कोई नौस
जगह के जगह होना है,
कोई हील में प्रवेश...
जगह के ही...

जगह अफरीक
कहाते हैं। अफरीक
सोचने लगता है!



इसके बाद राजका गुंथा या...
कहाते- कहाते, जगह लाली से
सही जगह था।
इसके और इसी के
अपराध करने के तरीके से लाल
बात लगता है कि उसका अपराध
काल रातों की अत्यधिक इच्छाओं
पर आधारित है।



वे कहीं न कहीं लाली का जगह जगह। लाली-
फिजिकल से जुड़े हुए हैं। जगह राजका-
ऑब्जेक्टिविटी के हाथों में सही कुछ संभव
कर लगे। उनसे निजता होगा लुके।

जताड़ा पर खतरा मँडरा रहा था-

कैसेट हमको दे दे, लड़की!

कैसेट चाहिए तो किसी और लिये- कीड़ों को लपेटेगी मैं जयन्त मंगो!

मैं सोच रहा था कि तुमसे कैसेट लेने के बाद तुमसे क्या होगा, या तुमसे खतम करने के बाद कैसेट ले ली जाए...

...तूने पंजाब की मुश्किल आवाज को...

ध्रुव

जताड़ा बह आर बचा न सकी-

कुछ पलों के लिए उत्तर की धूल गयी-

और उसकी गर्दन एक झिकंजे में फँस गई-

अस्सीमिल तकत थी उन पंजों में! जताड़ा का सिर धड़ से उखड़कर अलग हो जाने को बेताब हो रहा था-

લેકિન તત્કાલ, મ્મ્મ આમ લલકરી નહીં છી-

લૂંક-પેંચ તમે મીઠાતે છે-

ધ
ડ
મ
મ
મ
મ
મ

ઓહ! હાથ ને હાથ વેળા... ઓહ હાથ નો બીજો નેરી
સાજ ને સિપ્ત નહીં હું... હાથ ને કોમ્પેટ વિકાસ થુકા
હૈ!

ક્રૂ
ક્રૂ
ક્રૂ
ક્રૂ
ક્રૂ
ક્રૂ
ક્રૂ

કૌભેદ, નીચાંને ધણ
જો છૂટ ગઈ-

असह्य बलबद्ध कौशले की लक्ष्मण-पत्नी:-

००० जीराओ अण्णो विन्नोण्णो सिद्धन्ते दा तन्न मुक्ता ५०-

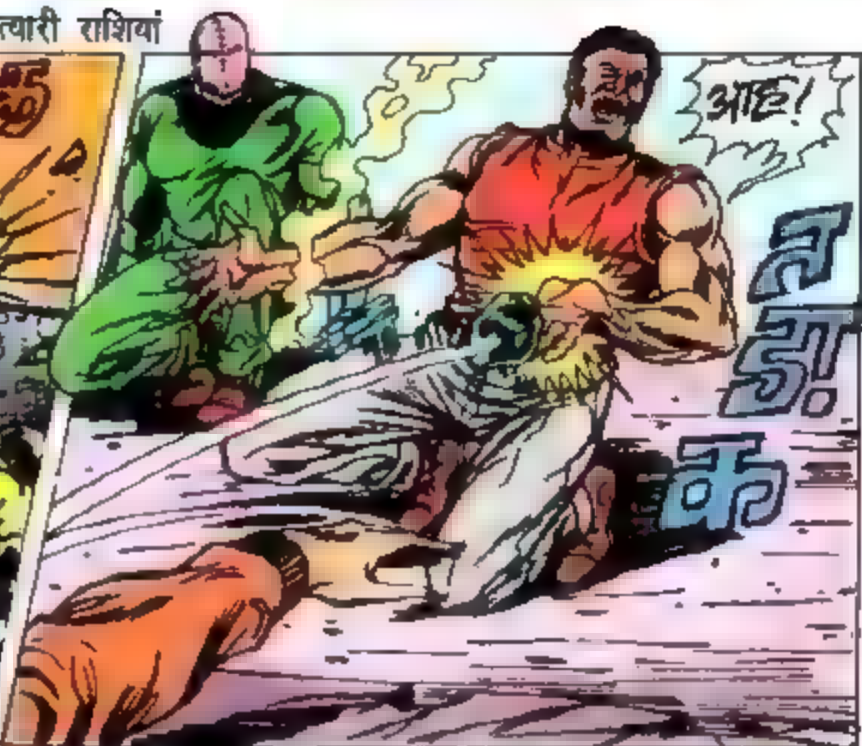
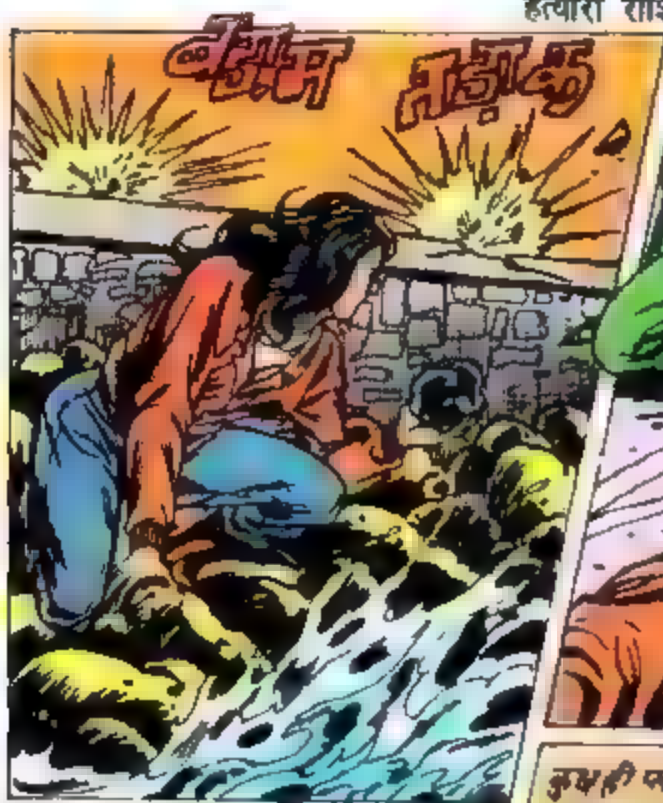
लेकिन कैसे? तब पढ़ांच पाने से पहले ही...

आदि आदि

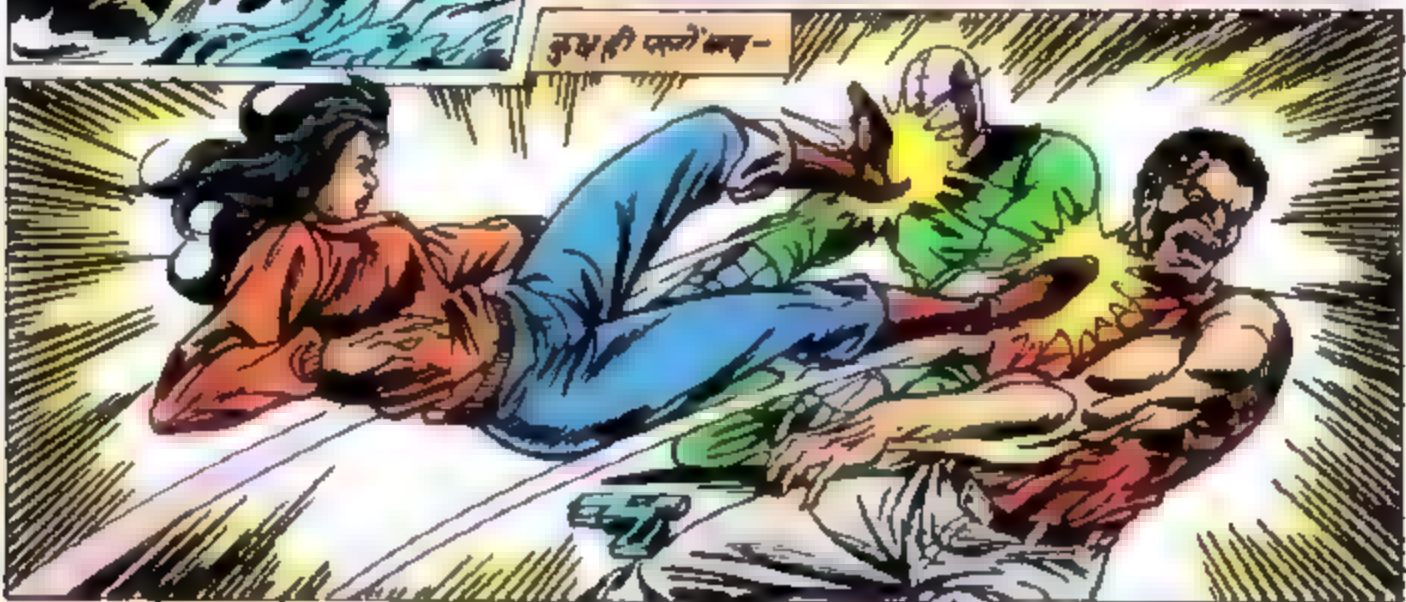
माथ माथ

சுதந்திரம்

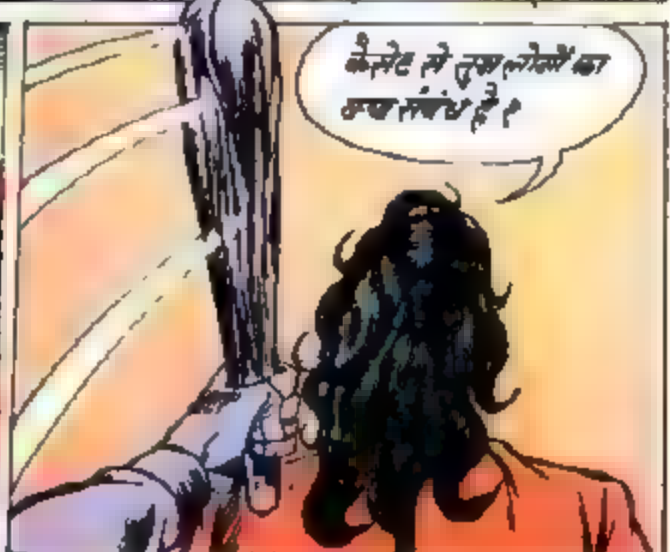
啊!



कुछ ही पलों में—



अब तुम दोनों दुम्मे बल उभरे? क्यों लोगो छे मेरे पीछे?



कैसे से तुम लोगों का क्या संबंध है?

अबले ही घाल- बल्लू के लिए वह माने पहाड़ दूट रहा-



रफास जा दें इस लड़की को!

अहो! इसको पेलवली मिल चुकी है! इसको संभलने का एक सौदा मिलना चाहिए!

अबले, बुराई! एक लड़की सिपेट लड़की से पिट गए!

मुझे मालूम था कि मेरा पीछा हो रहा है! अब यह भी मालूम था कि तुम दोनों इस लड़की के पीछे लगे हो!

इसी विल में यहां पर सफर आ गया... अचानक हुआ! बर्तन इस वक्त तुम दोनों पुलिस की हिरासत में होते!

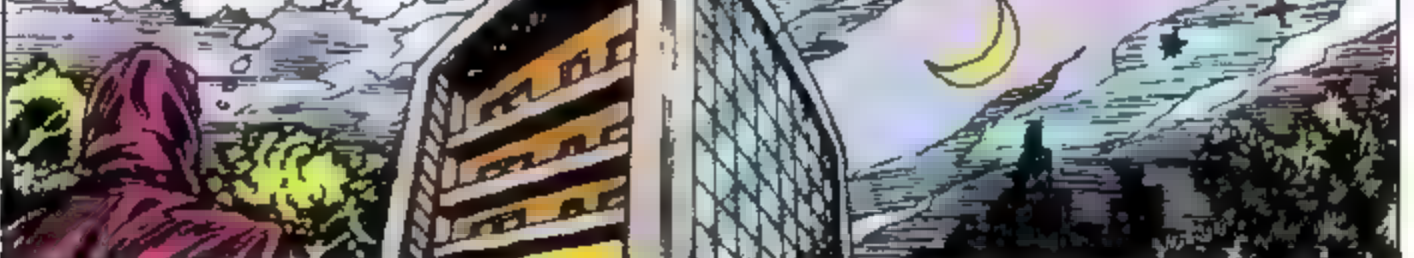
दुंईकुंईकुंई



अभी यहां से दुपचाप फूटलगे! वेने की आई तुम दोनों की सिपेट चकातुम लड़ी होंगे!

रात का अंधेरा, पीले- पीले अपनी काली जग में गलतबा को समेट रहा था-

यह है 'राजमन ऑब्जर्वेटरी' के बायार्कल डॉक्टर लहा का कुवर्तमेन्ट!



हेलो! डॉक्टर लहा ओ, भुच! स्पीकिंग! ऊपर ... हाँ! हाँ... कौन ?





ये धूर्त की इच्छा थी।
तथा। जिसकी किरणों को
इस अंगूठी में लपका रखा
सोया है।

और फिर मेरी कल्पना में
लगा तब तक कि यह धूर्त किरणों
की इच्छा को इस लपका गुला
बहाकर वास्तव की इच्छा वाला
बन देता है।



यबाल हो गए हो क्या?
अब लपकाओ इस
सिलिंडर में?

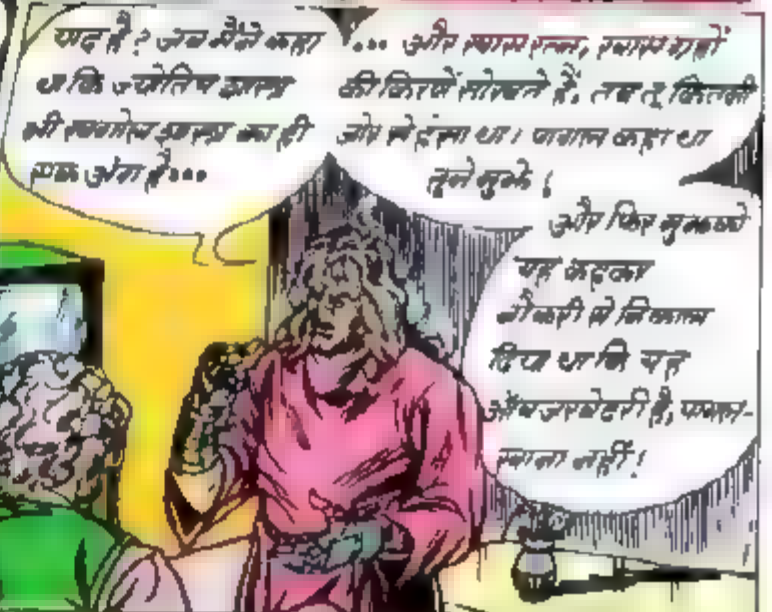
यबालो मत! यह दूसरा
रत्न कुछ बड़ा की किरणों को
सोया है। कुछ के बावजूद
और यही इस अल को मुक्त
देने।



क... ये सब
तुम मुझे क्यों
बिखार रहे हो?

क्योंकि तुने ही मेरे काम पर
अच्छा लगाया है, मैं इच्छापूर्वक
ऑब्जरवेटरी में अपना प्रयोग कर
रहा था।

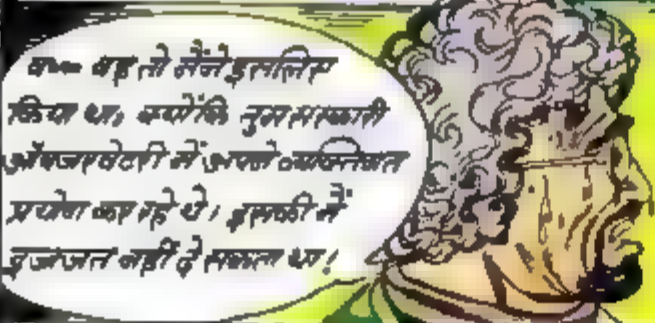
तुने मुझे ऑब्जरवेटरी से बिछल
दिया। यह कहकर कि यह यबाल फस जाने
प्रयोग, इस ऑब्जरवेटरी में नहीं होंगे।



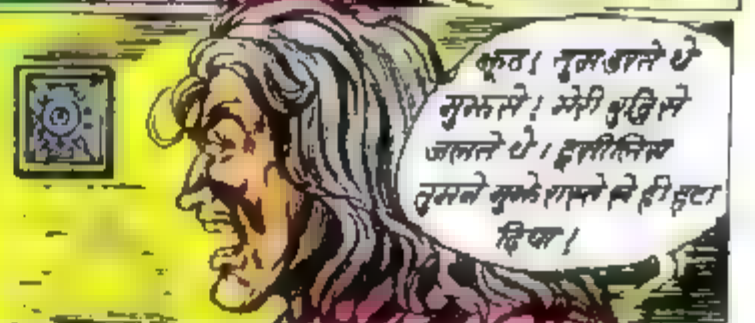
यद है? जब मैंने कहा
कि ज्योतिष इच्छा
भी लपकाओ इसका का ही
मक अंग है...

... और लपका रत्न, रत्न राशों
की किरणें सोखने हैं, तब तू किल्ली
जो मे हंसा था। यबाल कहा था
तुने मुझे।

और फिर मुझे
यह कहकर
और भी से निकाल
दिया था कि यह
ऑब्जरवेटरी है, यबाल-
सना नहीं!



क... यह तो मैंने इच्छा
किया था, क्योंकि तुम माफ़गी
ऑब्जरवेटरी में अपने व्यक्तित्व
प्रयोग कर रहे थे। इसकी मैं
इजाजत नहीं दे सकता था।



कूट! तुम डालते थे
मुझसे! मेरी बुद्धि से
जलते थे। इसीलिए
तुमने मुझे रास्ते से ही हटा
दिया।





| Gujarati | Hindi | English | Marathi |
| Telugu | Punjabi | Urdu |



Your Own ePaper Library.

**We share daily E-paper from all around
the world**

Join today and enjoy reading.

<https://t.me/DailyEpaperPDF>

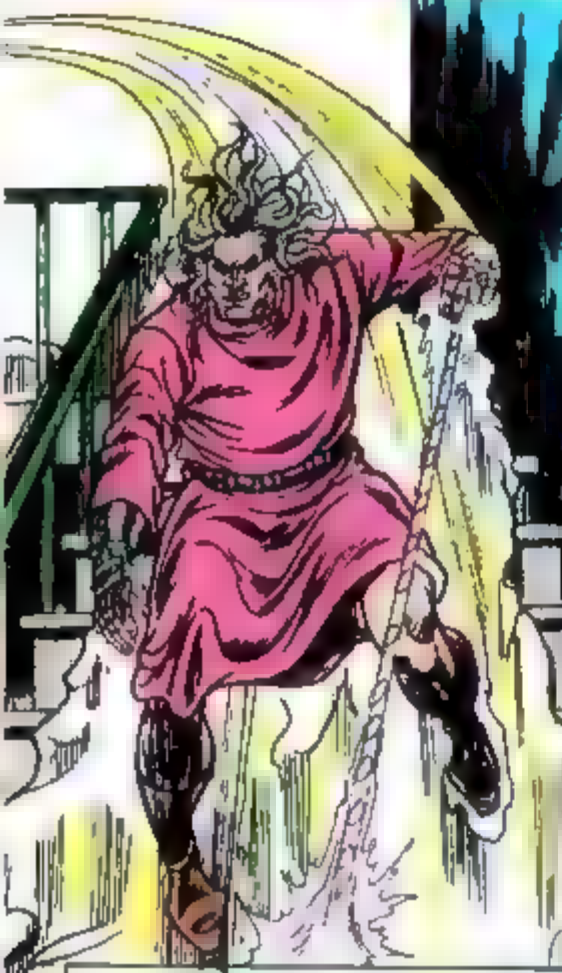
Contact Admin : [@DailyEpaperPdfBot](https://t.me/DailyEpaperPdfBot)

@DailyEpaperPDF

t.me/DailyEpaperPDF

CLICK HERE TO JOIN!

और जाम्बोदस, उस पर किमलत हुआ,
बीचे की तरह बढ़ने लगा-



वहां से थोड़ी ही दूर पर - रिजा के अपार्टमेंट में-

फर्स्ट क्लास!
तुमने तो पूरी कंप्यूटर
सेब बिठा ली है, रिजा!



मैंने कहा कि... तुमको!
फायनेंस तो आखिर
तुमने ही किया है इस
कंप्यूटर सेब को!

कैसे मुझे बन सारी
जीजों की ही जबरन थी!

अब मैं इस कंप्यूटर
सिस्टम के जरिये कुछ भी
कर सकती हूँ, कुछ भी!

बेरी मुश्किल! फिलहाल
मैं एक जल्दी काम को
जल्दा ही। तभी मैं सोचू
कि तुमने भी बिना
चाहें।



अभी मैं जानता
हूँ। फिर मिलते
हैं!

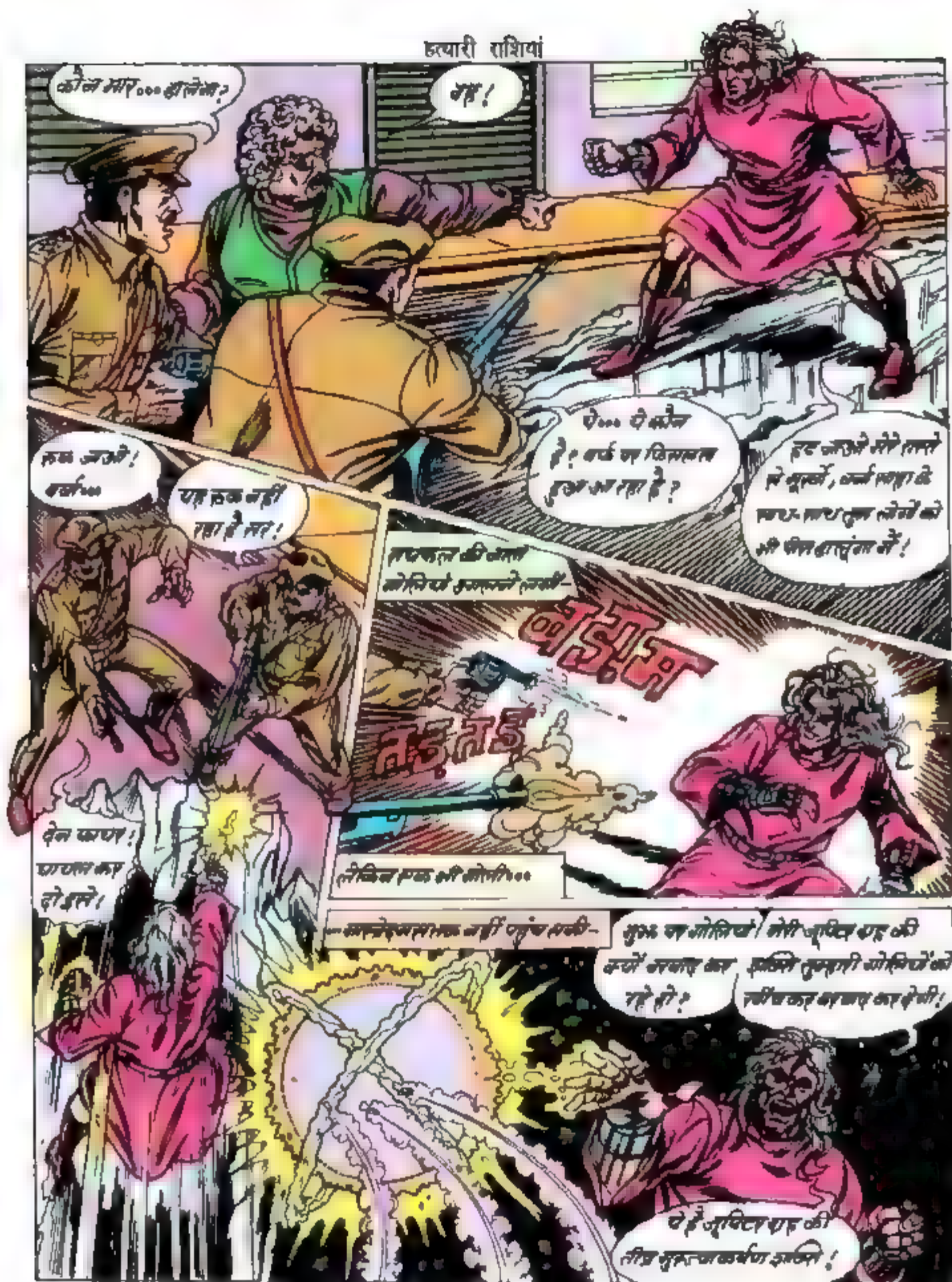
ऑक्टोपस का अब एक भी कदम आगे
बढ़ने की हालत में नहीं थे-



क्या हुआ
तुमको?

मेकल ज्वैलर्स

रोक लोको उसे। हफ-
हफ! वह... वह मुझे
मार डालेगा। हफ! हफ!



कौन आए... होलेन?

वह!

रुक जाओ!
वहाँ...

यह रुक नहीं
रहा है सर!

ये... ये कौन
है? बर्फ का किसका
हुआ आ रहा है?

हट जाओ मेरे लफंगे
मे भूल्लो, वहाँ लफंगा के
लफंगे लफंगे लफंगे को
भी फीस दवाचुंगा मैं!

लफंगे की वजह
कोलियों कुल्लो लफंगे

बड़ा बड़ा

तड़तड़

देन काण!
छाछन कर
होइले!

लेकिन एक भी गोली...

— लफंगे की वजह नहीं पहुँच सकी —

मुझे व गोलीयों/ गोली जूटिए यह की
क्यों नकार कर इज्जते तुम्हारी गोलीयों को
रहे हो? लफंगे कर नकार कर बेगी!

ये है जूटिए यह की
लीख मुल्लो कर नकार इज्जते!

और अब मैं तुमको बुध राह की झलिले और इतने तपस्वन
 दिखाता हूँ। बुध राह की एक सतह पर धनुष तक, पानी की
 एक तपस्वन झरना से 272 डिग्री की तरफ दिखलकर रहने
 है। लेकिन बुध राह की तपस्वन जो हमें अमूर्त की तपस्वन है...
 100 डिग्री है।

जैसे तुम्हारी जीव...



आलो: जीव चलने
 वाली...

अह!

बड़ा स...



बू... बू... बू...
 मुझसे!

साहसा अब तुम्हें मुझसे कौन
 साहसा! बचाएगा, साहसा?



मैं बचऊँगा!

बू... अब मैं
 बू...



सुपर कमांडो भूष ! मेरे
अंशुसियों, दुष्ट और शक्ति से
तुम्हें तुम्हारे बारे में सब कुछ
किया था...

... अच्छा हुआ कि तु
अपने-अपने हाथों से
भागे के लिए यहां पर आ
या।

अब जब वेदमल लेरी मौत
का तरीका खुद तय करेगा!



जालवेदमल! तुम जालवेदमल
हो?

और वेदमल और
कानि तुम्हारे अंशुसियों? तुम्हारा
चली वेदमल की माली तल बुला चुका है?
तुम्हें लूटे हैं...

अपने-अपने सुपर
मेरे हकले कर दो...

वे तुम्हें मौत के हकले और तुम्हें, अपने हकले
कावे जगहाई, बच्चे! काने की बात कर रहा है!



ओहो! अदृश्यजालक! इसकी
उं काने से निकली क्षितिजों में जमीन में यह किस चीज से
अलग लगा दी!

आपका यह दुष्ट
हमला कर रहा है!



इसके हाथ की अंशुसियों के
तल आला-आला राहों की
क्षितिजों में लूटे हैं... और यह
जब राहों की क्षितिजों से ही
अक्रमण कात है भूष! वे
क्षितिजों का की तलरजालक है!

... तुम अलग इसकी अंशुविषी को किसी तरह से बेकाय का हो लो...

बहुत बेलात है तुमहा! मर्जी बहुत है तुमको! ले, मैं तुम्हें ठंडा का देता हूँ...

है इसने डेक्कन भागा को बर्क की भयावह! मिलाती में कैद का दिख!



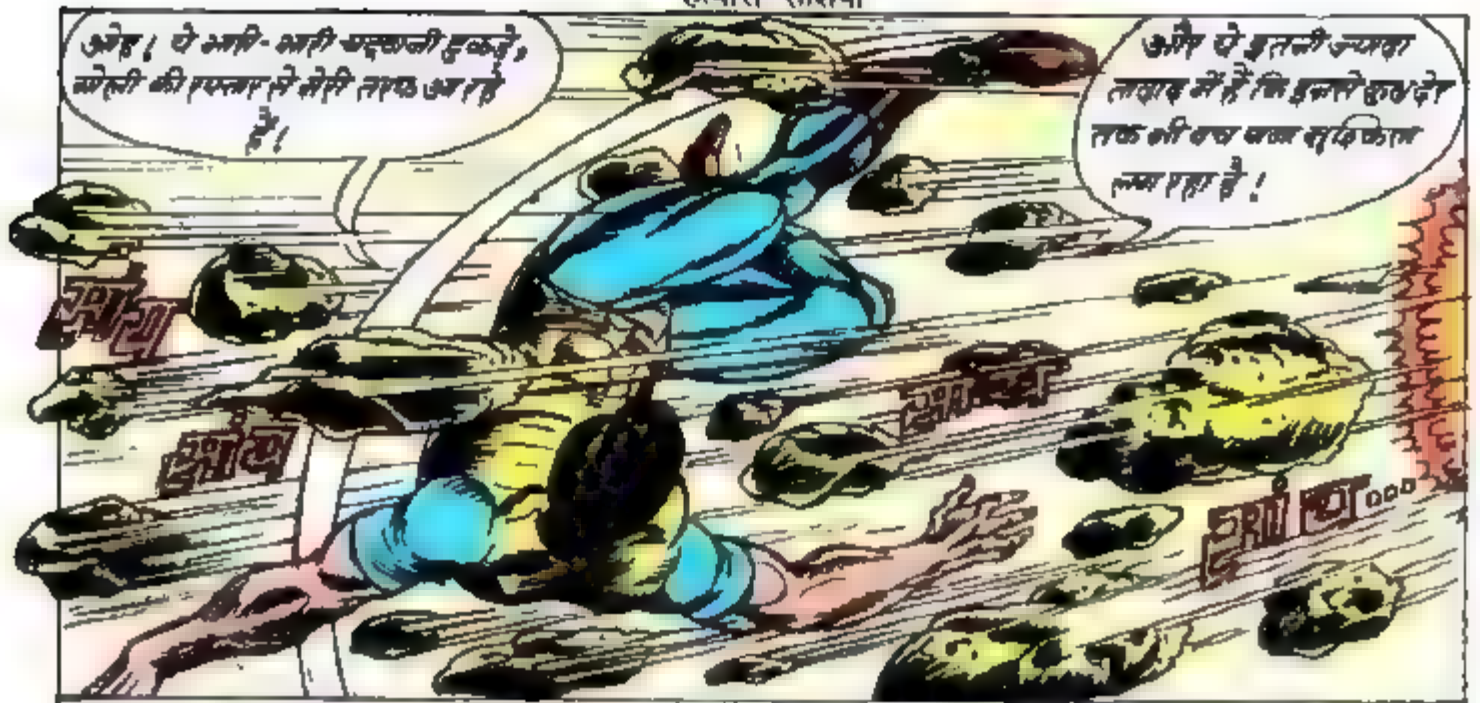
उबल नय! ययय!

उबल नय! मैंने तेरे मिला मौत का बुरा नमि पून है!



ये है मेला और पून- त्यति राह के बीच में तेरे यदरा की दुक हों की पदरी! पान्देरीयह बेला!

इस पान्देरीयह बेला की मजिने ही तेरी मौत का काफा मनेगी लखु के!



अरे! ये भारी-भारी बदकाली हुकूमतें,
कोहली की परतवार से मेरी तरफ आ रहे
हैं!

और ये हुतली जगहा
ताराब में है कि इनसे कुछ देर
तक भी बच बच सकिकात
लगा रहा है!

कुसरी
तरफ-

क्या मतलब है आपको?
मेरी रिपोर्ट क्यों नहीं
लिखेंगे आप?

हम रिपोर्ट लिखते हैं,
जल्द ही! मकसद तो आपने
और क्यों नहीं लिखते!

मैं मकसद तो आपसे नहीं लगा रही हूँ,
सुनिए जबलोक हमारा किया गया। मैं
तीनों गुंडों के हुलिया भी बता सकती हूँ!



जैसे ते मैं आपको पंच
मैं पचहाता गुंडों के हुलिया
बता सकती हूँ।
आप जिस इलाके में
हमाले की बात बता रही हैं,
उस इलाके में हमारी चेहोरा
जीप बराबर बहुत लगा रही
थी। और उसने कुछ नहीं
होका!



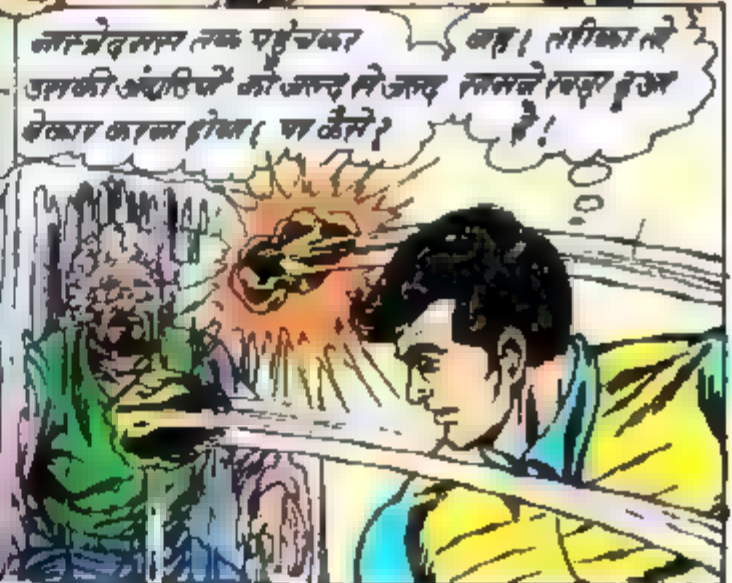
आप मेरी रिपोर्ट नहीं
लिखेंगे इंतरेवला ते मैं इत
सब को अपने चेहर में
बता दूंगी!

आप इसको पूरी
हुलिया के चेहर में
बता दो। फिर भी भूत-
भूत ही रहेगा!



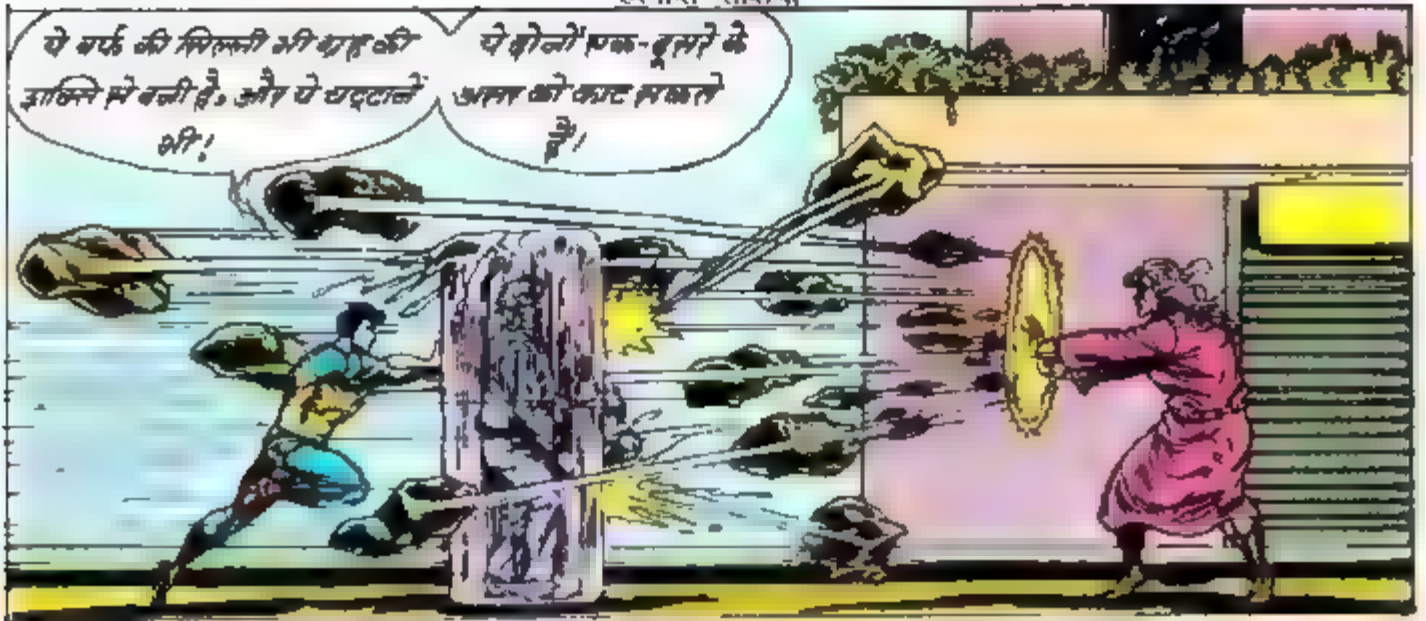


मालूम नहीं, बल्लू के मिलने तक धुल की किस्ती में जिका बचल ध भी कबहीं—



ये बर्फ की सिल्ली भी बूह की
झांझि में बनी है, और ये चट्टानें
भी!

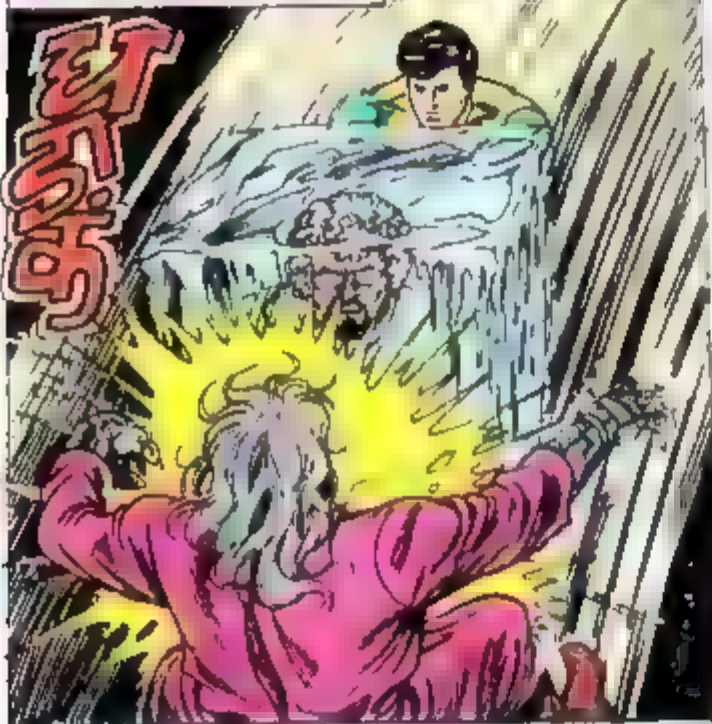
ये दोनों एक-दूसरे के
असर को काट सकते
हैं!



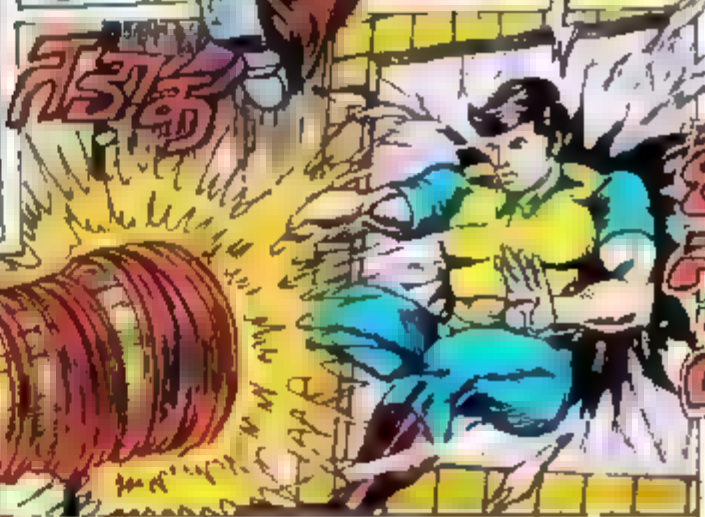
नास्त्रेवमस के संभल कले से पहले ही बर्फ की सिल्ली
उसके झगिरे में अटकराई—

और नास्त्रेवमस कोच से उगल हो गया—

तुने नास्त्रेवमस पर
हमला करने की जुरत की!
मैं तेरा नास्त्रे-विद्याल
मिटकर राख दूँगा!



चट्टानें उगलने आता भीला अचर हो गया—



तुम्हें बृहस्पतिबूह की
झांझियों में मारूंगा!
पहले संभल महाबिक्रम
बूह बृहस्पति की सतह पर
धुमते लाल तुफान को!

धुब का बदन उड़ता हुआ जेलरी कोच की हॉ बिणही में आ टकराया—

टकरा इतनी जोरदार थी कि कुत्ते हुए भी बच कर न पाए—



और भूच का दिमाग सुन्न हो गया—

क्या यह क्या हो गया?
मेरे पैर तक ... हिल नहीं
पा रहे हैं!



तू उबलता बहुत है
मचले पकले इसी का
इंतज़ार कर हूं।
हृदयपति राहु की
सुस्तता कर बंधा इच्छित
से!

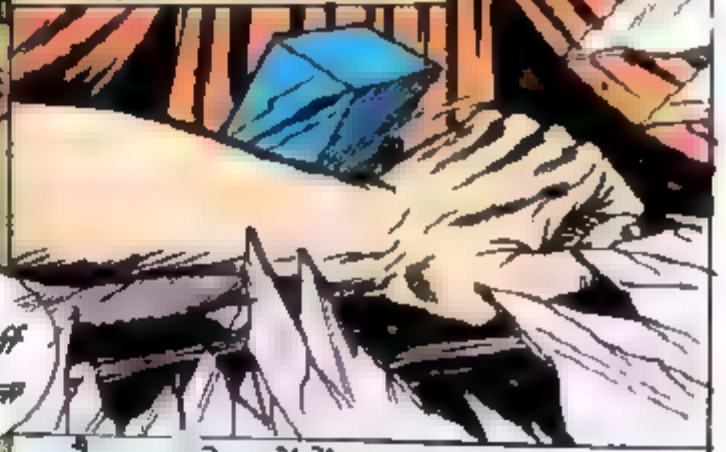


मोघ, यह मर्ती तो
हाथ-मंस के इरीर का
अपमान करने की?

भूच की चित्करीत आंखें अपनी
तक मचली हथपाही लंगरे के
दोपले में आग का और कुकल का
मर्ती—



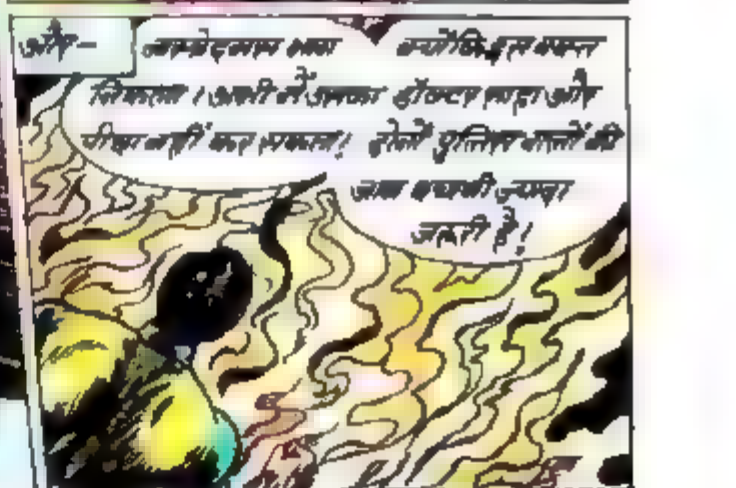
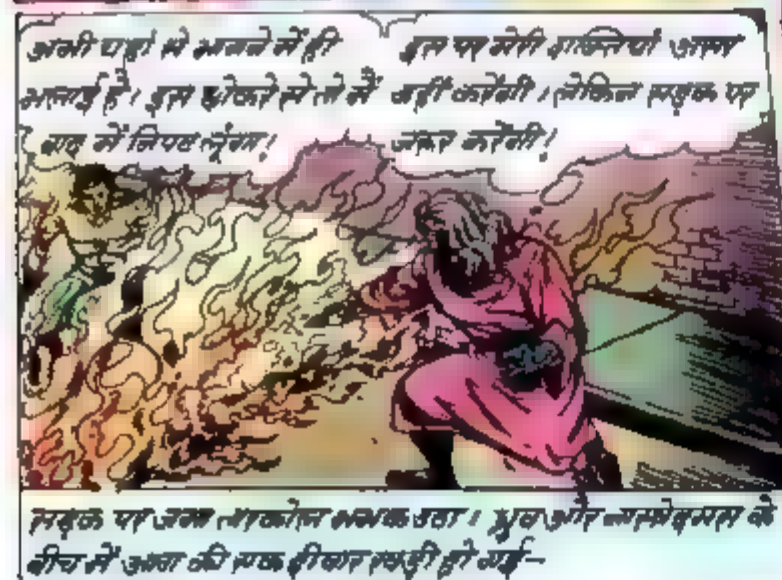
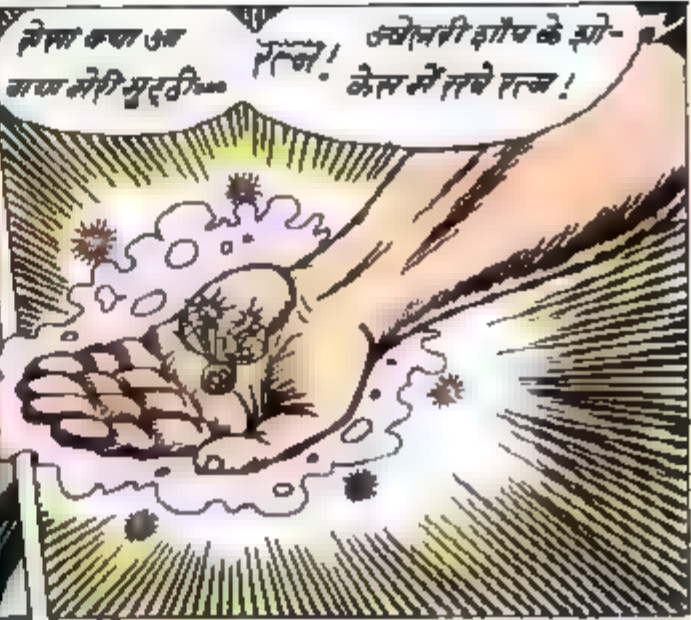
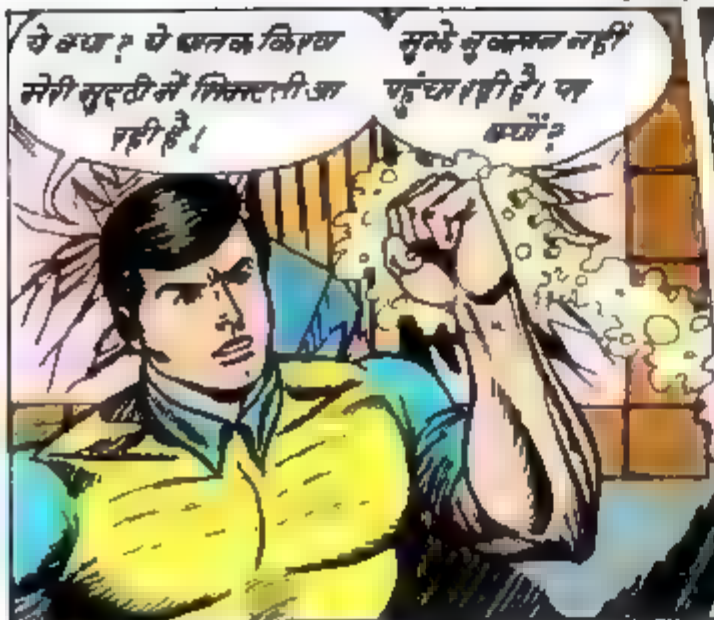
लेकिन उसके हाथ अपने कंधों के सिवा आज-काल
की उमड़ को टटोलने लगे और—



नहीं हिल पा रहे हैं
न? तूने बूध राहु की मर्ती
मे जीय को पिचलते तो बेला
ही होमा!



और... उसके हाथों में कुछ आ गया—



और फिर-फिर के अपार्टमेंट में-

तुमको इस बका हिस्टरी करने के लिए काफी चाहत है पिछ। लेकिन डॉक्टर साहा से तुम्हें कुछ जल्दी जाने पड़ती है...

माफ़ी! तुम्हें बर्हिन्दा मत किया करो, धुव!

यह तो मेरी खुशकिस्मती है कि मैं तुम्हारे कुछ काम आ सकी।

... और डॉक्टर साहा से तुम्हारे काम तुम्हारा ही अपार्टमेंट पड़ता है।

धनो देवर्षी! डॉक्टर साहा बात-चीत करने की स्थिति में आ गए हैं या नहीं!

डॉक्टर साहा से माफ़ी मातें आने के बाद-

ओह! तो यह जास्त्रेवमस पहले ऑब्जरवेटरी में एक वैज्ञानिक था!

अब! पानी नास्त्रेवमस के कंप्यूटर-सिस्टम का हाथ के सिस्टमों से भी संपर्क है। मेरी धुव!

सब तो मैं भी अपने कंप्यूटर के जरिए नास्त्रेवमस के कंप्यूटर-सिस्टम की पढ़ी से ठीक-ठीक बेकार का सकती हूँ।

हां, धुव! ऑब्जरवेटरी से निकाले जाने के बाद इसने कंप्यूटर सिस्टम में अपनी एक ऑब्जरवेटरी सिस्टम से संपर्क बनाकर हमारी बनाई है। वहां पर इसने अपना कंप्यूटर सिस्टम भी लगाया है।

और जोरी-धिये हमारी कई गुप्त सूचनाओं की भी सुरक्षा है।

तो करो पिछ, करो! जास्त्रेवमस का तबतल अभी भी राज-जगर पर संचालित है।

यह इतना आसान नहीं है धुव! जास्त्रेवमस के कंप्यूटर सिस्टम तक पहुंचने के लिए तुम्हें काफी मेहनत करनी पड़ेगी!



कितना समय लगेगा ?

दो मिनट से लेकर दो घण्टा तक लग सकते हैं!



ओह! तब तुम अपने तरीके से लाइफ़ टाइम को रोकने की कोशिश करो!

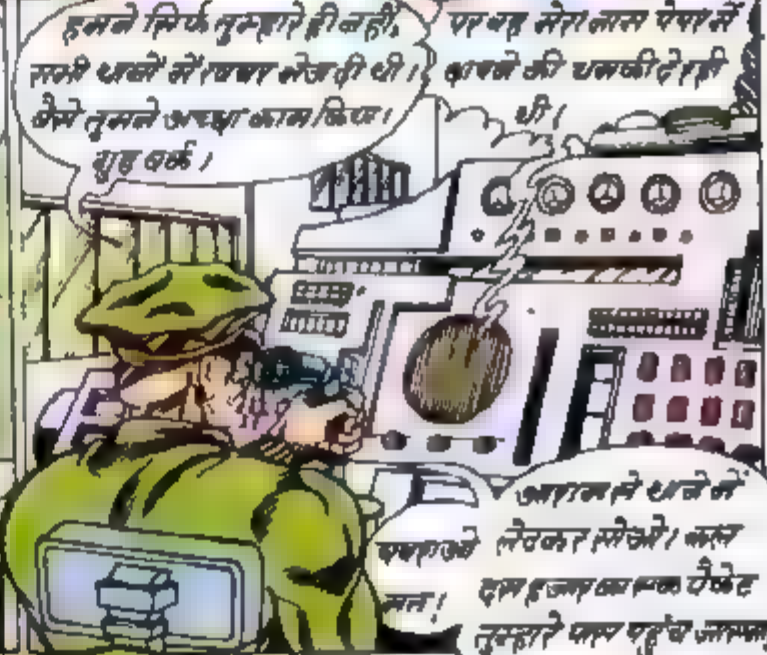
और मैं अपनी तरह से उसको रोकता हूँ!



इसी बौगल-पुलिस स्टेशन में—

कैप्टन! इन्स्पेक्टर कमलेश-सिंह ब्रिचर! हाँ, वह लड़की आई थी रिपोर्ट लिखवाने!

पर आपने मुझे पहले ही सतर्क कर दिया था। इसीलिए मैंने रिपोर्ट लिखी ही नहीं!



हमने सिर्फ़ तुम्हारे ही कहतीं, सभी धागे में खूब मोज़ा दी थी। जैसे तुमने अच्छा काम किया। शुक्र वरक!

पर वह मेरा लास पैसा में खाने की धमकी दे रही थी!

आपने उसे धागे में बंधाकर लेवकर मरोओ! कल दस हजार का एक पैकेट तुम्हारे पास पहुँच जाएगा!

रिपोर्ट पैसा में धायेरी! हाहा! कोशिश करके वैसा लड़की! बाकी सब के हाथ वहाँ-वहाँ पहुँचे हुए हैं जहाँ तक हक भी नहीं पहुँच पाती। जैसे वह लड़की हमारी चेतावनी से कुछ सीखी नहीं!



लगाता है कि लाश में पहले ही इसकी आत्मा को परबतल में चिल्ला कर भाग पड़ेगा!



कैपलान हिलर-

क्या? मुझे
आपको भी भलासे पर
मजबूत कर दिया?

किस्मत तेरा
ही अपना, इतिहास।



... कि हमारी लड़ाई एक जेलनी
झोंप के पास हो रही थी। वहाँ आज
आपकी लड़ाई तक का सिलसिला
किसी को!

अगर मुझे... मुझे आपको
शक्तियों का काट दूँ तो सिया है, तब तो
आपका लक्ष्य ही रास्ता है। अगर वह
यहाँ तक आता तो?

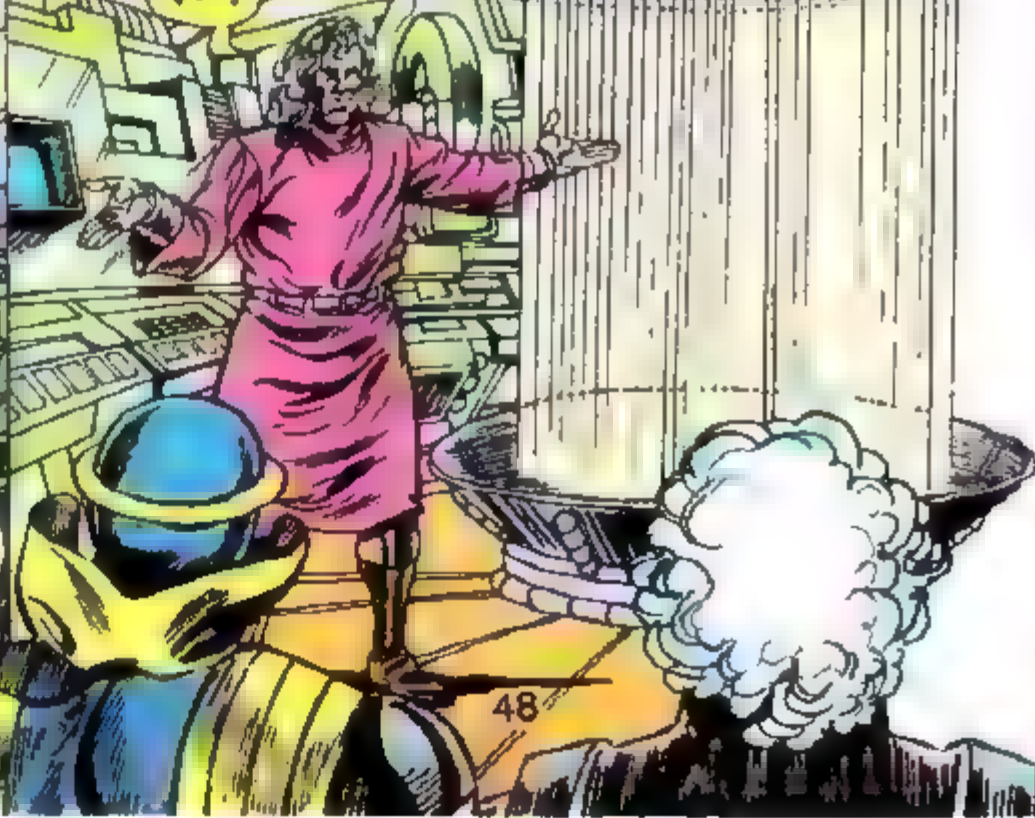
... ये 'सुपर-
क्रिप्टर'। यानी लक्ष्य
निर्माता!

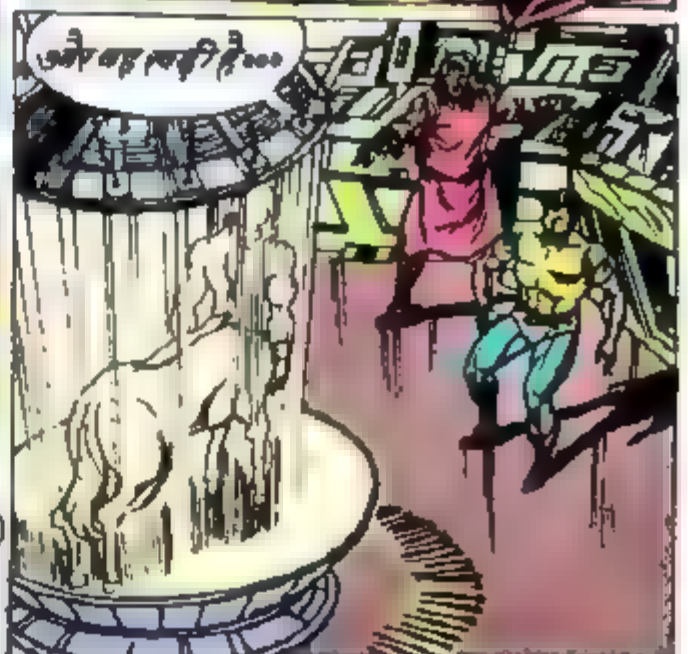
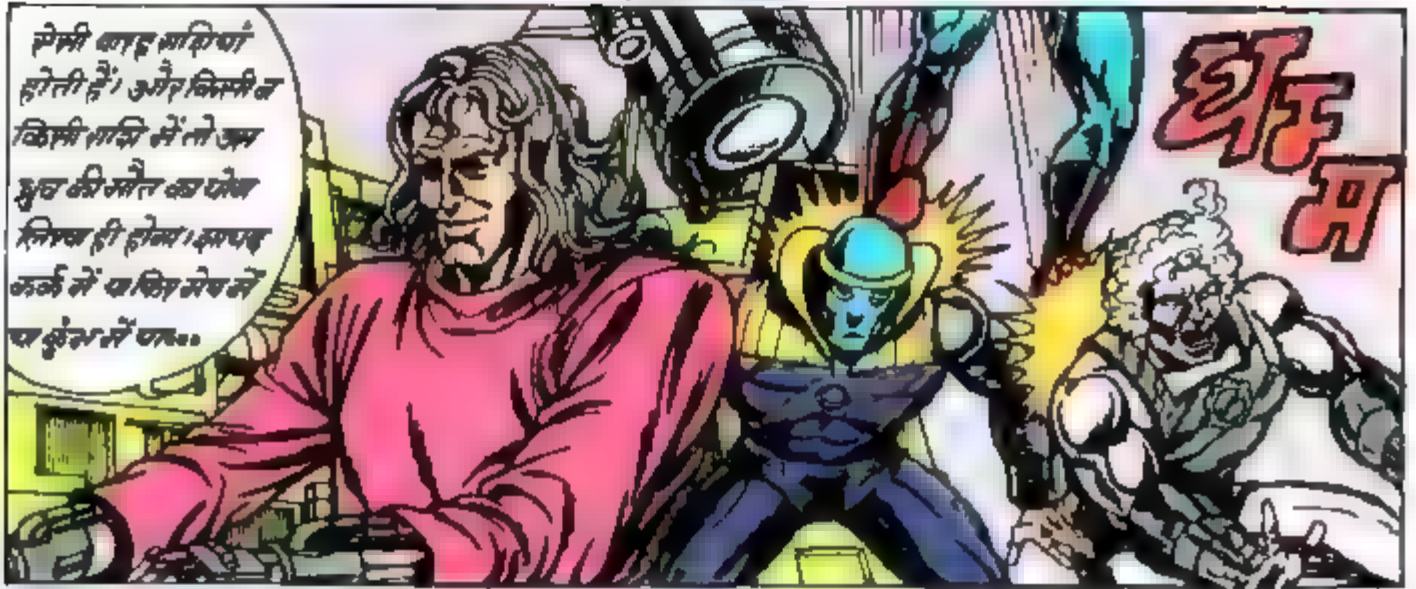
यहाँ तक तो वह आपका ही इतिहास!
तब तो आपको यहाँ का पता लगाकर मारना।
और वह यहाँ लहर आया!



लेकिन आपका दुश्मन के पास
एक नहीं, कई शक्तियाँ हैं। और
उनमें से ही एक है...

ये कंप्यूटराइज्ड क्रिप्टर बहुतरास
क्रिप्टों को इकट्ठा करके, उस ठकुर
आकाश में जो भी शक्तियाँ उड़ित हो चुकी
होंगी, उस शक्ति को इस अंतरिक्षवेदी
में लक्ष्य और लक्ष्य रूप में बना
देता!







सिख, अपने कंप्यूटर से जलती हुई थी-

ओह! लगभग घण्टा-वर्ष और
कोई झाड़ू का चुकी हूँ, लेकिन तब
के तबने जिरोसिख! लगभग 'स्पष्ट' का
रहा है!

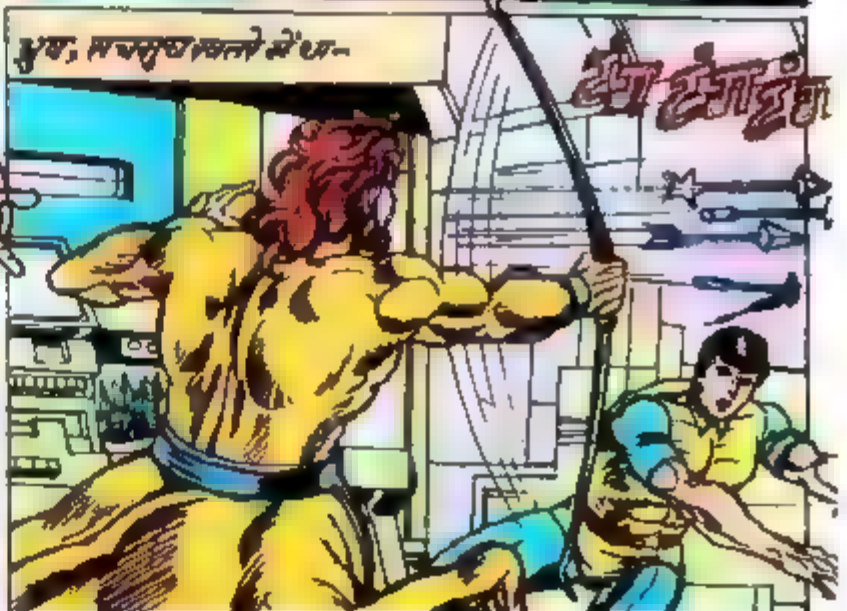
जल्दी करो,
सिख! जल्दी करो!



जल्दोदम के कंप्यूटर-सिस्टम के अन्दा
पहुँचो! मैं जलता हूँ, और यह अनुभव भी
का चुका हूँ... कि जल्दोदम इस बुनियाद का
समय स्वतन्त्रता की लिया है...



युव, सचमुच खिलने में था-



अरे! ये 'धनु' तो तुम्हारा
तुम्हारी मर्ति से बनने की कौशल का
रहा है! मेरी दुर्लभ भी-उज्जवा देर
काम नहीं आसकी!

तुम एकदम ठीक
समझ रहे हो, भुष!

बड़ा म

मैं कभी-कभी सब कुछ
हाथिया नहीं रखता! जबते होते
क्यों? क्योंकि मैं बुद्धमान था
हमेशा...

... क्योंकि इसके 'मौ-
ऊर्ज' युक्त शरीर का
सिर्फ एक का तुम्हारा मन
नमन मन का देने के लिए
आयी है!

... बुद्धमान के हाथिया
मेरी का काम है!

बड़ा म



संभाल करने से पहले और भुच का दिक्का धीरे-धीरे अंधका में डूबने लगता-



इससे ऐसे जीत जाता आसंभव है। इसको बेकार करने का एक ही तरीका है कि इसको संभालित करने वाले काम का सकारी कंप्यूटर को बेकार कर दिया जाए। है रिफ़...



... रिफ़- रिफ़! जल्दी करो! जल्दी! कीप बसलस और मुझे सिस्टम डिस्टर्ब कर रहे हैं!

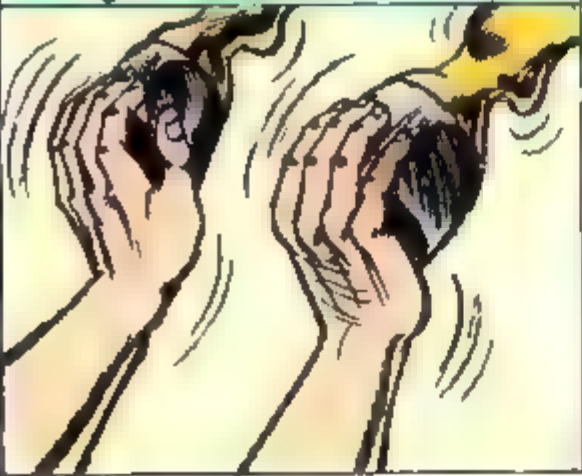
भुच की तरफ, धनुराक्षी के सुरु इसको कुचल देने के लिए बढ़ रहे थे-



ओह! हैम हट! नास्टेवसस के कंप्यूटर सिस्टम को 'स्टैंड' करने की मेरी सारी कोशिशें नाकाम साबित हो रही हैं! और जब तक मैं काम चला होऊंगी, तब तक भुच का अजबे अजाब हाल हो चुका होगा!

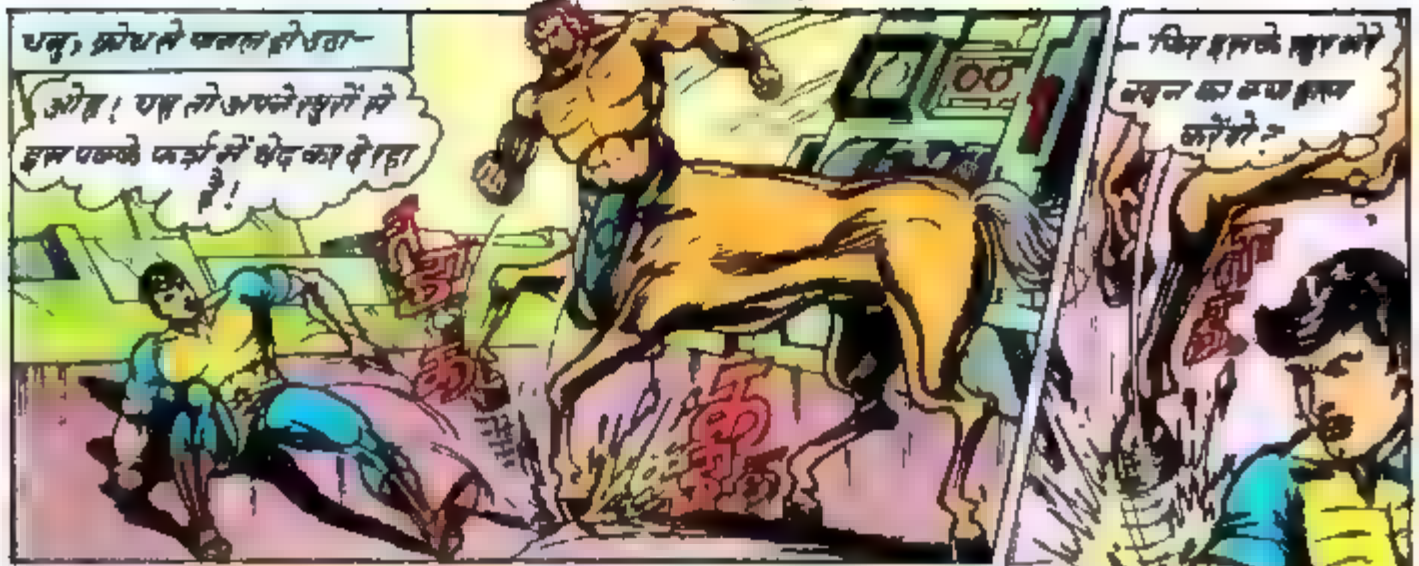


तभी- भुच ने अपने-अपको संभाला-



और-

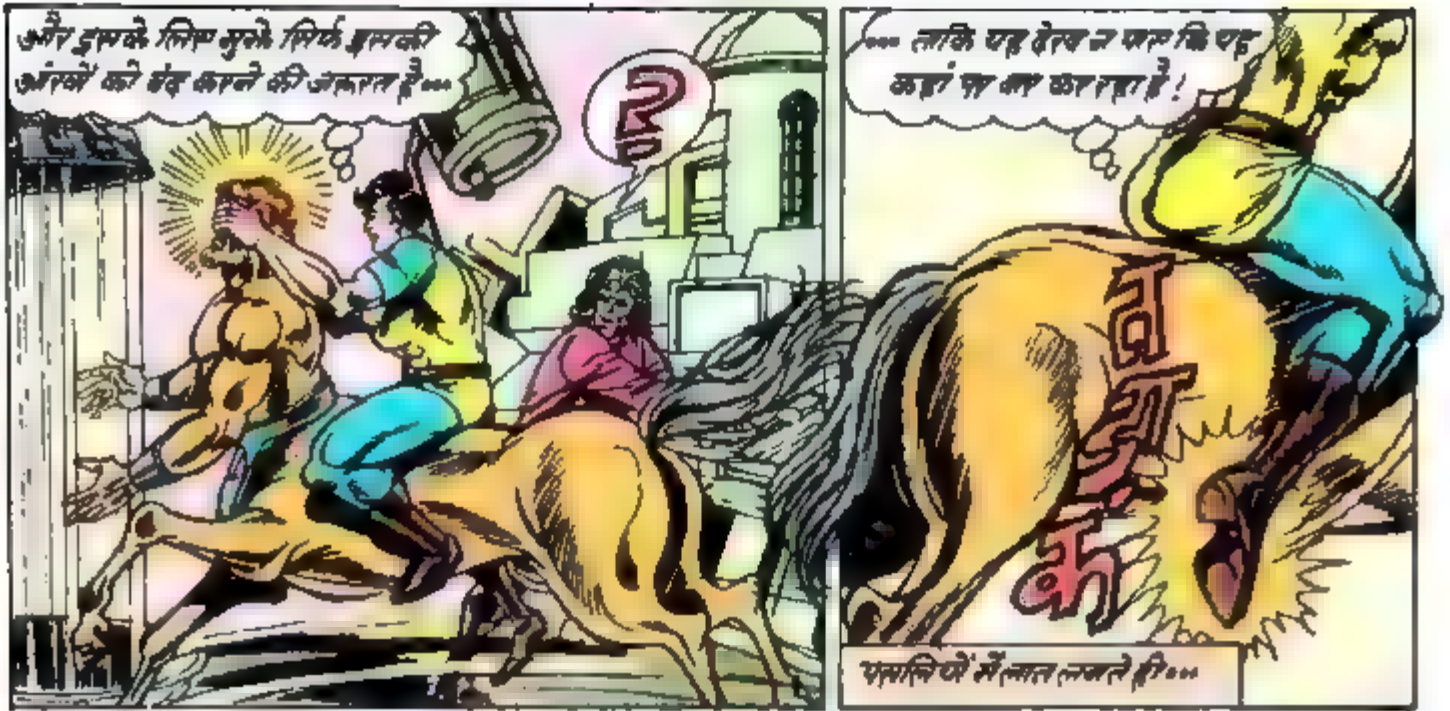




और इसके लिए मुझे सिरक ब्रसकी
आंखों को बंद करने की जरूरत है...

2

... ताकि यह देख न सके कि यह
कहां पर क्या कर रहा है!



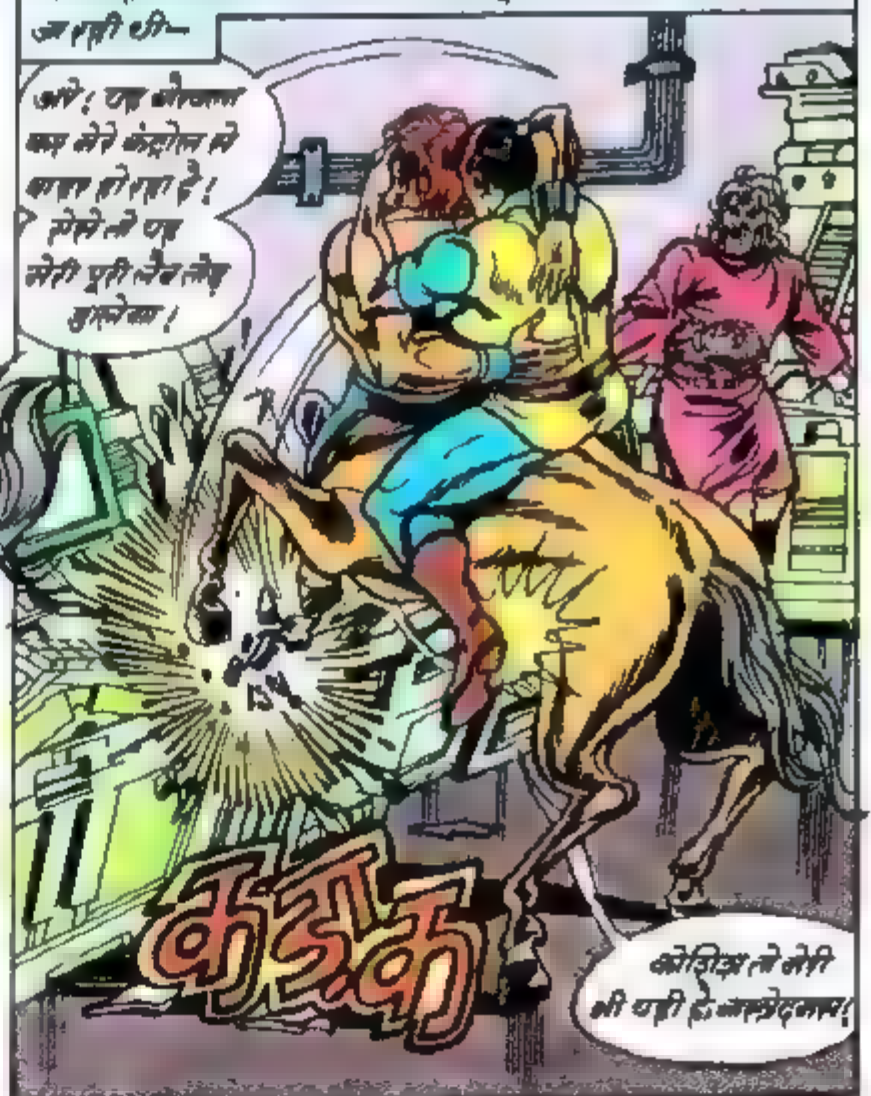
— खुद को बल उठा —

उसकी हथ कोड़िका, जगमोहन के लड़कन की एक एक करीब आती
आ रही थी—

अरे! यह मौकका
कम मेरे कंट्रोल से
बाहर हो रहा है!
मेरे लो यह
मेरी पूरी लैब लैब
मुझे का!



और खुद को सिरक ब्रसकी
के लड़कन कोड़िका करने लगा—



कोड़िका लो मेरी
भी यही है जगमोहन!



तेरी कोढ़िया बेकाफ करने का इंतजाम मैं अभी कर देता हूँ तब के !

आकाश में एक और लड़की जेलिली यानी निधुन उदित हो चुकी है...



... मैं ... ओ ! मेरे कंप्यूटर को अच्छे अच्छे ... कर रहा है ? यह... यह काम जल्द कर रहा है !

कितनी मे मेरे कंप्यूटर में कणमाला बिज है !

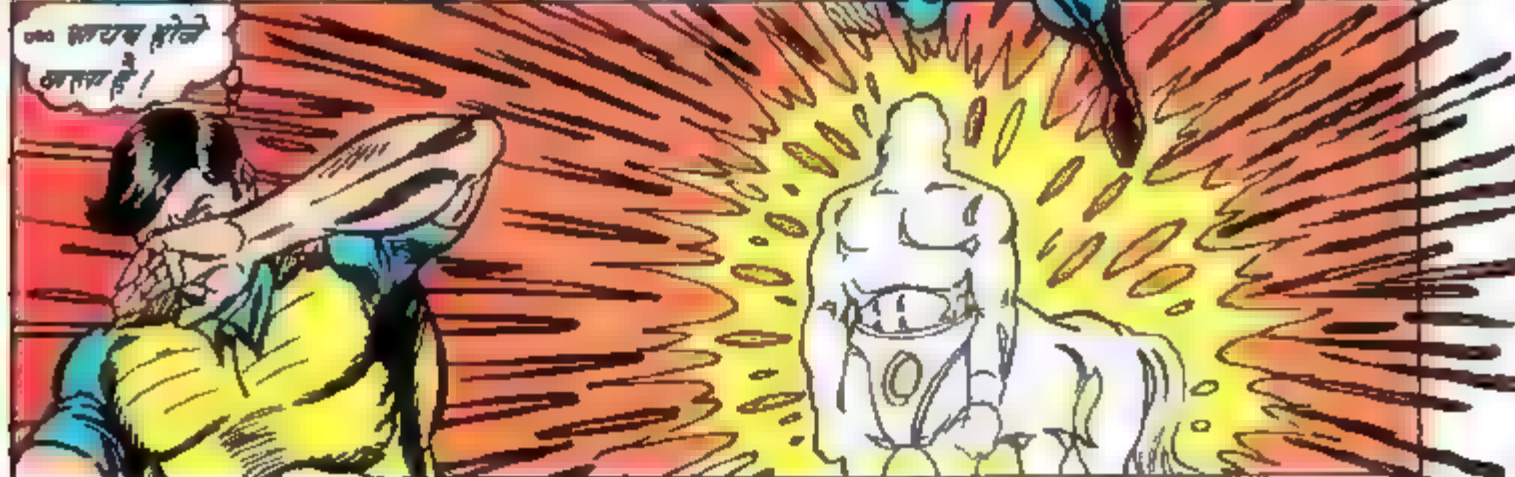


कह ! यानी निधुन ओ ! धनु का क्षीर गर्ज अपना काम...

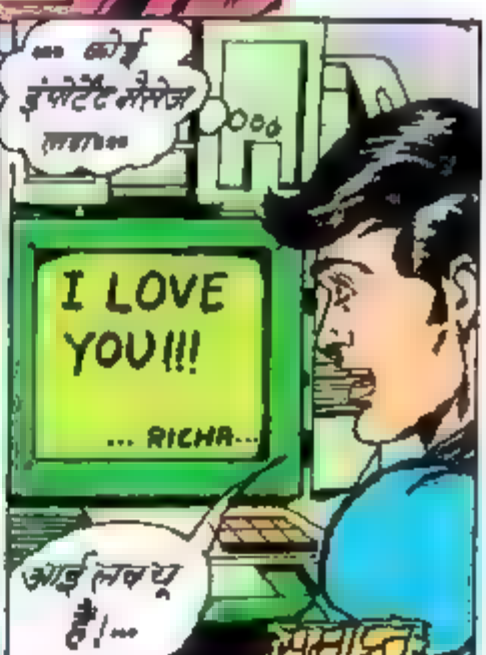
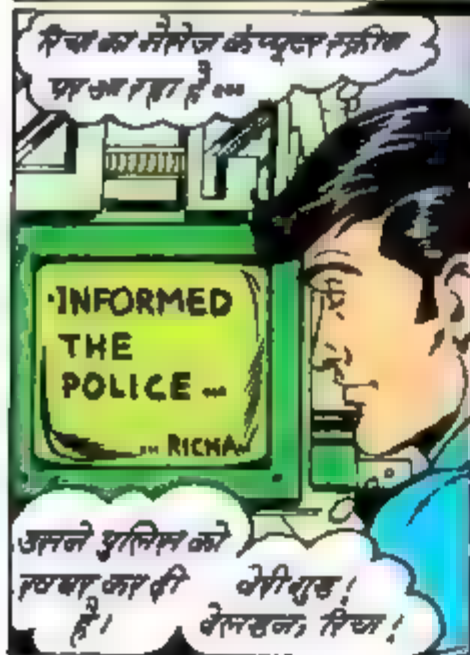
हो रहा है !



इसको सारे ऊर्जा मिलनी बंद हो चुकी है ! लगता है कि अब ये...



... सारा होने का समय है !





मौत के चेहरे

सुपर क्राइम

ध्रुव

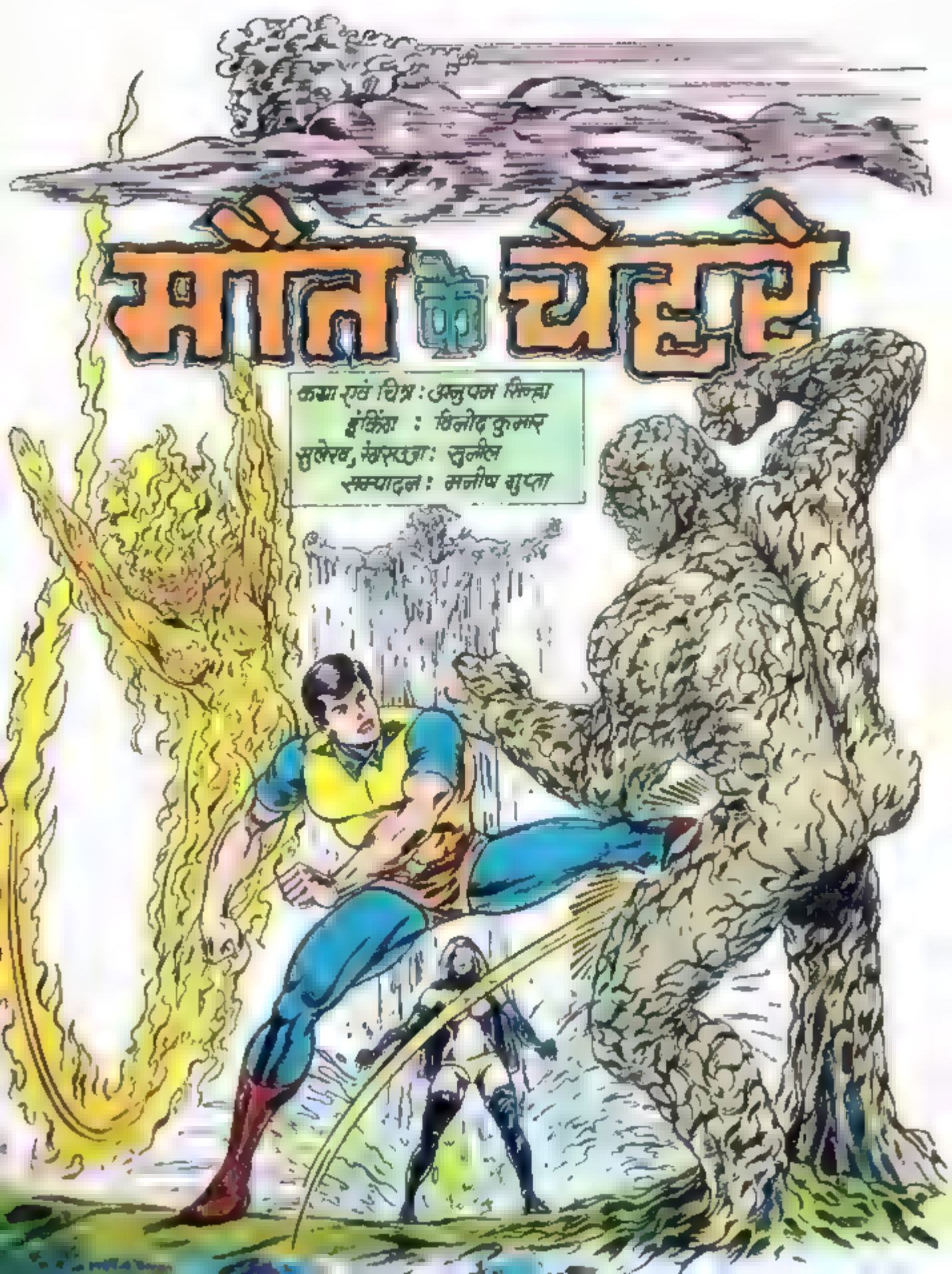


एक आकर्षक
स्पीकर मुफ्त

1996

मौत के चेहरे

कथा एवं चित्र: अमृतम सिन्हा
हंकिता : विनोद कुमार
सुलेख, संस्करण: सुनील
सम्पादन: मनीष गुप्ता



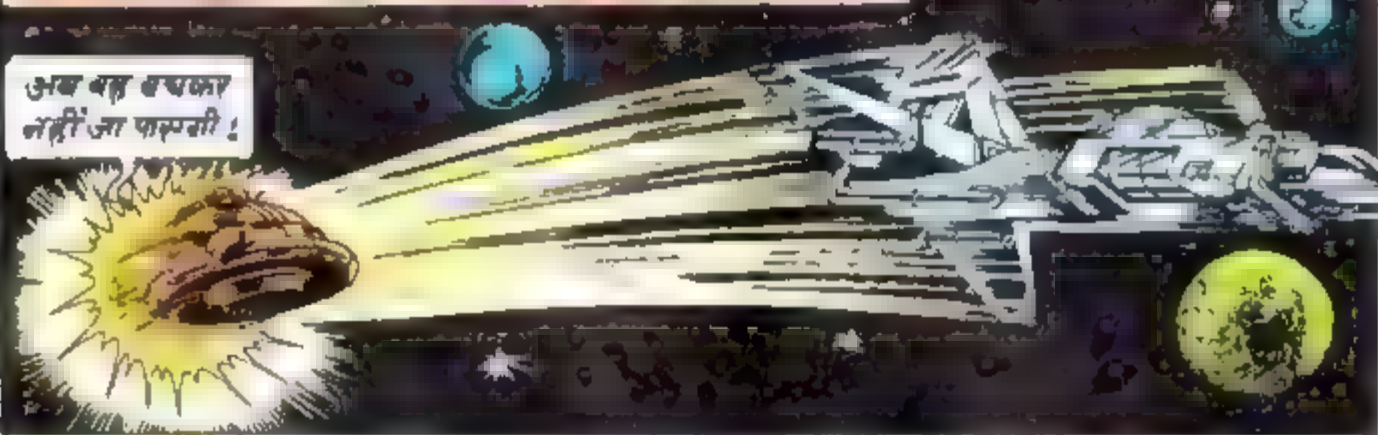
अंतरिक्ष की गहन गहराइयाँ और उसमें घूमकते नितारे—

कुछ वैसे ही लगते हैं, जैसे बिजली कांत समुद्र में तैरती चमकीली मछलियाँ—



लेकिन इस समुद्र में कब तूफान आ जाएगा, यह कोई नहीं जानता—

अब वह बचकर नहीं जा पाएगी!



आखिरी क्षणों में—

वे रुकवम में ही पीछे हैं। मुझे रुक वार फिर अपने यान की गति प्रकाश की गति के बराबर करनी होगी।...



जो कि मैं अंतरिक्ष से 'परा-अंतरिक्ष' में प्रवेश करके हूँ—इसमें आँखों से ओझल हो जाऊँ...

लेकिन मुझे वह रश्मि उठाना ही होगी, मैं...

अरे! यह क्या?



ब्रह्माण्ड किरणों का तूफान ! यह कहाँ से आया ? लगता है कोई उस राह पर से इन ब्रह्माण्ड किरणों को रोक रहा है !

ये ब्रह्माण्ड किरणों मेरे यान के युवकीय क्षेत्र में व्यवधान पैदा कर रही हैं

मेरे यंत्र सही तरीके से काम नहीं कर रहे हैं...

... अब मैं परा-अंतरिक्ष में धक्का नहीं लगा सकती !

मुझे अपने यान को इस राह पर उतारना ही पड़ेगा !

इस राह का विज्ञान भी अच्छे स्तर का लगता है ! शायद यहाँ पर मुझे अपने यान को ठीक करने की सुविधाएं मिल सकें...

... और साथ ही साथ, अपना पीछा कर रहे इन वृष्टों से पीछा बुझाने की कोई तरीका भी मुझ तक !

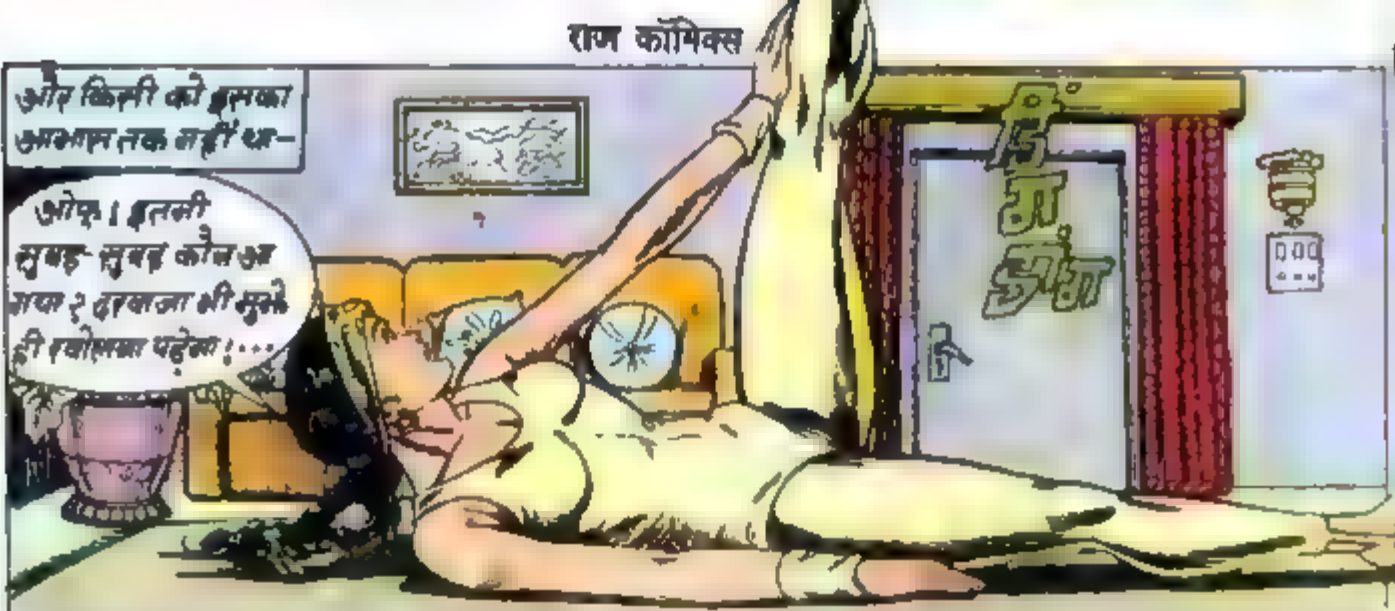
पृथ्वी पर एक तूफान उतर रहा था—

दुर्घटना

पर पढ़ें 'हृत्करी राक्षसों' ! ये ब्रह्माण्ड किरणों, नास्ट्रेडमस अपनी लैब में, 3 धनुराक्षी को बनाने के लिए रोक रहा था—

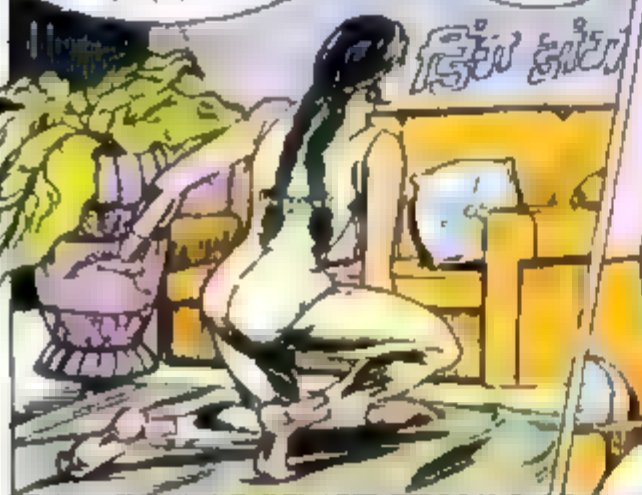
और किसी को इसका
अभ्यास तक नहीं था—

ओफ़! इतनी
सुबह-सुबह कौन आ
गया? दरवाजा भी मुझे
ही खोलना पड़ेगा!...



...क्योंकि मम्मी किचन में
हैं। और उनकी तरफ से इस
घर में लौकर रखने की सज़ा
मनाही है!

अब मुझे इस
घर में बेटी का भी
रोल करना है...



... और
लौकर का
भी ...

नताशा,
तुम?

... इतनी सुबह-
सुबह ओ! गुड मॉर्निंग,
गुड मॉर्निंग!



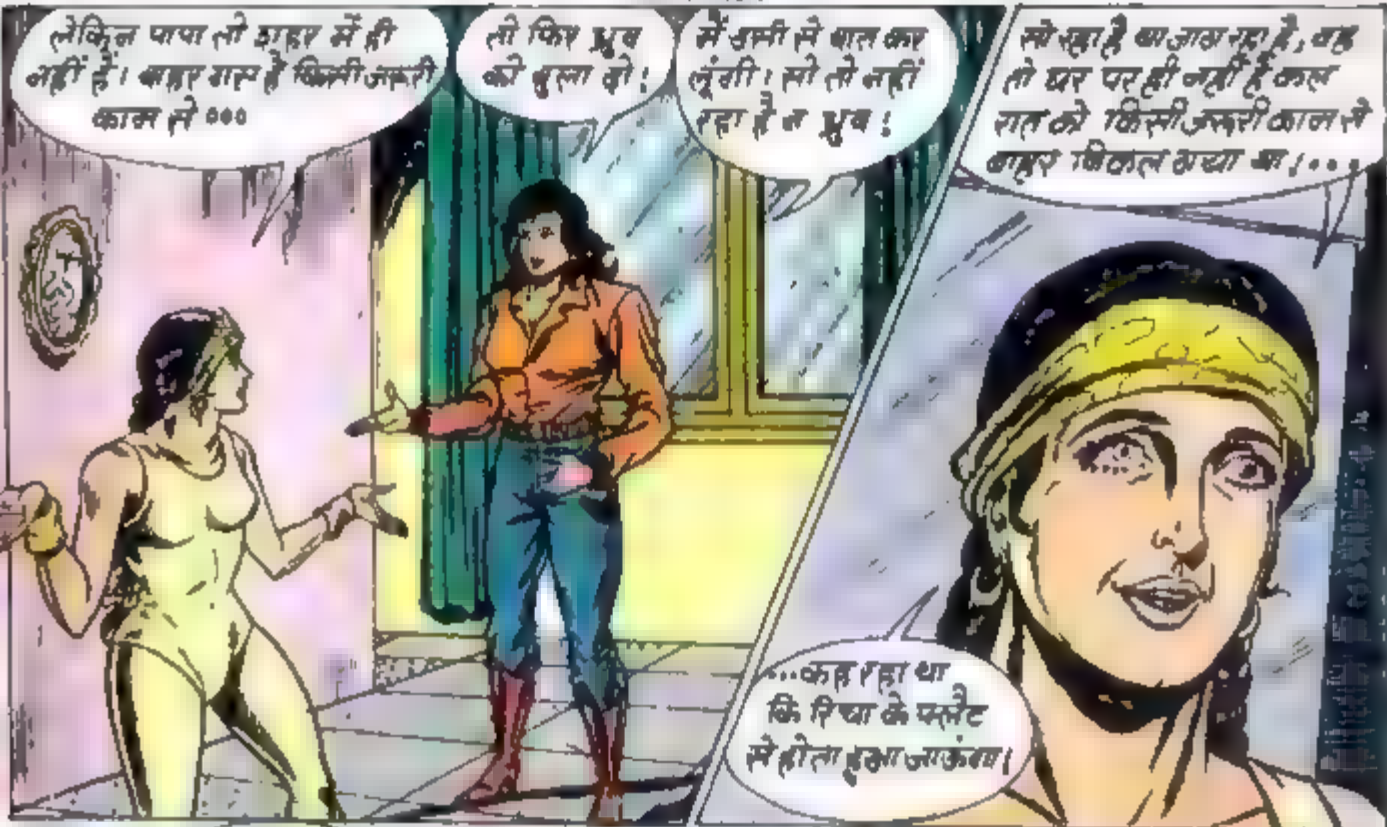
क्या बात है?
बड़ी परेशान लग
रही हो?

घर में चायपत्ती रखना ही
गड़बड़ा है? चलो, आज
हमारे यहां चाय पी लो!



मैं चाय पीने नहीं मुझे तुम्हारे डेडी से कुछ
आई इवेता!







रिस। हां,
कल हाल तो
ठीक है।



लेकिन डॉक्टर अभी भी मुझे
डिस्चार्ज करने को तैयार नहीं हैं।
गोली ने हाथ की कई मांसपेशियों
को बुरी तरह से खरबस कर दिया है।

अभी भी बाएं
हाथ से एक पेन
तक उठाने की
सलाही है।

अच्छा सुनो। एक
जल्दी काम था। मुझे इस
महीने की तनखवाह यहीं
नर्सिंग होम में चाहिए। अलग
ही।



पर क्यों पीटर?
पैसे की क्या जरूरत
आ पड़ी? तुम्हारा माता
खर्च तो कैसांडा हैड-
क्वार्टर उठा रहा है।

है कुछ जरूरत।
तभी तो पैसे मांगा
रहा हूँ।



न तुम समझ पाओगे,
करिम, और न ही मैं तुमको
समझा पाऊंगा।

ये बात मैं किसी को भी
नहीं बता सकता कि मुझे
पैसे क्यों चाहिए।

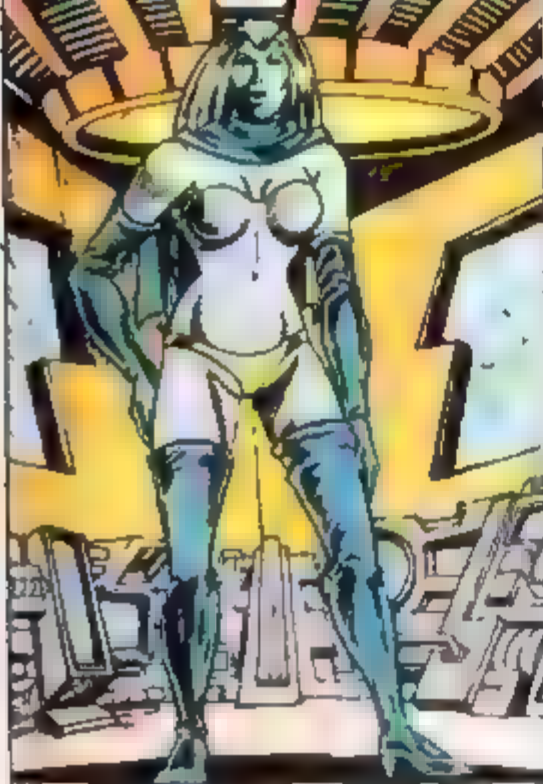


और लगभग इसी वक़्त—

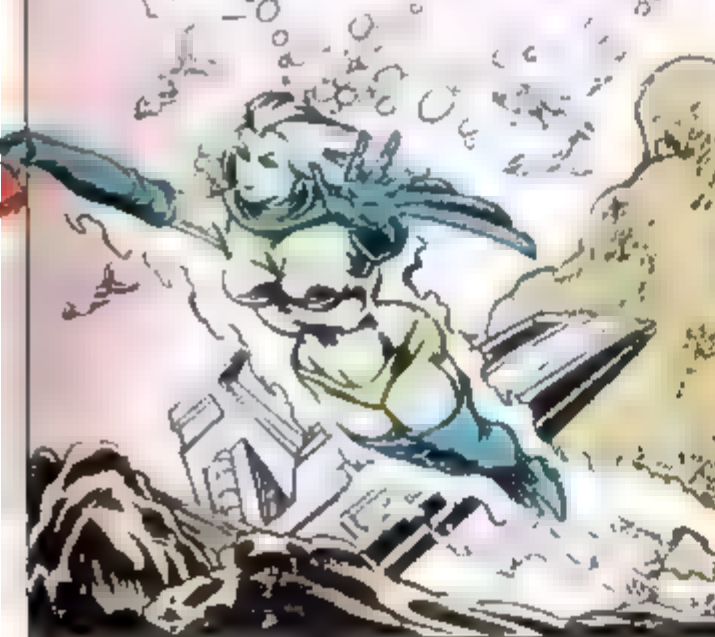
मिल गई खराबी!
ब्रह्मांड किरणों के तूफान
ने मेरे धन के 'फ्यूल-टैंक'
में छेद कर दिया है।

और फ्यूल का स्तर कम
होने की वजह से, मेरे धन को
पीयर मिलनी बंद हो गई है।

मुझे न्यूक्लियर ईंधन चाहिए। और मुझे आभास हो रहा है कि इस शहर में से मुझे न्यूक्लियर ईंधन मिल सकता है!



और इस बॉक्स का उनके हाथ लगाना, मेरी मौत भी बन सकता है। क्योंकि इस बॉक्स में हैं वे पांच बेइयां की मनी अंगूठियां, जिनकी कीमत है... पूरे ब्रह्माण्ड का सच!

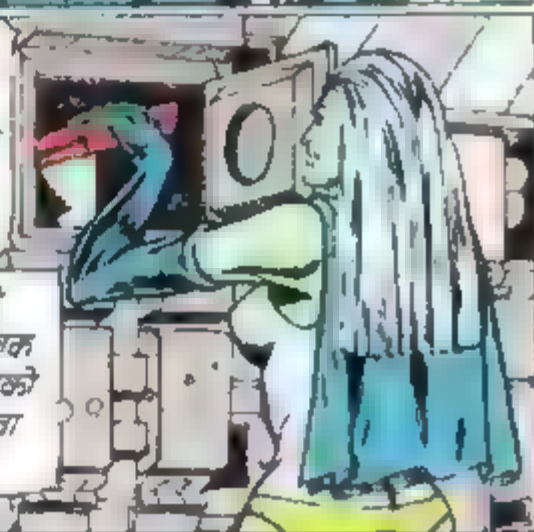


समस्या गंभीर हो गई है।

कपूसरी को बाहर निकालना ही पड़ेगा!

लेकिन मैं अपने साथ बस चीज ले जाऊंगी जिसके लिए वे दुष्ट मेरे पीछे पड़े हुए हैं...

...और अगर वे मुझे ढूंढते-ढूंढते इस यान तक आ भी पाए, तो भी उनको शरणागति के आलावा कुछ नहीं मिलेगा!



और जरा मेरी मूर्खता देखो! मैंने अभी इन अंगूठियों की टेस्टिंग भी नहीं की है!

मुझे आभास हो रहा है कि इस शहर में न्यू-क्लियर फ्यूअल लेने के लिए मुझे इन अंगूठियों की मदद लेनी पड़ेगी।

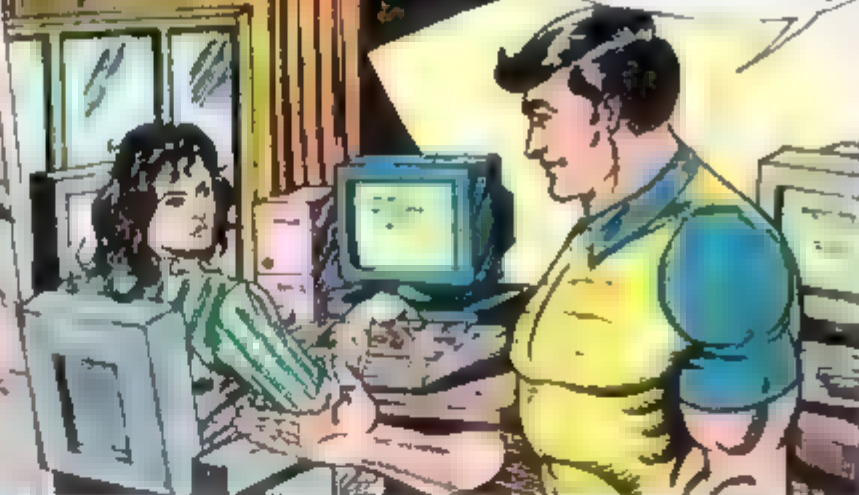
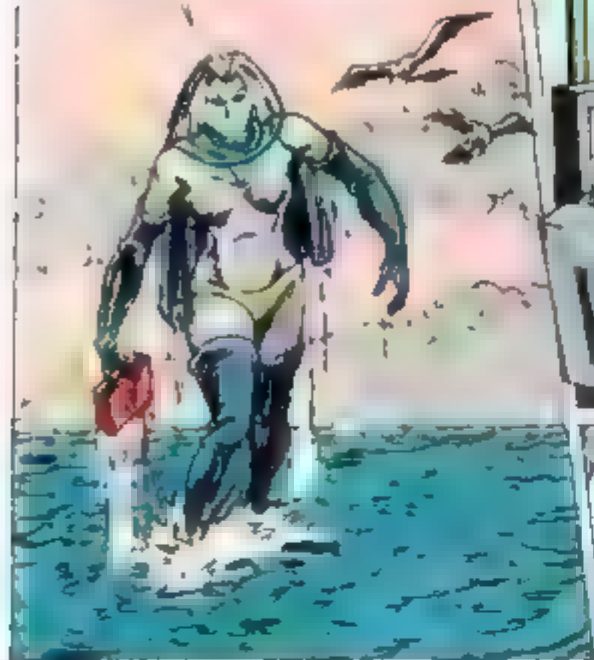


रवैर जो भी हो ! फिलहाल तो मेरा उद्देश्य जल्दी से जल्दी न्यूक्लियर फ्यूल हासिल करके, इस अजनबी ग्रह से बाहर निकलना है।

वहां से कुछ किलोमीटर की दूरी पर -

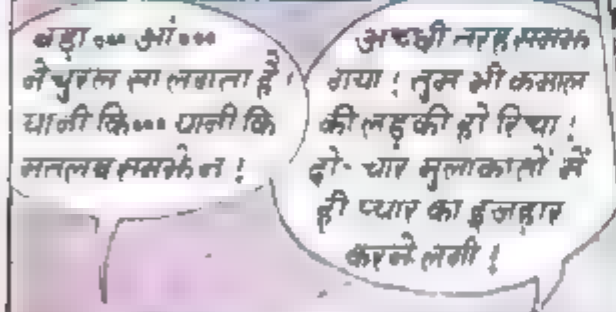
मदद के लिए धन्यवाद, रिया!

लेकिन वह आखिरी मैनेज 'फ्लैश' करने का क्या मतलब था?



मतलब? अरे, सीधी-सादी अंग्रेजी तो थी। आई... लव... यू!

दूर अमल हिन्दी में बोलो तो बड़ी किरकल लगती है। अंग्रेजी में बोलो तो लगता है कि बचपन से यही बात बोलते आ रहे हैं।



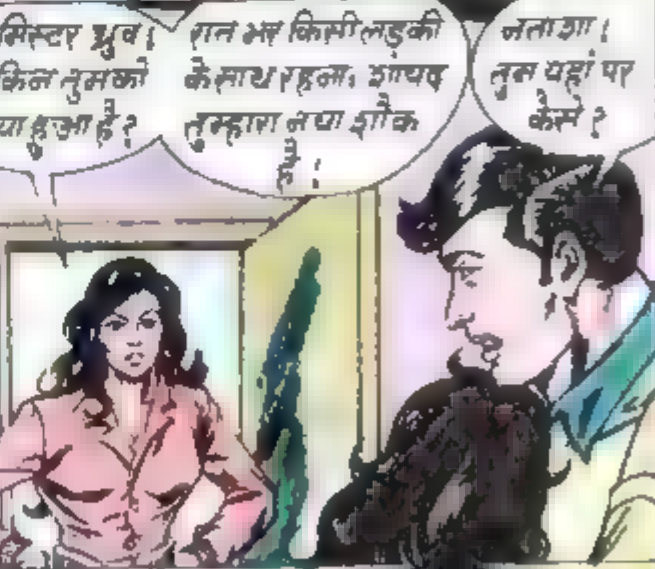
बड़ा... आं... ने चुरल सा लगता है, घानी कि... घानी कि मतलब समझे न!

अच्छी तरह समझ गया! तुम भी कसाल की लड़की हो रिया! दो-चार मुलाकातों में ही प्यार का इजहार करने लगी!



ये 'जेट-पेज' है ध्रुव। सब काम फटाफट करता पड़ता है... और मुझे बात छिपाने की आदत नहीं है। तुम मुझे अच्छे लोगों तो भेजे तुमको साफ-साफ बात दिया!





हाक तो मुझे पहले ही हो गया था।
शुरू से ही तुम इस लड़की पर जबरन
से ज्यादा मेहरबान थे। लेकिन इतने
ज्यादा मेहरबान हो, यह मैंने नहीं
सोचा था।

अक्सल से काम
लो, मलाइया! तुम
गलत समझ रही
हो। दरअसल बिचा
बेहोदा...

अक्सल से काम लेती,
तो ये नौबत ही नहीं
आती, मिस्टर भुव!

तुम्हारी अक्सल तुम
ही को मुबारक हो...
और यह लड़की
भी।

गुड बाय
मिस्टर भुव!
हैंस स्नाइस
टाइम!

तुमो तो
मलाइया...

संवाद

उफ! कितनी ज़ोर
से दरवाजा बंद
किया!

अब धीरे-धीरे घ्याज
जैसी इस दुनिया की पर्तें
मेरे सामने खुल रही हैं।
इसका असली रूप मेरे
सामने आ रहा है...

अब धीरे-धीरे घ्याज
जैसी इस दुनिया की पर्तें
मेरे सामने खुल रही हैं।
इसका असली रूप मेरे
सामने आ रहा है...

... और वह असली रूप
बहुत छिन्नोना है। अपराध,
रिश्कत, अराजकता और
भूट से सजा हुआ रूप।
मेरी छोड़ी हुई जर्म
की दुनिया से भी ज्यादा
छिन्नोना।



... और दूसरी लड़की, धरती की
सतह पर कदम रख रही थी—



मुझे व्यक्तिगत फ्यूल दंडने में कुछ
समय लग सकता है। और इस दौरान
मैं यहां के लोगों की नजर में नहीं
आना चाहती। इसीलिए मुझे ...

!!



... अपना रूप इन पृथ्वी-वासियों
बदलना होगा! जैसा ...



... मैं 'वीडियो-स्केनर' पर पृथ्वी के
प्राणियों को देख चुकी हूं। मेरे रज्जुबाल में मेरा
यह रूप इनके बीच में घुल-मिल जाएगा!

आं, गां गां गां ...



क्या हुआ, कोक्या? गाले
में उड़ने वाली मछली फंसा
गई क्या?



गां गां गां हो।

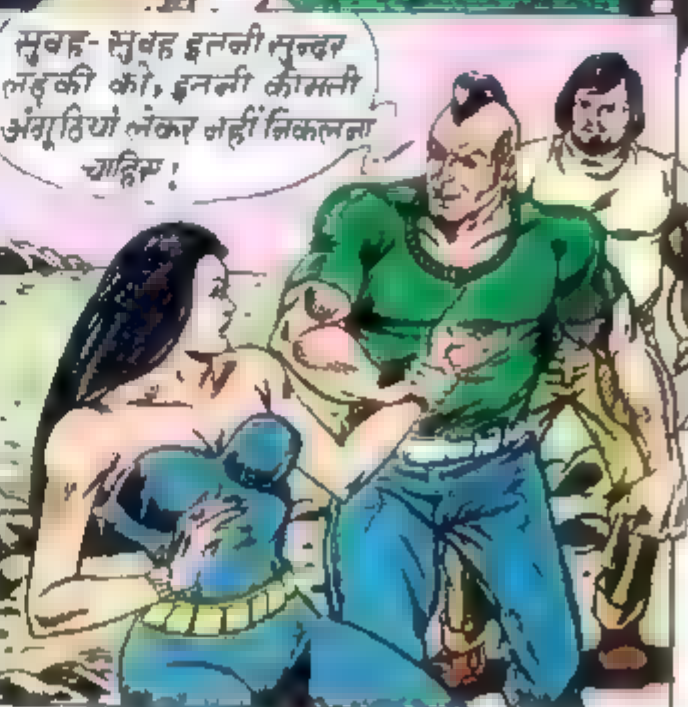
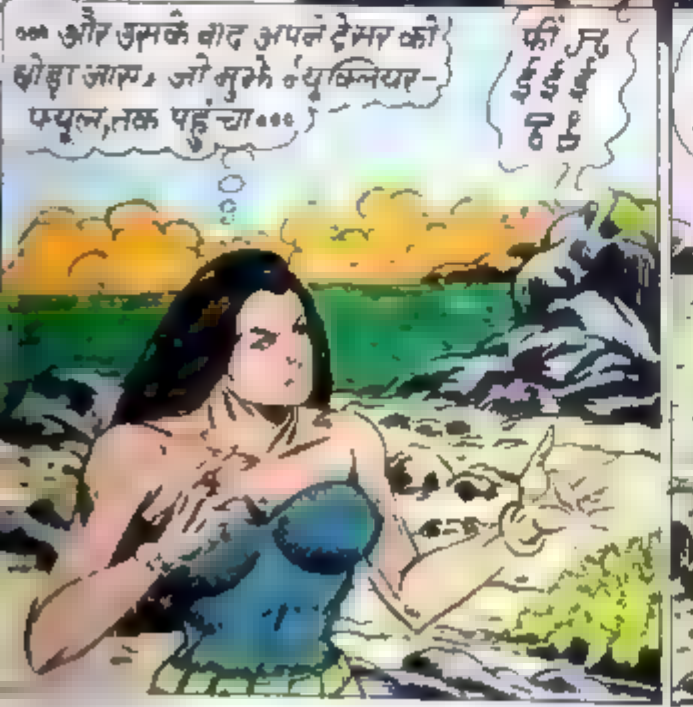
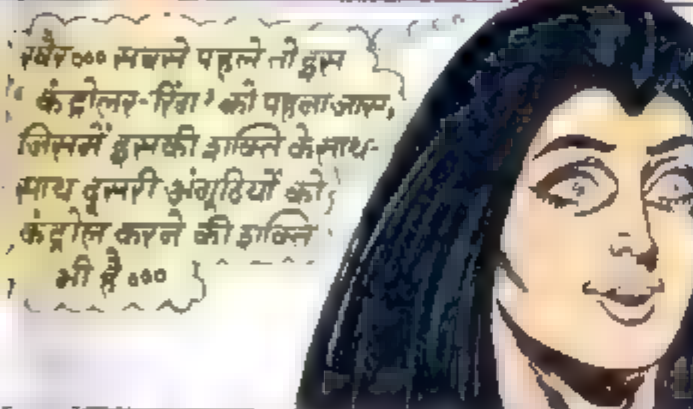
कोई मोट
आमासी दृश्य गई
होगी। गले खुड़ी
के मुंह से बोल फूट
नहीं पा रहे हैं ...

... आहम
भी देखते हैं।
वाऊ!

तीन बक्के जैसी
लगा रही है!

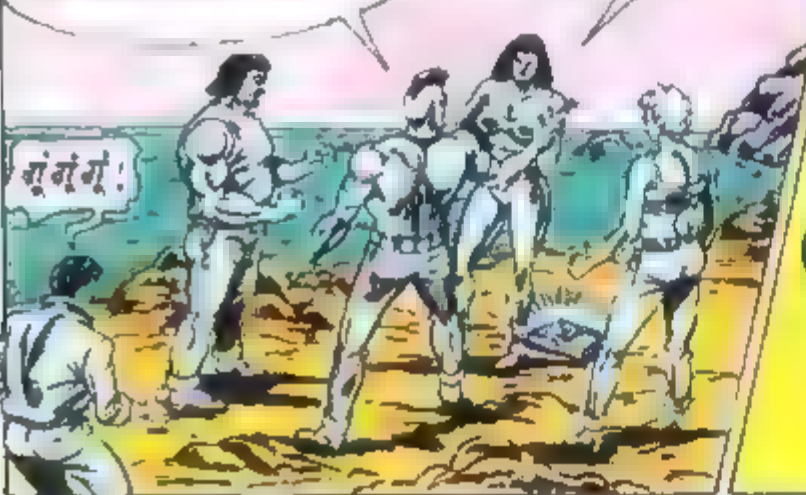
यल, आ
फिर! इससे
जरा रबल लें!





... इसको हम सम्मान कर
गरव लेते हैं, सुन्दरी! न घुम-
घूम कर, टहल-टहला कर वापस
आ, फिर हमसे ले जाना।

हम, चार प्राणी! अब
मुझे किसी चीज की
विवेक नहीं!



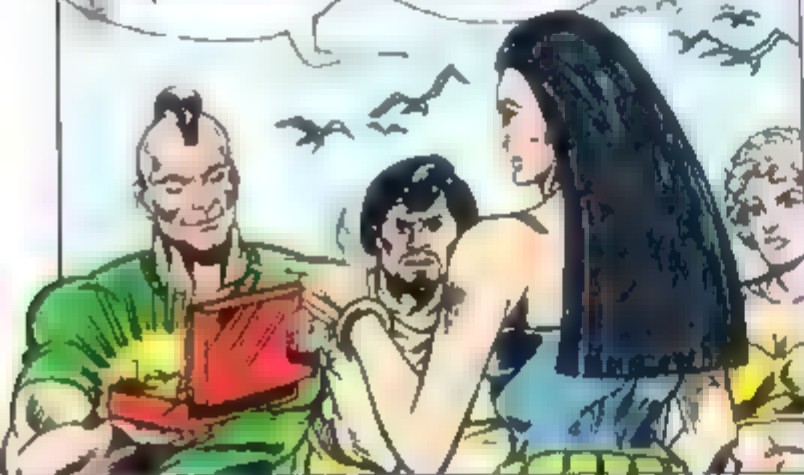
विवेक नहीं है तो अब यहाँ से
फूट ले। आह! ही ही ही!



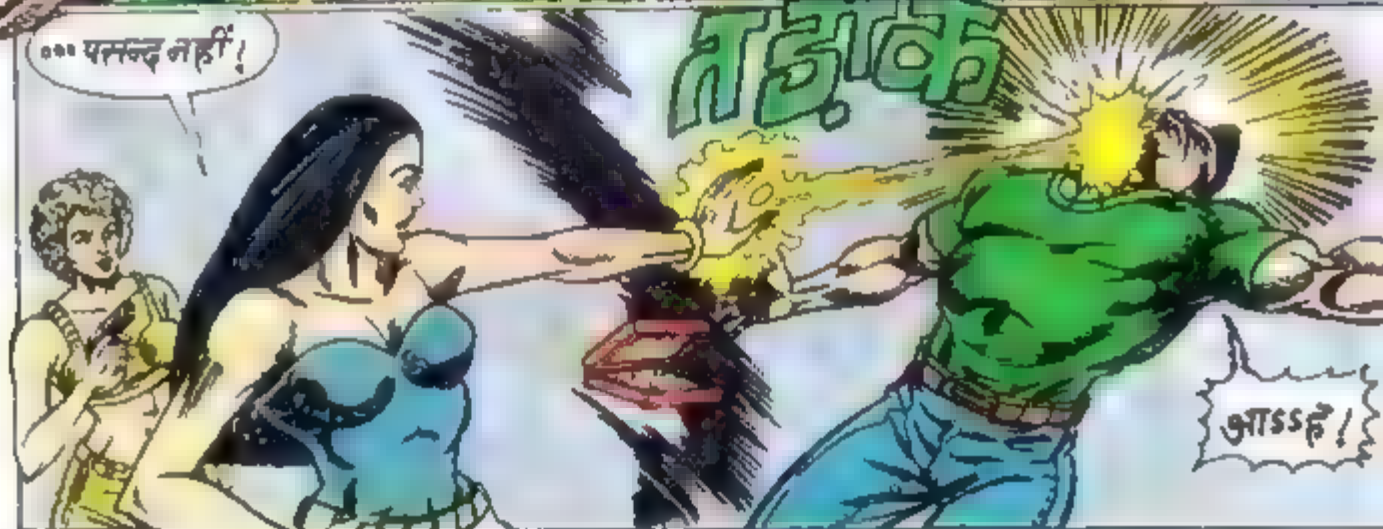
ये अंगूठियाँ तो
मैं तुम लोगों को वैसे
ही पहना देती...

... लेकिन तुम लोगों ने
जबरदस्ती करने की
कोशिश की...

... और जबरदस्ती
मुझे...



... पसन्द नहीं!

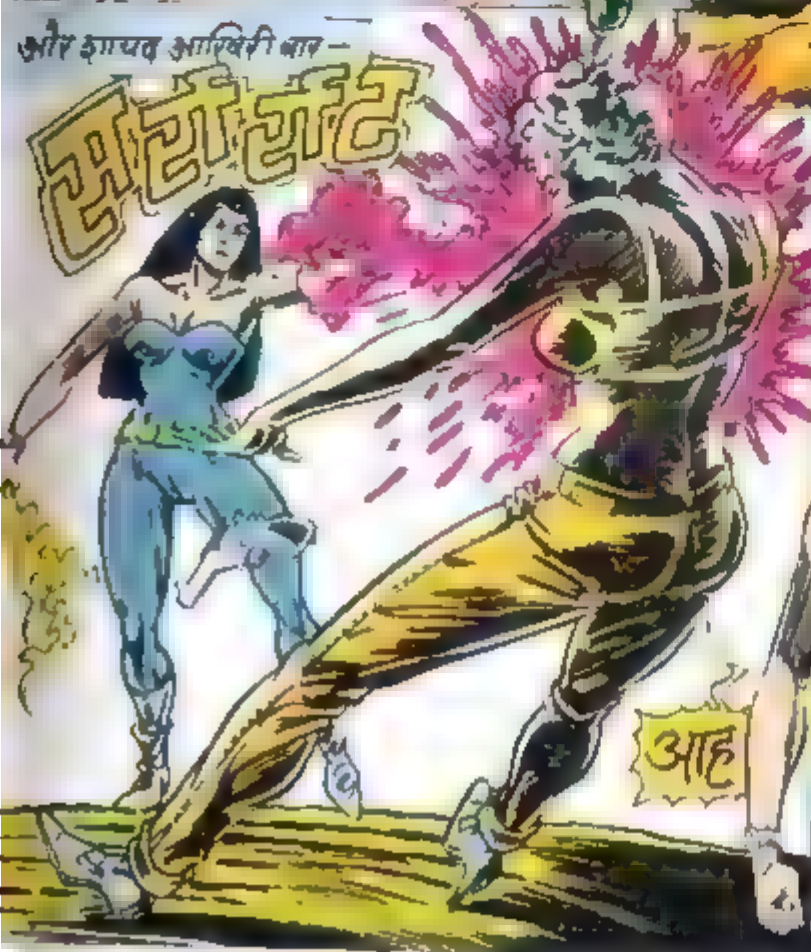
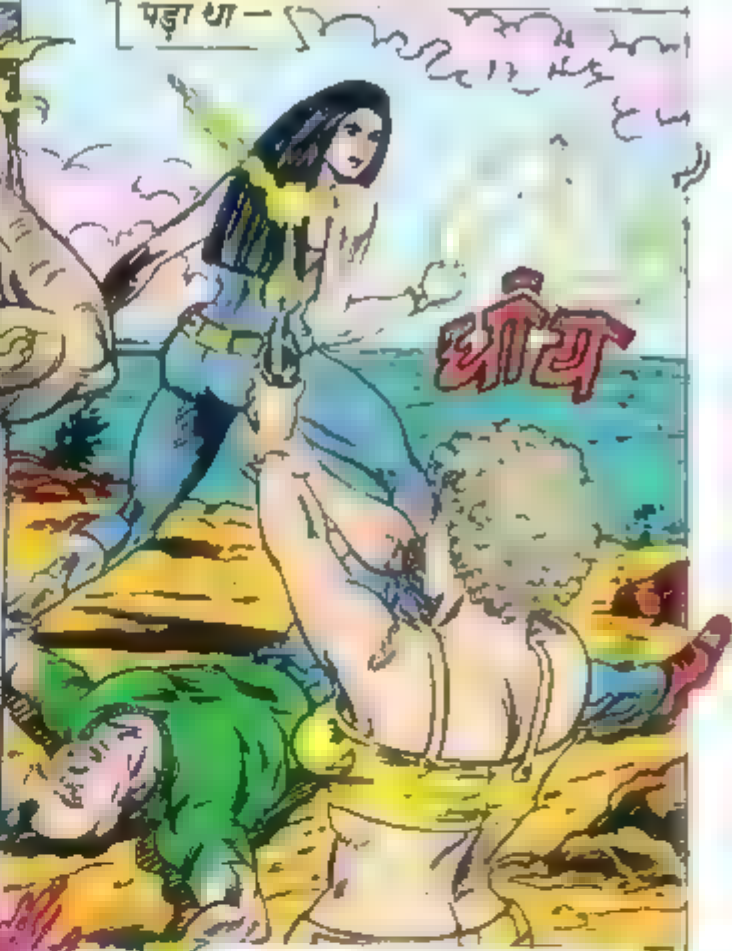
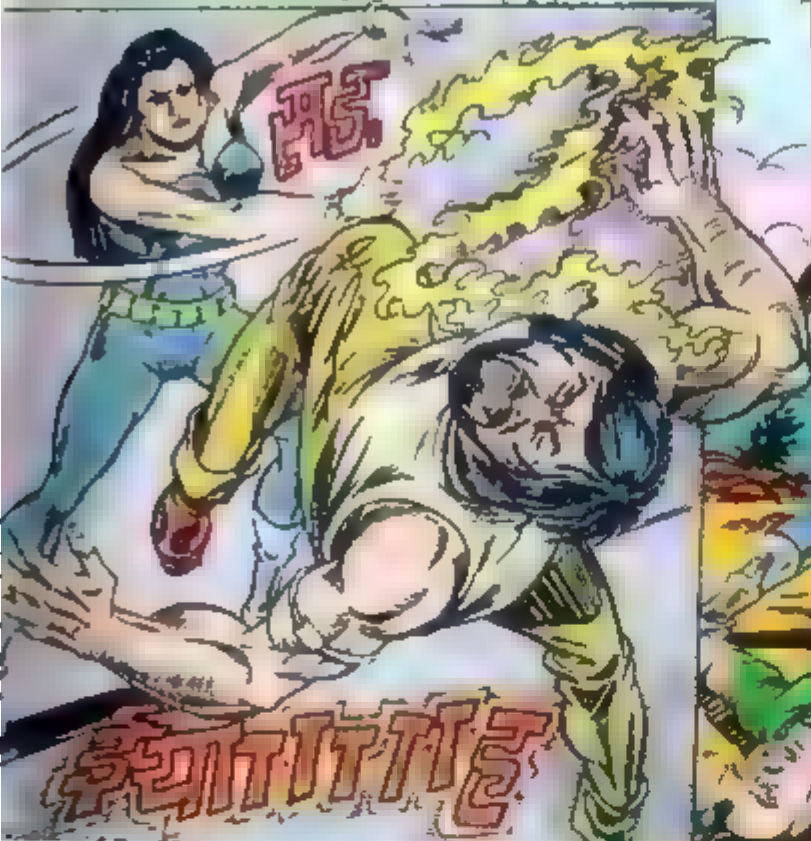


तड़क

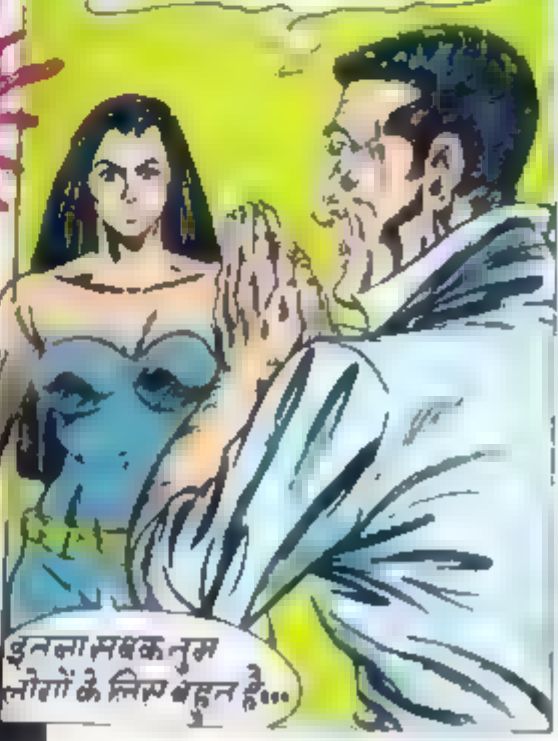
आह!

कोक्या, जप्पी, लीली और नुरु मामूली उचक्के थे...

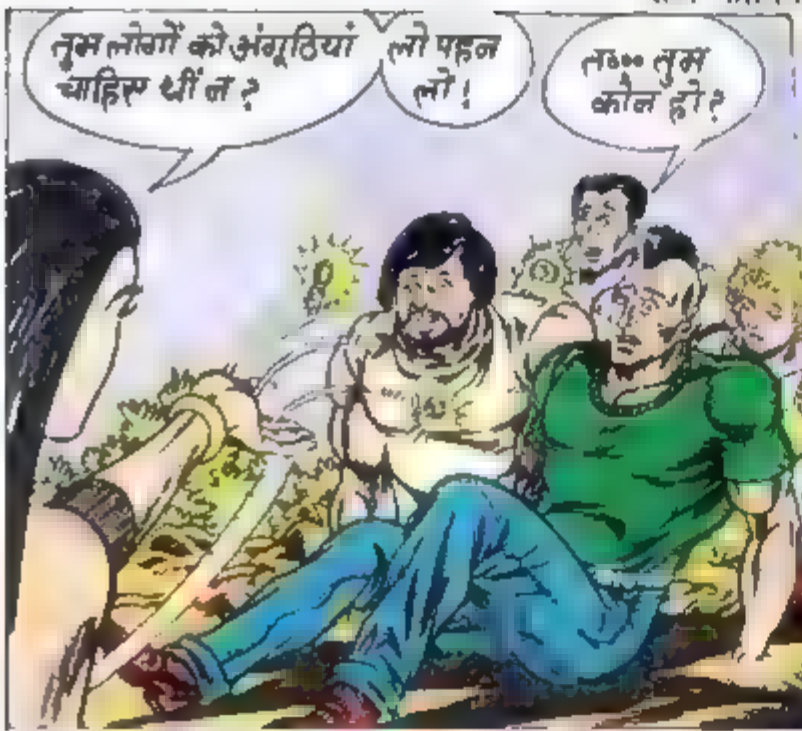
... स्पेसी बला से उनका वास्तु पहली बार पड़ा था -



गूं गूं गूं : न... न... मा... माफ...
... माफी... धो... धोड़...

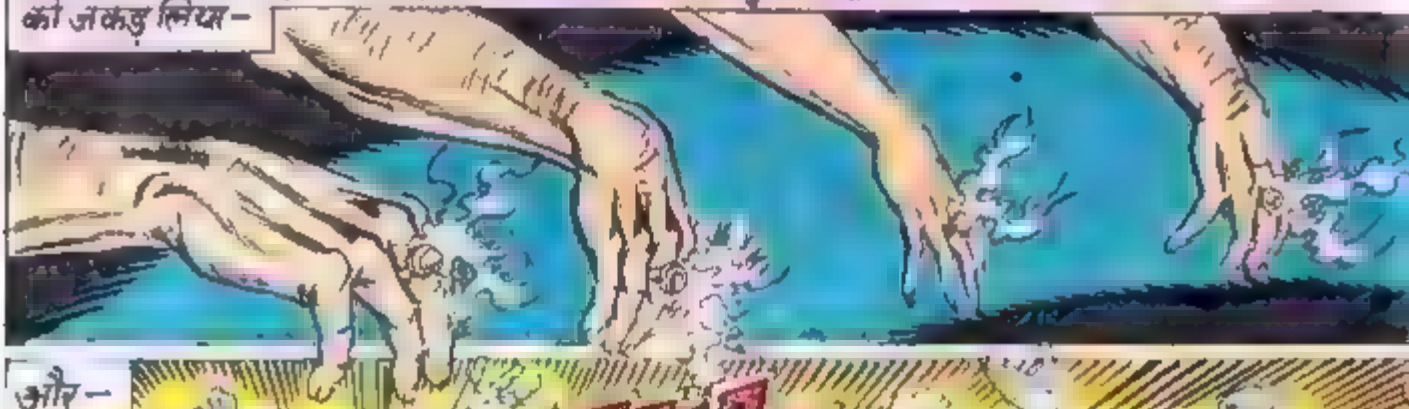


उनका सबकुछ
लोहों के लिए बहान है...

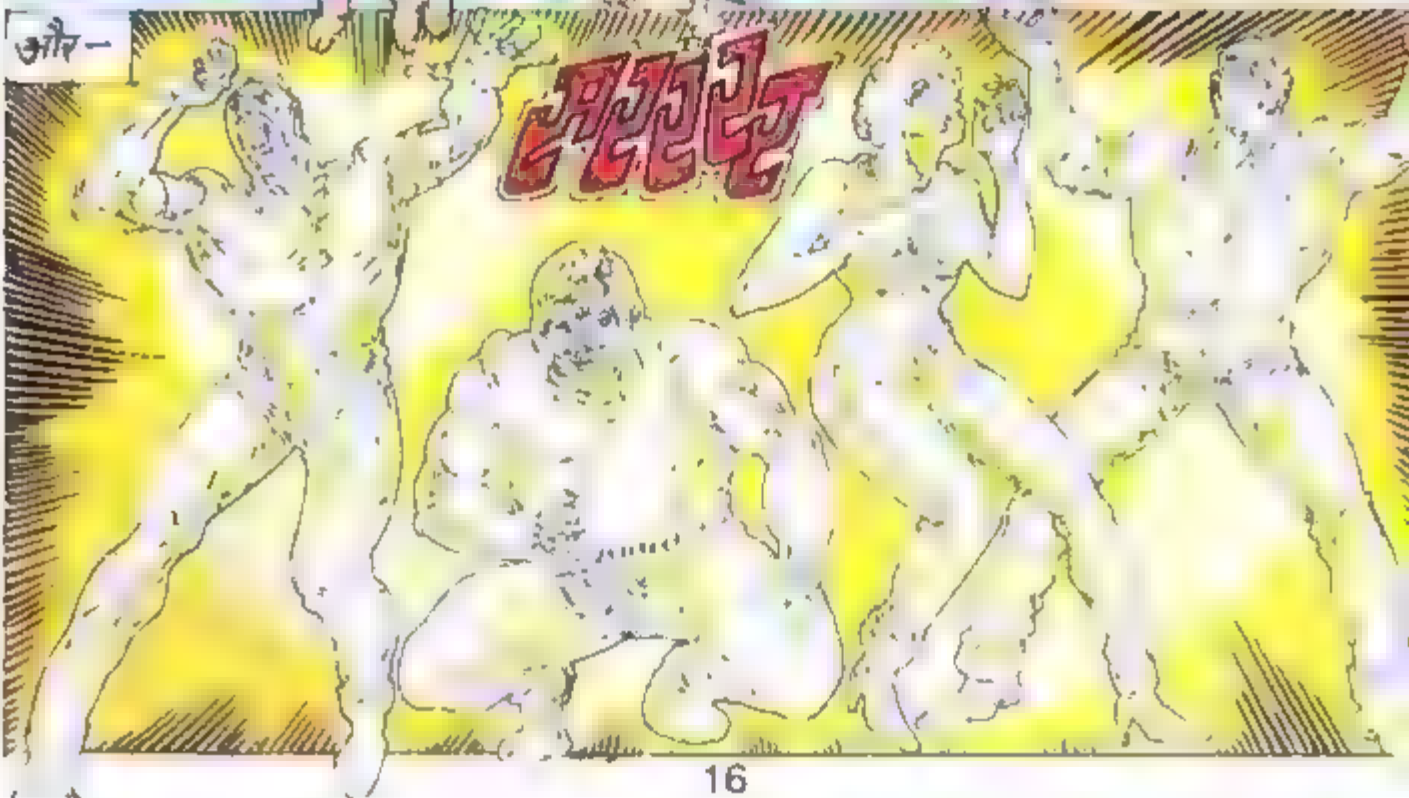


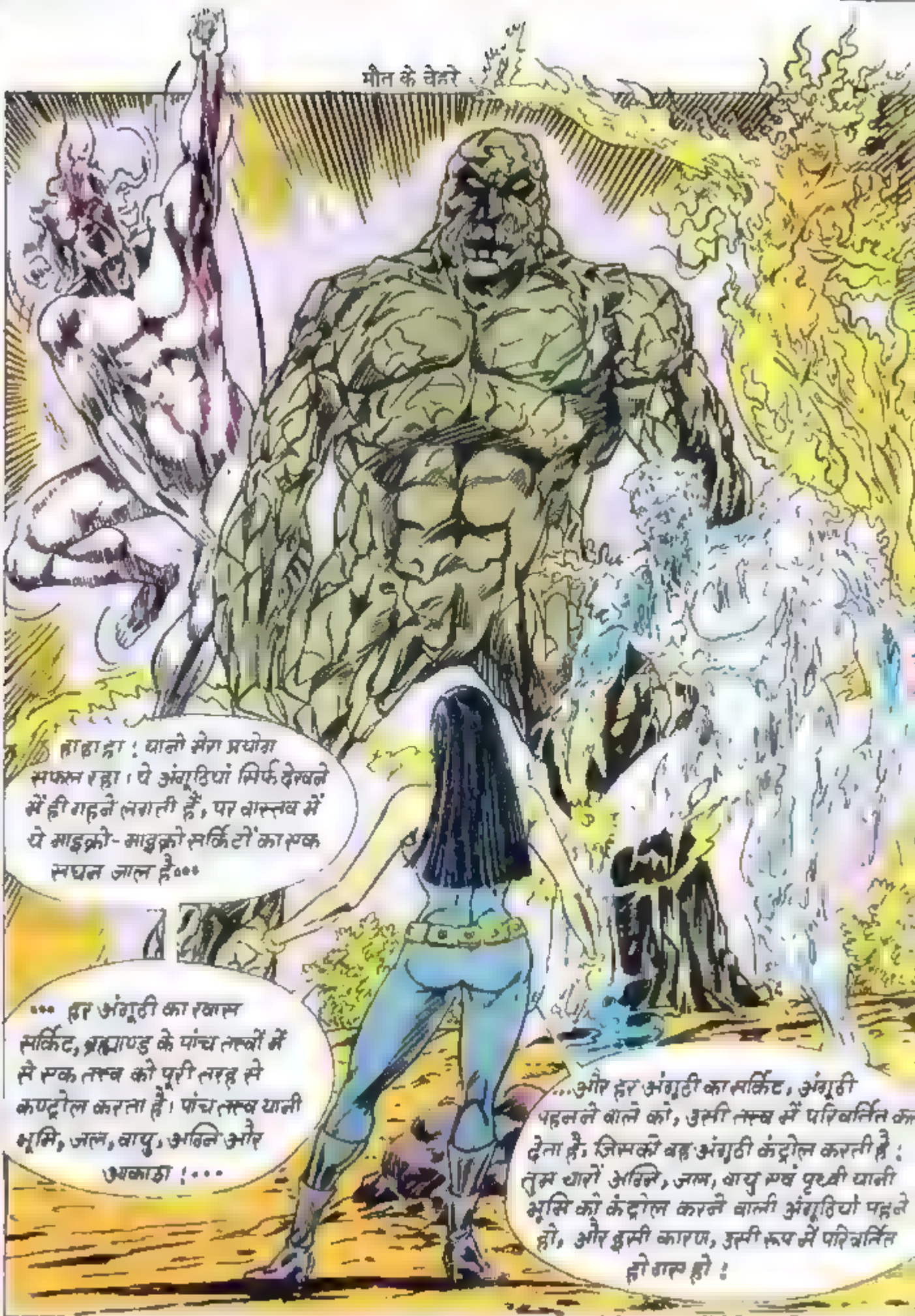
आवाज की ठंडक, चारों के भयभीत कलेजों को नदर की तरह चीरती चली गई -

उंगलियों की मोटाई - पतलाई को नजर अंदाज करते हुए अंगूठियों ने फांसी के फंदे की तरह उंगलियों को जकड़ लिया -



और -





हाहाहा ! यानी मेरा प्रयोग
सफल रहा ! ये अंगूठियां सिर्फ देखने
में ही गहने लगती हैं, पर वास्तव में
ये माइक्रो-माइक्रो सर्किटों का एक
समूह जाल है...

... हर अंगूठी का एकल
सर्किट, ब्रह्माण्ड के पांच तत्वों में
से एक तत्व को पूरी तरह से
कंट्रोल करता है। पांच तत्व यानी
भूमि, जल, वायु, अग्नि और
अकाश !...

...और हर अंगूठी का सर्किट, अंगूठी
पहनने वाले को, उसी तत्व में परिवर्तित कर
देता है, जिसको वह अंगूठी कंट्रोल करती है !
तुम चारों अग्नि, जल, वायु एवं पृथ्वी यानी
भूमि को कंट्रोल करने वाली अंगूठियां पहने
हो, और इसी कारण, उसी रूप में परिवर्तित
होगा !

और तुम लोगों को कण्ट्रोल करेगी, मेरी यह अंगूठी। जो बाकी अंगूठियों के साथ-साथ, 'आकाश' तत्व को कण्ट्रोल करती है।

'आकाश' यानी कुछ नहीं; निर्वात! वैक्यूम! यही कहते हैं न तुम्हारी भाषा में!

इन अंगूठियों के प्रभाव से तुम दो ही तरीके से धुटकारा या सकते हो। एक तो अगर मैं अपने कण्ट्रोल से तुमको आजाद कर दूँ। और दूसरा, अगर तुम्हारे इन कमजोर झरीरों के 'स्नोपु-तंत्र' यानी नर्वस सिस्टम को कोई भटका लगे, तब!

और इन दोनों में से कोई भी तरीका तुमको धुटकारा नहीं दिला सकता!

क्योंकि मैं अपने कण्ट्रोल से तुमको आजाद करेगी नहीं और दूसरा कोई तुम्हारे इतने पास आ ही नहीं पाएगा कि तुम्हारे 'स्नोपु-तंत्र' को कोई भटका दे पाए!

अब समय आ गया है, कि मैं 'ट्रेसर' छोड़कर उस स्थान की दूँद निकालूँ जहाँ से मुझे अपने यान के लिए न्यूक्लियर फ्यूल लेना है।

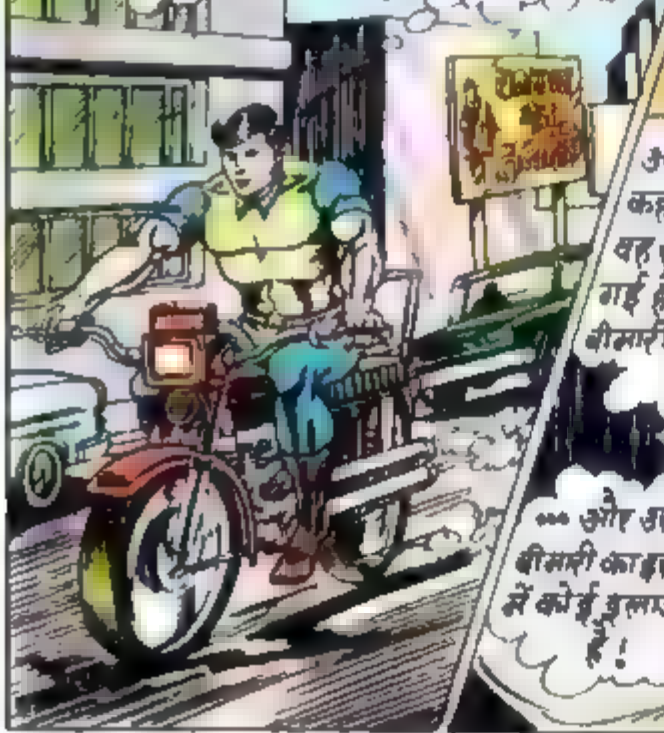
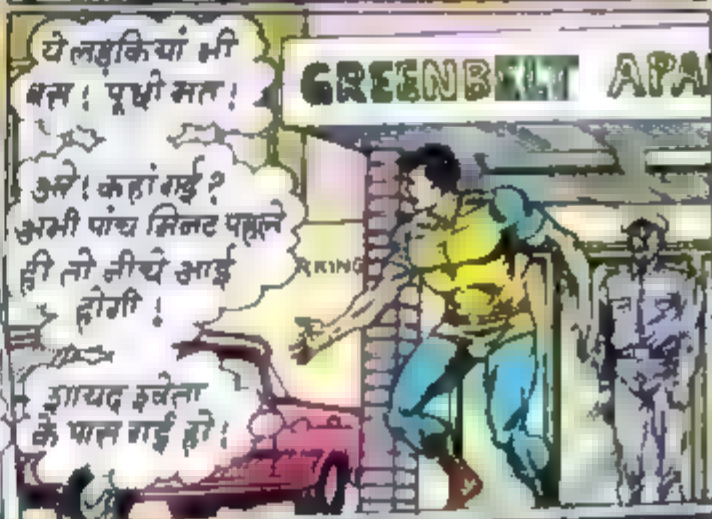
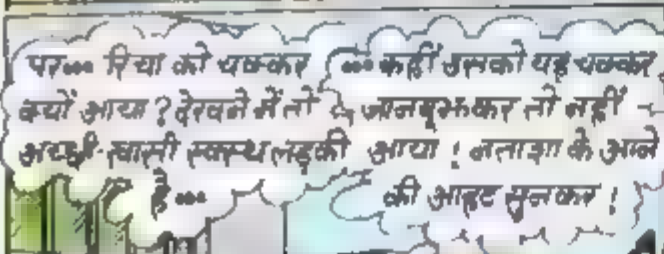
और इस दौरान, यान की टेंकी के छेद से निकलकर न्यूक्लियर ईंधन समुद्र के पानी में मिलकर उसको दूषित कर रहा था—

और ग्रीन बेल्ट अपार्टमेंट में—

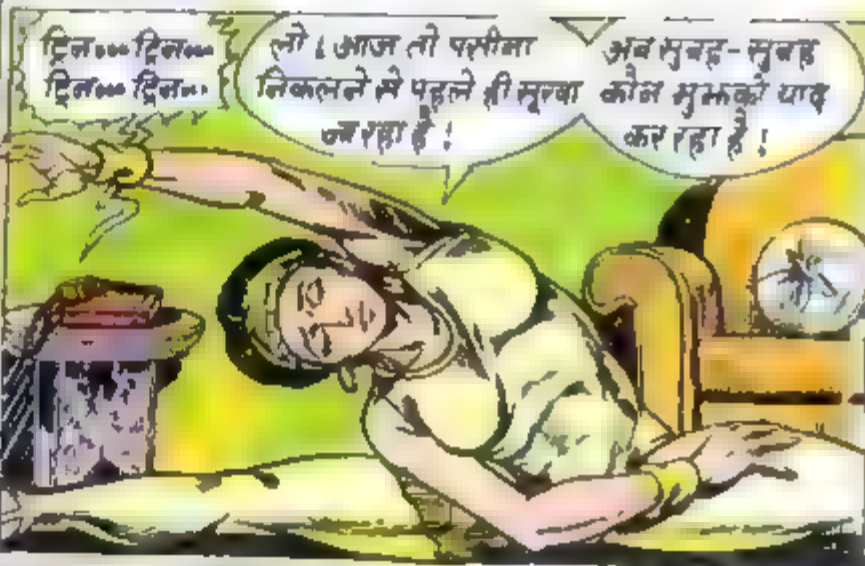
प्रिया, क्या हुआ था, तुमकी?

ट्रेसर उड़कर अपने लक्ष्य को टूटने के लिए...

शायद रात भर जागरूक, कंप्यूटर पर ऑनस गड़ा रहने के कारण ऐसा ही हुआ था। अब मैं ठीक हूँ!



आज की सुबह कुछ खास ही थी-

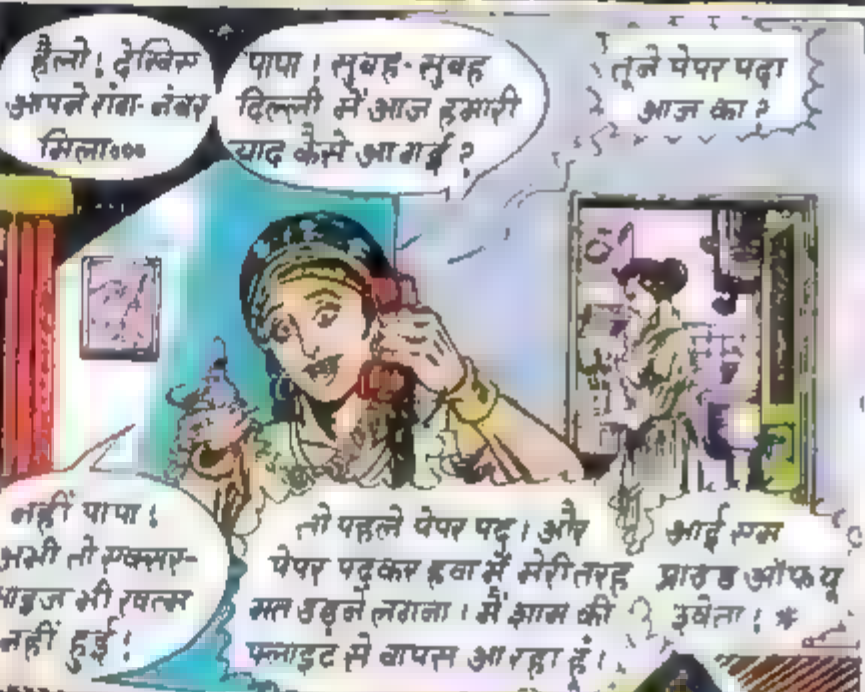


दिन... दिन...
दिन... दिन...

लो ! आज तो पत्नी
निकलने से पहले ही सुबह
जग रहा है !

अब सुबह-सुबह
कौन मुझको याद
कर रहा है !

वे कपाने पेपर में ऐसा क्या पढ़ लिया
कि सुबह-सुबह फोन दाग दिया।
प्राउड बाला !



हैलो ! देविदास
आपने रांवा-नंबर
मिला...

पापा ! सुबह-सुबह
दिल्ली में आज हमारी
याद कैसे आ गई ?

तुने पेपर पढ़ा
आज का ?

नहीं पापा !
अभी तो एकसर-
साइज भी रक्ता
नहीं हुई !

तो पहले पेपर पढ़। और
पेपर पढ़कर हवा में मेरी तरह
मत उड़ने लगना। मैं काम की
फ्लाइट से वापस आ रहा हूँ।

जल्द कुछ
खास...

उई मां !
मैं तो मर
गई।



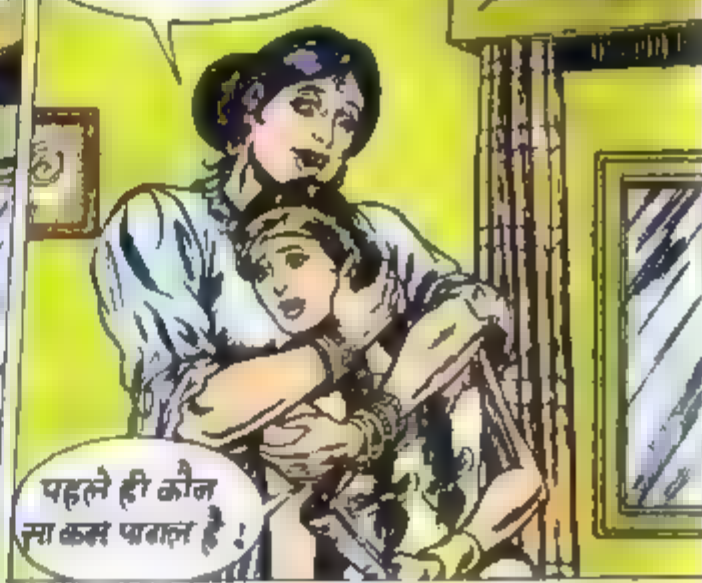
* मुझे तुम पर गर्व है श्वेता !

क्या हुआ, इवेला?
कमरत करते हुए कोई
नस चढ़ गई क्या?

नहीं! मैं फास हो गई अम्मी!
और उसने भी बुरी खबर है
मैंने टॉप कर लिया है।
ऊँऊऊ!

सच! मेरी बेटी ने टॉप
किया है। मेरी बुद्धू बेटी
टॉप कर गई!

बुध तो यह खबर सुनकर
पागल हो जलगा।



पहले ही कौन
सा कमरत है!

तुम खड़ा हो रही हो और
यहाँ जान पर बनी हुई
है। अब सोचना पड़ेगा
कि कौन से कौलेज से
सहस्रिका लूं?

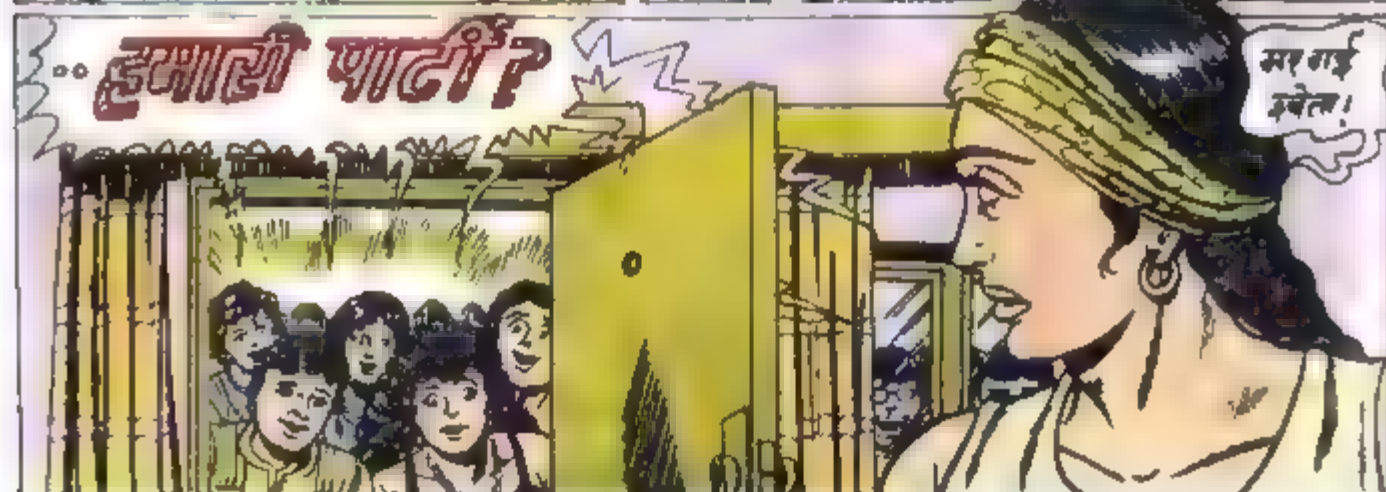
कौन-कौन से सऊजैक्ट-नूं,
क्या करना है? क्या बनना
है? सब अभी सोचना
पड़ेगा!

और मुझे टॉप करने की
क्या जरूरत थी। अब सब
दोस्त घर पर धावा बोलेंगे
मछाई सुनते-सुनते कान
पक जायेंगे...

...और एक लंबी-चौड़ी पार्टी
देनी पड़ेगी सो अलग! मैं तो
मर गई न? मेरी सक्करसाइज
भी मारी जायगी। अब किसी
भी समय देगा पार्टी आती होगी
आते ही चिल्लाऊंगी...



इवेला,
कांग्रेचुलेशन!



...हमारी पार्टी?

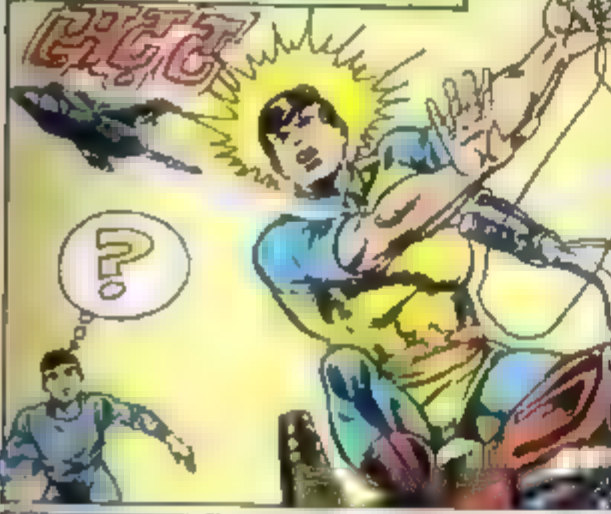
मर गई
इवेला!

ध्रुव भी यह खबर सुनने के लिए घर की तरफ ही बढ़ रहा था -

आहा! ध्रुव भड़का!
सुबह-सुबह उठने का पैसा
वसूल हो गया!



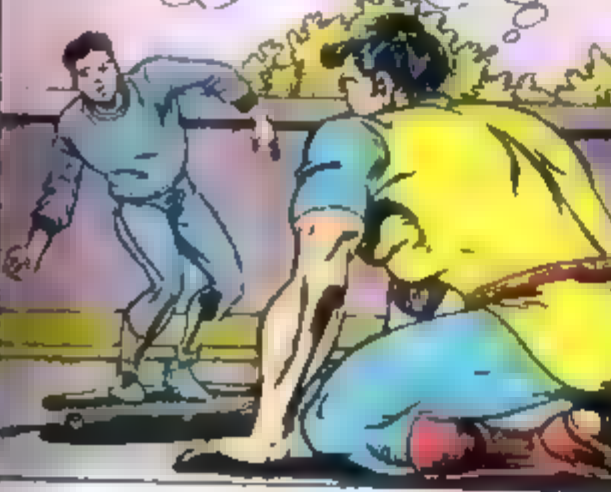
लेकिन वह यह नहीं जानता था कि आज घर का
रामन्ता काफी लंबा होने वाला है -



इसका किसी बच्चे
ने रिमोट कंट्रोल वाला
फ्लेन छोड़ा...
नहीं!

ये कोई और ही चीज
है... देखना पड़ेगा कि यह
है क्या?

मोटरसाइकिल उतारने का समय... मुझे वह
नहीं है इसका पीछा करने के
लिए...



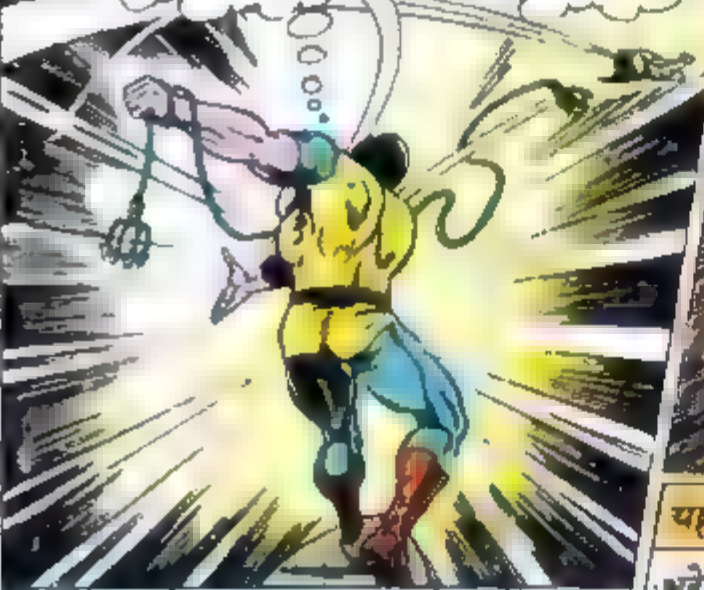
और कुछ ही पलों बाद -

अक! ध्रुव भड़का ने मुझसे
स्केट बोर्ड मांगा। जब
वापस करने आएंगे तो
मेरे बोर्ड पर उसके
ऑटोग्राफ भी ले
लेंगे!



अब सबसे पहला काम इस 'चीज' को रोकना है। और फिर यह देरवना है कि वह चीज अखिर है क्या?

और यह काम मेरी 'नाइलो-स्टील' लाइन बरबोसी कर सकती है!



ध्रुव की बेल्ट से निकलकर नाइलो-स्टील लाइन-

सचमुच यह काम आसान नहीं था-

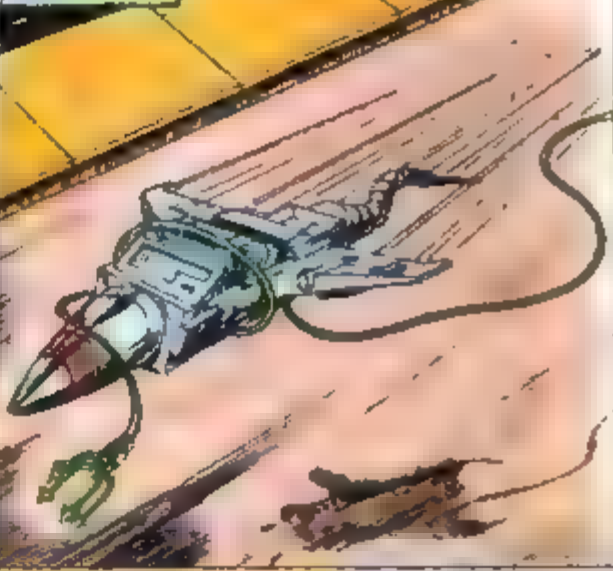


अब एक भटके में यह उड़नघान नीचे... अरे! अरे!

अरे, वह प्राणी मेरे 'ट्रेसर' को रोकने की कोशिश कर रहा है... लेकिन कुछ ही पलों में उसको पता चल जाएगा कि यह इतना आसान नहीं है!

यह तो बहुत पावरफुल घान है। मुझे धसीदता हुआ ले जा रहा है!

...हवा में उछली, और अपने निशाने पर जा अटकी-



यह कुछ अनदेखा नहीं गया-

अरे, वह प्राणी मेरे 'ट्रेसर' को रोकने की कोशिश कर रहा है... लेकिन कुछ ही पलों में उसको पता चल जाएगा कि यह इतना आसान नहीं है!

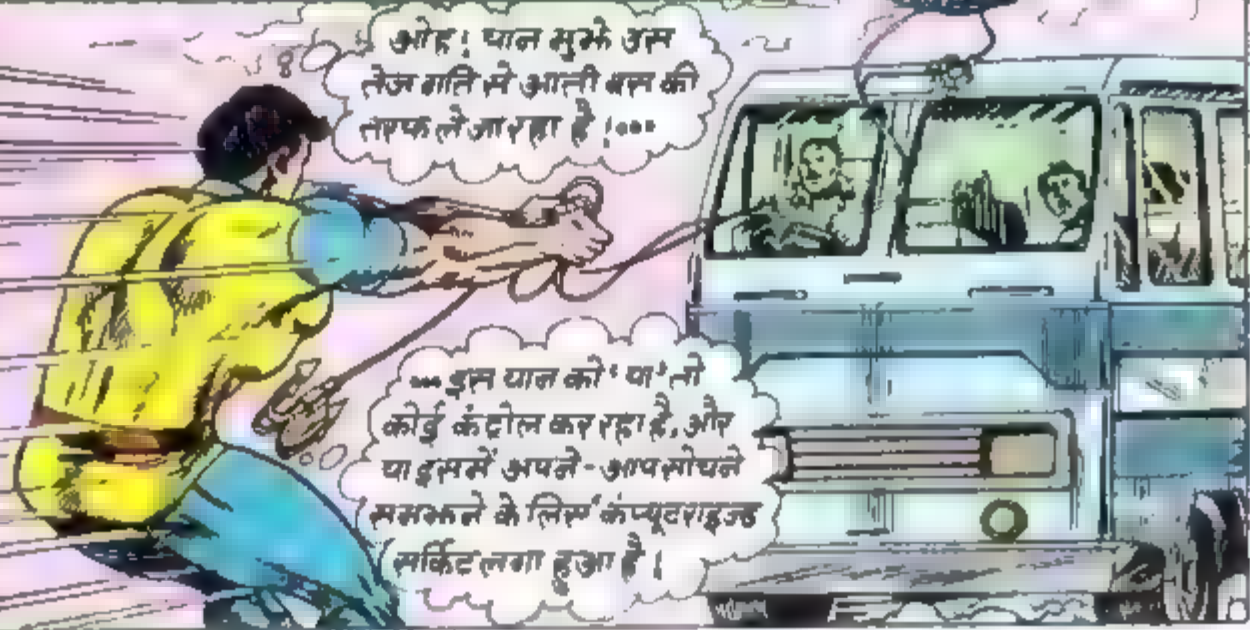


और मुझे आभास हो रहा है कि स्कैटिंग बोर्ड से उतरने के बाद भी यह मुझे धसीट सकता है। जब तक कोई रस्सा न मुझे, तब तक मुझे ऐसे ही...



ध्रुव की आंखों आश्चर्य से फैलती चली गई।

... क्योंकि वह यान उसको, उसकी मौत की तरफ ले जा रहा था -



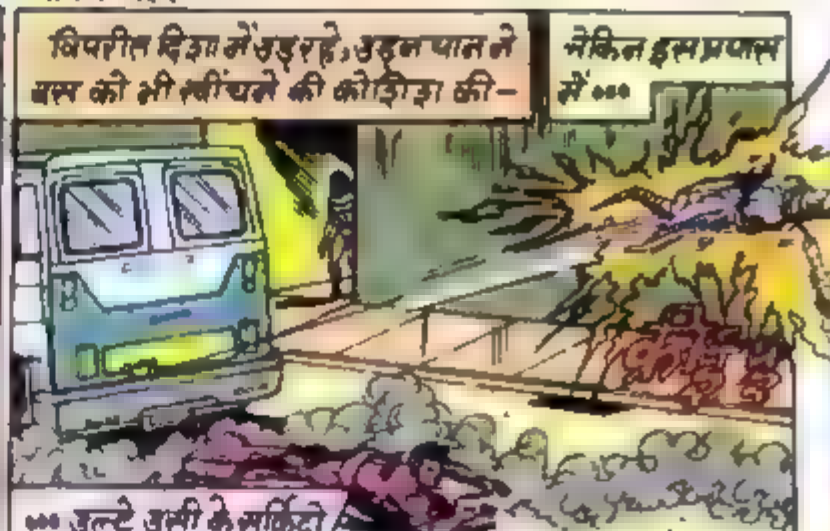
इतनी तेज गति में तो इतना भी समझ नहीं है कि मैं दाएँ-बाएँ कूद कर बच सकूँ। समझ है तो बस भुंकने का...





... होक सकता हूँ ।
Page 048

नाइलो-
स्टील होरी का दूसरा धीरे बस में फंस गया-



खिपरील दिशा में उड़ रहे, उड़न यान ने
बस को भी लींचने की कोशिश की-

नेकिन इस प्रयास
में ...

... उल्टे उसी के सर्किटो
पर जोर पड़ने लगा - पावर, ओवरलोड होने लगी-



और कुछ क्षणों की
कड़मकड़ा के बाद-
द्वेसर फट गया। मेरा
द्वेसर नष्ट हो गया।
इस प्राणी ने मेरा द्वेसर
नष्ट कर दिया!



अब मुझे अपने यान में
कपस जाकर रुक गया द्वेसर
बनाना होगा। उसमें पला
नहीं कितना समय लग जाय।
और मेरे पास समय की ही
कमी है। दुश्मन मेरे लिए
परसू है... मेरा सारा
प्लान लेट हो गया!

और वह भी इस लुच्छ
प्राणी के कारण... इसको मैं कीड़े की तरह
समझकर रख दूंगी...



स्क बार में ही राख की
देरी के अलावा, और कुछ
नहीं बचेगा... पर नहीं! अब प्राणियों की
भीड़ बढ़ती जा रही है। इस समय
इस पर हमला करने का सतलक्ष
है इन प्राणियों का ध्यान अपनी
तरफ आकृष्ट करना!

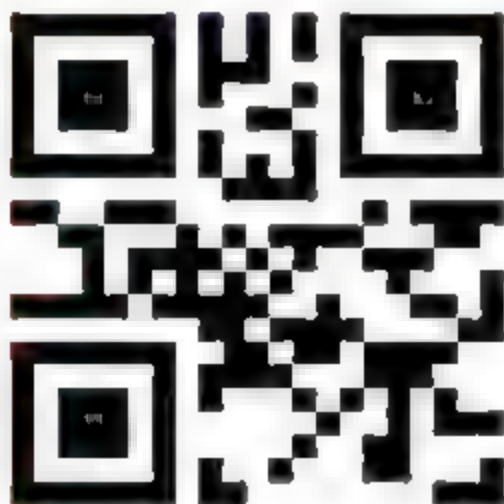
मैं एक और मुसीबत
मोल नहीं ले सकती। अब
तो सिर्फ एक ही रास्ता
है... कि मैं कपस
जाकर रुक गया
द्वेसर बनाऊँ!



donate now

powered by **Paytm**

 to Donate



Scan Paytm code or Click on Donate now button

क्यूमरी का वापस जाना किसी ने भी नहीं देखा-

धुष ने भी नहीं! और न ही क्यूमरी ने यह देखा कि धुष क्या कर रहा है -

बर्ना शायद वह इतनी जल्दी वापस नहीं जाती -

इस 'उड़न-चंग' के टुकड़े शायद इस चंग के बारे में कुछ जानकारी दें सके!

और डिल्लर नर्सिंग होम में-

कैसे हो पीटर?

फादर परेरा! आप यहां पर कैसे?

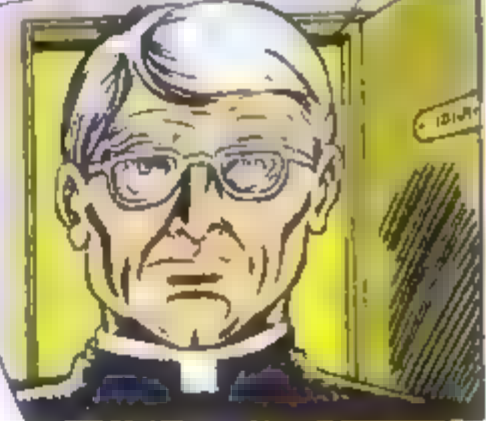
इस महीने तुम्हारी कोई खबर नहीं मिली तो कमांडो फोर्स के हैडक्वार्टर गया था!

वहां से करीम ने मुझे तुम्हारा पता बताया! मुझे मालूम नहीं था कि तुम नर्सिंग होम में हो!

अच्छा हुआ, आप आ गए फादर! मैं किसी के हाथ से पैसे भेजने की सोच ही रहा था!

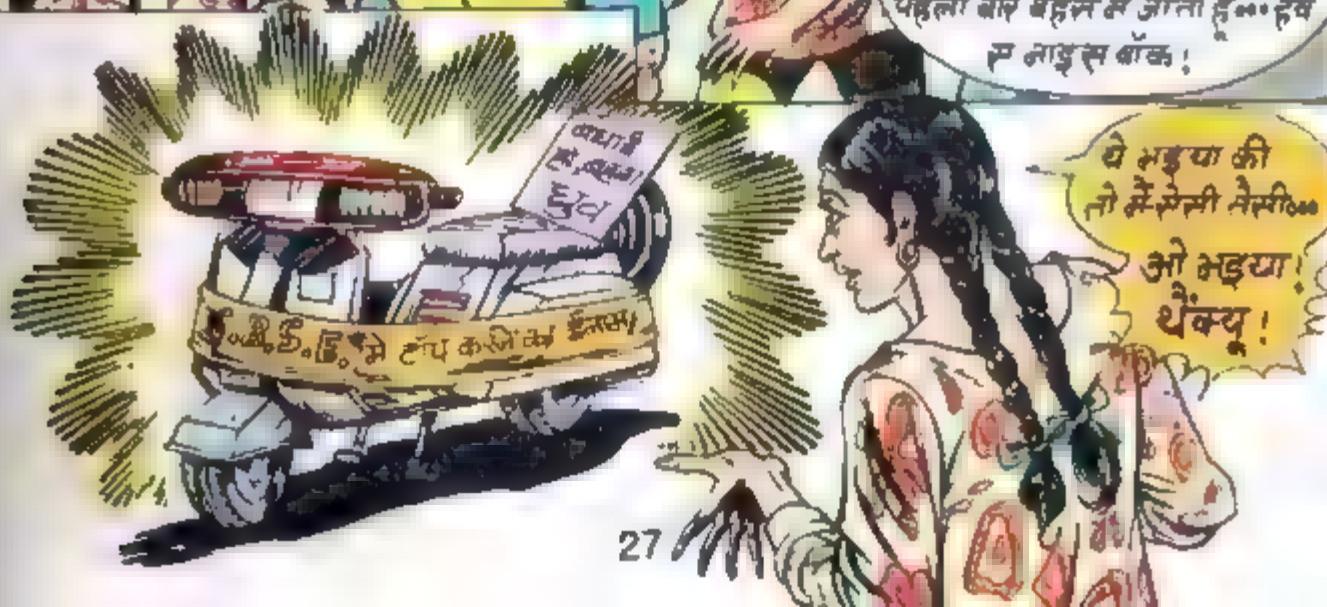
अब उसकी जरूरत नहीं है, पीटर!

वह दो दिनों से अपने कमरे से लापता है!



क्या? पर कहाँ गया वह? पैसे भेजने में मुझे तो सिर्फ चार दिनों की ही देरी हुई है!

उसके लिए चार दिनों की देरी ही बहुत थी, पीटर!



सूर्य धीरे- धीरे पूर्व से, पश्चिम की तरफ बढ़ रहा था -

और राजनगर में हलचलें बढ़ती ही जा रही थीं -

और कंप्यूटर- स्क्रीन पर वह मैसेज तब तक मौजूद था...

... 'आई लव यू' ! और नीचे नाम था...

क्याट! अगर यू ड्योर, डोरबर?

ड्योर? अरे, मैंने ही तो नालप्रेदमन वाली न्यूज कवर की है, नालाडा!

जबकि है कि वह मैसेज भुव के लिए ही था।

★ पढ़ें - 'हत्यारी राक्षियां'

उ... ह... होगा! पर यह सब तुम मुझे क्यों बता रहे हो?

वैसे ही नालाडा! मैंने सोचा कि यह 'न्यूज' भी तुमको मालूम होनी ही चाहिए!

किंवदंती

थैंक्यू, बेरी मच कार...

हेलो, नालाडा हियर...

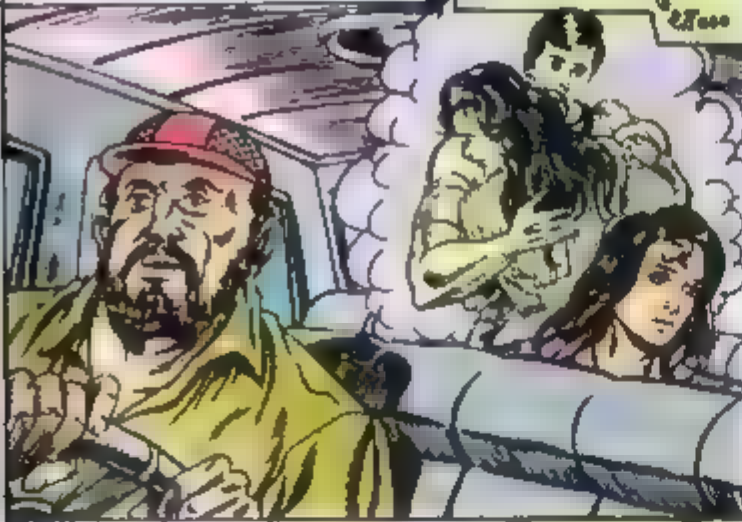
ज... नालाडा जी, क्या नाले सुनिए। मैं एक ही बार कोल पाऊंगा... मेरे पास आपके लिए एक इंपोर्टेंट खबर है! पर मैं फोन पर नहीं बता सकता।...

... आप तुरन्त बंदरगाह के गोदाम नंबर 18 के सामने आइए। मैं वहीं पर आपका इंतजार करूंगा! पर सिर्फ आधे घण्टे तक!

इंतजार करो! मैं आ रही हूँ।

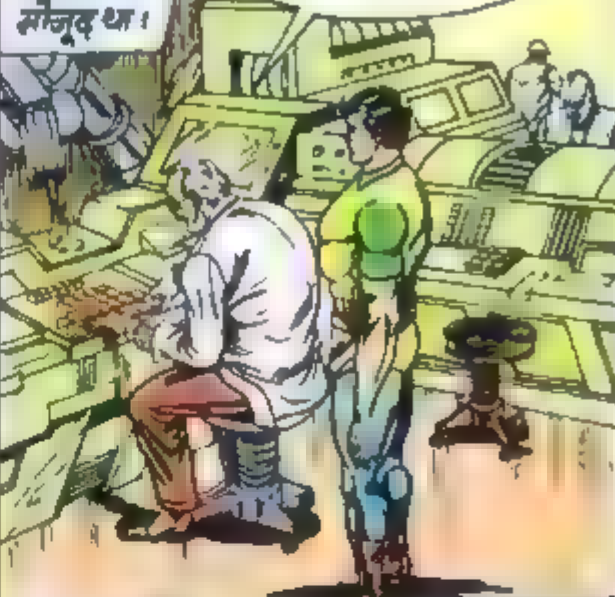
मला जमा जाती रही थी उस रहस्य-मय फोन करने वाले से मिलने...

... पर उसका खयाल कहीं और अटक हुआ था...



... भुब पर, जो इस वक़्त नेकाल सिमर लेबोरेट्री में मौजूद था।

मुझे पूरा यकीन है भुब। जिस धातु का यह 'उड़न यंत्र' बना हुआ है, वह धातु पृथ्वी पर पाई ही नहीं जाती!



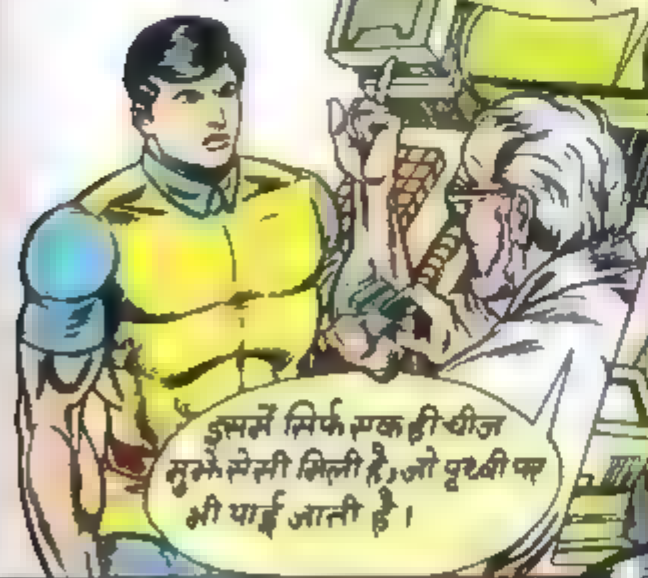
यानी... यह धातु किसी और ग्रह से आई है?

या लार्ड गर्ड है?

फिरवाला तो यही लगता है। क्योंकि इसको बनाने में भी उच्चतम स्तर की तकनीक का इस्तेमाल किया गया है।

कौन सी चीज?

न्यूक्लियर ईंधन। इस धातु में एक मिली-न्यूक्लियर ईंधन लगा हुआ है।



इसमें सिर्फ एक ही चीज मुझे ऐसी मिली है, जो पृथ्वी पर भी पाई जाती है।



और जाहिर है कि न्यूक्लियर ईंधन, न्यूक्लियर ईंधन से ही चलेगा।

न्यूक्लियर ईंधन से चलने वाला एक विधिय उड़न यंत्र! और जहां तक मेरा खयाल है इसके उड़ने की दिशा, जिस तरफ थी, उधर तो एक ही महात्त्वपूर्ण जगह है... राजनगर का न्यूक्लियर पावर स्टेशन!



कुछ-कुछ समय में आ तो रहा है। पर समय में आने वाली बात सही है या गलत, यह तो राजनगर पावर स्टेशन पर नजर रख कर ही पता किया जा सकता है!



... किसी की गोली मार दो तो मुझे काला कोई नहीं है। लाडा उठाकर समुद्र में फेंक दो तो देखने वाला कोई नहीं है।

... और मुझे रास्ते से हटाना चाहता है।

यह आवाज! तो फोन मुझे किया था। और यह है तुम्हारी महत्वपूर्ण राखबर?

धानी कि-तुम भी उम्मी होना के आदमी हो, जो शरद कुमार की मदद कर रहा है। ☆

☆ पर्व-
"हत्याही राक्षसों"

तुम्हें हम रास्ते से हटाना नहीं चाहते थे। पर नृशुव ही रास्ते से हटाना चाहती है।

पांच सेकेंड बाद हम गोली चला देंगे! जिसको याद करना है कर ले।

फट उड़ा कुछ दिनों में देखा नफरत का उबाला मुरबी-

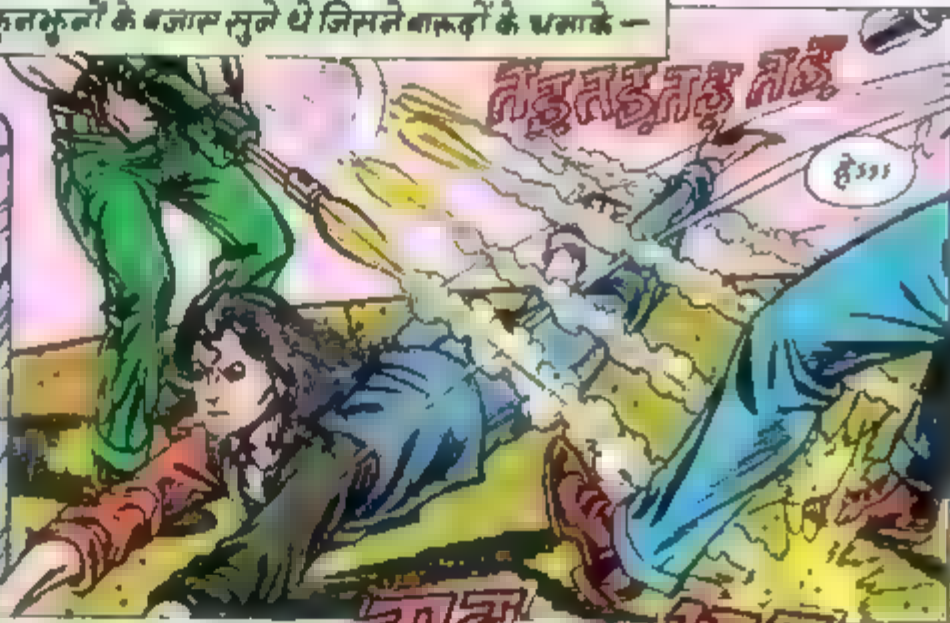
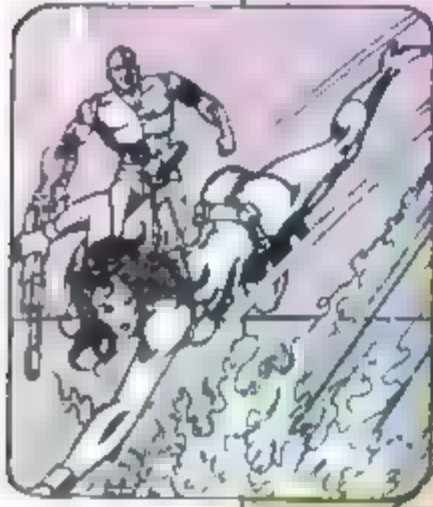
याद आ गया उसको अपनी उस इन्फिन्ट का एक-एक पल जो रिपोर्टर के रूप के तन्ने कहीं बूझा था-



इन्फिन्ट- जो थी गैंग मास्टर रोबो की रोबो आर्मी के कमांडर की...

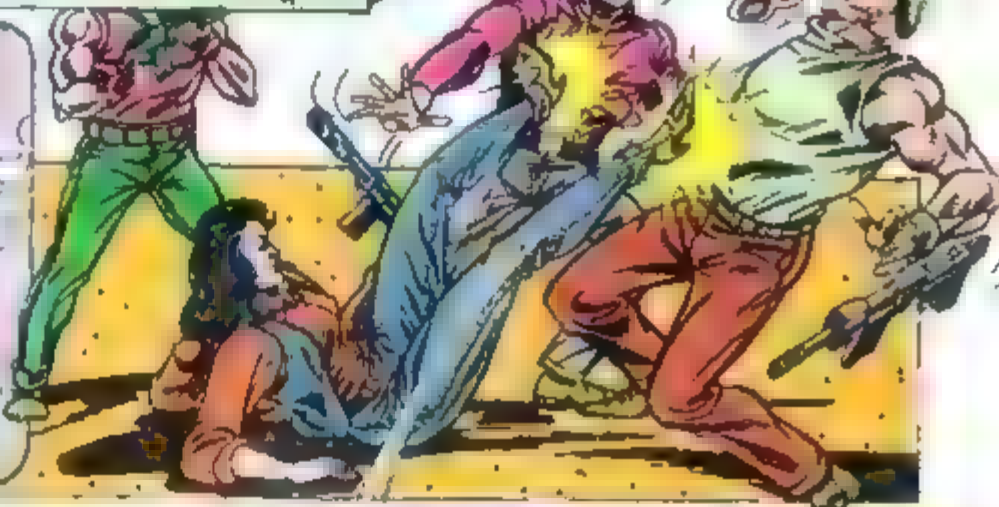
— जिसका बचपन बीता था
सबतरो के साथ में —

भुनभुनों के बजाय सुने थे जिसने बाकूदों के धमाके —

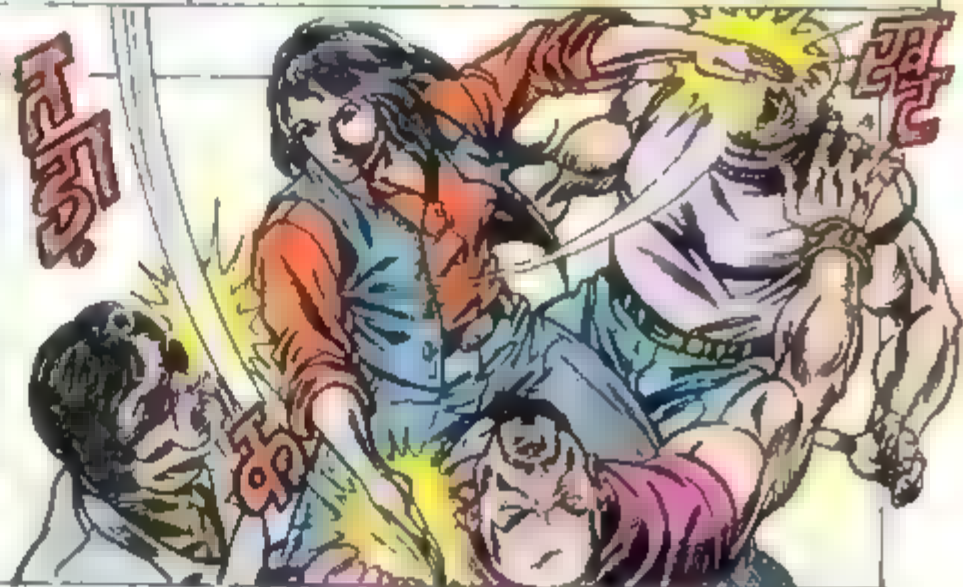


गुड़ियों के बजाय, जिसकी उंगलियों ने धासी थी बन्दूकें —

ताड़ भाड़



— और जिसके शरीर की, माहल, आर्ट्स और युद्धकला में प्रवीण यंत्रितों ने, तपा-तपाकर बना दिया था —



— एक युद्ध की मशीन —

... जिसने अपनी मां के होते हुए भी, उसकी मृत को कभी नहीं देखा -

हर तरह के ध्यान से महकते 'कमंडर नलाडा' को ध्यान की ललाटा ने ही, ध्रुव के पास लाकर उसकी निर्धन 'नलाडा' बना दिया था -



उसने 'कमंडर' की पदवी के साथ-साथ शोबी और अपराध-जगत को भी छोड़ दिया था -

लेकिन अब... अब वे हीलोगा उसका साथ छोड़ रहे थे...

... जो लोग उसके नाम से ही धर-धर कांप उठते थे। अब उसी स्तर के लोग उसकी जिनगी को लकड़ बगाने पर तुलने हुए थे -



लेकिन अब नहीं! अब... बस!

इन जैसे मामूली गुंडे, कमंडर नलाडा के लगे घटते थे...

... और आज भी चटेंगे -



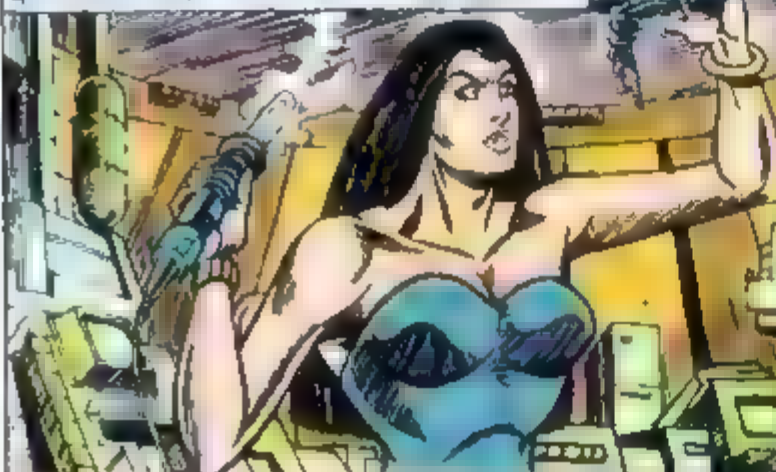
कम! मैं सिर्फ तुम्हें छोड़ा
में छोड़ रही हूँ। ताकि तुम्हें
संदेश अपने बॉस तक पहुंचा
सके...

मैं न तो तुम्हें तेरे बॉस
का नाम पूछूंगी, और न ही
पुलिस को बुलाऊंगी। अब
यह लड़ाई मेरे और तेरे
बॉस के बीच में है!

जा! और जाकर अपने मालिक से बोल कि
मैं उसको पुलिस के हवाले करती करूंगी, जब
मैं पहले उसकी कत्तकर धुलाई कर लूंगी!
जा!

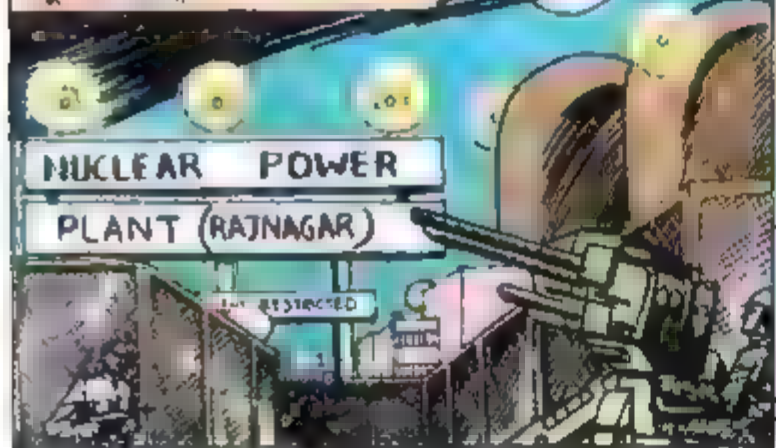


इस दौरान-कहीं पर तेजी से काम हो रहा था-



बन गया! मेरा लया 'ट्रेसर'
तैयार हो गया। पर मैं इसको अभी
नहीं छोड़ूंगी... तब छोड़ूंगी, जब
इस ग्रह पर अंधेरा हो जाता है, और
इस ग्रह के प्राणी मरे जाते हैं!

तब मेरा 'ट्रेसर' मुझे वृंक्ष देगा,
न्यूक्लियर ईंधन का भण्डार -

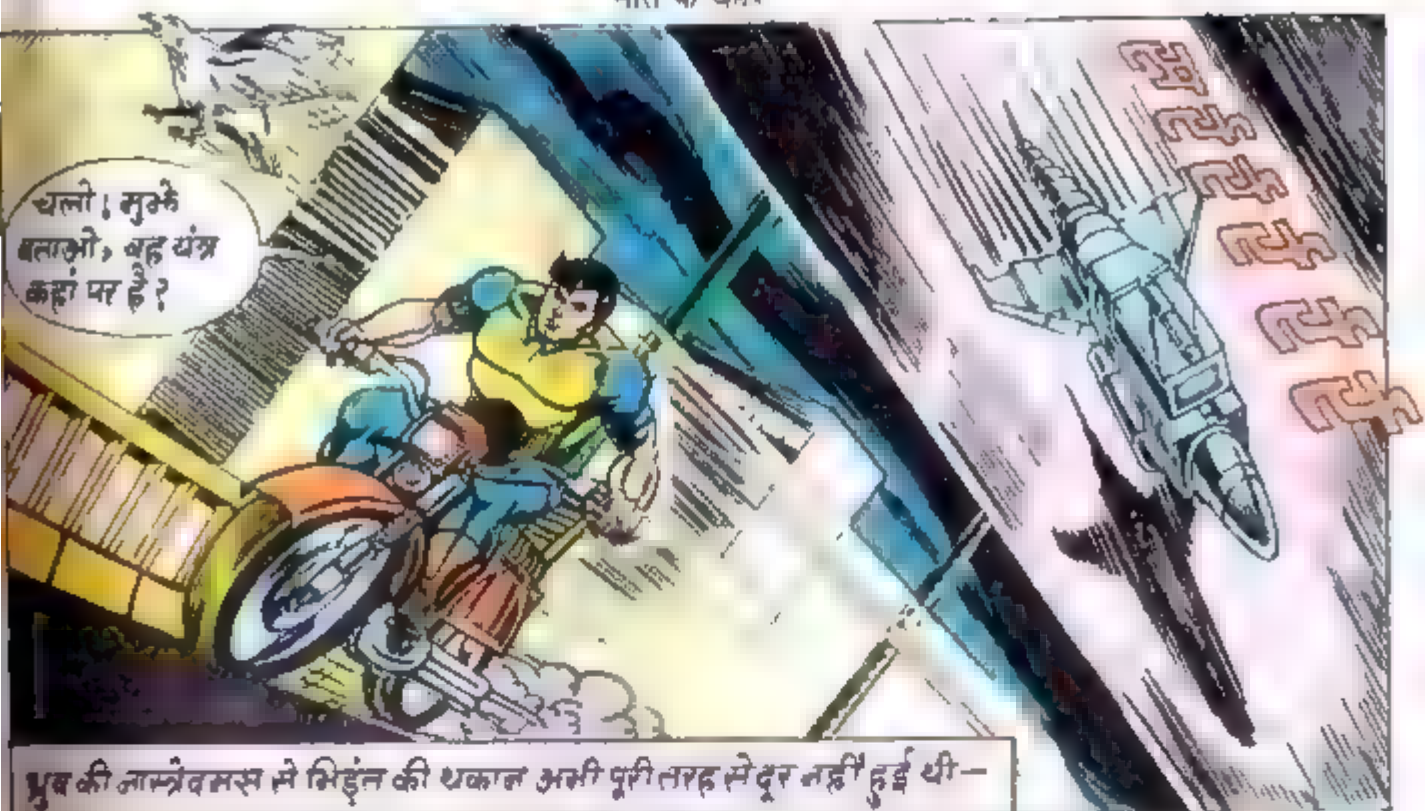


किसी खबर का इंतजार कर रहे ध्रुव के लिए
इंतजार की छड़ियां खत्म हो रही थीं-



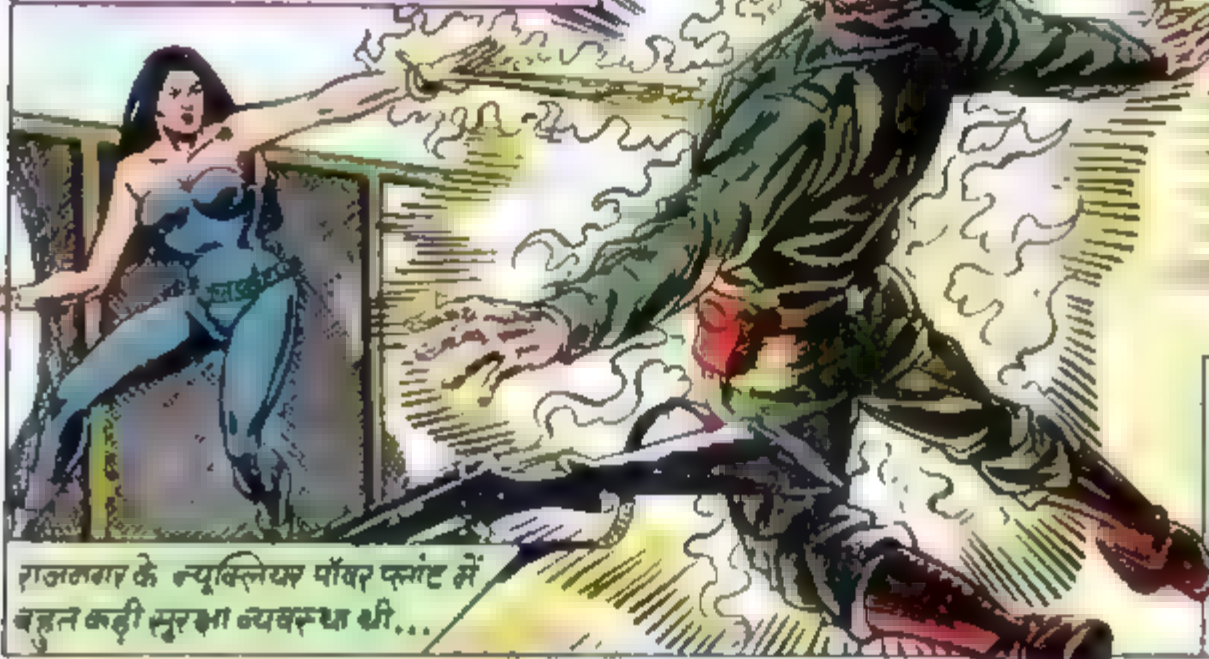
चीं चीं चीं
चिं चिं चिं...

ओह!
तुमने क्या
उद्घोषणा देना
है?



और एक चीख के साथ खिल झुक हो गया—

ईया
हा



...हस्तांकि
यह व्यवस्था
किसी विदेशी
हमले को मदद
नजर रखकर
की गई थी...

राजमगर के न्यूक्लियर पॉवर प्लांट में
बहुत कड़ी सुरक्षा व्यवस्था थी...

लेकिन इसका इस्तेमाल हर उस व्यक्ति
के खिलाफ किया जा सकता था, जो पॉवर
प्लांट परिसर में अनाधिकृत रूप से घुसने
की कोशिश करे !

... झूट सट साइट ! ...

देखते ही गोली मार दो—

अब ये बात दूसरी थी
कि गोली अंतर करे या
न करे —

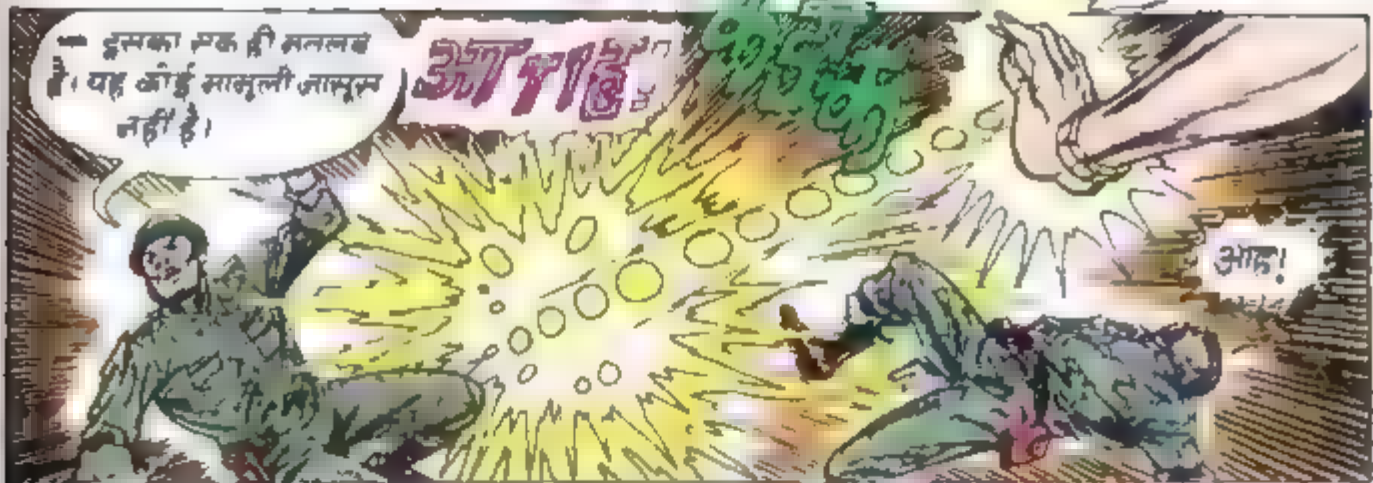
ओ गॉड !
गोलियां इससे टकराकर
बेकार हो रही हैं। सुपर
वूमैन है यह क्या ?



और हर ऐसे व्यक्ति के लिए, सुरक्षा-
कर्सियों को एक ही निर्देश था...



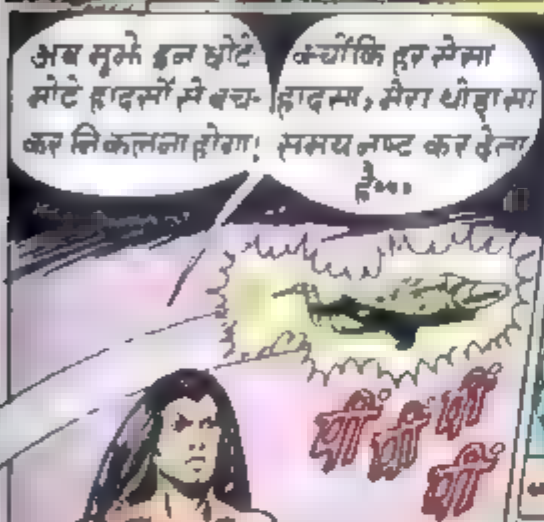
नहीं, यह किसी 'फोर्स-
फिल्ड' के कवच का इस्तेमाल
कर रही है !



— इसका एक ही मतलब है। यह कोई मामूली जामून नहीं है।

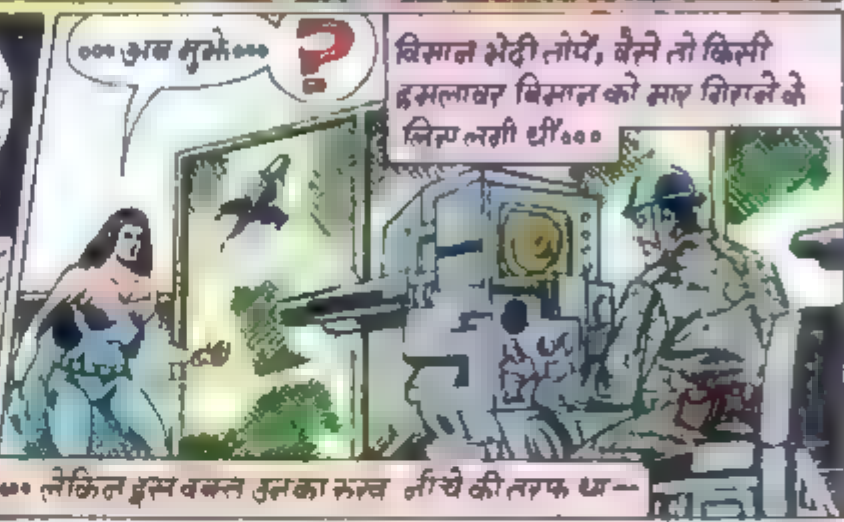
आरंभ

आह!



अब मुझे इन छोटे-छोटे हादसों से बच-हादसा, मेरा थोड़ा सा कर निकलना होगा! समय नष्ट कर देता है...

पी पी पी



... अब मुझे ... ?

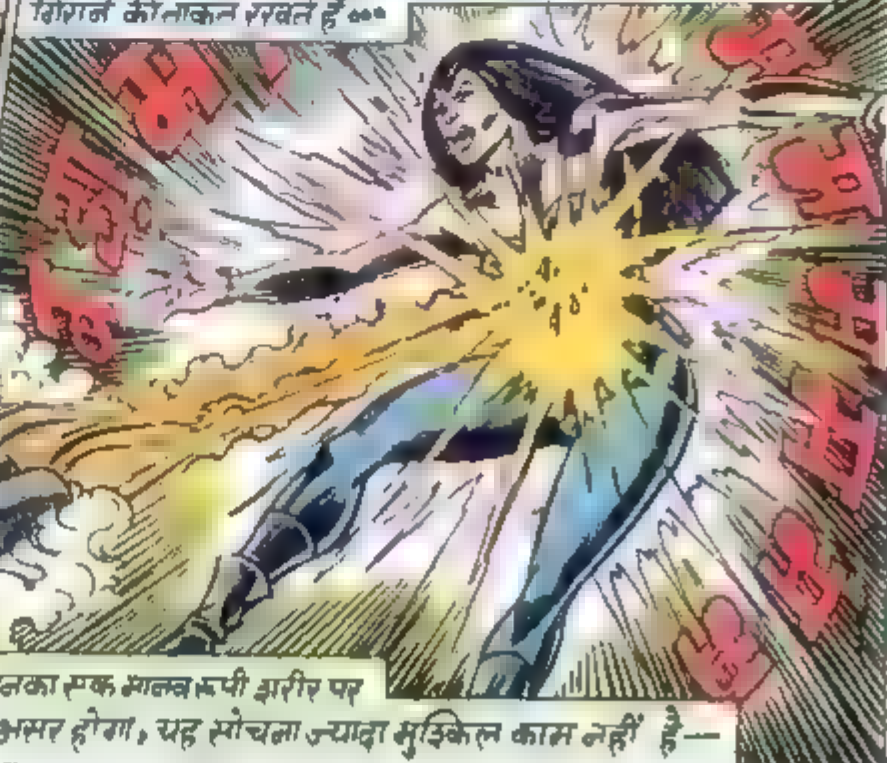
बिमान भेदी तोपें, वैसे तो किसी इसलावर बिमान को मार गिराने के लिए लगी थीं...

... लेकिन इस वक़्त उनका रुख नीचे की तरफ था—

और जो रॉकेट, हवा में कई किलो मीटर ऊपर उड़ रहे बिमानों को मार गिराने की ताकत रखते हैं...



... और समय ही एक ऐसी चीज़ है, जो इस वक़्त मेरे पास नहीं है...

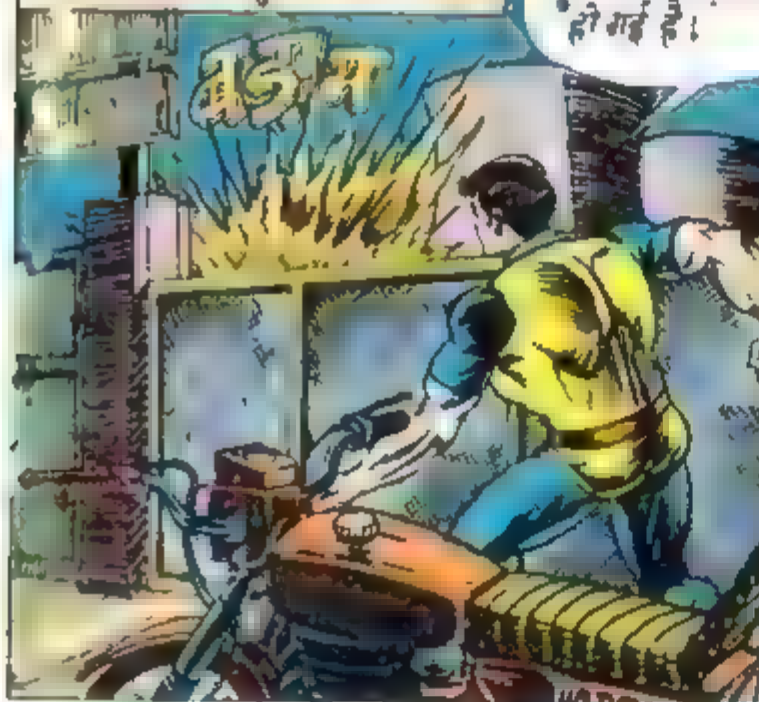


... उनका एक मात्र रूपी शरीर पर क्या असर होगा, यह सोचना ज्यादा मुश्किल काम नहीं है—

यही वह पल था, जब भुव भी-यू क्लिक् पॉवर-स्टेशन आ पहुंचा था—

ओह! लगाना है मुझे पहुंचने में थोड़ी सी देर हो गई है!

जिस गड़बड़ की मुझे आशंका थी, वह शुरू हो चुकी है... इन 'फैसो' में 440 वोल्ट का करंट बौड़ रहा है मुझे बचकर निकलना होगा!



लेकिन इस 'फैसो' में पहले से ही एक छेद है! जल्द गड़बड़ी फैलाने वाला यहीं से अंदर घुसा है!

कर्लस साहब: क्या गड़बड़ हो गई है यहां पर?

भुव: तुम यहां? खैर! पीछे ही रहो! यह लड़की इस मुसीबत की जड़ है...

... हमने इसे बेबस कर दिया है. अब सिर्फ इसे गिरफ्तार करना बाकी है!



लेकिन—

इन प्राणियों का वह वार, मेरी 'फोर्स-फील्ड' को भेड़ तो नहीं पाया, पर मुझे एक तेज झटका जल्द लग गया! मुझे संभलने में वक़्त लगेगा। यानी अब बैकअप यूनिट को बुलाने का वक़्त आ गया है!



क्यूमरी की हुंकारी में पड़ी
अंगूठी नेत्री से चमकी-

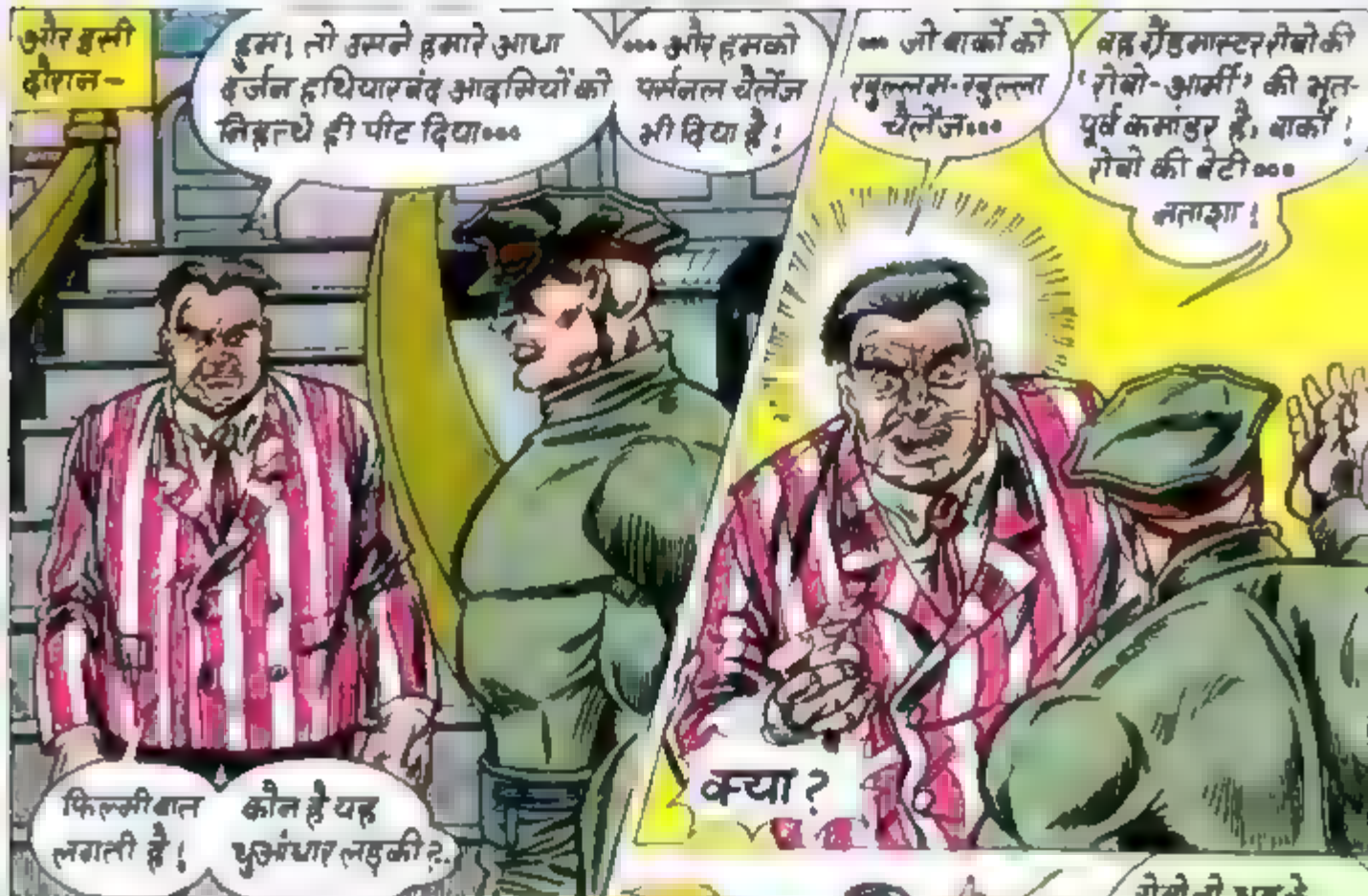
और...

आपहंरी 'बैकअप-
यूनिट,-

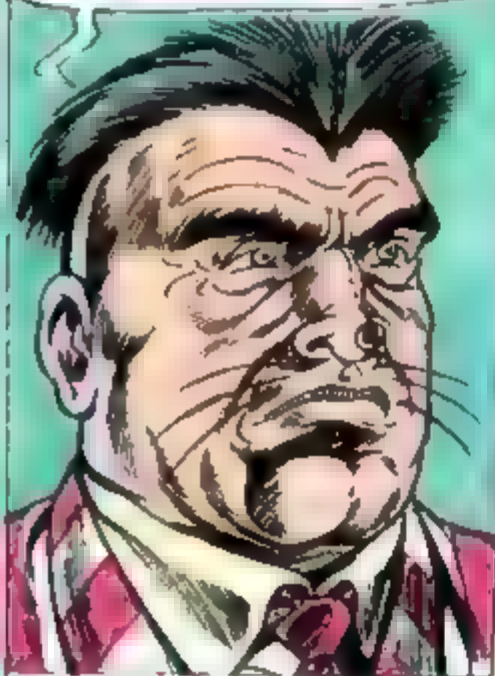
हुर्रर



न्यूक्लियर पॉवर-स्टेशन के परिसर में एक लूफान
उठ खड़ा हुआ। तबही मराने के लिस-



तो यह है, नताशा! मेरे भूतपूर्व बॉस रौंठमास्टर रोबो की बेटी! इसकी आवाज मैंने कई बार सुनी है। जब यह मुझे आर्बर दिया करती थी। पर शकल कभी नहीं देखी! इंटरेस्टिंग! हम्म!



और पेंवर
स्टेशन में-

मेरे ये चारों प्याये, इन सबका
ध्यान बंटाना रहेंगे। और उतना ही
समय मेरे लिए काफी होगा...

...न्यूक्लियर-फ्यूल टैंकर
यहां से निकल लेने के लिए...



सभी भौचक्के थे-

य... यह सब
क्या है?

मालूम नहीं सर! लेकिन जो
कुछ भी है, उस लड़की से ही
संबंधित है!...



...क्योंकि इनके आने के
सक सेंकेंड पहले, उसके हाथ की
अंगूठी कसकर चमकी थी!

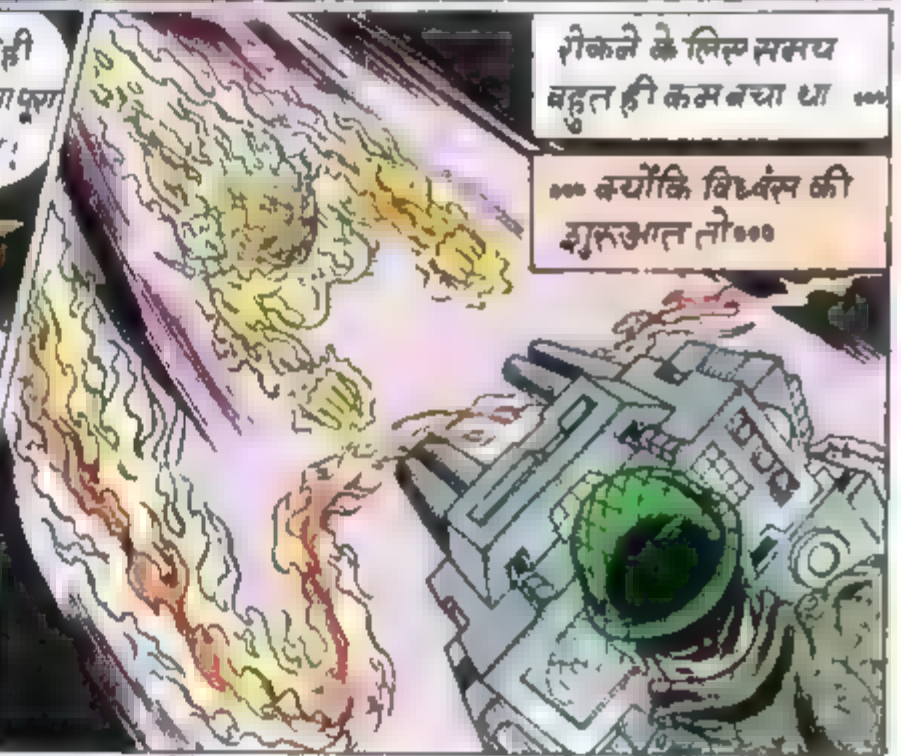


इनको रोको! किसी
भी तरह रोको! वरना ये
न्यूक्लियर स्टेशन को बम
की तरह उड़ा देंगे!

और साथ ही
उड़ जाएगा पूरा
राजनगर!

रोकने के लिए समय
बहुत ही कम बचा था...

...क्योंकि विध्वंस की
शुरुआत तो...



... हो चुकी थी-

कड़ुआ

ओ माई गॉड ! अगर...अगर यह मेन न्यूक्लियर यूनिट में घुस गया तो... तो क्या होगा ?

हम तो सेना को भी मदद के लिए नहीं बुला सकते ! क्योंकि हम तो खुद ही सेना वाले हैं !

घबराने से कुछ नहीं होगा सर ! हमको इस मुसीबत से निबटने का रास्ता तलाशना होगा !

और सबसे पहले इस अग्नि-सतलोक रोकने का उपाय तलाशना होगा !

क्योंकि मुझे यही सबसे ज्यादा खतरनाक लग रहा है !

पर इसको कैसे रोकेंगे ? यह तो उड़ता है, और अंग-अंग से आग उगलता है !

इसकी आग बुझाने का कोई तरीका खोजना होगा सर ! कोई भी आग बगैर ऑक्सीजन के नहीं जल सकती !

अब आप देखते जाइए सर ! अगर मेरा प्लान सफल हो गया तो आपको इस मुसीबत से छुटकारा मिल जाएगा !

अगर हम इसकी ऑक्सीजन को भी कट ऑफ... बाह !

य... ये क्या कर रहे हो धुब ?

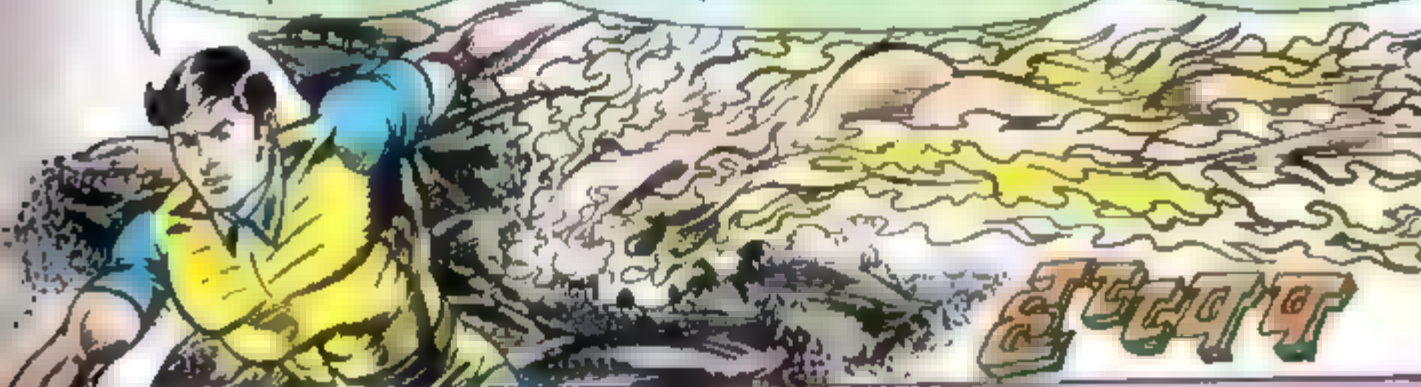


... इस मुसीबत का
छ्यान अपनी तरफ
रखी घर रहे हो! ऐसे तो
यह तुम पर हमला...

... कर देगा? जरूर करेगा सर!
लेकिन अगर मैं येन समय पर
अलगा हट जाऊं ...

... तो यह इन रेत के मोरों की बैरिकेडिंग को
जलाता हुआ, रेत के इस ढेर में आ घुसेगा! और
रेत अगर बुझाने के काम में लाई जाती है!

रेत इसके हारीर तक
पहुँचने वाली आँकसीज
को कट ऑफ कर देगी!



हड़दड़

और इसके हारीर की
आग भी बुझकर ठंडी हो
जसगी!

हड़क



उसके बाद इससे
निखटना सिर्फ एक
लास का काम है!

लीनी के स्लायडों को भटक
लगाने के लिए, धुंध की रफ
किक ही काफी थी—

और 'स्नैक-लॉन्ग' को भटका लवाते ही
मीनी अपने असली रूप में आ गई—

यह... यह क्या? मैं
तो इनको किसी दूसरे यह
से आज समझ रहा था।
पर यह तो यहीं की लक
लहकी है...

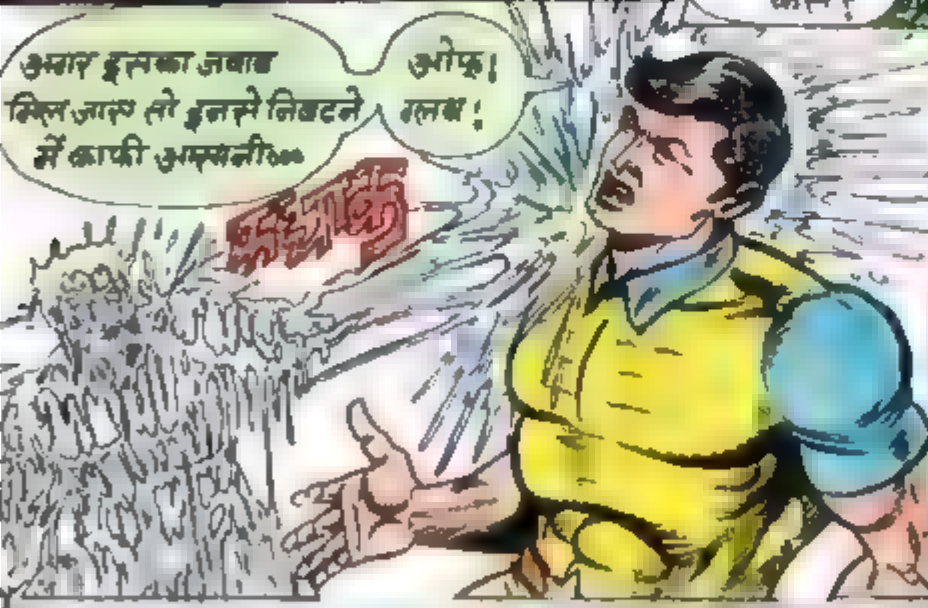
...इसका मतलब है कि ये बाकी तीनों
भी मनुष्य ही हैं। और किसी कारण से
इस रूप में आ गए हैं!



पर... पर ये
इस रूप में क्यों
कैसे?

अगर इसका जवाब
मिल जाए तो इनसे निबटने
में काफी आसानी...

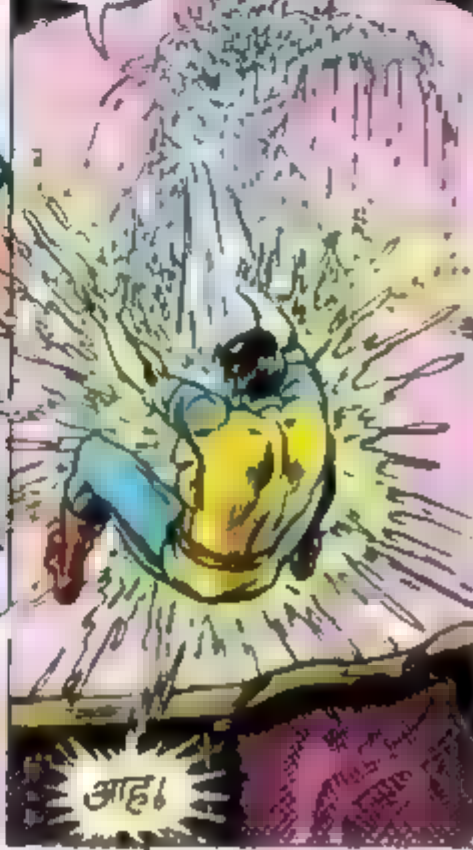
ओफ!
रुलब!



इन पतली धारों... जरा इस मोटी
से बचकर बहुत धार से बचकर
अकड़ रहा है तो दिखे!
लहके...



बच के सर! इसके शरीर से निकलती
पानी की तेज धाराएँ स्टील की चादर में
भी खेद कर सकती हैं!

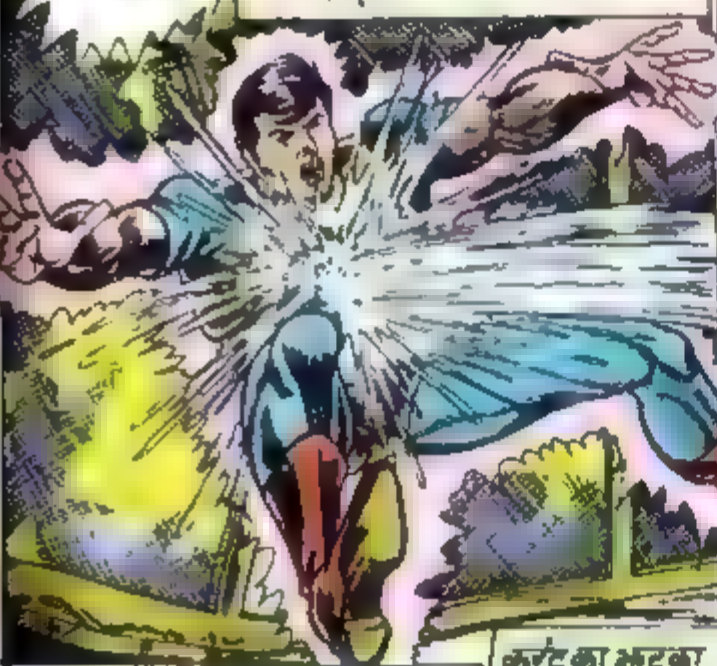


आह!

आह!

धुब का बदन हवा में उड़ता हुआ करंट दौड़ते 'फेंस' से आटकराया-

लेकिन पानी की मोटी धार के भीषणार ने उसकी पल्लियों में रुक तेज बर्द जरूर पैदा कर दिया था-



यह तो उसकी किस्मत अच्छी थी कि टकराते वक़्त, उसका शरीर हवा में था-

करंट का झटका उसकी ज्यादा जोर से नहीं लगा पाया-

आह! आंखों के आगे अंधेरा धार रहा है... पर मुझे संभलना होगा! और इस मुसीबत से निकटने का तरीका तलाशना होगा!

... बर्बाद पानी की ये तेज धारें, किसी को ज़िंदा नहीं छोड़ेंगी! और अगर ये पानी इस फेंस तक पहुंच गया तो पानी में फैला करंट कई लोगों की जान...



... करंट! पानी बिजली!



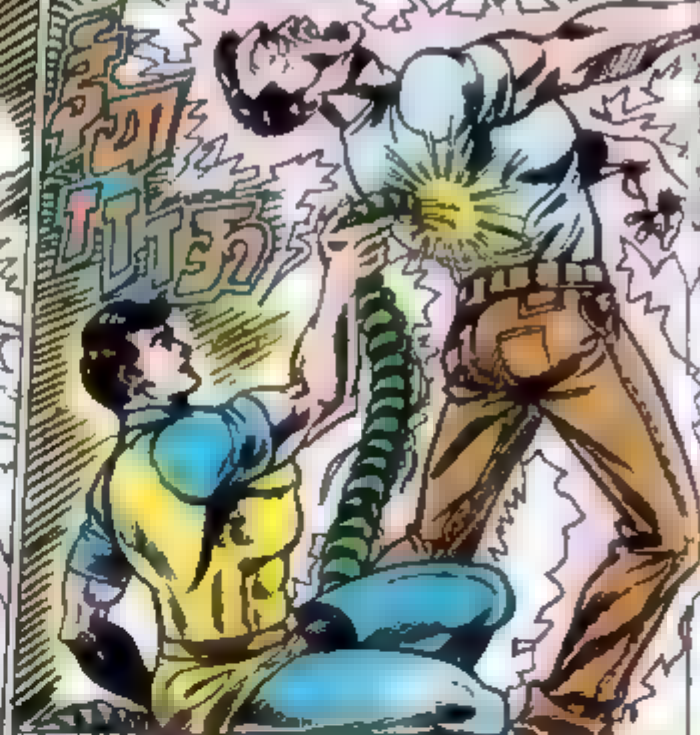
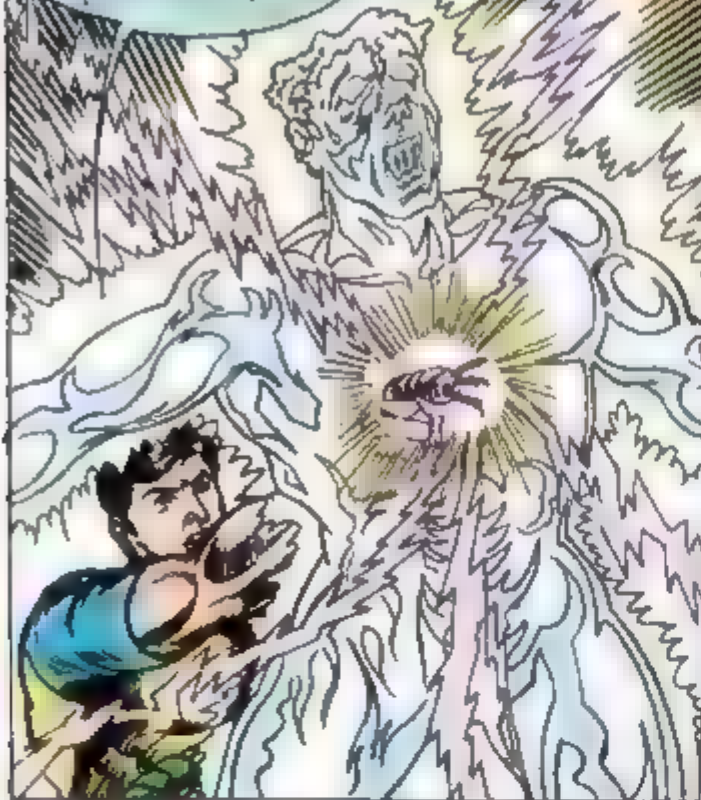
इस 440 वोल्ट के करंट को अगर पानी में बौझा दिया जाए तो इलेक्ट्रो लिप्सिस प्रक्रिया पानी में मौजूद हाइड्रोजन और ऑक्सीजन तत्वों को अलग-अलग कर देती है!...

... पानी अब अगर मैं इन हाई वोल्टेज तारों को...

... इस अल-मानव के पानी वाले डारि से धुआं तो इसका डारि विरुद्ध होने लगेगा !

डारि के टूटने से कोक्या के बदन और दिमाग कंप-कंपा डूटे —

उसका डारि, इस भटके को खते ही अपने अमली रूप में आ गया । और अमली रूप में आते ही फिर से बिजली का भटका लगा गया —



कोक्या भी इस लड़ाई से बाहर हो चुका था —

बाह, धुव, बाह ! तुमने एक और अजूबे को पलायन कर दिया ! बाह, कमाल हो तुम और तुम्हारा दिमाग !

रघु का मत हो डर सर ! अभी सिर्फ दो ही बुद्धिमान स्वतंत्र हुए हैं... पर वो लड़की और 'मीचट्टा मीच' कहीं जरूर नहीं आ रहे !

ओ माई गॉड ! दीवार टूटी हुई है ! वे दोनों जरूर पंकर स्टेडन के अंदर गए हैं ! कुछ गड़बड़ करने के लिए !

आइसलर ! सबसे पहले तो उस लड़की को ही रोकना है क्योंकि कि वही इस सारे भय के जड़ है !



जल्द रोक लेना ! पर पहले मुझे तो रोक लो ! उसके बाद आगे बढ़ लेता हूँ...

अगर जिन्दा बचो तो !

साथी साथी साथ

झड़

मेज हवा के धक्कों ले...

... दोनों को तिनके की तरह उठाकर फेंक दिया—

यह उस हावसे की शुरुआत है लड़के...

... जिसका क्लार्क मैक्स...

... तेरी मौत पर खत्म होगा !

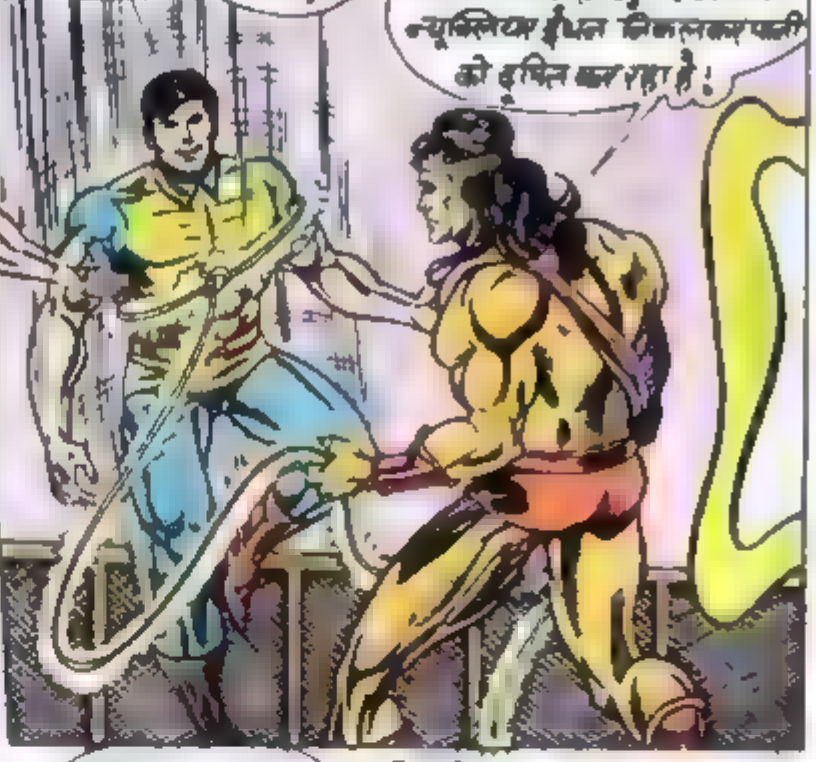
इतनी ऊंचाई से गिरकर धुब की...

मौल निश्चित थी: या... या नहीं?



यह स्पर्णपात्र !
यह तो सिर्फ एक और
ही अदमी के पास है !

धनंजय ! तुम यहाँ पर कैसे ?



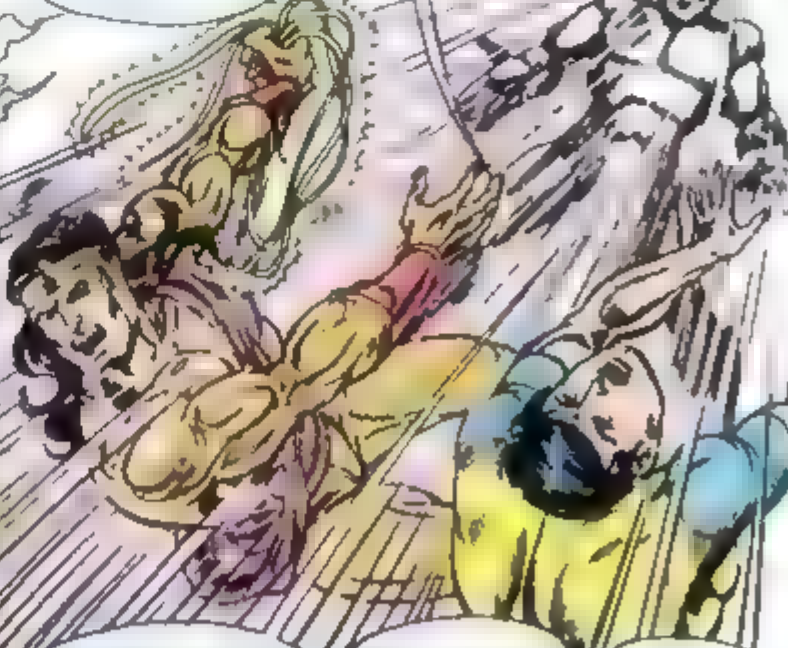
समुद्र के अन्दर एक अन्धकार
जान आ गया है, भूख ! उसमें से
न्युक्लियर ईंधन निकलकर पानी
को दूषित कर रहा है !

जांच करने पर पता तो खाली मिला, लेकिन
उसमें से न्युक्लियर कणों की एक लाइन
निकलकर, राजनगर की तरफ आ रही थी !
बस उसी लाइन का पीछा करते-करते मैं
यहाँ तक आ पहुँचा !



ओह ! यह उसी
उड़नयंत्र से निकल रही
लाइन होगी...

आह !



अब इसके साथ-साथ
तू भी खत्म होगा,
स्पर्ण मालव !

तेरी इच्छियां मुझे पर तेरी
कम नहीं लग रही इच्छियां मेरे
हैं ! समझे बेकार हैं...

★ धनंजय के बारे में जानने के लिए पढ़ें-
'रौंठमास्टर रोबो' एवं 'चंद्रकान की काफ़ी'

... क्योंकि मेरी शक्ति
प्रकृति की शक्ति है !
और तेरी शक्ति
बनावटी है !

देख लो ! तेरी
घातक किरणों मेरे
शरीर के अन्तः-घात
निकली जा रही हैं !

बगैर कोई
नुकसान पहुँचाए !

लेकिन मेरा वायु-वातबनक तेरे
बदन को ठकठकाता रहेगा, जब
तक तेरी रक्त-रक्त हड्डी का धुरा
न बन जाए !

ओह ! ऐसे तो इससे
निबटना बहुत मुश्किल है !
और बगैर इससे निबटे
हम अंदर नहीं जा
सकते !

यह वायु का
बल मानव
है धनंजय !
वायु यानी कोई
गैसों का मिश्रण

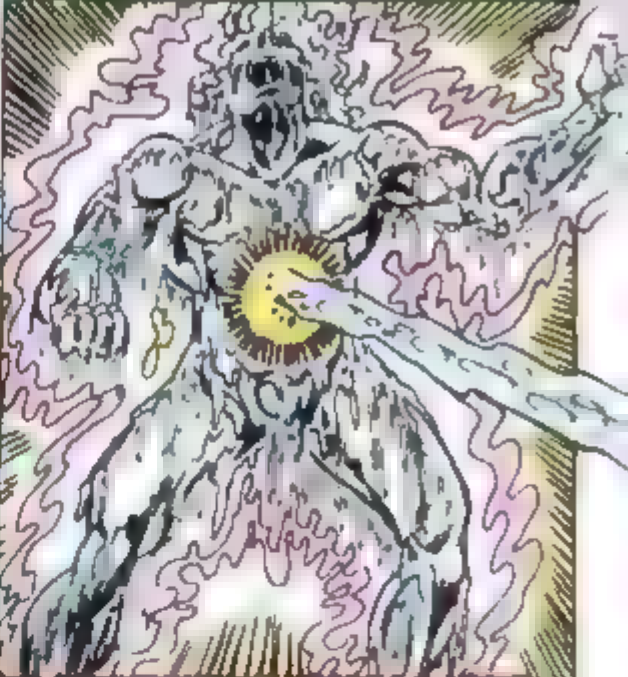
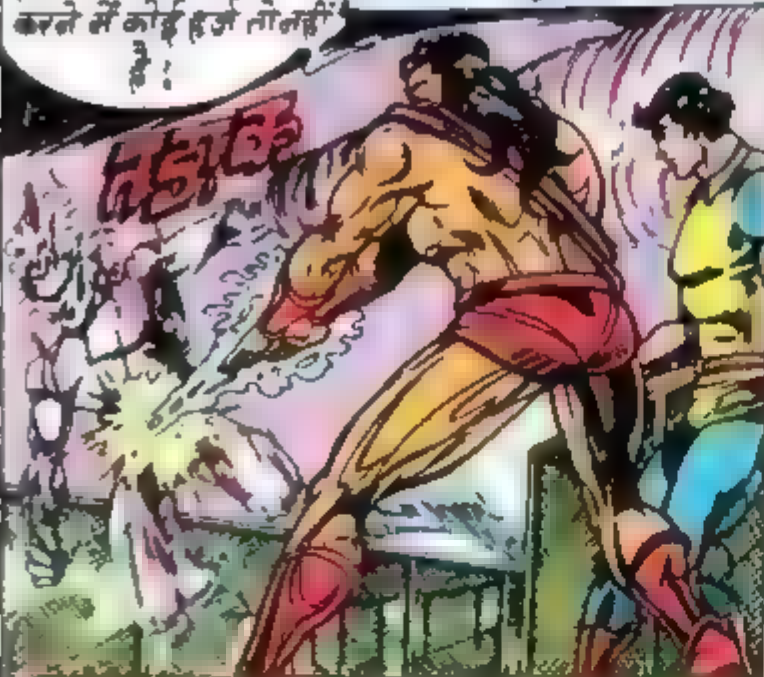
लेकिन अगर इस मिश्रण को
रक्त अति निम्न तापमान
तक ठंडा कर दिया जाए तो
ये गैसों का मिश्रण, तरल
में परिवर्तित हो जाएगा !

और ये काम तुम्हारी ही ल
किरणों कर सकती हैं !

आपव नम कीक कद रहे
हो! बेस् भी ; कोडिका
करने में कोई हर्ज तो नहीं
है!

धनंजय ने अपनी झील किरणों का
सक तेज बार तुम पर किया—

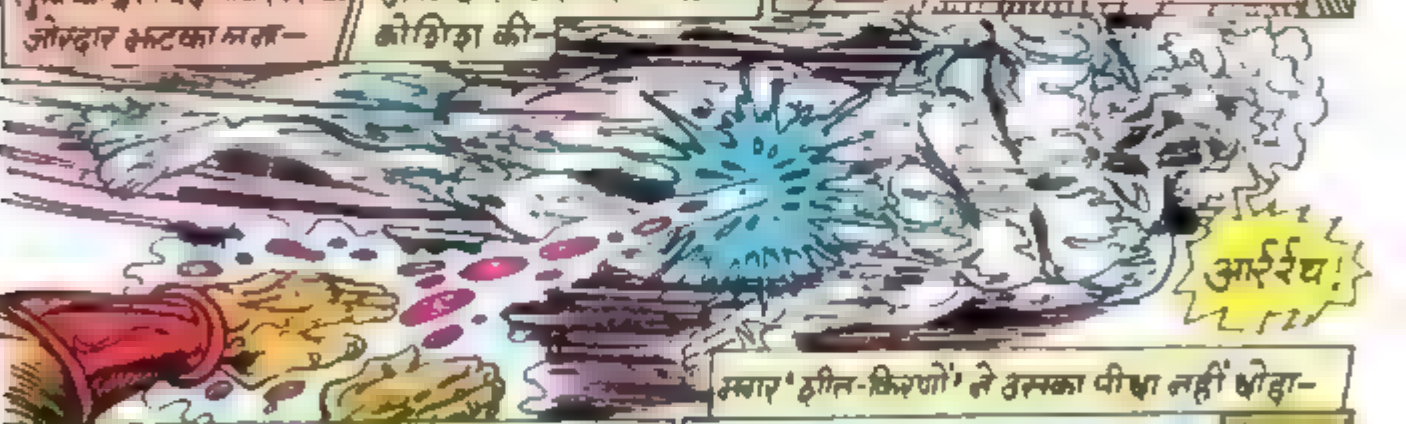
देखते ही देखते, तुम के कायु डारीर का ताप-
मान, डान्य से कई डिग्री नीचे आ गया—



तुम को इस बहुतायत से सक
जोखदार भटका लगे—

उसने झील किरणों से अपने की
कोडिका की—

हैमें अपना रूप बहुतायत द्रव बनने लगीं—



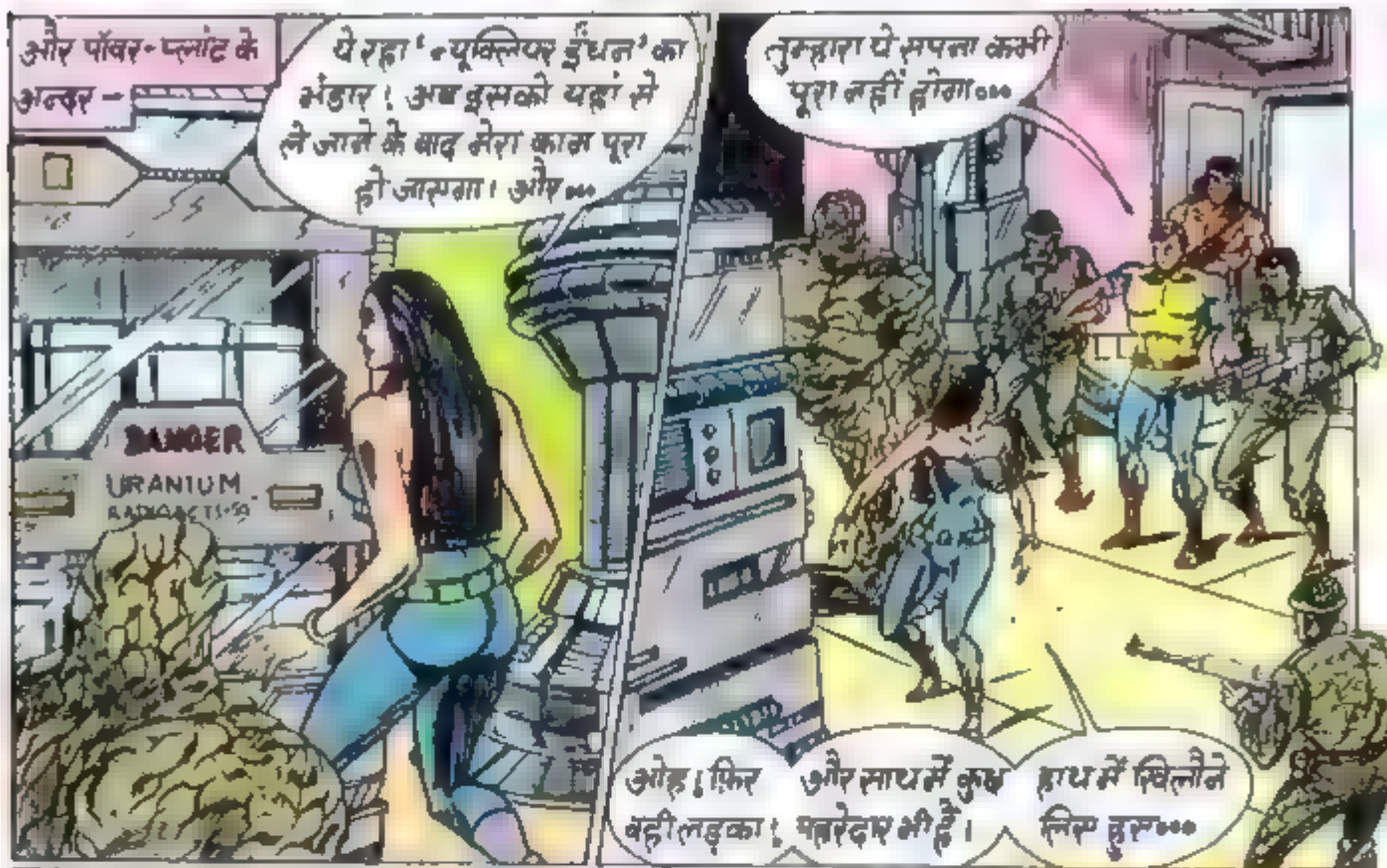
आर्इय!

मगर 'झील-किरणों' ने उसका पीछा नहीं छोड़ा—

सक अघातक चीख के साथ, तुम अपने असली रूप
में आ गया और नीचे आ गिरा—

रहा-सहा काम भुव ने पूरा कर दिया—



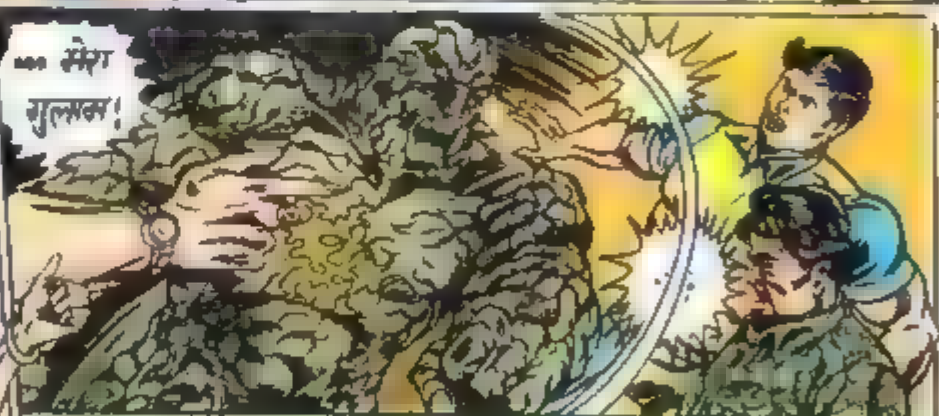


और पॉवर-प्लांट के अन्दर -
ये रहा 'न्यूक्लियर ईंधन' का भंडार ! अब इसको यहां से ले जाने के बाद मेरा काम पूरा हो जाएगा ! और...

तुम्हारा ये सपना कभी पूरा नहीं होगा...

ओह ! फिर और साथ में कुछ हाथ में धिलीने बंदी लड़का ! पतरेदार भी है ! लिय तुम्हें...

... तुम लोगों की मैं उंगली के तक इशारे से धूल में मिला सकती हूँ ! लेकिन मेरा मकसद कुछ और है... मैं यहां पर न्यू-क्लियर ईंधन लेने आई हूँ...



... मेरा गुलाब !
भूमिस्पर्श द्वारा अचानक किए गए हमले से सभी स्तब्ध रह गए -

पर सिर्फ पलभर के लिए !
फिर तो बन्दूकें लड़तड़ा उठीं -
धमकों से कड़ा गूंज उठा -



और गोलियां बेकार हो गईं -



अगले पल, सैनिक भी बेकार हो गए—

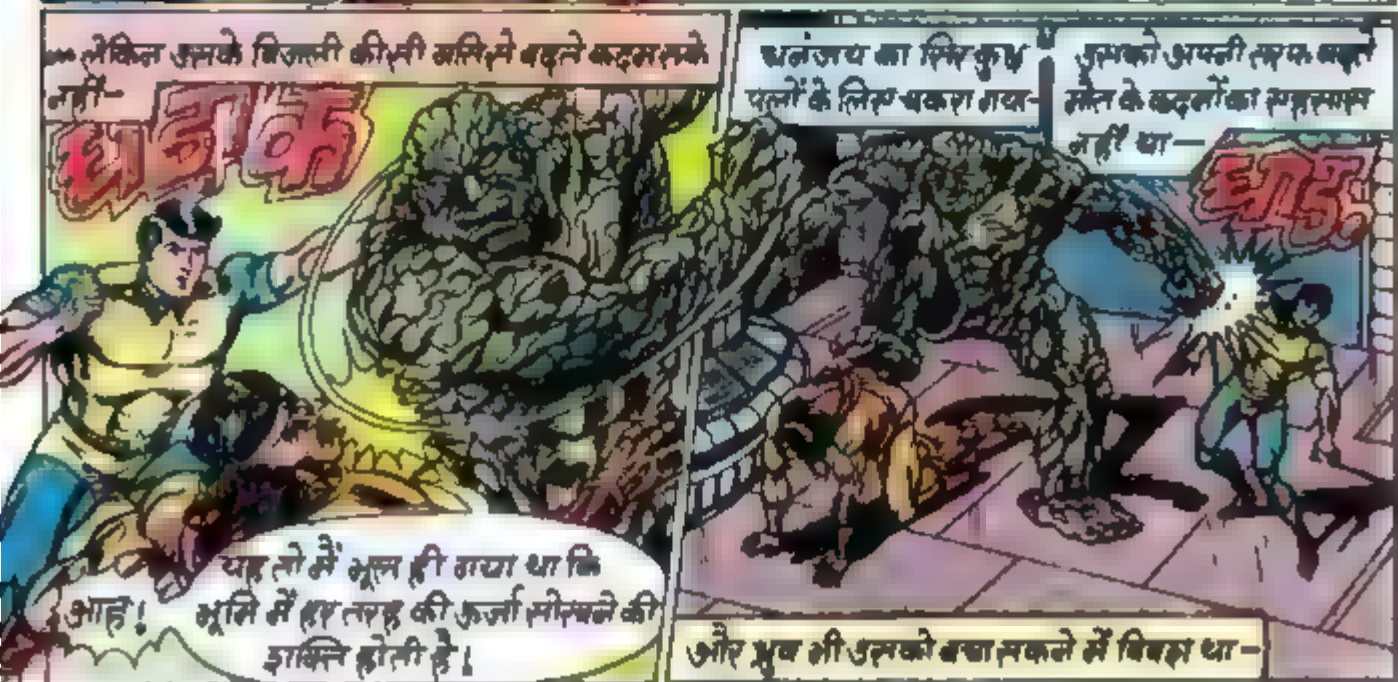
हा SSSS हं।



ये क्या, इन हथियारों से लड़ने वाली नहीं है, धनंजय! इस पर तो तुम्हारे अस्त्र-शस्त्र ही कुछ असर डाल सकते हैं!

मैं कोशिश करके देखता हूँ, भुव।

धनंजय के शरीर से जप्यी पलभर के लिए चिड़का जलक...



लेकिन उसके बिजली की सी गति से बढ़ते कदम लगे नहीं—

धनंजय का फिर कुछ पलों के लिए थकता गया—

उसको अपनी तरफ बढ़ाते के कदमों का समझना नहीं था—

यह तो मैं भूल ही गया था कि भूमि में हर तरफ की ऊर्जा सोनबने की शक्ति होती है।

और भुव भी उसको बचा सकने में विवश था—

तभी बसक उठी धुस की
आंखों के आगे...

एक पल में पता
चल जलसा!

नीचे पड़ी एक बंदक उठाकर एक भरपूर
घर किया धुस ने अंगूठी पर -

यह अंगूठी! ऐसी
ही अंगूठियां तो बाकी
तीनों के हाथों में भी थीं...
... कहीं ये ही अंगूठियां
इनके रूप बदलने का
कारण तो नहीं हैं!

अंगूठी का नरा
दूटा तो नहीं...

... पर अंगूठी के नरा के अंदर के सारे
नाजुक माइक्रो-सर्किट हिल उठे। और...

... शॉर्ट सर्किट
हो गया -

अंगूठी के शॉर्ट-
सर्किट होते ही -

... जल्दी ही अपने असली
रूप में आ गया। फिर से
बेहोश हो जाने के लिए -

आह! तुमने तो
इसकी भी कमजोर
नस दुंदली धुस!

तुम्हारा आखिरी
सोहरा भी पिट चुका है,
अब तो तुम्हारा न्यू-
क्लियर-कुंथन उठाकर
ने जाने वाला कोई भी नहीं
रहा। अब तो आत्म-
समर्पण कर दी दो!

तडाक

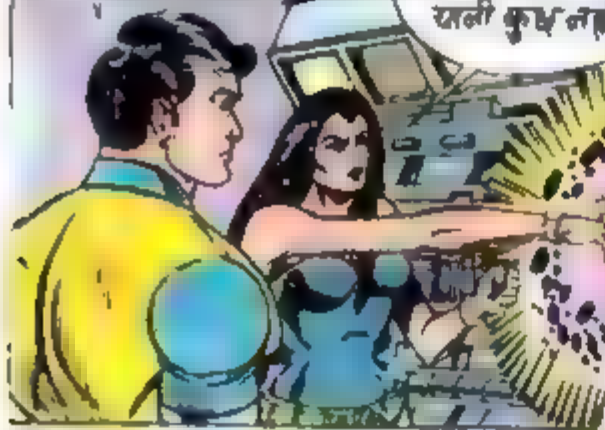
सुके सामान उठाने के
लिए किसी स्वेच की जरूरत नहीं
है। उसके लिए मेरी यह अंगूठी ही काफी
है, जो आकाश तत्व को कंट्रोल करती है!

ओह! यानी ये पाँच अंगुठियाँ,
पाँचों तत्वों को कंट्रोल कर
सकती हैं।

हां! जैसे मेरी अंगुठी
आकाश तत्व को बड़ा में
कर सकती है। आकाश
खनी शिवांत, वैक्यूम!
रानी कुछ नहीं।

यह 'वैक्यूम-फील्ड'
की रचना कर सकती है।
और यही वैक्यूम ही धन
के बक्खों को रबींचकर
मेरे पल तक पहुंचा
देगा...

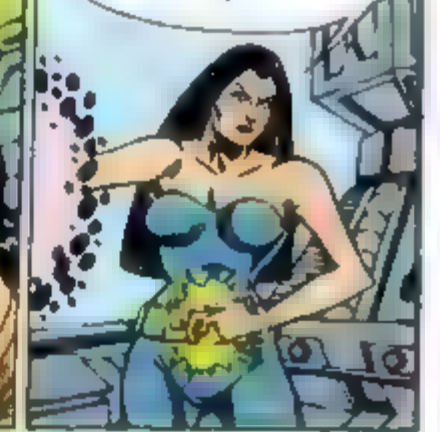
और अगर तुमने मुझे
रोकने की कोशिश की
तो तुमको भी!



आश्चर्य! तुम जल्द किसी और राह की हो!
तुम्हारा विज्ञान तो तुम्हें भी आश्चर्य में डाल
गा। फिर भी मैं तुमको रोक सकता हूँ,
लड़की!

मैं तुम्हारे किसी भी धर को
ध्रुव तक पहुंचने से पहले
रोक लूंगा।

जल्द रोक सकते हो! अगर
तुम पहचान सकोगे कि ध्रुव
कौन है! पहचानो...



जल्द रोक सकते
हो! लेकिन उससे पहले
मैं तुम्हारे दोस्त को खत्म
कर सकती हूँ। इसलिए ये
कोशिश मत करना।

... ध्रुव कौन है...

ऊर्जा के एक भूभाके ने ध्रुव के साथ-साथ
तीनों सैनिकों को भी उल्ट-पलट कर रख
दिया—



और जब उसका खतम हुआ तो—

चार-चार
धुब !



हां, लेकिन इनमें से
असली सिर्फ एक ही है!
अब मैं 'धुब' को आशम
से खतम कर सकती हूँ!

क्योंकि ये न तो बोल सकते हैं!
और न ही हिल सकते हैं! यह
दृष्टिभ्रम तरंगों का 'साइट-इफेक्ट'
है!

तुम न तो चारों को एक
साथ बचा सकते हो,
और न ही धुब को पहचान
सकते हो!

याद रखना, तुम्हारी
एक गलत हरकत के
बदले में, मैं तुम्हारे
दोस्त की जान ले
लूंगी!



धनंजय अपनी सारी बैज्ञा-
निक शक्तियों के बावजूद
असहाय सा खड़ा रह गया—

बहु धुब्सरी को
रोकने के लिए
कुछ नहीं कर सकत था

लेकिन धुब का दिमाग अभी 'अह' नहीं हुआ था



इस लड़की ने दृष्टिभ्रम
तरंगों वालों से पहले अपनी
बेल्ट को धुआ था— यानी
इन दृष्टि-भ्रम तरंगों का
कंट्रोल इसी बेल्ट में है!

धनंजय ने
इस बात पर गौर नहीं
किया है। और मैं उनको यह बात
न ही बोलकर बता सकता हूँ, और
न ही इशारा करके!

अब जो कुछ करना
है, मुझे ही करना
है!



धुब ने अपनी प्रसिद्ध
बुद्धि शक्तियों को सक्रिय
किया। पहली हरकत उसके
जबड़ों में हुई। भिद्यमान
जबड़े—

उसका शरीर धीरे-धीरे
हिलने लगा—

और फिर
अपना संतुलन खोकर, आगे
की तरफ गिर पड़ा—

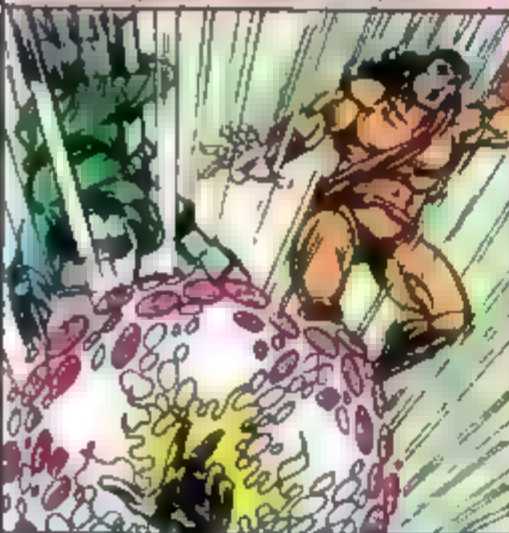


क्यूसरी, भुव ने कुछ ही फुट के फासले पर खड़ी हुई थी -



भुव के जबड़े उसकी बेल्ट को अपने साथ खींचते हुए, नीचे की तरफ गिरे -

धनेजय की इच्छियां भी वैक्यूम के भयानक स्रिंखाव के आगे बेकार थीं -



सबके इरीए धीरे-धीरे खतरनाक गोले की तरफ खिंच रहे थे -



बाहें हारिए खे असम हो जाने के लिए बेताब हो रही थीं...

और एक भटके से बेल्ट उधलकर वैक्यूम के गोले में समा गई -



और इसी के साथ टूट गया, दृष्टि क्षम तरंगों का जाल -



भुव और सैनिकों के इरीए की जकड़न भी दूर हो गई -

सबके रूप अपनी वास्तविक अवस्था में आ गए -

क्यूसरी का भी -

और इस हावसे ने क्यूसरी को कोधने पावना कर दिया -



ये तुम्हारे कैफों की संसों तक खींच लेगा !

और तुमल्लों को मिलेगी एक दर्दनाक मौत !

कितनी -

सकारक वह गोला नायब हो गया -

यह क्या ?



बस क्यूसरी का -

तुम्हारे भक्ते का सत्ता यहीं खत्म होता है !



तुम लोग!



हां, क्यूमरी! अब तुम हमारी कैद में हो!



धन्यवाद! पर यह सब क्या हो रहा है? कौन है आप लोग?



हम लोग आकाश गंगा के दूसरे छोर पर स्थित एक ग्रह के जमी हैं!

और यह लड़की हमारी अपराधी है। हम इसी का पीछा करते-करते यहां तक आ गए हैं।



इसका अपराध क्या है?

इसका अपराध है एक वैज्ञानिक होना। एक महान वैज्ञानिक!

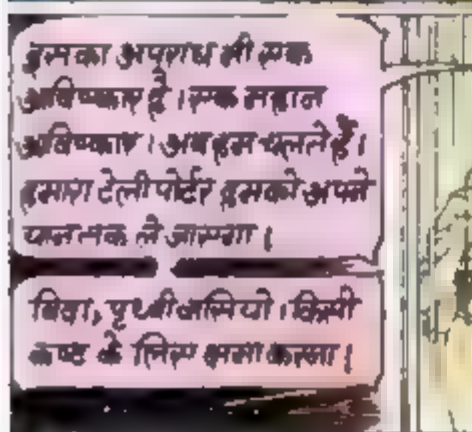
महान वैज्ञानिक होना तो अपराध नहीं होता!

हमारे ग्रह पर होता है। हमने विज्ञान में अभूतपूर्व तरककी कर ली है। हर दिन कई नए आविष्कार हो जाते हैं!



हम प्रकृति से इतने दूर हो गए हैं कि नदी, पेड़-पौधे, पहाड़, खेत यह सब मिर्क लकड़ीयों में मिलते हैं!

स्वरा काम रोबोट करते हैं। प्राणी आत्मसी हो गए हैं। संक्षेप में हम आविष्कारों से इतने परे झन हो गए हैं कि वैज्ञानिक होना भी एक अपराध हो गया है!



इसका अपराध ही एक आविष्कार है। एक महान आविष्कार। अब हम चलते हैं। हमारा टेली पोर्टर इसको अपने चबूतरा तक ले जाएगा।

बिवा, पृथ्वी जलियो, किरी कष्ट के लिए इसा कत्सा!



सच है। अति तर चीज की बुरी होती है!



राज

**कॉमिक्स
विशेषांक**

मूल्य 20.00 रुपए

कमांडर ना नाशा

एक
आकर्षक
स्टीकर
मुफ्त

सुपर कमांडो ध्रुव



कमांडर नताशा

सुपर कमांडो ध्रुव



कथा एवं चित्रा: अनूपम सिन्हा, इंकिंग: विनोद कुमार, सुलेखन: सुनील पाण्डेय, संपादक: मनीष गुप्ता



नताशा... रिपोर्टर नताशा अपने एक अर्टिकल 'राजनीति और स्त्रिया' लिखते-लिखते बाको से जा टकराई। और बाको की सुट्टी में बंद उसके सहीटर, बाको के गंडों और भ्रष्ट पुलिस वालों ने नताशा को समाज का बह धिनीका रूप दिखाया, जिससे वह अंजान थी। वह इतनी परेशान हो गई कि भूब और बिचा के रिडते पर भी डाक करने लगी। और जब 'इन्स्पेक्टर अमर' सिंह ने उसे हेरोइन रखने के भूटे केस में फंसाया था, तो नताशा ने तय कर लिया कि अब वह रिपोर्टर नताशा से बत जल्दगी के मोहुर नताशा -

और इस परिवर्तन की
दुरुआत यहां से होती है-



यू आर अंडर अरेस्ट, जिस
नताशा! वीडियो कैसेट में छिपा-
कर हेरोइन की तस्करी करने के
आरोप में।

यह कैसेट मेरी नहीं है! यह
मुझे एक लड़का अभी-अभी यह
कहकर दे गया था कि इसमें एक
केस से संबंधित महत्वपूर्ण
सुराह है।

यह मुझे नहीं
पता! उसको मैं
कौन था
वह लड़का? नहीं जानती?

सभी पकड़े गए अपराधी यही कहते हैं। अब
युष्माय यह हथकड़ी पहन लो, बर्ता कल के
अस्पताल में खबर छपेगी कि टैडगास्टर रोबो
की बेटी पुलिस गृहमंड में जारी गई।



रोबो! तुम मेरे बारे में कैसे
जानते हो इन्स्पेक्टर?

याद करो! कुछ समय पहले तुम्हारे घर
से एक के. ५१ रायफल पकड़ी गई थी।

... उस केस में हालांकि तुमको पुलिस ने आधिकार
बेकमूर ठहराया था, लेकिन उस केस से तुमको
पर्सनलिटी सूच मिली थी। सैर! एक अत्यंत वादी
की बेटी स्वतंत्र नहीं बनेगी तो और क्या बनेगी।



कैप्टन मास्टर रोबो की लाकड़
अगर कम न हुई होती तो ये बात
कहने से पहले तुम्हारी जुबान कांप
कर गिर गई होती, इमरें सिंह!

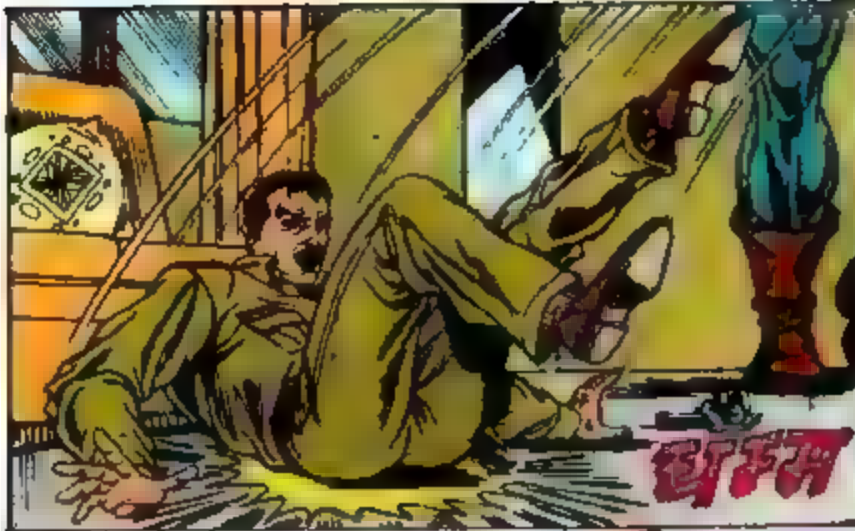
बहुत सुन ली तेरे बाप
की लारीफ़। अब हाथ आगे
कर और पहन ले लोहे की
चूड़ियो।

अब मैं कुछ नहीं कर सकती। अगर
मैंने हथकड़ी पहन ली तो इन बंधनों
से मैं कभी बाहर नहीं निकल पाऊँगी...
और अगर मैंने कुछ और करने की
कोशिश की तो ये इन्जिन मुझे गोली
मार देगा!

अब मैं
क्या... अरे!

तडाक

धाड़





और दूसरी तरफ -

मैंने आपका काम कर दिया है। मेरे पैसे कहाँ हैं?

तुम्हें नत्ताशा को वीडियो कैसेट में हेरोइन पहुँचाकर अपना काम तो कर दिया है, पट्टे...

लेकिन तू चिन्ता मत कर। उस काम के बदले जाले पैसे के फूल हम तेरी कब्र पर थपा देंगे।



आह! पकड़ो उसे। वहाँ बॉस हमारी धमकी उधेड़ कर रख देगा।



सांसें फूल रही थीं। छाती धोकनी की तरह खल रही थी और पैर जवाब दे रहे थे -

अखिर कार-

हफ! हफ!
आह!

अब तेरी कहानी खत्म!
और तेरे साथ-साथ यह
सारी कहानी भी खत्म!

होहोहो

कहानी खत्म होने
से पहले...

तड़क

... मैं इस कहानी का
कन्सर्न मेक्स ही करता
हूँ।

सुपर कलाहो
धुव!



और वह ये है।

जैकेट के अंदर से निकाला गया, दूसरा थकू अपने शिकार के शरीर में जा धंसा—



धुब का ध्यान पलभर को बंटा—

और इसी एक पल में—

गुंठे की भागने का मौका मिल गया—



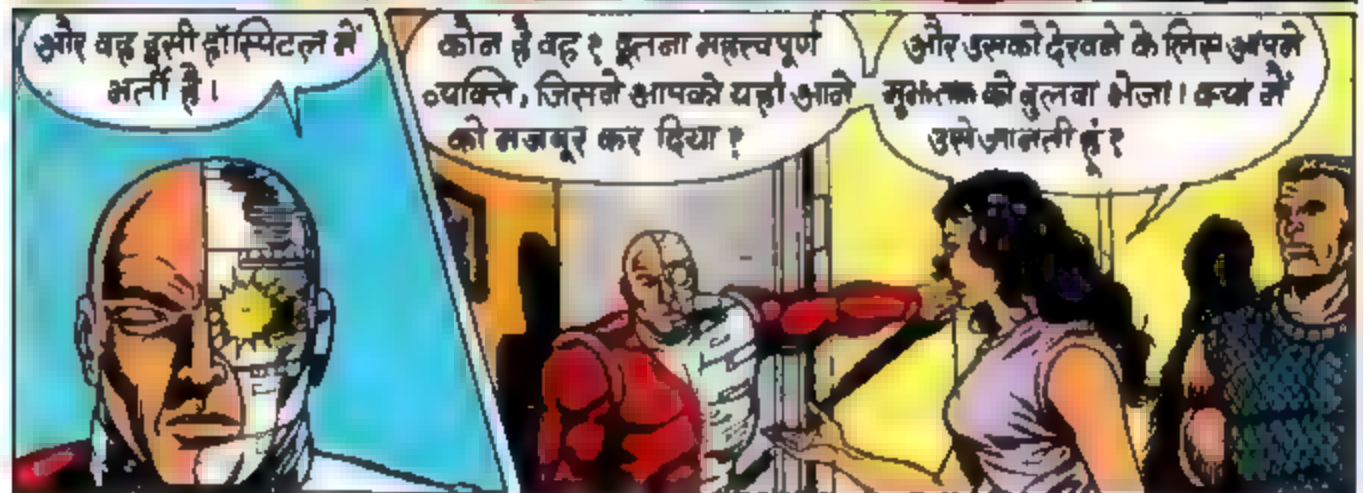
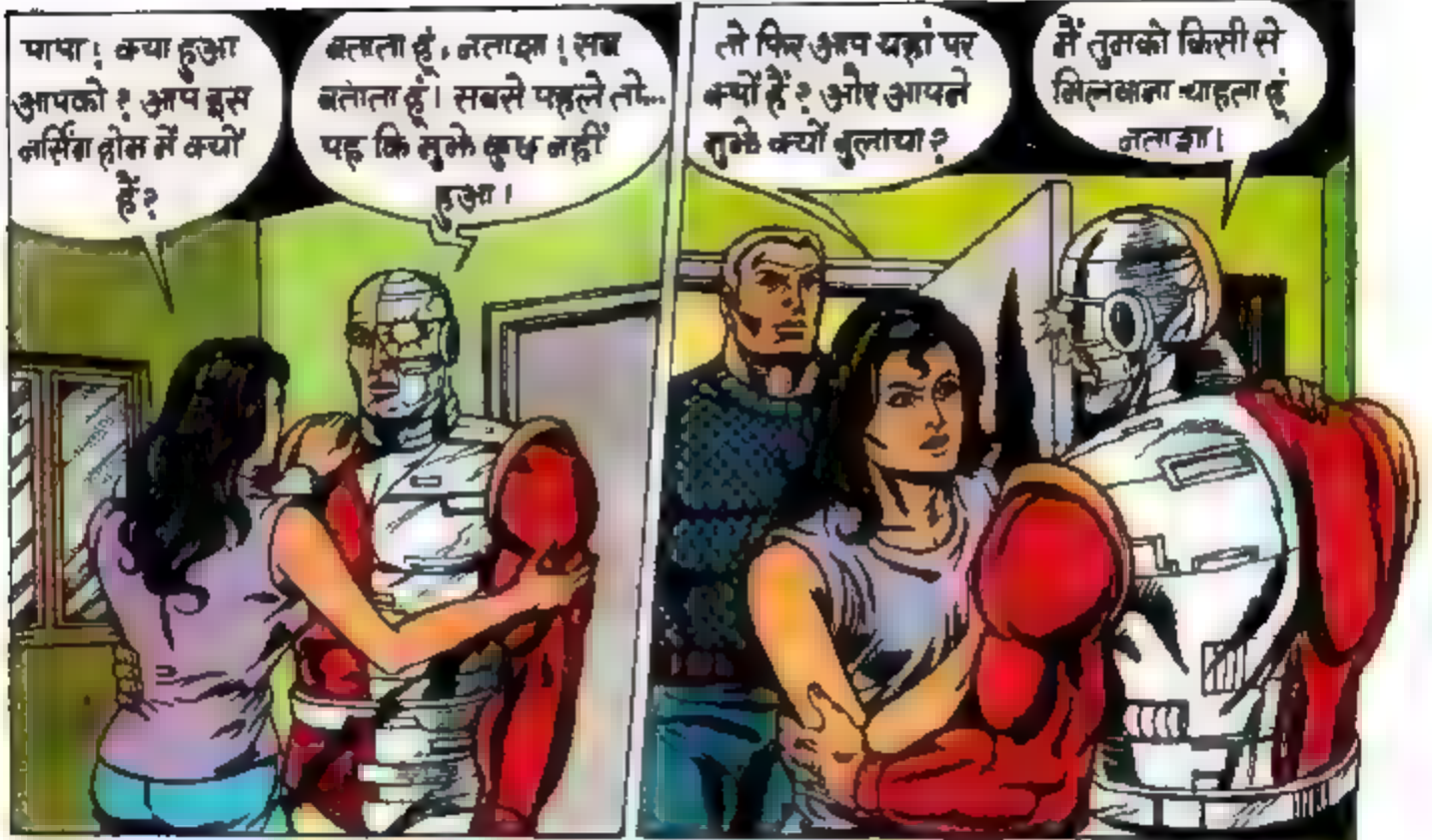
ओह, वह भाग रहा है। लेकिन मैं उसके पीछे नहीं जा सकता। क्योंकि अभी इस लड़के की मदद पहुंचानी बहुत जरूरी है।



और अस्पताल में—

आओ, बेटी!









आज का दिन हर कोई डॉक्टर के साथ ही शुरू कर रहा था -

मैंने अपनी बीमारी को डायग्नोज कर लिया है मिस रिचा ...

और इस बीमारी का मेडिकल साइंस के पास कोई फुलप्रूफ इलाज नहीं है।

मतलब ?

यह एक जान लेवा बीमारी है, मिस रिचा।

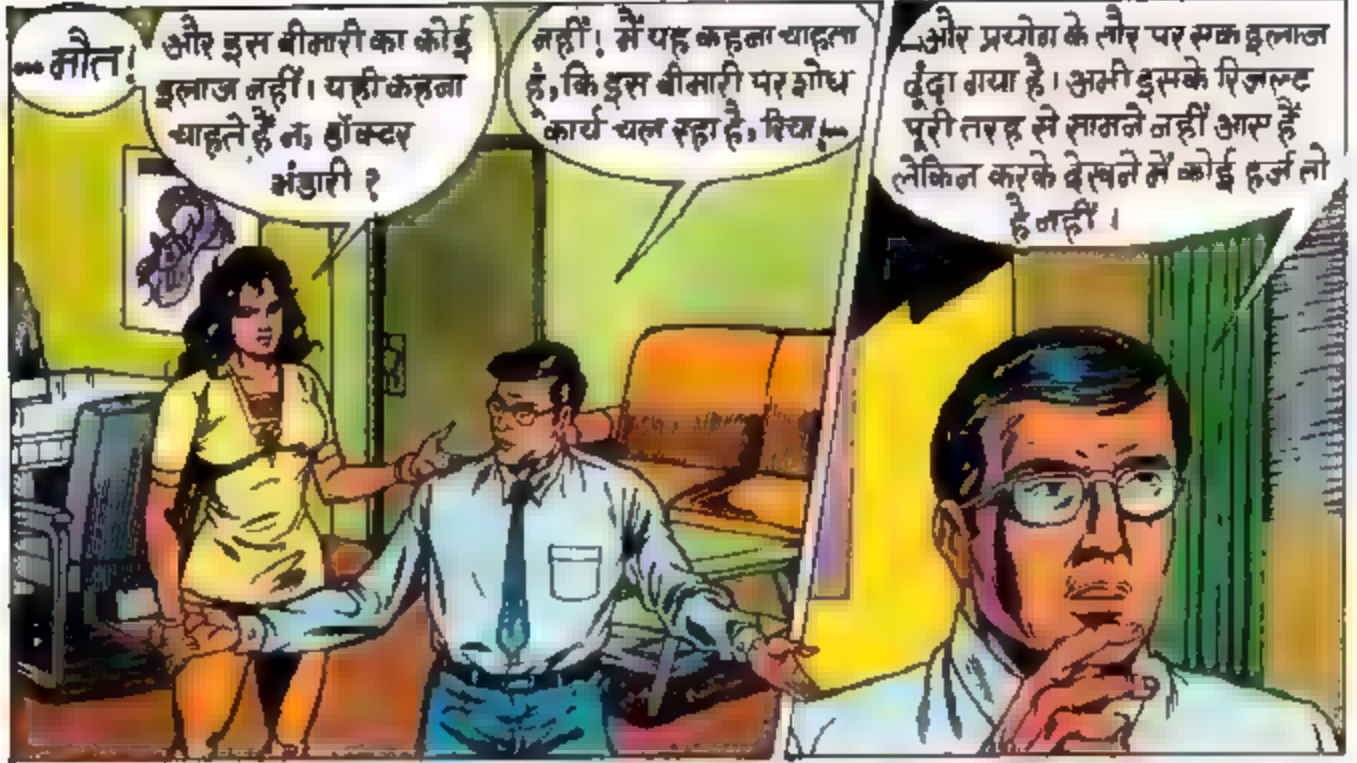
क्या बीमारी है मुझको, डॉक्टर ? जो हो साफ-साफ कहिये। मैं बुरी से बुरी खबर सुनने की भी लाकल शक्लती हूँ।

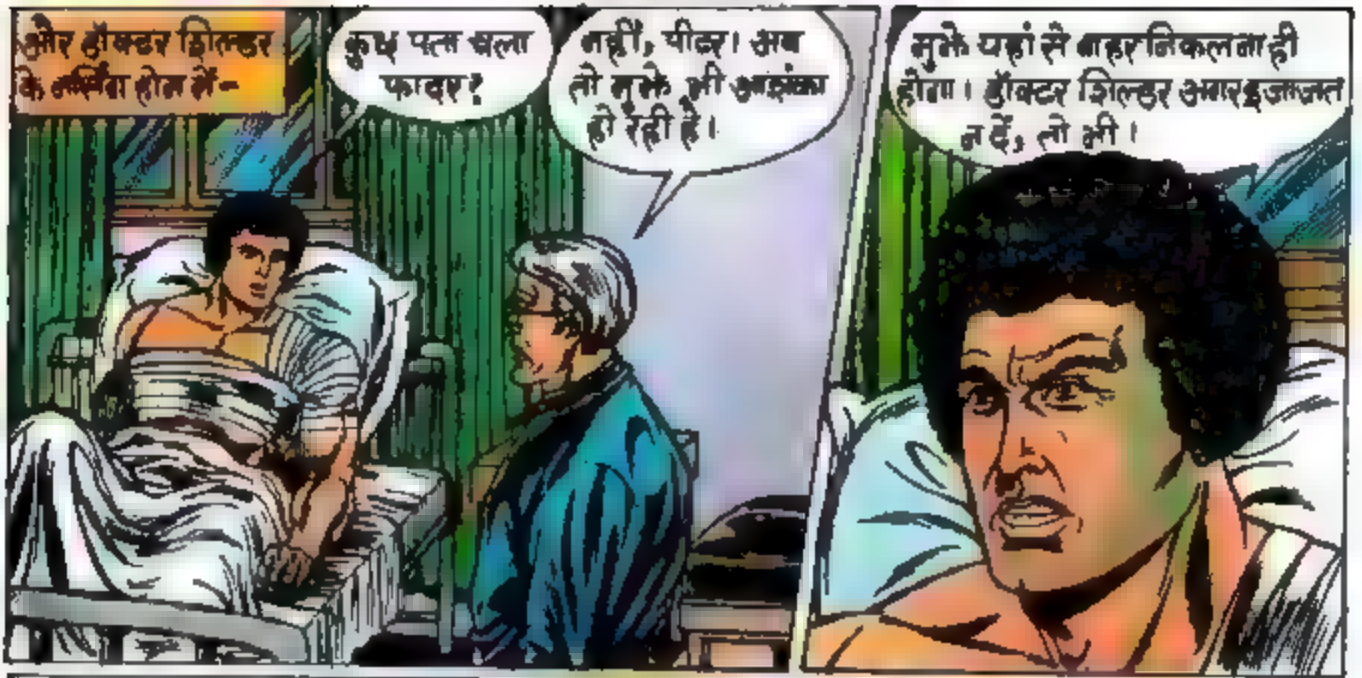
आपको 'नर्वस सिस्टम' की बीमारी है। 'स्नायु-संज्ञ' खराब हो रहा है आपका।

दरअसल यह एक बहुत कम सुनी जाने वाली बीमारी है। एक खास किस्म की बीमारी, जो सिर्फ स्नायु-संज्ञ पर ही हमला करती है ...

... और स्नायु-संज्ञ को धीरे-धीरे कमजोर करती जाती है। पहली अवस्था में थकान महसूस होती रहती है। दूसरी अवस्था में चक्कर आते हैं। सांस फूलती है और फिर आदमी के हाथ-पैर कंपने लगते हैं। नजर कमजोर होने लगती है और उसके बाद बिस्तर और फिर ...

NERVOUS SYS





और डॉक्टर शिल्डर के सर्विवा होन में-

कुछ पत्त खला फादर?

नहीं, पीटर। अब तो मुझे भी अज्ञात हो रही है।

मुझे यहां से बाहर निकलना ही होगा। डॉक्टर शिल्डर अगर इजाजत न दें, तो भी।



ऐसा मत करो पीटर! कहीं खामखाना हाक पैदा करने वाली बात करते हो।

मैं जाकर डॉक्टर शिल्डर से बात करके आता हूँ।

उसी वक़्त मेरी मां ज़िन्दा है। और आपने मुझसे कूठ बोला था कि मेरी मां मुझे जन्म देते वक़्त मर गई।

क्यों पापा, क्यों?

तुम्हारे सवाल का मेरे पास कोई जवाब नहीं है बेटी...



...जिस वक़्त मैंने यह सब किया, उस वक़्त मेरा पितावा...

गुहसर्निवा डॉक्टर शिल्डर...

नताशा! तुम यहाँ पर कैसे?

DR. SCHILDER

फादर परेरा! आप यहाँ पर क्या कर रहे हैं?



PhonePe



Refer your friends and receive
Cashback!

Get ₹75 when each of your friends
make their first money transfer on
PhonePe!

[VIEW T&C](#)

Invite Link

https://phon.pe/ru_niracpwof

Invite friends using



CLICK HERE
TO JOIN NOW



हैं तो पीटर को देखने आया था। तुम तो जानते ही हो कि अनाथ हो जाने के बाद पीटर नेरे पास ही पला-बढ़ा है।

और यहाँ पर मैं डॉक्टर
डिल्लुर से मिलकर उसकी
दिलचस्पी बनाने की बात करने
आया था। कहाँ है डॉक्टर
डिल्लुर?

बेबिजी है। आपको तो नर्स ने बता ही दिया होगा कि डॉक्टर डिल्लर ने अपने सारे अपॉइंटमेंट कैंसिल कर दिए हैं।

वे किसी से नहीं
मिल सकते।



लेकिन पीटर को डिस्चार्ज
कराना बहुत जरूरी...

फर्नेवर परेशा! हम सब बहुत जरूरी बात कर रहे थे।
और आपने हमको छिस्टर्ब कर दिया।



आप जा सकते हैं।

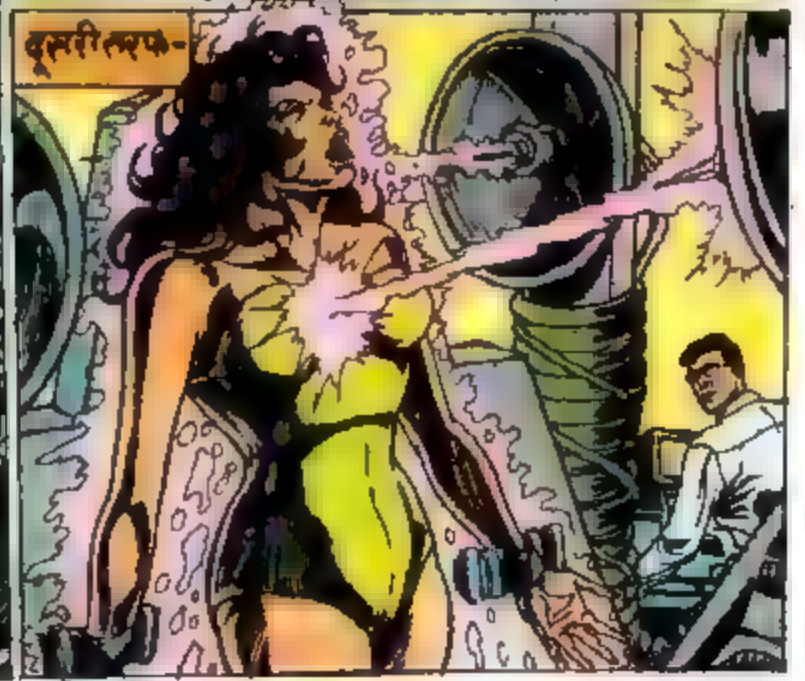
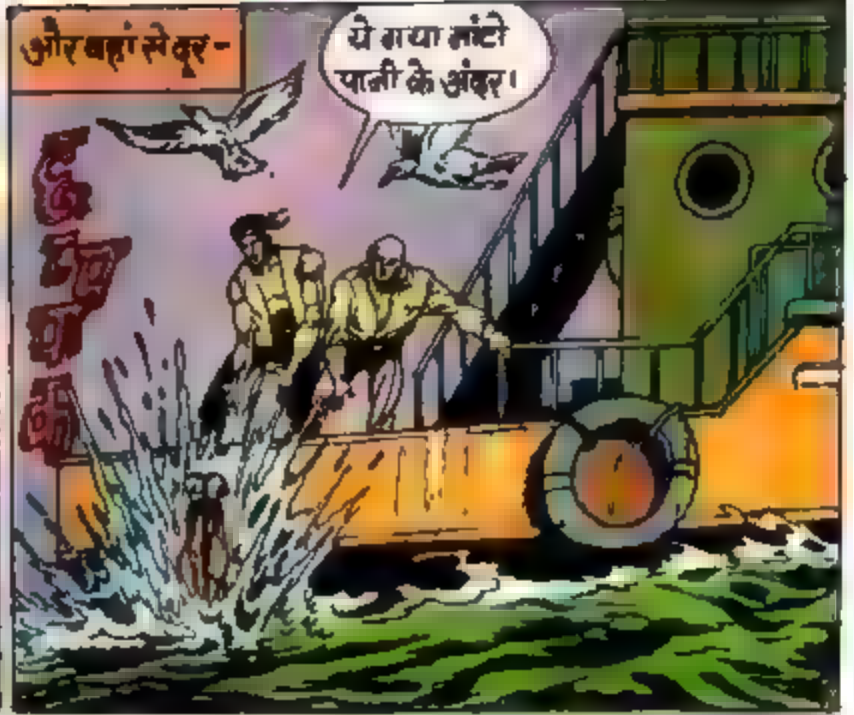


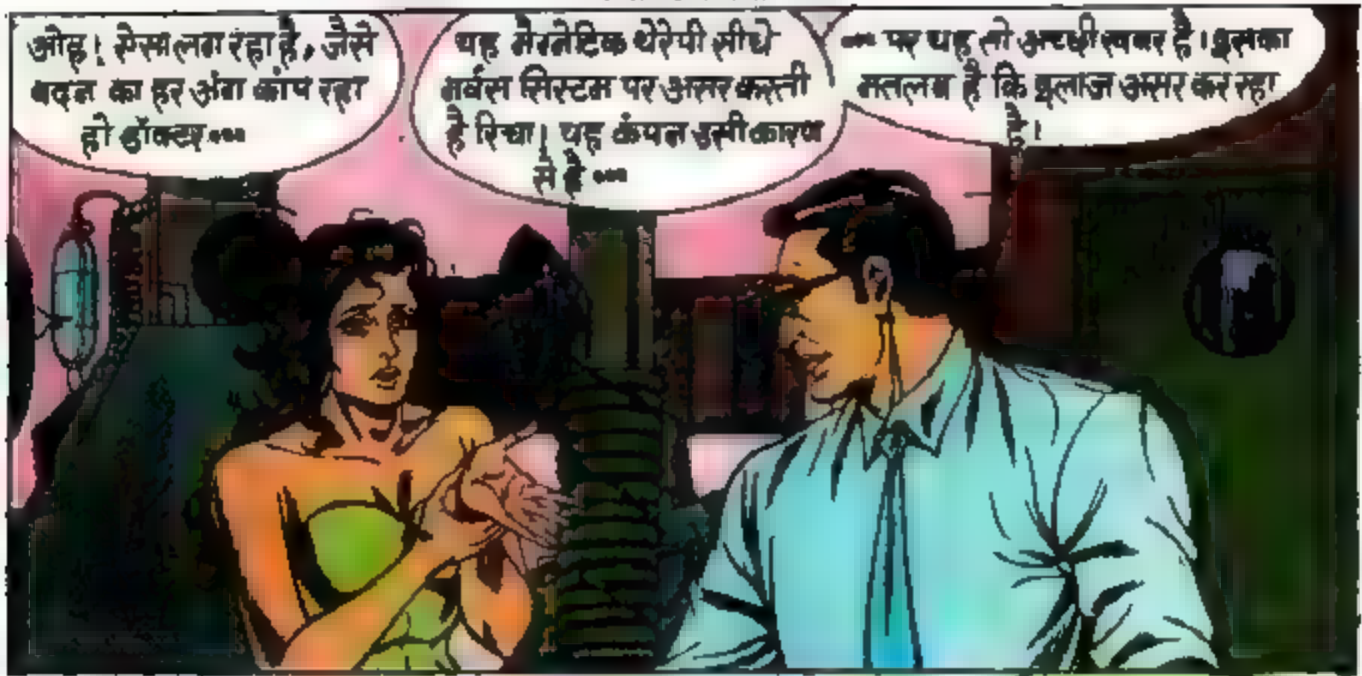
अंदर तक हिलाकर रख दिया, उस सरकल
आवाज ने फौंदर परेरा को -

मैं आ रहा हूँ।

कौन है यह स्वतन्त्रताक आदमी?
और नताशा इस आदमी के साथ
यहाँ पर क्या कर रही है ?







ओह! ऐसा लग रहा है, जैसे
बदन का हर अंग कंप रहा
हो डॉक्टर...

यह मैग्नेटिक थेरेपी सीधे
नर्वस सिस्टम पर असर करती
है रिचा। यह कंपन इसी कारण
से है...

... पर यह तो अच्छी खबर है। इसका
मतलब है कि ब्रुलाज अमर कर रहा
है।



अब तुम्हारी रोज यहाँ पर आकर
एक बार 'मैग्नेटिक फील्ड' में या
कमरे का सहन करना होगा।

और अगर तुम ठीक हो
गई तो तुमसे ज्यादा फायदा
तो मुझे होगा।

आपको?
वो कैसे?

मैं प्रसिद्ध हो जाऊँगा रिचा!
इस लाइव लाज बीमारी का
इलाज दुनिया का ही डॉक्टर।

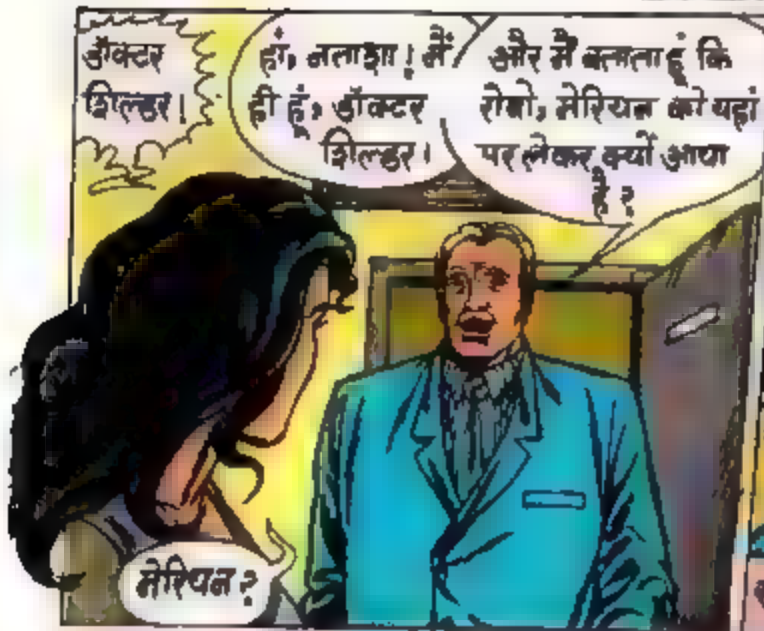


और डॉक्टर बिल्डर के
नर्सिंग होम में-

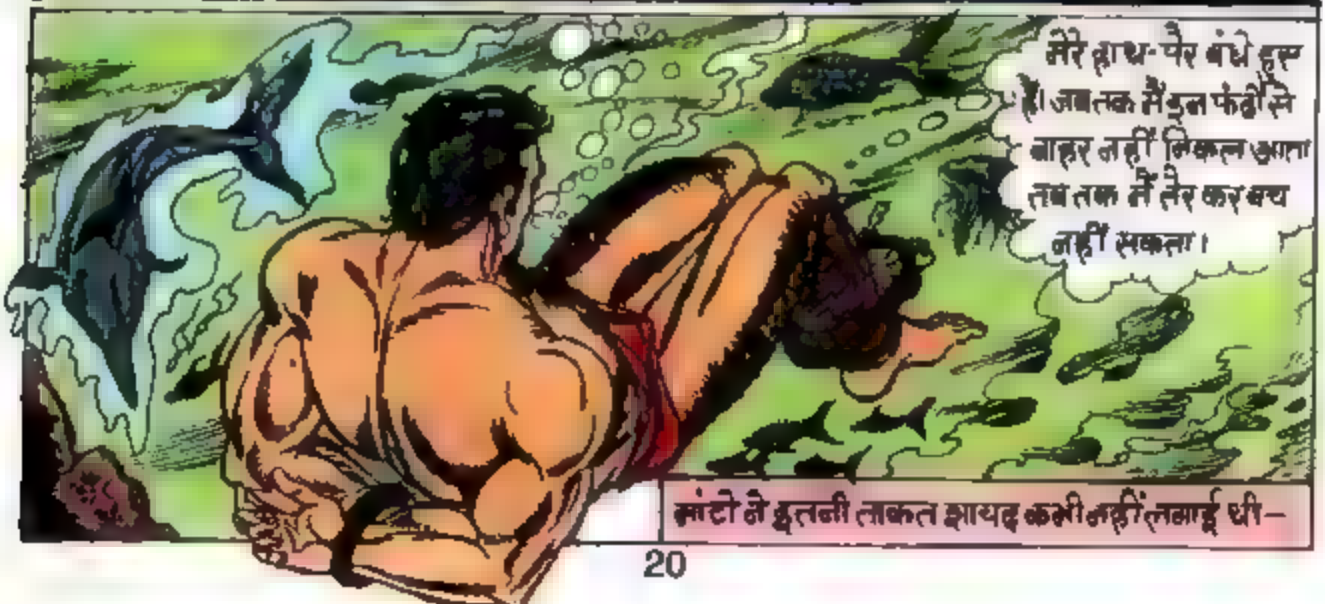
आप चुप क्यों हैं, पापा?
मैंने तो आपसे एक सीधा-
सादा सा सवाल पूछा है।
माँ के जिन्दा
रहते आपने मुझसे झूठ
क्यों बोला कि वह मर गई? क्यों
दूर रखा मुझे उससे?

और इतने सालों बाद
आप मुझे उसके पास क्यों
लेकर आए हैं?

एक सवाल और है,
नताशा! और वह ये कि
रोबो ने तुम्हारी माँ को
यहाँ पर क्यों रखा हुआ
है, डॉक्टर बिल्डर के
हॉस्पिटल में?



और दूसरी तरफ— एक नई कहानी जन्म ले रही थी—



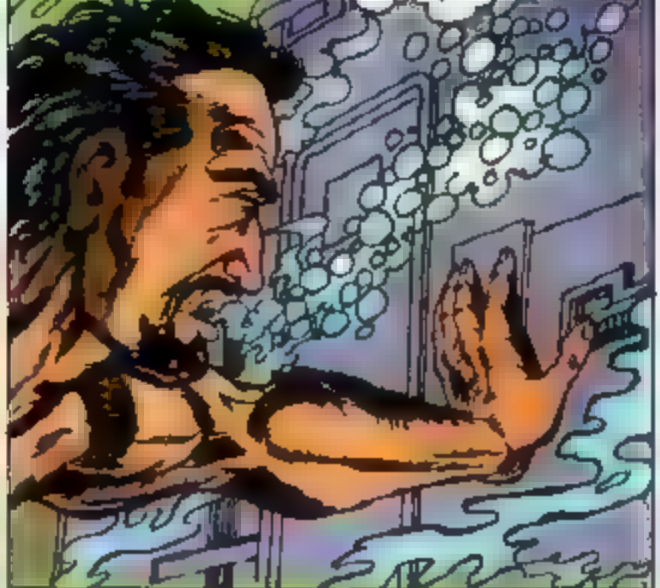
और पानी में अपने-आप गल जाने वाली रस्सियां भी कम जोर हो गई थीं-

बंधन खुल-
गास-

... अब तो मौत ... अरे, मेरा हाथ किस चीज से लड़ रहा ...
होकर ही ... है। सपाट दीवार लग रही है।
कुछ उभरा हुआ भी है। दब रहा ...



बंधन खुलने से भी कोई स्वास ... सतह तक पहुंचते-फंसे
फायदा नहीं होगा। मैं पानी ... दम घुट जा रहा। फेफड़ों में
में काफी गहराई पर हूँ ... हवा बहुत कम बची है ...



यह समुद्र में डूबा, बयूसरी का स्पेस शिप था ...

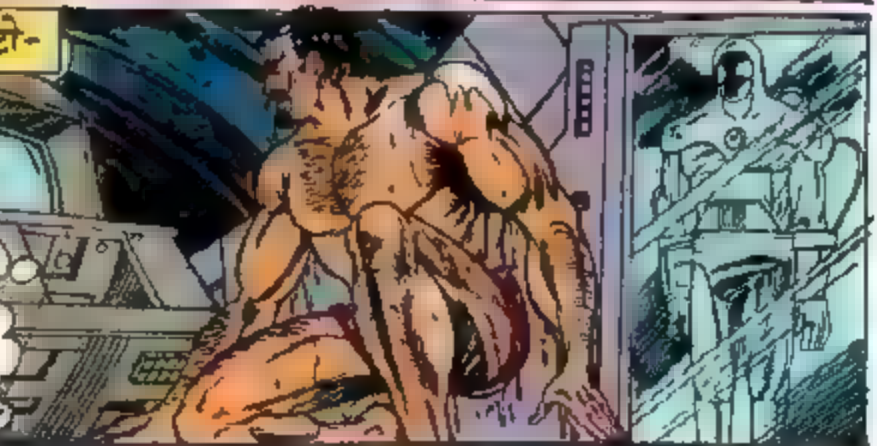
... जिसके अंदर मांटो आ गिरा था-

मांटो के अंदर आते ही, शिप के ऑटोमैटिक पंपों ने पानी को बाहर
निकालना शुरू कर दिया-



और पीछे रह गया आश्चर्यचकित मांटो-

कमाल है। यह तो
'स्टार-वार्स' का सेट लगता
है। जरूर किसी फिल्म के प्रोड्यूसर
का सेट खूब गया होगा। खैर, मेरी तो
इसने जान बचा ली। अब यहां से बाहर
निकलना कितना आसान हो गया है ...



* पढ़ें- 'मौत के चेहरे'



... इस स्पेस-सूट को पहनकर !



नताशा ! इंस्पेक्टर इमर सिंह की नताशा ने मारा है ?

ये मैंने नहीं कहा मैंने सिर्फ मिस्टर भुव !

इतना कहा कि हमको नताशा पर दाक है ...



... क्योंकि इमर सिंह की लाशा हमको नताशा के सफर्टमेंट वाली बिल्डिंग के बाहर मिली है। वह ऊपर से गिरकर मरा था।

उस इमारत में तो और भी कई फ्लैट हैं, ओपीसर !

हैं। लेकिन इमर सिंह की छे गलियों के निशान, सिर्फ नताशा के फ्लैट से ही मिले हैं, भुव !



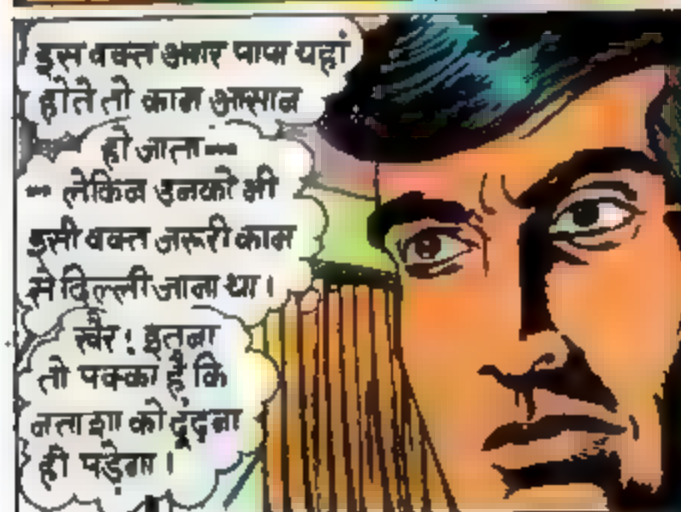
लेकिन इससे यह तो साबित नहीं होता कि नताशा ने ही इमर सिंह को मारा है।

हो सकता है वह कहीं और से नीचे गिरा हो। आखिर नताशा उसे क्यों मारेगी ?



... क्योंकि नताशा एक समझदार है मिस्टर भुव ! ...

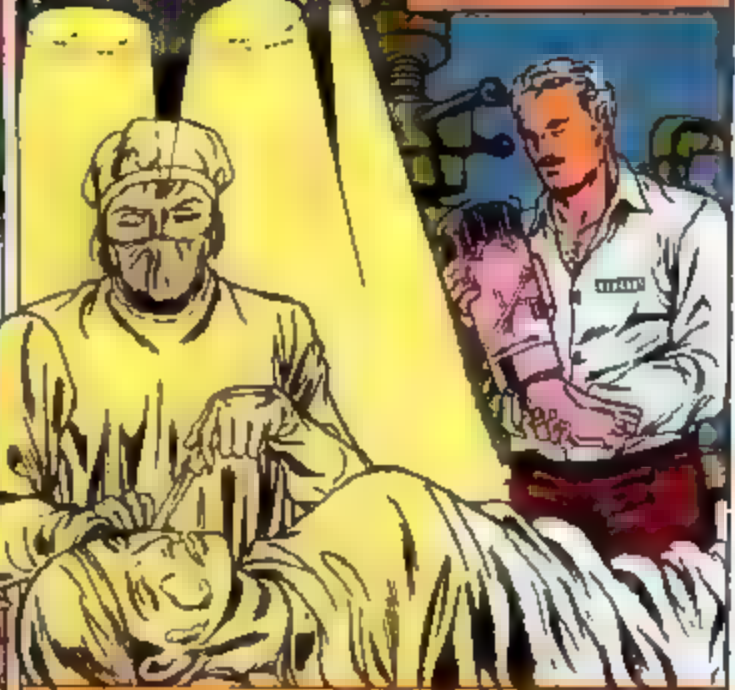
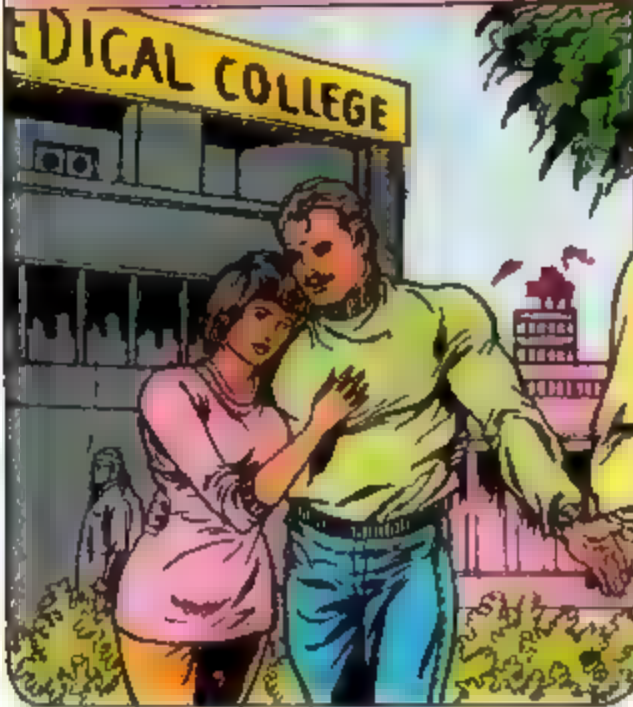
... हमको उसके फ्लैट से हेरोइन के पैकेट मिले हैं। एक छोड़ियो कैसैट के खोल में रखे हुए।



थे तो बस में और मेरियल। हम दोनों मेडिकल कॉलेज में एक साथ ही पढ़ते थे। आपस में हमारे दोस्त भी थे, एक दूसरे से बेइन्तहा प्यार भी करते थे, और शादी करने का व्रदा भी करते थे-

मेरियल को प्लास्टिक सर्जरी में दिलचस्पी थी-

और मुझे रोबोटिक्स में। यानी कृत्रिम मशीनी अंगों का प्रत्यारोपण करते में-



हम दोनों ही अपने-अपने क्षेत्र के महिर डॉक्टर थे-

और इस कारण हमकी अपनी प्रैक्टिस जमाने में ज्यादा वक्त नहीं लगा-

पहला शिल्डर नर्सिंग होम आज से बीस साल पहले इंग्लैंड में खोला गया-

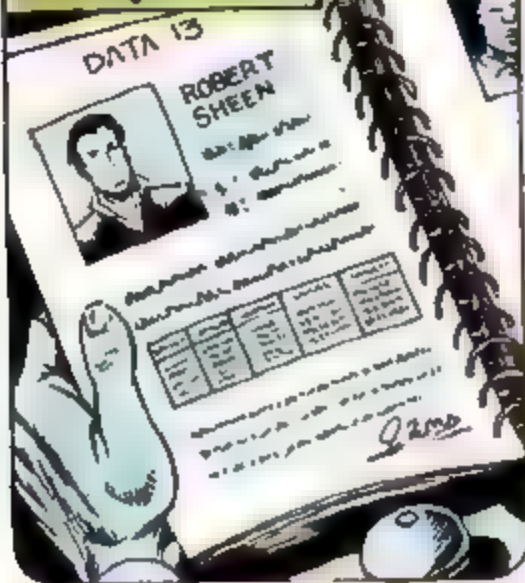


और उसके पहले तरीजों में से एक डॉ. रॉबर्ट डील-

जिसकी आज की दुनिया वैलुमस्टर रोबो के नाम से जानती है-



उस वक्त की पुलिस फाइलों के अनुसार
राबर्ट डीन एक जिन्दा दिल लड़का था।
सजर्जी बहुत थी उसमें—



राज कॉमिक्स

लेकिन अब उसे उस सजर्जी को निकालने का कोई रस्ता न मिला
तो वह अपराध की तरफ मुड़ गया—



अपराध तो वह छोटे-मोटे ही करता था, लेकिन उसकी निहुरता
और जीवाजी के कारण कई लोकल अपराधी उसको अपना
बुरा मानने लगे थे—

और यही निहुरता, उसके लिए मौत का
कारण बन गई—

ये इस स्त्रिया के
माफिया-चीफ गॉड-
फादर सल साल्वाडो
हैं राबर्ट!

ये चाहते हैं कि तुम
इनके लिए काम करो!
और अपने गैंग को
इनके गैंग से मिला दो।
तुमको...



राबर्ट किसी के लिए
काम नहीं करता।

दोरो के ऊपर
भला कौन हुकूमत
कर पाया है।

अच्छी स्वतंत्रता
लगत है, साल्वाडो!

अभी तो नहीं, लेकिन भविष्य में
यह हमारे लिए स्वतंत्रता बन
सकता है



... इस लिए मिटा दो
इसको और इसके
हुट पूंजिया गैंग को।

ऐसी मौत
मरो इन्हें जो औरों
के लिए भी सबक सजित
हो सके। जाओ!

और फिर खून की
होली खेली गई-

साल्वानो के अत्याधुनिक इधियारों से लैस आदमियों ने रॉबर्ट गैंग के अहंते पर बिना
चेतावनी के आका बोल दिया-



रॉबर्ट गैंग के सदस्य इसके लिए तैयार नहीं थे-

वे बकरों की तरह काट डाले गए-

हा 555 हं!

सिर्फ एक ही आदमी, सिर्फ एक पिस्तौल के जरिए उस फौज
का मुकाबला कर रहा था-



यह आदमी था रॉबर्ट गैंग-

अधुनिक निहानेबाज-

जिसकी हर गोली अपना शिकार
बलाक करती जा रही थी-



साल्वालो के आदमियों की तादाद तेजी से कम होती जा रही थी-

और पिस्तौल की गोलियां खत्म होने के बाद भी, साल्वालो के आदमियों की तादाद कम होने में कोई रुकावट नहीं आई थी-



एक अकेला आदमी साल्वालो के लिए खतरा बनता जा रहा था-

लेकिन साल्वालो के पास बंदूकों के अलावा और भी हस्त्र थे-



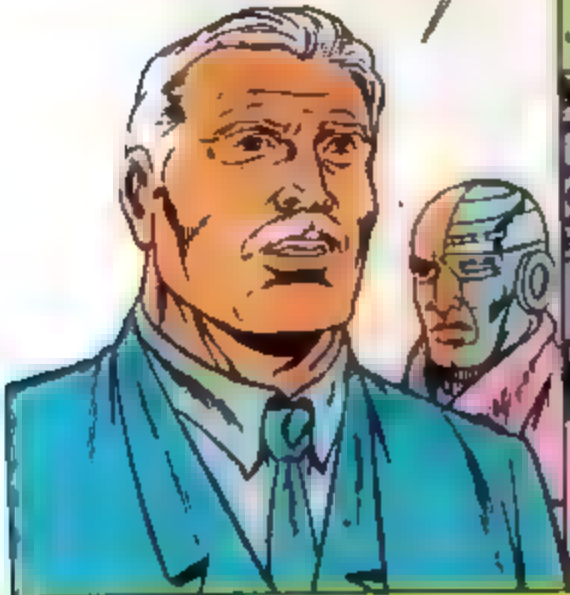
सेसे हथियार-

जिनको निशाने पर फेंकने की जरूरत नहीं पड़ती-

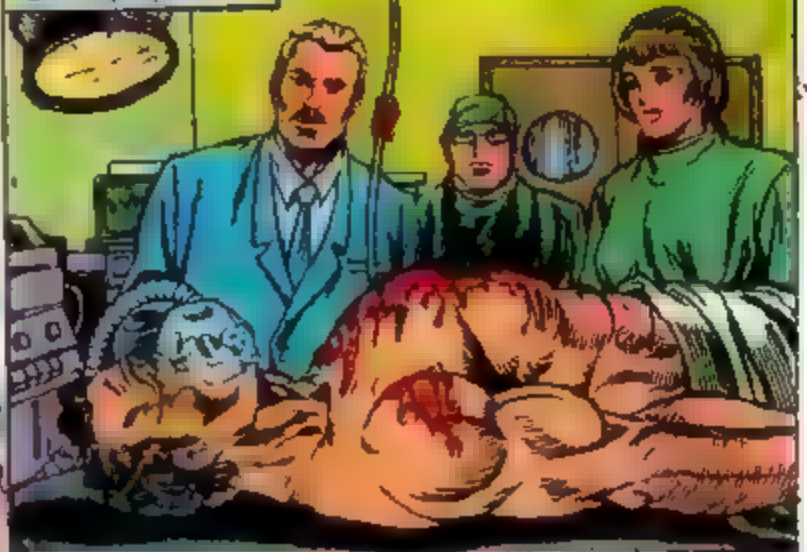
वे अपना निशाना अपने-आप दूंद लेते हैं।



रॉबर्ट डीन को जब मैंने पहली बार देखा, तब वह उसी हालत में था। हथगोले से बुरी तरह घायल।



उसका शरीर बुरी तरह से क्षत-विक्षत हो चुका था। बचने की उम्मीद नहीं थी-



और इसी कारण मुझको इलाज का वह तरीका अपनाने पर मजबूर होना पड़ा, जिसे अब तक टेस्ट भी नहीं किया जा सका था-

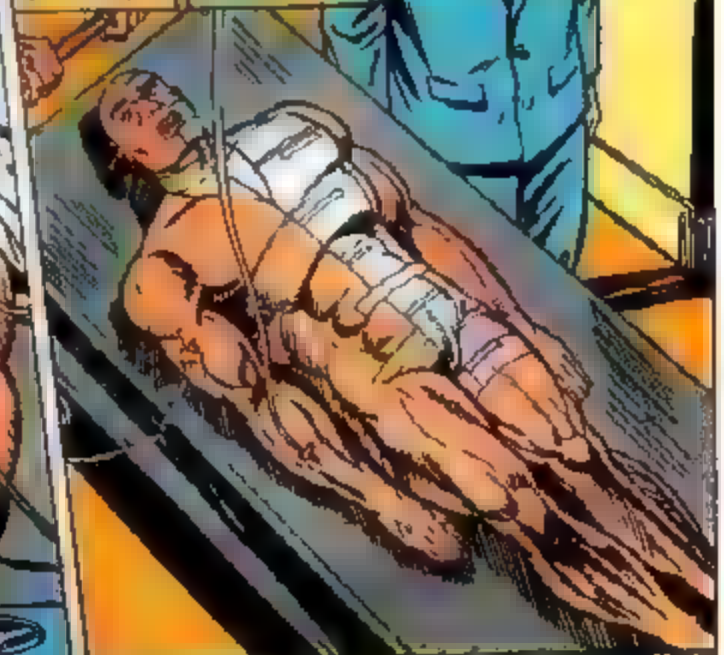
कृत्रिम मशीनी अंगों के प्रत्यारोपण का तरीका-



और इस तरह रॉबर्ट डीन बन गया... रोबो।

ऑपरेशन सफल रहा-

अब हमको इंतजार था, ऑपरेशन के नतीजे का-

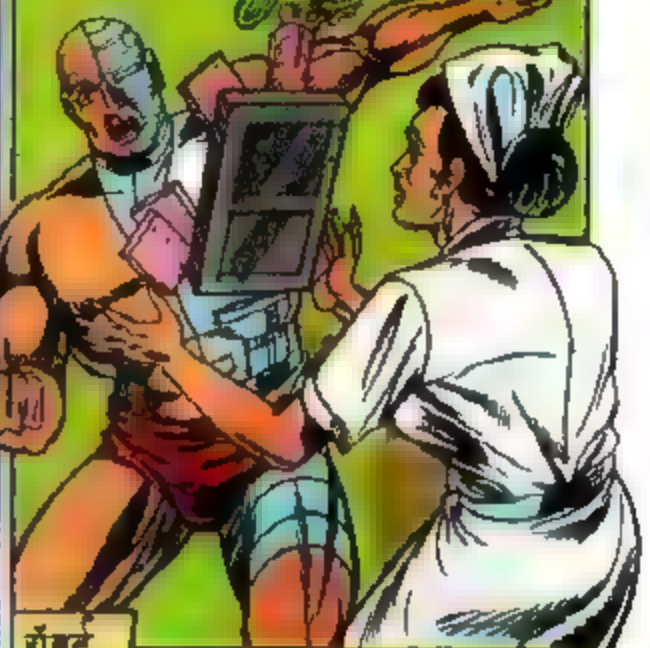
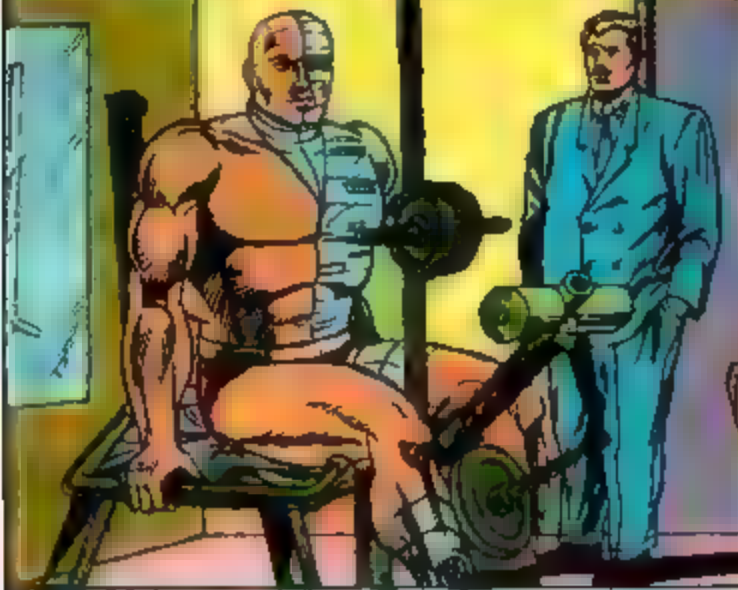


क्योंकि हमको पता नहीं था कि कृत्रिम मशीनी अंगों का प्रत्यारोपण रॉबर्ट पर क्या असर डालेगा-

इतना अच्छी भी थी,
और स्वभाव भी—

रॉबर्ट का शरीर मंझीनी अंगों
को ग्रहण कर रहा था—

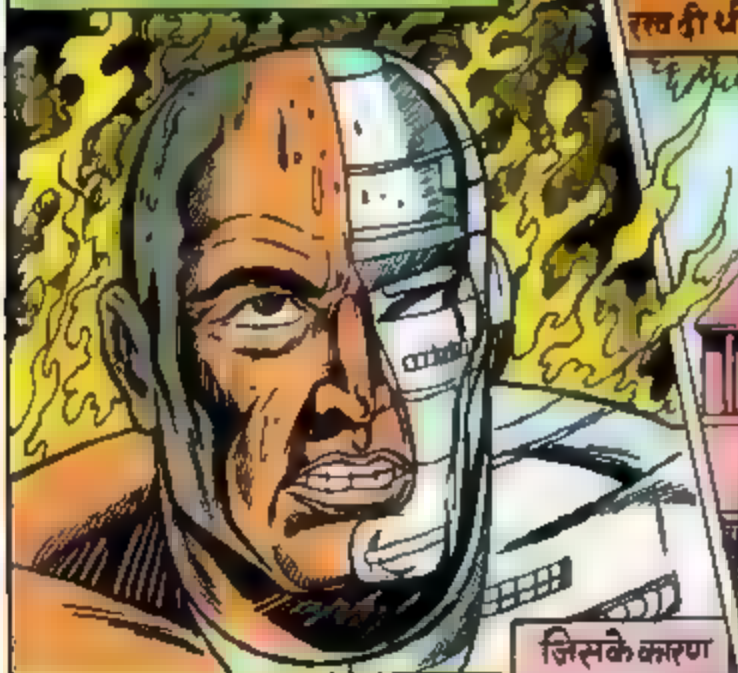
हॉस्पिटल का स्टॉफ भी उसके पास जाने
में धबकाने लगा था—



लेकिन साथ ही साथ रॉबर्ट थिड्थिडा भी होता जा रहा था।
सक—कूरता सी कहलकने लगी थी उसकी आँखों में—

रॉबर्ट
को किसी पर भी असरसा नहीं रह गया था—

और इसका सक ही कारण हो सकता था।
शरीर में मंझीनी अंगों का लगना—



मंझीनी अंगों ने उसके शरीर में कुछ
रवास हारमोन्स की कमी पैदा कर दी थी—

यह गलती मेरी थी, जिसने
रॉबर्ट की जिन्दगी बिगाड़कर
रख दी थी—

और उस गलती को सुधारने
का मेरे सामने सिर्फ सक ही
रास्ता था—



जिसके कारण
वह क्रूर से क्रूरता में
होता जा रहा था—

मेरियन—

सिर्फ मेरियन ही एक ऐसी डॉक्टर थी, जिसको देखकर रॉबर्ट के चेहरे पर मुस्कान आ जाती थी-

इसलिए हमने आपस में यही तय किया कि, मेरियन ही रोबो की देखभाल करे-

मेरियन भी मान गई। क्योंकि कि यह सिर्फ थोड़े दिनों की ही तो बात थी-



लेकिन दिन बीतते के साथ-साथ रॉबर्ट का, मेरियन के प्रति प्यार का पागलपन बढ़ता गया-

और उस दिन तो हद हो गई, जिस दिन रॉबर्ट उर्फ रोबो ने एक जूनियर डॉक्टर को सिर्फ इसलिए ऊपर से नीचे फेंक दिया, क्योंकि उसने मेरियन से ऊँची आवाज में बात की थी-



अगले ही दिन, वह एक नर्स पर सर्जिकल धुरी लेकर दौड़ पड़ा-

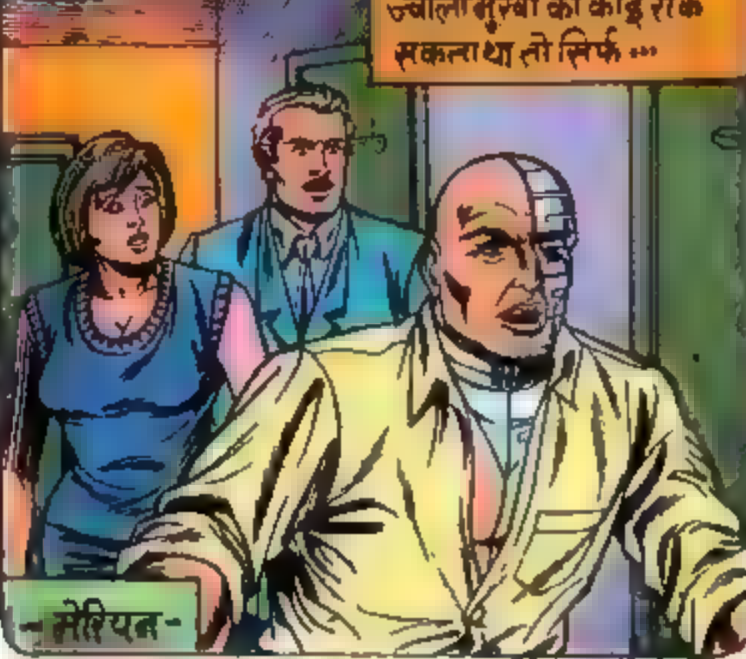


अगर मेरियन ने उसे दूरी का होता तो नर्स जान से हाथ धो बैठती-

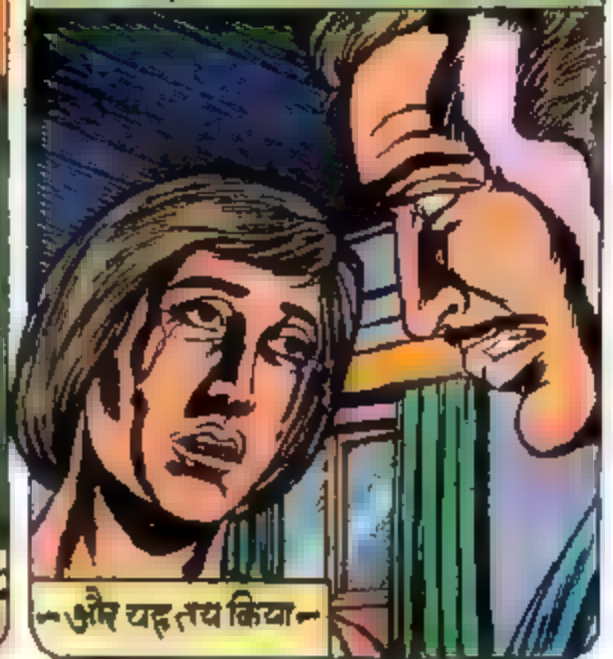
रोबो का बहु रूप देखकर मैं
और मेरियन दोनों ही सिहर
उठे—

यह पक्का हो गया था कि
रोबो के दिमाग में क्रूरता भरती
जा रही थी और अगर उस
ज्वाला भुरबी को कोई रोक
सकता था तो सिर्फ ...

एक बहुत महत्वपूर्ण निर्णय लेने का समय
आया था। मैंने और मेरियन ने इस समस्या पर
लंबा-चौड़ा विचार-विमर्श किया...



— मेरियन —



— और यह तय किया —

— कि रोबो और मेरियन की झाड़ी करा दी जाए—

ताकि रॉबर्ट की आदतों पर जिन्दगी भर के लिए
अंकुश लगाया जा सके—



अब मैं
तुमको पति-पत्नी
घोषित करता हूँ रॉबर्ट
झीन और मेरियन
को।

लेकिन यह उम्मीद भी जल्द ही टूट गई—

झाड़ी होने के बाद रोबो
ने पहला काम किया—
साल्वाडो की नृशंस
हत्या का—



और वह उसी हालत में घर भी वापस आ गया -

यह खून किसका है, रॉबर्ट?

य... यह खून। यह तो एक आदमी का खूनी हँड हो गया था...

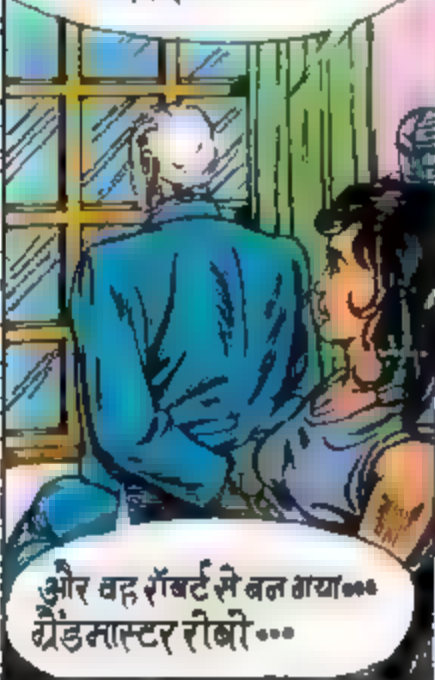
... उसी की अस्पृश्यता पहुंचाकर आ रहा हूँ। बहुत खून निकल रहा था उसके। शायद वही हाथों में लगा गया।

अगले दिन का पेपर पढ़ते ही मेरियन समझ गई कि क्या हुआ होगा -



लेकिन उसने यही समझा कि यह हत्या रॉबर्ट ने प्रतिशोध के लिए की है। अब आगे से वह ऐसा कभी नहीं करेगा -

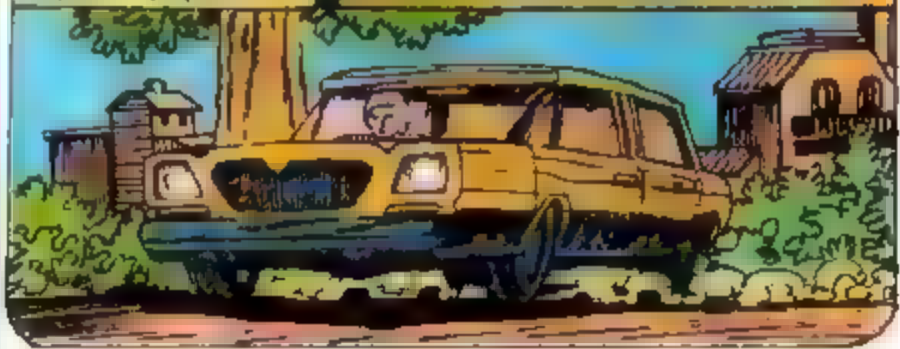
लेकिन यह उसकी भी गलत साबित हुई। मेरियन से छुपते हुए रॉबो के कदम, अपराध की दुनिया में और गहरे होते चले गए।



और वह रॉबर्ट से बन गया... गैंगमास्टर रॉबो...

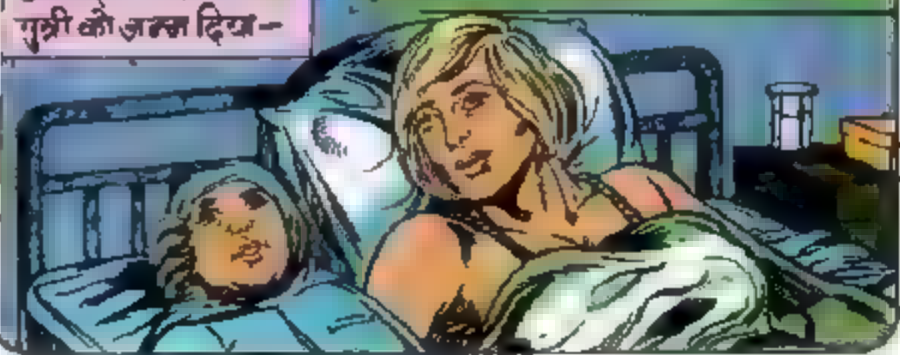
मेरियन से अब और बर्दाश्त नहीं हो सका...

... वह गर्भवती अवस्था में रॉबो का घर छोड़कर अपने मायके चली गई -



और वहीं पर उसने एक पुत्री को जन्म दिया -

उस बच्ची का नाम रखा गया... नलाशा -







...कि उस पर कुछ गुंडों ने हमला किया था...

...हो न हो, नताशा के ऐसे गायब होने का, और इमरान सिंह की हत्या का संबंध उस हमले से जुड़ा है।



और पास में ही-

डॉक्टर भंडारी का क्लिनिक भी उसी जगह पर है।

टेक्नी मिलती ही नहीं। पता नहीं, कहां तक पैदल चलना पड़ेगा।



और समुद्र तट पर ही बने, उस केबिन के अन्दर-

बा... बाकी बॉस! ह... हां, काम हो गया... पर...

बाकी बोल ला, फोन रहा है। मुझे दे।



बधा बात है? हकला क्यों रहा है? दारू पी रहा...

बाकी! मैं... मांटो बोल रहा हूँ।

मांटो!



हां, बाकी! मैं मरा नहीं हूँ। लेकिन मुझे मौत देने की कोशिश तेरे स्मिथ मौत का कारण जरूर बन गई है।

अब तेरे सामने दो ही रास्ते हैं। या तो चुपचाप अपना साम्राज्य मेरे हवाले करके शहर छोड़ दो, या आत्महत्या कर लो।

!?



बार्को को संदेडा अब उस पर दस्तक भी तो मिल गया है! कर दिए जाएंगे।

सट सट सट

सलजी के तीन भीषण धमाकों ने...

तीनों की पिछले मांस के ढेर में बदल दिया-

और साथ ही साथ, केबिन भी सुलग उठा-

वहां से गुजर रहे, धुव का ध्यान खींचने को इतना ही काफी था

ओह! वह केबिन सकारक भीषण आवा में कैसे सुलग उठा...

--कोई धमाके की आवाज तक नहीं आई! शायद पेट्रोल--

--कोई बहर आ रहा है! आग की लपटों में लहसड़ा नहीं रहा है। घिरा हुआ!

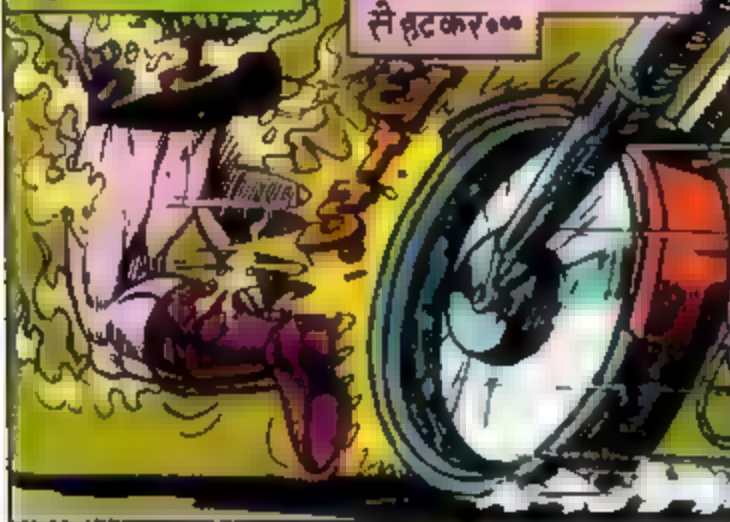
लेकिन... यह इसको मदद की जरूरत नहीं है।

कुछ गड़बड़ है। और मुझे
आभास हो रहा है कि इस गड़बड़
की जड़ यही आदमी है।



बढ़ते कदम धमकाए-

और बांटो का ध्यान बाँको
से हटकर...



भुव पर चला गया-

ओह! सुपर
कलाह! भुव!

कौन हो
तुम?



यह तो मैं भूल ही गया था कि
बाँको के अपराध-साम्राज्य पर
कब्जा करने के पहले--

... मुझे तुमको रास्ते
से हटाना पड़ेगा।

बर्ना तुम हमें हमारे लिए सिरदर्द पैदा
करने वाली मशीन बन जाओगे।

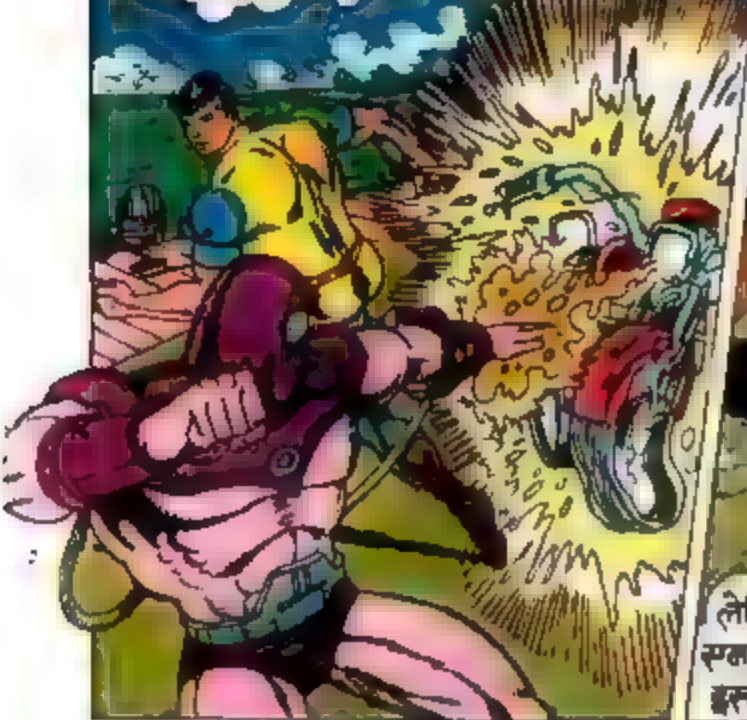
बाँको! इसने
बाँको का नाम
लिखा?



यानी इस सारे चक्कर का बार्को से संबंध है ! मझदूर माफिया चीफ बार्को ।

अब तक पुलिस के पास बार्को के खिलाफ कोई सबूत नहीं है...

...अगर मैं इसकी काबू में कर सकूँ, तो यह शायद बार्को के खिलाफ एक अच्छा सबूत साबित हो ।



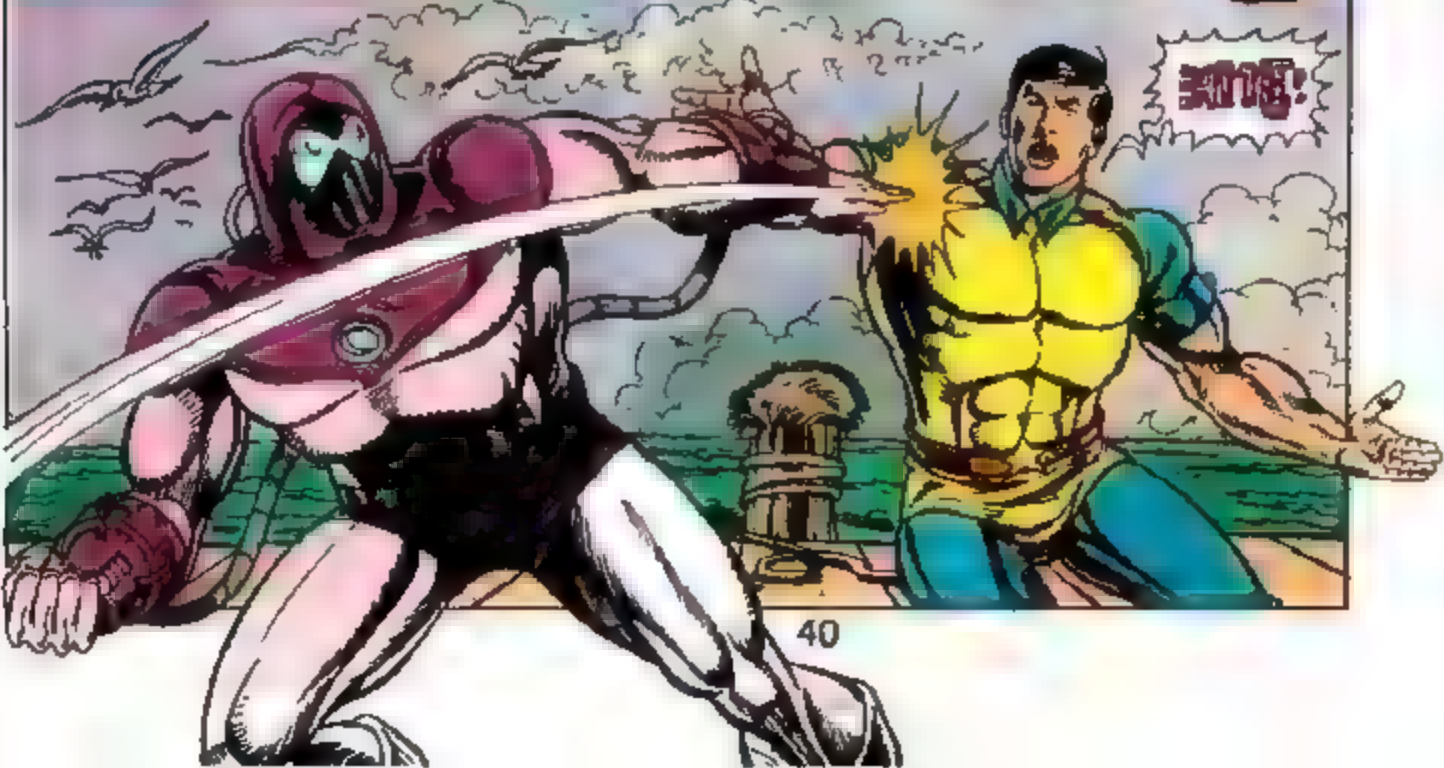
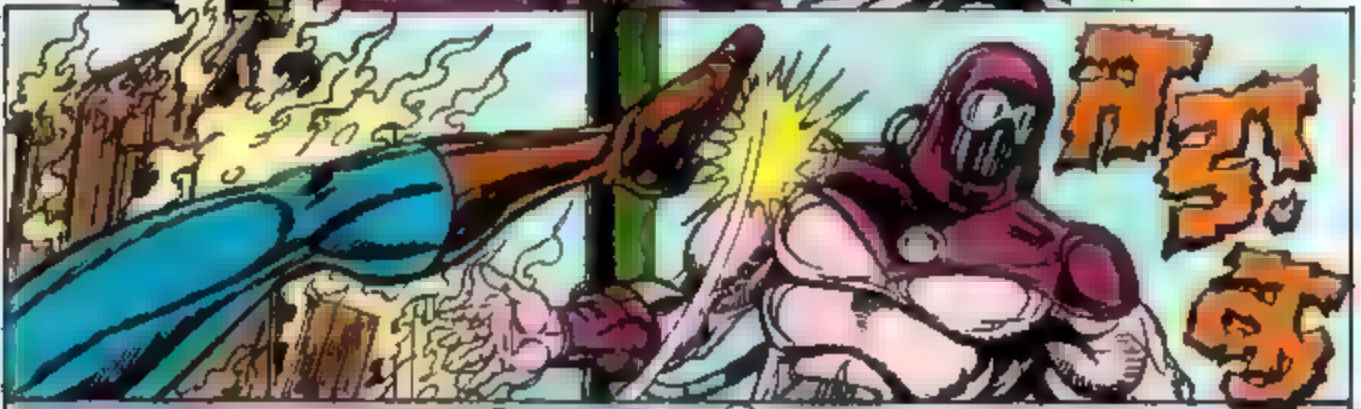
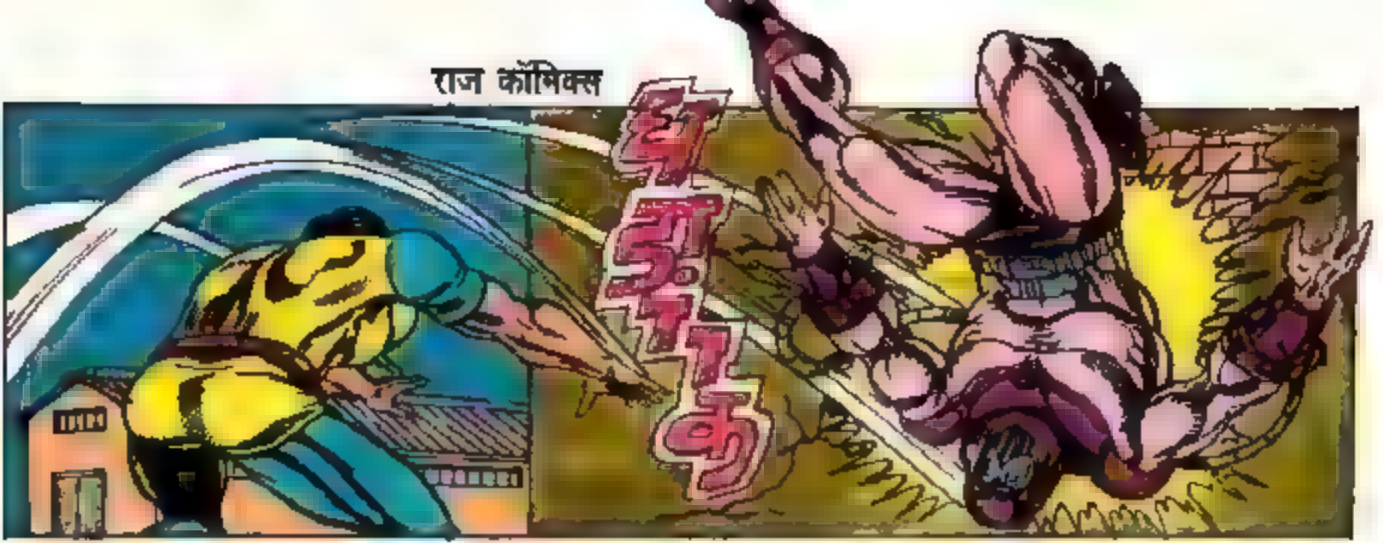
लेकिन सवाल यह है कि इसके समर्थी-ब्लास्टों को पार करके इस तक कैसे पहुँचा जाय ?

एक मिस्ट ! इसके हाथों से ब्लास्ट लगा-तार नहीं निकल रहे हैं । एक ब्लास्ट और दूसरे ब्लास्ट के बीच में लठामठा की सेकेंडों का अन्तर है...

...अगर मुझे कुछ करना है तो वह...

...इन्हीं दो सेकेंडों में करना है ।





इस बार से ध्रुव पूरी तरह संभल पकत,
उससे फटने ही निझाना तन चुका था-

कुर्जी की रस्क
प्रचंड लहर ध्रुव
की तरफ बढ़ी-



लेकिन ध्रुव को धून पाई-

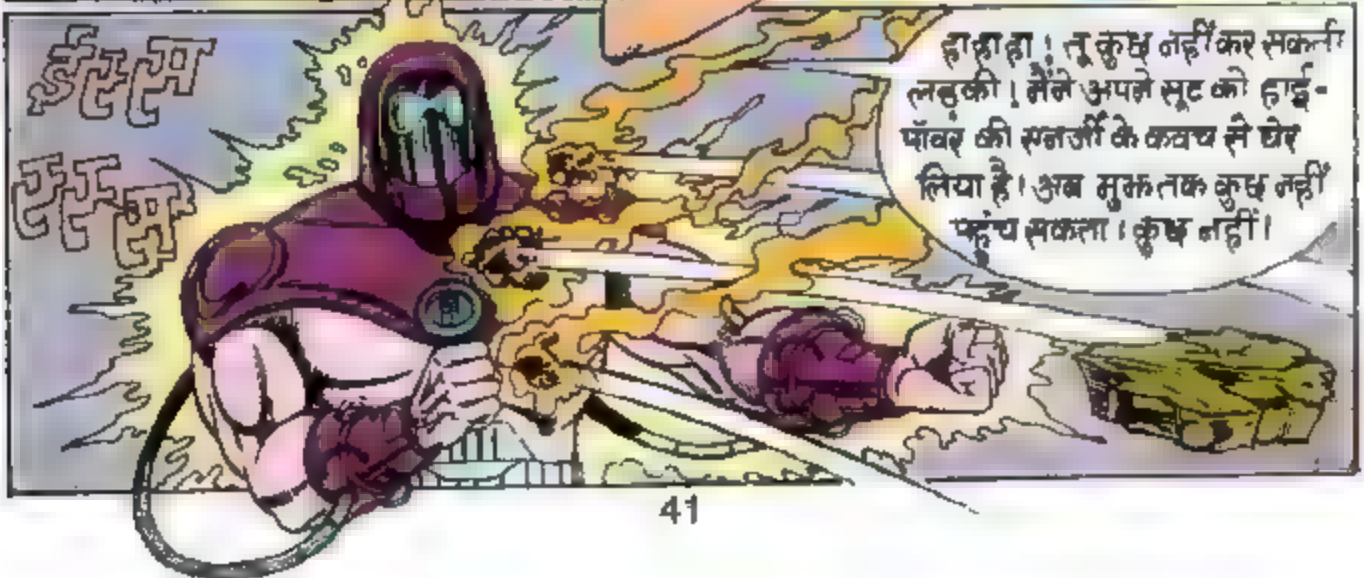


रिचा ! तुम यहां
पर कैसे ?

बताती हूं ! लेकिन फलनेजरा
इस व्यवधान को दूर कर लूं !



हाहाहा ! तू कुछ नहीं कर सकती
लड़की ! मैंने अपने सूट को हार्ड-
पॉवर की रनर्जी के कवच से घेर
लिया है। अब मुक्तक कुछ नहीं
फट सकता ! कुछ नहीं !

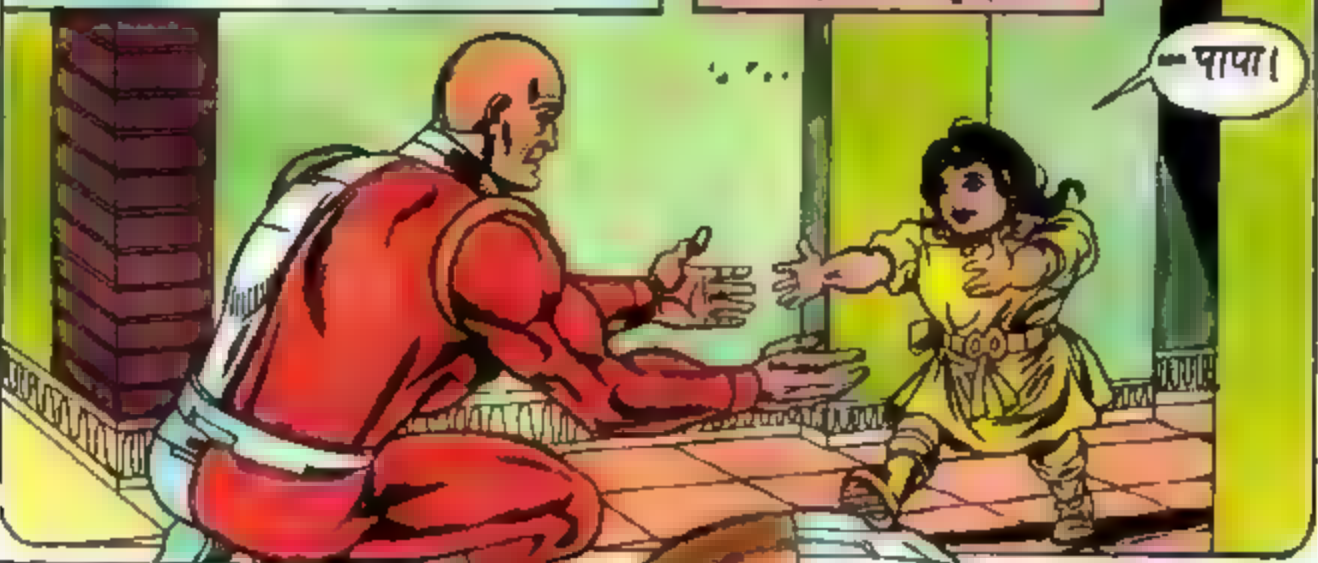




मैंने बदले की भावना में जलकर तुमको तुम्हारी माँ से दूर तो कर दिया था, लेकिन तुमसे मैं झगड़ मेरियन से भी ज्यादा प्यार करता था -

दुनिया मुझे अंतर्राष्ट्रीय आतंकवादी वैधमस्टर रोबो के जन्म से जानती थी। लेकिन तुम्हारे लिए मैं एक कुंसाब था। तुम्हारा...

-- पापा!



तुमको मैं उसी लहड़-प्यार से एक नोजुक, कोमल लहड़की की तरह पाल रहा था जैसे झायद तुम्हारी माँ तुमको पालती। एक फूल की तरह...

... लेकिन तभी, मुझको पेरिस जाना पड़ा। बर्दू आंसू में लेसर-आई फिट करवाने के लिए।



मेरी गैरहाजिरी में, मेरे छिप्टी चीफ ने मेरे आतंकवादी साम्राज्य पर कब्जा करने की कोशिश की, और उसने अपना मोहरा बनाया - तुमको। मेरी बेटी को -

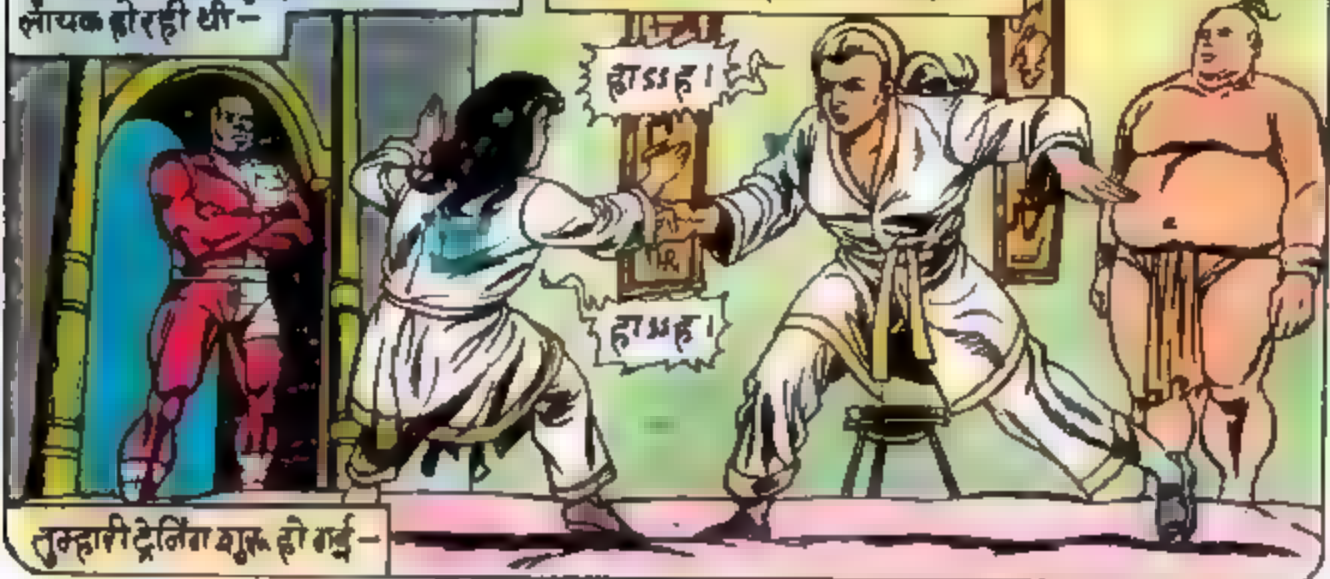
मैंने अपनी नई लेसर आई के जरिए तुमको बचती लिया, लेकिन इस घटना ने मुझे रोथ में डाल दिया -



मेरे कारण तुम्हारी जान कभी भी खतरे में पड़ सकती थी। और मैं हर वक्त तुम्हारे प्यार वहीं रह सकता था -

स्क ही रास्ता था। तुमको आत्मरक्षा के
गुर सिखाने का। तुम्हारी उम्र भी सीखने
लायक हो रही थी -

और मेरे पास, अलग-अलग तरह की लड़ाईयों के दांव-पेंच
सिखाने वाले कई उस्ताद मौजूद थे -



तुम्हारी ट्रेनिंग शुरू हो गई -

बैसे तो यह ट्रेनिंग सिर्फ
तुमको आत्मरक्षा सिखाने
के लिए थी...

...लेकिन समय बीतने के
साथ-साथ तुम्हारी खूबियां
सामने आने लगीं -

तुम्हारे किडोराकस्था में आते-आते मेरे गैंग में
स्क भी स्वसर्पट सेरा नहीं बचा था जिसने
तुम्हारे माता न स्वाई हो -



गैंग में सब तुम्हारी इज्जत करने लगे थे, और मेरे बाद
सिर्फ तुम्हारा ही दुकान मानने को तैयार थे -

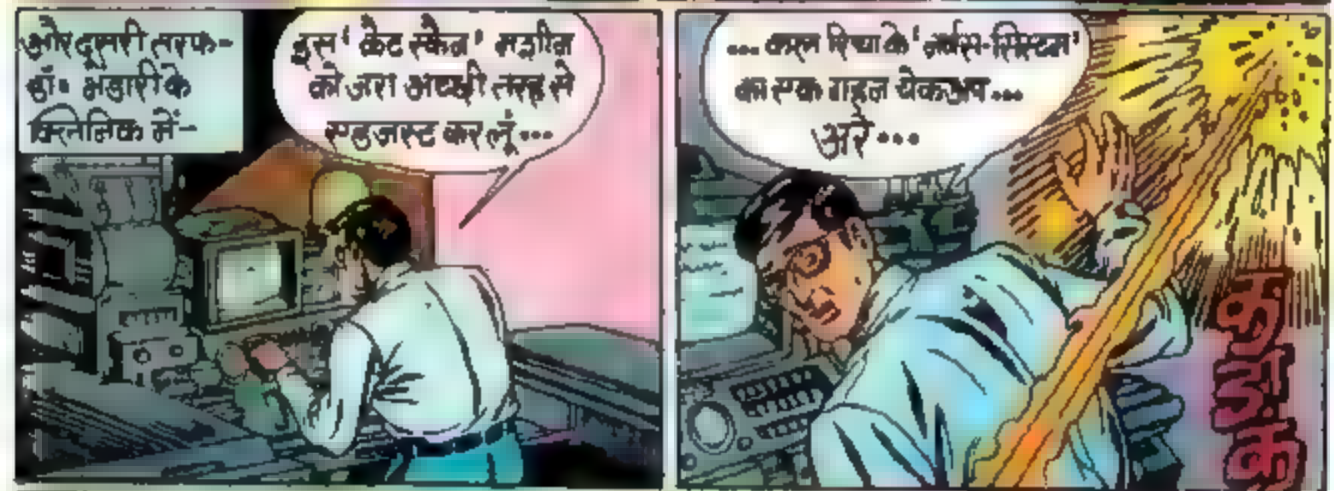
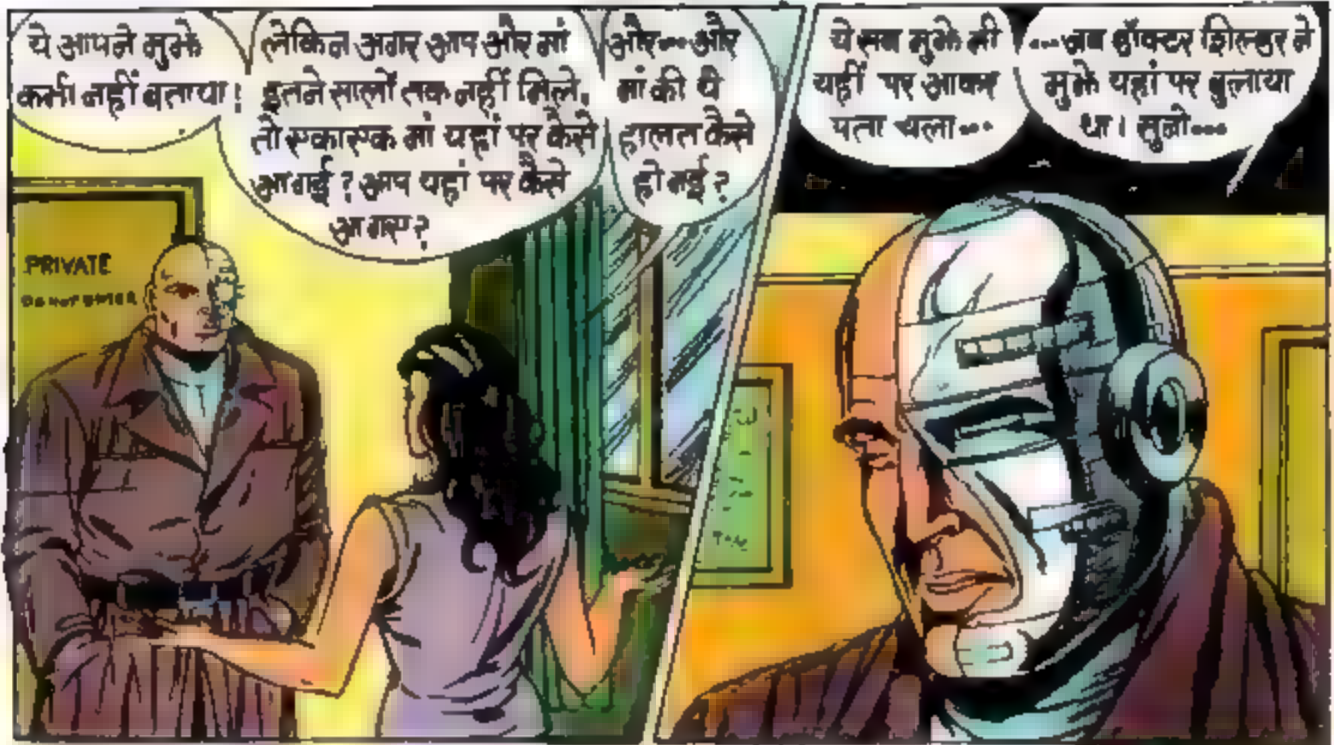
मेरे सामने और
कोई रास्ता नहीं था -

सबकी सर्जि के आगे
तुम्हारे झुकना ही पड़ा -

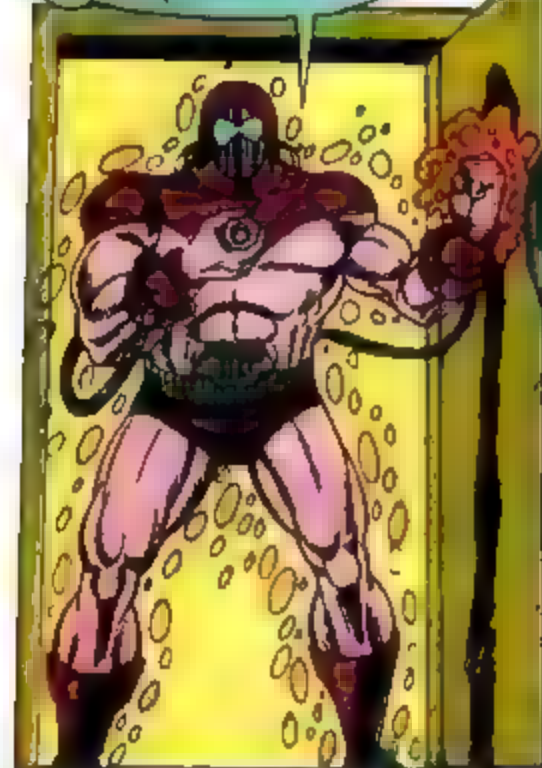


तुम युद्ध की सभी कलाओं में इतनी तेज
निकली, कि तुमने अपने उस्तादों को
ही मात देनी शुरू कर दी -

और तुम नलाझा से
बन गईं -
कमांडर नलाझा -

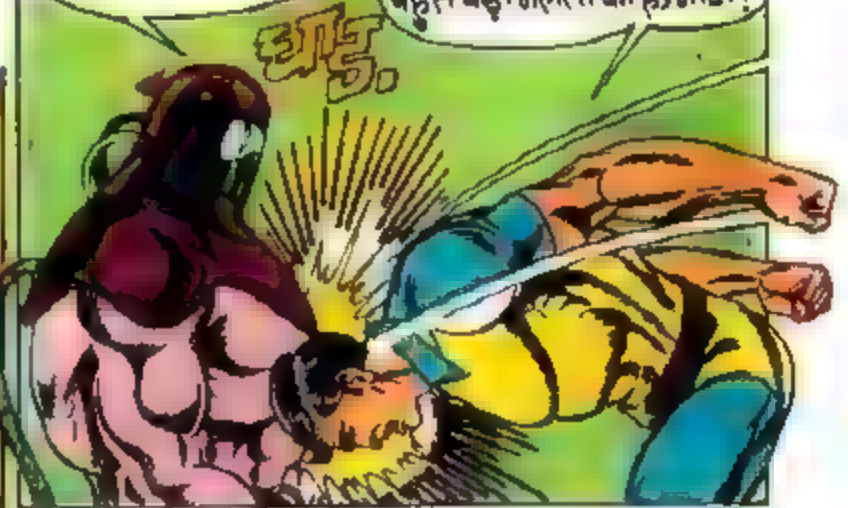


अब तू मुझसे नहीं बचेगा, भूत ! तुझे तो मैं लपुपा-लपुपाकर मारूंगा ! ले... मैंने अपनी 'सर्जरी-डील्ट' को बंद कर दिया है। अब आ।



आकर मार... मुझे। उफ़।

तुझे यह 'डील्ट' बंद करके बहुत बड़ी गलती की है, मांटो !



कोई गलती नहीं की है। फिर तुम्हारे घुंसों की बिसाल यह 'स्पेस-सूट' है। वैक्यूम ही क्या है, कहांही तक को सह सकता है।



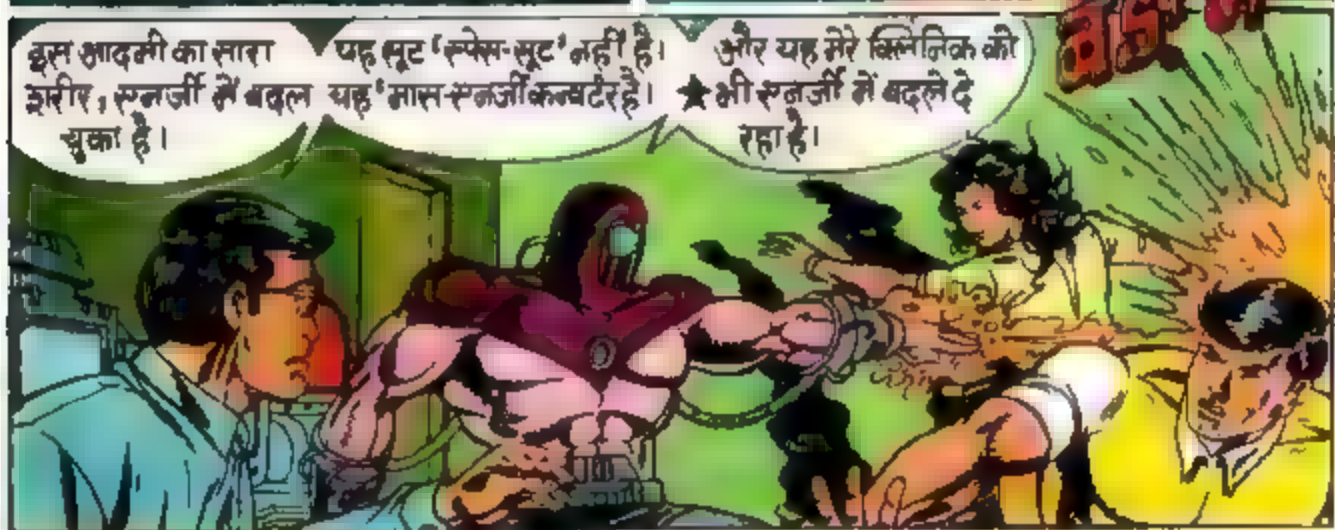
हम जो करना चाहते हैं, वह तू नहीं समझ पाएगा, मांटो !
ऐसे 'स्पेस-सूट' ताकत तो दे सकते हैं, लेकिन दिमाग नहीं दे सकते।



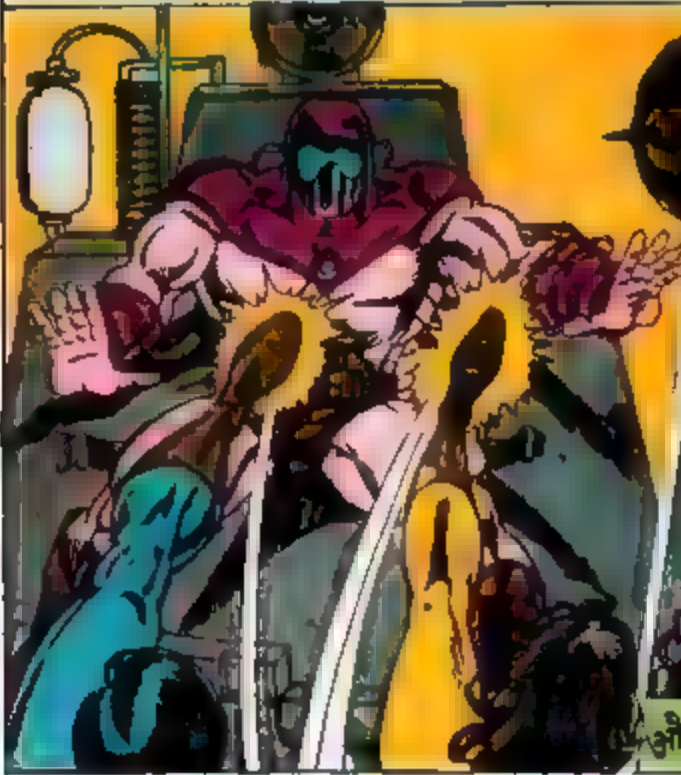
डॉक्टर भंडारी अचानक कुछ देखकर परेशान हो उठे—



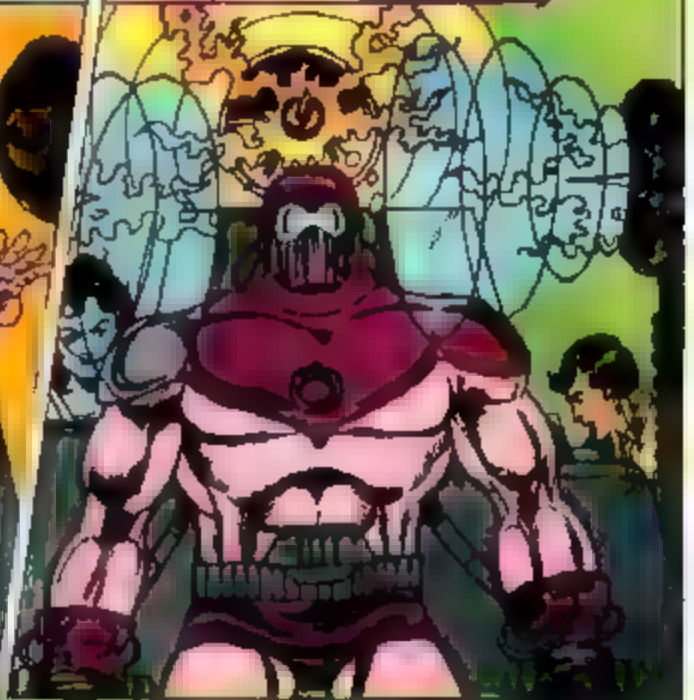
यह क्या है ?



और कुछ समय पहले से पहले ही मांटो, उस जाल में फँस चुका था, जो ध्रुव और रिचा ने उसके लिए बिछाया था—

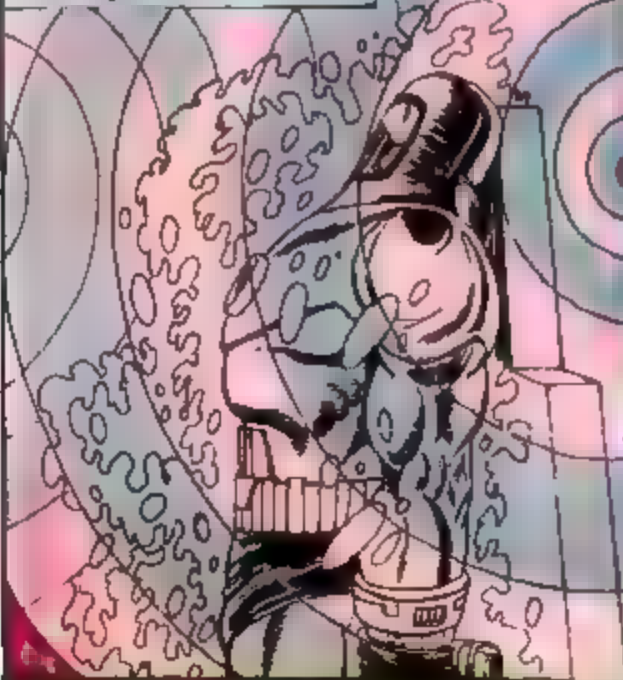


कुछ समय पहले से पहले ही रिचा ने मांटो के बदल को 'प्लेट' पर क्लिक दिया—



और ध्रुव ने 'मैग्नेटिक-रिसोनेटर' को ऑन कर दिया—

मांटो की सारी सज्जों, अब तीव्र मैग्नेटिक फील्ड के सज्जुत खोल में कैद थी—



मांटो अपनी रूपरेखा जेल में कैद हो चुका था—

यल्लो! एक सुसीबल लोडर हुई! अब...

ध्रुव! ध्रुव! यह आदमी अब आदमी नहीं है!



ये आप क्या कह रहे हैं, डॉक्टर भेंडारी? यह आदमी नहीं तो फिर क्या है?

इसका पूरा शरीर सज्जों में बदल चुका है. ध्रुव! उस ड्रस खोल में इसका शरीर, गुब्बारे में भरे पानी जैसा है।



ओह! यानी... अरे! मेरे स्टार-ड्रांसबीटर पर कोई जैसेज आ रहा है।

हेलो! ध्रुव बियर!



कैप्टन! मैं कैप्टेन करीम। पुलिस अस्पताल में भर्ती उस लड़के को होश आ गया है। उसने अपना बयान भी दे दिया है। उसके अनुसार--

करीम से उस लड़के का बयान सुनकर ध्रुव की आंखें पैराली चली गईं--

ओह! यानी यह नताशा को फँसाने की चाल थी। और इसके अलावा और सिंह भी इसमें शामिल था। इससे दो बातें साफ होती हैं। एक तो यह कि नताशा समझदार नहीं है...

... और दूसरी यह कि नताशा कर्तिल है। क्यों कि उस रात अमर सिंह उसी के फ्लैट पर गया होगा, नताशा को रोहो हाथों पकड़ने के लिए।



एक रात और है, ध्रुव...

पीटर का फोन आया था। फावर परेरा उसकी देखने डॉक्टर नर्सिंग होम गए थे उन्होंने वहाँ पर नताशा को डॉक्टर डॉक्टर के कमरे में देखा है...

... उसके साथ एक स्वतंत्रताक स आदमी भी था फावर परेरा चेहरा तो नहीं देख पाए, पर उसका चेहरा नेटल जैसी चमक मार रहा था।

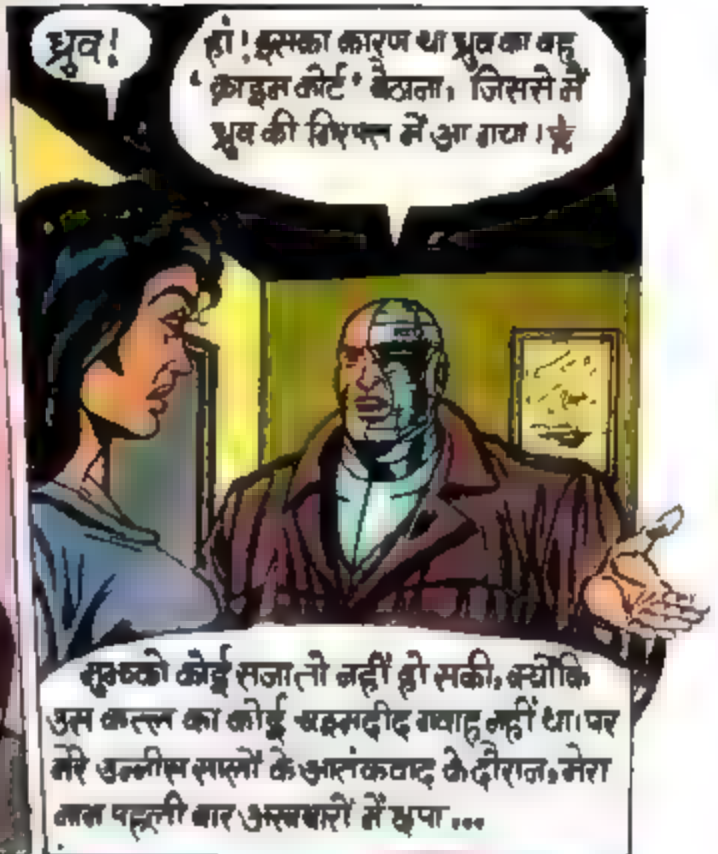


रोखो! यानी नताशा गैडमस्टर रोबो के साथ डॉक्टर डॉक्टर के नर्सिंग होम में है। पर क्यों? मुझे तुरन्त वहाँ पर जाना होगा।

रिचा! तुम यहीं पर रुककर मोटो पर नजर रखो। मैं थोड़ी देर में वापस आकर, इसको हिरासत में लेने का इंतजाम करता हूँ।



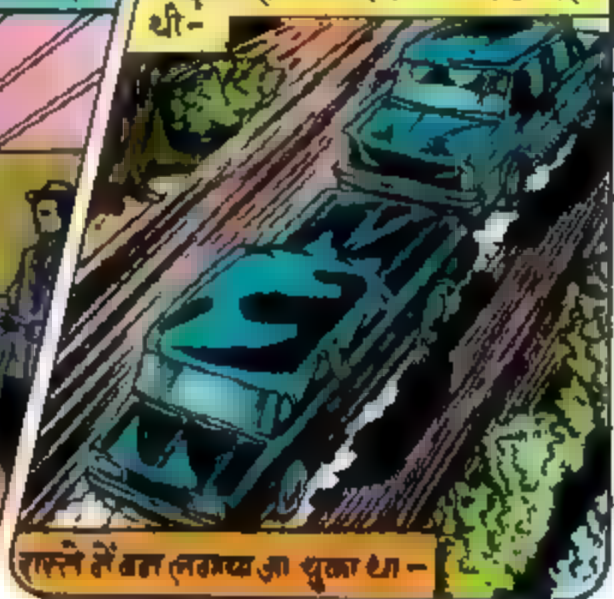
ओके ध्रुव!



मुझे न तो ये पता था कि मेरियन आ रही है...

...और न ही ये पता था कि रास्ते में, मेरियन और राजकुत में अच्छी जान-पहचान हो गई थी-

और वह सयरपोर्ट से, राजकुत की गाड़ी में ही बैठकर राजनगर आ रही थी-



रास्ते में वहां लगभग आ चुका था -

जिसकी इंतजार था, राजकुत की कार का-



मैंने मेरियन को तब देखा, जब मैं कार के पास यह पकड़ करने गया कि काम हो गया है-



कुछ पलों के लिए मैं इतना स्तब्ध रह गया कि मुझे पता ही नहीं रहा कि मैं किसी स्वतंत्रताक जहाज पर खड़ा हूँ, और कभी भी पकड़ा जा सकता हूँ-



कहाती, समाप्ति की ओर बढ़ रही थी -



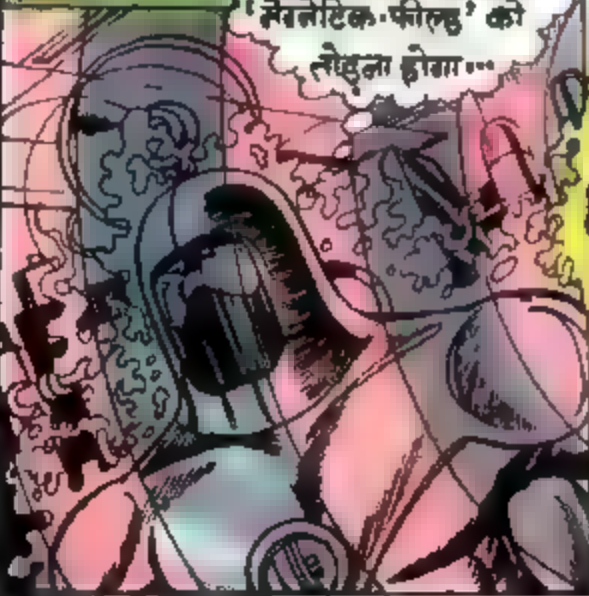
अच्छा हुआ मांटो ने मेरी मोटरसाइकिल का कचरा बना दिया। वहाँ उसने अस्पताल तक पहुँचने में देर हो सकती थी... ये तरीका ज्यादा फिट है।

मुझे बैटमैन से मिलकर ये तरीका ईजाजत करने के लिए, मुझिचा अडा करना चाहिए।

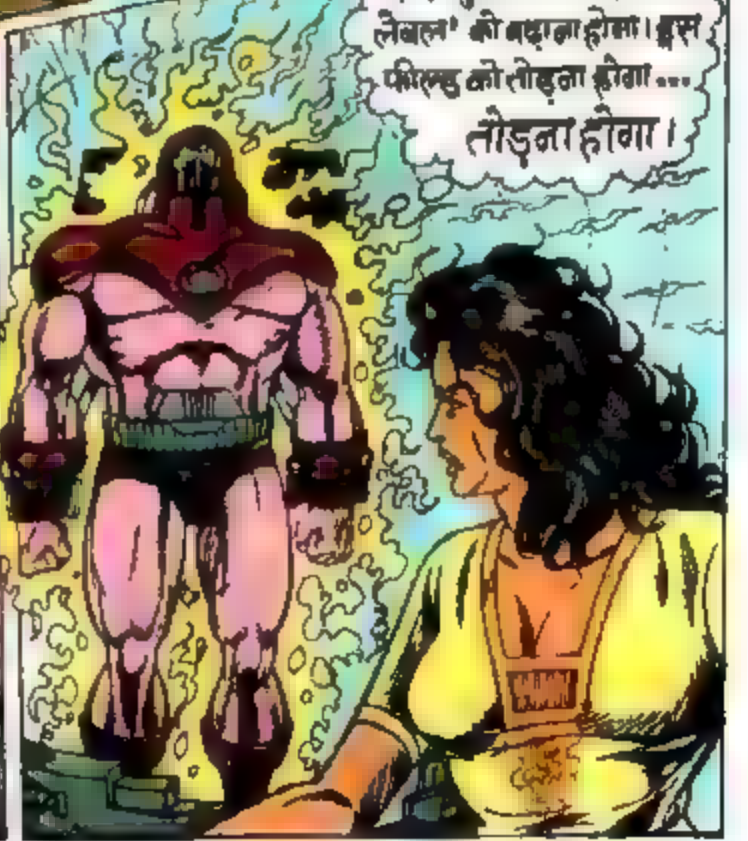


... और उसके लिए तुम्हें अपने 'सुपर-लेवल' को बढ़ाना होगा। इस फील्ड को तोड़ना होगा... तोड़ना होगा।

मांटो ने अभी तक हार नहीं मानी थी-



ये 'मैग्नेटिक-फील्ड' मेरी ऊर्जा को बाहर निकालने नहीं दे रही है। मुझे इस 'मैग्नेटिक-फील्ड' को तोड़ना होगा...



कमांडर नताशा

तोड़ना होगा!



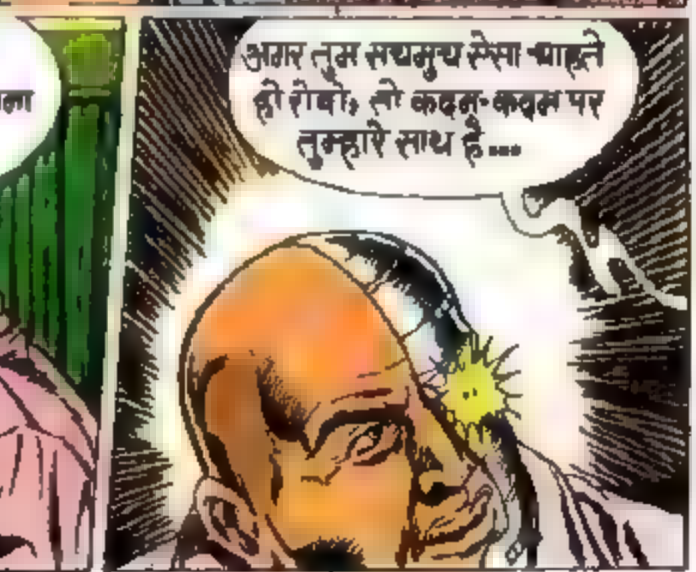
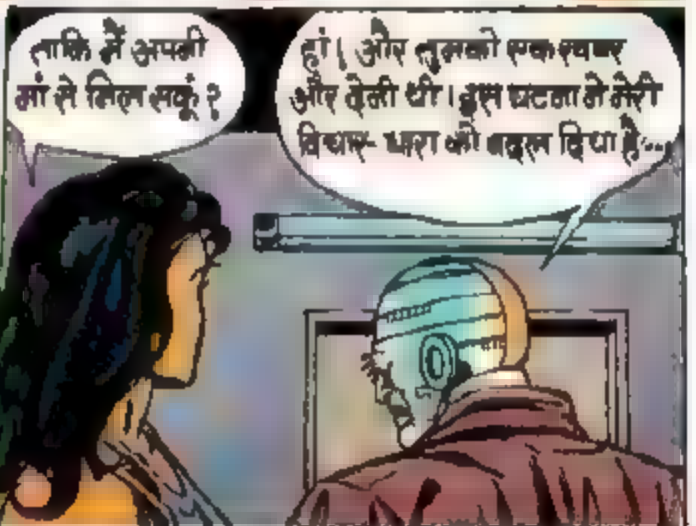
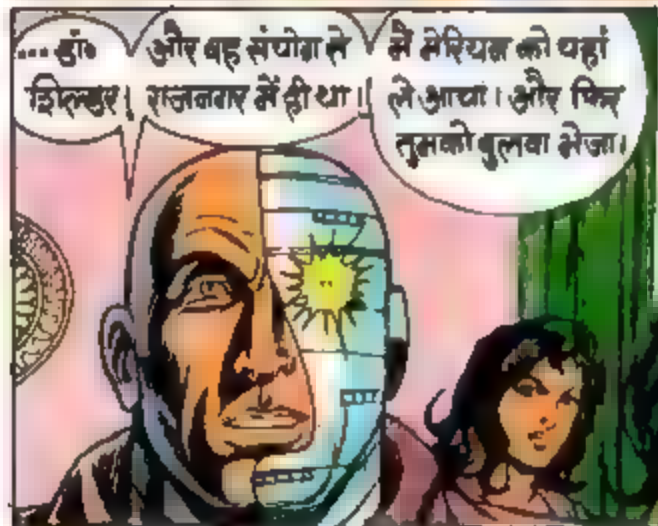
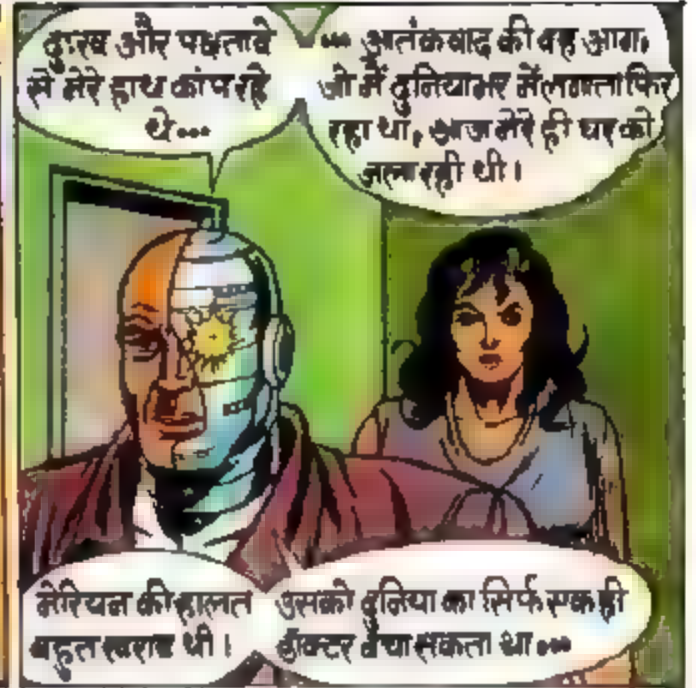
वह डॉक्टर डिल्लर के नर्सिंग-होम
में गया है। अब उसी नर्सिंग-होम
में कब्र बनेगी...



— सुपर कमांडो भुवकी —

आ गया डिल्लर
नर्सिंग-होम।







गुरुबोय ।



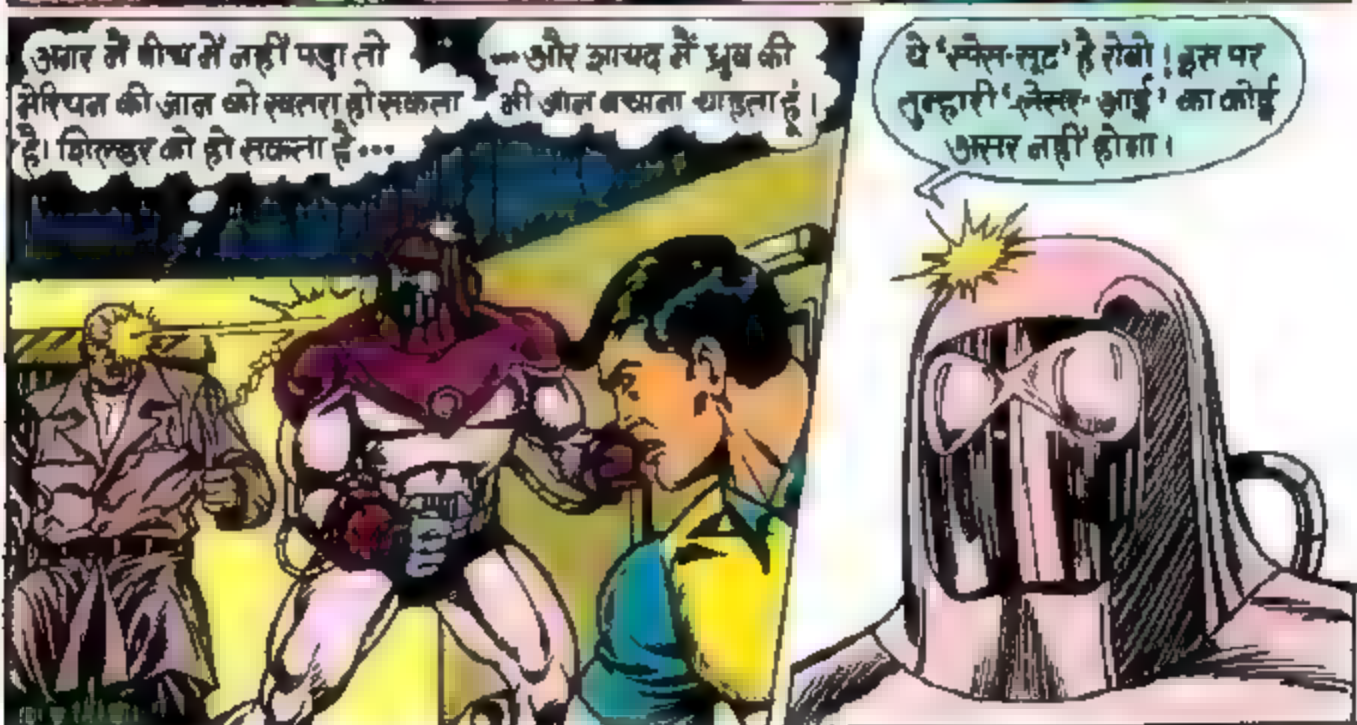
मरीजों की जान
स्वतरे तों पहुँचावनी।

ये मामला मेरे और ध्रुव
के बीच का है। तुम दोनों
मत अड़ोओ।



—और आसद मैं ध्रुव की
की आज बख्शता था हुनाहं।

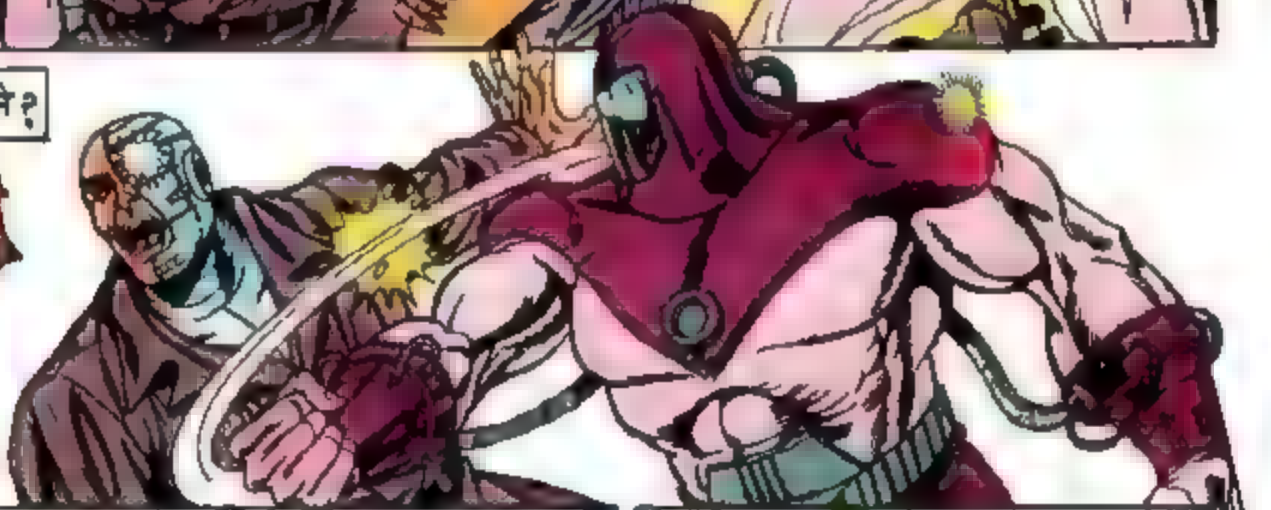
ये 'स्पेस-सूट' है रोबो ! इस पर तुम्हारी 'स्पेस-आई' का जोई असर नहीं होगा ।







तबार कैसे?



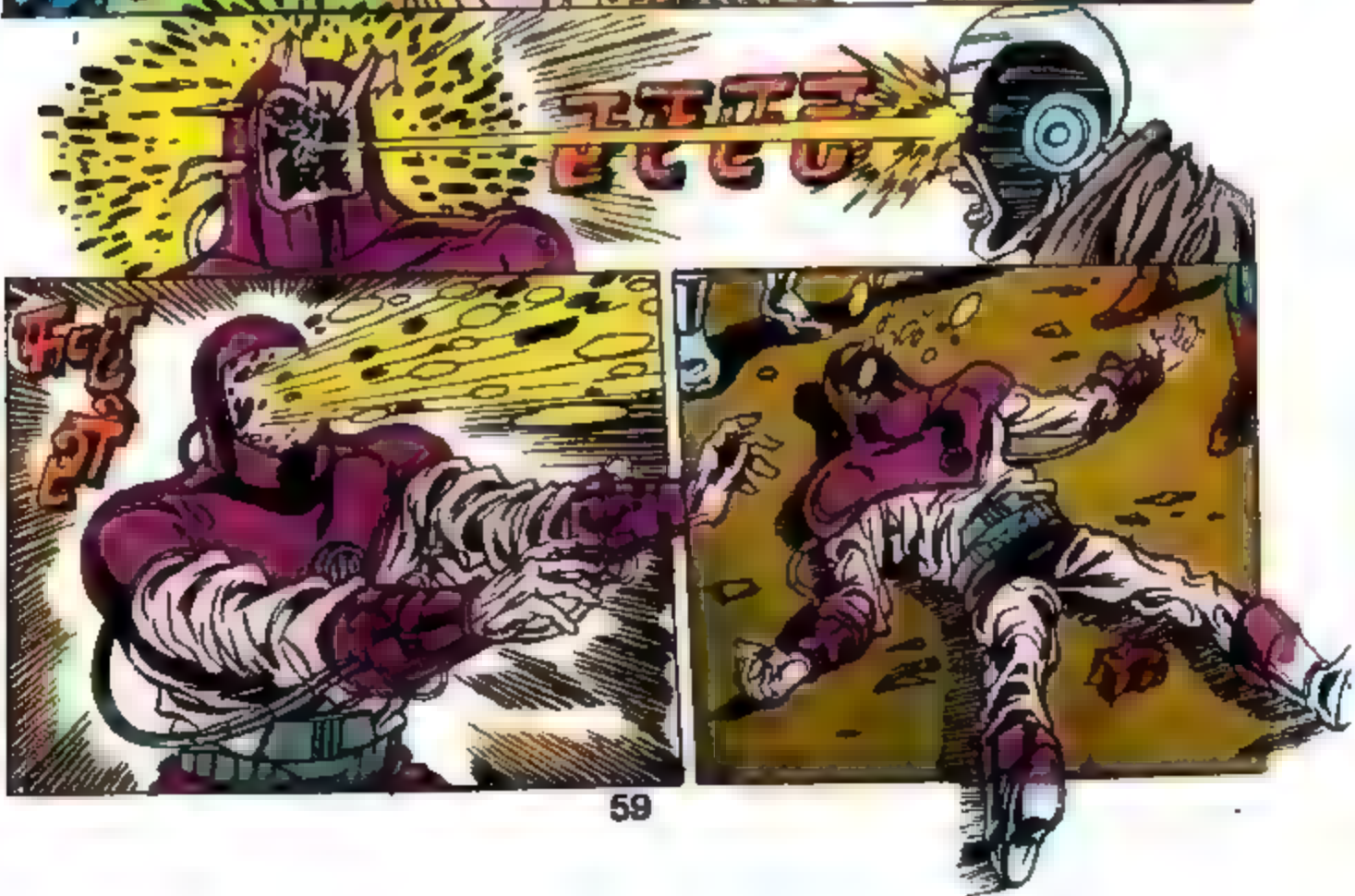
इसके 'स्पेस-सूट' पर तुम्हारा लेसर बेऊँकर है, रोबी। लेकिन इसके चेहरे पर लगा 'वाइज-कीका' इतना मजबूत नहीं लगता...

...अब तुम उस वाइज-कीका को तोड़ सकोगे तो सगर्जों का बना इसका कारीर, बाहर हवा में उड़ जायगा।

लेकिन ऐसा मैं कैसे कर सकला हूँ?

मेरे वर करते ही यह अपना सूट सगर्जों का बना लेता है। और मेरा लेसर ब्लॉक आर-पाए हो जाता है।









सज्जार मौत

सुपर कमांडो ध्रुव

राज कॉमिक्स विशेषांक
सज्जार मौत



by अलुप

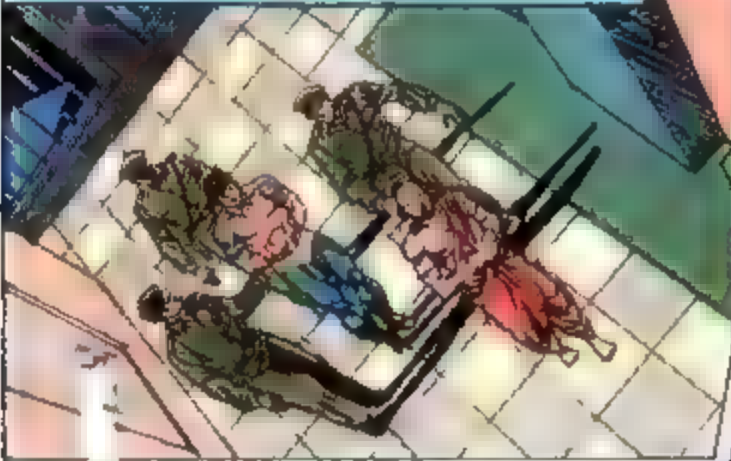
जब रात खत्म होने वाली होती है, और सुबह की रोशनी फूटने लगती है...

... तो जेल की काल कोठरी के बाहर बूटों की पंचायतें गुंजने लगती हैं...

... फांसी की सजा पाए कैदी को काल कोठरी से बाहर निकालकर...

... क्योंकि यह समय होता है...

... उसको जिल्लगी के आखिरी सफर पर ले जाते का-



जिस फर के आखिरी क्षण पर इंतजार कर रहा होता है मौत का दूत-



जो कैदी के चेहरे पर
थेली पहनाते की कोशिश
करता है...

...और मजा करने पर
हटा भी लेता है-



क्योंकि कुछ मौत की सजा पाए कैदी, मौत की
सामने देखकर सरला ज्यादा पसन्द करते हैं-

जल्लाद, फंदे को चैंक करके कैदी की गर्दन में
छाल देता है-



लीवर खिंचता है...



... और कैदी का शरीर, गर्दन से कुछ पल गूलने के बाद ...



— तड़पकर झंझ हो जाता है —



अच्छा है! अच्छा है!
अच्छी फिल्म बलाई है।
लेकिन इसका मतलब
क्या है?—

— और तुमने अब तक यह भी नहीं
बताया कि तुम हो कौन?

जुर्म की अंतर्राष्ट्रीय दुनिया
मुझे 'स्कीमर' कहती है, बाकी!
क्योंकि मैं दुश्मन की गोलियों से
नहीं, बल्कि अपनी स्कीमों से
मारता हूँ...

... जो कैसेट अभी
तुम देख रहे थे, वह
तुम्हारे लिए रचनात्मक रूप से
बलाई गई स्कीम है। और
इस स्कीम का नाम है...

सजाए मौत

कथा एवं चित्र: अनुपम सिंह: इंकिंग: विनोद कुमार: संपादक: मनीष गुप्ता:

ओह! तो तुम बिना मुझसे मिले यह भी जान गए कि मुझे काम क्या है? पर कैसे?

स्कीयर जब कोई काबू हाथ में लेता है, तो सबसे पहले अपने 'क्लासंट' यानी मुखकिल की धातवीन करता है और फिर डिक्कार की...

पर तुमने यह नहीं बताया कि तुम यहां आर कैसे?

तुमने 'इंटरनेशनल क्राइम-सिंडिकेट' से एक पेड़ोवर इन्चार्ज भेजने के लिए संपर्क किया था! और उन्होंने मुझको भेजा है!

... मैंने काम हाथ में लेते से पहले तुम्हारी धातवीन की थी, और फिर 'हां' कहा था!

तुम अभी तक यह नहीं समझ पाए बाकी कि ध्रुव को शोलियों से मारने की कोशिश करोगे, तो रघुद मारे जाओगे...

... दुश्मन को हमेशा उसकी कमजोरी से मारा जाता है! और सुपर कमांडो ध्रुव की कमजोरी, कानून के प्रति उसकी वफादारी है।

ओह! मैं तो अत्याधुनिक हथियार हाथ में लिए, आदमियों की सोच में बैठे था!

आइडिया तो करोड़ों का है, लेकिन ये होरा कैसे?

अगर तुम ये जान जाओ तो तुमकी भी बुनिया स्कीयर नाम से बुलाते लगेगी...

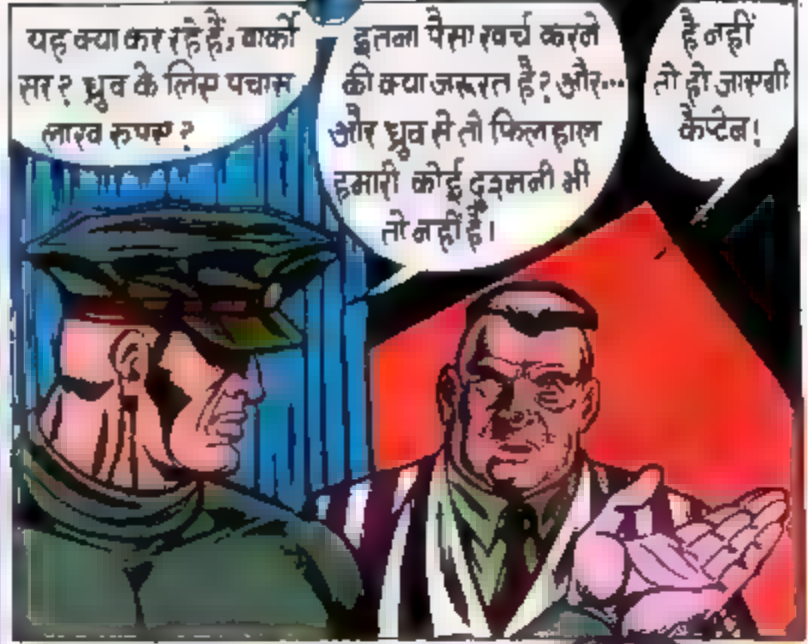
अगर कानून, सुपर कमांडो ध्रुव की मौत की सजा सुना दे तो ध्रुव उससे लड़ने की कोशिश कभी नहीं करेगा।

... काम कैसे करना है, यह तुम स्कीयर पर धोखे दो...

... और तुम मेरी फीस का इंतजाम करो, पचास लाख रुपए।



बुडनाइट बार्को !
अभी मुझे ध्रुव पर
कुछ और जानकारी
इकट्ठी करनी है।



यह क्या कर रहे हैं, बार्को
सर ? ध्रुव के लिए पचास
लाख रुपय ?

इतना पैसा खर्च करने
की क्या जरूरत है ? और...
और ध्रुव से तो फिलहाल
हमारी कोई दुश्मनी भी
तो नहीं है।

है नहीं
तो हो जासकी
कैप्टेन !

वह जल्दी ही होश में आकर सब-कुछ उगल
देगा ! नत्ताशा भी निर्दोष साबित हो जसगी और
तुम्हारा नाम सुनते ही ध्रुव यह समझ जाएगा
कि इन सब हादसों के पीछे मेरा ही हाथ है।



तुमकी वह लड़का याद
है न, कैप्टेन, जिसके हाथों से
तुमने हेरोइन से भरा वीडियो
कैसेट नत्ताशा के पास पहुंचाया
था, ताकि इंस्पेक्टर इमरान सिंह
नत्ताशा को रंगे हाथों पकड़ ले...
वह लड़का इस वक्त पुलिस
हिरासत में है ! ★



उस लड़के पर
कड़ा पहरा है !

उस तक पहुंचकर उसकी
हमेशा के लिए स्वाभोग्य कर पाना
लगभग असंभव है !



अब ध्रुव सब-कुछ जान
ही जाएगा ! और फिर उससे
मेरा बच पाना असंभव
होगा !

अब एक ही रास्ता है कि
सब-कुछ जानने से पहले ही
उसकी रास्ते से हटा दिया
जाय !

अभी ध्रुव असावधान होगा !
उसकी ख़ात करने का यही मौका है !

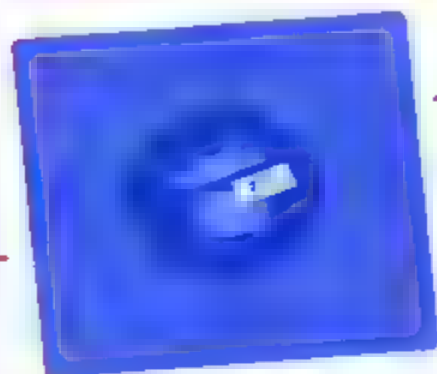
इसीलिए मैंने
स्कीसर की यादों पर
बुलाया है !

★ यह कहानी जानने की पढ़ें 'कलांदुर नत्ताशा' और 'मौत के चेहरे' ।



Tez

money made simple



Invite your friends to Tez

You'll each get ₹51 when your friend
sends their first payment

From Team Tez



OFFER DATES

Offer expires 31 March 2019

DETAILS

Invite anyone to Tez and you each get ₹51 when
they make their first payment



बार्की का हार
बेबुनियाद नहीं था...

... क्योंकि जैसे-जैसे दिन बीतते जा रहे थे,
उस लड़के के बचने की संभावनाएं बढ़ती
जा रही थीं-

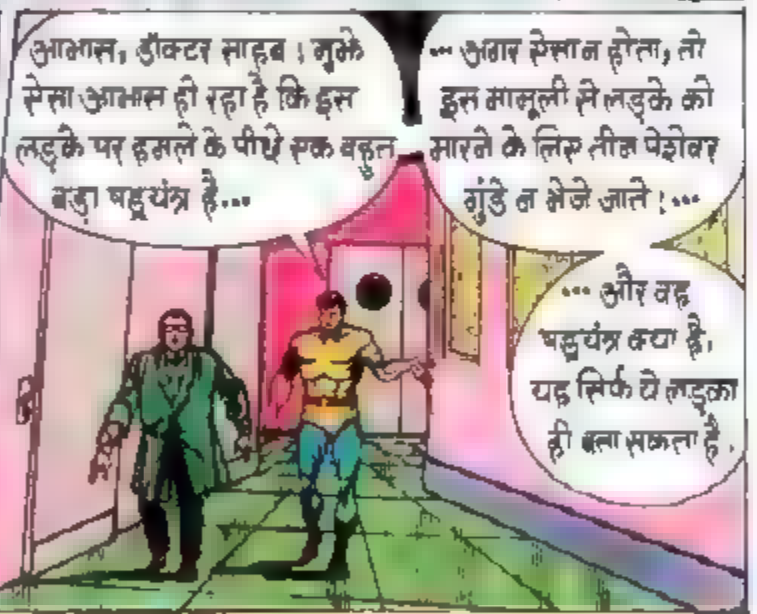
ये अधूरा
बचान देकर फिर बेहोश
हो गया है, ध्रुव...

... एक दो दिनों
में इसे पूरी तरह से होश
आ जाएगा !...



लेकिन मुझे यह नहीं समझ
में आ रहा है कि इस मामूली से
आदमी के लिए इतनी
सुरक्षा व्यवस्था क्यों
है ?...

... और तुम्हारे जैसा
व्यस्त आदमी इसमें
इतनी दिलचस्पी क्यों
दिरवा रहा है ?



आभास, डॉक्टर साहब ! मुझे
सेसा आभास हो रहा है कि इस
लड़के पर हमले के पीछे एक बहुत
बड़ा षड्यंत्र है...

... अगर ऐसा न होता, तो
इस मामूली से लड़के की
मारने के लिए तीन पेशेवर
गुंडे न भेजे जाते !...

... और वह
षड्यंत्र क्या है,
यह सिर्फ ये लड़का
ही बता सकता है !



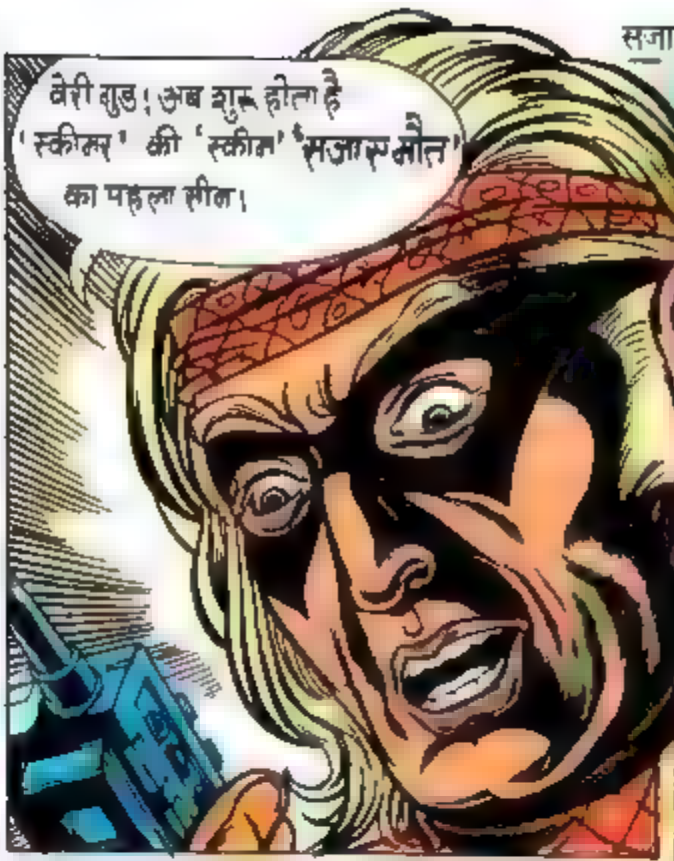
खैर, अभी तो मैं चलाता हूं ! मुझे घर आकर
कुछ जरूरी सामान लेना है और फिर रात की
गश्त पर निकलना है !

ध्रुव इस बात से
बेखबर था...

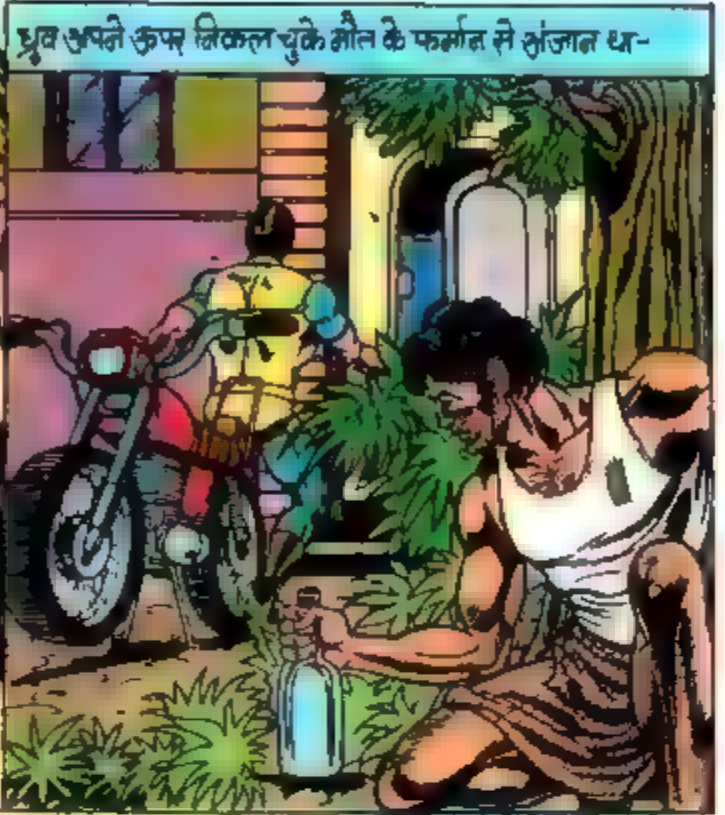


... कि उसकी हर एक हरकत पर तजर रखी जा
रही थी-

हेली ! स्जेंट X-2 बील
रहा है ! पुलिस हॉस्पिटल से !
ध्रुव यहां से घर आ रहा है !
फिर वहां से रात की गश्त पर
निकलेगा !



बेरी गुड! अब शुरू होता है
'स्कीम' की 'स्कीम' 'सजाए मात'
का पहला सीन।



ध्रुव अपने ऊपर निकल चुके मौत के फर्मान से अंजान था-



ओह! रास्ते में
अंत खड़ी रहा कर
इवेता!

ओफ! मैं रास्ते में नहीं
खड़ी हूँ। तुम अपने बदल
की गाड़ी हालत साइड से
निकाल रहे हो!

वैसे क्या मैं पूछ सकती
हूँ कि ये आंधी की तरह घुसकर
तूफान की तरह कहाँ जा रहे हो?

मुझे कुछ जरूरी सामान लेकर
रात की गड़बड़ पर अज्ञात है, इवेता।

ओह! तो फिर निकल रही है
राजकुमार की सबारी आकाशवाणी
के लिए!



आपारा!
मैं आपारा
हूँ?

हम! रात-रात भर बाहर रहने वाली को,
कम से कम अच्छा बच्चा तो नहीं
कहा जा सकता!



लम्बता है आज फिर तेरी पिटाई का मुहूर्त...

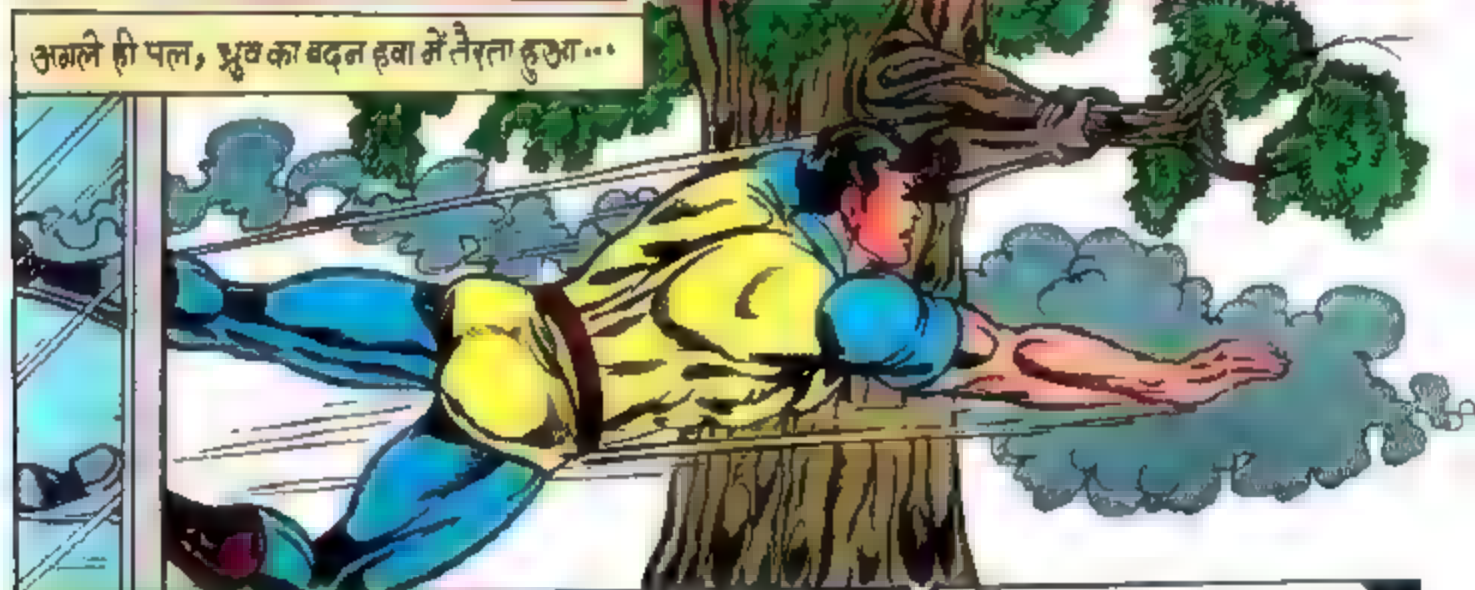
...अरे! ये चिड़िया सिवुकी के झोड़े को क्यों ठकठका रही है?



शायद ये मुझे कोई मैसेज... अरे! ...

... वह आदमी मेरी मोटरसाइकिल के पास क्या कर रहा है?

अगले ही पल, भूख का बदन हवा में तैरता हुआ...



... अपने शिकार से जा टकराया-

आह! माफी, माफी दे दो, बाबूजी!

म... मैं घोर नहीं हूँ, बाबूजी! मजदूरी करता हूँ। दो दिनों से कहीं मजदूरी नहीं मिली! बच्चा भूख से बिलख रहा था... मुझसे देरवा नहीं गया...



मैं चोरी के इरादे से निकला था, पर हिस्मत नहीं पड़ी। यहां आपकी मोटरसाइकल देवी, तो दीवार फांदकर पेट्रोल चुराने के लिए आ गया। बस यही मेरा कुसूर है सरकार! चाहें तो हथकड़ी लगा दें!

नहीं! यह चोरी तुमने मजबूरी के कारण की है। अभी मैं तुमको सिर्फ चेतावनी देकर छोड़ रहा हूँ।

इसने मेरी मोटरसाइकल का सारा पेट्रोल नीचे गिरा दिया है। अब इसमें सिर्फ इतना ही पेट्रोल बचा होगा कि यह पेट्रोल पंप तक जा सके। स्वेर, पेट्रोल भरवाकर रात की गरजत पर ली जाना ही है।



सजाए मौत की शुरुआत हो चुकी थी-

सर्जेंट X-4 हिचर!

मैंने उसकी मोटरसाइकल का पेट्रोल निकाल दिया है। अब वह पेट्रोल भरवाने जा रहा...

... और पेट्रोल

भरवाने के लिए वह उसी पेट्रोल पंप पर जाएगा, जिस पर वह हमें ड्रा जाता है...

... और वहां पर उसका इंतजार करेगा... स्कीकर! ओ के 0 X-4! ओवर!



यह पेट्रोल पंप, ध्रुव का फेवॉरिट इसलिय था क्योंकि घर के पास होने के साथ ही, वहां पर रात के वक्त ज्यादा भीड़ नहीं होती थी-





मुझे पहले इनकी ऑटोमैटिक
बंदूकों का रुख, पेट्रोल पंप से
उल्टी दिशा में मोड़ना होगा...

... गंगाराम, कैश से
भरा बैग मुझे दे दो ! मैं
इन तक वह कैश पहुंचा
दूंगा !



मर गया
रे !

अगर यह गंगाराम का बच्चा पहले मुझे
पेट्रोल दे देता, तो अब तक मैं इस पेट्रोल पंप
से बाहर निकल चुका होता ! अभी तो यहां से
हिलना भी सेहत के लिए नुकसानदायक हो
सकता है !



लाओ ! लोटों से भरा
बैग इधर दे दो !



लेकिन भुव ने बैग देने के बजाय ...

बंदूकों का रुख बाहर की तरफ मुड़ गया-

... पेट्रोल पंप से बाहर की तरफ छलांग लगा
दी-

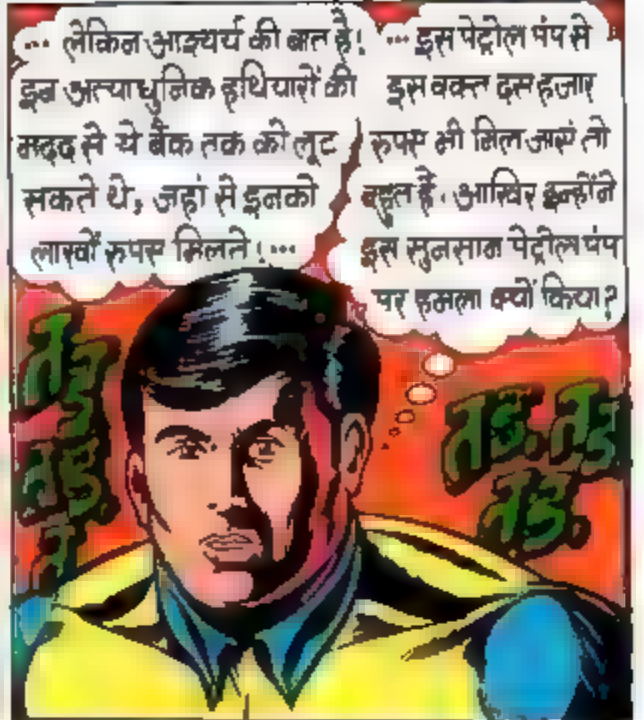


और वातावरण गोलियों की तड़तड़ाहट से गूंजने लगा-



मेरा इस मोलियों की बौद्धिक की
पेट्रोल पंप से दूर खींचने का प्लान
तो सफल हो गया ।...

... अब इनके हाथों
से इन ऑटोमैटिक
इंधियाओं की अलगा
करता है ...



... लेकिन आश्चर्य की बात है ! ... इस पेट्रोल पंप से
इन अत्याधुनिक इंधियाओं की इस वक्त दस हजार
रुपय से ये बैंक तक की लूट
सकते थे, जहां से इनको
लाखों रुपय मिलते !...

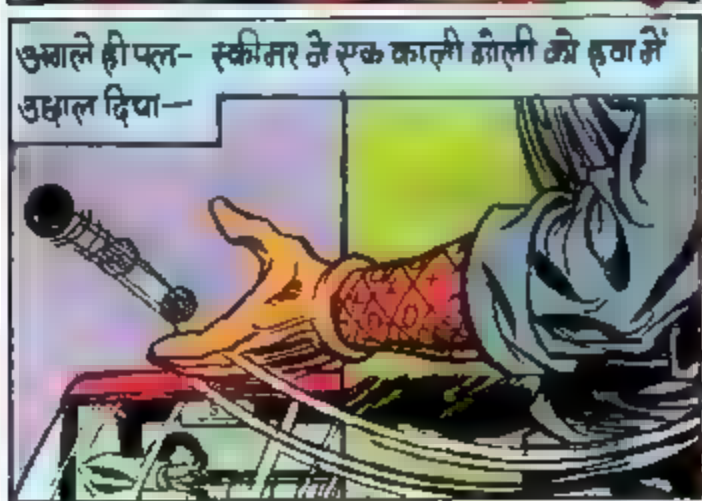
इस वक्त दस हजार
रुपय ही मिल जायें तो
बहुत है ! आखिर इन्होंने
इस सुनसान पेट्रोल पंप
पर हमला क्यों किया ?

कारण यहाँ पर
खड़ा था—

सब-कुछ प्लान के हिसाब से
जा रहा है ! लेकिन इस वक्त एक
और मौका मेरे हाथ लग गया है...

... भुव की मोटर साइकल की
पेट्रोल की टंकी का टक्कन
खुल चुका है...

... यह मेरे ओरिजिनल प्लान
में तो नहीं था ! लेकिन शायद
यह तरीका काम कर ही जाए !



उसाले ही पल— स्कीमर ने एक काली गोली को हवा में
उछाल दिया—



जो अचूक निशाने की तरह सीधे मोटर साइकल के
पेट्रोल टैंक के छेद के किनारे से लड़ती हुई टंकी में जा
गिरी—

वाह! यह काम तो हो गया! अब मुझे इंतजार है भुव के हमले का! अब तक मैंने उसे इतना मजबूर कर दिया है कि वह उसी चीज का इस्तेमाल करेगा, जिसका मैं चाहता हूँ --

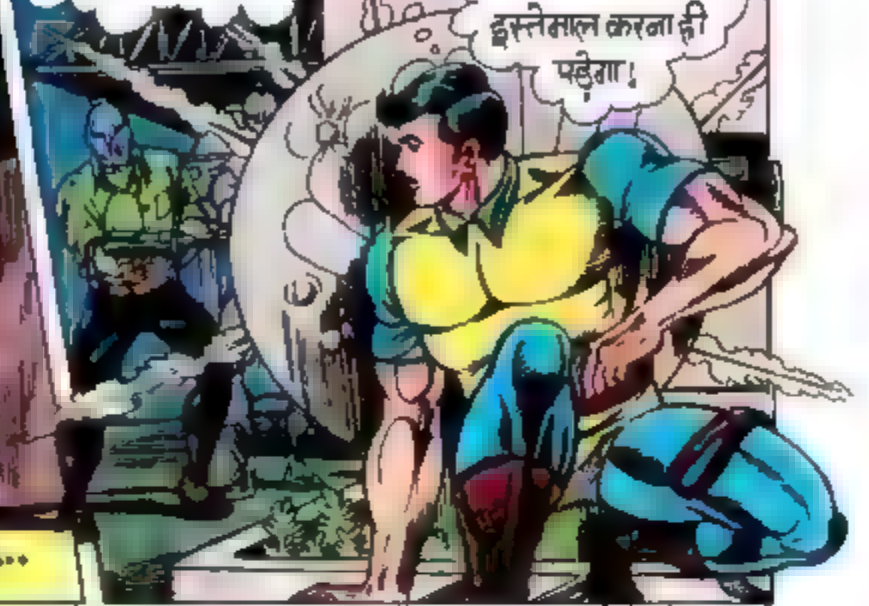


स्कीमर ने सचमुच भुव को इतना मजबूर कर दिया था...

... कि वह 'स्टार-ब्लेड' का इस्तेमाल करने पर विवश हो गया था-

अगर इनके हाथों में सभूली बंदूकें या रायफल होतीं, तो मैं इनको ऐसे ही रोक लेता! ...

... लेकिन इन स्वचालित हथियारों के लिए मुझे अपने 'स्टार-ब्लेड' का इस्तेमाल करना ही पड़ेगा!



अबाले ही पल- स्टार ब्लेड रुका में उड़े --



... गुंडों ने बचने की भरसक कोशिश की-





लेकिन लुटेरों की हर आवाज़ कदम का आभास पहले से ही था -



वे ध्रुव के लिस तैयार थे -



और अक्सर ऐसी लड़ाइयों में उसे दूतरा कर नहीं कर सका पड़ता था -



लेकिन ध्रुव भी ऐसे गूंथों के लिस कई सालों से तैयार था -





ध्रुव, मेरे आदमियों के साथ लड़ने में व्यस्त है, और बाकी सभी उसे देखने में!...

... यही मौका है अपना काम कराने का!



इधर ध्रुव ने अपना आखिरी कार किया...

... और उधर- एक स्टार-ब्लेड रवमोड़ी के साथ हवा में सनसला उठा-

निशाना सटीक था-



अक!

खु

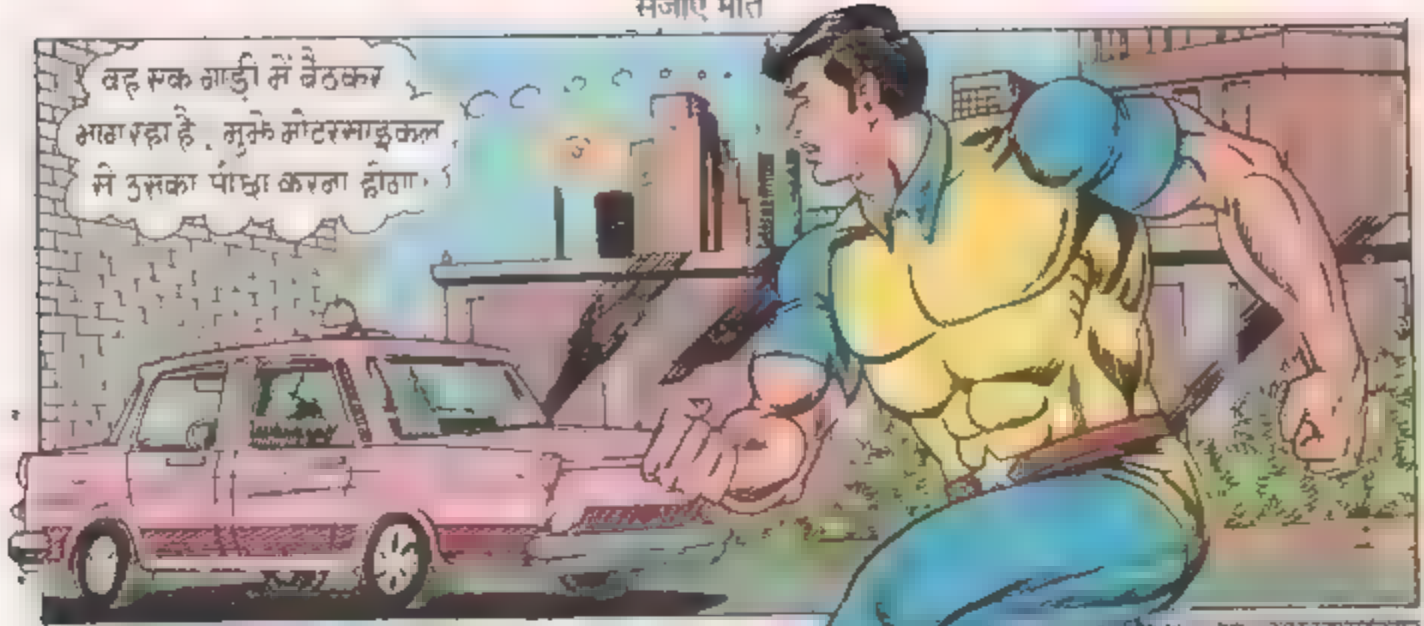
और इससे पहले कि ध्रुव का ध्यान इस हादसे की तरफ जा पीला, एक दूसरी हरकत ने उसका ध्यान अपनी तरफ खींच लिया-

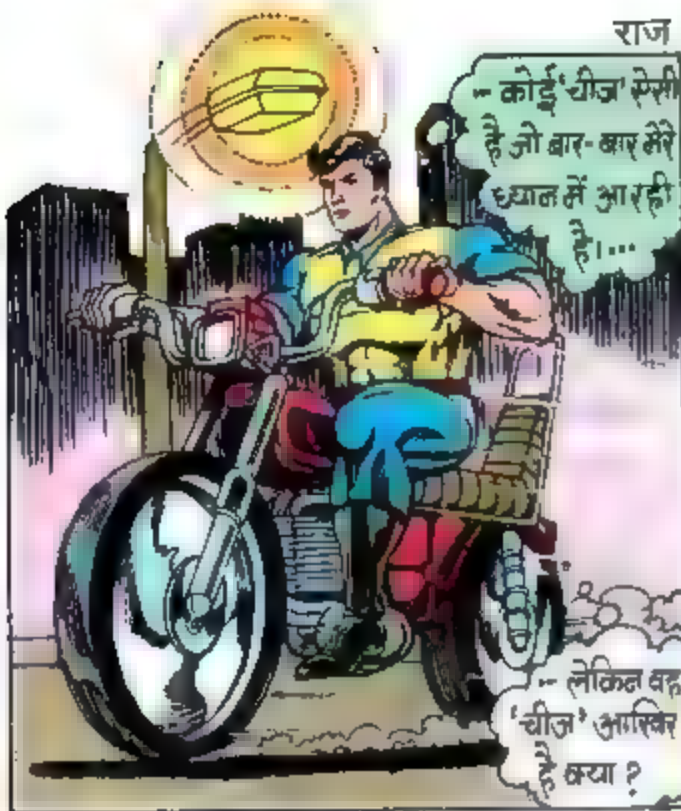
निशाने की चिल्लाते तक का मौका नहीं मिला-



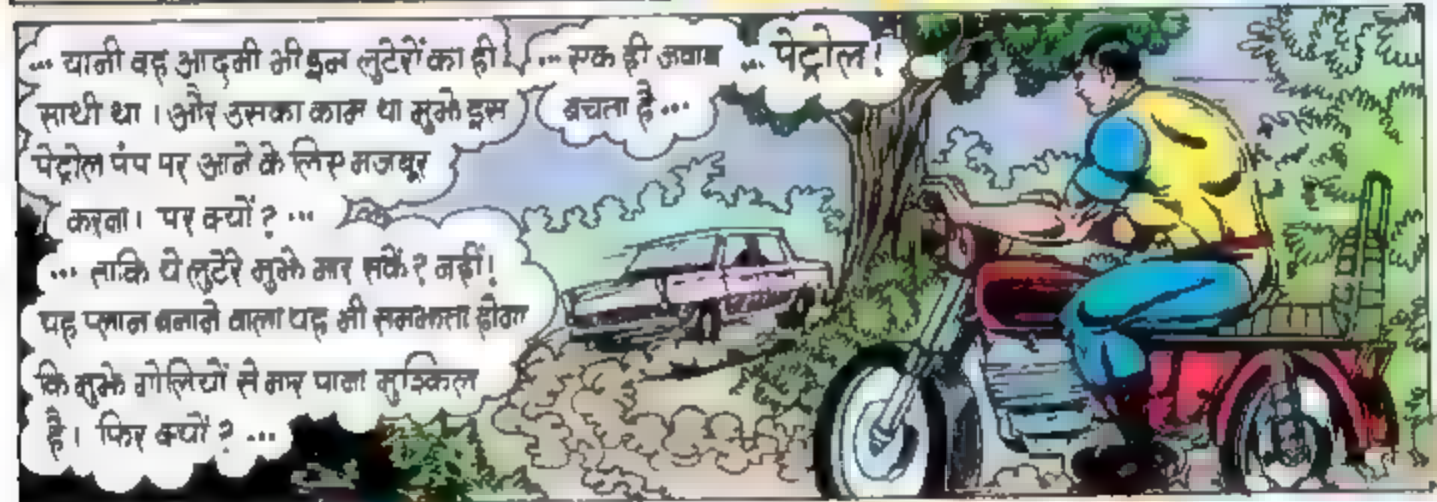
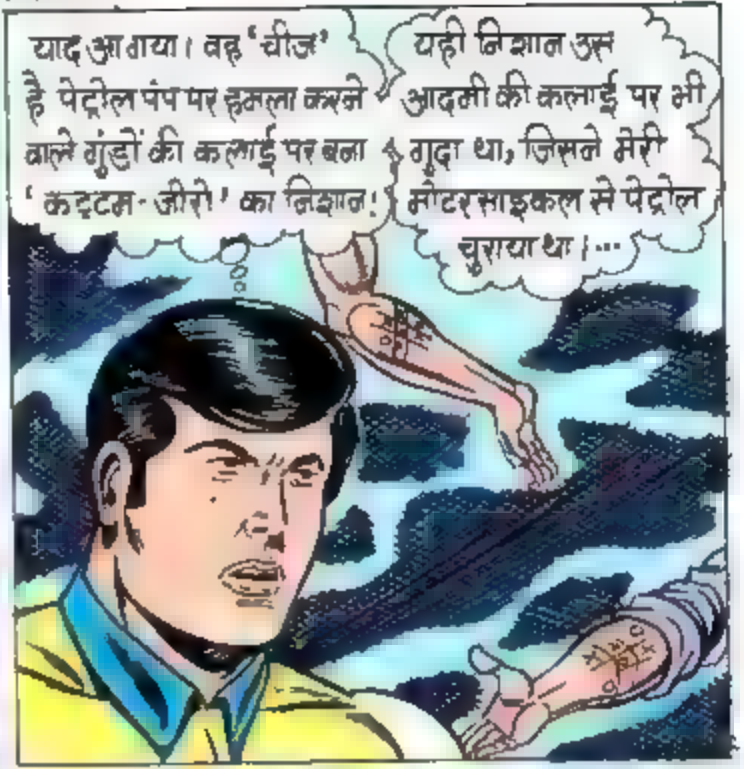
से! कौन ही तुम? रुक जाओ!







... लेकिन वह 'चीज' आखिर है क्या ?



... टंकी के छेद के बगल में यह कोलतार कैसा लगा है ?



अबसे ही पल झुप समझ गया कि क्या हुआ है -

धसाका होने के एक सेकेंड पहले ही, वह कूद चुका था-



ओफ़!
बाल-बाल
बचा!

टंकी के ऊपर
कोलतार लगा देरकर ही
मैं समझ गया था कि मुझे
मारने के लिए एक पुराने,
मगर विश्वस्तरीय तरीके
का इस्तेमाल किया गया
थे।

वह तरीका जिसमें पीटेशियम या सोडियम धातु को, कोल्ताइ की गोली में बद करके पेट्रोल टैंक में डाल दिया जाता है। पेट्रोल धीरे- धीरे कोल्ताइ को गलता है। और फिर वह अति-प्रतिक्रियात्मक धातु, पेट्रोल या हवा के संपर्क में आते ही गर्मी पैदा करती है...



-- इतनी गर्मी, जितनी पेट्रोल को सुलगाने के लिए काफी होती है...



... रवैर! अब तो मैं उस रहस्यमय आदमी का पीछा नहीं कर सकता!-

ध्रुव को वापस पेट्रोल पंप पहुंचने में कुछ ही मिनटों का समय लगा। लेकिन इन कुछ ही मिनटों में-

... अब मुझे वापस पेट्रोल पंप जाना होगा!...



... झांघद बे लुटेरे ही मुझे कुछ बता सकें!

पुलिस यहाँ पर पहुंच चुकी है। यानी तुमने फोन कर दिया था...

झांघद
बंगाराम!



पुलिस तो पहुंच गई, ध्रुव साहब: ... झांघद बे बेहोशी का लेंकिन इनके यहाँ पर पहुंचने तक नाटक कर रहे थे। आपके वो तीनों गुंडे भाग चुके थे!... जल्ते ही भाग खड़े हुए





हां! पुलिस हॉस्पिटल जा रहा है। दरअसल अभी ध्रुव ने एक लड़के को कुछ गंडों से बचाया था। लड़का गंभीर अवस्था में हॉस्पिटल में लाया गया था। मैं उसी को देखने हॉस्पिटल जा रहा हूँ।...

...तुम भी चलना चाहते चलो। यहां का काम रेणु देख लेगी।

नो प्रॉब्लम!

सेसी क्या खास बात है उस लड़के में?

वह लड़का कुछ दिनों पहले, कुछ समय के लिए होश में आया था। उसने बयान दिया था कि एक आदमी ने उसको हेरोइन के पैकेट से भरा वीडियो कैसेट, नत्ता झालक पहुंचाने के लिए दिया था। ताकि इंस्पेक्टर शमशेर सिंह नत्ता झा की रंगी हाथों पकड़ सके!...

...लेकिन उसने उस के बारे में उस आदमी का नाम बताने से साफ इंकार कर दिया, जिसने उसे कैसेट दिया था।

इतना बताने के बाद वह फिर बेहोश हो गया। इसलिए ध्रुव ने उस पर सरकस पहरा बैठा दिया है, ताकि उसकी मारने की कोशिश न की जा सके। उस लड़के की अब धीरे-धीरे होश आ रहा है। अब देखना यह है कि वह उस आदमी का नाम अभी बताता है या नहीं।

वैसे तो उसकी देखने ध्रुव ही जाता था। लेकिन तुमको पेपर से पता चल ही गया होगा कि फिलहाल वह अपनी दूसरी समस्या से निबटने में व्यस्त है।

हां, पढ़ा तो था। लेकिन यकीन नहीं आया।

कैप्टन किसी को नहीं मार सकता। दुर्घटनावश भी नहीं। उसका निश्चय कभी झुकता ही नहीं।

अगर पीटर को ध्रुव के निशाने पर मरोसा था...

... तो किसी और को भी आपने निशाने पर पूरा विश्वास था—

स्क निशाना तो लगा गया। सुपर कहां डो भुव अपराधी साबित होकर ही रहेगा...

... क्योंकि उस स्टार-ब्लेड पर सिर्फ भुव की उंगलियों के निशान हैं, जिसने शामनाथ की हत्या की है।



लेकिन पुलिस इसे एक हादसा मान रही है स्क्रीनर!...

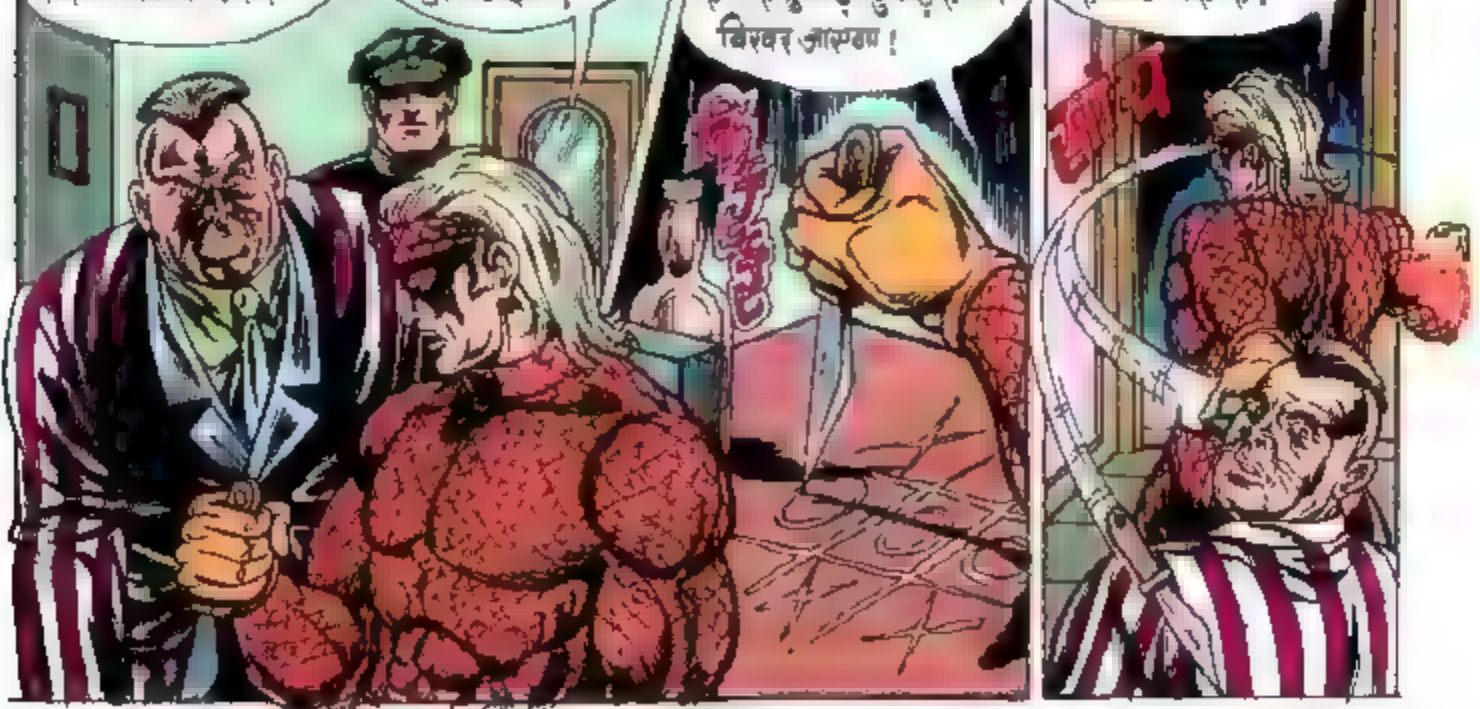
... इससे भुव को कोई सजा नहीं होगी।

इससे नहीं होगी, बार्की! यह तो पहला सीन था। सिर्फ पब्लिक के दिमागों में भुव की इमेज खराब करने के लिए!...

... और अब आखिरा दूसरा सीन! जो पब्लिक के दिलों में भुव के लिए खुर बैठा देगा!

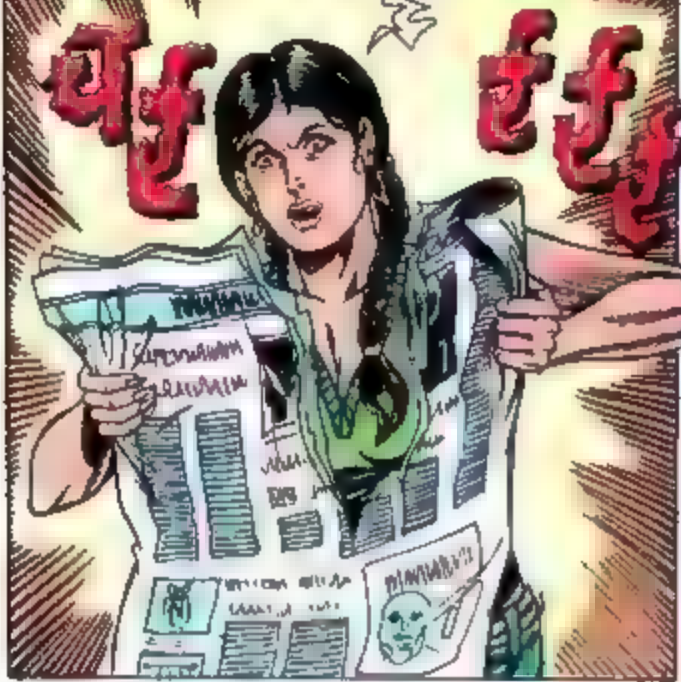
और उसके बाद तीसरे सीन में लोहा इतना गर्म हो जाएगा कि एक टुकड़ा भारते ही वह टुकड़े-टुकड़े होकर बिखर जाएगा!

अब मुझे दुबारा डिस्टर्ब मत करना। क्योंकि अब समा-स सीन का दूसरा सीन शुरू होने जा रहा है!



और वहां से
दूर-

ये सब भूठ है। मेरा भइया
किसी की हत्या नहीं कर
सकता !



ये सच है इश्वर ! ऐसा मैंने
जानबूझ कर नहीं किया, लेकिन
अंजाने में मेरे हाथों से एक
व्यक्ति मारा गया !

और इस वक्त कानून का
रखवाला सुपर कमांडो ध्रुव
जमानत पर है !



अब तुमको बहुत संभलकर काम करना
पड़ेगा ध्रुव ! अगर इस वक्त तुम्हारे हाथों से
फिर कोई गड़बड़ हो गई, तो एक तो जमानत
रद्द हो जाएगी, और दूसरे जज का रुख भी
ज्यादा कठोर हो जाएगा...

आप फिक्र मत
कीजिए पापा ! कोई
गड़बड़ नहीं होगी। मुझे
बस उस सुनहरे बाल वाले
आदमी का पता मिले जाय
जो पेट्रोल पंप से भागा
था तो...



हिन दिन दिन



मैं देखता
हूँ !

हेलो !

सुपर कमांडो
ध्रुव ! ध्यान से सुनो.
अब तुम पेट्रोल पंप
वाले हावसे के बारे में स्ट्यार्ड
जलना चाहते हो तो मुझसे
मिलो...





... मैं तुमको पेड़दार रोड पर, रस्मको
कंसल्टेशन कंपनी द्वारा बनाई जा रही
बिलडिंग साइट पर मिलूंगा। पर ध्यान
रहने, अकेले आना, और जल्दी आना।

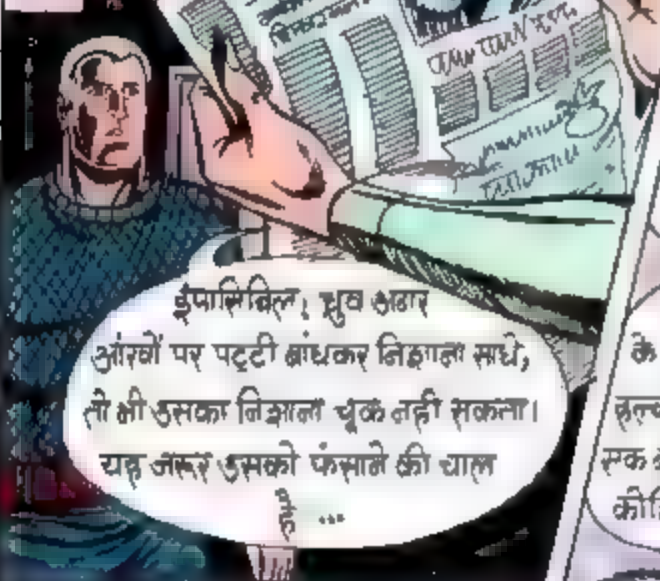
मैं तुरन्त
आता हूँ।



कहां जा रहे
हो ध्रुव ?

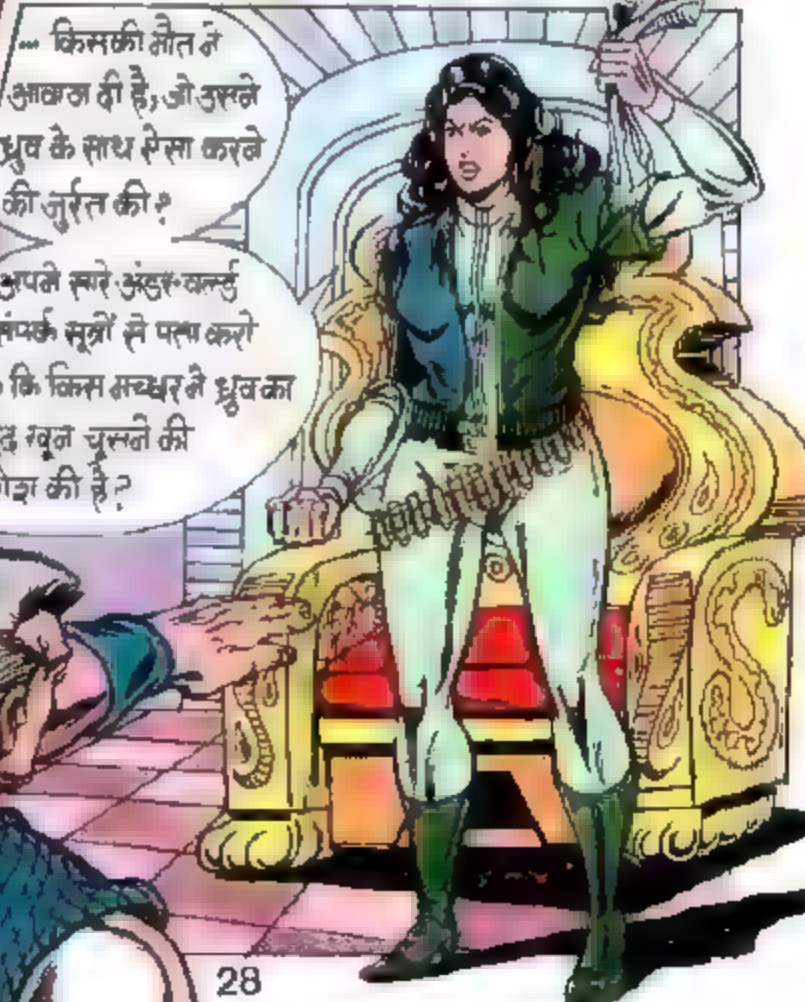
रस्क रहस्यमय की -- छबराइसमत ! मैं
गुन्धी सुल लकाने, सद्दी-सलामत वापस
पाया ! ... लौट आऊंगा !

और इसी वक़्त-
किसी और स्थान
पर-



WITNESS
ध्रुव के लखों दुश्मनों का एक-एक
बिनाशकारी हमला
जानकारी
संसार

इंपासिविल ! ध्रुव अठार
आंग्रों पर पट्टी बांधकर निशाना साधे,
तो भी उसका निशाना चूक नहीं सकता।
यह जरूर उसको फंसाते की चाल
है ...



... किसकी लौत ने
आकाश दी है, जो उसने
ध्रुव के साथ ऐसा करने
की जुर्रत की ?

अपने स्वरे-अंडर-वर्ल्ड
के संपर्क सूत्रों से पता करो
बल्क कि किस मख्धर ने ध्रुव का
स्क ब्रूड ग्वन चुसने की
कीशिश की है ?



जो आइ
कमांडर नलाइ।

और पीछेदार रोड पर-

AMC
CONSTRUCTION

यह मैं 'सलको कंस्ट्रक्शन कंपनी' की साइट पर तो आ गया। लेकिन यहां तो कोई नजर नहीं आ रहा है! शायद आज काम बंद है, और मुझे बुलाने वालों को इस बात का पता है...

... लेकिन यहां पर मैं उसको ढूँढ़ूंगा, या वह मुझको ढूँढ़ लेगा --

... यह आवाज कैसी है?

हवा की सरसराहट ने ध्रुव की इतना सतर्क कर दिया...

... कि वह अपनी तरफ बढ़ती मौत से बच सके--

ओ माई गॉड, इतना खतरनाक घुमरैंग! यानी मेरे मेज़बान ने ही मुझे ढूँढ़ लिया है!

हवा में घूमना हुआ घुमरैंग--

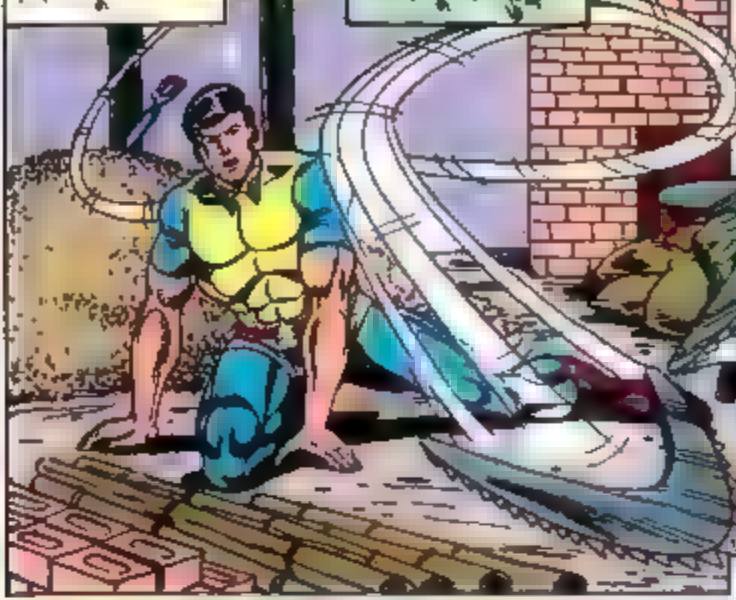
ख
य
कु

-- वापस अपने मालिक की तरफ घूम गया --

और साथ ही साथ ध्रुव की भी नजरें घूमती हुई...

-- बूमरैंग को फेंकने वाले पर जा टिकीं --

आओ सुपर कमांडो ध्रुव! तुम्हारी शायदाशा में तुम्हारा स्वागत है। देरवो, मौत का फरिश्ता बूमरैंग रवुद तुम्हारे स्वागत के लिए खड़ा है।...



... लेकिन सुबे तुम्हारी बॉडी देखकर लग रहा है कि तुम्हारा वजन काफी ज्यादा है। तुमको दो दुकड़ों में बांट दिया जाए, तो अर्थ उठाने वालों की शायद कम वजन उठाना पड़े।...



... क्योंकि तब वे दो दुकड़ों की हो अर्थियां बना सकते हैं।

ऐसे मामूली शिलौलो से मेरे दुकड़े हो सकते तो मैं कभी का बुनिया से उठ गया होता बूमरैंग!



ये ऊंचाई पर खड़ा है! और ये बात इसकी ताकत बन गई है। इसकी नीचे लाना होगा।...



... ताकि मुकाबला बराबरी का हो सके।

ध्रुव ने उस लंबे बांस को पोल-वॉल्ट की तरह तानकर एक तेज दौड़ लगाई-

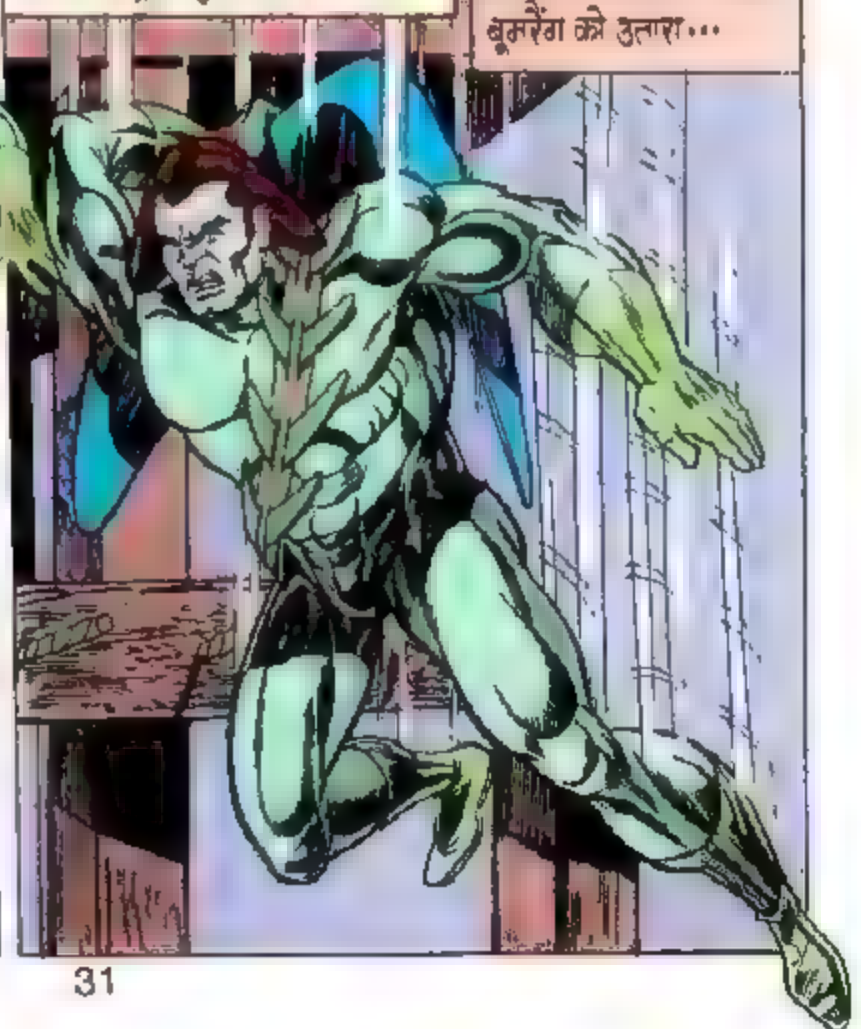


और बूमरैंग के पैर उस ऊंचाई से उखड़ गए-



लेकिन ध्रुव का मुकाबला इस बार किसी मामूली गुंडे से नहीं था-

गिरते- गिरते भी बूमरैंग ने अपनी पीठ पर लगे विशाल बूमरैंग को उतारा...



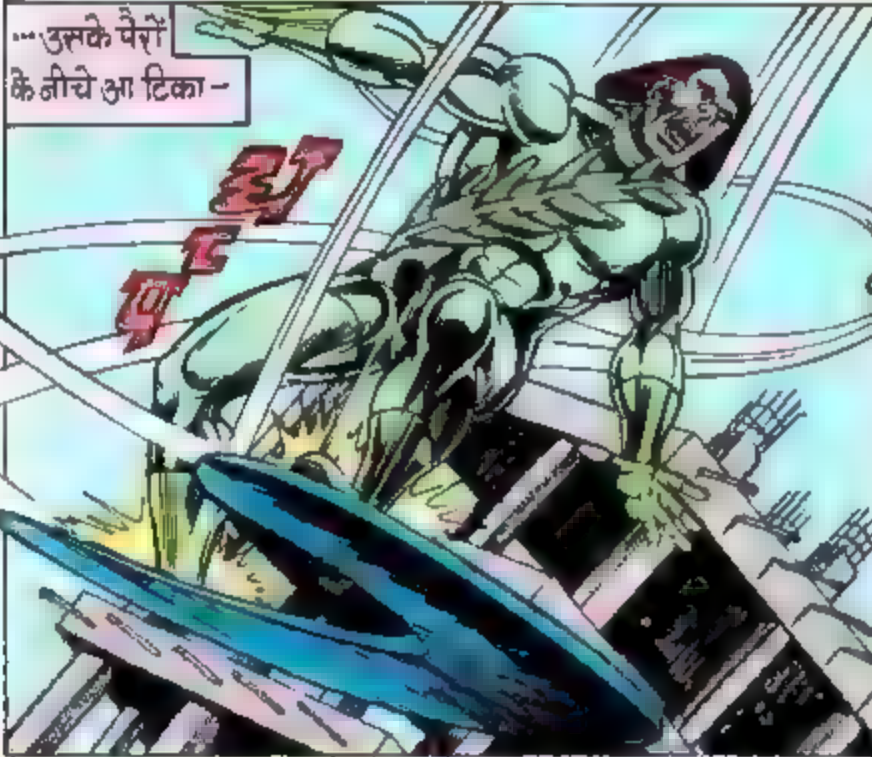
इतनी ऊंचाई से गिरकर यह मरेगा तो नहीं! लेकिन इस हालत में जरूर पहुंच जाएगा कि बगैर संबलेंस के अस्पताल न जा सके!

... उसका हाथ हवा में ही धूसा...

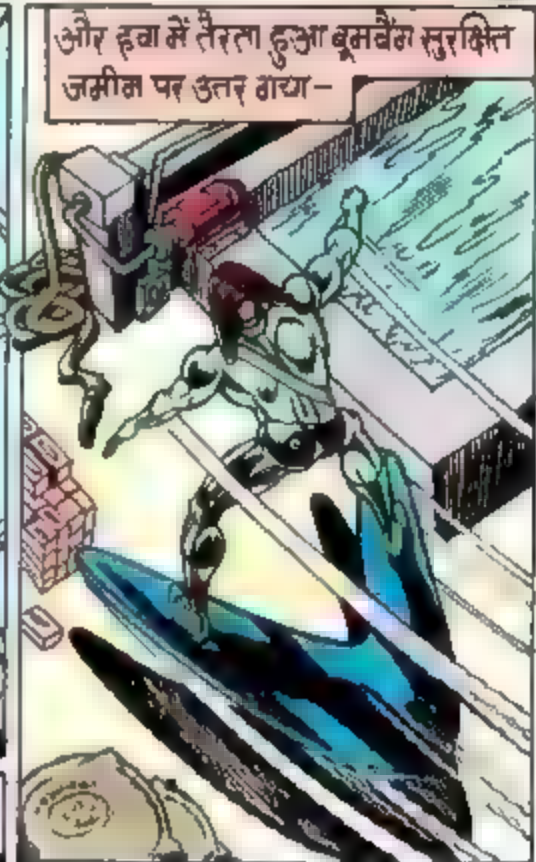


... और हवा में उड़ता हुआ बूमरैंग, हवा से ही वापस घूमकर...

... उसके पैरों
के नीचे आ टिका -



और हवा में तैरता हुआ बूमरैंग सुरक्षित
जमीन पर उतर गया -



इस करतब से भ्रुव भी कुछ क्षणों
के लिए स्तब्ध रह गया -

और बूमरैंग ने इसका पूरा फायदा
उठाया -



बहुत खेल ही गया, भ्रुव!
ले संभाल मेरे 'विस्फोटक'
बूमरैंग को...

... ये तो चिथड़े
उड़ा देगी। बच सकता
है तो बचकर दिखा!



ओह, ये बूमरैंग तो बड़े
इशक्तिशाली विस्फोटक हैं। और
इनके उड़ने की दिशा इतनी
आड़ी-तिरछी है कि इस पर
स्टार-ब्लेड से निशाना लगाना
पाना बहुत मुश्किल है...

... लेकिन इनसे निबटने का
कोई न कोई रास्ता जल्दी
सोचना होगा, वरना ये विस्फोटक
कहीं मुझको ही निशाना...

... न बचाने! ...

आहहह!



... ध्रुव को उठाकर दूर फेंक दिया-

ओह, इनको निष्क्रिय करना
ही होगा, और वनों को निष्क्रिय
करने का एक ही तरीका है, कि
उनको पानी में डुबो दिया जाए।
पर इस बूमरैंग को पकड़कर
पानी में डुबोया कैसे जायगा?

सकमिनट! यह
बोरिंग शायद मेरे कान
आ सके! फिलहाल तो
यही एक तरीका नज़र
आ रहा है।

इधर ध्रुव ने लपककर, बोरिंग की मोटर-पंप का स्विच ऑन किया -



और उधर से एक और विस्फोटक बूमरैंग उसकी तरफ हवा में उड़ा -



लेकिन इस बार ध्रुव के पास निशाना लगाने के लिए हथियार था -





क्योंकि ध्रुव अपने पास स्टार-ब्लेड के अलावा और कोई हथियार नहीं रखता। वह अपने आस-पास की चीजों को ही हथियार बना लेता है और उन चीजों से निबटने का तरीका तुरन्त सोच पाता बहुत मुश्किल है। ओह! बल्लू!



इस तेज धार ने मुझे बेबस करने के अलावा, मेरे विस्फोटक बमरेंगों को भी निष्क्रिय कर दिया है। ...

...अब मुझे स्कीमर के निर्देशों का पालन करना होगा। उसने मुझे, ध्रुव को न हरा पाने की स्थिति में भागकर सेंद्रल मार्केट जाने को कहा था।



और वहीं पर- एक खंभे की आड़ में-

तो आखिरकार बूमबैंग की आवाज की अकल आ ही गई! मुझे पता था कि इसके फरिश्ते भी ध्रुव को मार नहीं सकते।



वैसे अगर ये न भाग पाता, ... अब ये भागकर सेंद्रल मार्केट तो मैं इसकी मदद भी पहुंचेगा। ध्रुव भी इसके पीछे लगा करने को तैयार था... होगा, और तब बूमबैंग वही करेगा जो मैंने उसे बताया है।

मुझे शॉर्ट-कट से मार्केट तक मैं वह मनमोहक नजारा इनसे पहले पहुंचना होगा। अपनी आंखों से देख सकूँ।



सेंद्रल मार्केट, जोददार रोड से ज्यादा दूर नहीं था-



अबाले ही पल- मार्केट में भगदड़ मच गई।
और सबकी जुबान पर एक ही बात थी-

आगो! ध्रुव के पास
टाइम-बम है!

अरे! बम कोई मार्केट में लेकर
घूमने की चीज है? कैसे-कैसे
पागल हैं!



ये अब शासनाय की जान लेने के
बाद, हम सबकी जान के पीछे पड़ा है!

पुलिस! पुलिस!

हाहाहा! सुपर कमांडो ध्रुव! अब
देखते हैं कि तू क्या करता है, अब
या तो तू अपने चिथड़े उड़वाले, या
फिर जहां पर भी बम फेंकेगा, वहां
पर तबाही मचावाले!...

-- अब फंस
गया तू
क्यों!

यही खयाल ध्रुव
के दिमाग में भी
घूम रहे थे-

ओफ! बचने के लिए अच्छी चाल खानी
है बूमबैंग में। इसकी ररवला हूं तो मर
जाऊंगा, और फेंकता हूं तो मारा जाऊंगा...



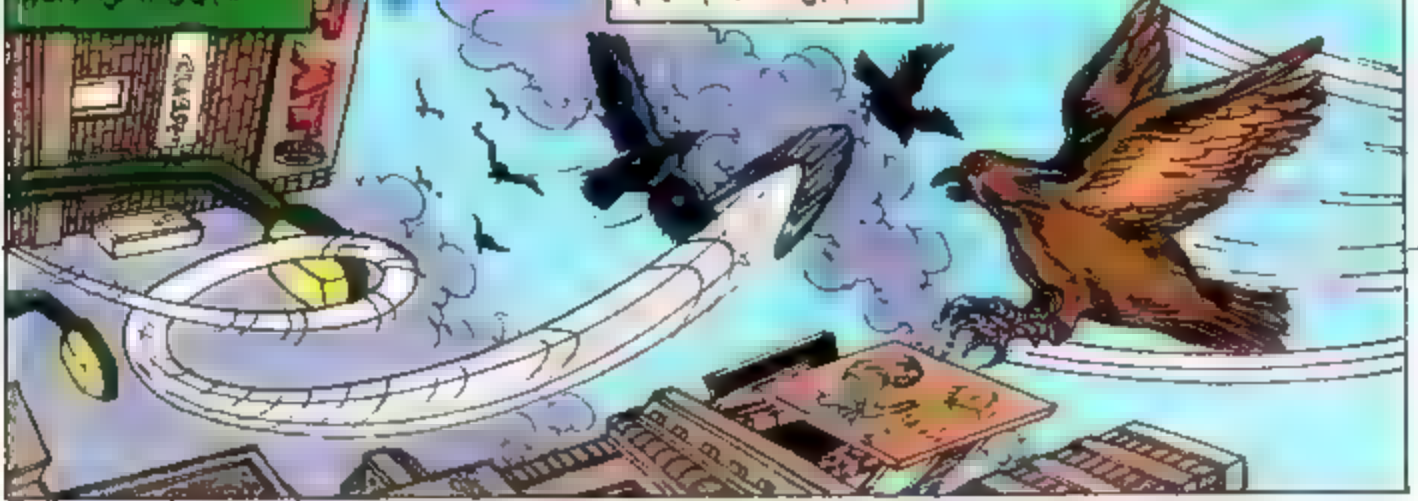
-- लेकिन ये
चाल इतनी अच्छी
जहाँ है कि ध्रुव
को रोक सके!
चीं चीं चीं!

-- क्योंकि कहीं भी फेंके, यह
बम फटकर कुछ न कुछ
तबाही तो मचाएगा ही।
और उसका इलजाम मेरे
सिर आएगा...

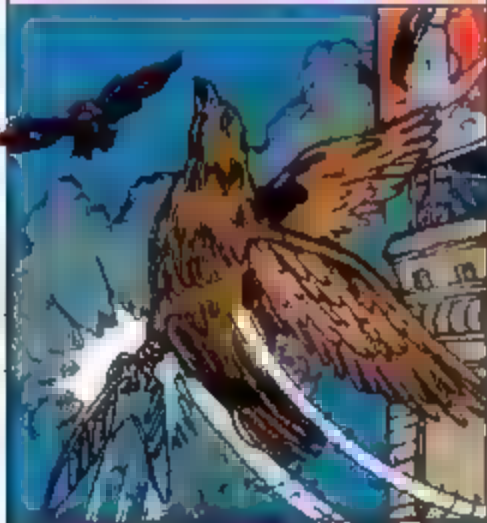


इधर ध्रुव के हाथ से छूट कर टाइन-बल बूझने लगे।
हवा में ऊपर उड़ना...

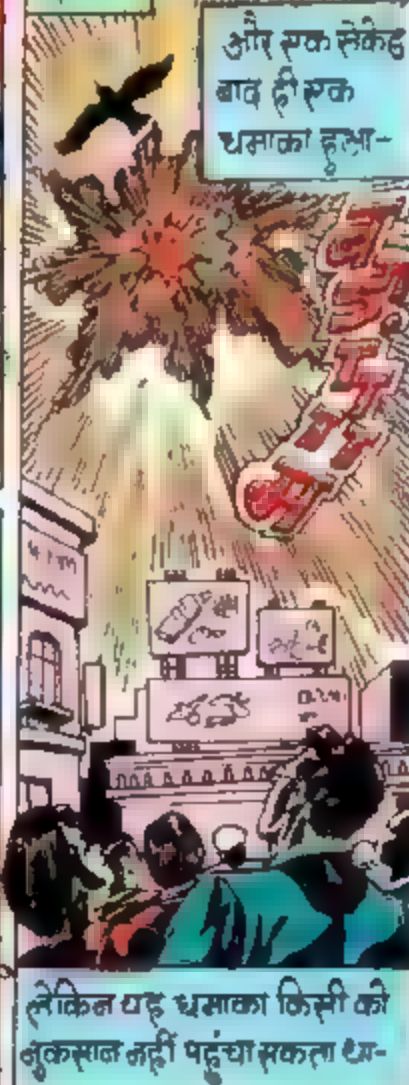
-- और उधर उसके गले से उभरी आवाज की सुनकर एक चील तेजी से नीचे उतरी--



और अपने पंजों में बमरैंग को दबाकर तेजी से ऊपर की ओर उड़ी--



इतनी ऊंचाई पर पहुंचकर उसके पंजों ने बम को छोड़ दिया--



और एक सेकंड बाद ही एक धमाका हुआ--

स्कीयर के 'सजास मौत' का दूसरा सील फलॉप हो गया था--

ओफ़! ध्रुव ने अपनी विलक्षण बुद्धि और फुर्ती से मुझे सात दे दी, अगर ये बम फट जाता, तो ध्रुव की कम से कम उस कैद मिलने का रास्ता पक्का हो जाता। लेकिन चलो! आपरे शाल 'सजास मौत' के तीसरे सील में वह रंगी हाथों पकड़ा तो जरूर ही। तब देख लेंगे।

कुछ ही पलों में चील सैकड़ों फीट की ऊंचाई पर पहुंच चुकी थी--



लेकिन यह धमाका किसी की नुकसान नहीं पहुंचा सकता था--



और हॉस्पिटल में-

13

उस लड़के की होश तो आ गया है करीम, लेकिन वह कोई भी बयान देने से साफ इंकार कर रहा है!

इसका क्या मतलब है? मुझे तो कुछ समझ में नहीं आ रहा है?

मतलब साफ है करीम! अभी-अभी उसके किसी करीबी की मौत हो गई होगी। और वह लड़का अपनी-आपकी असहाय महसूस कर रहा है!

कहता है कि वे लोग उसे मार डालेंगे...

...और अब तो उसे बचाने वाला भी कोई नहीं रहा! यही दोहराव जा रहा है!...

मैं उससे मिलकर उसकी समझने की कोशिश करता हूँ।

लेकिन अंदर घुसते ही पीटर की आंखें भी आश्चर्य से फट पड़ीं। और उस लड़के की भी-

जोनाथन! तू यहां पर है! और मैं और फादर परेरा तुम्हें दूध-दूधकर परेशान हो गए!

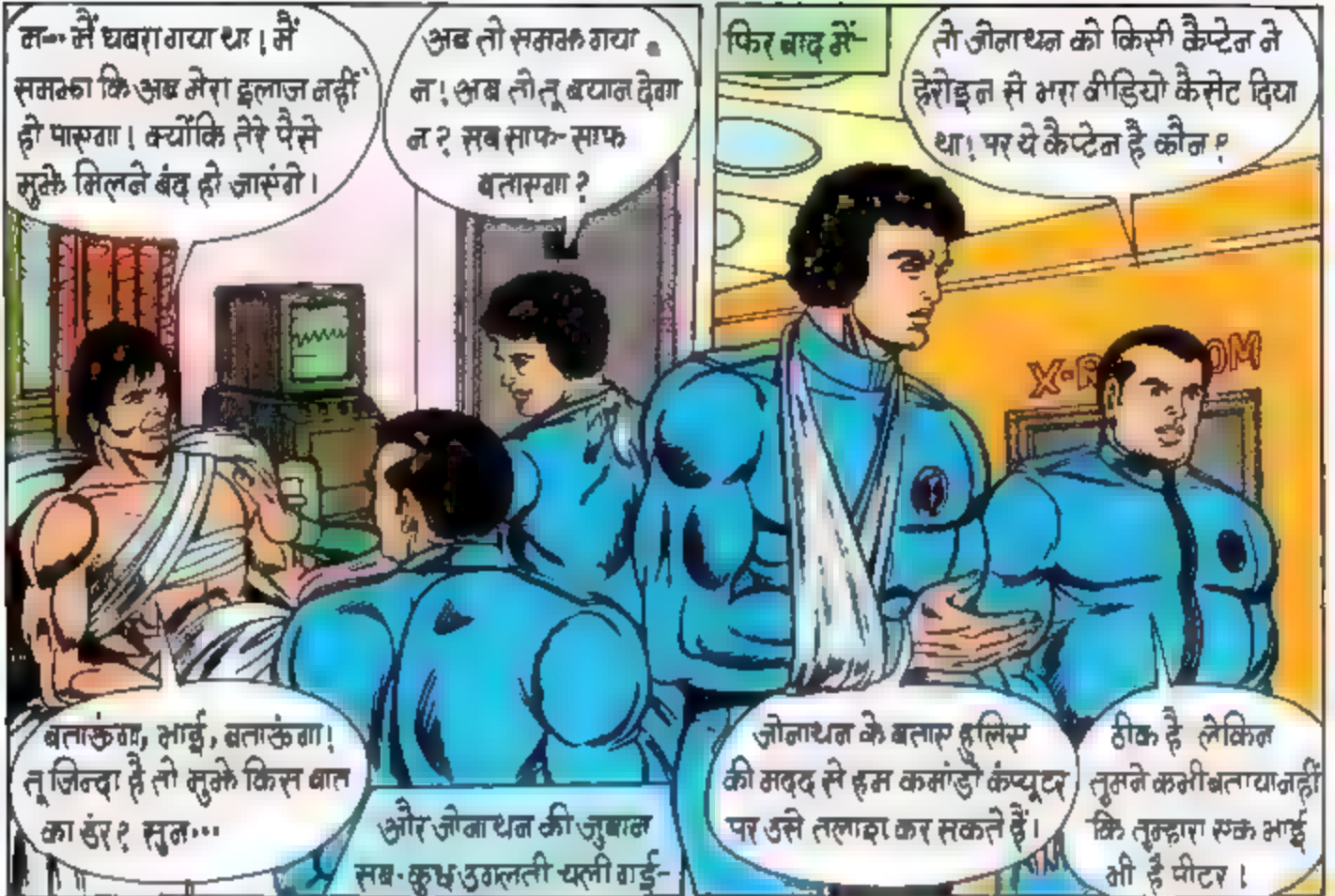
य... पीटर! मेरे भाई! तू जिन्दा है!

जिन्दा है से तेरा क्या मतलब है?

मैंने सुना था कि किसी ने तुम्हें गोली मार दी है:

'गोली मार दी' सुनकर तू समझ कि मैं मार गया हूँ, और गोली तुम्हें बाजू में लगी थी पहले...

— लेकिन तू फादर परेरा के पास से भाग क्यों आया था, जोनाथन?



त- मैं धबरा गया था। मैं समझा कि अब मेरा इलाज नहीं हो पाएगा। क्योंकि तेरे पैसे मुझे मिलने बंद हो जाएंगे।

अब तो समझ गया न! अब तो तू बयान देगा न? सब साफ-साफ बताएगा?

फिर बाद में-

तो जोनाथन को किसी कैप्टन ने हेरोइन से भरा कीड़ियो कैसेट दिया था! पर ये कैप्टन है कौन?

बताऊंगा, भाई, बताऊंगा! तू जिन्दा है तो मुझे किस बात का खर? सुन...

और जोनाथन की जुबान सब कुछ उगलती चली गई-

जोनाथन के बलाए पुलिस की मदद से हम कमांडो कंप्यूटर पर उसे तलाश कर सकते हैं।

ठीक है लेकिन तुमने कभी बताया नहीं कि तुम्हारा रुक भाई भी है पीटर!



मेरी बेवकूफी समझ लो करीम! जोनाथन बचपन से ही बुरी संगत में पड़ गया था। छोटी-मोटी चोरियां करने लग गया था। क्योंकि उसे दुस्र की सत लग गई थी!

मुझे इस बात का पता तब चला जब मैंने कमांडो फोर्स जवाइन कर ली थी।

मैंने तुरन्त उसका इलाज शुरू करवा दिया। लेकिन यह बात तुम सबसे छुपा भी ली थी...

... क्योंकि मुझे डर था कि मेरे भाई के बारे में जानने के बाद मुझे नौकरी से निकाल दिया जाएगा।

मैंने जोनाथन को फौद परेरा के अनाथालय में छोड़ दिया और हर महीने उसके रक्खे और इलाज के लिए जैसे भेजता रहा!...

... इस बार अस्पताल में होने के कारण जैसा भेज पाया और न ही कोई मैसेज! और उसी से सारी गड़बड़ी हो गई।

चलो। अब तो सारी गड़बड़ी दूर हो गई न!

अब चलो, चलकर कैप्टन की तलाश करो!

कैप्टन इस वक्त, बार्को और स्कीमर के साथ था-

तुम्हारा दूसरा सील तो लॉन्ग-टॉन्ग फिक्स हो गया स्कीमर!

अब तो उसे शक पड़ चुका है स्कीमर! तुम उसकी फॉर्स नहीं पाओगे, क्योंकि वह हर चीज से सतर्क रहेगा!

अपने दोस्तों से सतर्क नहीं रहेगा न? और इस बार वह अपने स्क दोस्त से ही टकराएगा!

अब मुझे क्या पता था कि वह चील को लीचे बुला लेगा!...

-- रवैर, 'सजाए मौत' के तीसरे और आखिरी सील से वह कभी नहीं बच पाएगा।

उधर देरवी! मैं अपने अड़्डे में बैठ-बैठा भाड़ नहीं झोंक रहा था!

य... यह तो... ब्लैककैट है। इससे तुमने संपर्क कैसे किया?

आज रात को या तो ध्रुव, ब्लैककैट के हाथों मरेगा...

...और या ब्लैककैट को मारकर फ्रांसी के तराने पर चढ़ जाएगा!

और इसको ध्रुव से टकराने के लिए राजी कैसे किया?

तुम आम रखाओ! पेड़ गोलने का काम मुक पर छोड़ दो!

और उसी रात-

इस सत्रिया की मुठे
रोज मइल लगाली पहुती
है क्योंकि यहां पर 'विजय-
महल' होने के कारण टूरिस्ट
बहुत आते हैं। जो कभी-कभी
रात में देर तक रुक जाने के
कारण गुंडों और लुटेरों का
शिकार हो जाते हैं।...

... पता नहीं आज भी यहां पर
कोई शिकार बनेगा या...

... नहीं...

... यह क्या?

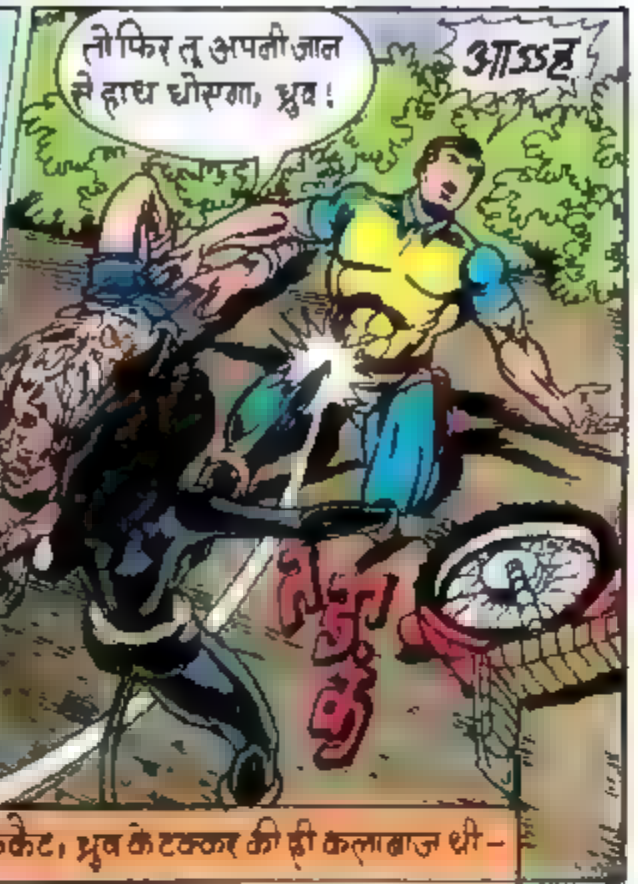
ध्रुव, अपनी मोटरसाइकल से, अस्ता जा गिरा-

धड़

ओफ़! आखिर यह कौन दिलेर
लुटेरा है, जो अपने शिकार को
ठीक मुठे पर फेंकने की इच्छा दिवा
रहा है।

यह 'लुटेरा' नहीं, 'लुटेरा'
है सुपर कमांडो ध्रुव...

... और उसका
नाम है...



और उसके ब्लेड जैसे तेज नारंगी किसी की खाल उछेड़ देने के लिए काफी थे-

लेकिन ध्रुव अभी भी ब्लैककैट को अपनी दोस्त ही मानता था-

और दोस्त पर कोई घालावार करना ध्रुव की आदत में शामिल नहीं था-



... यह तो सिर्फ आत्म-
रक्षा के लिए है...

... लेकिन आज मुझे लगता है
कि तुम्हारे लिए मुझे कसम तोड़नी
ही पड़ेगी।...



... वरना तुम मेरी
गर्दन तोड़ ...

... आ sss ह !

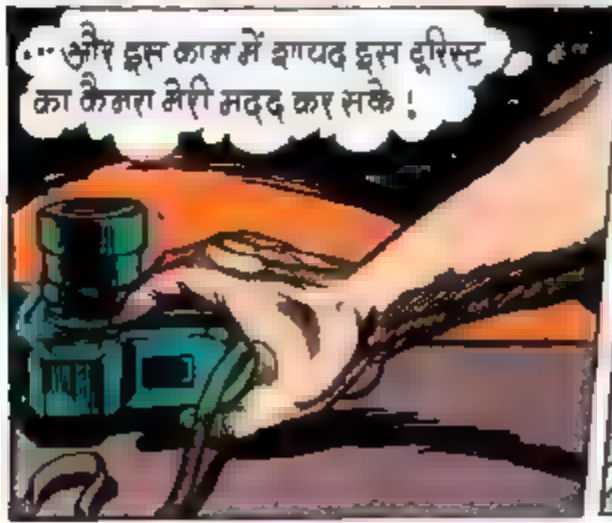
उफ़!

लैंक कैट को जल्दी से काबू में करने की
कोई तरकीब सोचनी ही पड़ेगी ...

... वरना मैं इस पर घातक कार करने
के लिए मजबूर हो जाऊंगा...



... और इस काम में शायद इस दूरिस्ट
का कैमरा मेरी मदद कर सके !



अगले ही पल- प्रलेश की तेज
चकाचौंध ने लैंक कैट को पलंग
के लिए अंधा सा कर दिया-



और फिर उसकी आंखों के आगे तारे नाचने लगे-



लेकिन इससे पहले कि ध्रुव अगला कदम उठा पाता ...

... ब्लैककैट तेजी से महल की तरफ भागी-



ओह! यह भाग रही है! लेकिन मैं इसका पीछा नहीं छोड़ूंगा!

वह छत की तरफ भाग रही है। ओह! अब कुछ-कुछ समझ में आ रहा है।

ध्रुव भी कुछ-कुछ समझ रहा था...



...और स्कीमर भी-

वाउ! सबकुछ स्कीमर के हिसाब से ही हो रहा है...

...अब सिर्फ इंतजार करता है तो सही वक्त का!...

...और उसके बाद ध्रुव के हाथों में होती हथकड़ियां, और गले में होना फांसी का फंदा। 'सजाए मौत' का तीसरा सीन फ्लाप नहीं होगा!...

... क्योंकि इस बार मेरे हाथों में है 'कॉम्प्रेस्ड सैलरगल' जो उच्च दाब वाली हवा का तेज जेट छोड़ती है।

और इसका भार कमी रखनी नहीं जाता!



कमंडो हैडक्वार्टर में इस वक़्त भी काफी यहल-पहल थी-

मिल गया! कैप्टन उफ़धि वाले तो कई अपराधी हैं, लेकिन कैप्टन नाम का एक ही अपराधी है।...

... यह तो... बार्की का दाहिना हाथ है... राजनगर का माफिया बॉस बार्की!

ध्रुव काफी दिनों वेरीगुड! से बार्की के पीछे पड़ा था...

... लेकिन उसके खिलाफ कोई सबूत नहीं मिल रहा था। तुरन्त ध्रुव को मैसेज भेजो करीम!

मैं कोशिश तो कर रहा हूँ। लेकिन ध्रुव का 'स्टार-ट्राममीटर' इंगेज आ रहा है। शायद ध्रुव कहीं पर मैसेज भेज रहा है!

बार्की के नाम का जिक्र कहीं और पर भी हो रहा था-

ओह! तो बार्की ने ध्रुव को खतम करने के लिए स्कीमर को बुलाया है! अन्तर्राष्ट्रीय अपराधी स्कीमर!

कोई बात नहीं! थोड़ी देर बाद फिर से कोशिश करना! ध्रुव तक सूचना तुरन्त पहुंचानी बहुत जरूरी है!

हां, मैडम! और एक धमाकेदार खबर का पता और भी चलता है...

...और वह यह कि आप पर पिछले कुछ समय से हो रहे हमलों के पीछे बाकी का ही हाथ था ! शमशेर सिंह भी बाकी का ही आदमी था !



ओह ! यानी पिछले कुछ सालों तक जो कुत्ता हमारे हाथ से हड़ड़ी लेकर चूसता था, वह अब हमको ही काटने की कोशिश कर रहा था...

... बाकी के इस पाप का हिसाब हम खुद अपने हाथों से करेंगे !



नताशा की सवालियों के जवाब मिल रहे थे...

... और दूसरी तरफ सजाए मौत का फंदा कसता ही जा रहा था-

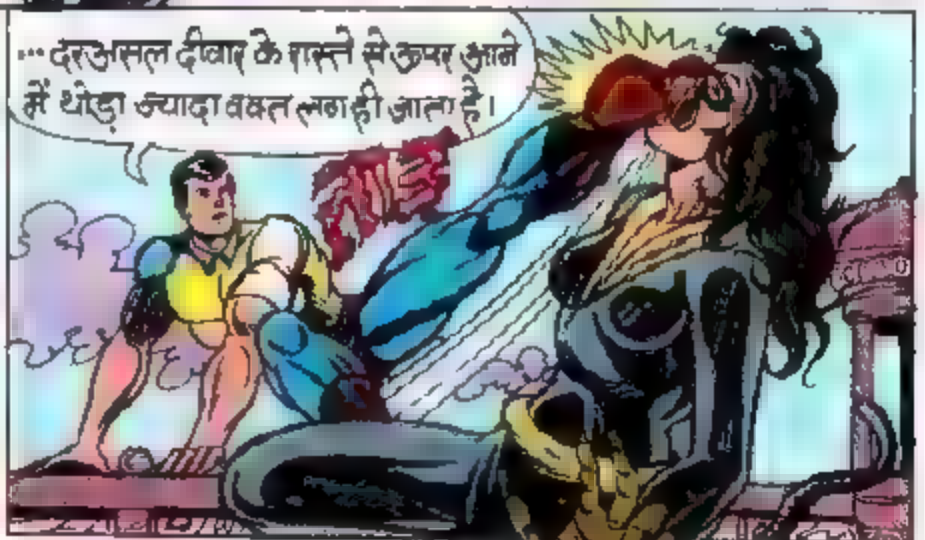


धुल की तेरा पीछा करते-करते कम से कम पांच मिनट पहले छत पर आ जाता था...

- आखिर वह रुक क्यों गया ?



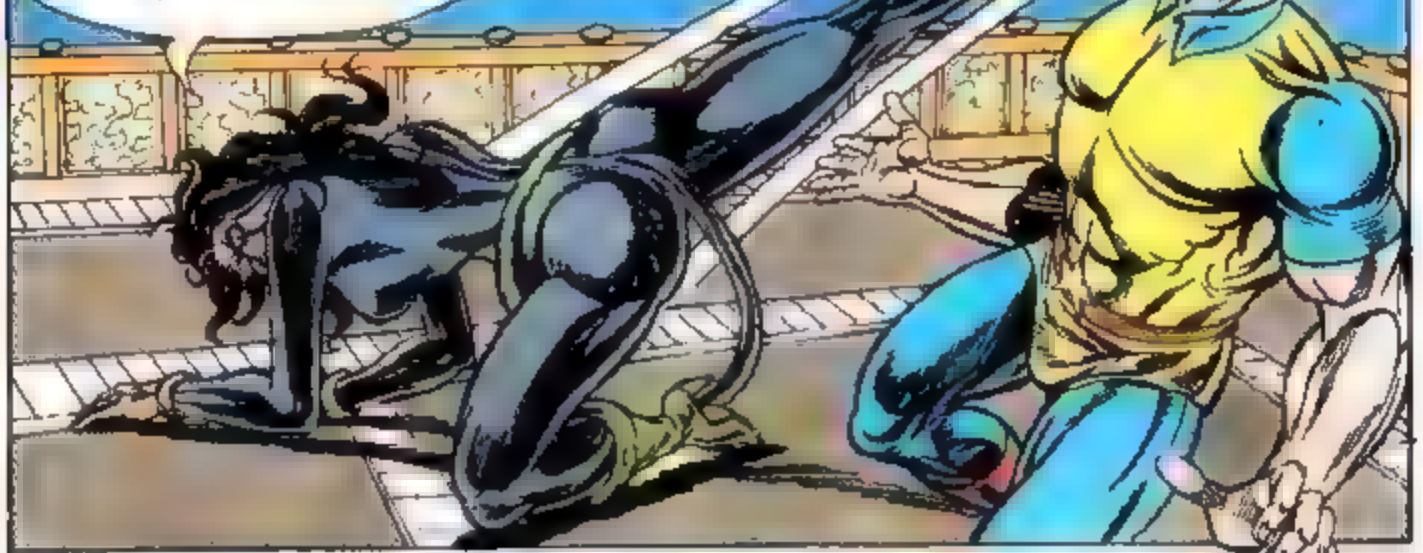
... रुका नहीं था, मिस हलैक केट...



... दरअसल दीवार के रास्ते से ऊपर आने में थोड़ा ज्यादा वक़्त लगा ही जाता है !

अच्छा! तो तू समझता है कि मुझ पर असावधानी की हालत में धार करके तू मुझे काबू में कर सकता है?...

... ऐसा समझकर तूने बहुत बड़ी भूल की है...



वा... वाह! सब कुछ मेरी स्कीम के अनुसार ही जा रहा है। भ्रुव ब्लैक कैट का पीछा करते-करते छत तक आ पहुंचा है। अब मुझे सिर्फ पुलिस के आने का इंतजार है, जिनको मैंने पहले ही खबर भेजकर बुलवा लिया है। और तब मैं करूंगा इस स्यर जेट गन का इस्तेमाल!

स्कीमर की ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ा। क्योंकि कुछ ही सेकेंडों बाद-



एक तेज पुलिस सायरन ने वातावरण की स्वामीनी को चीर कर रख दिया-



आवाज ब्लैक कैट के कानों तक भी पहुंची-

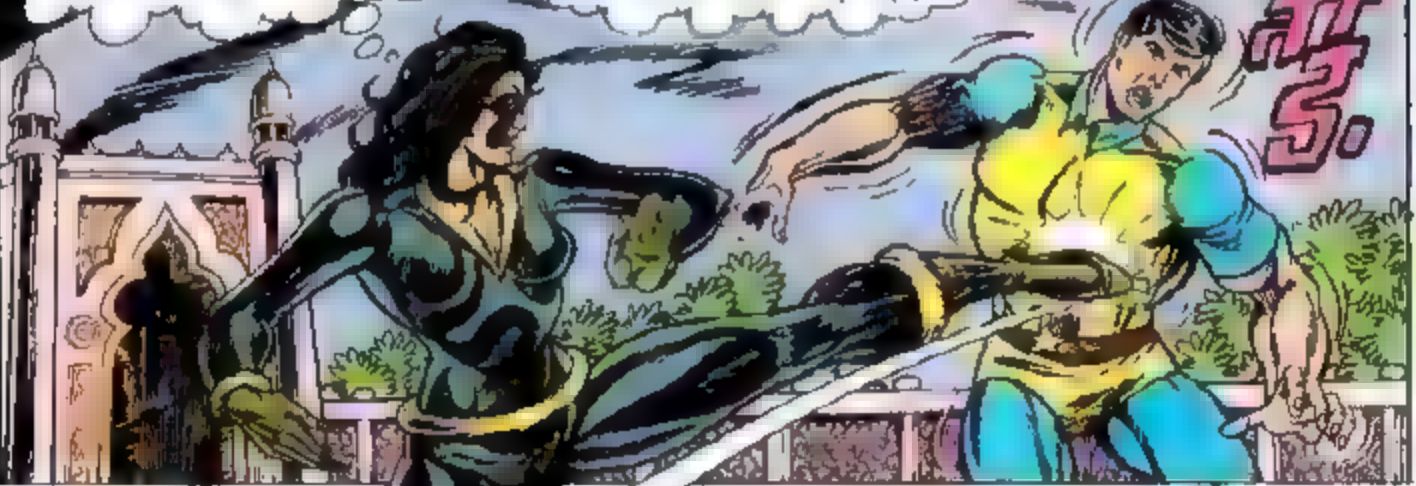


पुलिस आ गई है। अब स्कीमर की स्कीम के अनुसार मुझे ध्रुव को खींचकर मुंडेर तक ले आना है...

... ताकि, स्कीमर अपनी 'सुर-जेट गन' का प्रयोग ध्रुव पर करके उसे मुंडेर से नीचे गिरा सके!...

... मुझे बस यही समझ में नहीं आया कि यह काम स्कीमर पुलिस के सामने क्यों करना चाहता है?...

... खैर मुझे क्या? मुझे तो सिर्फ अपना काम करना है...

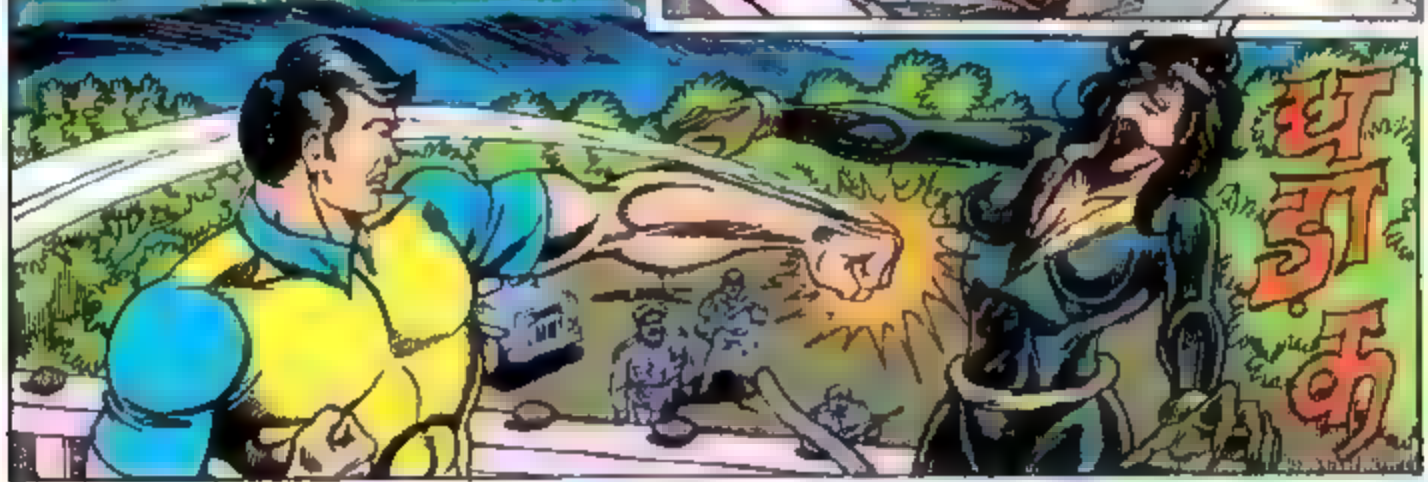


ये मूर्ख लड़की समझ रही है कि मैं अपना वार ध्रुव पर करूंगा! यह नहीं जानती कि मेरा निशाना ध्रुव नहीं यह धोकरा है! ध्रुव पर वार करने का मतलब अपनी उपस्थिति की चिल्ला-चिल्लाकर बता देना। आज तो इस धोकरा की हत्या होगी, और यह हत्या करेगा ध्रुव!





इधर ध्रुव ने ब्लैककैट पर वार किया...

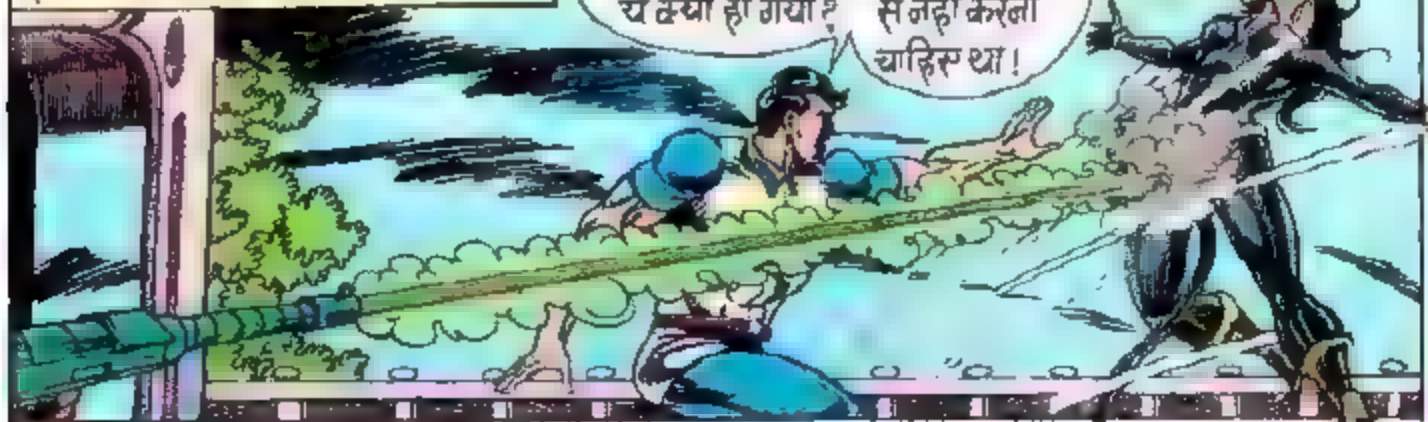


... और ब्लैककैट के लड़ावड़ते बदन से हवा का एक तेज जेट टकराया -

अरे! अरे! ये तो नीचे गिर गई! उफ़! ये क्या हो गया?

मुझे अपना वार दूतली जोर से नहीं करना चाहिए था!

हवा के जेट को ध्रुव देख नहीं पाया -



... और ब्लैककैट के नीचे गिरने का दोषी अपने-आपकी मानने लगा -

आज उसके दूरियों से एक हत्या हो
जानी थी -



क्योंकि इतनी ऊँचाई से गिरने का मतलब था, एक अवश्यभावी मौत -

एक दिल की दहलावेले वाली चीख
हवा में बिंचती चली गई -

जो किसी के कानों की घंटी की
मधुर आवाज जैसी लगी-

हा हा हा... सफल हो
गई मेरी स्कीम! ऑपरेशन
सजा स मौस का तीसरा
सील फर्नोप नहीं हुआ...

और अपने लक्ष्य के स्थान से स्कीमर ने वह
वृक्ष देखा, जिसकी देखने के लिए वह तरफ
रहा था-

यू आर
अंडर अरेस्ट
मिस्टर ध्रुव:

हम तुमकी
ब्लैक कैट की
हत्या के जुर्म
में गिरफ्तार
करते हैं।

... पुलिस ऊपर आती
ही होगी...

... मुझे छिपने का स्थान
बदल लेना चाहिए!

... लेकिन यहां पर अपनी
खुशी का इजहार करने
का मतलब है, अपनी
मौत की बुला लेना...

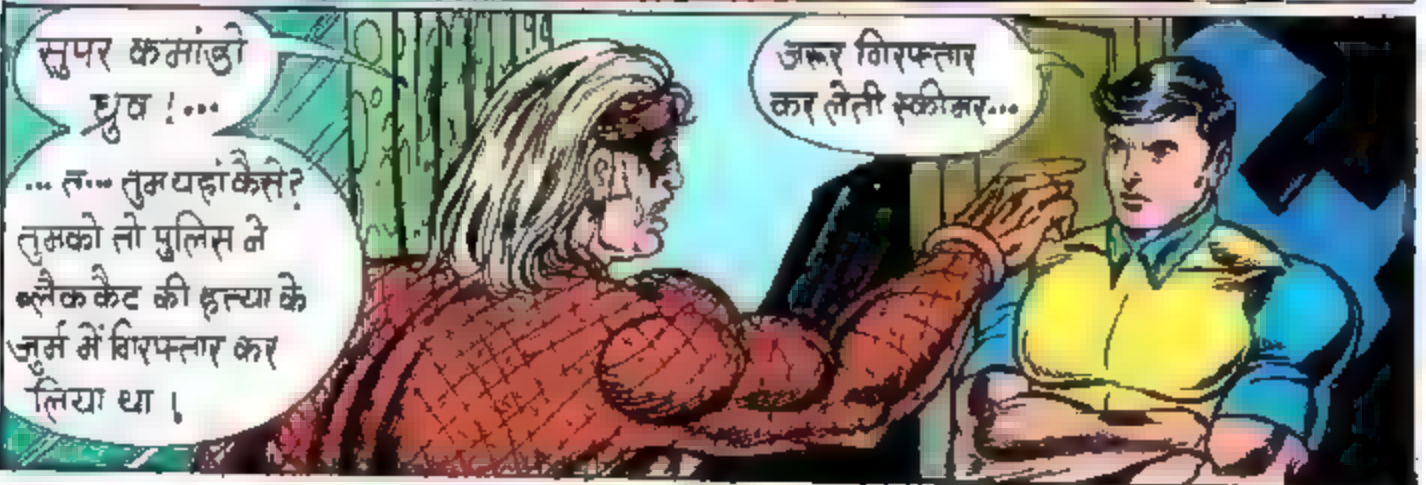
... अब तो मैं अपने अड़्डे
पर ही जाकर हंसूंगा और...
और इतना हंसूंगा कि
उसकी दीवारें कांपकर
टूट जाएं!

ही ही ही मेरा बुरी तरह से चीरवने और
ही ही! नाचने का मन कर रहा है!...

... जब तक वह अपने अड़्डे
तक नहीं पहुंच गया-

स्कीमर ब्रज
बोट! गेटेस्ट
ऑफ ऑल!

मछलों के गुप्त रास्ते से भागते
स्कीमर ने अपनी हंसी को तब तक दबाए रखा--



-- अगर मेरे हाथों से 'ब्लैक कैट' का
खून हुआ होता तो ! यानी तुम्हारे
द्वारा ब्लैक कैट का मेक-अप करके
भेजी गई इस लड़की का ।



य... ये बच
कैसे गई ?...

-- मैंने तो इसे अपनी आंखों से
नीचे गिरते देखा था। इ... इसका
तो एक नम्रवून तक नहीं टूटा
पर कैसे ?



अभी बताती हूँ कैसे, कलीने !
मुझे डबल क्रॉस करता है ? जेट स्प्र
गल तुम्हें ध्रुव पर चलाती थी, और वह
तुम्हें मुझ पर चला दी ! मुझे बताया कुछ
और किया कुछ और ?



अब मैं तेरी
ऐसी हालत बनाऊंगी
कि तेरा हुलिया पांचवीं
मंजिल से गिरे आदमी
जैसा हो जाएगा !

अरे मर गया ! अबार मुझे पता होता कि ये जूड़ो कराटे मुझी पर आजमाया जा रहा तो मैं तेरे जैसे स्वसर्प फाइटर को ब्लैक कैट बनाकर कभी न लाता !



देखा स्कीमर ! मैंने तुमको हाथ तक नहीं लगाया, और फिर भी तुम पिट गए। बहुत छटिया स्कीम थी तुम्हारी !

मान गया मेरे बाप ! पहले मुझे इस लेडी जैकी चैन से तो बचाओ !

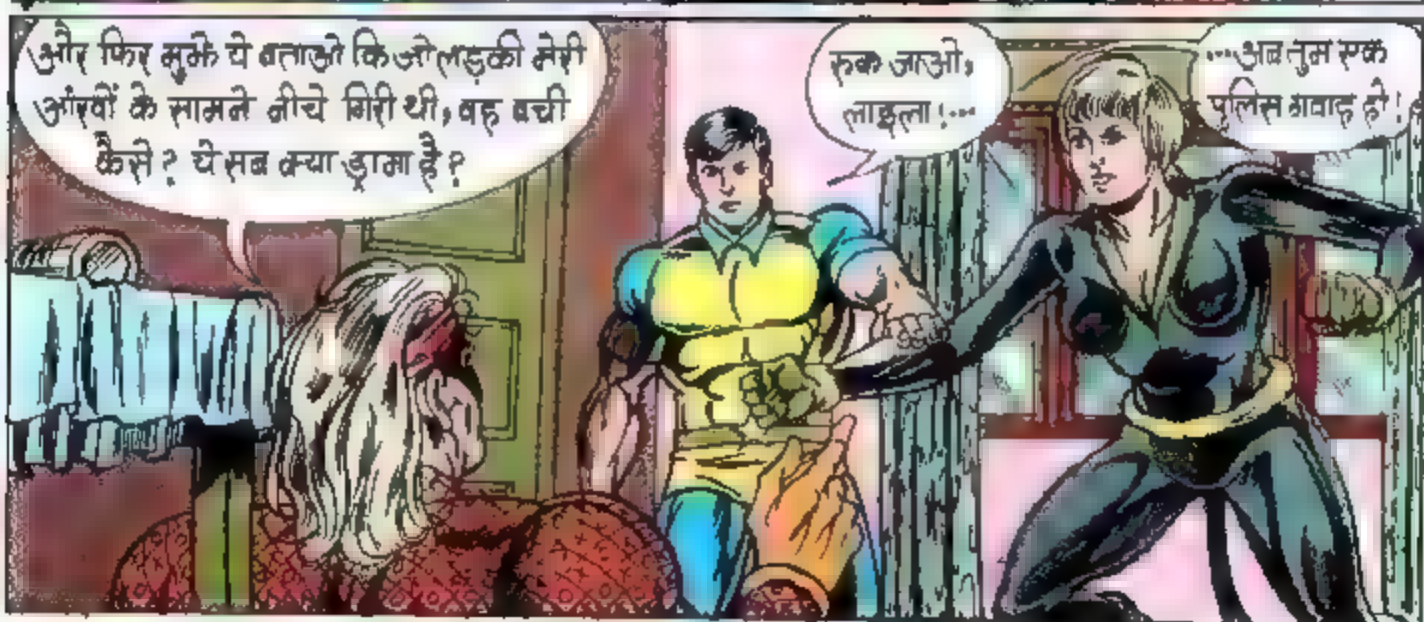
स्वस्तक



और फिर मुझे ये बताओ कि जो लड़की मेरी आँखों के सामने नीचे गिरी थी, वह बची कैसे ? ये सब क्या ड्रामा है ?

रुक जाओ, लाइला !...

...अब तुम एक पुलिस शवाहद हो !



सबसे पहले तो मैं तुमको यह बता दूँ स्कीम कि मैं जेलों की गिरफ्तार हुआ, और जहाँ मैं जमानत पर छूटा हुआ था। यह सब तुमको कम में रखने के लिए नाटक रचा गया था। पेट्रोल-पंप ऑपरेटर गंगाराम के बयान के बाद पुलिस ने यह मान लिया था कि जिस वक्त मैं 'स्टार-ब्लेड' फेंक रहा था...

... उस वक्त मेरे और स्वर्गीय शासनाधीन के बीच में पेट्रोल पंप का बॉक्स था। गलती से भी मेरे द्वारा फेंके गए स्टार-ब्लेड उनकी नहीं लग सकते थे...



... वैसे भी, जिस कोण से ब्लेड उनकी गर्दन में धंसा था, उससे साफ जाहिर हो रहा था कि ब्लेड, मेरी विपरीत दिशा से फेंका गया था !

और तुम उसी दिशा से निकल कर भागे थे। मैं तो सारा खेल तभी समझ गया था। इसीलिए अपने गिरफ्तार होने और जमानत पर होने का नाटक रचा ताकि तुम मुझ पर फिर हमला करो और मैं तुमको पकड़ सकूँ।

बूमबैंग वाले हादसे में तुमने मुझे लगभग फेंसा ही दिया था। लेकिन मेरी किस्मत अच्छी थी कि मुझे रेन वक्त पर उस मुसीबत से बाहर निकलने का रास्ता सूझ गया...

... मुझे मालूम था कि तुम बीरबल उठोगे, और तीसरा हमला जल्दी ही करोगे। मैं हर तरफ से सतर्क हो गया था !



लेकिन लाइला की ब्लैककैट के रूप में भेजकर तुमने मुझे कुछ देर के लिए बचकर में डाल दिया।...

... परन्तु लाइला से कुछ देर तक लड़ने के बाद, इसकी फाइटिंग स्टाइल देखकर मैं समझ गया कि ये असली ब्लैककैट नहीं हो सकती!

मैं सतर्क हो गया। और जब इसने लड़ाई बीच में छोड़कर महल की छत पर भागने की कोशिश की तो मैं सोच में पड़ गया...



... छत पर जाने का स्क्रीन मतलब हो सकता था। और वह यह कि योजना छत से नीचे गिराकर भागने की है। मैंने तुरन्त सीढ़ियों पर ही रुककर अपने स्ट्रॉ-ट्रांसमीटर पर पुलिस से संपर्क किया...

मैंने पुलिस वालों से उस जाल की भी साथ लेते आने का अनुरोध किया, जिसका इस्तेमाल फायर ब्रिगेड वाले ऊपर से नीचे कूद रहे व्यक्ति को लपकने के लिए करते हैं। बस, अब मामला फिट था!

ब्लैककैट से मेरी लड़ाई हुई पुलिस आ गई और ब्लैककैट ऊपर से नीचे आ गिरी। लेकिन जमीन पर नहीं, सीधी पुलिस वालों द्वारा पकड़े गए जाल पर—



... और यह जानकर आश्चर्यचकित रह गया कि पुलिस को पहले ही किसी ने खबर भेजकर विजय महल में मुझे पकड़ने को बुलाया है।

☆ इसी वक्त करीम कमांडो ट्रांसमीटर पर ध्रुव से संपर्क करने की कोशिश कर रहा था—

मैं जानता था कि तुम किसी गुप्त स्थान पर छिपकर सारा वृद्ध देवर रहे हो। इसीलिए पुलिस ने छत पर आकर मुझे गिरफ्तार किया। पुलिस तुम्हारे लिए भी महल की तलाशी लेना चाहती थी। पर मैंने उनको रोक दिया...

... क्योंकि मैं जानता था कि महल में छिपने की सैकड़ों जगह हैं और भागने के बर्जनों रास्ते। वैसे भी लाइला हमारे कब्जे में थी।...



... तुम्हारे दीगलेपन ने लाइला को बुरी तरह नाराज कर दिया था। वह तुरन्त पुलिस गवाह बनने पर राजी हो गई। और मुझे यहां तक ले आई। तुम्हारी सारी स्कीम भी इसी ने मुझे बताई।...

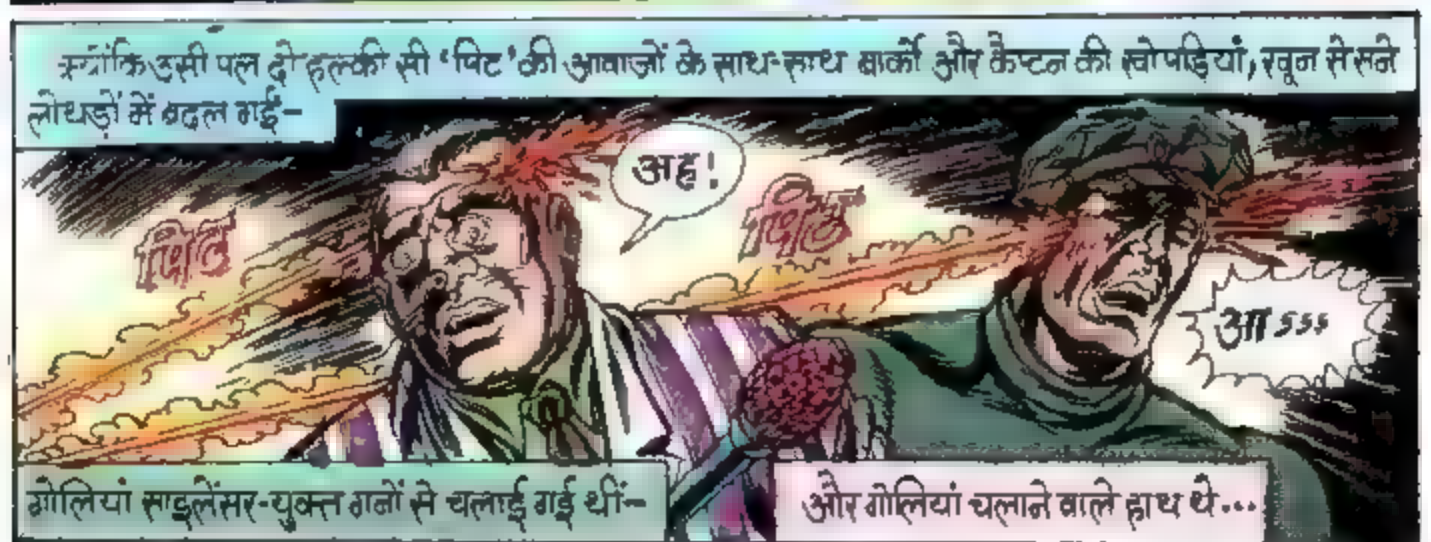


... मैं जान गया हूं कि तुमकी बाकी ने किरास पर बुलवाया था। मुझे मारने के लिए। और यहां पर बाकी बेवकूफ कर गया, पहले तो मेरे पास बाकी के खिलाफ सिर्फ एक ही गवाह था, अब तीन गवाह हैं। अब बाकी मुझसे बच नहीं सकता!



बाकी के खिलाफ सबूत तू अभी इस्तेमाल कर पासगा न, जब तू जिन्दा बचेगा ध्रुव!





... नताशा और हल्क के-

नताशा! तुम यहां पर कैसे?

इस कुत्ते बाकी के पीछे!
यह गद्गदार नमक हरास था,
और नमक हरासों की रोबो
की अदालत में एक ही
सजा है...
...सजाए मौत!

मेरा काम खत्म हुआ!
अब मैं जा रही हूँ।

रुक जाओ नताशा! तुम
मेरी आंखों के सामने दो-दो
हत्याएं करके नहीं जा
सकती!

तुम्हारा कमजोर
कानून मेरा कुछ
नहीं बिगाड़
सकता!

ध्रुव खासीका रह गया। वह जानता था
कि इस वक्त कानून के मुकाबले
अपराध का पल्ला भारी है-

यह तुम कभी साबित
नहीं कर पाओगी,
ध्रुव!...

... क्योंकि मेरे पास सैकड़ों ऐसे गवाह हैं,
जो कसम खा सकते हैं कि इस वक्त मैं एक
दानदार पार्टी में खाना खा रही हूँ।

लेकिन वह यह भी जानता था कि स्कनर स्कन
दिन नताशा की वह गिरफ्तार करके ही रहेगा।



अंधी मौत

एक नागराज फ्लेमिंग मुक्त



सुपर कमांडी ग्रुप

आँजा, सुन कलंडो धुव,
आँजा : पकड़ सकता हूँ तो
मुझे पकड़कर दिलाऊँ !

तुम्हें तुम्हें आप
कैसे धक कैसे मरना
लिया कि भुव नुनक जैसे
कमीन से दूर गया ?

ओह, भुव अपनी अक्ल
पर पट्टी बांधकर सिर्फ अक्ल
के सहारे कट्टी कर अपने दुश्मनों
को उमर में धुका रहे हैं।

कहा, भुव : पल्लवारी संजित से
अपनी जिन्दगी का आखिरी
कदम बढ़ा ले : ...

... आप लोग से तुम्हें बताया
ले पकड़ने ही कर दिया है। और
अब वह नुनक देखे जा रहा
है एक ...

अंधी मौत

कथा रचयिता :
अनुपम सिन्हा
लेखक : काकरो, सिलहट्टा
सुलेखक : रमेश
सुनील पण्डेय
संपादक : सतीश गुप्ता

सर्वोच्च न्यायालय

231. मुद्राएँ पृथक् & मुद्रा-विषय
व्यवस्थापन एवं मुद्रा-विकास
अभिलेखन, मुद्रा-विकास एवं मुद्रा-विकास
समाज & मुद्रा-विकास एवं
मुद्रा-विकास

॥ श्री गुरुभ्यो नमः ॥
 ॥ श्री गणेशाय नमः ॥
 ॥ श्री लक्ष्मणे नमः ॥
 ॥ श्री रामाय नमः ॥
 ॥ श्री कृष्णाय नमः ॥
 ॥ श्री हनुमते नमः ॥

श्री १०८ श्री गुरुदेव
 के आदेश पर श्री गुरुदेव
 के आदेश पर श्री गुरुदेव
 के आदेश पर श्री गुरुदेव
 के आदेश पर श्री गुरुदेव

DIRECTOR

कृष्ण से एकत्रित होकर सब मिल कर जय श्री गुरु
देव को देना है। जय श्री गुरु देव को देना है।
जय श्री गुरु देव को देना है। जय श्री गुरु देव को देना है।
जय श्री गुरु देव को देना है। जय श्री गुरु देव को देना है।

१. श्री गुरुदेव की आज्ञा
 २. श्री गुरुदेव की आज्ञा
 ३. श्री गुरुदेव की आज्ञा
 ४. श्री गुरुदेव की आज्ञा

मूल्य १०० रु. प्रति
प्रमाण १० ग्राम प्रति
प्रमाण १० ग्राम प्रति
प्रमाण १० ग्राम प्रति

...
...
...
...
...

सिद्धांतः सत्यं न भवति । अतः सिद्धांतः सत्यं न भवति ।

१. $\frac{1}{x^2} = x^{-2}$
 $\frac{d}{dx} x^{-2} = -2x^{-3} = -\frac{2}{x^3}$

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

अतिरिक्त इन स्पेशल सेड्स पर
कुछ महत्वपूर्ण डिस्काउंट्स भी मिलेंगे।
अतः, मुन्बई की इंधन की रोकट
तक मुन्बई की इंधन की रोकट
तक मुन्बई की इंधन की रोकट

— इससे स्वयं गुरु पाठ
करना चाहते हैं कि मन्त्र
का प्रयोग करना है, जो
हम स्वयं ही कर सकते हैं

[illegible]

इस अभियान का शुभारंभ
का मिशन है एक लक्ष्य। और

... એક સુખ પેલોડી બે
અન્યથા યાત્રી દ્વારા સુખ

ॐ नमः शिवाय
ॐ नमः शिवाय

संस्कृत भाषा में प्रयोग के अनेक उदाहरण

इस अभियान का नाम है
"मैं हूँ एक मछली"।
अपने देश का पालन पोषण
करें और देश को बचाएं।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥

ठीक है यह लेखक ने
 एक २५५ के टोल्डो का
 कवन को अनुवाद कर
 किया जाना...

क्याँकि मैंने सत्यमेव जयते और इति
सत्यमेव जयते का वाक्य ही मुझमें बुझा है। जब
मैंने यह कहें, मैंने यह कहें मैंने यह कहें
कहने में बहुत ही कम समय...



मार्कस

A man with dark hair, wearing a yellow shirt, is looking down at a document or a small object in his hands. The background is a simple, light-colored wall.

भुक्तं हस्ते ह्यस्य स्यात् अथा
उपपन्नं भोजनं कर्तव्यं है। अ
हर्षं कर्त्तुं स्यात् कर्त्तुं स्यात्
किया गया -

... दुःखितो मयः दृष्टो मया नो मे कर्पणः
 कथं न दृष्टः। अथ दुःखो मया दृष्टः
 प्रेक्षितो मे कथं दृष्टः। अथ न।

उपान्यासः दशस्कन्धः
महोपाख्यानं प्रथमोऽध्यायः
अथ दशस्कन्धोऽध्यायः





जैसे दुश्मन - अब धूम भूपरी हम की बाढ़त
अन्धकार के, भुपति देवता के अन्धकार

ए इसकी ज्योत्स्ना में है धूम इसकी
हमारे 'अपन भक्ति मंदिर' के अंध
अन्धकार को को अंधा कर दें-

यहाँ तक कि हमने एक
स्वयं नकलीक से धूम में
काम का अन्धकारपूर्ण
रहित रूप बना दिया है
यहाँ वा देखिए अंधों के अंध
दुश्मन अन्धकार से अंधा
अन्धकार अंधा अंधा

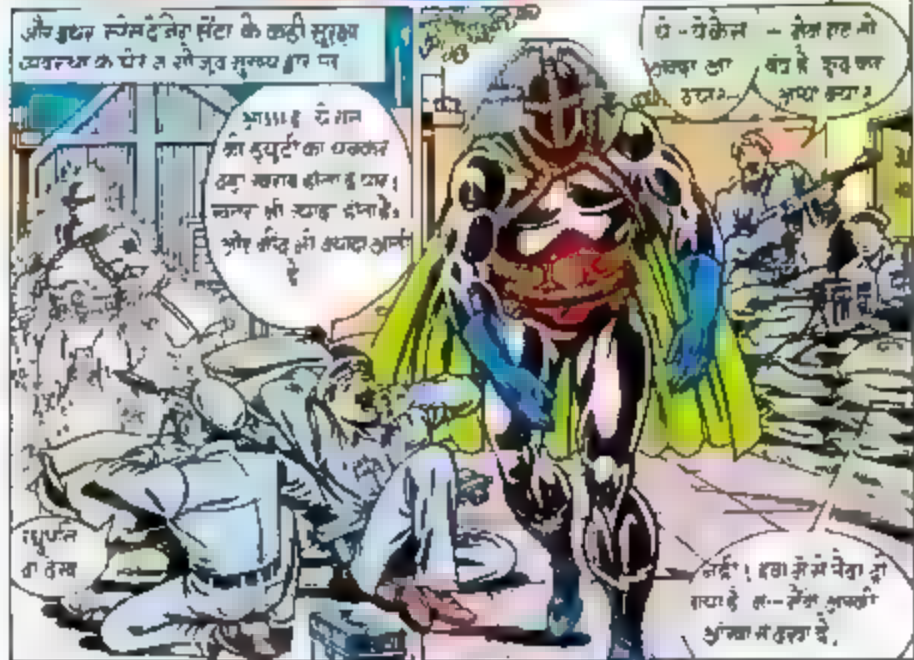


इस अन्धकार के अंधों के अंधों
अन्धकार अंधा धूम से अन्धकार में थे -

जैसे दुश्मन अन्धकार से अंधा के अंधी सुख
अन्धकार के अंधों से अंधी सुख अंधों में

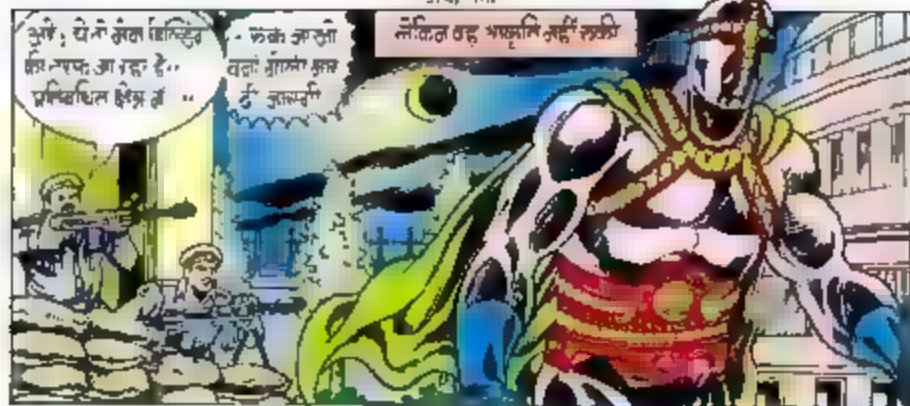
आइए देखें
अंधों के अंधों का अंधकार
अंधों अंधों अंधों के अंधों
अंधों में अंधों अंधों के
अंधों अंधों अंधों अंधों

ये - ये अंधों - अंधों अंधों में
अंधों अंधों अंधों के अंधों
अंधों अंधों अंधों अंधों



अंधों
अंधों

अंधों! अंधों अंधों अंधों
अंधों अंधों अंधों अंधों
अंधों अंधों अंधों अंधों





सबसे पहले तो हमें यह बताना है कि...



यह सब कहते हैं कि...
यह सब कहते हैं कि...



मैं भुक्तान के दिमाग में, जिनके लिये मैं
मैंने एक दण्ड से लड़ने के लिए एक दण्डमान से मिली।
मुझे ज्ञान ही है और उन ज्ञान का उद्देश्य ही है
अपने भुक्तानों का भुक्तान ही बन दिख है उन
भुक्तानों का भुक्तान करने से उनको कुछ ही मिलता।
उन भुक्तान भुक्तान

[illegible]

सुखद हर्ष म
गोपनीय अ.

१. हु. २. ३. ४. ५. ६. ७. ८. ९. १०. ११. १२. १३. १४. १५. १६. १७. १८. १९. २०. २१. २२. २३. २४. २५. २६. २७. २८. २९. ३०. ३१. ३२. ३३. ३४. ३५. ३६. ३७. ३८. ३९. ४०. ४१. ४२. ४३. ४४. ४५. ४६. ४७. ४८. ४९. ५०. ५१. ५२. ५३. ५४. ५५. ५६. ५७. ५८. ५९. ६०. ६१. ६२. ६३. ६४. ६५. ६६. ६७. ६८. ६९. ७०. ७१. ७२. ७३. ७४. ७५. ७६. ७७. ७८. ७९. ८०. ८१. ८२. ८३. ८४. ८५. ८६. ८७. ८८. ८९. ९०. ९१. ९२. ९३. ९४. ९५. ९६. ९७. ९८. ९९. १००.

॥ श्री गुरुभ्यो नमः ॥
 श्री गुरुभ्यो नमः ॥
 श्री गुरुभ्यो नमः ॥
 श्री गुरुभ्यो नमः ॥

“हम सब एक ही घर में रहते हैं, तो सब एक
 ही भाव से रहें। सब एक ही भाव से रहें, तो सब
 एक ही घर में रहें।”

गुरुं कृष्णं तस्य कृष्णं
धृष्टं कुरुते

किताबों में ये संकेतक प्रयोग	ये संकेतक कि
प्रकार के हैं जहाँ का प्रयोग	कहाँ किताबों में
क्यों है यह जान लेते हैं	प्रयोग के प्रकार
हमें प्रयोग है	प्रयोग के प्रकार

श्री १०८: श्री १०८
श्री १०८: श्री १०८
श्री १०८: श्री १०८
श्री १०८: श्री १०८

सुभाष चन्द्र बोस
आचार्यद्वारा ५०

कृष्ण का सौकण्डुओं में कर्म-द्वार लेकर २४ करोड़
हंस २४५०० हंस का

विष्णु रक्षा
कृष्ण रक्षा
गंगा, कर्मा
मोक्षार्थ हे भूत
सुख जाओगी

हार्कर साग कांपने लगा, सुनसुन गालों से रक्त की हो राधा था



अपने विस्मय की
हो उठाहा उसे गो लो
मेक कम गुलाब है।
अब सिर्फ यह सच
आज बराबरी
है—
... अजित किससल
अपनी हुई मे
बल—

मेकल टांगल परी ... किस बाटा
होला अजिता ...
अजित परी



मे अजित अपनी किससल सेल की
कामल मे लिखाका अजित है, सांठर:

सक सेकल हाथ 'अजित सेकल' सांठर के हाथ से था-



और उसके सक सेकल हाथ उसके हाथ से बहा



आह है
कल से मेकल
सांठर से सकल
अजित से अजित
लेन का क्या कल
अजित है

अजित हाथ होला से
होला साकल सेकल है पकली
मेकल कि नलका कल
विजल से अजित किन कल
है

अजित हाथ
कल सेकल
अजित हाथ
कल सेकल









— पूरा करना शुरू करके पछित होने बसता जानते हैं —



इस-इस
उठ कैसे रहे
हैं?

यह काम शुरू करके पछित
होना बसता है, मुझ और
चूँकि तुमको ज़ेरो खोजने उम्मीद
वस्तुतः इतनी कम है गर्ज दे,
क्योंकि तुम उठ रहे हो।

— मुझ
सम क्षेत्र है रहने
का पसंद ना भुक्तम
है —

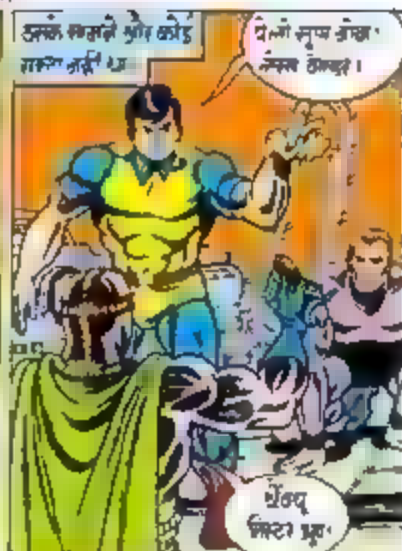
— यहाँ
पर कैसे शुरू करते हैं, यह
मैं तुम लोगों का अर्थ समझ
सकता हूँ।



रह,

एकदम







तोने प्रेस में ही रहने का फैसला किया। मुझे पता था कि मुझे एक अच्छा काम मिलेगा, क्योंकि मैंने बहुत सी चीजें सीखी हैं।

मुझे पता था कि मुझे एक अच्छा काम मिलेगा, क्योंकि मैंने बहुत सी चीजें सीखी हैं।



यह मुझे पता था कि मुझे एक अच्छा काम मिलेगा, क्योंकि मैंने बहुत सी चीजें सीखी हैं।

मुझे पता था कि मुझे एक अच्छा काम मिलेगा, क्योंकि मैंने बहुत सी चीजें सीखी हैं।



मुझे पता था कि मुझे एक अच्छा काम मिलेगा, क्योंकि मैंने बहुत सी चीजें सीखी हैं।

मुझे पता था कि मुझे एक अच्छा काम मिलेगा, क्योंकि मैंने बहुत सी चीजें सीखी हैं।

मुझे पता था कि मुझे एक अच्छा काम मिलेगा, क्योंकि मैंने बहुत सी चीजें सीखी हैं।



मुझे पता था कि मुझे एक अच्छा काम मिलेगा, क्योंकि मैंने बहुत सी चीजें सीखी हैं।



मुझे पता था कि मुझे एक अच्छा काम मिलेगा, क्योंकि मैंने बहुत सी चीजें सीखी हैं।

प्रतिभाशाली वैज्ञानिक है सच मुसलमान...
 राज है और पाद साज का एक का है...
 जहाँ का यह साज बहुत ही है श्रीमान...
 का बख़्तरा है है...

...लेकिन इसकी
 कीमती और बख़्तरा
 का बख़्तरा है है...

अच्छा यह पाद
 साज है बड़ी ही
 मूल्यवान है...

...इस बख़्तरा कीमती है...
 है इसका बख़्तरा बहुत
 बख़्तरा पाद ही है...



...और फिर श्रीमान का पद
 बहुत ही बख़्तरा बहुत है...

...और फिर इसका
 का है...



...इस बख़्तरा का
 बहुत ही बख़्तरा बहुत है...







— और वहाँ से दुता श्री दीर्घादासाधिरासदास
पर किसी की खुशुआ में, गहारा वृत्त जिला हुआ
था -



सैनेलाइट धोड़े जने की लड़ा दूसरा
है खरो मज, मेन शत्रु

बधाई हो लालस
सैनेलाइट धोड़े जो बुकी
है और अजक मुका भजा
बाज पत्र हसन पिट है



अभी लेस-बन ही
मेक है, लालस

लेस-बन तो जने करें मुझे
कुछ लकड़ शहर दूने की
अजक मना ही है

मयां शालस : इसमें जलन को
बिना प्रभु भोव-मन ही खींच
मन कर सकन है और बड़
सेना कर्त अही कर्त-अजक
सुसक-जमान इसार ककड़
में है।

असकी लकड़ से
कही, मुझे-लालस
इसकी लकड़ से है

जलन कर्त है जो जल
जलन-मन इसक बार में
कही जलन मंचे-ज

अजक-मन लकड़ में और
मन जलन के बने लकड़ों
लकड़-मन, लकड़-मन, लकड़-मन
कही बेटे-ज



अजक की लकड़ से : लेस-बन
दह ले दह-बने लकड़ जो
लकड़ जलन-?



लकड़ से इसमें पल-ले-कि
यस कुछ लकड़ लकड़ लकड़, लकड़
लकड़ लकड़ लकड़ लकड़ लकड़



यह लड़कियाँ हम की जान
मर्ती हैं, लगेत हमको न
दे ही लड़क लड़क

— लेकिन इससे मिलने
सुने की काकी नेछारे
कसरी पड़ने

लेकिन कुछ ही दो दिन ग्रेजुएट की सफलता
के लिए धुने की बलिदान बहुत सारा है



धुने साथ ही ला, इस
भपरी नेमर रात की टैक्सी
भी कारों है। -

— काँच नेम मीका
डिक नया पड़ता, नकि मेरे
दुख केक भक, साथ ही
अस

मेँ भावना हम सफल
देसकर, क पड़ता कास
साथ केन बिना आ सफल है



और धुने नाम -

आज से बहुत बहुत ही भूख मरने
देखो मेरी लड़क 'यल्लुअर' का
सफलता पूरा प्रकट हो गया -

... और तुम लड़कियाँ ये
करीबन 'डिजिटल' का स्पेस सुट
लेगाए करके आ गया



ए स्पेस सुट भूख मरने के टैक्सी में लड़के के
साथ साथ, बहुत लड़कियों को भी मदद
है जब तुम 'नया वन' के साथ नाम डिजिटल
पर कारों काते, नव यह लड़कियाँ पूरी तरह से
रहा करे, -

- आज तुम हम
सुलभाकपीन दिने
आगे से स्पेस सुट
पड़कर डिजिटल करे!
मेँ कुछ बहुत बिपत्ति
अभी आने है

धुने का इस कदम धाकड़ तुमका सफल बहर निकल गया -

सौम्य इव इन्द्रकान्तः सौम्य इन्द्रकान्तः सौम्य इन्द्रकान्तः

कठोर-दुर्ग-प्रभ
कंदर्प-किसी पर
विष्णु उज्ज्वल-प्रभ
मे-४

नृपकां दर्शयन्
 है कि अन्ध-वक्ता भुव
 त्वा पर पश्यन् कथा
 रंजय ३

दत्तात्रेयः । पञ्चमः पञ्चमः
 हे मां आदित्यं तं उच्यते
 उच्यते सैतज्जगत्तु यः ...

भूत, 'स्वप्न दर्शना' मंत्र
नमो भगवते वासुदेवाय ।

अब पढ़ें यह है
कह 'दुर्गा' सतर' के दुर्गा
किन्तु यह दुर्गा, लक्ष्मी
शान्ति लक्ष्मी दुर्गा है

जसका नाम 'क' ... नउ नऊ नैं हुस, नऊ
आउ छाना ... लिङ्गद्वय फिक्स आलाह

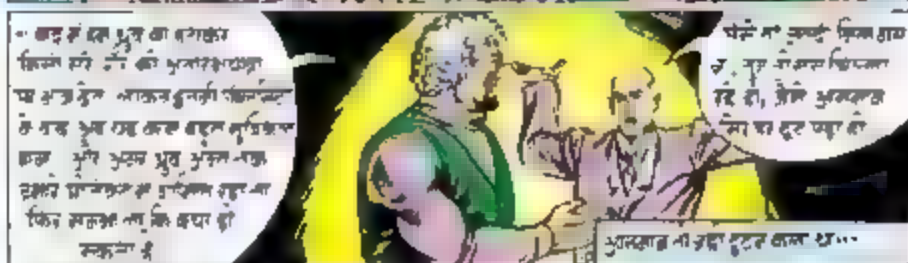
1. निम्नलिखित व्यक्तियों में से कौन सा व्यक्ति भारत के
प्रथम प्रधानमंत्री थे?

आर्य समाज
संस्कृत भाषा, अथवा
हिंदी भाषा
प्रमाण

... और न कर्म
मुक्ति के द्वार
है न कर्म का
आरंभ

परमेश्वर के लिये सदा
परमेश्वर के लिये सदा

२८



— लोडिंगा भुमसुख न कुछ भुने
जकर भुन्य विधाने मरणा था—

ਸਰਕਾਰ ਗੁਰੂ ਪੁਰੀ
ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਮਾਫ਼ੀ ਦੇ ਪੁਰੀ
ਦੇ ਮਾਫ਼ੀ :

— श्री
ये मुखा
बदल

और एक नमस्कार के साथ अपने
 कर्मों के फल के रूप में
 कर्मों के फल के रूप में

जिंदगी
सा फिटरा हुआ
युवा है...

संदेशावलि 'चतुर्दश' अंशित अत्र
 दश अंशित अत्र अंशित अत्र
 संदेशावलि अंशित अत्र अंशित अत्र

ಶಿವು ಬ್ರಹ್ಮ ಕಲ್ಯಾಣ ಕ
ಮಹಾ ಪದ:ವರ್ಣಕ: ಶಾಲ
ದೀಪನೀಕರಣ ಅನ-

ना अन्तर 'काल' का वि. वि. का प्र. ना सह देना की अन्तर गद्य का.

विष्णुसकृदा ओं नमो विष्णवे की स्तुति है शुभ संकल्प का प्रसार निम्न:-

— और फिर भाव, कि राधा तुमल लिखने की मरफ. श्रम पर्व —

योग कृष्ण कृतान्ता ५ .

गान्धिविद्यालय
स्पेशल ट्राईलर लहर
का बहादुर हिस्सा...

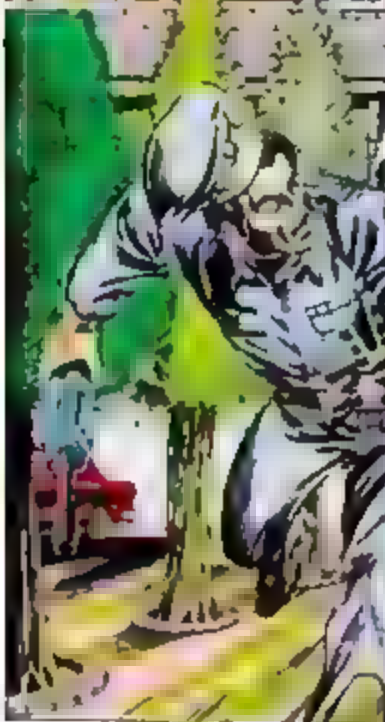
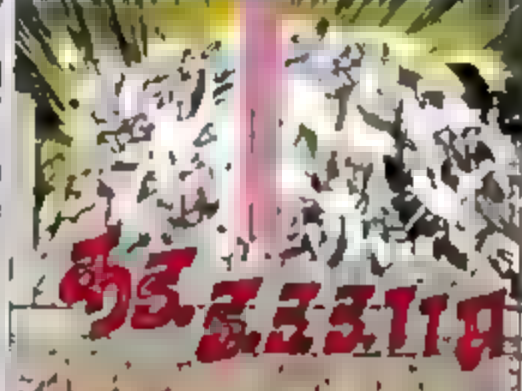
७. जहाँ ११ दिनों का
८. पिछा लम्बाला
९. जहाँ ११ दिनों का

ਪ੍ਰਭੂ ਦੀ ਸਿੱਖੇ ਪ੍ਰਭੂ ਦੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਸੁਣਨ ਲਈ ਹਾਂ

ਅੰਤਰਿਮ ਪੰਨਾ

ਪ੍ਰਭੂ ਦੀ ਸਿੱਖੇ ਪ੍ਰਭੂ ਦੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਸੁਣਨ ਲਈ ਹਾਂ

ਅੰਤਰਿਮ ਪੰਨਾ



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

भूत भवः यः भूत
सः भूत भवः

१५५५
 १५५५ १५५५
 १५५५ १५५५
 १५५५ १५५५

- इस पेली और मण्डप
 अथवा इति मण्डप
 मण्डप मण्डप इति मण्डप
 मण्डप मण्डप इति मण्डप
 मण्डप मण्डप इति मण्डप
 मण्डप मण्डप इति मण्डप

मन्त्रः श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
सर्वं भवति ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

१. १००० रु. का
 २. २००० रु. का
 ३. ३००० रु. का
 ४. ४००० रु. का

ਮੁਕਤੀ ਪ੍ਰਾਪਤ
ਮੁਕਤੀ ਪ੍ਰਾਪਤ
ਮੁਕਤੀ ਪ੍ਰਾਪਤ
ਮੁਕਤੀ ਪ੍ਰਾਪਤ

[illegible]

ब्रह्म ब्रह्म ब्रह्म
ब्रह्म ब्रह्म ब्रह्म

है मरुत पा ६
मुद्राकृत मरुत

भारत के प्रथम प्रधानमंत्री
श्री जवाहर लाल नेहरू
जीवन

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥



१. १९५५ ई. में टेलीफोन सेवा
 शुरू की गई थी। २००५ ई. में
 १९५५ ई. में टेलीफोन सेवा
 शुरू की गई थी। २००५ ई. में
 १९५५ ई. में टेलीफोन सेवा
 शुरू की गई थी। २००५ ई. में

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 श्री कृष्णाय नमः
 नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ਸਾਹਿਬ ਸਾਹਿਬ ਸਾਹਿਬ
ਸਾਹਿਬ ਸਾਹਿਬ ਸਾਹਿਬ
ਸਾਹਿਬ ਸਾਹਿਬ ਸਾਹਿਬ
ਸਾਹਿਬ ਸਾਹਿਬ ਸਾਹਿਬ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥

福祿

[illegible]

पुस्तक संख्या
विषय संख्या

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 श्रीकृष्णाय नमः
 श्रीगुरुभ्यो नमः

?

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

बि. टी. टी. टी. टी. टी.

[illegible]

ਮੁਕਤ ਪਾਸੇ ਹੀ ਜਾ

ਮੁਕਤ ਪਾਸੇ

ਮੁਕਤ ਪਾਸੇ



ਮੇਰੇ ਪਿਤਾ ਜੀ ਪਾਸੇ ਜਾਣਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ

ਮੇਰੇ ਪਿਤਾ ਜੀ ਪਾਸੇ ਜਾਣਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ
ਮੇਰੇ ਪਿਤਾ ਜੀ ਪਾਸੇ ਜਾਣਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ
ਮੇਰੇ ਪਿਤਾ ਜੀ ਪਾਸੇ ਜਾਣਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ



ਮੁਕਤ ਪਾਸੇ ਜਾਣਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ
ਮੁਕਤ ਪਾਸੇ ਜਾਣਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ
ਮੁਕਤ ਪਾਸੇ ਜਾਣਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ

ਮੁਕਤ ਪਾਸੇ ਜਾਣਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ
ਮੁਕਤ ਪਾਸੇ ਜਾਣਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ
ਮੁਕਤ ਪਾਸੇ ਜਾਣਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ



ਮੁਕਤ ਪਾਸੇ ਜਾਣਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ

ਮੁਕਤ ਪਾਸੇ

...तुम्हारी मौत!

गाड़गाड़गाड़गाड़



दे अठरागत एव केसा
प्रग: है। ममा प्रग: न मौत
ममल करे तई मुम्हा...

...मो वी मम
ए तई

गंगा का विषम

— और अब तुम्हें देखना है कि
कितनी ही पहेलियाँ तुम्हें मिलेंगी
जिनसे तुम्हें पता चलेगा —

और फिर तुम्हें
सिखाया जा सकता है



और वह
तो ही नहीं
होता है -

— वास्तव में
तो तुम्हें
पता है -



तुम्हारे पास नहीं है और तुम्हें पता
है कि तुम्हें पता है कि तुम्हें पता है



तुम्हारे पास नहीं है और तुम्हें पता
है कि तुम्हें पता है कि तुम्हें पता है

तुम्हारे पास नहीं है और तुम्हें पता
है कि तुम्हें पता है कि तुम्हें पता है

तुम्हारे पास नहीं है और तुम्हें पता
है कि तुम्हें पता है कि तुम्हें पता है

तुम्हारे पास नहीं है और तुम्हें पता
है कि तुम्हें पता है कि तुम्हें पता है



तुम्हारे पास नहीं है और तुम्हें पता
है कि तुम्हें पता है कि तुम्हें पता है

तुम्हारे पास नहीं है और तुम्हें पता
है कि तुम्हें पता है कि तुम्हें पता है

तुम्हारे पास नहीं है और तुम्हें पता
है कि तुम्हें पता है कि तुम्हें पता है

तुम्हारे पास नहीं है और तुम्हें पता
है कि तुम्हें पता है कि तुम्हें पता है

ਆਈ।

ਮੇਰਾ ਕੰਮ ਹੀ ਸੀ ਕਿ ਮੇਰੇ ਕੰਮ
ਮੇਰੇ ਕੰਮ ਹੀ ਸੀ ਕਿ ਮੇਰੇ ਕੰਮ
ਮੇਰੇ ਕੰਮ ਹੀ ਸੀ ਕਿ ਮੇਰੇ ਕੰਮ

ਪੰਨਾ 43



ਮੇਰੇ ਕੰਮ ਹੀ ਸੀ ਕਿ ਮੇਰੇ ਕੰਮ
ਮੇਰੇ ਕੰਮ ਹੀ ਸੀ ਕਿ ਮੇਰੇ ਕੰਮ
ਮੇਰੇ ਕੰਮ ਹੀ ਸੀ ਕਿ ਮੇਰੇ ਕੰਮ



ਮੇਰੇ ਕੰਮ ਹੀ ਸੀ ਕਿ ਮੇਰੇ ਕੰਮ
ਮੇਰੇ ਕੰਮ ਹੀ ਸੀ ਕਿ ਮੇਰੇ ਕੰਮ
ਮੇਰੇ ਕੰਮ ਹੀ ਸੀ ਕਿ ਮੇਰੇ ਕੰਮ

ਮੇਰੇ ਕੰਮ ਹੀ ਸੀ ਕਿ ਮੇਰੇ ਕੰਮ
ਮੇਰੇ ਕੰਮ ਹੀ ਸੀ ਕਿ ਮੇਰੇ ਕੰਮ
ਮੇਰੇ ਕੰਮ ਹੀ ਸੀ ਕਿ ਮੇਰੇ ਕੰਮ



ਮੇਰੇ ਕੰਮ ਹੀ ਸੀ ਕਿ ਮੇਰੇ ਕੰਮ
ਮੇਰੇ ਕੰਮ ਹੀ ਸੀ ਕਿ ਮੇਰੇ ਕੰਮ
ਮੇਰੇ ਕੰਮ ਹੀ ਸੀ ਕਿ ਮੇਰੇ ਕੰਮ



一、
 二、
 三、

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

1997

१. १००० २०० ३०० ४०० ५०० ६०० ७०० ८०० ९०० १०००
 ११०० १२०० १३०० १४०० १५०० १६०० १७०० १८०० १९०० २०००
 २१०० २२०० २३०० २४०० २५०० २६०० २७०० २८०० २९०० ३०००
 ३१०० ३२०० ३३०० ३४०० ३५०० ३६०० ३७०० ३८०० ३९०० ४०००
 ४१०० ४२०० ४३०० ४४०० ४५०० ४६०० ४७०० ४८०० ४९०० ५०००
 ५१०० ५२०० ५३०० ५४०० ५५०० ५६०० ५७०० ५८०० ५९०० ६०००
 ६१०० ६२०० ६३०० ६४०० ६५०० ६६०० ६७०० ६८०० ६९०० ७०००
 ७१०० ७२०० ७३०० ७४०० ७५०० ७६०० ७७०० ७८०० ७९०० ८०००
 ८१०० ८२०० ८३०० ८४०० ८५०० ८६०० ८७०० ८८०० ८९०० ९०००
 ९१०० ९२०० ९३०० ९४०० ९५०० ९६०० ९७०० ९८०० ९९०० १००००

— 104 —

...
...
...
...

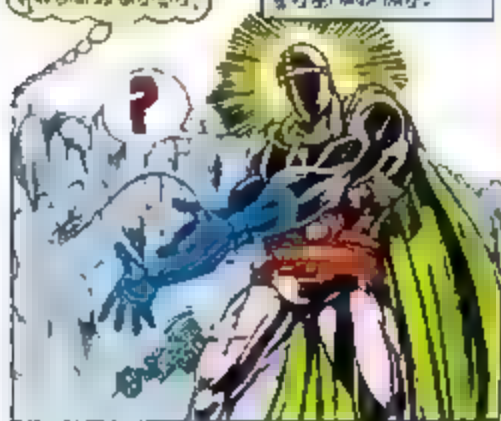
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 अथ श्रीसूक्तम्
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॥ १ ॥

[illegible][illegible]

यह मुझे,
मृत्यु के लिए है।

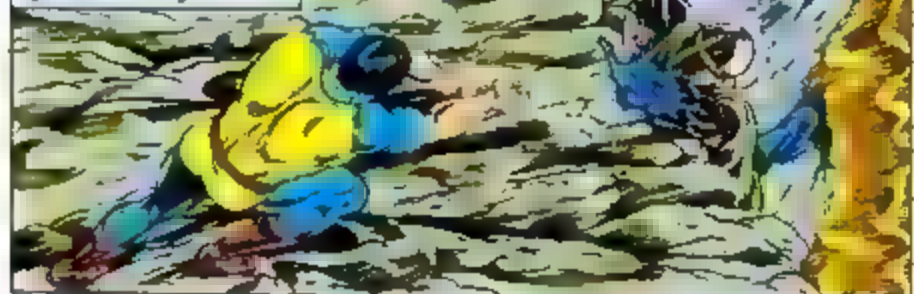
मृत्यु के लिए मैं तुम्हें लाया हूँ,
तुम्हारे लिए मृत्यु है।

और मैं, अंत में, मृत्यु के लिए आ रहा हूँ।



मृत्यु के लिए मैं तुम्हें लाया हूँ, अंत में, मृत्यु के लिए आ रहा हूँ।

मैं तुम्हें लाया हूँ, अंत में, मृत्यु के लिए आ रहा हूँ।



मैं तुम्हें लाया हूँ, अंत में, मृत्यु के लिए आ रहा हूँ।

मैं तुम्हें लाया हूँ, अंत में, मृत्यु के लिए आ रहा हूँ।







पुत्र की किलहान में
भयानक की आँख और
हथौड़े के साथ बन्द कर
बिठा है

हँक हो - अब तुम नुन
सीसा की पारी पर लगे लगे
और मुझे दिल्दिले नम कराता
तो कल में आर सिर्फ छंद
बाकी है -



मुझे अभी 'बेहरागन' की सेट कर
के निकल करी - मनु उलट सेट करके है

राम की कमलिय की मुद्रा की लकी धीरे धीरे
छोटी जा रही थी -

यही समय शास्त्र
निर्वाचक घटलक
की मुद्रा लगे ला-

ये कथन!

यहाँ आगे कल की
मुद्रा करने की छंद आ
गई है



किन्तु मुझे कास - बर्तन मुझे मरने में
वह नमन करके करता - करके कला में नदी
होता - बका जमान



अपने नुन पत्रिका - मुझे उधर
की विज्ञान आरंभ है - की जला कला

यह रहा मेरा जमान - डिफेंस
धीरे धीरे - बर्तन नम में
आइए मारा लेन बिराह
मुझे।



यह रहा मेरा जमान की भी - इसकी
दिली बहुत आइए बिराह मुझे मुझे धी-

उसकी अद्वितीय में
सकल या विचार करके
पर करके आइए-

हाउ लोके के
पहुँचे नुन की ब
लक नदी पला-



लेकिन तुम्हारा चेहरा डर से जमीन से, एक घड़ी से आवाज के साथ टकराया

और इतनी आवाज भंजित का स्तब्ध वर दूरी के लिए छाकी थी-

भूकी... भूकी... भूकी...

दूर पूर्व गहरा से जोक और भूरी के जेड पर फिटा गया था-

य आवाज कैसी थी?
लुका! लुका! लुका!
तो हाँ? लुका?



सोचने के लिए ब्रिडा संकाई वस्तु के क संवर्ण की लकीं था-

अब पहले या फिर
डिवा... नैन था-

क्यों देता धुव ही...
देते... तो फल तक
जबुडं तुम्हारे हैं -



... जिसमें लगाते से अंधे
और देखते... अह... अह...



हम यहाँ नहीं हैं।
हम यहाँ नहीं हैं।
हम यहाँ नहीं हैं।



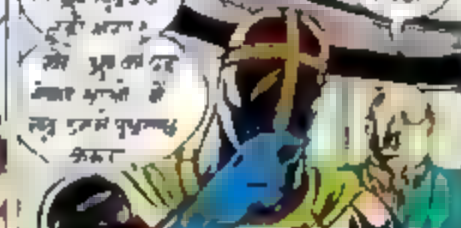
अब मैंने तुम्हें जानने का मौका दे दिया है।
मैंने तुम्हें जानने का मौका दे दिया है।
मैंने तुम्हें जानने का मौका दे दिया है।



यह बात सुनकर, मैंने सोचा
की लड़कियाँ हैं।



अब मैंने तुम्हें जानने का मौका दे दिया है।
मैंने तुम्हें जानने का मौका दे दिया है।
मैंने तुम्हें जानने का मौका दे दिया है।



अब मैंने तुम्हें जानने का मौका दे दिया है।
मैंने तुम्हें जानने का मौका दे दिया है।
मैंने तुम्हें जानने का मौका दे दिया है।



कौन कि

कल, वह भुवनेश्वर के
प्रभु थे...

— कल, वहाँ नए नए
लोग थे जो भुवनेश्वर
अधिकार कर रहे थे...

— पहले तो मुझे सिर्फ भुवनेश्वर का
होना एक कठोर नियम ही था...
वहाँ से वे निकल गए...



भुवनेश्वर के
भगवान् भुवनेश्वर
के भुवनेश्वर
के भुवनेश्वर...



जबकि मुझे लगता है
भुवनेश्वर के भुवनेश्वर
के भुवनेश्वर के भुवनेश्वर...

...जिसे भुवनेश्वर
के भुवनेश्वर...

भुवनेश्वर

आह!

जबकि मुझे लगता है
भुवनेश्वर के भुवनेश्वर
के भुवनेश्वर के भुवनेश्वर...



असह्य!



अभी तक का
लेने है

सुप लोवा की मुंठली
सक बटल पर दबो-

और ध्रुव के पैरों के ठीक अगले
के फटने का एक हिस्सा बिल्लो
अवतल के मरक गण-

सैकड़ों फुट की चो पथरीली
चट्टानों साफ बिस्तर ही थी-



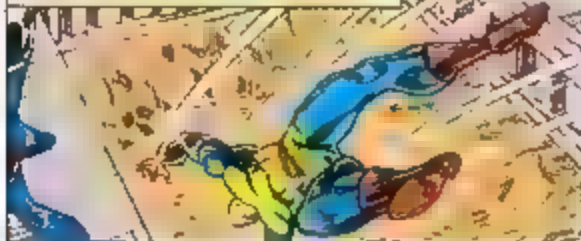
परलावन को

नले सुक पर अमरधनी
की झालत में कर लिए था
ध्रुव अब मुझे धुकर
ले विस्वा-

मैं मुझे सिर्फ
धुलना ही बर्खा
की, बल्कि मेरे
कदम की एक-एक
चट्टानी ने धुकर लेने
नाथ न द कुं।

ध्रुव ने उपलाकवली
अगे बढ़ाया...

... और उसका बदन, पथरीली चट्टानों से टकराकर धीरे-धीरे
हो जात के फिस, ने ज़ीर लीफ्ट चिरने लगा-



मेकिल वहाँ तक पहुँच नहीं पाया-



बाँध लील
नया का एक जल बिछा हुआ था-

कुछ ही मिनट भूत, बापक
पक्ष में खड़ा हुआ था-

हमारे, दुर्गम भूत नों-ने-ने
भूतक से-ने-ने भूत भूत-भूत-भूत-भूत
हमारे, न-भूतक के-ने-ने भूत
के-ने-ने भूत-भूत-भूत-भूत

भूत भूत
भूत भूत भूत
भूत भूत भूत भूत
भूत भूत भूत भूत



भूत भूत भूत भूत भूत भूत
भूत भूत भूत भूत भूत भूत
भूत भूत भूत भूत भूत भूत
भूत भूत भूत भूत भूत भूत

भूत भूत भूत भूत भूत भूत
भूत भूत भूत भूत भूत भूत
भूत भूत भूत भूत भूत भूत
भूत भूत भूत भूत भूत भूत

भूत भूत भूत भूत भूत भूत
भूत भूत भूत भूत भूत भूत
भूत भूत भूत भूत भूत भूत
भूत भूत भूत भूत भूत भूत





और पूरा करने में ज़ोर दे रहा था-

वह सफल के लिए
सुमनचय भवता है-



और फिर उसकी दृष्टि में मेरी ही कदम पड़ने पर किन्नासे
लगी-



वर्माचर- उस गलतसमय अचानक ही मुप होता और
बोली की तरह ही धीरे है :-



मुझे कभी के पैसे की
अच्छ मुलाहट है तो है

गुप्त में मुझा है
वह ज़िनात, अब नहीं बचता-

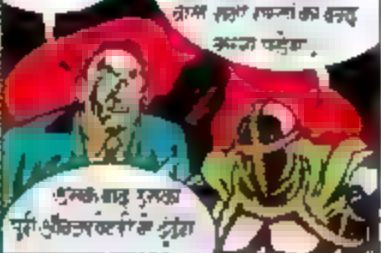
उक्त- "और मैं
बोली मुझा न
और ओप हाँ बंध
है क्या ?



उक्त, ही सादर

मुझे, वह मे
कभी किसी की
नहीं जानता

उक्त- वह ही पकड़ता
यहाँ सबने पकड़ कर
कहा है उनका बाहर जाओ
तो मैं सबको का बन्द
अच्छा पकड़ता



उक्त- वह मुझा
पूरी और ज़रूर ही है मुझा

विज्ञान की ही कर्तु मर्तु
कंटाल काम म पदुच -

ਜਦੋਂ ਪਰਵੇਂ ਪ੍ਰਭੂ ਕਰੇ
ਅੰਤਰਿਕਰ ਸਾਫ਼ ਹੋਵੇ

ॐ ॐ नमो भगवते
विष्णवे नमः
कर रहा है अधी ?

नमस्ते कुल मन्त्रिण
 श्री ठीक कर रहा हूँ,
 सुपर सोला

गुजराती... गुजराती भाषा
गुजराती उपाधुता केने
हो र्हा ७

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ कृष्ण भूत प्रेरणार्थे धर्म, कर्म, ज्ञान, मोक्ष
 ॥ इत्यादि काव्येभ्यः ॥ अथ ॥ अर्जुन उवाच ॥
 ॥ अहं कर्तव्यं किम् ॥ अहं भूत प्रेरणार्थे धर्म
 ॥ इत्यादि काव्येभ्यः ॥ परं कर्तव्यं किम् ॥ अथ ॥
 ॥ अर्जुन उवाच ॥ अहं कर्तव्यं किम् ॥ अथ ॥
 ॥ अर्जुन उवाच ॥ अहं कर्तव्यं किम् ॥ अथ ॥

हैं-यह बात तो मुझको कहीं पर
पकड़ सकना था। लेकिन मेरा भयानक
पकड़ने मुझको पकड़ के कर में अटकता
था और इसीलिए मैं भूया-हूया
तुम्हारा कंधा हल गया, और राई
पर आ गया ...

... यह पर अकार कृपे पर
 ऐसा कि नृत्य वृत्ति में
 की फर्क और नृत्य को भी
 नृत्य नृत्य सबने पढ़ने में
 नृत्य नृत्य

अपि तत्र श्री आचार्य भूषण-भूषण
सुखं न भवति तस्मात् किंचिद् न भवति किंचिद्
न भवति भूषणं श्री भवति दृष्ट, यद्यप्य
कटेकटं तस्मात् किंचिद् भवति न भवति किंचिद्

नृपते, यत्ना
यत्नी तद् नृपते
अदर्शिता

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 लीला नैरासी कर्मके उच्छाया ॥ श्री
 नंद मठ आश्रम धाम ॥



मैं बड़ा दुखी हूँ। संसद भंग हो गई।
मुझे पता है कि बिना संसद के
मैं क्या करूँगा और वह बटल
होने का जैसा मत लेना कि
जिसे मैं चाहता हूँ।

...मन्त्रमाला
...मन्त्रमाला
...मन्त्रमाला

कुन्ती अर्द्ध वदन
कवल से पक्ष से निकल
पा ल सब लेका हल
लेने लाया

... हा जिह्वाद्वारा
मुखाद्वारा
सेट हो जाता है
या सेट =

मुझ कि भूल गये हो कि
मिल लाने मुझ तक की दूकानें
संसार का हिंसा, भ्रम कलन
हो भूल को भेट कराने का नरक
वह ध्यान में देख रहा था -

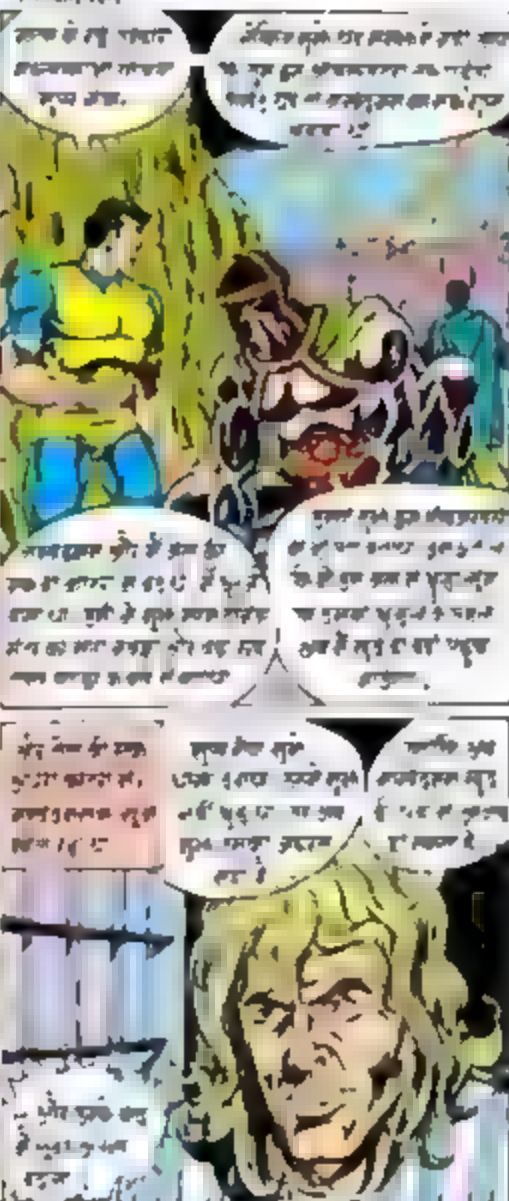
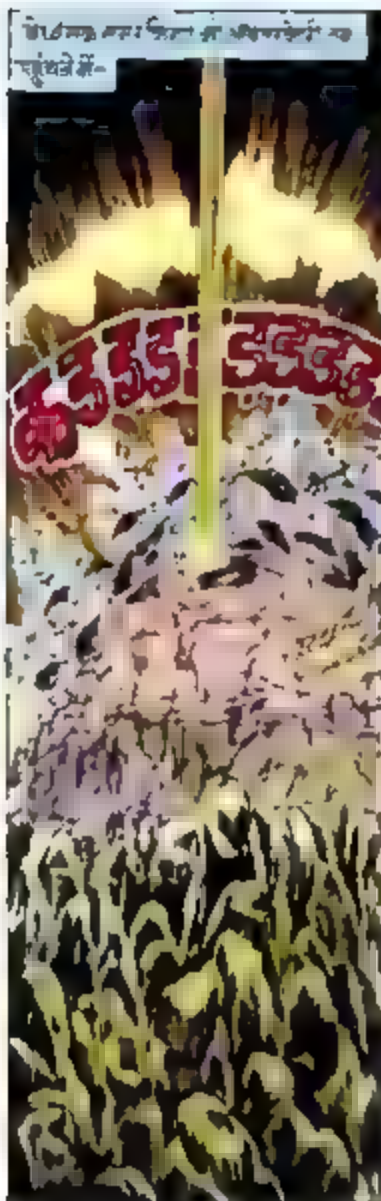
— और जब वह बोले कि मैंने
 अभी तक नहीं सोचा है कि मैं
 क्या करूँगा —

... भूषे अतः नमः कृष्णाय
यथा नमः पदं यत्ने तं कुरुते
मन्त्रं नमः

माता !

जिसको अहम में अयाह जिला बर्न
से बाहर कुछ पहा -

[illegible]



लोक के लिये पानी
सुविधापूर्वक उपलब्ध
कराना होगा.

संविधान के प्रा. 15(1) के अन्तर्गत
सबके लिये समान अवसरों का प्रा. 15
अनुच्छेद है.

समाजवाद को ही हम ही
सब ही मानते हैं कि यह ही
सब ही है. यही है समाजवाद
सब के लिये समान अवसरों
का प्रा. 15(1) के अन्तर्गत

समाजवाद को ही हम ही
सब ही मानते हैं कि यह ही
सब ही है. यही है समाजवाद
सब के लिये समान अवसरों
का प्रा. 15(1) के अन्तर्गत

सब के लिये समान अवसरों
का प्रा. 15(1) के अन्तर्गत

समाजवाद को ही हम ही
सब ही मानते हैं कि यह ही
सब ही है. यही है समाजवाद
सब के लिये समान अवसरों
का प्रा. 15(1) के अन्तर्गत

समाजवाद को ही हम ही
सब ही मानते हैं कि यह ही
सब ही है. यही है समाजवाद
सब के लिये समान अवसरों
का प्रा. 15(1) के अन्तर्गत

समाजवाद को ही हम ही
सब ही मानते हैं कि यह ही
सब ही है. यही है समाजवाद
सब के लिये समान अवसरों
का प्रा. 15(1) के अन्तर्गत

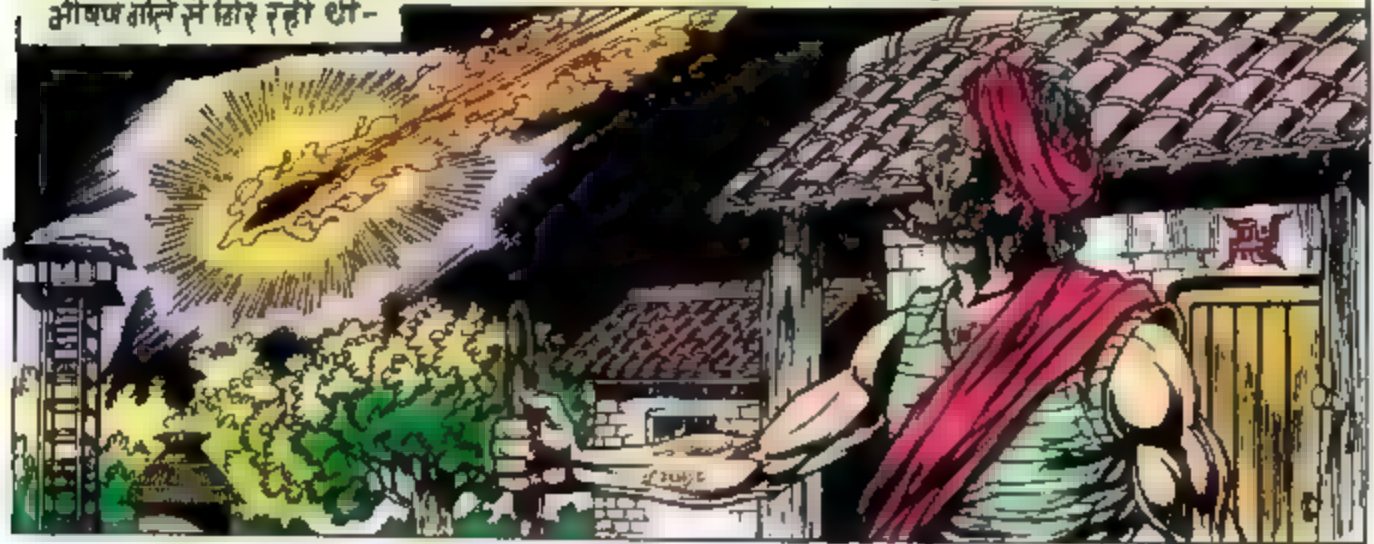


षड्यंत्र

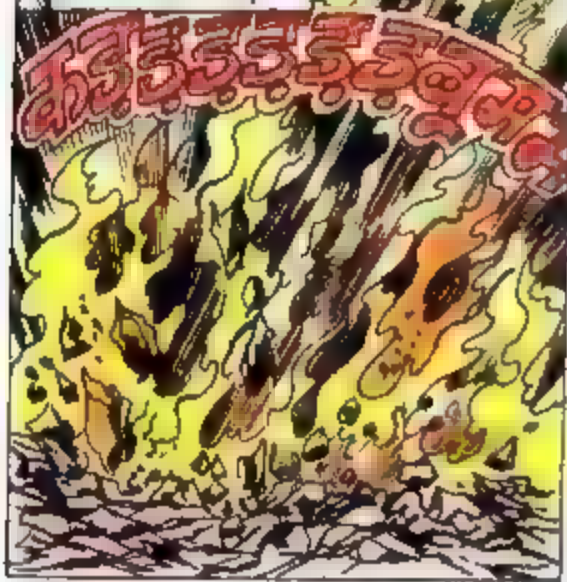
सुपर कमांडो ध्रुव



आज से लगभग दो साल पहले- हिमालय की तराई के एक छोटे से गांव के करीब रात का अंधेरा कुछ पलों के लिए दिन के उजाले में बदल गया। आकाश की लपेटों में घिरि चमकती हुई कोई चीज जमीन की तरफ भीषण गति से गिर रही थी-



कुछ ही पलों बाद एक जोरदार धमाका हुआ। वह उल्का जैसी वस्तु, जमीन का सीना चीरती हुई, अंदर समा गई-



और जब गांव वाले घटनास्थल पर पहुंचे, तो जमीन तो आश्चर्यजनक रूप से गर्म थी-

लेकिन किसी गड्ढे का कोई मामूलीहान नहीं था। जमीन वापस समतल हो गई थी-



गांव वाले इस आश्चर्यजनक घटना से इतने भयभीत हो गए कि उन्होंने वह जगह ही छोड़ दी। गांव खीराब हो गया-

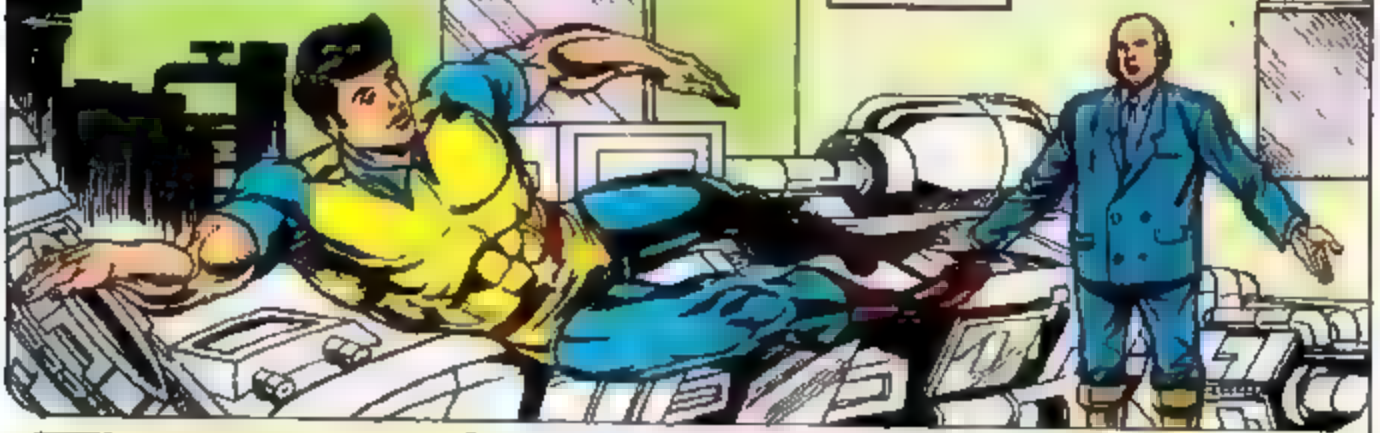
लेकिन उस वक्त यह किसी को भी आश्चर्य नहीं था, कि दो साल बाद जमीन में धंसी वस्तु एक बार फिर उभरेगी और टकरावारी ध्रुव से। जब ध्रुव के खिलाफ रचा जा सके एक कुटिल --

प्रइयंत्र

कथासर्व चित्र: अनुपम सिन्हा
इंकिंग: विनोद कुमार, विठ्ठल कांबले
सुलेख एवं रंग: सुनील पाण्डेय
सम्पादक: मनीष गुप्ता

इस प्रयत्न की शुरुआत तब हुई थी जब भारत के टॉप वैज्ञानिकों डॉक्टर साहू और डॉक्टर वेंकटराज ने ध्रुव का, मंगल ग्रह पर जाने वाले पहले अंतरिक्ष यात्री के रूप में चयन किया था-

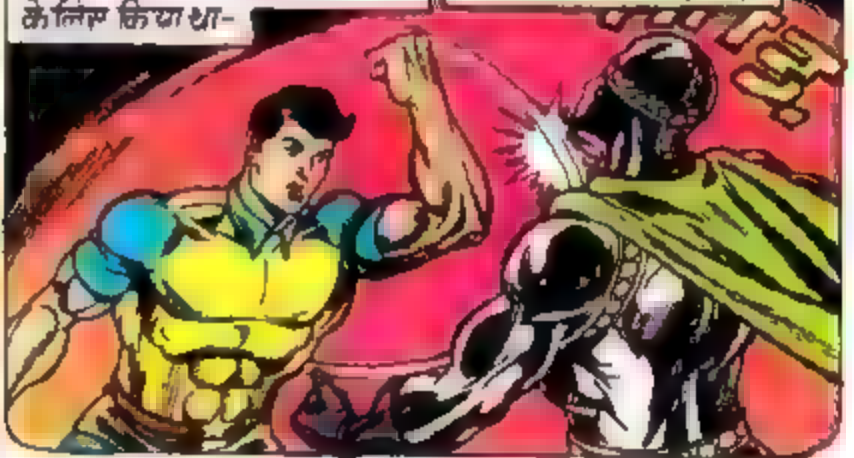
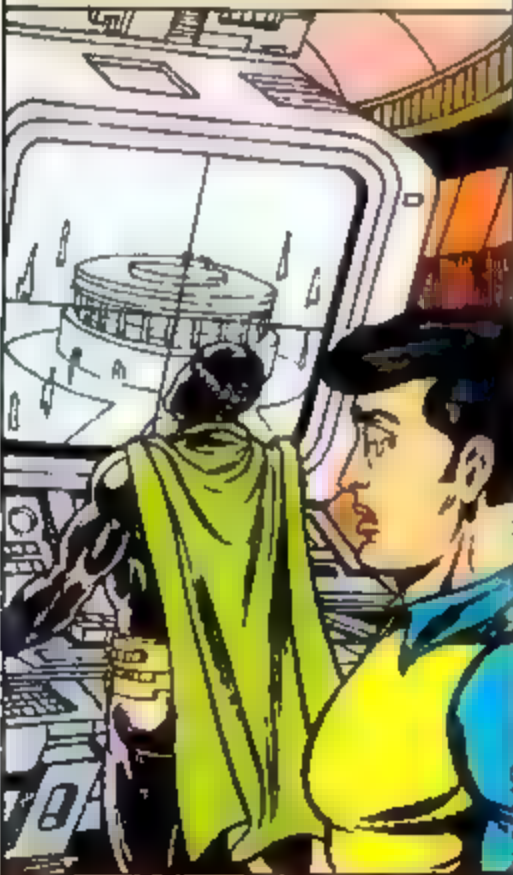
ध्रुव की ट्रेनिंग की शुरुआत में तो सब कुछ ठीक-ठाक चलता रहा, लेकिन समस्याएं तब से शुरू हुईं-



जब नारका जेल से धुटे स्क सुपर-विलेन सुपर लोका ने, स्पेस ट्रेनिंग सेंटर में रखे 'लेसर वेल्डर' को चुरा लिया, और उसकी मदद से एक 'लेसर तोप' बनाकर उसका निहाला सैन्ड भवन पर लात दिया-

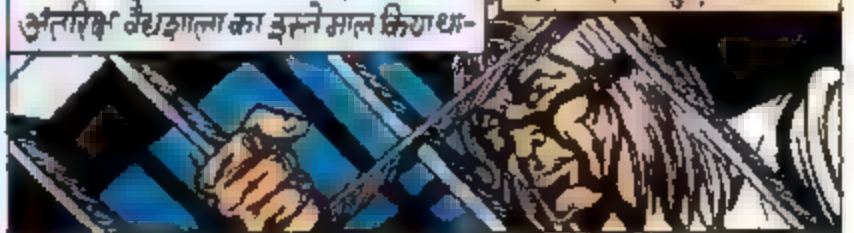
लेकिन सिर्फ कुछ ही वर के लिए। ध्रुव ने अंधा होने का मास्क, सुपर लोका की स्क्रीन को गहराई से जानने के लिए किया था-

ध्रुव की इस चाल ने सुपर लोका की योजना की धजियां उड़ाकर रख दीं और उसे जेल हो गई-



लेकिन इस घटनाक्रम की खबर, नारका जेल में बंद नास्त्रेदमस को नहीं थी। वरअसल अपनी योजना की सफलता के लिए सुपर लोका ने नास्त्रेदमस की अंतरिक्ष वैद्यशाला का इस्तेमाल किया था-

जिसका घना नास्त्रेदमस ने सुपर लोका की इस हान पर बताया था कि सुपर लोका उसको नारका जेल से मुक्त करेगा-

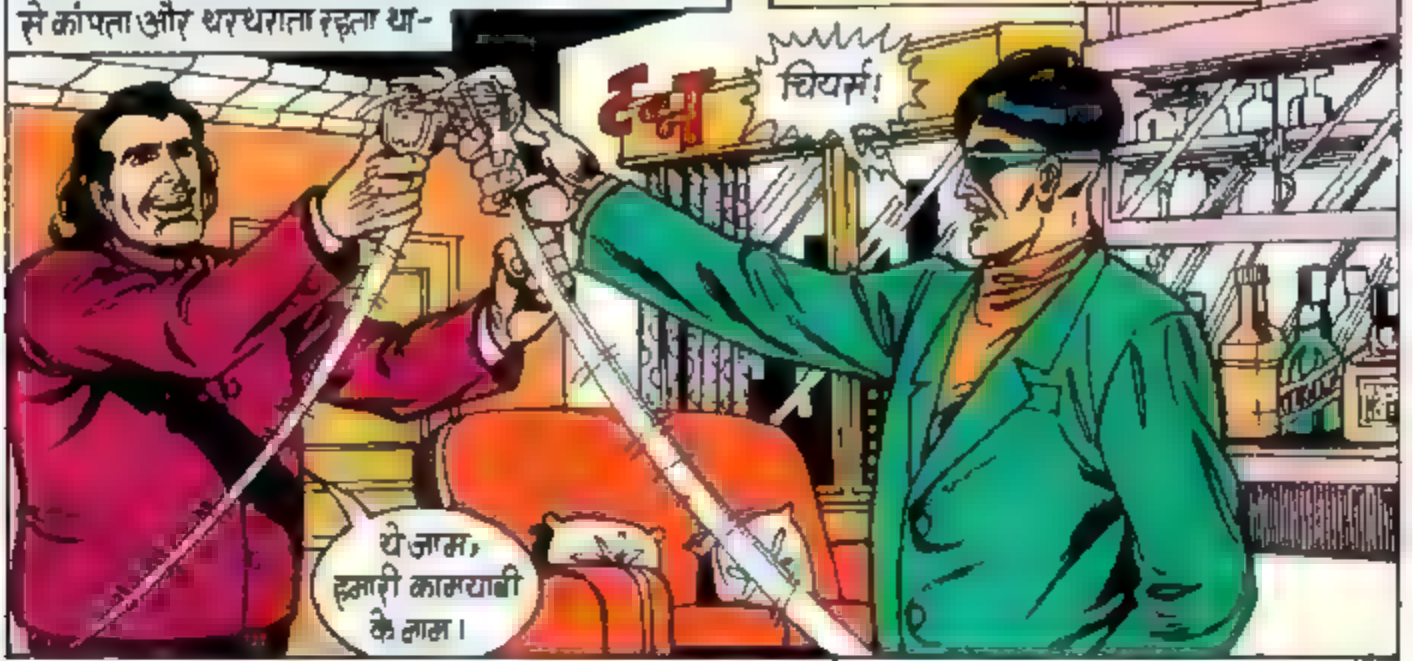


उसने ठान ली कि अब वह बगैर सुपर लोका की मदद के ही जेल से फरार हो जाएगा-

और सबसे पहले सुपर लोका को धोखेबाजी की सजा देगा। और उसके लिए उसे जाना होगा... राजनगर-

राजनगर- जिसका अपराध जगत यानी अंडरवर्ल्ड कभी भय से कांपता और थरथराता रहता था-

आज उसमें खुशी की लहर दौड़ रही है-



ये जाम,
हमारी कामयाबी
के लाल।

कामयाबी तो अब मिलकर ही रहेगी,
केड़ी! क्योंकि जिस व्यक्ति ने हमारी
सारी अनिधियों को लगभग बन्द कर
दिया था, अब वही राजनगर से
दूर जा रहा है।

सिर्फ राजनगर से दूर नहीं
चचेरे! इस पृथ्वी से भी दूर जा
रहा है। अन्तरिक्ष में जा रहा है।

भगवान करे, वह
अंतरिक्ष में ही घूमता
रह जाय। वापस ही न
आ पाय।

आमीन! ☆

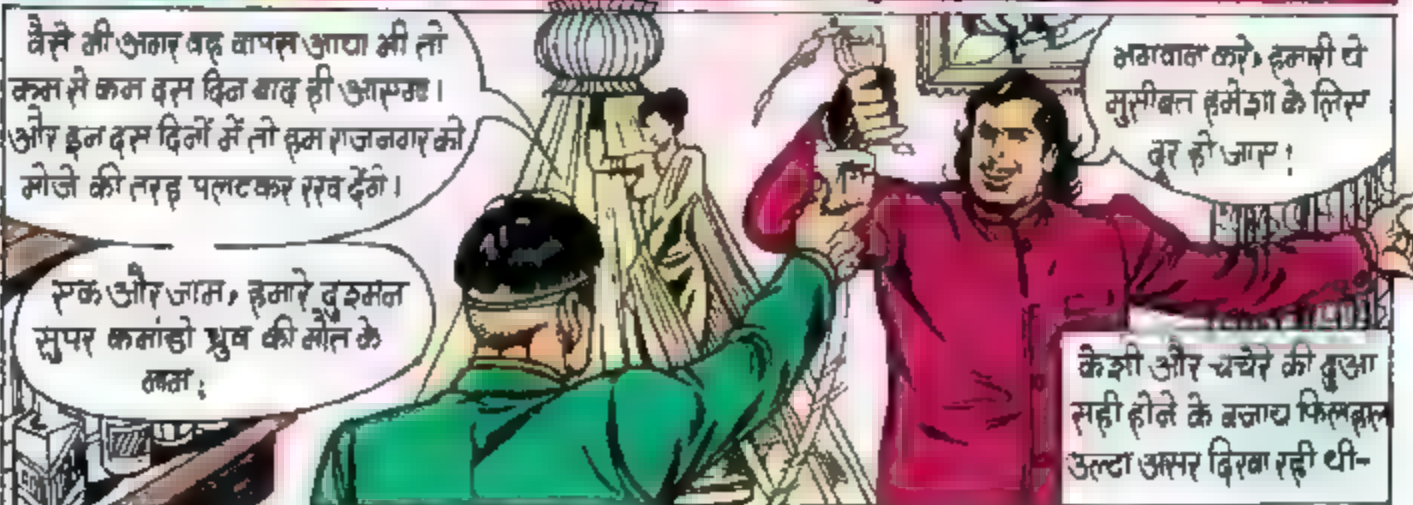


वैसे तो अगर वह वापस आया भी तो
कम से कम दस दिन बाढ़ ही आएगा।
और इन दस दिनों में तो हम राजनगर की
मोजे की तरह पलटकर रख देंगे।

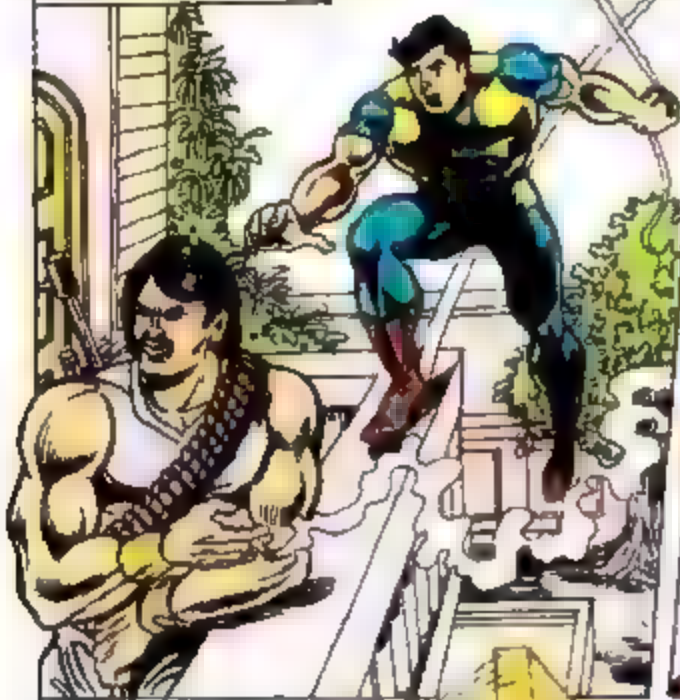
रुक और जाम, हमारे दुश्मन
सुपर कमांडो ध्रुव की मौत के
लाल।

भगवान करे, हमारी ये
मुसीबत हमेशा के लिए
वर ही जाए!

केड़ी और चचेरे की दुआ
सही होने के बजाय फिलहाल
उल्टा असर दिख रही थी-



क्योंकि 'ध्रुव' नाम की सुसीबत उनसे दूर जाने के बजाय उनके पास आ रही थी-



पास...



...और पास-



और फिर- सामने-

सुपर कमांडो ध्रुव यहाँ पर!



घबरा मत पचोरे! इसके पास हमारे खिलाफ कोई सबूत नहीं है। याद हमारा कुछ नहीं बिगाड़ सकता!



लेकिन मैं जानता हूँ कि बाकी के मरने के बाद तुम राजकमार के सबसे बड़े माफिया हों गनगास हो। और इसीलिए मैं तुम्हारे पास आया हूँ। ☆



ओह! यादी तुमकी भी केड़ी की मदद की जरूरत पड़ ही गई। बोलो!

मैं अगले कुछ दिनों तक राजनगर में नहीं रहूँगा। और अगर उन दिनों में रा रातों में राजनगर में कोई भी अपराध हुआ, किसी की चीन तक रबीची गई तो मैं पुलिस के पास नहीं, तुम्हारे पास आऊँगा। क्योंकि राजनगर का हर छोटा-बड़ा लफेंगा, आजकल तुम्हारे इशारों पर ही नाचता है।...

... और अगर ऐसा हुआ तो मैं न तो तुमको पुलिस स्टेशन ले जाऊँगा, और न ही अदालत...

... सारा मामला यहीं पर निबटा दूँगा।



उम्मीद है कि तुमसे दुबारा मुलाकात की जरूरत नहीं पड़ेगी।

लेकिन ध्रुव यह नहीं जानता था कि राजनगर में एक ऐसा अपराधी आने वाला है, जिस पर केही का जोर चलने वाला नहीं था-

यह बिल बुलाया मेहता आने वाला था, नारकाजील से-

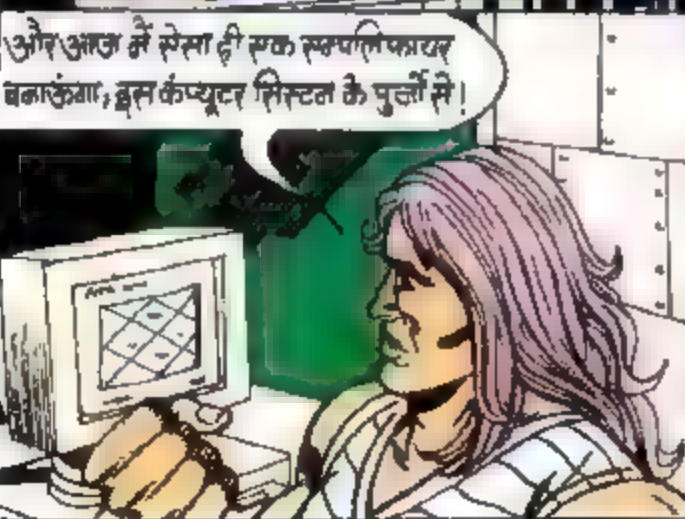
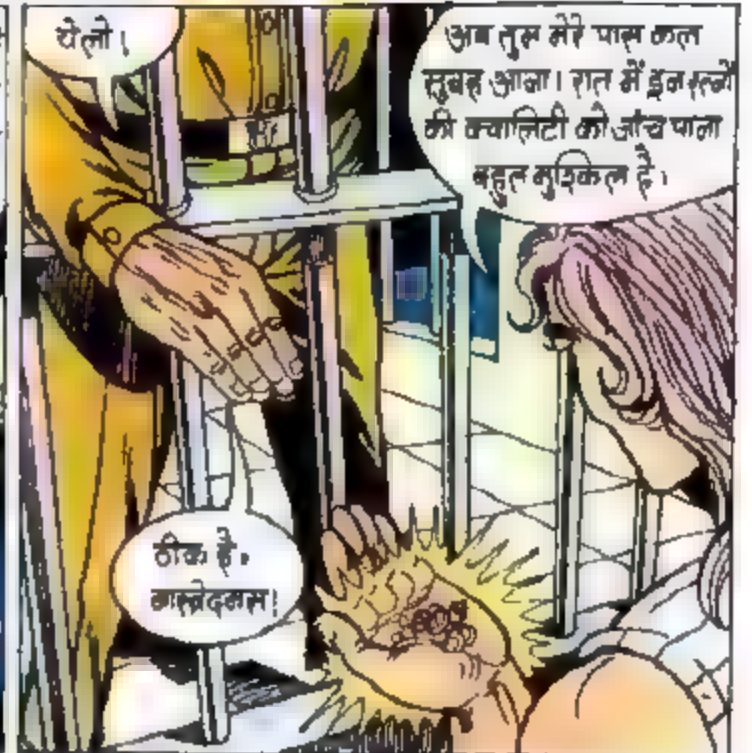
और उसका नाम था- मास्टरबक्स-



भारत के जेल के इन मूर्ख गार्डों को इसका भविष्य बता-बताकर मैंने इनकी छद्म कंप्यूटर लगाने की राजी कर लिया है। ये समझते हैं कि इस पर मैं इनका कंप्यूटर इन्डु अविष्य बताऊँगा...

... लेकिन इस कंप्यूटर से मुझे कुछ और ही काम है।...

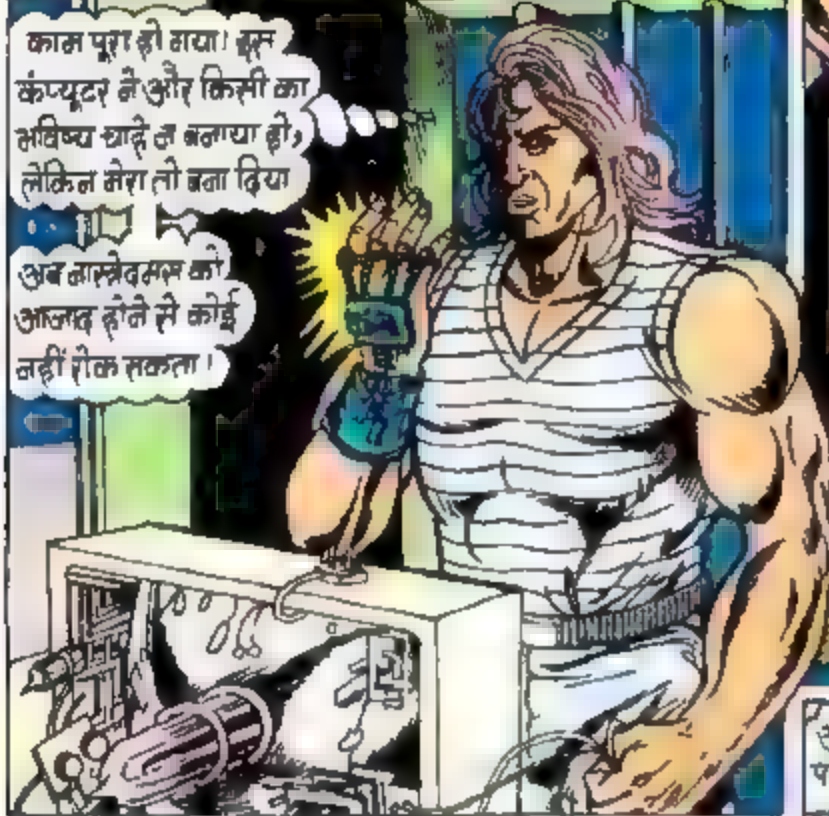
... अब मुझे इंजेल है उन रातों का, जो अब मेरे पास...



नास्त्रेदमस की सम्पत्ति फायर ब्रताने में लगभग तीन घंटे का समय लगा-

काम पूरा हो गया। इस कंप्यूटर ने और किसी का भविष्य चाहे न बनाया हो, लेकिन मेरा तो बना दिया

अब नास्त्रेदमस को आज़ाद होने से कोई नहीं रोक सकता।



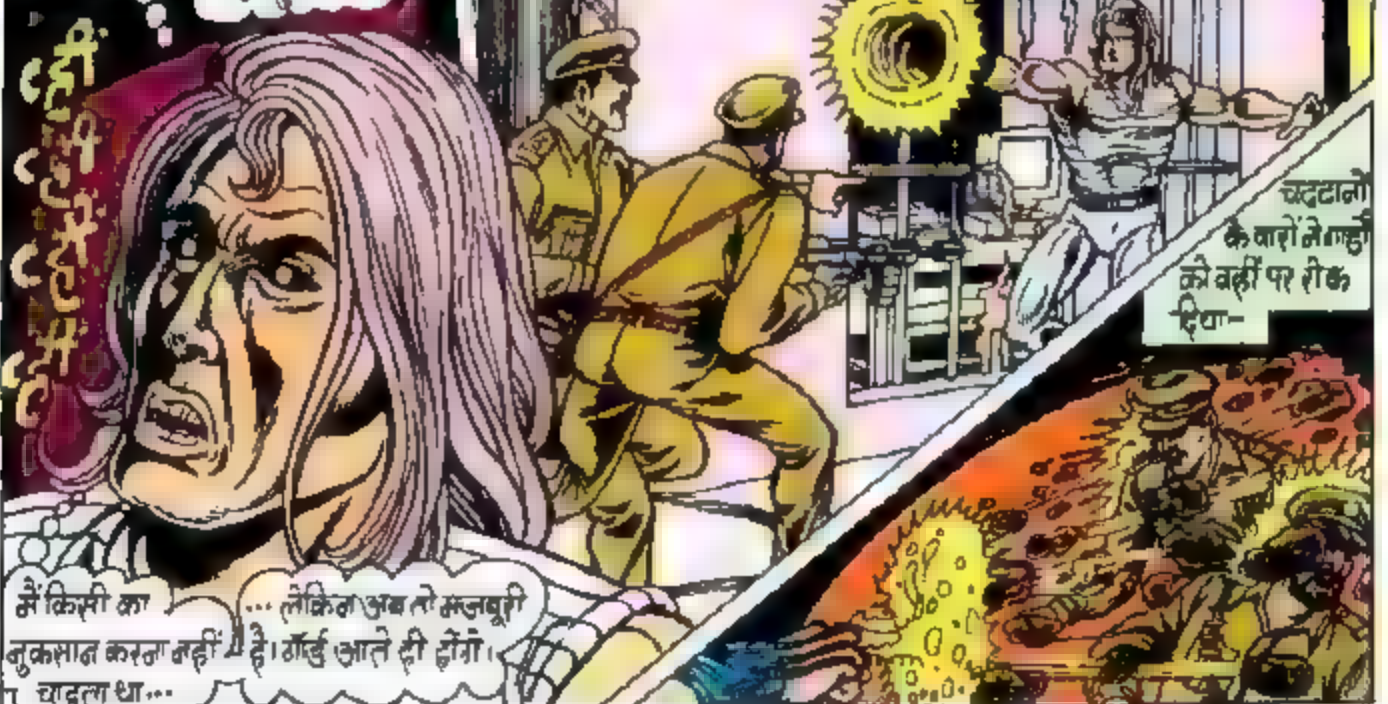
सबसे पहले बुध ग्रह की गर्म सतह की गर्मी से इन सतारों को पिघलाया जाय...



आ गया, और मेरे पास सिर्फ एक ही ... मरणा और वृद्ध संपत्ति का बीच घूम रही। सतहों पर केट धातुक इंधन की चट्टानों के दुकड़े। है...

... और फिर... ... सतारों के पिघलने ओह! ... ही अन्तर्ग बज उठा। बुरा हुआ।

ओ रद्दा!



मैं किसी का नुकसान करना नहीं है। मैं तुम्हें आते ही होंगे। चादला था...

चट्टानों के कारों ने गार्डों को वहीं पर रोक दिया-

लेकिन नारका जेल की सुरक्षा व्यवस्था बहुत मजबूत थी-



मेरे पीछे से भी गॉर्ड आ रहे हैं। जल्दी ही ये गलियारा गॉर्डों से भर जाएगा। मैं बिना वजह इनको मुकामान पहुंचाना नहीं चाहता।



इसलिए मैं खुद ही यहाँ से गायब होने का इंतजाम करता हूँ।...

... हाकू चढ़ के घले बादलों की मदद से।

और फिर गाढ़े बादलों ने कॉरीडोर को पूरी तरह से घेर लिया-

हाथ की हाथ सुकसई देना भी बन्द हो गया-



और बावला घंटने से पहले ही-

नास्त्रेदस नारका जेल से बाहर निकल चुका था-

सुधग्रह की ठंडी सतह से आती किरणों की मदद से मैं हवा में मौजूद जल कणों को जमाने हुए अपने लिए बारिश का रास्ता तैयार कर सकता हूँ।...

... अब मैं सीधा राजनगर जाकर ही रुकूंगा। और सबसे पहले सुपर बोबा को मजा दूंगा, उसकी धोरेवाजी की।...

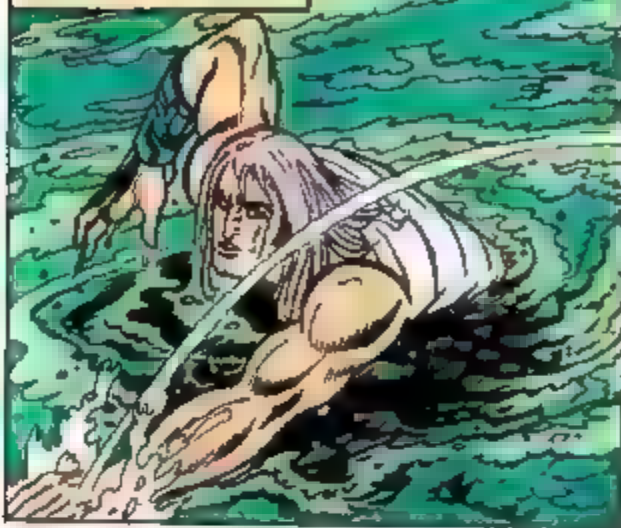


और फिर निबंदगा उस दुष्ट डॉक्टर साहा से।...

... जिसकी बजह से मुझे नारका जेल की सैर करनी पड़ी।

नास्त्रेदस का शरीर घले बादलों के बीच से घिरने लगा-

नास्त्रेदमस के भागने की खबर के फैलने में अभी काफी समय था। क्योंकि बगैर नास्त्रेदमस की पकड़ने का प्रयास किए, नारका जैसे चाले से बात प्रेस वालों को बताने वाले नहीं थे-



इसीलिए ध्रुव इस खबर से अंजान था-



कसाल है। रिचा के फ्लैट में अब तक लाता बन्द है...
...लगातार रुक-रुकती हो गया उसकी बिठा बताना बाहर गया हुआ...
...अब तक तो उसकी वापस आ जाता चाहिए था। ★

समय भी क्या काल की चीज है। कल तक मेरी जिन्दगी में दो लड़कियाँ थीं। नताशा और रिचा। और आज दोनों ही मुझसे दूर जा चुकी हैं। नताशा अपराध की बुनियाद है और रिचा न जाने कहाँ पर है।...



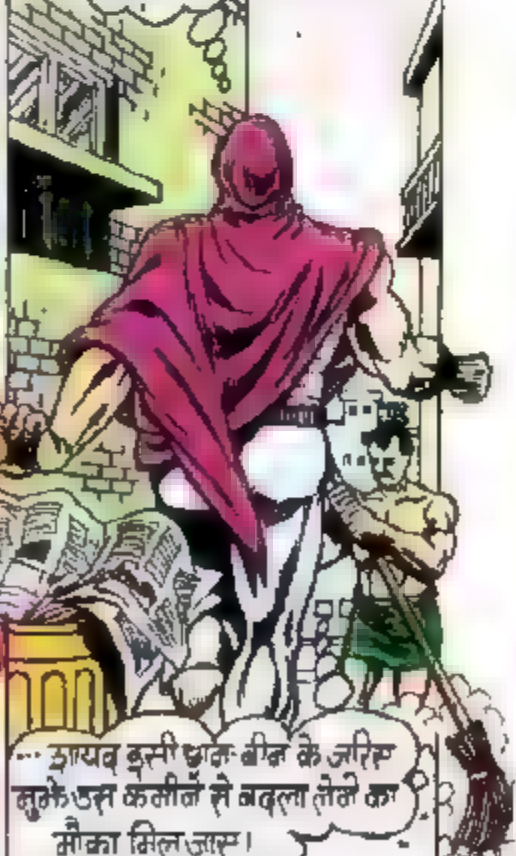
ध्रुव का ध्यान जल्दी ही रिचा और नताशा से हटकर कहीं और जाने लगा था-

क्योंकि नास्त्रेदमस अपना ध्यान राजनगर पर केन्द्रित कर रहा था-

ओह! मेरे यहाँ पर आने से पहले ही सुपर लोहा, धुव से पिटकर जेल पहुँच चुका है। और... और ये क्या? ध्रुव मकल गढ़ पर जा रहा है। और इस प्रोजेक्ट का डायरेक्टर, डॉक्टर साहा है।...



... वह कमीता डॉक्टर साहा तो कोई सही काम कर ही नहीं सकता। जरूर कहीं पर कोई गलतबंद है। मुझे इस प्रोजेक्ट के बारे में ध्यान-बिज करनी पड़ेगी...



... डायव इसी ध्यान-बिज के जरिए मुझे उस कमीत से बदला लेने का मौका मिल जाय।

★ रिचा ही ब्लैक कैट है, जो 'राजनगर की लम्बाड़ी' से नाराज की विष फुंकार से बँहोड़ा हो गई थी। तब से किसी की भी उसका पता नहीं मिलता है।

नास्रोदमस को 'स्पेस कंट्रोल सेंटर' के गोदाम तक पहुंचने में कोई खास दिक्कत नहीं हुई-

इस 'सिक्कोरिटी गार्ड' की यूनिफॉर्म लुके गोदाम के अन्दर तक पहुंचा देगी।...

... और जब तक यह दोश में आएगा तब तक मैं अपना काम करके यहां से निकल चुका होंगा।

और फिर गोदाम में-

अच्छा, तो ये है रॉकेट के पुर्जों का गोदाम। यानी कम से कम रॉकेट तो बनाया जा रहा है। अब कहीं और... प्र ये क्या?

ये रॉकेट के 'क्रायोजेनिक इंजन' में लगाते वाले 'आइसोटोप प्रोपेलर' का कंटेनर है। लेकिन यह क्या रखता है? इतने छोटे कंटेनर में तो 'आइसोटोप प्रोपेलर' समा ही नहीं सकता। यानी कुछ गड़बड़ जरूर है।

मैं भी सरकारी कर्मचारी रह चुका हूँ। और छोटे कंटेनर में बड़ा माल संगाने का मतलब अच्छी तरह से जानता हूँ।

जरा चेक करके देखा जाए कि अमला माल कब और कैसे आ रहा है। उसी से सारा मामला साफ हो जाएगा।

यह रहा। अमला माल कल ही आ रहा है।

राजनगर बंदरगाह पर 'जिवागो' नाम के मालवाहक जहाज पर।



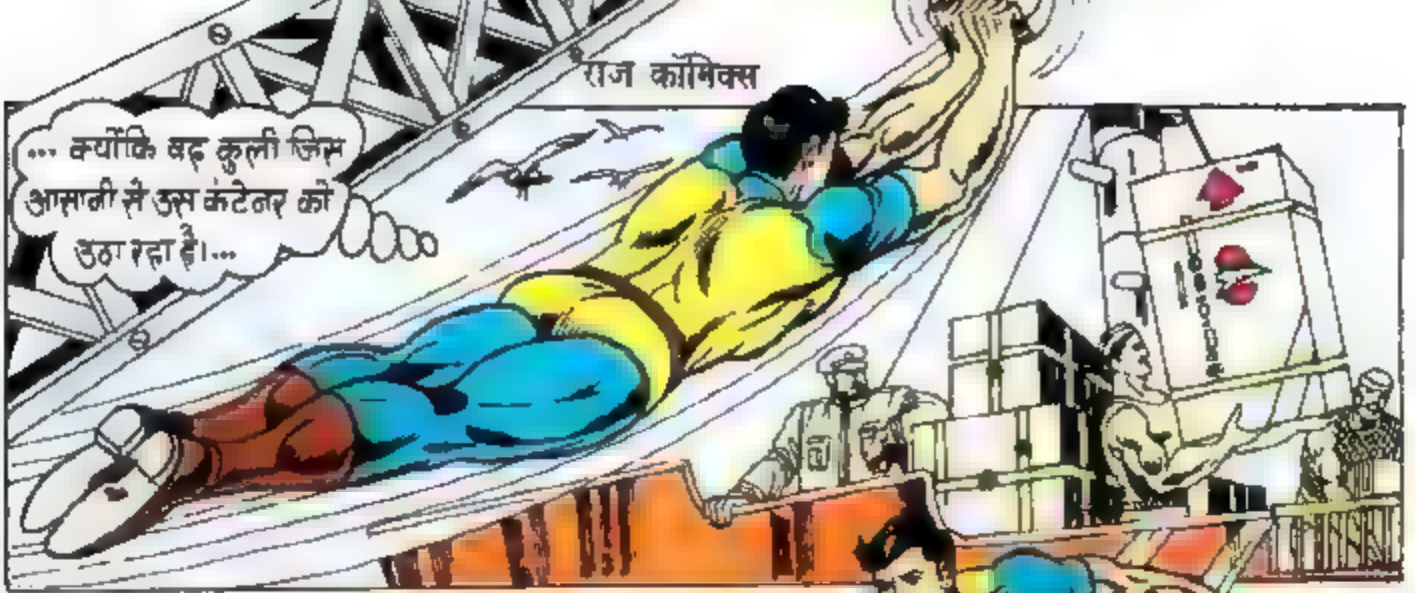
अगले दिन - राजनगर के व्यावसायिक बन्दरगाह पर -



माल उतारने की प्रक्रिया की, कैप्टन के अलावा कोई और भी ध्यान से निगरानी कर रहा था-



... क्योंकि वह कुली जिस
आसानी से उस कंटेनर को
उठा रहा है...



... उसे देखकर
साफ पता लगता
है...

... कि ये कंटेनर...

... खाली है।

हे! कौन
हो तुम?

वह गुलनाम जोल कौल एकदम
सही थी। ये सारे के सारे कंटेनर
खाली हैं।



हे मिस्टर!
मैंने पूछा कौन
हो तुम?



ध्रुव के आलाब होते ही बाकी दो कुली
जो ध्रुव की तरफ लपके -

धड़क

लेकिन आइरा के
अनुरूप ही -

धड़धड़धड़

तड़क

लड़ाई स्कमिनट से ज्यादा नहीं चली -

लेकिन मुसीबतें अभी
रवाना नहीं हुई थीं—

तेरी किस्मत में इरादत मौली
स्वाकर ही सरना निरवा है। और तुम्हें
मौली सरने से मेरा कुछ किम्हदा
भी नहीं।...

वैसे तो मौलियों से मुझे
कोई परेशानी नहीं होती
है... लेकिन फिलहाल
मैं तुम्हें टिगारदबके
की परेशानी से बचना
चाहता हूँ।

म.प.प.

ध्रुव के गोल होंठों से एक स्वास ध्रुव की सीटी निकली—

और कैप्टन के हाथों से पिस्तौल धूटकर दूर जा गिरा—

... क्योंकि इस वक़्त तू एक
चोर है, जो मेरे जहाज पर बिना
इजाजत के घुस आया है।

लेकिन इससे पहले कि ध्रुव का मुक्का, कैप्टन से पृथक् कर
सकता—

ध्रुव!
रुक जाओ!

तुम! तुम्हें मैं
पहचानता हूँ। तुम तो
डॉक्टर वेंकटराजू के
परमस्वामी सेक्रेटरी हो!

एक आवाज़ ने उसके हाथ को बीच में ही रोक दिया—

तुम इरादत रवाली कंटेनरों
को देखकर उत्तेजित हो गए
हो। लेकिन ये कंटेनर खाली
ही आते थे।

तुम तुरन्त डॉक्टर साहू या
डॉक्टर वेंकटराजू से बात कर लो।
वे तुम्हारी सारी समस्याफ़हमियों
को दूर कर देंगे।

ध्रुव को तो उसके स्वासों के जवाब, डॉक्टर साहू से मिल ही जाने वाले थे—

लेकिन कहीं और पर- सफल ही सफल थे,
लेकिन जवाब कहीं नहीं मिल रहे थे-

हमको पृथ्वी पर इस ग्रह के
अवसार दो साल बीत चुके हैं, टार !
लेकिन अब तक न तो हमको वृंदने
के लिए कोई आया, और न ही हम
अपने ग्रह तक मदद के लिए सिग्नल
भेजने में सफल हो पाए हैं।

हिंसित रहके
नाहारा ! हम
रबोजी हैं, और
हमारा इतने समय
तक बायब रहना
स्वाभाविक बात है।

थोड़े समय बाद
वे हमको वृंदने के
लिए जरूर निकलेंगे।

जो करना है, जल्दी करो टार !
कुछ दिनों पहले तक ये इलाका वीरान था,
लेकिन अब यहां पर काफी
चहल-पहल हो गई है !...

वैसे भी, मैं
इस 'सिग्नल-यंत्र' को
और शक्तिशाली बनाने
की कोशिश कर रहा हूं।
अब तक इस ग्रह के
चारों तरफ बनी ओजोन गैस
की पर्त हमारे सिग्नलों को
रोक रही है। सिग्नल बाहर
नहीं जा पा रहे हैं।

उसे तो मैंने भी देखा था। पर
वह मशीनी ढांचा है किस चीज का ?
वह मशीनी ढांचा था...

... उस 'रॉकेट' का, जिसे डॉक्टर वेंकटराजू और डॉक्टर साहा संगठन गढ़ में जलाने जा रहे थे-

लेकिन इस वक़्त दोनों का ही ध्यान, रॉकेट में नहीं था-

अभी-अभी मेरे पर्सनल सेक्रेटरी बंसल का फोन आया था मेरे पास। बड़ी गड़बड़ हो गई है। ध्रुव अभी न आने कैसे 'जिवागो' डिप पर पहुंच गया और उसने उस पर आने वाले खाली कंटेनर भी देख लिया।

क्या? वह डिप तक पहुंचा कैसे? और उसको यह खबर किसने दी कि कंटेनर खाली आ रहे हैं?

पता नहीं : लेकिन अब शाहद हमारी पोल खुलकर ही रहेगी मैं ही बधा था जो तुम्हारी स्क्रीन में शामिल हो गया।

घबराओ मत! ध्रुव को शक तो हो गया होगा, लेकिन मैं मामला संभाल लूंगा।

पर अब खतरा बढ़ गया है। तुमने ध्रुव को अंतरिक्ष यात्री बनाकर बहुत बड़ी गलती की है, वेंकटराजू! अब या तो ध्रुव की रास्ते से हटाना पड़ेगा और या फिर रॉकेट को ही ठिकाने लगाना होगा।

पर यह होगा कैसे? इन यह काम कैसे कर सकते हैं?

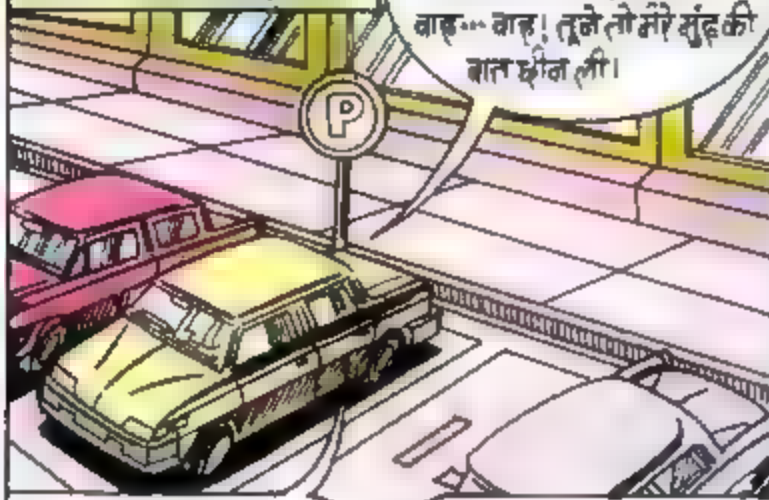
इस यह काम नहीं करेंगे वेंकट! लेकिन मेरी जान-पदचाल एक ऐसे आदमी से है, जो एक ऐसे कालिल का इंतजाम कर देगा, जो ध्रुव की रास्ते से हटा सके!

कौन है वह आदमी?

वह है, राजनगर का माफिया डॉन...
... के.डी!

डॉक्टर साहा ने केड़ी से संपर्क करने में ज्यादा वक़्त नहीं लगाया-

तुम्हें ध्रुव को स्वतंत्र करने के लिए आदमी चाहिए, साहा? वाह... वाह! तुमने तो मेरे मुँह की बात छीन ली।



मैं एक ऐसी अंतर्राष्ट्रीय किलर रिंदा को जानता हूँ, जो ऐसे हत्यारे सफ़ाई कर सकती है!...

...लेकिन उनके रेट बहुत ज्यादा हैं। वहाँ मैं ही किसी हत्यारे को बुलवाकर ध्रुव को स्वतंत्र करवा देता।

पैसे की तुम चिन्ता मत करो! सबसे अच्छे हत्यारे को बुलवाओ, केड़ी!

लेकिन अगर वह ध्रुव को नहीं मार पाया तो?



अब इसकी गारंटी तो कोई नहीं ले सकता, साहा!

ठीक है! तुम हत्यारे को बुलाओ! पहले वह ध्रुव को मारने की कोशिश करेगा! और असफल रहने की स्थिति में वह मंगल गृह जाने वाले रॉकेट को लूट कर देगा।

रॉकेट को लूट?... ऐसा क्यों?

बाल तो सूखी हैं तुम्हारी तो फिर सौदा पक्का।



तुम आम स्वाओ, केड़ी! आस के अन्दर की गुठली में क्या है, यह सोचकर दिमाग क्यों खराब करते हो?



~ तुम्हारे कमीशन की रकम कम पक्का... होते ही तुम तक पहुँचा दी जायगी।

वेंकटराजू को डॉक्टर साहा की योजना तो पसन्द आई, लेकिन एक बात उसकी समझ में नहीं आई-

तुम रॉकेट को नष्ट करने का काम दूसरों से क्यों करवाना चाहते हो? यह काम तो हम ही कर सकते हैं।

इसीलिए बेहतर तो यही है कि ये काम कोई बाहर वाला ही करे। ताकि कोई गड़बड़ होने पर उससे हमारा संबंध साबित ही न हो सके।



तुम भूल रहे हो, वेंकट कि रॉकेट को बनाने वालों में हमारे आदमियों के अलावा दूसरे आदमी भी हैं—

...और अगर उनके जरूरत बाहर फैल गई तो हम दोनों भी लपेटे में आ सकते हैं।



बात तो ठीक कही तुमने...

...झझझ: कोई आ रहा है!

डॉक्टर साहा और डॉक्टर वेंकटराजू इसी आने वाले का इंतजार कर रहे थे—



अम्हा! हमारा अंतरिक्ष यात्री सुपर कमांडो ध्रुव!...
आओ! आओ!

यककार?
कैसा यककार?



यह सब क्या यककार है,
डॉक्टर साहा?

जब मैं ध्रुव डॉक्टर साहा को राजतार कवर गाह पर घटे घटनाक्रम के बारे में बतला रहा था—

ओह, वे रमाली कंटेनर! यह तो हमारी सुरक्षा-व्यवस्था का एक हिस्सा है ध्रुव: दरअसल दुनिया के कई देश हमारे मंगल ग्रह अभियान से खुश नहीं हैं। वे हमारे प्रोजेक्ट में व्यवधान डालने की कोशिश कर सकते हैं। इसलिए हम रॉकेट के पुर्जों को तीन अलग-अलग रूटों से मंगाने हैं...



इन्हें से दो रूटों पर तो खाली कंटेनर
सेजे जाते हैं, और सिर्फ एक रूट पर
सामान आता है। इसका पता या तो हमको
होता है, और या फिर जवाज के कैप्टन
को ...

... इस 'जिवाही' डिप में तो
खाली कंटेनर ही आने थे। माल
तो हमारे पास पहले ही पहुंच
चुका है।

क्या सोचने लगा
अस ? अब सोचना छोड़ो,
और रॉकेट साइट पर चलने
की तैयारी करो !

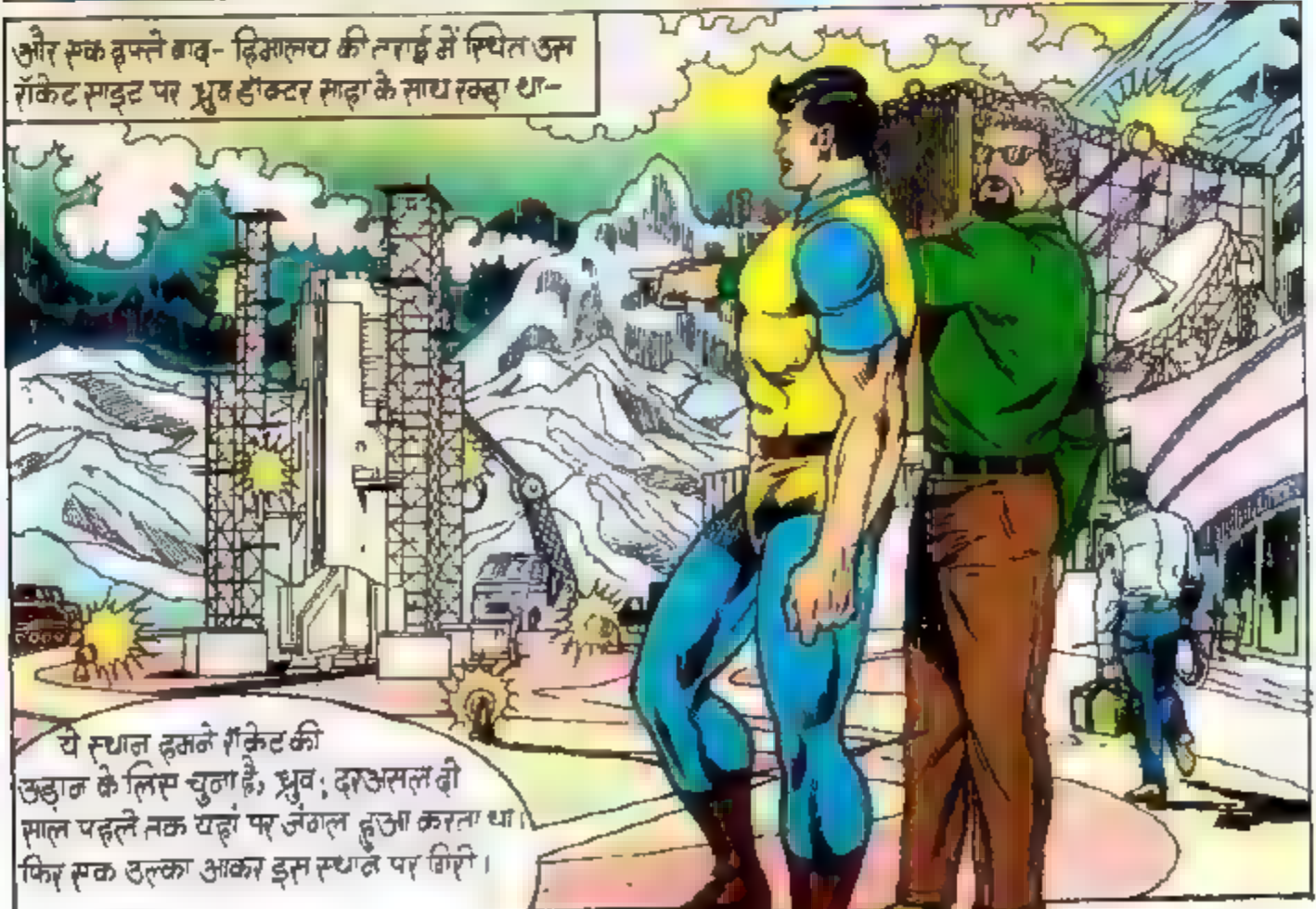
अब तुम्हारा
ऊपर जाने का समय
आ गया है, ध्रुव !



ओह !
ध्रुव को
शक तो हुआ, लेकिन फिर भी वह स्वयं को रूढ़ गया-

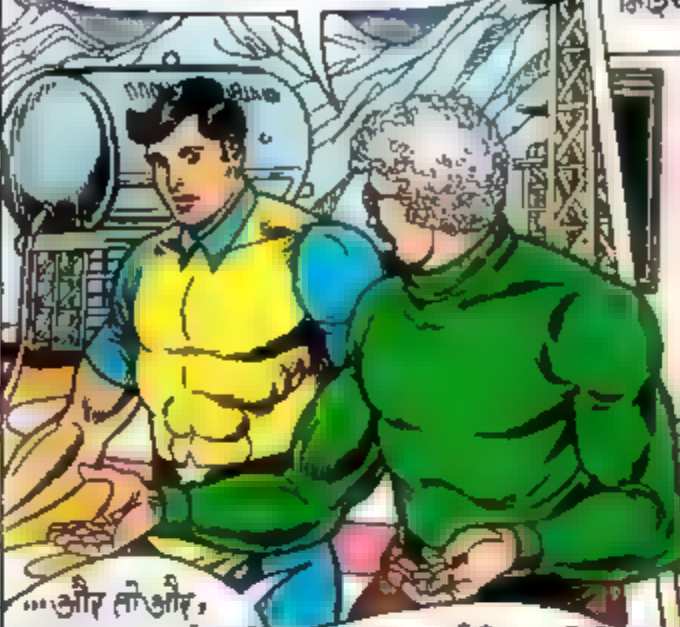


और एक वफ़्तें बाद- हिमालय की तराई में स्थित उस
रॉकेट साइट पर ध्रुव डॉक्टर साहू के साथ रुक़ा था-



ये स्थान हमने रॉकेट की
उड़ान के लिए चुना है, ध्रुव; दरअसल दो
साल पहले तक यहां पर जंगल हुआ करता था।
फिर एक उल्का आकर इस स्थान पर गिरी।

अजीबो-गरीब उल्का थी वह ! उसके टकराने से इस पूरे इलाके का जंगल जलकर राख हो गया, लेकिन जमीन में एक गड्ढा तक दिग्विध्वंस नहीं किया...



...और तो और, उस उल्का का भी कहीं कायद टकराने के घमाके ने कोई पता नहीं चलता। उसकी पूरी तरह से नष्ट कर दिया था।

लेकिन यहां पर अंतरिक्ष से सीधी उल्का आकर गिरने से हमको ये निश्वास हो गया कि अगर इस स्थान से रॉकेट को छोड़ा जाए तो उसका उड़ान-पथ निश्चित करने में आसानी होगी।

इसीलिए हमने इस स्थान को रॉकेट छोड़ने के लिए चुना है।

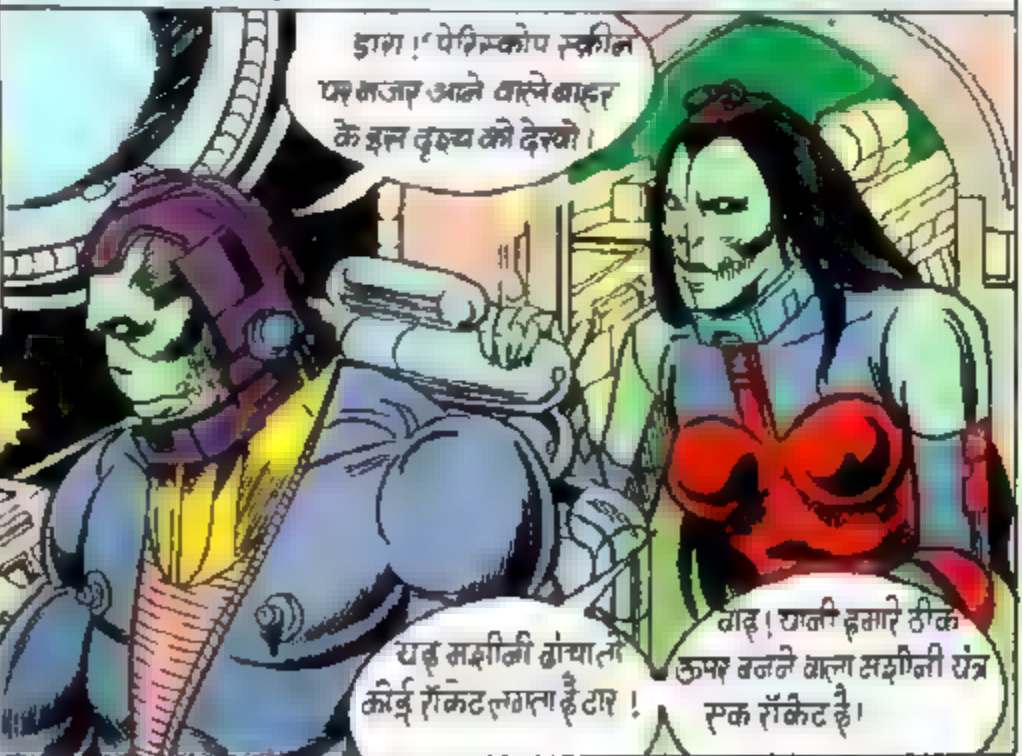


डॉक्टर साहू का रजिस्ट्रार एकदम गलत था-

अंतरिक्ष से आकर गिरने वाली वह वस्तु उल्का नहीं थी-



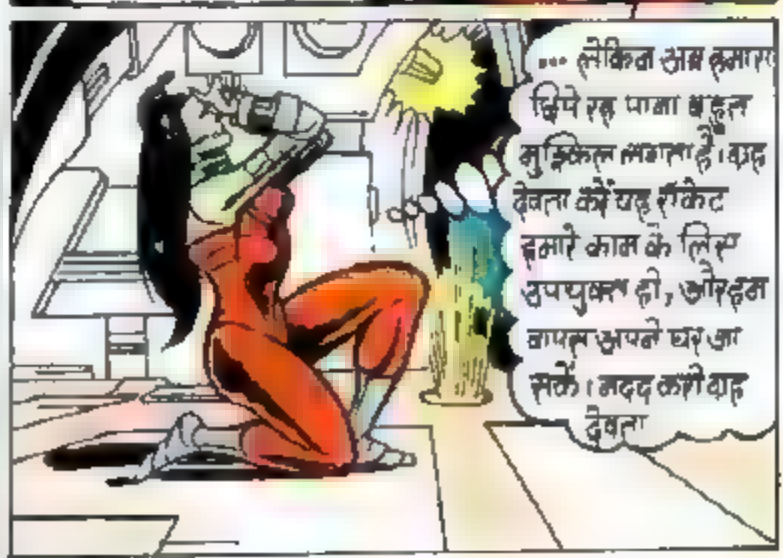
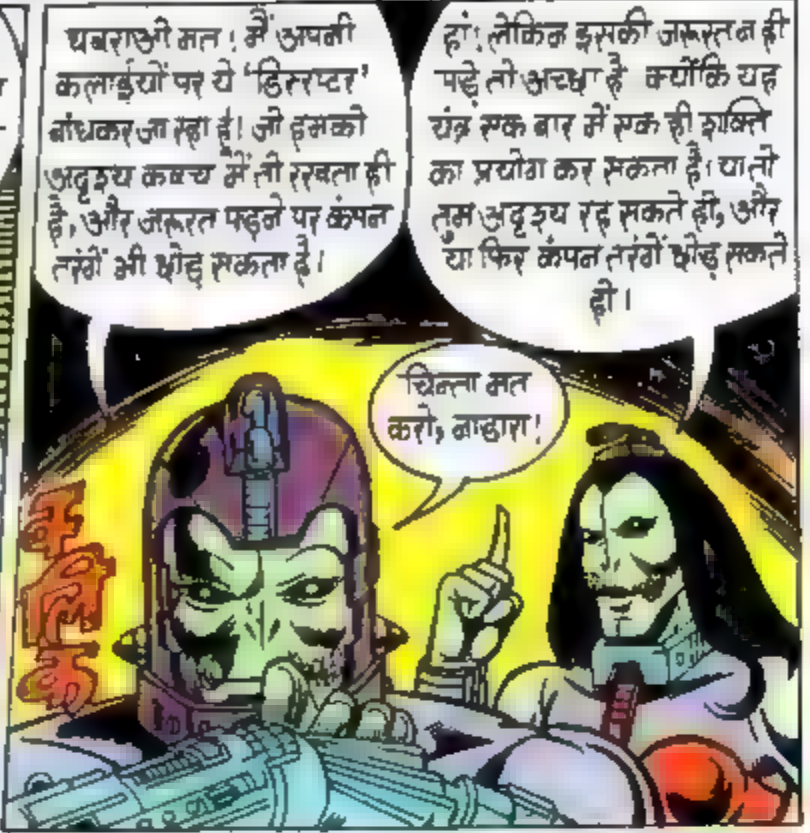
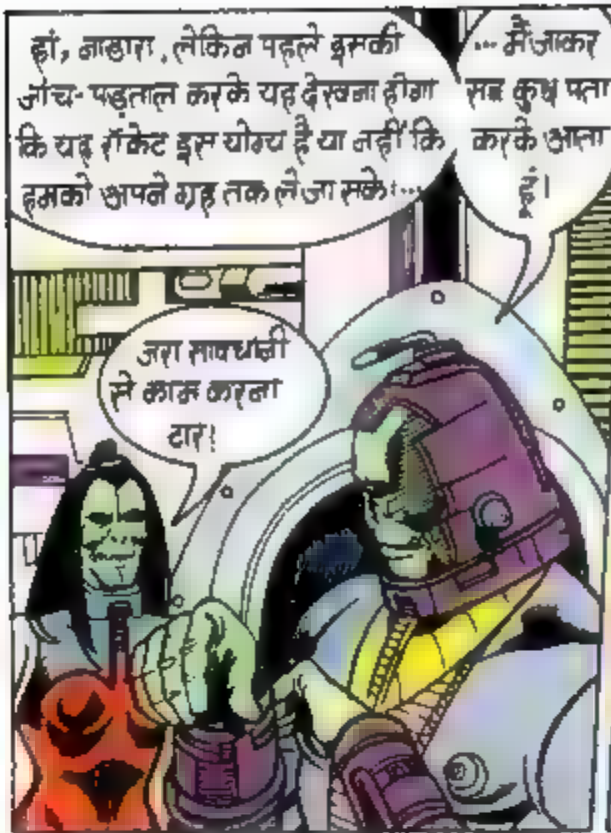
बल्कि एक अंतरिक्ष यान था, जिसके धरती से टकराने पर गड्ढा हुआ तो जरूर था, लेकिन अपने इन्जिनशाली 'सब्रेशन पंपों' की मदद से उन अंतरिक्ष यात्रियों ने मिट्टी को वापस रबींचकर गड्ढे को भर दिया था, और भूमि को फिर से समतल कर दिया था-



डारा ! 'पेरिस्कोप स्क्रीन' पर सज्जर आने वाले बाहर के इस दृश्य को देखो।

यह सहीनी बोया तो कोई रॉकेट लगता है टार !

वाह ! यानी हमारे ठीक ऊपर बनने वाला सहीनी यंत्र एक रॉकेट है।



लेकिन ताहारा की इच्छा
झायव पूरी होने वाली नहीं थी-

क्योंकि इसी वक्त
सलह के ऊपर बने
रोकेट कंट्रोल सेंटर
में-

क्या मैं अंदर
आ सकता हूँ
सर?

मेरे
पर्सनल सेक्रेटरी बंसल
आओ, कहां क्या
बतलें?

हो किन्तु की सीधी सी
बल है, वेंकटराज! आप तो
जागते हो हैं कि भुव भुवसे
उस दिना राजमहल बंदरगाह पर
बहुत प्रस्ताव कर रहा था।

आज यहां पर दिखती ली कुछ
प्रधान की कोशिश कर रहा था मुझे
खर है कि कहीं मेरा मुंह न खुल जाय।

और आप तो जागते
ही हैं कि अगर मेरा मुंह
खुला तो आप लोगों की सारा
बन्द हो जयगी।

क्या चबने
ही हमसे?

आप मुझे मुंह बन्द रखने के लिए जितना
वेर दे दें, उतना काफी नहीं है, मुझे उससे
दुगुना चाहिए।

और अगर
बंदूतें?

तो मेरा मुंह खुल
ही सकता है सर!

मुंह खोलीगे तो
तुम भी फंसोही
बंसल!

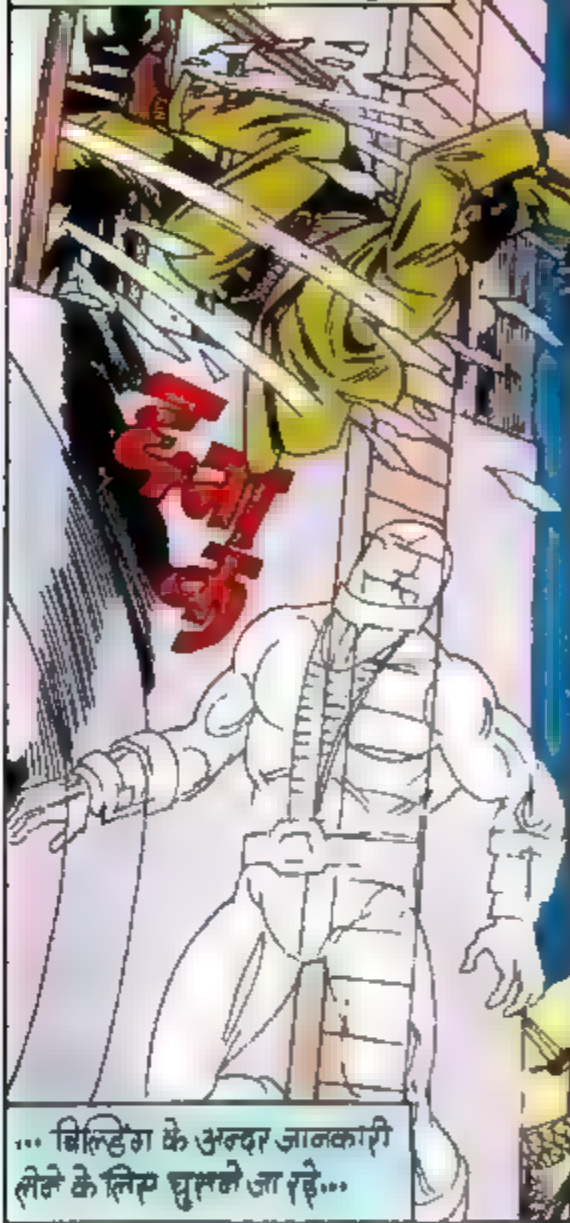
मैं तो ध: महीले में धुट जाऊंगा,
लेकिन तुम दोनों कम से कम
हीम-हीम सारों के लिए अन्दर
जाओगे।

यू रास्कल!
जमक दहम!
कमीने!

गुस्से में कंपनी वेंकटराज और सहायक
साथ ही बंसल पर दूट पड़े-

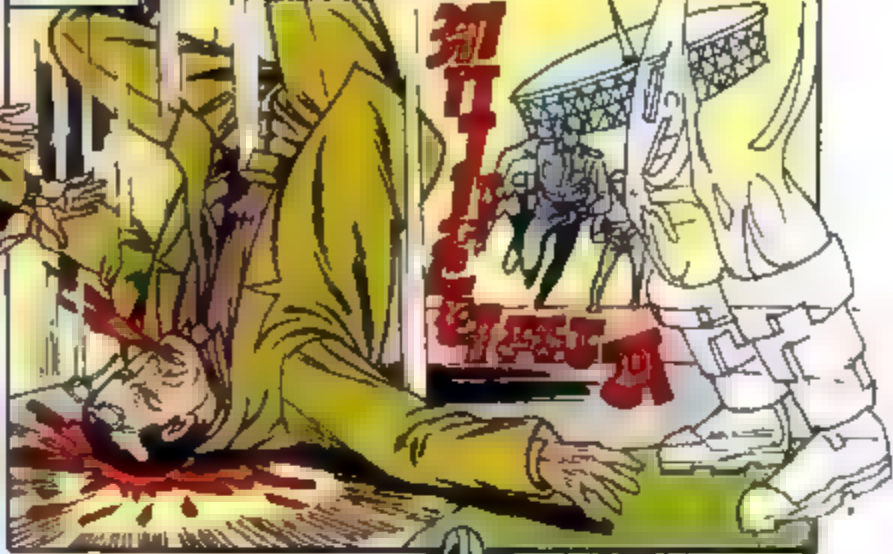
और बंसल अपना संतुलन खोकर...

... स्विट्की का शीशा तोड़ता हुआ...



... बिल्डिंग के अन्दर जानकारी लेने के लिए घुसने जा रहे...

... टार के सामने आ गिरा-



भुव भी इनमें से एक था-

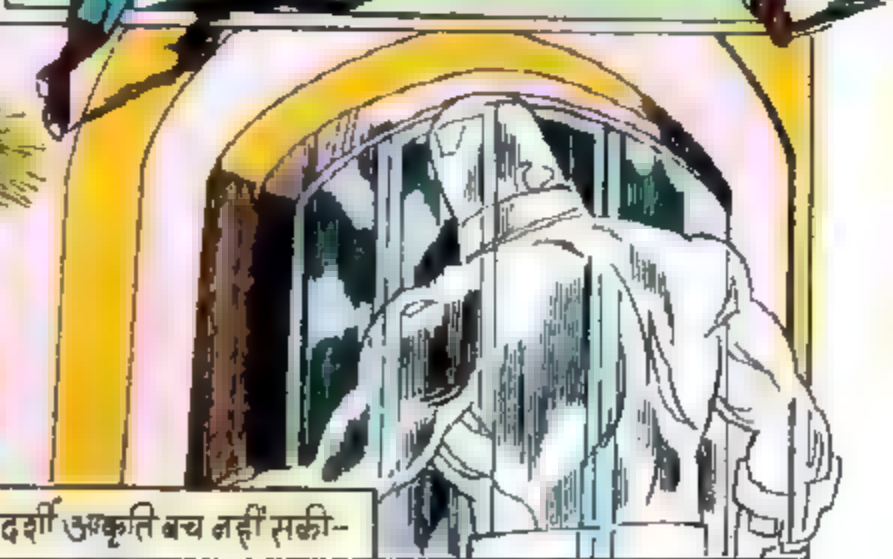
क्या हुआ? अरे, ये तो बेस्तर है। डॉक्टर वेंकटराज का पर्सनल सेक्रेटरी।

पता नहीं क्या हुआ। मैंने तो इसे जमीन पर लकड़पता हुआ बेरा।



कांच के टुकड़े देखने से तो लगता है कि ये ऊपर से गिरा...

... अरे! यह क्या है?



भुव की तेज निगाहों से टार की शीशों जैसी पारदर्शी अकृति बच नहीं सकी-

ओह, इस मानव ने मुझे
वेरव लिया है कसाल की नजर
है इसकी। अब मुझे यहाँ से
आगना पड़ेगा।

लेकिन अब तक ध्रुव, टार की आकृति की तरफ लपक चुका था-

सोचने में मूर्खता लगती है।
लेकिन मुझे चेक करके देखना
दीगा कि यह सचमुच है या मेरी
नजरों का वहम।

क्योंकि अगर यह
असली है तो इसका संबंध
बंस्ल की हत्या से हो
सकता है।

अगले ही पल ध्रुव को पता चल गया
कि उसकी आंखें ठीक हैं-

आह!... आश्चर्यजनक,
ये तो कोई आदमी लग रहा
है। अदृश्य रूप में!...

और अगर यह कोई आदमी
है, तो बंस्ल की हत्या से इसका
संबंध जरूर है। यह हत्यारा
भी हो सकता है।...

त
डा
क

... और सुपर कलांडो ध्रुव से
बचकर कोई भी हत्यारा भाग
नहीं सकता!

लेकिन सिर्फ एक पल के लिए-

?

क्योंकि अगले ही पल टार के शक्तिशाली
दाथों ने ध्रुव को उछालकर दूर फेंक दिया-

ध्रुव ने उस अदृश्य आकृति की गर्दन को कस लिया-

और ध्रुव के साथ-साथ कई दूसरे लोग भी आश्चर्यचकित हो गए-



कारण, सिर्फ ध्रुव समझ रहा था-

कुछ गड़बड़ है। इस आकृति ने
मुझे जिस आसानी से उठाकर फेंक
दिया, उसे देखकर तो लगता है कि
यह आदमी नहीं, वनमानुष है-



टार थोड़ा चिन्नित हो उठा-



ये मानव तो मेरे पीछे ही पड़ गया है। दरअसल इसकी नजरें मेरी आकृति पर जम चुकी हैं। एक बार अगर मैं इसकी नजरों से ओझल हो गया तो फिर यह मुझे नहीं दूँद भाग्य...

...और तब मैं आराम से अपने गुप्त द्वार से रान तक जा सकूँगा।

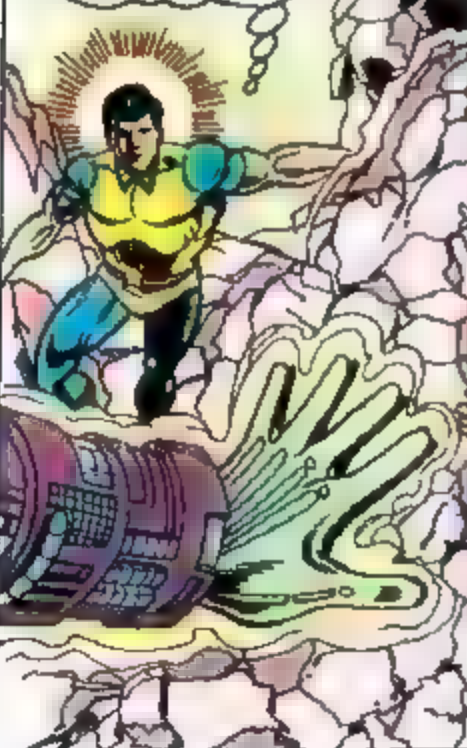


मैं इसकी मारना नहीं चाहता। (विकृत सिर्फ यही है इसीलिए इस पर सिर्फ इसका ध्यान बंटाने लायक वार ही करूँगा।) (किन्तु मुझे अतृप्त रूप कुछ पलों के लिए त्यजना होगा।)

कलाई पर बंधे 'डिस्पेंसर' का बटन दबाते ही टार का अदृश्य कवच हट गया-

हे भगवान! ये तो किसी दूसरे ग्रह का प्राणी लग रहा है

यह उस चट्टान की धूर रहा है। चट्टान शरधरा रही है। यह जलरूप अपने हाथों से 'शोक वेध' छोड़ रहा है। लेकिन चट्टान पर क्यों?



ओह! समझ गया। चट्टान के टुकड़े मुक पर गिर रहे हैं...

...ओफ!

कड़कड़ाहट की आवाज 'रोकेट साइट' तक जा पहुंची-



ये तो चट्टान टूटने की आवाज थी!

धुव उड़ा गया है।

'जिमी' उसे दूँद निकालेगा गो, जिमी!

इस पीछे-पीछे चलते हैं!

और पहाड़ों पर-

वह पृथ्वीवासी कहीं नजर नहीं आ रहा है; वह ऊपर चट्टान के टुकड़ों के साथ ही नीचे लुढ़क गया होगा। और साथ ही साथ इतना घायल भी हो गया होगा कि मेरा पीछा न कर सके।

ध्रुव नीचे नहीं गिरा था-

टार एक दम गलत सोच रहा था-

चट्टानों के नीचे से निकली पेड़ की इन जड़ों ने मुझे गिरने से बचा लिया।...

... लेकिन इस प्राणी ... और जब की अभी तक इस बात तक इसकी का सहसास नहीं है। ... अहमक होगा-

... तब तक डेर हो चुकी होगी। मैं इस पर कायरों की तरह पीछे से हमला करता नहीं चाहता। पहले इसको सावधान कर देता हूँ।

ये!

आवाज सुनकर वह पीछे घुमा-

और उसी पल ध्रुव का एक जोरदार वार उसके चेहरे पर आ पड़ा। इस जोरदार वार के पीछे, ध्रुव के पूरे बदन का वजन था-

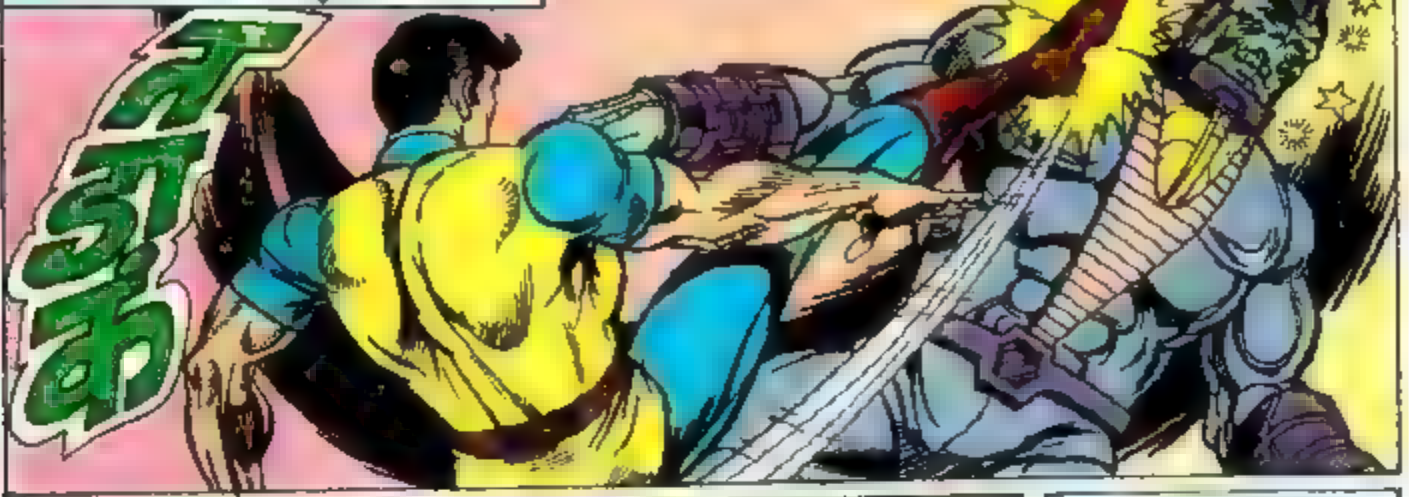
और टार कार्गिक लम्बाई का आदी नहीं था-



उसका पूरा सिर कलकलता उठा-

और उसके संभल पाने से पहले ही, ध्रुव ने उसकी कतकतनाहट को दुरुनुा कर दिया-

कुछ समक पाने से पहले ही-



टार नीचे गिरा हुआ था। और ध्रुव उसके ऊपर रकड़ा था-

पता नहीं तुम मेरी बात समक सकते हो या नहीं। लेकिन अगर समक सकते हो तो बताओ कि संभल नीचे कैसे गिरा था और तुम वहां पर क्या कर रहे हो?



और ध्रुव के पूरे शरीर में एक तेज धरधराहट दौड़ गई-

ध्रुव वहीं पर वह गलती कर गया, जो उसे नहीं करनी चाहिय थी-

वह टार के काफी नजदीक आ गया था। अगले ही पल टार ने लपककर उसका पैर थाम लिया-



और फिर- असहाय ध्रुव की आंखों के सामने ही टार फिर अदृश्य हो गया-

अब ये अदृश्य होकर भागा निकलेगा। और मैं इस हालत में इसका पीछा नहीं कर सकता। मुझे संभलने में कम से कम कुछ सेकंडों का वक्त तो लगना ही।...

... और तब तक ये मेरी ही गया। अब मैं जंगलों में ओभरल हो चुका हूँ।... इसको कभी दूँद नहीं पाऊँगा।... अरे!

... और मैं... वाह...

ये ओभरल की आवाज कैसी है? कोई कुत्ता इधर ही आ रहा है।...

... अरे! यह तो मिस्कोरिटी क्लॉक का कुत्ता है, जो सूँघकर बसों तक की दूँद निकालता है।

बस गया काम, अगर तू बसों तक की दूँद निकालता है तो उस परगढ़ी की सी सूँघकर दूँद निकाल सकता है।

वह अदृश्य तो हो सकता है, पर अपनी गाँध को नहीं बचा सकता।

चलो, उसे बँदते हैं।

जिमी, ध्रुव की बात को समझने ही टार की मदद सुँघते हुए, एक तरफ लपक गया-

टार अभी ज्यादा दूर नहीं गया था-

अब मैं इस जंगल के बीच में होते हुए आराम से अपने घान तक पहुँच... अरे! ये आवाज कैसी है?

जब तक टार आवाज के स्रोत का पता लग पाता, आवाज निकालने वाला उस पर भ्रष्ट चुका था-

झींझ

वाह! मेरे दोस्त ने उस परगढ़ी को दूध निकाला है। लेकिन इसे काबू में तो मुझे ही करना पड़ेगा।

यह मेरे सामने एक बार अदृश्य हुआ है, और एक बार अदृश्य रूप से सामने आया है और दोनों ही बार इसने अपनी दाहिनी कलाई पर बंधे चक्र का कोई बटन दबाया था...

...इसकी काबू में करने के लिए उस चक्र को लुप्त करना होगा।

मुझे इस पर सिर्फ एक बार करने का ही मौका मिल पाएगा।...

... इसलिये इसकी डीडी जैम्स अकृति को अरा और स्पष्ट करना पड़ेगा....

... और उसके लिए कीचड़ का ये मज्जा मेरी मदद कर सकता है

तडाक

हट पाक

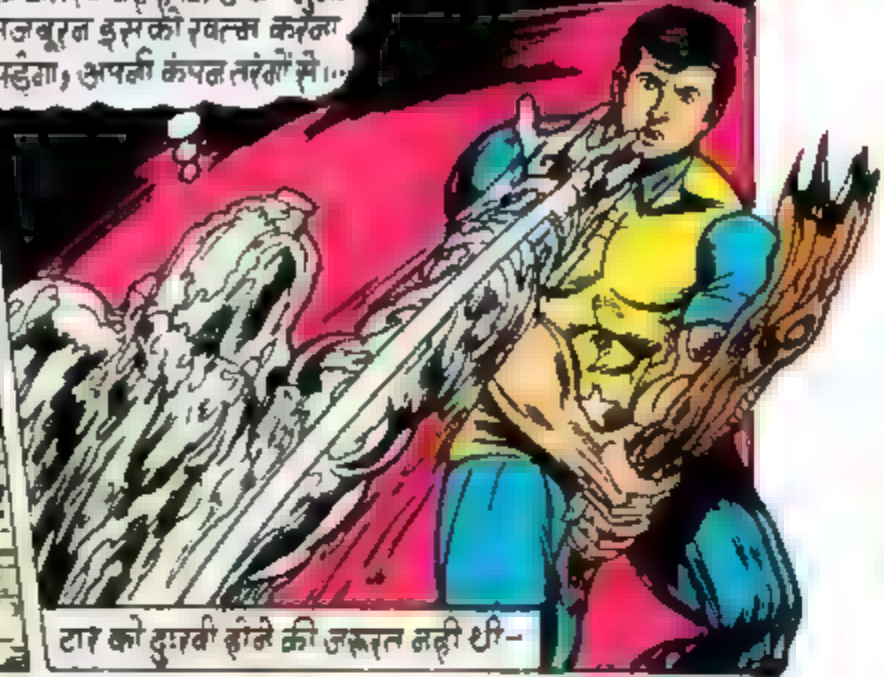
और टार का अवुक्ष रूप जब कीचड़ के गढ़ों से उठकर खड़ा हुआ तो उस पर सने कीचड़ की कजह से वह साफ नजर आ रहा था-

अब तुम बचकर नहीं जा सकते। क्योंकि मैं तुमको दूसरा मौका नहीं दूंगा।



यह 'ध्रुव' नामक पृथ्वीवासी ने राजब का बुद्धिमान है। पर दास की बात तो यह है कि अब मुझे मजबूरन इसकी खत्म करना पड़ेगा, अपनी कंपनी तरंगों से...

... वहाँ यह मेरे लिए मुसीबत के पहाड़ खड़े कर देगा..



टार को दूरकी दाने की जरूरत नहीं थी-

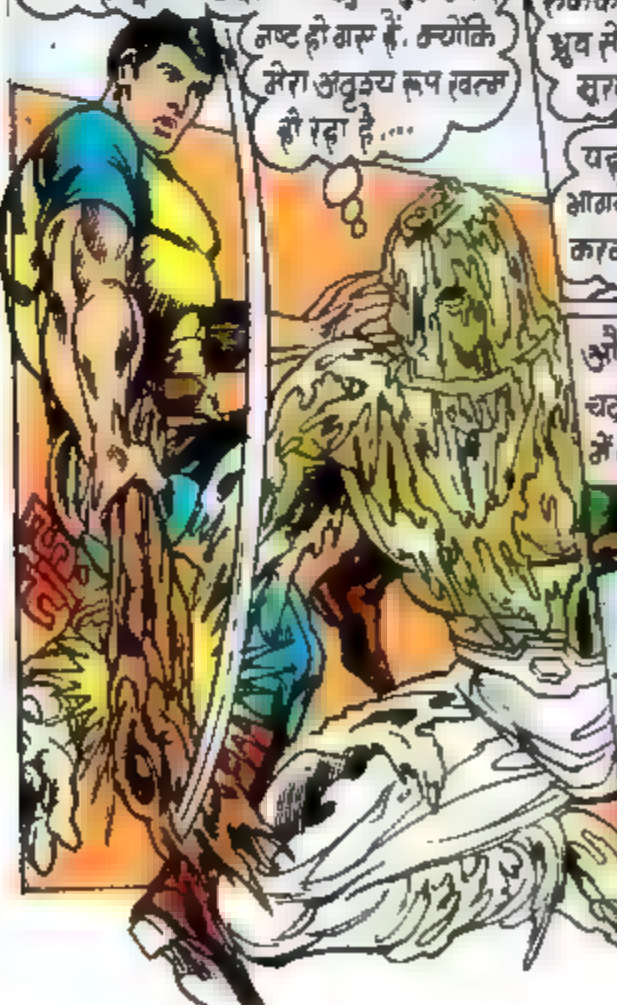
क्योंकि ध्रुव को मार पाना उसके बस के बाहर की बात थी-

ओह! इसने मेरे 'डिस्ट्रक्टर' पर वार किया है। इसके लेंडर के नाजुक पुर्जे जरूर नष्ट हो गए हैं। क्योंकि मेरा अवुक्ष रूप खत्म हो रहा है....

...और मैं कंपनी तरंगों भी नहीं छोड़ पा रहा हूँ।...

ऐसी स्थिति में यहाँ पर रुककर इस खतरनाक ध्रुव से मुकाबला करना सुरक्षित है।

यहाँ से भागने का इंतजाम करना पड़ेगा।



और ध्रुव के देखते-देखते टार स्क चटान पर से उफनती पहाड़ी नदी में कूद गया-

इससे पहले कि ध्रुव भी उसका पीछा करने के लिए नदी में कूद पाता...

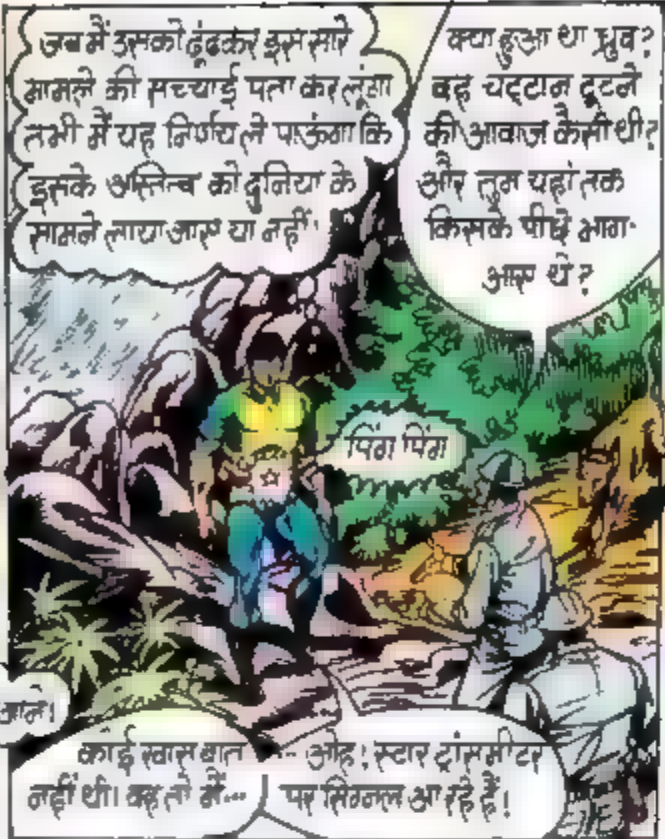




एक आवाज ने उसका ध्यान स्वीच लिया—
सिक्योरिटी गार्ड्स! हां, मैं ठीक हूँ।

ध्रुव! तुम ठीक तो हो न?

अब मैं उस परवारी के पीछे जही जा सकता। क्योंकि मैं नहीं चाहता कि फिलहाल कोई और उसके बारे में जाने।



जब मैं उसको ढूँढकर इस सारे मामले की सच्चाई पता कर लूँगा तभी मैं यह निर्णय ले पाऊँगा कि इसके अस्तित्व को दुनिया के सामने लाया जाए या नहीं।

क्या हुआ था ध्रुव? वह चटपटा दूटने की आवाज कैसी थी? और तुम यहाँ तक किसके पीछे भाग आए थे?

पिंगा पिंगा

कोई स्वास बात... ओह! स्टार ट्रांसमीटर नहीं थी। वह तो मैं... पर सिग्नल आ रहे हैं!



यह जरूर डॉक्टर साहब या वेंकटराज का सेसेज होगा। यहाँ पर मैं सिर्फ उनकी अपनी ट्रांसमीटर का कोड देकर आया था...

... ध्रुव हियर!

ध्रुव, मैं सादा बोल रहा हूँ।



हमारे रॉकेट ईंधन की लेकर आ रहे हैंकर को किसी ने यहाँ से एक किलोमीटर दूर ले जाकर रहे हैं। तुम वहाँ तुरंत पहुंची हाइवे पर रोक लिया है...

... हमारे सिक्योरिटी गार्ड्स उसको रोक पाले मैं असफल हो रहा हूँ। आप चिन्ता मत कीजिए मैं अभी वहाँ पहुंचता हूँ।

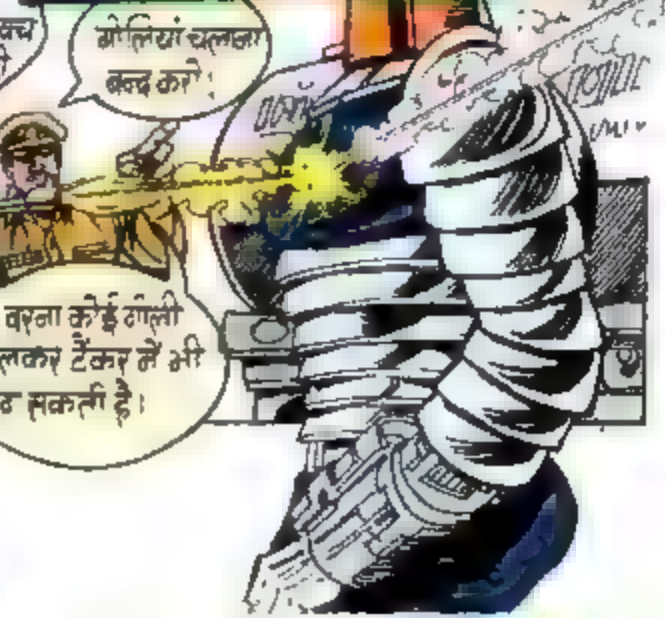


हा हा हा: देखा वेंकटराज की रोकने वाला हमारा ही आवामी है। जिसे केव्ही ने यहाँ पर भेजा है।

अब जब ध्रुव वहाँ पर पहुंचेगा, तो वह पर उसको मिलेगी उसकी मौत।

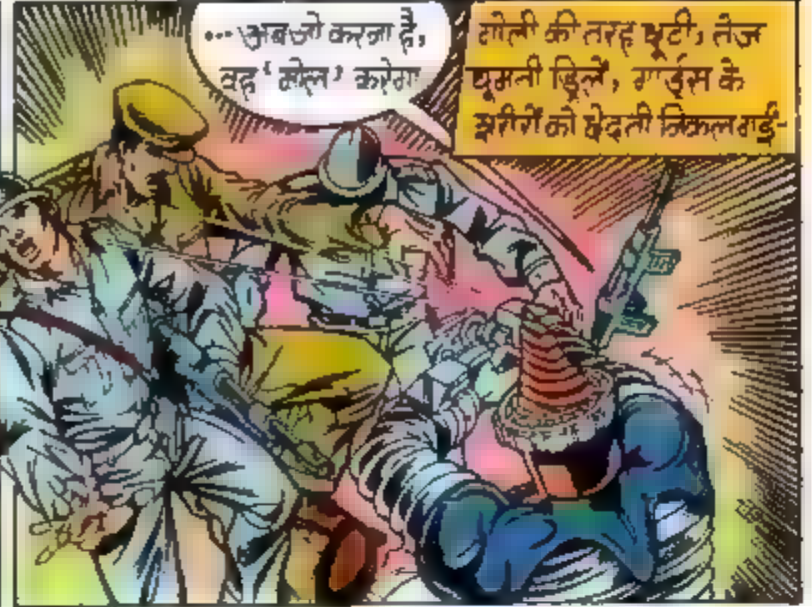
टैंकर को रोकने वाला सचमुच साक्षात मौत का परकाला था—

ओ माई गॉड! हमारी गोलियाँ इसके स्टील कच पर बेअसर साबित हो रही हैं।



गोलियाँ चलना बन्द करे!

वरना कोई गोली उधलकर टैंकर में भी लड़ सकती है।

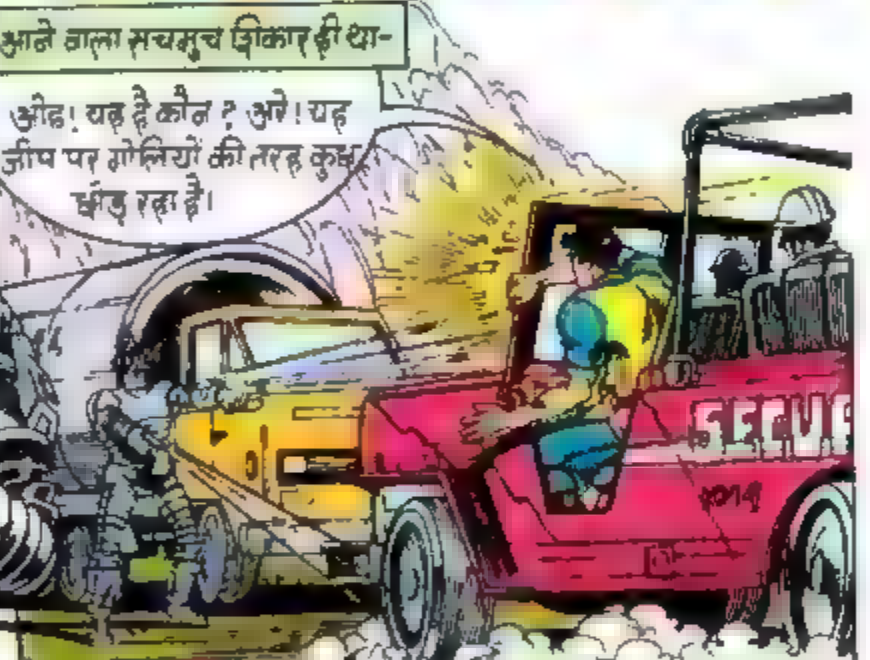
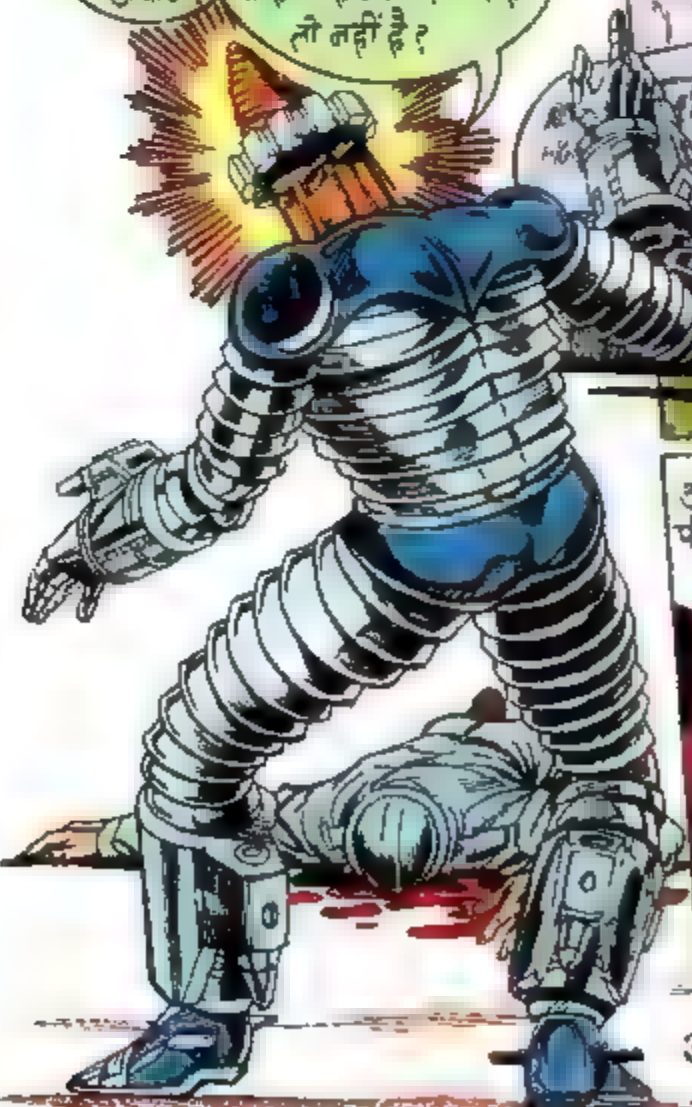


लेकिन टैंकर को रोकने वाला वह ड्राइवर 'मोल' अपनी सफलता पर हंस नहीं सका-

आने वाला सचमुच डिकार ही था-

जीप की आवाज! यानी कोई और आ रहा है! कहीं यह मेरा डिकार ही तो नहीं है?

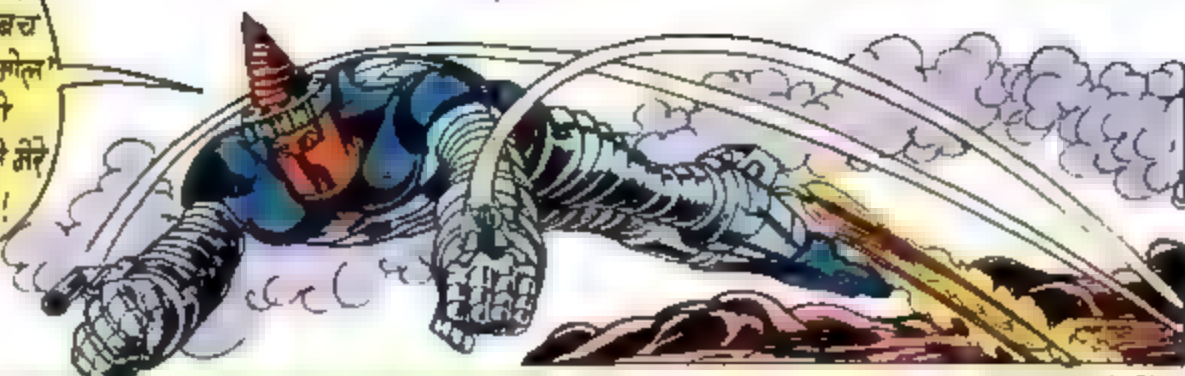
ओह! यह है कौन? अरे! यह जीप पर गोलियों की तरह कुछ छोड़ रहा है।



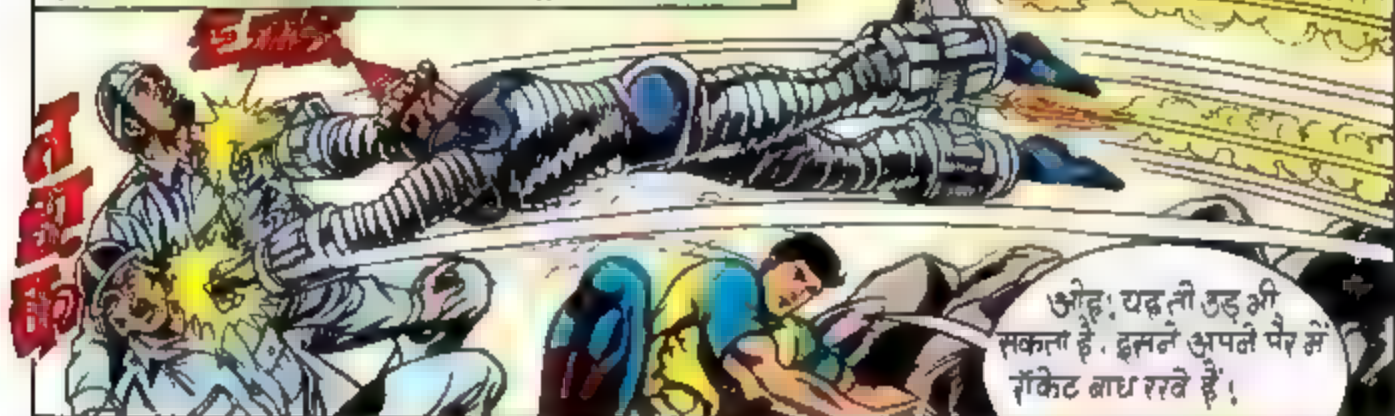
ओह! टायर पकचर हो गया है! जीप नियंत्रण से बाहर हो रही है!



ओह! कूदकर बच
गया! लेकिन 'मोल'
के पास और भी
हथियार हैं जैसे मेरे
रॉकेट झूज!



दोनों सिविलियन गार्ड्स, अपने जब्बों को टूटने से न बचा सके—



ओह! यह तो उड़ भी
सकता है! इसने अपने पैर में
रॉकेट बांध रखे हैं!

तु बहुत फुर्तीला है ध्रुव! तुने
मोल के रॉकेट झूज को भी
माल दे दी!

लेकिन दुबारा
ऐसा नहीं होगा!

तुम ठीक कह
रहे हो!

लेकिन इस बार का मोल
पर कोई असर नहीं हुआ—

इस टक्कर का
मुक्त पर असर नहीं
होगा ध्रुव.

क्योंकि इस बार
मैं तुमको ही तोड़
दूंगा!

क्योंकि मेरे
सूट पर गोलियाँ तक
नहीं आती हैं!

स्टील दस्तानों का
कसारा बार खाकर ध्रुव
नीचे आ गिरा-

अब मेरी 'दिल-गल' तेरा
काम तमाक कर देगी ध्रुव!

और साथ ही साथ तुझे
मारने का मेरा कांटेक्ट भी
पूरा हो जाएगा!

मुझे मारने का?

यानी इसे सिर्फ मुझे
मारने के लिए ही यहां पर
भेजा गया है...

... और मुझसे इतनी शक्ति नहीं बची है कि
मैं इसकी दिलों की बीछार से बच सकूँ क्योंकि
अभी-अभी उस परगढ़ी से हुई मुठभेड़ ने मुझे
काफी थका दिया है...

... लेकिन फिर भी
कोशिश करना मेरा
काम है, और बचाना
जानर वाले का!

ध्रुव, दिलों की बीछार से बचने के लिए एक तरफ लपका तो जरूर...

... लेकिन इसकी
जरूरत नहीं थी-

क्योंकि दिलों की बीछार, ध्रुव तक
पहुंच ही नहीं पाई-

ओह! बर्फ की दीवार!
सकासक मेरे और दिलों
के बीच में बर्फ कैसे आ
गई?

बुध गढ़ की झिल किरणों की
मदद से, वायुमंडल में मौजूद
लसी को जलाकर ध्रुव!

लास्ट्रेटमन! तुम यहाँ
पर क्या कर रहे हो?

ये बातें बाद में ही कर लेंगे, ध्रुव ! फिलहाल तो इस मुसीबत को रोकना ज्यादा जरूरी है।

'सर्प्रायड-बोल्ट' की चट्टानों के वार से।

नास्त्रेदमस मेरी मदद क्यों कर रहा है?

चट्टानों के वार ने 'मोल' को इतना ही उधमलकर पीछे फेंक दिया-

ओह! ये तो ध्रुव के साथ मिलकर मुझे पर हमला कर रहा है...

...यानी मोल को अपनी सबसे शक्तिशाली पॉवर का इस्तेमाल करना होगा ! दिल के जरिए जमीन में सुरंग बना सकने की पॉवर !

ये तो जमीन में घुस गया ध्रुव !

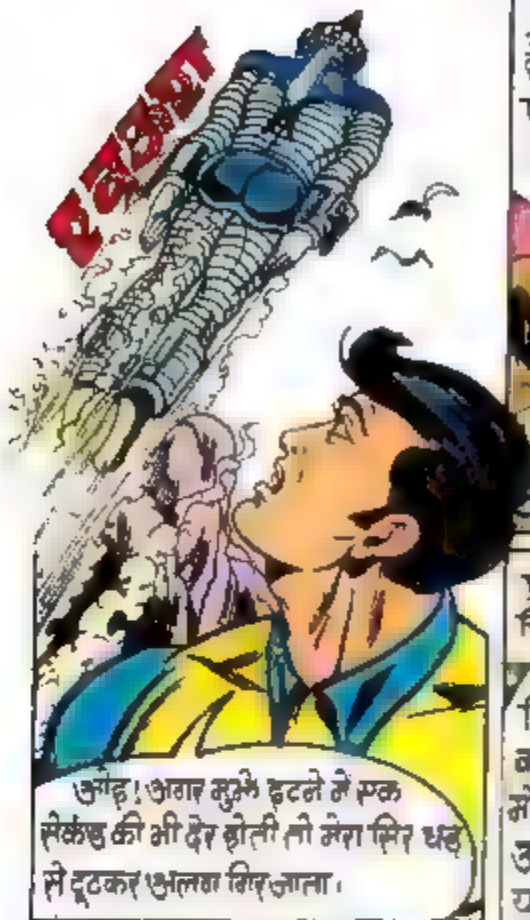
शायद ये भागला छाड़ता है, नास्त्रेदमस !

ध्रुव ! पैरों के नीचे...

...जमीन हिल रही है!

मोल !

ओफ ! बल-बाल बचा !



यह 'मोल' तो बहुत खतरनाक है। अगर यह इसी तरह जमीन में घुसता और निकलता रहा तो हमारे लिए दूटने में ज्यादा देर नहीं लगेगी।

क्योंकि हम उसके घुसने वाली जगह तो देख सकते हैं, पर निकलने वाली नहीं!

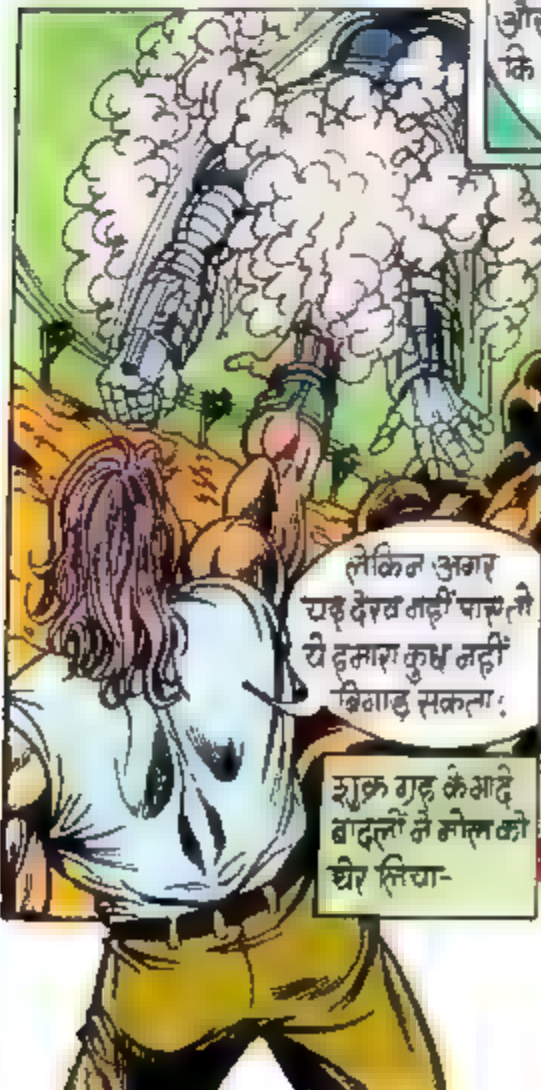
उसका भी इंतज़ाम कर लेते हैं ज़ास्त्रे दमस्त!



ध्रुव की स्पीडी के जवाब में एक चिड़िया तुरन्त नीचे उतर आई-

चिड़ियाएँ, जमीन के कंपन को बहुत अच्छी तरह से भांप लेती हैं। मोल के सुरंग बनाने से सुरंग के ऊपर की जमीन में जो कंपन होंगे यह चिड़िया उसी का पता लगा सकती। और उससे हमको पता चल जाएगा कि मोल जमीन के नीचे किस तरफ जा रहा है।

ध्रुव : मोल वापस आ रहा है



लेकिन अगर यह देख नहीं पाएंगे तो हमारा कुछ नहीं बिगाड़ सकता।

शुक्र गुरु के आदों बादलों ने मोल को घेर लिया-



और 'मोल' अपने निशाने से थोड़ी दूर पर, जमीन में जा घुसा-

वाह! तुम्हारे इस हमले ने मुझे मोल से निबटने का आइडिया दे दिया है!

पहलू पहलू



इसका 'स्टील-सूट' हर जगह से बन्द है। सिवाय आंखों के। और आंखों पर हमला करने के लिए मुझे जो चीज चाहिए वह इस पैदल टैंक में जरूर होगी

धुव टैंक की तरफ लपका-

कुछ सेकंडों बाद- जब धुव टैंक से बाहर कूदा तो उसके हाथ में अग्निशमक यंत्र था-★



मिल गया। अब देखते हैं कि मोल बाहर कहां से निकलता है।

★ आग बुकाने वाला यंत्र-

'मोल' द्वारा बनाई जा रही सुरंग के कंपनों की आंपली हुई चिड़िया स्कारस्क उड़ने लगी-



चिड़िया उड़ने लगी! चाली कंपन इसके पास आ रहे हैं। मोल यहीं कहीं से बाहर निकलेगा।

मोल के बाहर निकलते ही धुव उसके लिए तैयार था-

आंखों में जलन से बहाल मोल, बिना देखे हवा में उड़ा-

और उसी पल 'स्टार-लाइन' उसके पैर में आ फंसी-



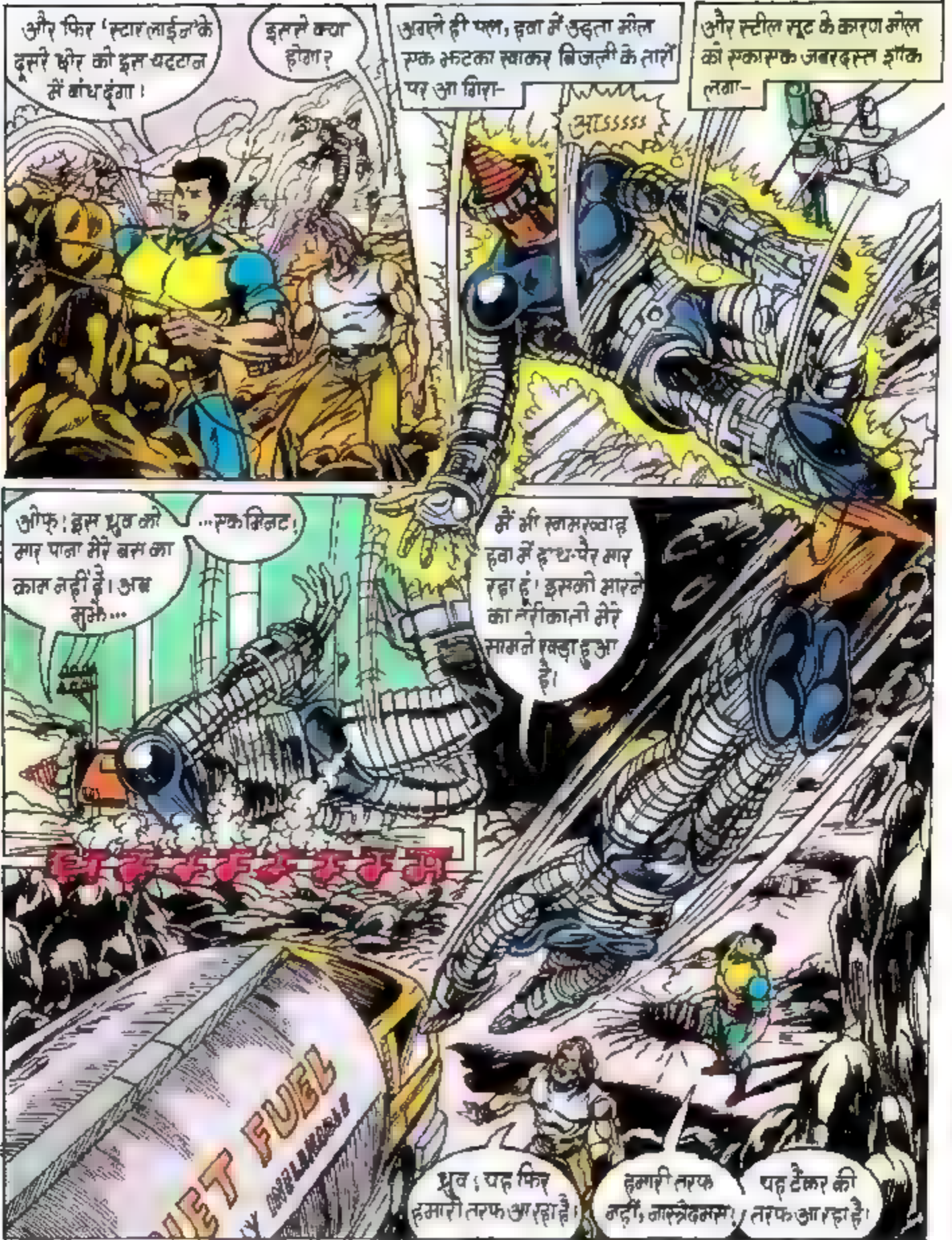
आह! मेरी आंखें!

किर

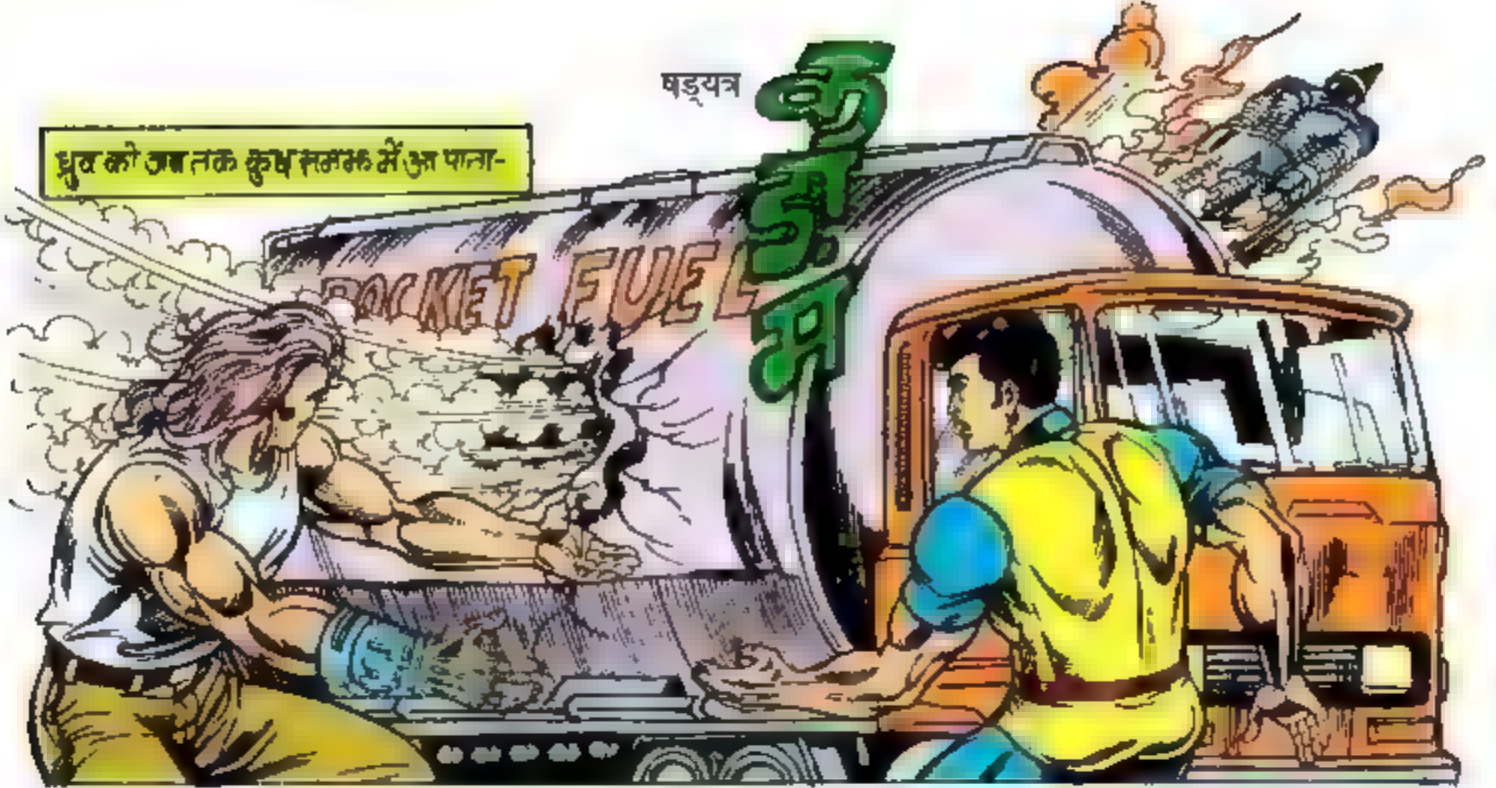
घबराओ मत मोल! यह आग बुकाने वाली फोन है!

यह तुम्हारी आंखों को फोड़ेगी नहीं, सिर्फ थोड़ी देर के लिए जलन पैदा कर देगी।

अब मैं इसको उस बिजली के तारी तक उड़ने दूंगा।



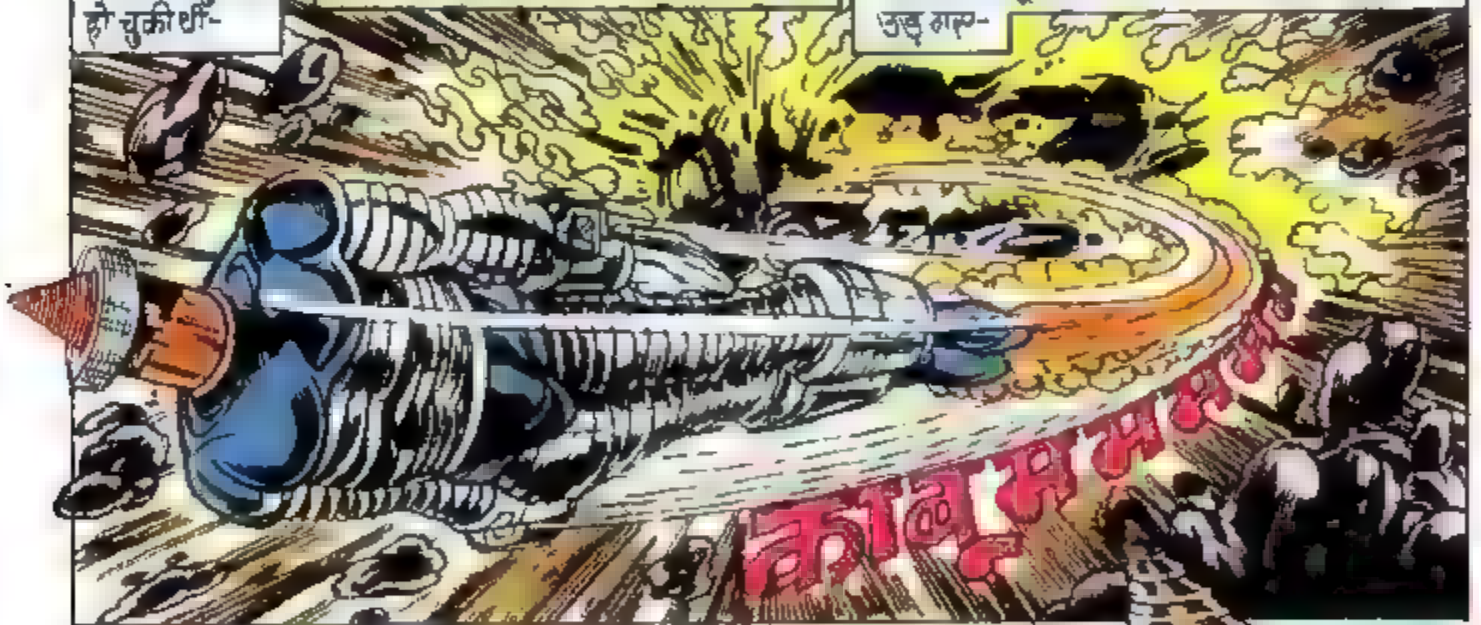
धुव को जब तक कुछ समझ में आ पाता-



तब तक बहुत देर हो चुकी थी-

एक भीषण धमाके के साथ टैंकर फट पड़ा-

बीसों मीटर दूर तक की चट्टानों और पेड़ वृक्षों में उड़ गया-



इस विस्फोट से किसी का भी बच पाना असंभव था-

हा हा हा ! खत्म हो गया धुव ! पूरा हो गया मेरा कॉन्टैक्ट , देर से ही सही अक्ल आई मुझे , लेकिन दुरुस्त आई ! हा हा हा हा !

हा हा... हा ? हाई !

अचानक मोल की हंसी पर ज़ेक लहरा गया-

क्योंकि आग के झुंझा होते ही सामने नजर आ रहे थे-

धुव और उसका दोस्त! तुम... तुम दोनों धमाके से बच कैसे गए?

हमारे बचने का रास्ता तो तुम खुद ही बनाकर गए थे मेल!... ये सुरंगों में...

... धमाका होते के रस्क सेकंड पहले ही हम दोनों इन सुरंगों में घुस गए थे।

तुमको मारना असंभव है, लड़के!...

... अब मैं तुमको मारने में अपना समय खराब नहीं करूंगा। अब मैं जाकर रॉकेट को ही नष्ट कर देता हूँ।

?

यह क्या कह रहा था? रॉकेट को नष्ट करेगा पर क्यों?

वह तो पता कर ही लेंगे। पहले तुम बताओ कि तुम नारका जेल से छूटकर आए हो या भागाकर?

भागाकर, क्योंकि मुझे सुपर गोवा से बदला लेना था। लेकिन बादर निकलकर अस्वचार पड़ा तो मेरा सफाई ही बचल गया। ★

तुम तो जानते ही हो कि मैं पेडोवर अपराधी नहीं हूँ। अपराधी तो मुझे डॉक्टर साहू की वजह से बनना पड़ा। और अभी जो मैंने तुम्हारी मदद की, वह भी साहू के कारण ही करी

★ सुपर गोवा के बारे में जानने के लिए पढ़ें - 'अधीन'।

साहू के कारण ?

हां, साहू तुम्हारी नजरों में शरीफ बनता है, लेकिन है महाबदमाश आदमी। इस मंत्रालय अखिलेश के पीछे उभर उसने कोई ऐसी योजना बनाई है, जिसमें उसका बहुत बड़ा फायदा है।

मेरे दावे के साथ कह सकता हूँ कि यह रॉकेट सबकी आंखों में धूल भरे देने के लिए है।

और यह मैं सिर्फ तुम्हारी सबद से ही साबित कर सकता हूँ।

तुम यह बात इतनी दावे के साथ कैसे कह सकते हो ?

क्योंकि राजनगर बंदरगाह पर आने वाले पुर्जों के बारे में मैंने ही तुमको फोन किया था भ्रुव !

तुमने ?

हां, मैं वापस नगरका जेल जाने की भी तैयार हूँ। लेकिन सिर्फ इस शर्त पर कि तुम साहू को बेतक़ार करने में मेरी मदद करो।

वैसे तो मैं तुम्हारी शर्त कभी न मानता। लेकिन अगर तुम्हारी बात सही है तो यह देश की बहुत बड़ी सेवा होगी लेकिन पहले मुझे साहू के खिलाफ पक्के सबूत चाहिए, तभी यह तय हो पाएगा कि तुम सही हो या साहू।

यह काम तो मैं चुटकियों में कर सकता हूँ।

सबूत देना मेरे जैसे अंतरिक्ष विज्ञानी के लिए मामूली है।

तुम सबूत जटाओ, तब तक मैं 'मोल' को बंधता हूँ।

'मोल' को बंधना बहुत मुश्किल काम साबित होने वाला है। क्योंकि मैं यह नहीं जानता कि वह रॉकेट को नष्ट कैसे करेगा ? समाने से तो वह रॉकेट पर हमला कर नहीं सकता। क्योंकि रॉकेट साइट 'पर विमानमर्द' तोपें तैनात हैं। फिर कैसे ?

एक मिनट!

कहीं वह परगढ़ी भी तो इस घड़घड़ में शामिल नहीं है ?

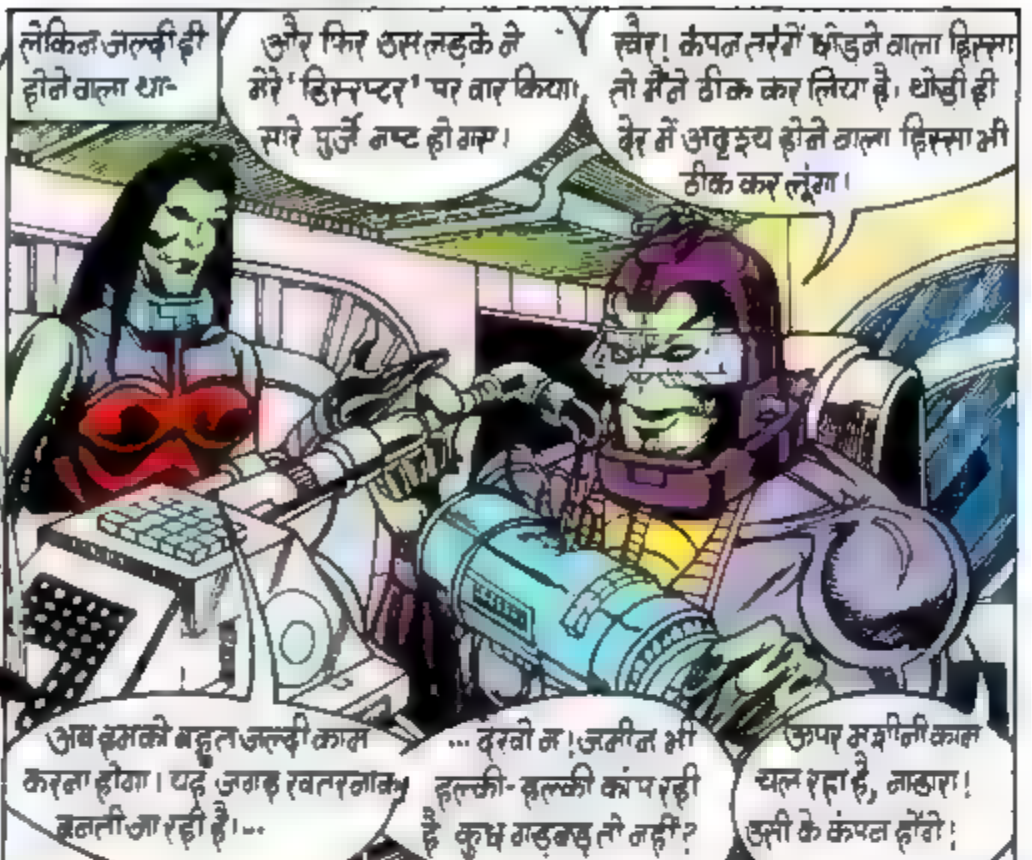
अगर सच्चा है तो मोल उससे जरूर मिलेगा। मुझे वही जाना चाहिए, जहां से वह परगढ़ी वही के कूदा था ...

☆!!



उसके छुपने की जगह का रास्ता जरूर उधर से ही जाना होगा...

टार फिल्टराल इस पद्धति में शामिल नहीं था-



लेकिन जल्दी ही होने वाला था-

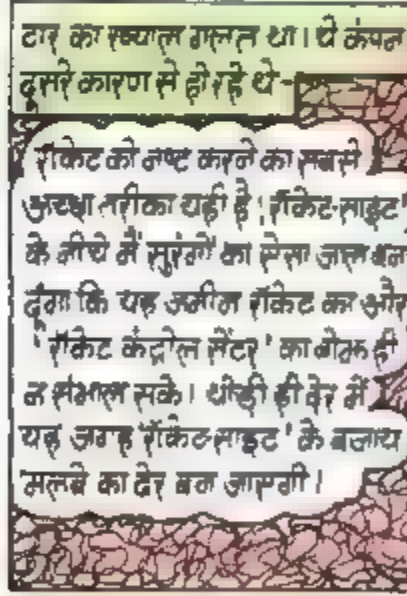
और फिर उस लड़के ने मेरे 'डिस्पेंसर' पर वार किया। सारे गुर्जे नष्ट हो गए।

खैर! कंपन तरंगों छोड़ने वाला हिस्सा तो मैंने ठीक कर लिया है। थोड़ी ही देर में अवश्य होने वाला हिस्सा भी ठीक कर लूंगा।

अब इसकी बहुत जल्दी काम करना होगा। यह जगह खतरनाक बनती जा रही है।...

... दूरबीन! जमीन भी हल्की-हल्की कंप रही है कुछ गड़बड़ तो नहीं?

ऊपर मशीनी काम चल रहा है, नाडारा! उसी के कंपन होंगे!



टार का खयाल गलत था। ये कंपन दूसरे कारण से हो रहे थे-

रोकेट को नष्ट करने का सबसे अच्छा तरीका यही है। 'रोकेट-साइट' के नीचे मैं सुरंगों का ऐसा जाल बना दूंगा कि यह जमीन रॉकेट का और 'रोकेट कंट्रोल सेंटर' का बोझ ही न संभाल सके। थोड़ी ही देर में यह जगह 'रोकेट-साइट' के बजाय 'मलबे' का ढेर बन जाएगी।

मौल यह नहीं जानता था कि वह सुरंग खोदते-खोदते उस जगह के काफी पास आ गया था...



... जहां पर वह अंतरिक्ष यान जमीन के नीचे दबा हुआ था-

आह्हह!

नाडारा!

आंखें बन्द होने के कारण न तो मोल यह दृश्य देख पाया, और न ही दिल के झोर में टार और नाहारा की आवाजें सुन पाया-

लेकिन मुसीबत
उसके पीछे लगा चुकी थी-

नाहारा! मेरी प्रिय! अब
मैं किसी को नहीं छोड़ूंगा।
सबसे पहले मैं इस दुष्ट को
दुबकर मारूंगा, जिसने तुम्हें
घायल किया। और फिर
कंपन तरंगों से इस पूरी
जगह को लुप्त कर
दूंगा।

ध्रुव भी मोल की तलाश में
पहाड़ी नदी के पास पहुंच चुका
था-

यहां पर तो ऐसा
कुछ भी नजर नहीं
आ रहा है, जो मोल
से संबंधित हो!

कहीं मैं
गलत तो नहीं...

तू यहां पर
फिर आ गया?

धड़क

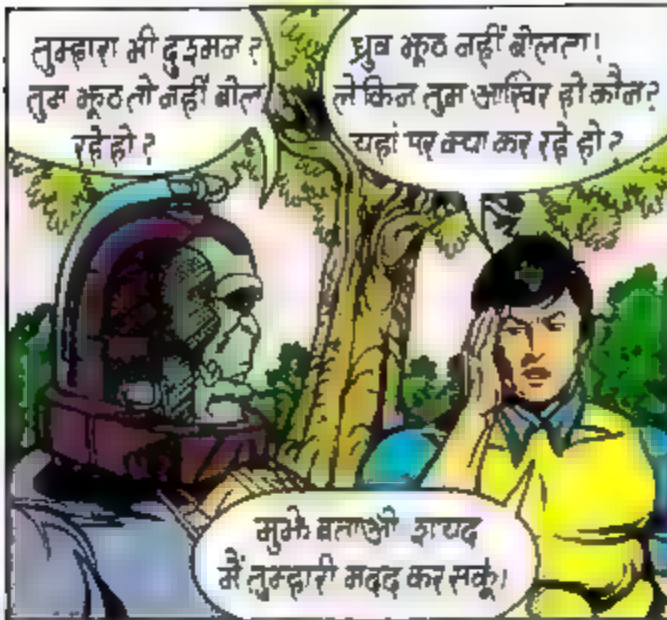
ताड़

आह! रुको, तुम
गलत समझें...

जल्द तू भी उसी 'मैटलमैन'
के साथ आया है, जो रुझकर
सुरंगें खोदता है।...

... बोल! कहां है
वह दुष्ट 'मैटलमैन' जो मेरी
स्वामी को घायल कर गया है?

मैं भी उसी की
तलाश में आया हूँ, वह मेरा
भी दुश्मन है!



तुम्हारा भी दुश्मन ?
तुम कूठ तो नहीं बोल
रहे हो ?

ध्रुव कूठ नहीं बोलता !
लेकिन तुम अक्सर हो कौन ?
यहां पर क्या कर रहे हो ?

मुझे बताओ शायद
मैं तुम्हारी मदद कर सकूँ।

उस गैस के संपर्क में आने
से हमारे कुछ विशेष पुर्जे
खराब हो गए, और इस वजह
से जो शॉर्ट-सर्किट हुआ, उससे
यान का पूरा इंजन खराब
हो गया...

हमारा यान एक उल्का की
तरह आकर यहां पर गिरा
और जमीन में धंस गया
लेकिन गढ़ देवता की कृपा
से हमारे यान के बाकी सिस्टम
काम कर रहे थे।



उनकी मदद से हमने मिटटी की अन्दर
स्वीचकर जमीन को वापस समतल कर दिया। तबसे
हम लगातार अपने गढ़ पर 'हार्डपर सिग्नल' भेजने
की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन यह ओजोन पर्त
हमारे सिग्नलों को अपने पार जाने नहीं दे रही है।



यह तो बताने की जरूरत
शायद नहीं है कि मैं इस गढ़ का
प्राणी नहीं हूँ। मैं इस आकाश
गंगा के दूसरे छोर से आया हूँ।
मेरा नाम टार है।

मैं एक खोजी हूँ एक
अन्वेषक, अन्तरिक्ष में गढ़ों
पर जीवन की खोज करता हूँ।
तुम्हारे गढ़ पृथ्वी के पास और
इसी तलाश में आया था।

लेकिन तुम्हारे गढ़ को अपने घेरे
में रखने वाली एक गैस, जिसे तुम लोग
'ओजोन' कहते हो, हमारी दुश्मन साबित हुई।

हमको यहां पर दो साल हो
चुके हैं इतने दिनों में हम
टी.वी. की मदद से तुम्हारी
अभा भी सीख चुके हैं।

फिर जब हमको पता चला कि
यहां पर रॉकेट बन रहा है तो
हमने इसी रॉकेट के द्वारा अपने
गढ़ तक जाने की सोची। मैं
रॉकेट के बारे में विस्तार से पता
करने के लिए ही, अवश्य
रूप में यहां तक आया था। अब
तुमने मुझे वैरवा!



यह पृथ्वीवासी बंसल
लौंच कैसे गिरा, इसका
मुझे कुछ पता नहीं।

ओह, लेकिन इस रॉकेट पर तुम
अपने गढ़ तक नहीं जा सकते, टार ! हम
अभी इतनी दूर तक जा सकने वाले रॉकेट
को नहीं बना सकते।

लेकिन अगर तुम्हारे यान में ईंधन है तो मैं तुम्हारे लिए एक नए यान का इंतजाम कर सकता हूँ।

वह बाद में देखेंगे। पहले मुझे उस 'मेटलमेल' का पता बताओ।

ठीक है! अब सिर्फ तुम ही नहीं, सारे पृथ्वीवासी उस 'मेल' को देखेंगे। ... क्योंकि अब मैं कंपन तरंगों से फैलाऊंगा तब ही...

मैंने बताया था कि 'मेल' नाम के उस आदमी को मैं भी देख रहा हूँ।

... और इस तबही की शुरुआत होगी वही जगह से...

... अब यह तबही सिर्फ तभी रुकेगी, जब 'मेल' मेरे सामने आ जाएगा।

नहीं टार! रुक रुक कर!

ध्रुव की टार की 'कंपन तरंगों' की क्षीयता का सहसा पड़ती बार हुआ। पूरी जमीन कंप उठी-

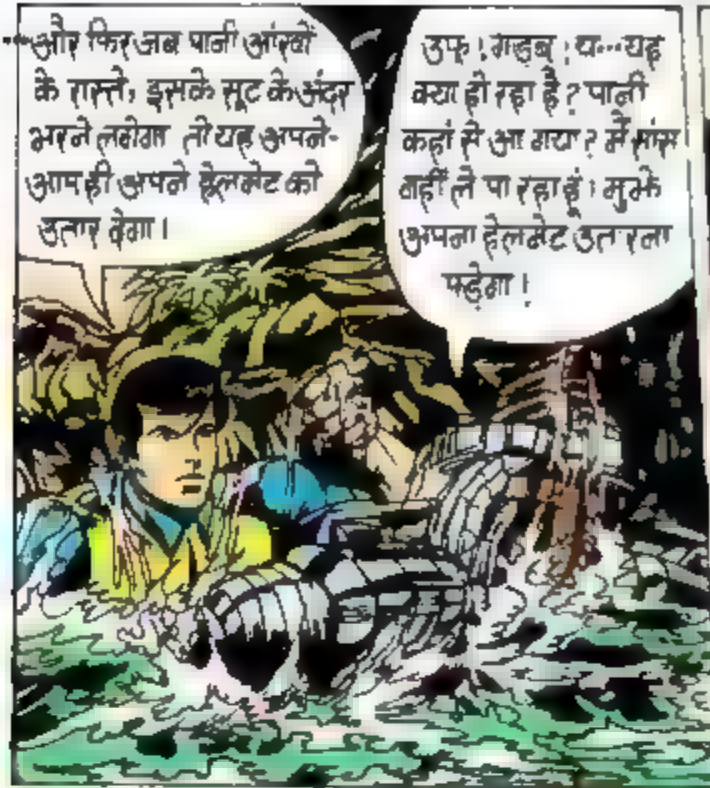
पेड़ उस से उखड़ने लगे। चट्टानें लुढ़कने लगीं और जमीन में दरारें पड़ती शुरू हो गईं-

जमीन की ऊपरी पर्त के गिरते ही ध्रुव की आंखें स्फुरक स्फुरक उठीं-

नीचे सुरंग बनाता हुआ मेल साफ नजर आ रहा था-

रुक जाओ टार! वहाँ रहा मेल!





और फिर जब पानी आँखों के रास्ते, इसके सूट के अंदर भरने लगेगा तो यह अपने-आप ही अपने हेलमेट को उतार देगा।

उफ! गड़बड़! य...यह क्या हो रहा है? पानी कहाँ से आ गया? मैं साँस वहीं ले पा रहा हूँ। मुझे अपना हेलमेट उतरना पड़ेगा!

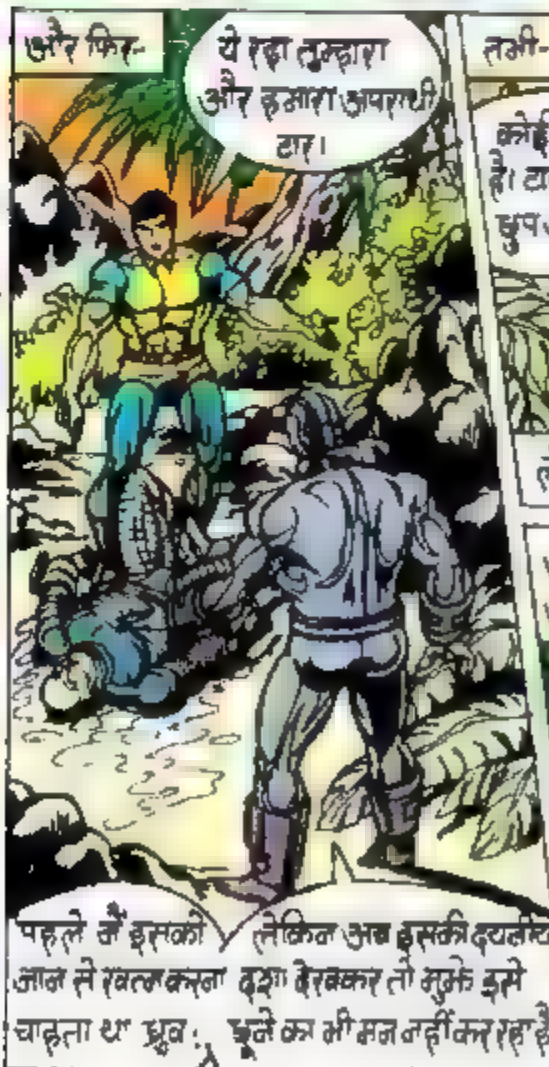


हेलमेट के उतरते ही, ध्रुव ने एक जोरदार धार किया-

उसे दूसरा बार करने की जरूरत नहीं पड़ी-

तड़क **आह!**

क्योंकि एक ही बार से मोल अपने होवा खो बैठा था-



और फिर-

ये रहा तुम्हारा और हमारा अपराधी टार।

तभी-

कोई आ रहा है। टार, तुम घुप जाओ!

लेकिन टार के कुछ कर पाने से पहले ही-



आने वाला सामने आ चुका था-

नास्त्रेदमस! तुम यहाँ?



पहले मैं इसकी जान से रक्ताकरना दूँगा, फिर तुम्हें इसे चाहता था ध्रुव! ध्रुव ने का भी मन नहीं कर रहा है।

मैं तो सिक्योरिटी वाली से बचने के लिए जंगल की तरफ आ गया था...

...लेकिन तुम्हारे साथ ये कौन है?

ध्रुव ने नास्रोबमस की संक्षिप्त रूप में टार के बारे में बता दिया-

अब तुम मुझे बताओ कि तुम ने सुबूत ला पाया या नहीं, जो डॉक्टर साहा को अपराधी सिद्ध कर सकें ?

ये देखो! रॉकेट के डिजाइनों की ज़रूरत कीपी। इसको मैं साहा के पर्सनल कैबिनेट से उड़ा कर लाया हूँ।

इस पर जहाँ जहाँ पर गोलें लगे हैं, ये वो स्थान हैं, जहाँ पर कुछ खान पुर्जे को होना चाहिए था पर वो पुर्जे रॉकेट में नहीं हैं।

लाया है न!
अभी दिखता है

अगर तुमको इस पर भी विश्वास न हो तो मैं साहा के पर्सनल कंप्यूटर में से रॉकेट के अंदरूनी भाग की 3-D डिजाइनों की कॉपी भी बना लाया हूँ। इसको देखकर तुमको सब कुछ साफ पता लग जाएगा।

ये सही कह रहा है, ध्रुव! अदृश्य रूप में रॉकेट सेंटर जगह से पकड़ने में ने भी रॉकेट को रोक लिया था। हालांकि रॉकेट अभी पूरा नहीं बना है, फिर भी जो हिस्से पूरे बन चुके हैं, उनमें कई महत्वपूर्ण पुर्जे नहीं लगे हैं।

... मैं समझा कि शायद तुम्हारे यहाँ की रॉकेट तकनीक कुछ और ही होती होगी।

अगर मैं तुम दोनों की बात पर यकीन कर लूँ तो भी साहा की रंगे हाथों पकड़ने का सक्ती है।

ये रॉकेट मंगल ग्रह तो क्या, पृथ्वी के पार के अंतरिक्ष तक भी बड़ी बुद्धिमत्ता से जा पाएगा।

मैंने इस बात पर ध्यान इसलिये नहीं दिया, क्योंकि मैं तुम्हारे ग्रह के विज्ञान के बारे में ज्यादा नहीं जानता...

और वह यह है...

... कि मैं इस रॉकेट में बैठकर उड़ान भरूँ।

यह तुम क्या कह रहे हो ध्रुव ? इसमें तुम्हारी जान को खतरा है। यह रॉकेट पृथ्वी पर वापस सिरके नष्ट भी हो सकता है।

और अगर मैं ऐसा नहीं करूंगा तो साहा साफ बच निकलेगा। पूछे जाने पर वह पुर्जे या तो रॉकेट में लगा देगा और या फिर इस दोष को किसी और के माथे पर डाल देगा।

तो फिर तुम सीधा ऊपर जाओगे। संवत्स ग्राह से भी बहुत आगे।

सीधे या तो स्वर्ग में या नर्क में।

मेरे पास एक योजना है।... लेकिन उसमें मुझे टार की मदद चाहिए।



नहीं, नास्त्रेवमस! अगर मुझे साहा को रंगे हाथों पकड़ना है...

... तो मुझे इस रॉकेट में उड़ान भरनी ही होगी।



तुमने मोल को पकड़कर मुझ पर अहसान, युक्ताने का मौका मिलने किया है ध्रुव !...

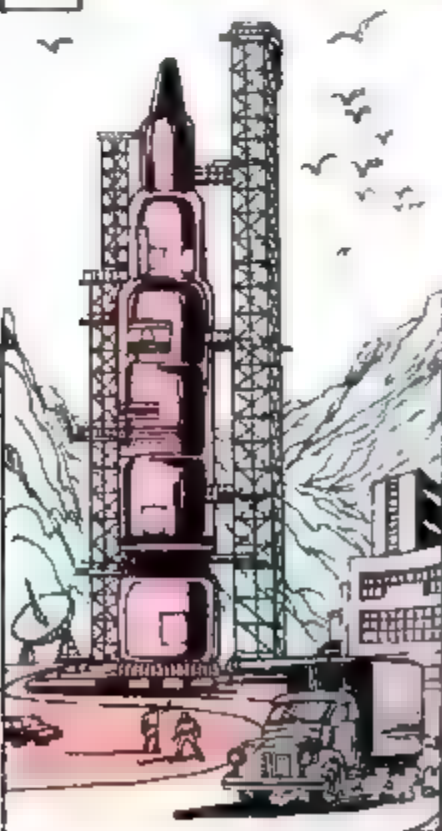
... इस अहसान को पर मुझे खुशी ही होगी।

और आखिरकार- वह दिन भी आ गया, जब रॉकेट उड़ान के लिए तैयार था-

रॉकेट के अंदर- ध्रुव भी उड़ान के लिए तैयार था-

ऊटी झिल्ली वाली काउंट-डाउन शुरू हो चुका है, ध्रुव, रॉकेट उड़ने में सिर्फ बीस मिनट बचे हैं

रॉकेट उड़ने के एक मिनट पहले इंजन स्टार्ट हो-उपेंगे, फिर ध्रुव के कारण तुमको कुछ दिरवाई नहीं देगा। इसीलिए अपनी मातृभूमि की आखिरी बार ध्यान से देख लो। मेरा मतलब, जब तक तुम वापस न आओ, तब तक के लिए।



और हां! तुमको कंट्रोल पैलट धुने की कोई जरूरत नहीं है। रॉकेट ऑटोमैटिक पायलट पर सेट है।

अब मैं नीचे जाकर 'कंट्रोल सेंटर' से तुम्हारी इस ऐतिहासिक यात्रा की देखरेख

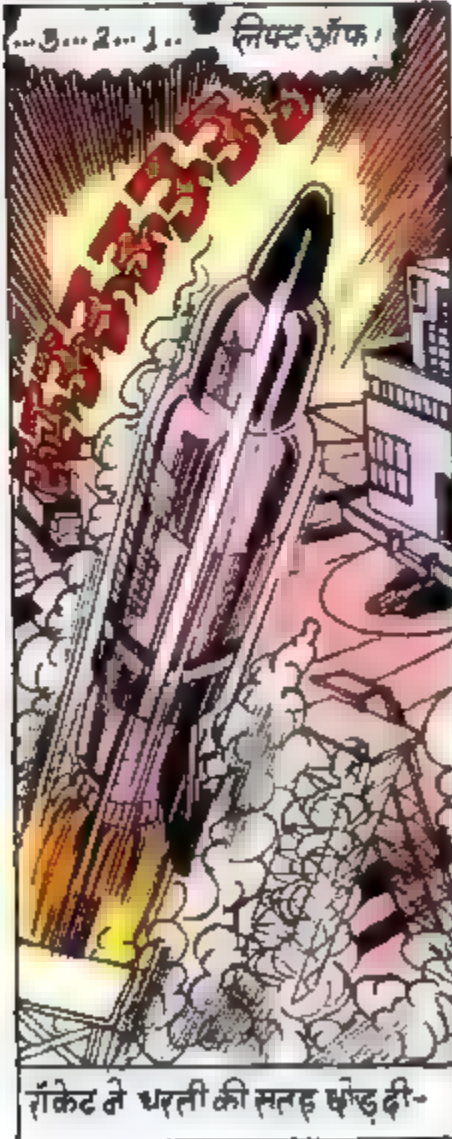
गुड लैंक, ध्रुव। ऐम्ब्यू, डैक्टर लार्ड, ऐम्ब्यू।

काउंट डाउन जारी था-



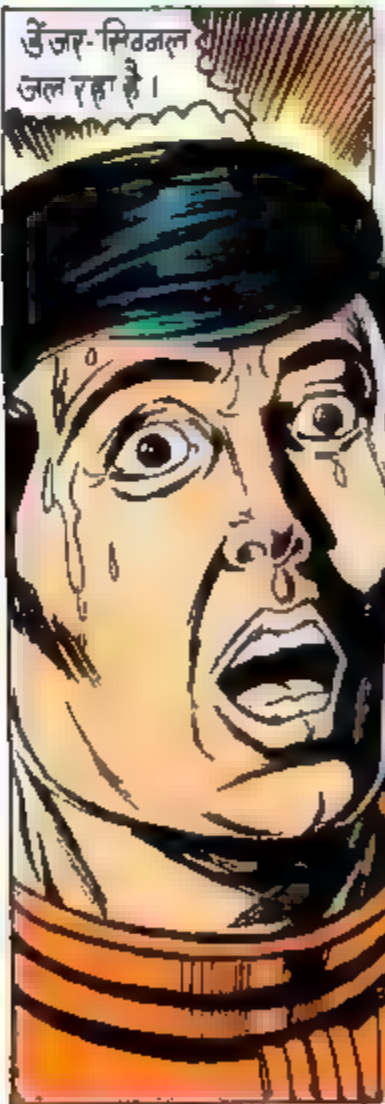
... यानी स्क मिनिट!
आग इंजिन स्टार्ट!

रॉकेट के इंजन स्टार्ट हो गए! धुस के बादलों
में यान की घेरना शुरू कर दिया-

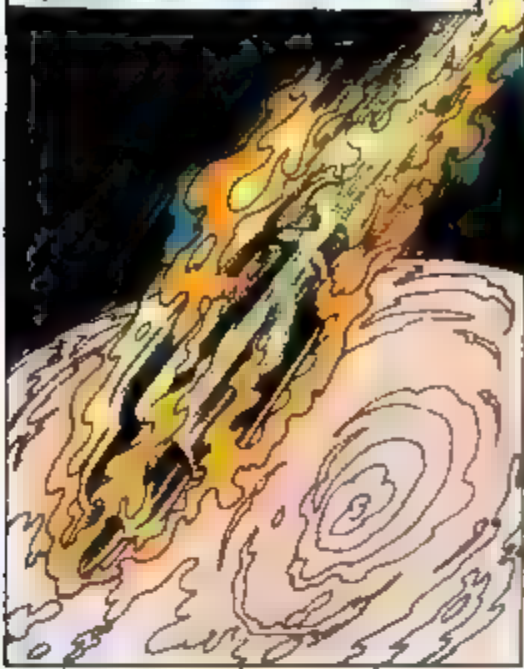


रॉकेट ने धरती की सतह छोड़ दी-

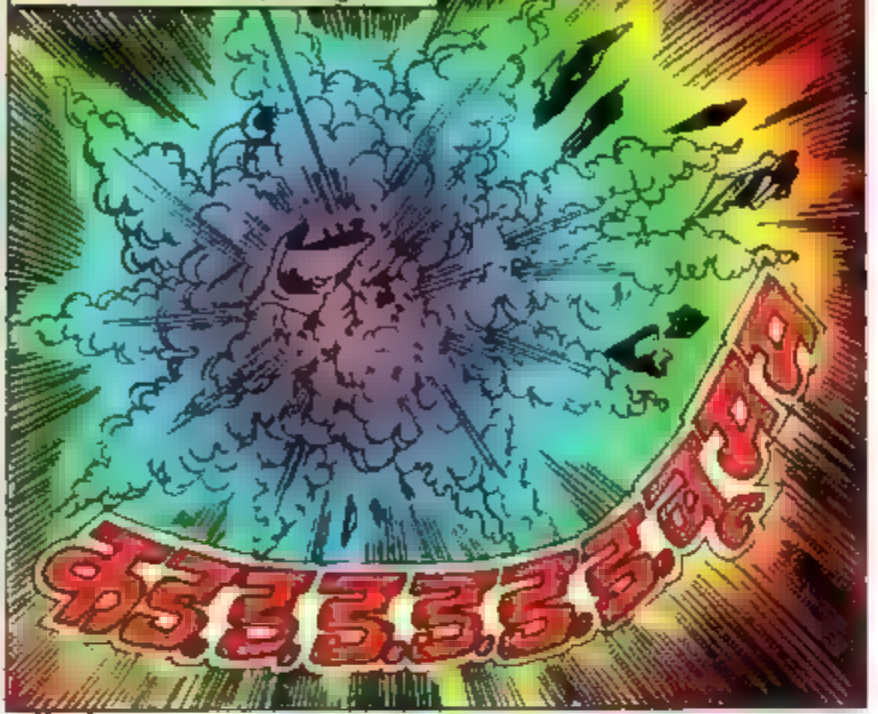




पृथ्वी की सतह तक पहुँच पाते से बहुत पहले ही रॉकेट में लगी आग के कारण-



रॉकेट बस की तरह फट चुका था-



कंदील-सेट में कुछ फलों तक मौत का सा सज्जाटा धाया रहा-

और फिर डॉक्टर साहब की
कड़कनी आवाज गूंजी-

रॉकेट गिर गया। मेरा
प्रोजेक्ट असफल हो गया।
नहीं। यह नहीं हो सकता।
जबकि मेरे रॉकेट के साथ किसी
ने धड़ेलाना नहीं करी है। मैं एक
हार्ड पॉवर कमीशनर बिलकुल
सुनकर बाथरी करूँगा।



ओह, ध्रुव ! मैंने तुमको
मौत के मुँह में भेज दिया,
यह क्या किया मैंने ।

धरती ने आज
अपना एक लाल
स्त्री दिया।

सुबक



दूरदर्शन पर सॉकेट की कुझान का सीधा प्रसारण देकर रहे दर्शक भी अपने को संभल नहीं सके-

ओह! मेरा बेटा भुव!
क्या तैरा मेरा साथ
बनने ही दिन कब था?



मकली, भइया
रुस रॉकेट से क्यों गया?
क्यों गया? बोलो न!

राजनगर पूरी तरह से शोक में डूब गया-



लेकिन राजनगर के कई हिस्सों में ठहाके भी गूंज रहे थे-



रोकेट में लगाने वाले आधे से भी ज्यादा पुर्जों के पैसे बचाकर हम अरबपति बन गए हैं। और सबसे अच्छी बात तो यह है कि हमारे खिलाफ सारे सबूत लपट हो चुके हैं।



और अब कभी खुलवा भी नहीं पाएगा। क्योंकि उसकी खुद की जुबान ही हमें इसके लिए बंद हो चुकी है।



लेकिन मेरे मरने से तुम्हारी जुबान काफी तेजी से चल रही है।

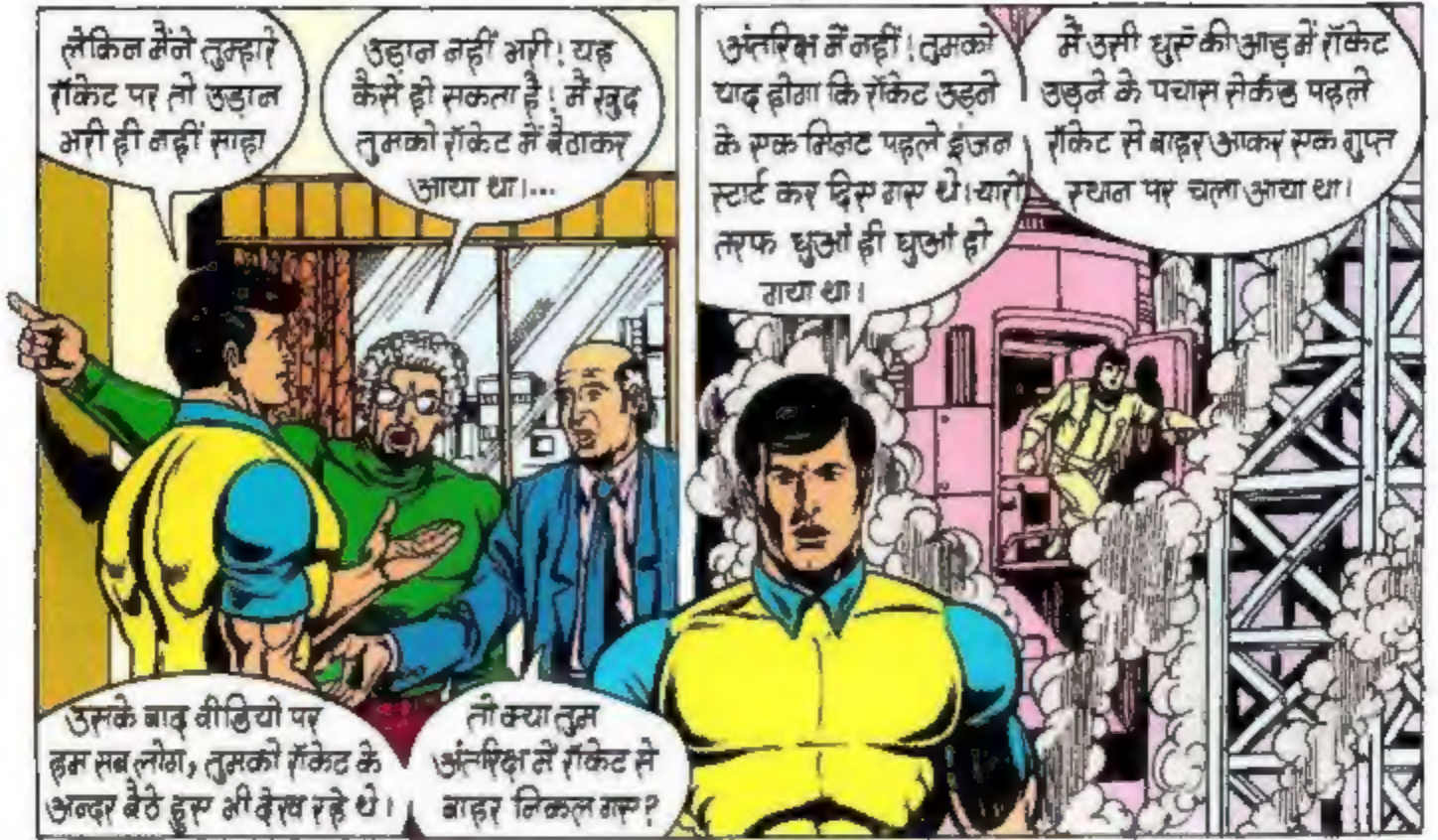
धुव! धुव! तुम... तुम तो मर चुके हो। यह तुम नहीं हो सकते!



जब धुव ने मोल को पकड़ लिया था, तो मैं थोड़ा सा डर गया था। लेकिन धुव मोल की जुबान खुलवा नहीं पाया...

अगर मैंने तुम्हारे रॉकेट पर उड़ान भरी होती, तो मैं जरूर मर चुका होता।









मेरा काम पूरा हो
गया, ध्रुव! अब मैं
अपने-आप वापस नासका
जेल चला जाऊंगा।

मैं तुम्हारा कैसे फिर से
खुलवाकर तुम्हारी सजा
को माफ कराने की कोशिश
करूंगा नास्त्रेदमस!



और फिर
बाद में-

राजनगर के एक
सुनसान स्ट पर-

यहां से थोड़ी दूर पर समुद्र के
अन्दर एक अंतरिक्ष यान डूबा
हुआ है टार! उसमें कुछ समय
पहले क्यूसरी नाम की एक
वैज्ञानिक दूसरे गढ़ से आई
थी।★

बाद में, उसके गढ़ वाले घुटकी पर
आकर उसकी दूसरे यान में वापस ले गए।

उस यान में कोई खराबी नहीं
है। सिर्फ ईंधन की कमी के कारण
वह यान यहां पर आ गिरा था।



वह यान हमारे ईंधन से शायद
चल जाए, ध्रुव! हमकी वहां
तक ले चलती!

थोड़ी ही देर बाद टार और
नाहारा, क्यूसरी के अंतरिक्ष
यान में प्रवेष्टा कर रहे थे-



और फिर-

वाह! टार के यान का ईंधन
काम कर गया। कौन जानता था
कि ये दूसरे गढ़ वाले एक पड़ोस
की विफल करने में मेरी मदद
करेंगे, और फिर मैं इतकी, इतकी
गढ़ तक जानों में मदद करूंगा।

अलविदा, टार
और नाहारा!



★ पढ़ें: 'नीत के चेहरे'